



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० ३६] नई दिल्ली, शनिवार, शितम्बर ७, १९८५ (भाद्रपद १६, १९०७)

No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 7, 1985 (BHADRA 16, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संलग्न के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be used as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड १

#### [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और वडालेजापरीभक्त, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक २५ जुलाई १९८५

सं० ए० ३५०१४/१/८४-प्रशा० II(1)—सचिव,  
संघ लोक सेवा आयोग एवंद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के  
सं० से० संवर्ग के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को  
के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अवधा आगामी  
तक, जो भी पहले हो, आयोग के कार्यालय में लेखा  
कु के पद पर स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति के आधार  
पर कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं:—

क्र सं०	नाम एवं पदनाम	कब से	कब तक
१.	श्री बी० सी० काजला (अ० जा०)	१८-७-१९८५	११-१-१९८६
२.	श्री हरकीरत सिंह	१८-७-१९८५	७-१०-१९८७
३.	श्री करण सिंह (अ० जा०)	१८-७-१९८५	३१-१-१९८८
४.	श्री मुकुर्शंत कुमार	१८-७-१९८५	५-१-१९८६

/७५ दिनांक ७-११-१९७५ में सञ्चित अनुदेशों की गतों  
पर विनियमित होगा।

दिनांक ३० जुलाई १९८५

सं० ए० ३२०१३/४/८३-प्रशा० I—श्री क० आर०  
पी० नाथर, जो आयोग के कार्यालय में संयुक्त निवेशक  
(प० सु०) के पद से नियन्त्रित की आयु प्राप्त होने पर ३१  
मई, १९८५ को सेवा निवृत्त हुए थे वे १५००-६०-१८००  
रु० के बेतनमान में १३-४-८५ से विशेष कार्य अधिकारी  
(भाषा) के पद और १४-४-८५ से ३१-८-८५ तक संयुक्त  
निवेशक (प० सु०) के पद पर अनिवार्य रूप से नियुक्त  
किये गये हैं।

एम० पी० जैन  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

#### गृह मंत्रालय

महानिवेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त १९८५

सं० श्रो० दी १३७/६९-स्था० —श्री एस० श्री०  
नरायण राव, पूलिस डॉमहानिरीक्षण के० रि० पुल बल

पटना रेंज ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप दिनांक 31-7-1985 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ओ० दो० 215/69-स्था०—श्री गजेन्द्र सिंह सैकिण्ड इन कमान्ड 9 वीं बटालियन के० रि० पु० बल ने सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप दिनांक 31-7-85 अपराह्न से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

दिनांक 14 अगस्त 1985

सं० ओ० दो० 1761/82 एस्टेब (सी आर डी एफ०)—महानिदेशक के० रि० पु० बल ने डाक्टर (श्रीमती) पी० प्रधान को दिनांक 29-7-85 पूर्वाह्न से के० रि० पु० बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

ए० आर० महीपति  
सहा० निदेशक (स्थाप०)

पुलिस अनुसन्धान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1985

सं० 18/11/85-प्रशा० II—आनन्द प्रदेश के पुलिस निरीक्षक श्री जे० स्वामी राव को 14-6-1985 (पूर्वाह्न) से प्रथम दृष्टांत में एक वर्ष के लिये केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर उप पुलिस अधीक्षक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 19 अगस्त 1985

सं० 18/9/85 प्रशा० II—केन्द्रीय अंगुली छाप ब्यूरो कलकत्ता के निरीक्षक श्री बी० बी० पुष्करन को दिनांक 19 जून, 1985 (अपराह्न) से प्रथम दृष्टांत में एक वर्ष के लिये केन्द्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण स्कूल हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर उप पुलिस अधीक्षक (प्रशिक्षक) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एस० के० मलिक  
महानिदेशक

महानिदेशालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 12 अगस्त 1985

सं० ई-320/15(3)/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री जे० आर० गुप्ता को प्रोन्नति पर, 30 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से 27-8-85 तक या इस अवधि में नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ आधार पर और अस्थाई रूप से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एस० पी० टी० मद्रास में उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/45/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री अनिल मसिक को, प्रोन्नति पर 29 जुलाई, 1985 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, ओ० टी० पी० ओबरा में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/50/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री एस० एस० पन्धीर को, प्रोन्नति पर, 24 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० टी० पी० एस० बदरपुर में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 अगस्त 1985

सं० ई-32015(3)/10/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री बी० मुरलीधरन को, प्रोन्नति पर, 15 जुलाई, 1985 से 27-8-85 तक की अवधि के लिये या ऐसे समय तक नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ आधार पर तथा अस्थाई रूप से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एस० पी० टी० फरवरी में उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अगस्त 1985

सं० ई-32015(3)/9/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री एम० एल० अबरोल को प्रोन्नति पर 22 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से 27-8-1985 तक की अवधि के लिये या ऐसे समय में नियमित नियुक्तियां किये जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तदर्थ आधार पर और अस्थाई रूप से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एस० पी० टी० मद्रास में उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/44/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री बी० के० इस्सर को प्रोन्नति पर 7 अगस्त, 1985 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल० अरिया में सहायक कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई-32015(4)/53/85-कार्मिक-I—राष्ट्रपति, श्री बी० एस० यादव को प्रोन्नति पर दिनांक 2 अगस्त, 1985 के पूर्वाह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट, एन० ए० पी० पी० नरोरा में सहायक कमांडेंट के पद में नियुक्त करते हैं।

ह० अपठनीय  
महानिदेशक  
के० ओ० सु० ब०

भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 अगस्त 1985

सं० 11/1/85-प्रशा० I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को जो उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर पूर्णतया अस्थाई और तदर्थ आधार पर महायक निदेशक (आंकड़े संसाधन)/(आंकड़े प्रविष्टि) के पद पर कार्य कर रहे हैं, तारीख 9 अप्रैल, 1985 से अन्वेषक के ग्रेड में प्रत्यावर्तित करते हैं।

राष्ट्रपति, इन अधिकारियों द्वारा उक्ती नारीय अर्थात्, ९-४-८५ से २८-२-८५ तक या जब तक पद नियमित प्राधार पर भरे जायें, जो भी पहले हो, ७००-४०-९००-८०२००-४०-१००-५०-१३०० रुपये के वेतनमान में पदोन्नति द्वारा पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) (समूह-क राजपत्रित) के द्वेष में आवे सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क्र. सं०	अधिकारी का नाम	कार्यालय जहां कार्यरत/ तैनात है	1	3	3
1.	सर्वे श्री ओ० दी० अहूजा	भारत के रजिस्टर का कार्यालय, नई दिल्ली	—वही—		
2.	दी० एन० बंडेजा	—वही—			
3.	एस० आर० गर्ग	—वही—			
4.	के० दी० रोहतगी	—वही—			
5.	एन० एच० भट्टाचार्य	—वही—			
6.	एस० एस० निकेत	—वही—			
7.	आर० एस० लाल	—वही—			
8.	ज्ञान प्रकाश	—वही—			
9.	गणेश दास	—वही—			
10.	सुभाष गर्ग	—वही—			
11.	के० के० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय	श्रान्ध प्रदेश, हैदराबाद		
12.	खाजा मोईदुद्दीन	—वही— —वही—	श्रान्ध प्रदेश, हैदराबाद,		
13.	जी० सी० मिश्र	—वही—	बिहार, पटना		
14.	एस० नेहान हुस्सन	—वही—	—वही—		
15.	एस० के० मिश्रा	—वही—	—वही—		
16.	बी० एम० फटेल	—वही—	गुजरात, अहमदाबाद		
17.	जी० एम० गोडां	—वही—	कर्नाटक, दंगलौर		
18.	एस० आर० राधेन्द्र- राव	—वही—	—वही—		
19.	एम० पीताम्बरम	—वही—	केरल, क्षिवेन्द्रम		
20.	द० जी० ऊक	—वही—	मध्य प्रदेश, भोपा		

1	2	3
---	---	---

## सर्वश्री

21. बी० एस० जोशी जनगणना कार्य उत्तर प्रदेश  
निदेशक का कार्यालय लखनऊ

## 22. आर० एन० पीगुर

लेकर	—वही—	महाराष्ट्र, बम्बई
23. के० के० अकोलकर	—वही—	—वही—
24. पी० के० रोत	—वही—	उड़ीसा, भुवनेश्वर
25. जी० डी० अश्वान	—वही—	राजस्थान, जयपुर
26. एन० के० पुरोहित	—वही—	वही—
27. जे० टी० मवाडे	—वही—	तमिलनाडू, मद्रास
28. आर० नारायण	—वही—	—वही—
29. एम० एम० ए० बेगा	—वही—	उत्तर प्रदेश, लखनऊ
30. जे० पी० वर्माल	—वही—	—वही—
31. आर० एम० सिंह	—वही—	—वही—
32. के० सी० उपाध्याय	—वही—	—वही—
33. एस० सी० रस्तोगी	—वही—	—वही—
34. के० के० महरोडा	—वही—	—वही—
35. राम सहाय	—वही—	—वही—
36. श्रीमती एपाली चबूतरी	—वही—	पश्चिम बंगाल, कलकत्ता
37. श्री जे० एन० सूरी	—वही—	मध्य राज्य क्षेत्र, चण्डीगढ़
38. के० बी० लखनपाल	—वही—	—वही—

उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियां संबंधित अधिकारियों को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये बोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ आधार पर उनकी सेवायें उस द्वेष में वर्गिता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों को सक्रम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बोई कारण बताये रद्द किया जा सकता है।

सं 11/1/85 प्रश्ना०—I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी/अधिकारियों (सामाजिक अव्ययन) को, जो नीचे कालम में उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में कार्यरत हैं, पदोन्नति द्वारा पूर्णतया अस्थाई और तदर्थ आधार पर 700-40-900-८० ८०-४०-११००-५०-१३०० रु० के वेतनमान में उनके नामों के सामने नीचे कालम ३ में दर्शित तारीख से २८-२-८६ तक अधिकारी जब तक पद नियमित आधार पर करे जाएं, जो भी पत्ते हो, सहायक विवेक, जनगणना कार्य (तकनीकी) (समूह "क" राजपत्रित) के पद पर सहर्ष नियुक्त धरते हैं और उन्हें नीचे कालम ५ में उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में हैनात करते हैं:—

क्र० सं० अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख	जिस कार्यालय में कार्यरत है	जिस कार्यालय में पदोन्नति पर हैनात किया जाता है।	
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1. अनंसार अहमद	14-५-८५ (पूर्वाह्न)	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, तमिन्नाडु मध्यास।	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार, पटना।	
2. दी० के० वर्मा	14-५-८५ (पूर्वाह्न)	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार, पटना।	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, महाराष्ट्र, बम्बई।	
3. आर० के० सक्हेना	27-६-८५ (पूर्वाह्न)	भारत के महाराजस्थान का कार्यालय, नई दिल्ली	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।	
4. रमेश कुदेर राम	30-५-८५ (पूर्वाह्न)	भारत के महाराजस्थान का कार्यालय, नई दिल्ली	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।	
5. ए० मेधी	उ०-६-८५ (पूर्वाह्न)	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, अरुणाचल प्रदेश, शिलांग।	भारत के महाराजस्थान का कार्यालय, नई दिल्ली।	
6. धी० दी० पट्टा	18-७-८५ (पूर्वाह्न)	भारत के महाराजस्थान का कार्यालय, नई दिल्ली	—वही—	
7. दुध सिंह	18-७-८५ (पूर्वाह्न)	—वही—	—वही—	
8. आर० धी० तौला	18-७-८५ (पूर्वाह्न)	—वही—	—वही—	
9. श्रीमती रेणु सहरवाल	18-७-८५ (पूर्वाह्न)	—वही—	—वही—	

उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों सम्बन्धित अधिकारियों को सहाय निदेशक जनगणना कार्य (एकनीकी के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थ आधार पर उनकी सेवाएं उस ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर प्रदानी के लिये नहीं गिनी जायेगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों को सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय बिना कोई कारण बताये रह किया जा सकता है।

सं 11/1/85—प्रश्ना० 1—I—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को, जो उन के नामों के समक्ष दर्शित कार्यालयों में प्रतिनियुक्त और सदर्य आधार पर सहायक निदेशक (आंकड़े संताधन) के पद पर कार्यरत हैं, उन्हीं के नामों के समक्ष दर्शित कार्यालयों में लारीख ९ अप्रैल, १९८५ से उनके मूल संवर्ग के पद पर सहाय निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष प्रत्यावर्तित करते हैं:—

क्र० सं० अधिकारी का नाम कार्यालय जहां कार्यरत है/  
हैनात किये जाते हैं

1	2	3
सर्वश्री		
1. आर० सी० कथूरिया	भारत के महाराजस्थान का कार्यालय, नई दिल्ली।	

1	2	3
2. एस० एस० कथरा	—वही—	
3. एल० सी० शर्मा	—वही—	
4. बो० मत्यनारायण	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आनंद प्रदेश, हैदराबाद।	
5. य० एस० चतुर्वेदी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, विहार, पटना।	
6. आर० धार्मि० रेवाणीट्टी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, कर्नाटक, बंगलोर।	
7. एस० जयशंकर	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, केरल, विवेन्द्रम।	

1	2	3
		सर्वश्री
४. हरी किशन	जनगणना निदेशक का कार्यालय राजस्थान, जयपुर।	
९. श्री० सी० भागवंथ	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, राजस्थान, जयपुर।	
१०. ए० बी० बल्लीनाथन	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, तमிலनாடு, मद्रास।	
११. हरभजन तिह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।	
१२. एम० सी० पड़लिया	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।	
१३. डी० पी० चटर्जी	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बंगाल, कলकत्ता।	
१४. एन० सी० सरकार	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता।	

सं० ११/१/८५-प्रश्ना० १—राष्ट्रपति, भारत के महान्नियतार का वैयक्तिक, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर, पूर्णतया अस्थाई और तदर्थे आधार पर अनुसन्धान अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पदों पर कार्यरत श्री सी० चक्रवर्ती और श्रीमती सुमन पराशर को तारीख १७ जूलाई, १९८५ से अन्वयक (सामाजिक अध्ययन) के ग्रेड में प्रन्यावर्तित करते हैं।

राष्ट्रपति, उपरोक्त अधिकारियों को उसी कार्यालय में तारीख १७-७-१९८५ से २८-२-१९८६ तक अधिकारी जब उक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी पहले हो, ७००-४०-९००-८० रो०-४०-११००-५०-१३०० रूपये के वेतनमान में पदोन्नति द्वारा पूर्णतया अस्थाई और तदर्थे आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), (समूह क; राजनीति) के पदों पर आगे सहर्व नियुक्त करते हैं।

उपरोक्त पदों पर तदर्थे नियुक्तियों सम्बन्धित अधिकारियों को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेगी। तदर्थे आधार पर उनकी सेवायें उत्तम ग्रेड में वरिष्ठता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जाएंगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थे नियुक्तियों को सक्षम प्राधिकारी के विवेक पर किसी भी समय विना कोई कारण बताये रख किया जा सकता है।

बी० एस० बर्मा,  
भारत के महाराजस्थान

वित्त मंत्रालय  
प्राथिक कार्य विभाग  
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय  
नापिक रोड, दिनांक १३ अगस्त १९८५

सं० ३०५/८—अधिसूचना सं० ४७/क दिनांक २९-१-१९८४ के क्रम में श्री गो० नारायण सामी, उपनियंत्रण अधिकारी को प्रशासन अधिकारी, भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड के पद पर, नियमित आधार पर प्रतिनियुक्ति को अगले एक साल के लिए दिनांक १४-४-१९८५ से १३-४-१९८६ तक बढ़ाया जाता है।

पा० सु० शिवराम  
महाप्रबन्धक

बै० नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक १० अगस्त १९८५

सं० नस्ती क्रमांक बी० एन० पी० सी० ५/८५—इस कार्यालय की समसंख्या अधिसूचना दिनांक २६-६-८५ के अनुक्रम में निम्नलिखित स्थायी नियंत्रण निरीक्षकों को उपनियंत्रण अधिकारी के पद पर वेतनमान रूए ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० (राजपत्र वर्ग "ख") में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक ३०-७-१९८५ (पूर्वीह्न) से अन्य आगामी आदेशों तक स्थानापन्थ रूप से नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है :—

- १. पी० आर० शर्मा
- २. श्री मोहन्नदर मिह
- ३. श्री परेण जोशी

म० वै० चार  
महा प्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-१ नई दिल्ली-११०००२, दिनांक १९ अगस्त १९८५

सं० प्रशासन/का० आ० सं० २२७—निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-१ इस कार्यालय के स्थानापन्थ लेखा परीक्षा अधिकारी श्री बी० डो० गुप्ता को ८४०-१२०० रुए के समयमान में दिनांक १-८-१९८५ से स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

मोहन खुराना  
उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय आन्ध्र प्रदेश  
हैदराबाद, दिनांक ९ अगस्त १९८५

सं० प्रश्ना०-१/८-१३२/८५-८६/७५—श्री के० एस० भर्साहम्, श्री वा० सुब्रह्मण्यम्-१ और श्री एम० बी० के० बी० एच० सत्यनारायण मूर्ती, लेखा परीक्षा अधिकारी महालेखाकार

का कार्यालय (लेखापरीक्षा-1) आधि प्रदेश, हैदरगाबाद से विनांक 31-7-85 अपराह्न को सेवा विकृत हुए।

हॉ अपठनिय  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार प्रशासन

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम, म० प्र०  
ग्रामियर, दिनांक 16 अगस्त 1985

सं० प्रशासन-11/उमूह-1/सेवा निवृत्त/लेखा प० श्र०/156/  
305—केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियमावासी 1972 के नियम 48(1) के अन्तर्गत महालेखाकार (ल० प०) प्रथम ने कार्यालय महालेखाकार (ल० प०) छिंतीय म० प्र० भोपाल में कार्यरत स्थाई लेखा परीक्षा अधिकारी बी० डी० रिजबुड 01/181 को दिनांक 30 अगस्त, 1986 अपराह्न से स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति स्वीकृति प्रदान को है।

(प्राधिकार महालेखाकार (ल० प०) प्रथम के आदेश दिनांक 2-8-1985)

एम० दीनादयालन  
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) — महाराष्ट्र  
वस्त्र-400020, दिनांक 27 जून 1985  
सं० प्रशा०-1 ल० प०/सामान्य/ल० प० श्र०/1(1)/3—  
महालेखाकार महोदय ने नियन्त्रित महायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को उनके नामों के समक्ष लिखा गई नियितों से प्रभावी, पुनः आदेश जारी होने तक, लेखा परीक्षा अधिकारी पद पर, महर्ये नियुक्त किया है।

क्र०	नाम	ल० प० श्र०/प्र०/कार्यालय जिनमें पर नियुक्ति नियुक्त हुए हैं की तिथि
सं०		

- |                          |  |
|--------------------------|--|
| 1. श्री एप० ह्वी० थुर्वे | 11-6-85 निदेशक, लेखा-<br>(अपराह्न) परीक्षा (एस०<br>सी० डी०)<br>वस्त्र। |
| 2. श्री आर० ए० भिडे      | 12-6-85 महालेखाकार<br>(अपराह्न) (ल० प०) II<br>नागपुर।                  |
| 3. श्री के० ए० मानस्तर   | 13-6-85 महालेखाकार<br>(पूर्वाह्न) (ल० प०)-I<br>वस्त्र।                 |
| 4. श्री आर० बी० चौबर्ह   | 11-6-85 निदेशक, लेखा<br>(अपराह्न) परीक्षा (केंद्रीय)<br>वस्त्र।        |

पी० के० राम चंद्रन  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय निवृत्ति, लेखा परीक्षा,  
रक्षा सेवाएं,

नई दिल्ली-110001, दिनांक 1 अगस्त 1985

सं० 2204/ए-प्रशासन/30/85—वार्धक्य निवृत्ति आयु  
प्रोत्सुन्दर करने पर श्रो ज० एन० शर्मा, स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी,  
रक्षा सेवाएं दिनांक 31-7-1985 (अपराह्न) को सेवा निवृत्ति  
हुए।

भगवान शरण तथा  
संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा,  
रक्षा सेवाएं

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 22 अगस्त 1985

सं० प्रशा०/1/1728/5/1—रक्षा लेखा  
महानियन्त्रक श्री एन० श० सोरे, आई० ड० ए०  
एस० (जन्म तिथि 27-8-34) के दिनांक 14 जुलाई 1985  
को हुए दुष्क्रिय निधन को दुष्क्रिय सहित अधिसूचित करते हैं।

सं० प्रशा०/1/1172/1/जिल्द-III—राष्ट्रपति भारतीय  
रक्षा लेखा सेवा के प्रतिकारी श्री डी० एस० भालेराव को उक्त सेवा  
के वरिष्ठ प्रशासनिक प्रेड (स्टर-II) वेतनमाप सुपर 2250-125/  
2-2500) देस्त्रानान्तर इन में कार्य करने के लिए 18 जुलाई,  
1985 से पूर्वाह्न से आगामी आदेश पर्यन्त सहृदय नियुक्त  
करते हैं।

दिनांक 13 अगस्त 1985

सं० प्रशा०/2/2606/84—रक्षा लेखा महानियन्त्रक  
श्री रूप राम सिंह, स्थायी लेखा अधिकारी 0/462) के  
दिनांक 2-7-85 को हुए निधन को दुष्क्रिय सहित  
अधिसूचित करते हैं।

तदनुसार श्री रूप राम सिंह, लेखा अधिकारी को इस विभाग के  
संचायावल से 3-7-85 (पूर्वाह्न) से हटाया जाता है।

ए० के० घोष  
रक्षा लेखा अपर महानियन्त्रक

वाणिज्य मंत्रालय  
मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985  
आयात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण  
(स्थापना)

सं० 6/1193/77-प्रशासन (राज)—संयुक्त मुख्य  
नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय (केन्द्रीय लाइ-  
सेंसिंग ऑफिस) नई दिल्ली में श्री एस० एल० सोनी,  
नियन्त्रक का दिनांक 11-1-1985 को स्वर्गवास हो गया है।

दिनांक 7 अगस्त 1985

सं० 6/1249/73-प्रशा० (राज०)—संयुक्त मुख्य नियन्त्रक,  
आयात-निर्यात के कार्यालय, मद्रास में आयात-निर्यात की नियन्त्रक,

श्रीमती पी० एम० संकारी को 1 जुलाई, 1985 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त होने की अनुमति दे दी गई है।

शंकर चन्द्र  
उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
हृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग और कम्पनी नार्य मंत्रालय  
औद्योगिक आकस्मिकता वा महानिदेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक 15 अगस्त 1985

सं० 111(93)/डी० जी० आई० सी०/म०/85 (.)—  
राष्ट्रपति, श्री किणोर कुनाल (भारतीय पुलिस सेवा)  
(गुजरात 1972) को 5 अगस्त 1985 (पूर्वाह्न) से औद्योगिक  
आकस्मिकता वा महानिदेशालय, उद्योग और कम्पनी कार्य  
मंत्रालय के पटना कार्यालय ने सहायक निदेशक के पद पर नियुक्त  
करते हैं।

प्राई० पी० भट्ट  
उप सहायक निदेशक

आपूर्ति व वस्त्र मंत्रालय  
वस्त्र विभाग

हथकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय  
नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985

सं० 2001/15/77-डी० सी० एच०/प्रशासन-1—राष्ट्रपति,  
हथकरघा विकास आयुक्त के कार्यालय, नई दिल्ली में सहायक  
निदेशक श्री आर० करुणाकरण की 2 अगस्त 1985 को हुई मृत्यु  
की खेद पूर्वक घोषणा करते हैं।

प्रबीर कुमार दत्त  
अपर विकास आयुक्त (हथकरघा)

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

सं० ए० 32015(1)/84 प्रशासन-3—राष्ट्रपति, श्री बी०  
दशराथामी रेडी को 29 जुलाई, 1985 से आगामी आदेशों तक  
के लिए बुनकर सेवा केन्द्र गुहाटी में सहायक निदेशक घेड़-2 (गंभीर  
तकनीकी) के पद पर नियुक्त करते हैं।

बी० के० अग्निहोत्री  
अपर विकास आयुक्त (हथ करघा)

इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय  
(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण  
कलकत्ता-20, दिनांक 13 अगस्त 1985

सं० स्था०-1-2(3)/82(.)—अधोहस्ताक्षर कर्ता एतद्वारा  
श्री पी० के० दास, अधीक्षक को इस संगठन में दिनांक 12-8-85

से श्री सुकुमार सिन्हा, जो प्रशासनिक अधिकारी की हैसियत से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं तथा जिन्हें इसी घेड़ में प्रोफार्मा पदोन्नति दी गई है, के स्थान पर तीन महीने की अवधि के लिए सहायक भुगतान आयुक्त के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० स्था-1-2 (3)/82-(.)—श्री सुकुमार सिन्हा, जो इस समय फालता प्रोसेसिंग जीन, वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार, 7, कैमेक स्ट्रीट, कलकत्ता-17 के कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारी की हैसियत से प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं, जो एतद्वारा इस संगठन में “अगले निचले नियम” के अन्तर्गत दिनांक 12-8-1985 से अधित जिस तारीख से श्री पी० के० दास, अधीक्षक सहायक भुगतान आयुक्त के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे हैं, तहायक भुगतान आयुक्त के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए प्रोफार्मा पदोन्नति दी जाती है।

दीपक कुमार धोष  
लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)  
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण  
कलकत्ता-700016, दिनांक 14 अगस्त 1985

शुद्धि-पत्र

सं० 8370-बी/ए-32013(एस० श्री०)/84/19-ए—  
कृपया इस कार्यालय के दिनांक 15-7-85 की अधिसूचना सं० 7201 बी/ए-32013(एस० श्री०)/84/19 ए में प्रकाशित नाम श्री एस० के० सिन्हा राय के स्थान पर श्री एस० आर० सिन्हा राय पढ़ें।

अमित कुमारी  
निदेशक (कार्मिक)  
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

स्नायुग्मा लोहा सहायक भुगतान आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 29 जुलाई 1985

सं० ए० 190120/13/77-प्रशासन-1 (एम०)एफ० एण्ड  
एम०—स्वेच्छिक रूप से सेवा से निवृत्त हो जाने के फलस्वरूप, श्री पी० ईपेत आमस ने जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा विभाग संस्थान, पाडिच्चेरी से 1 जनवरी, 1983 पूर्वाह्न से पुस्तचार्यक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

पी० के० धर्म  
उप निदेशक, प्रशासन (भी० एण्ड बी०)

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1985

सं० ए० 12025/1/82-ग्रीष्म नियंत्रण—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने ए० मिर्जा फारूक अहमद वेंग को 15 अग्रैल, 1985 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय ग्रीष्म प्रयोग-

शाला, कलकत्ता में जूनियर साइटीफिक प्राक्षिपर (फार्म-स्पूटिकल कैमिस्ट्री) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

मातु राम  
उप निदेशक प्रशासन (झ०)

कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय  
कृषि एवं सहकारिता विभाग  
विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1985

सं० पी० २(३)/८५-स्था० (१)—विस्तार निदेशालय की विभागीय पटोन्हति समिति ग्रुप 'बी' की सिफारिश पर श्री ओ० पी० लट्ठ, अधीक्षक (ग्रेड-२) को विस्तार निदेशालय, कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय, कृषि तथा महाराष्ट्र विभाग में १-८-८५ के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक ७००-३०-७५०-३५-९०० रु० के वेतनमान में अधीक्षक (ग्रेड-१) सामान्य सिविल सेवा ग्रुप 'बी' (राजपत्रित) (अनुसंचितीय) के पद पर स्थानापन रूप से पदोन्नति किया जाता है।

ग्रामीण विकास विभाग  
निदेशक प्रशासन

(ग्रामीण विकास विभाग)

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

करीबाबाद, दिनांक 14 अगस्त 1985

सं० ए० १९०२५/४१/७९-२०-१॥—पंव लोक सेवा आयोग के माध्यम से कठिन नियोजन अधिकारी के रूप में चयन होने के उत्तरात्त खात्र विभाग में कार्यभार ग्रहण करने के लिए श्री ओ० ई० वज्राज द्वारा प्रस्तुत स्थाग-पत्र, जिन्हें इस निदेशालय में १-५-८० को महाराष्ट्र विभाग अधिकारी (वर्ग-१) के पद से कार्यमुक्त किया गया था, कृषि विभाग भारतीय, भारत सरकार द्वारा ३०-४-१९८२ (अपराह्न) से स्वीकृत किया गया है और इस निदेशालय में उनका ग्रहण विकार उसी तरीख से समाप्त माना जाता है।

जे० कृष्णा  
निदेशक प्रशासन

दिल्ली दुर्घष योजना, प० पटेल नगर

नई दिल्ली-८, दिनांक 13 अगस्त 1985

सं० ४-३/८१-स्थाना (विशेष)—सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर स्थानापन श्री शिव राम को ८४०-१२०० रु० के वेतनमान में दिल्ली दुर्घष योजना में प्रशासन अधिकारी (ग्रुप बी राजपत्रित) के पद पर दिनांक २४-३-८५ से नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० ४-३/८१-स्थाना (विशेष)—प्रलवावधि आधार पर प्रशासन अधिकारी के पद पर स्थानापन श्री यू० सी० पुरी को ८४०-१२०० रु० के वेतनमान में प्रशासन अधिकारी (ग्रुप बी

राजपत्रित) के पद पर दिनांक २३-३-८५ से नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

अरुण सेदवाल  
महाप्रबन्धक

भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र  
कार्मिक प्रभाग

बम्बई-४०००८५, दिनांक 9 जुलाई 1985

सं० पी० ए०/७३(१२)/८५-प्रार-४/८०६—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा० महाजन रविन्द्र काशिराम को नियासी चिकित्सा अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में जुलाई १, 1985 (पूर्वाह्न) से ३१ जुलाई, 1985 (अपराह्न) तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 अगस्त 1985

सं० पी० ए०/७३(१२)/८५-प्रार-४/८१५—नियंत्रक, भारत परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा० विरेन्द्र मोहनशर्मा को नियासी चिकित्सा अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र आयुर्विज्ञान प्रभाग में ५ जुलाई, 1985 (पूर्वाह्न) से ६ अगस्त, 1985 (अपराह्न) तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

म० द० गाहगिल  
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग

तरीका परमाणु विद्युत परियोजना

बुलन्दशहर, दिनांक 12 अगस्त 1985

सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/भर्ती/११(६)/८४/एस/९६६४—इयांगी उच्चवर्षीय नियिक श्री ओम प्रकाश की अधिसूचना सं० न० प० वि० प०/प्रशा०/११(६)/८४/एस/१०९०६ दिनांक १३-१-८४ द्वारा तदर्थ आधार पर इस परियोजना में स्थानापन महाराष्ट्र कामिन अधिकारी के पद पर की गयी नियुक्ति दिनांक आठवीं ३, 1985 के अपराह्न से समाप्त की जाती है।

आर० क० बाली  
प्रशासन अधिकारी

कृषि और भंडार निदेशालय

बम्बई-४००००१, दिनांक 8 अगस्त 1985

सं० कम्बनि/४१/१८५-प्रशा०/५९८१—रत्नाणु उर्जा विभाग, कृषि और भंडार निदेशालय के नियेशक ने श्यामी कृषि मसालपक श्री जोकिम जान परेरा को इसी निदेशालय में दिनांक १-७-१९८५ (पूर्वाह्न) से ३१-७-१९८५ (अपराह्न) तक ६५०-३०-७४०-३५-८१०-३० रो०-३५-८८०-४०-१०००-३० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में सहायक कृषि अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से नियुक्त किया है। यह नियमित सहायक कृषि

अधिकारी श्री एस० एस० प्रधान के स्थान पर की गई है जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की है।

दिनांक 9 अगस्त 1985

सं० क०भं० नि०/41/3/85-प्रशा०/5993—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न महायक लेखा अधिकारी श्री ए० ए० शेख को इसी निदेशालय में दिनांक 17-6-1985 (पूर्वाह्न) से 31-7-1985 (अपराह्न) तक 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के बेतनमान में लेखा अधिकारी-II के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सं० क०भं० नि०/41/3/85-प्रशा०/5999—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय ने स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न महायक लेखापाल श्रीमती कान्ता अमरलाल रहेजा को इसी निदेशालय में दिनांक 17-6-1985 (पूर्वाह्न) से 31-7-1985 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 रुपए के बेतनमान में महायक लेखा विभाग के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया

पी० गोपालन  
प्रशासन अधिकारी

#### निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-400094, दिनांक 31 जुलाई 1985

सं० सी०ई०डी०/ग/2 (16)/5183—निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री ए० ए० श्री० पोली० स, अस्थायी सहायक लेखापाल, निर्माण एवं सेवा वर्ग, को संपदा प्रबंध निदेशालय में पदोन्नत श्री बी० जी० जे० पिल्लै, महायक लेखा अधिकारी के स्थान पर दिनांक 1-5-85 (पूर्वाह्न) से 1-6-85 तक अस्थायी तदर्थ सहायक लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० क० कपूर, प्रशासन अधिकारी

#### परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500066, दिनांक 20 अगस्त 1985

सं० प०ख०प्र०-16/3/85-भर्ती निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न सहायक, श्री सुखदयाल को उसी प्रभाग में 6 अप्रैल, 1985 से 8 मई, 1985 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक प्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प०ख०प्र०-16/3/85-भर्ती निदेशक, परमाणु खनिज भाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा नाभिकीय ईधन 2-226 GT/85

समिश्र के स्थायी वरिष्ठ आशुलिपिक एवं परमाणु खनिज प्रभाग के स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी, श्री टी० ए० नारायणन को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1985 से 28 मई, 1985 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

सं० प०ख०प्र०-16/3/85-भर्ती—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न सहायक, श्री टी०पी० जार्ज को उसी प्रभाग में श्री टी०ए० नारायणन, महायक कार्मिक अधिकारी की प्रशासन अधिकारी-II के पद पर पदोन्नति हो जाने पर 1 फरवरी, 1985 से 28 मई, 1985 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प०ख०प्र०-16/3/85-भर्ती—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग वी स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न सहायक, श्रीमती के०वी० नायर को उसी प्रभाग में श्री पी०ओ० करणाकरन, महायक कार्मिक अधिकारी के छुट्टी पर जाने पर 27 अप्रैल, 1985 से 1 जून, 1985 तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० पदमनाभन  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

#### भारी पानी परियोजनाएँ

बम्बई-400008, दिनांक 19 अगस्त 1985

सं० 05012/आर० 1/ओपी/3059—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान-कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (केन्द्रीय कार्यालय) के स्थायी प्रबरण श्रेणी लिपिक श्री कृष्ण श्री हरि खानीलकर, को इसी कार्यालय में श्री जी० कुलन्देवलू, महायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर है, के स्थान पर अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर 27-5-85 (पूर्वाह्न) से 5-7-85 (अपराह्न) तक के लिए स्थानापन्न महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीछुट्टी  
प्रशासन अधिकारी

#### मङ्गानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली दिनांक 15/18 जुलाई 1985

सं० ए-32013/5/83-ई-I—इस कार्यालय की अधिकृत सूचना सं० ए-32013/5/83-ई-I, दिनांक 26 नवम्बर, 1983 के क्रम में राष्ट्रपति, श्री वाई०पी० बाबा की उपनिदेशक (अनुसंधान और विकास) के पद पर तदर्थ नियुक्ति को दिनांक 5-4-84 से 17-12-84 तक की अवधि के तिरेजरी रखने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

एम० भट्टाचार्जी  
उपनिदेशक (प्रशासन)

## निरीक्षण भवानिदेशालय

सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1985

सं० 18/85—श्री बन्त सिंह ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतालिय कलकत्ता-II में बरिष्ठ अधीक्षक के पद पर तैनात थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के पत्र फा० सं० ए-22012/42/85 प्रश्ना-II द्वारा जारी दिनांक 9-7-85 के आदेश में० 98/85 के अनुसार निरीक्षण भवानिदेशालय (सी०शु० तथा क०उ०शु०) में स्थानांतरण होने पर दिनांक 26-7-85 (पूर्वाह्नि) में निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क, तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नई दिल्ली में सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 19/85—श्री बी०के० अग्रवाल ने, जो पहले सीमा शुल्क, वंबई में सहायक समाहर्ता के रूप में तैनात थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिनांक 9-7-85 के पत्र फा०सं० ए-22012/42/85-प्रश्ना-II द्वारा जारी आदेश में० 98/85 के अनुसार निरीक्षण भवानिदेशालय (सी०शु० एवं क०उ०शु०) नयी दिल्ली में स्थानांतरित हो जाने पर दिनांक 5 अगस्त, 1985 के पूर्वाह्नि में सहायक निदेशक, निरीक्षण (सी०शु० व क०उ०शु०) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 20/85—श्री एम०सी० सक्सैना ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहतालिय मेरठ के हन्द्रानी रेज में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक (शुप “ख”) के पद पर तैनात थे, इस महानिदेशालय के दिनांक 23-2-85 के आदेश सी०सं० 1041/50/82 के अनुसार निरीक्षण अधिकारी (शुप “ख”) के रूप में नियुक्त होने पर, दिनांक 15-7-85 के पूर्वाह्नि में निरीक्षण भवानिदेशालय, सी०शु०

तथा क०उ०शु० के गाजियाबाद स्थित उत्तरी प्रादेशिक एकक में निरीक्षण अधिकारी शुप “ख” का कार्यभार संभाल लिया।

ए० सी० सल्डाना  
निरीक्षण भवानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 9 अगस्त 1985

सं० ए-19012/1070/84-स्थापना पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री चद्देश्वर सिंह पर्यवेक्षक को अनिरिक्षित सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द०री०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रुपये के बेतनमात्र में 12-10-1984 की पूर्वाह्नि से एक वर्ष की अवधि के लिए अवक्षेप के नियमित आधार पर भरे जाने वाले, जो भी पहले हों, पूर्ण अस्थाई और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

मीनाथी अरोड़ा, अवर सचिव  
केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण और आवास मंत्रालय  
निर्माण भवन, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

सं० 27-ई०ई०/के(14)/75-ई०सी०-2—श्री आर्द० एस० कोचर कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत), लोक निर्माण विभाग विद्युत, मंडल नं०-1 (दिल्ली प्रशासन), नई दिल्ली के अधिविधिता, आपु प्राप्त करने के फलस्वरूप वे दिनांक 31-7-1985 (प्रपराह्नि) से सेवानिवृत्त किये जाते हैं।

नीना गर्ग  
प्रशासन उप निदेशक

प्रस्तुप आइ० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अगस्त 1985

निवेश सं० के-57/85-86—अतः मुझे एच० आर०  
दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० वित व मकान है तथा जो रामपुर कुकहट  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अकबरपुर  
जिला कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

को पूर्णकाल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्मते यह विश्वास  
करन का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक्सहॉटिशन से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बैशीलाल सन/प्राक हिमन निवासी रामपुर  
कुकहट पर० व तह० अकबरपुर कानपुर।

(अन्तरक)

(2) देवा आटोमोटिव प्रा० लि० द्वारा प्रबन्ध निदेशक  
नारायण थारूमल भीरचन्दानी सन/प्राक छासूमल  
भीर चन्दानी 3ए/97 आजाद नगर, कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) श्रेताकण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

वित व मकान स्थित रामपुर कुकहट तह० अकबरपुर जि०  
कानपुर।

एच० आर० दास  
सभम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 13-8-1985

मोहर :

प्रस्तुप बाइं.टी.एन.एस.-----

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर वायोजन (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पटना  
पटना, दिनांक 2 अगस्त 1985

निदेश सं० III/975/अर्जन/85-86—अतः मुझे प्रबोध  
कुमार दुबे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० (होल्डींग) 397(ए) न्यू, तौजी सं०-524,  
प्लाट सं०-782, 783 एवं 784 है, तथा जो सक्किल नं०-6,  
वार्ड नं०-2, एकजीबीशन रोड, पटना में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन, दि. १५ 10 दिसम्बर 1984।  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवरास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और बंतरक (अंतरको) और बंत-  
स्ती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के द्वारित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्या आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स आशियाना इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड,  
विश्व मदन, एकजीबीशन रोड, पटना द्वारा श्री ओम  
प्रकाश गुप्ता, निदेशक।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मिथिला मोटर्स, प्राइवेट लिमिटेड, एकजीबीशन  
रोड, पटना द्वारा श्री दिनेश बी० पारीख, सुपुत्र  
स्व० भगवानजी पारीख, निदेशक, "गोकुल", 9,  
पार्क रोड, विष्टपुर, जमशेदपुर।

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स मिथिला मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, एकजीबीशन  
रोड, पटना

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
गन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूची

ग्राउड फ्लोर मय मकानात के जिसका प्लीस्ट एरिया 4490 वर्गफुट है तथा जिसका कारपेट एरिया 3960 वर्गफीट  
नया जो होल्डींग नं० 397(ए) न्यू, तौजी सं०-524 और  
प्लाट सं०-782, 783 नया 784 का हिस्सा है और जो सक्किल  
नं०-6, वार्ड नं०-2, एकजीबीशन रोड, पटना-1 में स्थित है  
तथा पूर्णरूपेण वसिका संख्या-6988 दिनांक 10-12-84 में  
पूर्णतः वर्णित है और जिसका निवंधन जिला अधिकारी निवंधक,  
पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रबोध कुमार दुबे,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पटना

दिनांक : 2-8-1985

साहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भवनेश्वर

भृष्णुनेष्वर, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० एम० सी०/एकुजीशन भुवनेश्वर-1/85-  
552-53—अतः मुझे, आर० सी० सेठी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1, 00, 000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 7199/84 है, तथा जो गंगानगर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक, 12 दिसम्बर 1984 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पंचवां प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्ता नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

( १ ) श्री सेक-जलील पिता-मृत सेक-जयठ अली पोस्ट/  
आकिंव धामसान जिला छाप्रा (बिहार) वर्तमान  
पता एस० सी० आर० नं०-६८, गंगानगर, यूनीट-६  
भुवनेश्वर (पुरी)

(2) सेक-फजलुर रहमान पिता-सेक, खालीलुर रहमान बापूजी नगर, एम० सी० आर०, प्लाट नं०-15/ए भवनेश्वर ज़िला-परी (उडीपा)।

(अन्तरक)

(अन्तरिक्षी)

को यह सुनना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तापमील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति बतारा;

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मौं किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रथमता शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

४५८

जमीन और मकान—एम० सी० आर०, प्लाट नं०-68,  
मौजा, गंगानगर यूनिट-6 मार 90/-—40।/ मुनिसिपल डॉलरीग  
नं० 40/190, उड़िनं०-9 भाड़ा रु 12. 40 जो सब रजिस्ट्रार  
भुवनेश्वर के अधीन में हो, और परीया, उत्तर-कन्जार मेनसी सूत  
दक्षिण-40 फीट रास्ता और खाली प्लाट पूर्व, प्लाट नं० 67  
और पश्चिम में एक छोटा प्लाट टोकन के लिए है।

श्राव० सी० सेठी,  
सक्षम प्राधिकारी,

दिनांक : 31-7-1985

मोहर :

आतः उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थति :—

प्रकल्प बाई० टी० एन० एस० -----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा० 269-ष (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर  
नागपुर, दिनांक 8 मई 1985

निदश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/४/१८/८५-८६—यतः  
मुझे एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा०  
269-ष की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 50/2 खेत जमीन सं० 50/2 है तथा जो मौजा  
मौजा मोहा ता० जि० मध्यमाए में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय मध्यमाए (डाकुमेंट सं० 74/84-85) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, दिनांक 11 दिसंबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दस्यमान प्रतिफल से „एसे दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है“ और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितवों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से हूर्दा० किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(इ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में  
सुविधा के लिए;

बहु० बहु, उक्त अधिनियम की भारा० 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा० 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत हू—

(1) श्री पांडुरंग आबा मदुरे,  
रा० मध्यमाए।

(अन्तरक)

(2) श्री पद्मचंद माँगीराम बाफना,  
रा० मध्यमाए।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शूल करता हू—।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## ममसूची

खेत जमीन जिसका सं० 50/2 है और पदों का, जो मौजा-  
मोहा ता० जि० मध्यमाए में स्थित है जिसका कुल एरीया 9 एकड़  
27 गुणे है।

एम० सी० जोशी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर उपायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 8-5-1985

मोहर:

प्रकृष्ट बाईः टी, एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष  
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (प्रिवेट)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 5 अगस्त 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी/20/22/85-86—अतः  
मुझे, मो० च० जोशी,  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष  
269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है  
और जिसकी सं० सिट० नं० 165 है तथा जो सी० ई० एस०  
नं० 18344/1 स्टेशन रोड ओरंगाबाद में स्थित है (ओर  
उसके उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ओरंगाबाद (जाकुमेंट  
सं० 6611) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्दह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अंतरण लिखित में  
असंबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरम दं हृष्ट किसी बात की बाबत उक्त अंतरण  
प्रियम के बोने के अन्तरक के साथित में  
कमी करने या उक्त से बदले ये त्रिविधा के लिए;  
जौर/वा

(घ) एसी किसी बात या किसी वज या अन्य जास्तियों  
को बिक्कू भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इत्यादि प्रक्रम नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, जिपाने ये सुनिधा  
के लिए;

(१) मौलवी नबाब मोहम्मद अली खान पिता मौलवी  
उमरदराज अलीखान साहेब ओरंगाबाद।

(अन्तरक)

(२) श्री नंद किशोर नारगोराव जाधव "बालाजीकृपा  
टेलीफोन आफिस के पीछे अजीबनगर ओरंगाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेप नहीं

(क) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(घ) इह सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के  
पास विद्वित में किए जा सकेंगे।

**प्रमाणीकरण:**—इसमें प्रयुक्त संबद्धों बारे पढ़ों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-के बोने परिभाषित हैं,  
यही वर्ष होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 18900 स्केयर फीट है जिसका  
सिट नं० 165, सी० टी० एस० नं० 18344/1 जो स्टेशन रोड  
ओरंगाबाद में स्थित है।

मो० च० जोशी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 5-8-1985

मोहुर :

अतः यह उक्त अधिनियम की भाषा 269-ए की उपभाषा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षदृष्टि

प्राप्ति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं. ए० पी० नं. 5824—यतः मुझे जे० एल०  
गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो  
कपूरथला में स्थित है (और इसमें उपावन्न अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक विसम्बर 1984

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित गोवास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में है किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :

(1) श्री कमल नारायण, शिवनारायण पुत्र लहोरी लाल,  
वासी—मोहल्ला कसाबां, कपूरथला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी सरदारा सिंह, वासी—23  
माडल टाऊन, पठानकोट।

(अन्तरिती)

(3) 1. मेन्डल बैंक आफ इंडिया, कपूरथला।

2. पी० ए० डी० डिपार्टमेंट, कपूरथला।

3. मै० अग्रवाल हण्टरप्राईस, मुलतानपुर रोड,  
कपूरथला।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचि यथाता है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1959 दिनांक  
26-12-84 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा  
है।

जे० एल० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक: 6-8-1985

मोहर :

प्रस्तुप भाई, टी. एन. एस.,  
भारत सरकार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायरल (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 9 अगस्त 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5826-5827-5828—यतः  
मुझे, जे० ए८० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालन्धर  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक दिसंबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त सम्पत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित मैं  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी वाय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक को  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
ले लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लियाने में  
समिधा के लिए;

अन् यद. अन्त अधिनियम की भाषा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाषा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ॥—

3-226 GI/83

(1) श्री राम लुभाया पुत्र धनीराम वासी गांधी नगर  
जालन्धर, मुख्यत्वार खास हर नारायण सिंह मुख्यत्वार  
श्राम चर्चनजीत कौर।

(अन्तरक)

(2) श्री हर नारायण सिंह पुत्र सुरत सिंह वासी ए८० डी०—  
270, श्रेष्ठा टांडा जालन्धर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
बवाधी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्यु

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा विलेख नं० 3801, 3876-3893  
दिनांक दिसंबर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में  
लिखा है।

जे० ए८० गिरधर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक: 9-8-1985

मोहर:

प्रस्तुत वाई. टी. एन्. पटेल-----

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारत  
269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए० एस० आर०/85-86/23—यतः मुझे, एल०  
आर० ढींगरा, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो पठानकोट में  
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार समाप्ति प्रतिफल, से एसे व्यवहार समाप्ति प्रतिफल का  
न्यून्ह प्रतिवाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
ये वास्तविक रूप से की गयी नहीं किया गया है ।

(क) अंतरण से हर किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक वे  
वास्तविक में करने या उससे बचने में अविभाप्त  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय मा किसी धन या अन्य सामित्रय  
को चिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं चिन्हा गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूक्ष्मा  
से लिए।

यतः जब, उक्त अधिनियम की भारत 269-व के, अनुसूचना  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारत 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

(1) मेसर्स लोकनाथ बजाज एंड संस, फारेस्ट लेसीज और  
टिंबर मरचेटेंस, कालेज रोड, पठानकोट जिला  
गुरदासपुर द्वारा श्री जय देव बजाज पुत्र श्री लोक नाथ  
बजाज, पठानकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोती प्रकाश पुत्र श्री रूप लाल वासी मोहल्ला  
बड़ेरियां, पठानकोट ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट 4950 वर्ग फीट जो गांव आनंदपुर  
तहसील पठानकोट में है जैसा सेल छीड़ नं० 2694/23-1-85  
रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी पठानकोट में दर्ज है ।

एल० श्रार० ढींगरा आई० आई० एस०  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 30-7-1985

मोहर : ||

## राजपत्र वार्ता पट्टी प्रक्रम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को बाता  
269-घ (1) वृत्त अधिनियम

## विषय प्रश्नालय

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० १० ए० ए० आर० ८५-८६, २४—यतः मुझे,  
एल० आर० दीगरा, आई० आर० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय 269  
वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गोल्डन एवं न  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया ग्राही-  
कल, निम्नलिखित उल्लेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) उक्तरण वे हृहै किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री राम मूर्ति पुत्र श्री मेला राम बाग रामा नन्द,  
अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री जसवंत सिंह के०, आफ  
मेसरज एलाइड आटो ड्रेफ़ज, फ़ेरां बाला गेट,  
अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा उपर सं० २ में कोई किराएदार हो ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) प्रौर कोई  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानका  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिषय  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों आड़ पदा का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित  
है, नहीं वर्ष होणा और उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अमृतसर

एक जायदाद नं० 70 जो गोल्डन एवेन्यू, वाटर घरसे  
रोड़, अमृतसर में है जैसा सेल डीड नं० 6259/12-12-84  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

एल० आर० दीगरा; आई० आर० ए०  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 12-8-1985  
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस. . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० ए० एस० आर०/८५-८६/२५—यतः मुझे,  
एल० आर० ढींगरा, आई० आर० ए०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (दिसं इसमें  
दृष्टव्य उक्त अधिनियम का गया है), को धारा  
269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को वह विवास करने का  
प्राप्त है कि स्थान पर उचित, चिह्न उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी में एक जायदाद है तथा जो इस्ट मोहन नगर  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
6) के अधीन दिनांक अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एतेवं छयमान प्रतिफल का  
प्रदृश्य प्रतिवक्त दृश्य नार अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
क्रम निम्ननिमित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तर दृश्य किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के  
साथित्य में किसी करने वा उससे बचने में सहित  
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
में, चिन्ह भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इकारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया था चाहिए या कियाने में  
सहित नहीं किया;

यतः यदि, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, में उक्त अधिनियम की बाय 269-घ की उपाय (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत :—

(1) श्री मुंशी राम पुन्न श्री दीर भान बासी करमो डियोडी,  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुद्दार सिंह पुन्न श्री केसर सिंह 149 इस्ट मोहन  
नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा ऊपर सं० 2 में कोई किराएदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय शुल्क करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक जायदाद नं० 238 जो इस्ट मोहन नगर, अमृतसर  
में है जैसा सेल डी४ नं० 168/4-4-85 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अमृतसर में दर्ज है।

एल० आर० ढींगरा, आई० आर० ए०  
संक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दाता का : 12-8-1985  
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एस.-----

(1) श्री इसमेंयिल हाजी और नाजिहा (मैनर) के लिए  
इस्मायिल हाजी

(अन्तरक)

(2) श्री ए. वी. पाल

(अन्तरक्ती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आषुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 19 जुलाई 1985

निर्देश सं० एल० सी० 763/85-86—यतः मुझे, वी०  
रविवालन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कालिकट  
कार्यालय में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप हूँ वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
कालिकट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 दिसम्बर 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संघित का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं० १०  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के सिए तम पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया जाया है—(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की वाजत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक ये  
दावित में किसी अन्तरण से उक्त से वर्तने में सुविधा  
के बिल्कुल नीर/था

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसके भारतीय आषुक्त आधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थी अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया जाया  
या या किया जाना प्राप्त हो, लिखने में सुविधा  
के लिए;तारीख 10-12-1984 उप रजिस्ट्री कार्यालय कालिकट  
के दस्तावेज सं० 1089 में संलग्न अनुसूची के अनुसार कालिकट  
कार्यालय सर्वे आर० एस० सं० 17-15-681 में 10.95  
सेंट भूमि।वी० रविवालन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
भारतीय आयकर आषुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, एरणाकुलमयतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 19-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
को भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 19 जुलाई 1985

निर्देश सं० एल० सी० 762, 85-86—यतः मुझे, बी०  
रविवालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कालिकट  
कार्पोरेशन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय  
कालिकट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्दिष्ट में वास्तविक  
स्थ से कठिन नहीं किया जा सकता है—

(क) अन्तरण से हाई किसी जाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कटु होने वे अन्तरक के  
वायिक से कमी करने या उससे बचने में लूपिता  
न हो; और/वा

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छेपने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री इस्मेयिल हाजी, नाजिहा (मैनर) के लिए  
इस्मेयिल हाजी।

(अन्तरक)

(2) श्री के० पी० माथन

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उच्च अन्तरिती के अन्तर्गत यह सम्पत्ति जो कोई भी आकर्षण—

(क) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख दे  
45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तिकों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया।

(ख) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वावारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिवित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

तारीख 10-12-1984 उप रजिस्ट्री कार्यालय कालीकट  
के दस्तावेज सं० 1088 में संलग्न अनुसूची के अनुसार कालिकट  
कार्पोरेशन आर० एस० सं० 17-15-681 में 11.75 सेंट  
भूमि।

बी० रविवालन,  
सभम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 19-7-1985

माझेर :

यतः बव, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की अनुसूची  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

प्रकृष्ट आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### मामूल संस्कार

कार्यालय, दस्तावेज़ आयकर प्राप्ति (विरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देश सं. एल० सी० 766/85-86—यतः मुझे, बी०  
रविवालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को वह विषयाव करने का  
कानून है कि स्थावर संपत्ति, विवक्त वाचार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो गुरुवायर में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर०  
ओ० कोटुपडि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 12-12-84

को पूर्वोक्त तम्तमि के उक्तिवाचार मूल्य से कम वा अधिकाल  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और वह विषयाव  
करने का कारण है कि विषयाव के उक्तिवाचार मूल्य,  
उसके विषयाव प्रतिफल से, एवं अधिकाल प्रतिफल का  
वह उक्तिवाचार से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच इन्हें अन्तरण के बिन्दु उद्द जबा जबा बिन्दु  
उद्द निम्नलिखित चौहरेव हैं उक्त अन्तरण के उक्तिवाचार मूल्य  
के बीच वाचार मूल्य की गया है ।—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की वाचार उक्त उक्तिवाचार  
के बीच वाचार मूल्य देने वे क्षमताक के उक्तिवाचार  
के बीच वाचार के उक्त उक्त उक्तिवाचार के उक्तिवाचार  
के बीच वाचार

(क) ऐसी किसी आय वा किसी भव वा अन्य आस्तिवाचारों  
को, विलै भारतीय वाचार-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, इच्छाने में  
सुविधा के लिए;

(1) श्री सुब्रमन्य अध्यर शंकरा अध्यर कोलनु अध्यर  
नारायण। अध्यर वेंकट रामकृष्णन कृष्ण अध्यर और  
शंकरन अकमपूरम कालिङ्गकुरुक्षी श्री एवं रमेश  
तिरुनलवेलि

(प्रत्तिरक)

(2) श्री पी एन कृष्ण कुमार पंडियारे तलकलवीड़  
कल अमृत लोडिंग गुरुवायर ।

(प्रत्तिरक्ति)

को वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त तम्तमि के अर्जन के लिए  
कर्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त तम्तमि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृष-  
वृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताशरी के  
बाद लिहिए वे किए जा सकते ।

**सम्बोधन:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिया  
गया है।

### अनुसूची

तारीख 12-12-84 उप रजिस्ट्री कार्यालय कोटुपडि  
के वस्त्रावेज सं० 1395 में संलग्न अनुसूची के अनुसार गुरु-  
वायर इनशिप में सर्वे सं० 100/10, 11, 24 13 में 5.5  
सेंट भूमि के साथ एक मफान

बी० रविवालन

सकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; एरणाकुलम

दिनांक: 8-8-1985

मोहर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण  
में, सं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उच्चारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप. आई. टी. पट. एस. - २०३८

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं. 12 दिग्म्बर 84—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल  
राजू

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. डोर सं. 46 और 47 अश्वामुध गाँड़न  
स्ट्रीट है तथा जो मद्रास-8 में स्थित है (और इसमें उपबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय पेरियमेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छूट्यामान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छूट्यामान प्रतिफल से, एसे व्यवहार प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्रास्ताविक रूप से कथित नहीं किया था है ।

(क) अन्तरण से हट किसी भाव की वावत, उक्त  
अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे उक्तने में सुविधा  
के लिए; और/या

(1) श्री बी० नारायण अध्यर

(अन्तरक)

(2) मद्रास मिवकाशी नाडारस एसोसिएशन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों द्वे ले किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में  
संविधा के लिए;

भूमि और मकान डोर सं. 46 और 47 अश्वामुध गाँड़न  
स्ट्रीट मद्रास-8 ।

एस० आर० पेरियमेट—दस० सं. 1233/84

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

जरूर: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, यौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अपेक्षा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 12-8-1985

मोहर

प्रस्तुत माहू, टी. एन. एड, -----

(1) श्री यू० ई० अब्दुल खादर महेब

(अन्तरक)

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० एम. अब्दुल गनौ

(अन्तरिती)

**भारत सरकार****कार्यालय, सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 14 अगस्त 1983-

निर्देश सं 23/दिसम्बर 1984—अतः, मुझे, को० वेणुगोपाल  
राजू**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है, कि उपावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है****और जिसकी सं० डोर सं० 49 वूल्तुकाट्टन स्ट्रीट है तथा जो  
मद्रास-3 में स्थित है (और उससे उपावर अनुसूची में और  
पूर्ण स्वपं रो वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्नर अधिकारी के कार्यालय  
पेरिमेट (दम: सं० 1206/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर**  
1984**को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—****(क) अन्तरण से हुएँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या****(ल) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए.****अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के असौं निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—**

4-226/GI/85

**को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीवाले शुरू करता हूँ।****उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—****(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तक्षमन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;****(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
गया है।****स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय ने  
दिया गया है।****अनुसूची****भूमि-डोर सं० 49 वूल्तुकाट्टन स्ट्रीट मद्रास-3 (एम०  
आर० ओ० पेरिमेट—दम सं० 1206/84)****के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, मद्रास****दिनांक : 14-8-1985****मोहर :**

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्री शनभुगम और विजया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पलनियप्प मुदलियार

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश मं. 49/दिसम्बर/1984—असः मुझे, के० वेणुगोपाल  
राजू,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 494/3 है तथा जो नामकरण में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है) रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नामकरण  
में भारतीय रजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह दिश्वास करने  
का कारण है कि यथाएवंकित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरीतीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निरन्तरांशुत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यान्वयन किया गया है :—

(क) अंतरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
संविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नांशुत व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयन करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध विकास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**मृमत्ती**

भूमि सर्वे सं० 49/3 नामकरण एस० आर० नामकरण  
दस० सं० 1610/84

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आद्यक्ष (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक : 12-8-1985

माहूर :

प्रस्तुत जाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं. 126 दिसम्बर 84—अतः मुझे के० वेणुगोपाल

राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. सं. 254/1 है तथा जो कन्ननकुरीवी  
गांव, सेलम तालुक और जिला में स्थित है (और इससे उपायद्व  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय जै० एम० आ०० सेलम दस०सं० 2168 तक  
2171/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह ल.तिशास में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिहित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आदि की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आदि या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री पी० रामन
- 2. श्री पी० स्वामीनाथन
- 3. श्री पी० पालवासु
- 4. श्री पी० केमवन और
- 5. श्री पी० बालूस्वामी

(अन्तरक)

- (2) श्री आर० वत्सता

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मूलि—पर्वं सं. 254/1—कन्ननकुरीवी गांव सेलम  
तालुक और जिला जै० एम० आ०० सेलम दस०सं० 2168 तक  
2171/84

के० वेणुगोपाल राजू  
मकाम प्राधिकारी,  
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

दिनांक: 12-8-1985

लाहूर :

प्रसूप बाई. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती निर्देश साईमन और श्री साईमन जैकब

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० ए० अरथानारी मुदलियार

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंजन रेज-1, मद्रास

मद्रास-6, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० 156 दिसम्बर/84 मद्रास—अतः मुझे, के०  
वेणुगोपाल राजू  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 3982 है तथा जो अन्ना नगर,  
मद्रास-40 में स्थित है (अंतर इसमें उपवद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अन्ना नगर (दस० सं० 4015/84) में भारतीय रजस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्नगित ही मई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि वथापत्रोंके सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कोर्थत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की जावा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

भूम और मकान प्लॉट सं० 3932, अन्ना नगर मद्रास-  
40, एस० ए० अन्ना नगर—दस० सं० 4015/84

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी वन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-  
नार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

के० वेणुगोपाल राजू  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अंजन रेज-6, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम जी धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

दिनांक: 12-8-1985

मोहर

प्रस्तुत वाई.टी.एन. एव.

(1) श्री टी.० एन० रविचंद्रन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) नै० वी० ट्रेडर्स

(अन्तरक)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देश सं० 165 दिसम्बर/84—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल  
राजू,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ 'अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति', जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 47 कोम्मालम्मन कोइल स्ट्रीट है तथा जो  
तोन्डीयारपेट में स्थित है (आँग इससे उपवद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
रायपुरम (दस० 1963/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनेयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर  
1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूल्य से यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी  
(अन्तरीरीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया जाय है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रदोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

भूमि आँग मकान—47 कोम्मालम्मन कोइल स्ट्रीट  
तोन्डीयारपेट (एस० आर० ओ० रायपुरम)  
(दस सं० 1963/84)

के० वेणुगोपाल राजू  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 14-8-1985

मोहर:

प्रकृत चार्ट नं. ८१. एस. एस. -

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन दृष्टवा**

### भारत चार्ट

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० अ। र० ए० सी० नं० 311/85-86—अतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रधान उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सुधार प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट है तथा जो मासाबैंक में स्थित है (और  
इससे उपबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
राजस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय  
राजस्त्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिनांक जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टवान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टवान प्रतिफल से ऐसे दृष्टवान प्रतिफल का  
पन्थ प्रतिधृत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अनारण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्ता अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आद की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिए ने अन्तरको  
दायित्व में कभी करने या उससे ब्रह्मने में सूझा  
के लिए; बौद्धि/बा

(ख) एसी किसी आद या किसी धन या जम्य अस्तित्वों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने, में  
सूझा के लिए;

उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जाहि ३—

(1) श्रीमती इस्मत बलेह पांव मलेह बिन सलीम पर  
नं० 10-5-3/ए० 3, मासाबैंक टैक,  
हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री क० मुद्रमन्थम 29 बेलावेस्टा,  
28/1 एस० बी० रोड  
बांद्रा बॉर्डे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शूरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धन  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाठ  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थावोकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों वारे वदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी प्रथम तल घर नं० 10-5-3/ए० 3 मासाबैंक  
टैक हैदराबाद राजस्त्रीकृत विलेख नं० 625/85 राजस्त्रीकर्ता  
अधिकारी हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-8-1985  
मोहर:

५८९ भाई.टी.एव.एस.

(1) मानस लैन्ड मार्क बिल्डर्स,  
6-2-930, खेरताबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

(2) व्रामना मीरा शोती,  
308, शहाजहां अपार्टमेंट, खेरताबाद,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1985

निवेश सं० आर० य० सी० न० 312/85-86—अतः  
मुझे, एम० जगन मोहनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति', जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० पलौट है तथा जो शिवास मेन सोमाजीगूडा  
में स्थित है (अंतर्गत डगबद्द ग्रन्तमुक्ती में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के नामालिय हैदराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख जनवरी 1985कि पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गहर और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
दृश्यमान प्रतिफल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्दह प्रतिक्रिया से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिक्षयों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उल्लेख से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
होने किया गया है :—(क) अस्तरण के इस किसी आय की घटत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
विवित में कमी करने वा उसमें वर्णन का सांख्यक  
। (लैट; बार/वा

अस्तरणी

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी बन वा बन्द वास्तविकों  
को, जिन्हे भारतीय आग-कर अधिनियम, 1923  
(1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रमाणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संरक्षण  
के लिए;को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यान्वयन करता है।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोई भी वार्षेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़भ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और वर्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वहीं अर्थ सुनेगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।फ्लैट शीबासम्लेन, तीमग मंजला, सोमाजीगूडा, हैदराबाद  
रजिस्ट्रीशन विलेख नं० 510/85, रजिस्ट्रीकर्ता द्वाराएम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

दिनांक : 12-8-1985

माहूर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधान (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित ॥—

प्रस्तु. बाहूँ, टी. एम. एच. - - - -

ब्राह्मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाबकर आयुक्त (गिरीशन)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अगस्त 1985

निदेश सं आर० ये० सी० नं० 313/85-86-अतः  
मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

ओय जिसकी सं० एन० एन० तथा जो शीवास ग्लेन सोमाजीगूडा  
में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभी यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसमें दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्तर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतस्ती  
(अन्तोरालयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए कान्य पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
शास्त्रिक रूप से कषित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की काषत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के उद्देश्य  
वालित्व में कमी करने वा उद्देश्य विषय में कमिया  
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितवाओं  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में स्वीकृत  
हो निए;

(1) नैनौर लैंड मार्क विलेज

6-2-930, खैरताबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) प्रीमिय एफ० मीलन और कुमारी करेन मीलन  
फ्लैट नं० 3, अशोक अपार्टमेंट्स,  
कलान ए, कोलाबा बम्बई-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्प्रवर्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
भद्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जाए सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मुद्रण

अपार्टमेंट नं० 304, तीसिया मंजला, शिवास ग्लेन,  
कपाड़िया लेन, सोमाजीगूडा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेज  
नं० 782/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

मम० जगन मोहन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (गिरीशन)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

भल्लू अव उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचार  
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचार (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

दिनांक 12-8-1985

माहूर :

ब्रह्म शाहै.टी.एन.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेश सं० आर० य० सी० न० 320/85-४६---अतः मुझे  
एम० जगन मोहन

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लेट है तथा जो अजीज टाक्सी हैदराबाद में  
स्थित है (और इसे उगाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
चयित है) रजिस्ट्री रिटी अधिकारी के अधिनियम की ओर पल्ली  
में रजिस्ट्री इण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख दिसंबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि वाधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है कि किसी वाय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के  
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी या किसी धन या जन्य वास्तविकों  
को जिन्हे भारतीय वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

(1) मेसर्स मलिङ्ग बिल्डर्स,  
बाई श्री एम० ए० मलिङ्ग, और  
श्रीमती अजीजुलिमा बेगम,  
3-6-290, हैदरगुडा, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)

(2) श्री अहमद शरीफ पिता श्री इस्माइल शरीफ  
16-2-145/6, मलकपेट्ट, हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अंकितयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अंकितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

वन्मृती

फ्लैट न० ए० 4, तीसरा मंजला, अजीज टाक्सी, घर न०  
3-6-290, सेंट लुइस स्कूल रोड, हैदरगुडा, हैदराबाद,  
रजिस्ट्री न० 910/04, रजिस्ट्री रिटी अधिकारी,  
चौकट्टेपल्ली ।

एम० जगन मोहन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः अथ, उक्त आधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

—2 26GI85

दिनांक : 14- 8-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई. डॉ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बोलिम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 321/85-86—ग्रतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो लिंगमपल्ली, बरकतपुरा  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में अंग धूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिक्कडपल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आर०/था

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भै., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० वेंकटारामा रेड्डी, पिता पि० गोपाल रेड्डी,  
पोती देहडीपल्ली विलेज,  
हजुराबाद तालूक करीमनगर, जिला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डॉ० संगमेस्वरी, पिता श्री जनार्दन रेड्डी,  
3-6-102, फर्स्ट फ्लोर, हीमायतनगर,  
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीहां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहेस्ताक्षरी के पास लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों आंद पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
रखा है।

अनुसूची

खुली जमीन प्लाट नं० 39 और 40 का भाग, विस्तीर्ण  
359 चौ० गज, लिंगमपल्ली बरकतपुरा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकर्ता  
विलेख नं० 142/85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चिक्कडपल्ली।

एम० जगन मोहन  
वज्र प्राविष्ठारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 14-8-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269वाँ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 14 अगस्त, 1985

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 322/85-86:—अतः मुझे,  
एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० गोडाउन है जो गर्नी मार्केट में स्थित  
है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेदक में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख दिसम्बर 1984

के पूर्वोक्त संघीत्य के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे वह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिफल से, ऐसे अद्यमान प्रतिफल का पूछ  
प्रतिष्ठत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरक) गाँड़ बन्तरिती  
(बन्तरितीयों) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए तथा जामा ब्या प्रीति-  
कल निम्नानुचित उद्देश्य से उक्त बन्तरक जिसित वा वास्तुचित  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक वा दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बाँड़/वा

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य बासितयों  
को, जिसी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने वा  
दृष्टिका के लिए;

अतः बह, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अन्तरण  
में, वा, इक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नानुचित व्यक्तियों पर्याप्त है—

1. श्रीं पी० डी० मल्लपा पिता विरपा  
पार्टनर मैत्रस श्री वेंकटरमना राइस मिलस मेदक)  
हवेली घनपुरा, मेदक।  
(अन्तरक)

2. मैत्रस श्री वेंकटारमना राइस मील,  
बाई श्री याचम चन्द्रप्पा,  
मैत्रेंजिंग पार्टनर पिता वेंकप्पा,  
हवेली घनपुर, विलेज, मेदक जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उद्देश्य में लगाई भी जाकेतः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वा  
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वा  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जनसूची

गोदाम एम० नं० 3-9-89वी और खुली जमीन, प्लाट  
नं० 13, गंज मार्केट, मेदक रजिस्ट्री कूट ब्लेक नं० 84/  
85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेदक।

एम० जगन मोहन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-8-1985

मोहर

प्रकृष्ट शास्त्री, टी. एम. एस. -----

1. श्रीमती धोधि देवी शशरथाल।

(अनुत्तरक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

2. मैरुसं एक सेलन एजेंसी।

(अनुत्तरिती)

भारत संस्कार  
कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 अगस्त 1985

निर्देश सं० ए० सी०-०६/रेज-४/कल/१९८५-४६--अतः मुझे,  
शंकर के० अनंजी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 100 है, तथा जो गि० घो० रोड  
में स्थित है (अतः इससे उपाबद्ध इन्द्रियों में अंत पूर्ण रूप से  
चर्णित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता  
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 27-12-1984

के पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का  
गहरा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को !उक्त भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए जा, जिसने में  
सूचिता के लिए;

यह सूचना आरोपित करने के अधिकृत व्यक्ति के द्वारा यह  
सिए कार्यवाहियां कहुता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपरान्त में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में बढ़ाया होती हो, के भीतर पूर्णतया  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपरान्त ये प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताकरी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं,  
वही वर्ण द्वारा जो उस अध्याय वे दिया  
जाता है।

अनुष्ठानी

जमीन 1659.22 स्को थिट जमीन 2922.09 वा  
माय मशान पता 106-गिरिश घोष रोड, बेनूर मठ, हावड़ा  
दलीन सं० 1984 का 14।

एस० के० अनंजी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)  
प्रजन रेज IV कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत है—

तारीख: 24-8-1985  
माहूर

प्रस्तुत आई, टी. एन. एस.-----

1. श्री भवानि प्रसाद आगरवाला।

(अमरतरक्त)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

7. श्री राम नारायण शर्मा और अन्य।

(अमरतरक्ती)

## आयकर संघरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 13 अगस्त 1985

सं. ए० सी०-३९/आर-II/इल०/८५-४६—अतः मुझे,  
शेख नईमुद्दिन।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
अंत जितकी संख्या 8 है तथा जो जातकी साहा रोड,  
वासवन्ता-22 में स्थित है अंत इस से उपादान इन सूची में अंत पूर्ण  
रूप से घण्टित है, इसी दिन तीव्रिकारी के द्वारा अधिनियम  
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 15-12-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
(अन्तरीरासदों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा नाया नया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कल्पना लिखित  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी तारीख सं  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट  
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रत्यक्षीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के एंटीग्राफिट  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए; और/या

लगभग 4 1/2 कठा जमीन का साथ एक सल्ला भकान  
8 जानकी साहा रोड, पूर्व नाम रोड, कलकत्ता-22 में  
स्थानित है।

दलील संख्या आर० ए० कलकत्ता का 1984 का आई  
15205।

प्रेष  
शेख नईमुद्दिन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, कलकत्ता

अवृत्त अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, अंत अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तर्त् :—

तारीख: 13-8-1985

लालू

प्राप्ति आई.टी.एन.एस.-----

६. श्री एन० के० घोष

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
धारा २६९-व के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

७. श्री बंजनाथ आगरयाल।

(अन्वरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बर्जन रेंज-११, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक १३ अगस्त, १९८५

सं० ए० सी०-३८/आर०आ० ११/कल/८५-४६—अतः मुझे,  
शेख नईमुदीन,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
१,००,०००/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या ६२० है, तथा जो ब्लाक ओ, न्यू,  
ग्रालिपुर, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावरु  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है (रजिस्ट्रीकरण अधिकारी  
के कार्यालय ए० सी० आ००१० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख  
८-१२-१९४१।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह शतांश से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अधोधः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा धोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

७ कठा ११ छटाक ९ वर्ग फुट जमीन का साथ दो  
तला भक्त ६२०, ब्लाक ओ, न्यू ग्रालिपुर, कलकत्ता में  
प्रवस्थित है।

श्लोल संख्या : एस० आर० ए० कलकत्ता का १९८४ का  
आई० १४७३७।

शेख नईमुदीन;  
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
बर्जन रेंज ११ कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

मारीख : १३-८-१९८५

माहूर :

प्रकृष्ण बाई. टी. एन. एस. -----

6. डॉ. बोसेस सूबेरेट्री लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भा.  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

7. मैं सुभाष सरोवर को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी  
लि.।

(अन्तरिक्ती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन-रेज, कलकत्ता  
कलकत्ता, दिनांक 18 अगस्त 1985

निदेश सं० ५० सी०-३७/आर०-११/कल०/८५-८६—  
यतः मृश, शेख रोईमुद्दीन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 26 ए० ई० एच० है, तथा जो राधा  
माधव बत गाड़न लेन में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुदूषिती में और पूर्ण रूप संर्धिग है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
दायालिय, एस० आर० ए० दलवला में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 17-12-1989

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अंतरण सिद्धि में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है इसी काय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा  
के सिए; और/या

(ब) ऐसी किसी काय या किसी अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
मार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्याख्यायों, अर्थात् ८—

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के यजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही वर्थ होया जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

7 कटा 37 घर्ग फुट जमीन 26 एक्ट, राधा माधव  
बत गाड़. लेन, थानानबलियाचाठा, कलकत्ता-10 में अव-  
स्थित है।

दिल्ली सं० ८०—एस० आर० ए० कलकत्ता का 1984  
का आई०-15240।

शेख रहीमुद्दीन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन-रेज-11, कलकत्ता

तारीख : 13-8-1985

मोहर

प्रस्तुति दी. एव. एस. ——————

1. श्रीमती चिनु दत्त गुप्त।

(प्रतिवक्ता)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती रेखा भट्टाचार्य।

(प्रतिविवादी)

### स्थायक अधिकारी

स्थायक अधिकारी का नाम (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 अगस्त 1985

निदेश सं. ए० सी०-३५/आर०-११/कल०/८५-४६—

अतः मुझे, शेख नईमुहीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,90,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 2 सबै० है तथा जो महेश द्वितीय लेन,  
कलकत्ता में स्थित है (आंदेरे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से घण्टित है), जिस्ट्रीटर्स अधिकारी के वायलिंग,  
एस० आर० आलिपुर में, जिस्ट्रीटरण अधिनियम, 1908  
(1908 वा 16) के अधीन, तारीख 7-12-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) बालुरुण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम को अधीन कर देने के अन्तरक वे वायलिंग  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आर/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बद्दन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्रोप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास विविहत में दिए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, उन्हीं अर्थ हूँगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्यु

2 कठा 3 छिटांक जमीन का साथ वो तल्ला मकान  
28 बौं०, महेश द्वितीय लेन, याना-न्यू आलिपुर कलकत्ता  
में अवस्थित है।

दलिल सं.:- एस० आर० आलिपुर का 1984 का  
5545।

शेख नईमुहीन  
सभी प्राधिकारी  
स्थायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
प्रज्ञन रेज-11, कलकत्ता

तारीख: 2-8-1985

मोहर:

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमतीं अमरालय कांकारिया।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. ओं शिव किंशन काचादि।

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 अगस्त 1985

निदेश सं० ए० सी०-११/रेज-४/कल०/१९८५-८६--  
अतः मुझे, शंकर के० बनर्जी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो कनटाई रोड, में स्थित  
है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रिंग अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 14-12-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

जर्मेन—10.37 एकर जर्मेन का भकान का 20  
प्रतिशत भाग, पश्चा—कनटाई रोड, मिदनापुर।  
क्षेत्र सं० 1984 का 15032।

एस० के० बनर्जी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-4, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, ऐसा अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—  
6—226 GI/85

तारीख: 4-8-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती उमराव बांधिया।

(अन्तरः)

2. श्रीमती कौशल्या कोठारी।

(अन्तरिमीं)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, दिल्ली  
दिसंबर, दिनांक 14 अगस्त 1985

निदेश सं० ए० सी०-१०/रेंज-४/दल०/१९८५-४६—

अतः मुझे, यांकड़ के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
दिक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के  
अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि की सं० है तथा जो बनटाई रोड़,  
में स्थित है और इसे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से घोषित है), जिस्टी ती अधिकारी के वार्तालालय वलतता  
में जिस्टी अंतरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 14-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जर्मीन—10.37 एकर जर्मीन का मान का 21

प्रतिश 4 भाग। पता—बनटाई रोड़, मिदनापुर।

दलिल सं०—1984 का 15033।

एस० के० बनर्जी  
सकार प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, दिल्ली

तारीख: 14-8-1985

मोहृष्ट:

प्रूष वाहौं टौ. एव. एड.—सम्बन्ध

1. श्रीमत अयोध कांकिरिया।

(अन्तराक)

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा  
269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती सरोज कोठारि।

(अन्तरिती)

## भाइप्र सुचना

सम्बन्ध, सहायक बाबकर बाबूल (पिरील)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 14 अगस्त 1985

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उच्च सम्पत्ति के वर्तन के दबावन में कोइ भी वालों

निदेश सं० ए० सी०-१०/रेंज-४/फल०/१९८५-८६—  
अतः मुझे, शंकर के० बैनर्जी,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विस्ता उचित बाजार मूल्य  
1,00000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० है तथा जो कनटाई रोड  
में स्थित है (और इससे उपावद्वा अनुमूल्यी में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 14-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई  
है और मृशं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से  
एंजे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-  
रक (बंतरकों) और अंतरिती (बंतरीतियों) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए हमें पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की वासीन से 30 दिन की अवधि, जो शी  
घ्रावी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पाइ  
लिखित में किए जा सकें।

**सम्बन्धीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उच्च  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमूल्यी

(अ) अंतरण है हुई किसी आद की वापर, उच्च  
अधिनियम के अधीन कर देने वाले अंतरक वे  
दावित्य में कमी करने वा उससे वधने में सुविधा  
के लिए; और/वा

जमीन:—10.37 एकर जमीन का साथ घकान का  
28 प्रतिशत भाग। पता:—कनटाई रोड, मिर्नापुर।  
वलिल सं० 1984 का 15031।

(ब) हासी किसी आद वा किसी भन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उस अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए वा, जिन्हें वे सुविधा  
नहीं लिए;

एस० के० बैनर्जी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

अतः आद, उक्त अधिनियम की भाषा 269-व के अनुसार  
वे उक्त अधिनियम की भाषा 269-व की उभाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धति :—

तारीख: 14-8-1985  
मोहर:

प्रकृष्ट भाई, ठी. एव. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

### भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 अगस्त 1985

निवेश सं. ए० सी०-८/रेंज-४/कल०/1985-८६—

अतः मुझे, शंकर के० बैनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो कनटाई रोड  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 14-12-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके उद्यमान प्रतिफल सं, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हूर्दे किसी बाय की बावत उक्त अधि-  
कारियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शावित्र में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या भन या अन्य आंसूतयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

बतृ बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभाव (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविस्तारों, अर्थात् ॥—

1. श्रीमती अमराव कांकारिया।

(अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार कोठारी।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टोकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

जमीन :—10.37 एकर जमीन का साथ मकान का  
31 प्रतिशत भाग। पता :—कनटाई रोड, मिदनापुर  
दलिल सं. :—1984 का 15030।

एस० के० बैनर्जी  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख : 14-8-1986

मोहृ

इस्यु बाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

### सूचना प्राप्ति

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 37-ई०/464/84-85—अतः मुझे,  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० राधेश्याम कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि०, मोहन नगर, जिला परिषद् के पास, दीम्बक रोड़, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाधान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकाव अधिनियम के निए असरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिकाव प्रतिफल है, एवं उसमान् प्रतिफल का पूर्ण प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तर्फ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में से वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन को अन्य भारीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तादि—

1. श्री मोतीलाल आर० पारेख, 13 राधेश्याम कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, मोहन नगर, जिला परिषद् के पास, नासिक।

(अन्तरक)

2. श्री विनायक नाना पवार, उषा अपार्टमेंट्स मंगल नगर, गंगापुर रोड़, नासिक।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त असरित के अर्जन के अधिकाव में लिए जी आदेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधिकाव में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकूल न० 37-ई०/464/84-85 जो दिसम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पुना के दफतर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 8-7-1985  
मोहुड़

राज्य बाहू. टॉ. एव. पृष्ठ. ——————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वाई

भाषा 269-ए (1) को वर्तीन बदला

### साधारण सुचना

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० 37-ईई०/792/नासिक/84-85—ग्रन्त: मुश्ति, अनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विष्णु इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ए को वर्तीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्पावर ब्यूसिस, जिहका उचित बाजार भूम्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5-सी०, नं० 2, सुनीति को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, बावरे लेन, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक बायकर आयुक्त, निरीक्षण, अर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूम्ब से कम के लक्ष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तीरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि वयापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार भूम्ब उसके अवधारणा प्रतिफल से, एसे अवधारणा प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त (अन्तरिक्तों) के बीच एसे अल्लारण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जवा है ।—

(ए) अन्तरण से हटा किसी भाषा की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साथित में कठी करने वा उससे बचने में संविधा के लिए; और/वा

अनुसूची

(इ) एसी ऐसी भाषा का किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के सिए;

ग्रन्त: उक्त अधिनियम की भाषा 269-ए के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम जी भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

1. श्रीमती लक्ष्मीवाई रत्नीराम गोयल, सुनीति सोसायटी, बावरे लेन, नासिक।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रुणावाई वसंत घोड़के, घिगे बिलिंग में रोड़, नासिक।

(अन्तरिक्त)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाली—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसस्वान्वयी व्यक्तियों पर उक्तमा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्त है, वही अर्थ दाणा, जो उस अध्याय पर है।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई०/792/84-85 जो अप्रैल, 1985 को सहायक बायकर आयुक्त, निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
संसाधन प्राधिकारी  
सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-7-1985

मोहर:

प्रस्तुप बाहर, टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पुना

पुना, दिनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं० 37-ई०/611/नासिक/84-85—अतः मुझे,  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण हॉ फि स्थावर मम्पाल निम्नका उचित बाजार मन्त्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वत्सला निवाम, फ्लैट नं० 2, गोले कालोनी  
नासिक-2 है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयकर  
निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्णकाल सम्पत्ति के उचित बाजार मन्त्य से कद के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवंकित मम्पाल का उचित बाजार  
मन्त्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्नरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पश्चात् यवा प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण  
निरीक्षण में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ द्वितीय की आय की वापत उक्त अधि-  
कारियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
इतिहास में कभी करने या उसमें वर्णन में सूचित  
के लिए; और/या

(ख) उसी किसी आय या किसी धन या कैन्या आसियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षण प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, लिखाने में सूचित  
के लिए;

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ई०/611/84-85  
जो फरवरी 85 को सहायक आयकर आयकर, निरीक्षण  
अर्जन रेंज, पुना के दफतर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

अम गढ़, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसूचन  
में, शै. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धति :—

तारीख: 8-7-1985

मोहर: 8-7-1985

प्रधान आई. टी. एस. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत खटकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 8 जुलाई 1985

निदेश सं. 37-ई०/610/नासिक/84-85—अतः मुझे  
प्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पठनाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी पं० वस्तु निवास, प्लैट नं० 5, गोके कालोनी  
नामिक-2 है तथा जो नामिक में स्थित है (और इसमें  
उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मृशं यह विश्वास  
करने का बाबत है कि अधापर्याप्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल में, गम्भीर दूसराना प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एंस अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरक लिखित में  
प्रस्तुतिक रूप से कार्यत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने से सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वासितायों  
का जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्रावारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः इव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसूचण  
में सै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की जगहना (1)  
वे अधीन, निम्नलिखित अवित्याय, अधति :-

1. श्री आर० जी० मालपाठक, वस्तु निवास, गोके  
कालोनी, नासिक-2।

(प्रन्तरक)

2. श्री गुरुमीत सिंग अर्जुनसिंग बगा, पंचवटी,  
नासिक-3।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्जन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यायों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन के अवधि जो भी  
अवधि आवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
सूचना में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनहृष  
किसी व्यक्ति अवित्याय अभोदसाक्षरी के पात्र  
द्विवित में लिख द्वारा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही वर्ष होंगा जो उक्त अध्याय भी दिव  
पूरा हो।

### अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क० 37-ई०/610/84-85  
जो फरवरी 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

प्रनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 8-7-1985

माहूर ॥

प्रस्तुत वाइ.टी.एव.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निवेश सं० 37-ई०/609/नासिक/84-85—अतः मुझे,  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वसला निवास, फ्लैट नं० 3, गोके कालोनी  
नासिक-2 है तथा जो नासिक में स्थित है (और इसे  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सहायक आयकर  
आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी  
1985

को पर्योक्त सम्पत्ति के लिए बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतीम की गई है और मूँफे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रयोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का  
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप में कीधत नहीं क्या गया है :—

(क) अन्तरण से हृ० किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दावित्य में कमी करने या उससे बचाने में संविधा  
दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया आना आहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् १—

7—226 GI/85

1. श्री सतीश जी० मालपाठक, वत्सला निवास, गोके  
कालोनी, नासिक।

(अन्तरक)

2. श्री गुहमीत सिंग अर्जुनसिंग बगा, पंचवटी  
नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तोष ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तो  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तो  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूत शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बन्धुवी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत का 37-ई०/609/84-85  
जो फरवरी 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 9-7-1985

मोहर :

प्रस्तुप वाहौ. टो. एव. एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा  
२६९-ष (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक ८ जुलाई १९८५

निदेश सं० ३७-ईड०/६१२/नासिक/८४-८५—अतः मुझे,  
अनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
दावा; कि दिनांक १५मंगल अक्टूबर १९०८ के अन्तर्गत आजार मूल्य  
१,००,०००/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० १८ वत्सला निवास, फ्लैट नं० १, अशोक स्टम्भ  
के पास, गोके कालोनी, नासिक है तथा जो नासिक में स्थित  
है (और इस उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महायकर आयकर  
आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
१९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख फरवरी  
१९८५

को पर्वोंकित सम्पत्ति के उत्तिन आजार मूल्य ने इस के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि गठापवोन्न सम्पत्ति वा उचित आजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण तिथित में  
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे अवैन में संविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर नियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम वा  
भनकर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के अंतिनाथ अन्तरकों द्वारा यहाँ किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
संविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ष की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

१. श्री पी० डी० मालपाठक, ५ यशप्रभा, पाटील  
कालोनी, गली नं० २, कालेज रोड, नासिक।  
(अन्तरक)
२. श्री गुरमीतसिंग अर्जुनसिंग बगा, पंचवटी,  
नासिक।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोंकित सम्पत्ति के अवैन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में शमाप होती है, के भीतर पर्वोंकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानीकरण:**--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय २० के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैमा कि रजिस्ट्रीक्त क्र० ३७-ईड०/६१२/८४-८५  
जो फरवरी ८५ को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख: ८-७-१९८५

मोहर:

प्रकृष्ट प्राइंट. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-म (1) के अधीन मन्त्री

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निवेश सं० 37-ईई०/646/नासि०/84-85---अन्तः मुद्रा,  
अनिल कुमार,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह संकरने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फैलौट नं० 17, दूसरा मंजिला, सर्वे नं०  
655/1/8, प्लाट नं० 5 जो नासिंह में स्थित है  
(और इसमें उपावड़ अनुसूची में शांति पूर्ण स्थान  
वर्णित है), रजिस्ट्रेटर अधिकारी के अधीन सहायता  
आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज, मेरे रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम, 1908 (1908 वि 16) के अधीन,  
तारीख मार्च 1985को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रत की गई है और  
मुझे यह विवाह संकरने का कारणहै कि वथापूर्वक सम्भाल का उचित बाजार मूल्य, उसके  
इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अंत-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अंतरण में है कि किसी वाय की बाबत, उक्त  
आयकर अधिनियम के अधीन के अंतरक व  
शायद भी कठोर या उपर व्यवसं  
कृति वा वा(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;वर्तमान, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. मेसर्म एम० आर० ठक्कर एण्ड सन्स,  
द्वारा 1516, भद्रगांगा, नासिक।

(अ)

2. श्रामते पुणा मुरेश नागर, 4185, सोनावण भवन,  
काशगाम मंदिर, पंचवटी, नासिक।

(अन्तरित)

करो यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
न अन्वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवंप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामूल में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों भी सूचित हों।(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तृकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुमूली

जैसा कि रजिस्ट्रेशन नं० 37-ईई०/646/84-85  
जो मार्च 85 को महायह आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेज, पुना के द्वारा दिया गया है।अनिल कुमार  
मक्षम प्राधिकारी  
महायह आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 9-7-1985

मोहुङ्ग

प्रस्तुत वार्ष. दी. एन. एज़. १९८५-८६

**धायकर विभिन्नियन्, 1961 (1961 का 43) की**  
**धाय 269-ब (1) के अधीन सूचना**

प्रायः विक्रमः

## कायदिय, सहायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण)

अर्जुन रेड्या

ਪੰਜਾਬ, ਦਿਨਾਂਕ 9 ਜੁਲਾਈ 1985

निदेश सं० 37-ई०/619/नामिक/84-85--अन्तः मुम्भे,  
अनिल कुमार,  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उमत अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण दृ० कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसके मं० बत्सला निवाम, फ्लैट नं० 4, गोले कालोनी, नामिक है तथा जो नामिक में स्थित है (प्रौढ़ इसमें उपाध्रुव अनुसूचि में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय महायक आयकर आयुक्त निरोक्षण, अर्जन रेज में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985 को प्रदेश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का वारण है कि यथाप्रवृत्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ ही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण निर्दित है—

[४) अस्तरक वै हृष्टे फिरी बाय कौ बायत,, इस्त  
बधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक वै शायत्य  
में कमी करते था उससे बचने में सुविधा के लिए

(c) एसी किसी जाय या किसी घर या जन्म वास्तवी को, जिन्हे भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दिवाया प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

बहुत अधिनियम की धारा 269-ए की अनुसर  
वै, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नविवित व्यक्तियों द्वारा है—

1. श्री मुरेश जी० मालपाठर, बत्सला निवास,  
गोले भालोनी, नासिर० (अन्तरक)
  2. श्री गुरुमीत सिंग अर्जुन सिंग बणा,  
पंचवटी, नासिक-३। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया घोष करता है।

जल्द समर्पित के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी वाक्येष :

- (क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवर्क्षत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नग्नति में चिह्न-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पश्चात लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वच्छोकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्चत  
विधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनसंची

जैसा कि रजिस्ट्रीशन अंक 37-ईडॉ/619/84-85  
जो फरवरी 85 को सहायक आयकर आयुक्त निर्वाचन  
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी

तारीखः ९-७-१९८५

प्रकल्प नामः टो.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश सं 37-ईई०/953/85-86---अतः मूल, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनका मं० पैनेट नं० 9, ए-१, बिलिंग में चिनामणि  
नगर, सर्वे नं० 12811, औद्य, पूना-७ है तथा जो पूना  
में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज में, रजिस्ट्री-  
कारण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन  
तारीख मई 1985

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान  
प्रतिफल के लिए उन्नतीर्ण की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्तावान प्रतिफल से ऐसे दस्तावान प्रतिफल का  
पूर्व ह उत्तिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्ती  
(अन्तरिक्तियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित जटिलता से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उन्नत  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या वन्य वासियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)  
के अन्तर्गत, निम्नलिखित अविकल्पों, वर्णता :—

1. मैं निखिल एन्टरप्राइजेस, 14, बम्बई पूना रोड  
बजाज श्राटो शो रूम के पास, वाहडेवार्डी,  
शिवार्जी नगर, पूना।

(अन्तरक)

2. श्री एल० आर० गणेशन, 1097/3, सुहास माडल  
कालोनी, पूना-16।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के बर्बन के लिए  
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त वर्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अविकल्पों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अविकल्प के माध्यम से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर  
अविकल्पों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मृत्यु

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई०/953/84-85  
जो मई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्रम प्राधि.तरी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीखः 9-7-1985

गोहर :

प्रस्तुप बाई टी एन एर ...

1. मौ० दर्जन बिल्डर्स, 364/12, भवानी पेठ,  
पूना।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वरकात

फार्मलिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश मं० 37-ईई०/13435/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सूचना पायिकारी को यह विवरण करने का  
कारण है कि एक द्वावर अंतर्भूत विवरण उचित वाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर गिरीष मं० रजिस्टर नं० 6, विनिका मं० 3, उपायलवा  
अपार्टमेंट्स, 364/12, भवानी पेठ, पूना-१ है तथा जो  
रुपना में स्थित है (आगे दृष्टि में उपावड्ह अनुसूची में आगे पूर्ण  
पर्ल में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकार के दायील,  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रेशन  
कारण अधिनियम, 1908 (1908 ए. 16) के अधीन,  
तारीख मई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्वायान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार  
मूल्य उसके द्वयान प्रतिफल से, एंसं द्वयान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरीतियाँ) के बीच एंसं अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से अधिक नहीं दिया गया है :—

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के निए  
कार्यबाहिक्यों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के अवैन में कोई भी वाक्योंप्र :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सूचिता है जिए,  
अंदर/वा

(ख) एसी किसी वाय भा किसी भन वा अन्य आस्तियों  
का, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिता द्वाय प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता  
है जिए;

जैसा कि रजिस्ट्रेशन नं० 37-ईई०/12435/84-85  
जो मई 85 को सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (11  
में) अधीन, विवरातिष्ठित व्यक्तियों, वर्षत् ...

तारीख: 10-7-1985

मोहर :

प्रस्तुप काह . टा. एन. एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1985

निवेश सं० एई-2/37ई/14413/84-85—अतः

मुझे, अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते हुए  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फैट नं० 51, रोड नं० 12, कोथरुड,  
पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और हम्मे उपोष्ठ और  
अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नि अधि-  
कारी के कार्यालय सहायक आयकर आपुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908-16)  
के अधीन, तारीख नवम्बर 1984

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति जो उचित बाजार मूल्य से कम की अवधारण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिफल में, एवं दृष्टिमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरीती (अन्तरीतीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्निकृत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी किसी बाय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(छ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तीयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
उद्देश्य से उक्त अधिनियम के लिए किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उम्मारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकृत जर्ता:—

1. श्री विनय कुमार के नाम गाडगिल, 588, लक्ष्मी  
रोड, कुरुड्डवाड, गोवा कालापुरा।

(अन्तरित)

2. मंगरम कुलार्णी एन्ड कुलार्णी, 2158, वदाशिव  
पेठ, विजयदगर गोवा, पूना-301

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में याइ भी जाक्षण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है  
45 दिन की अवधि या भूमिक्वन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
शर्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उभार उभारण के  
गान्न निविक्त में को नहीं:

**प्रष्टोक्तरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में यथा परिभ्राष्ट  
हैं, वही दर्शायेंगे। अन्य संदर्भ से  
दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण का 37 ईडी/7596/84-85  
जो नवम्बर 1984 को सहायक आयकर आपुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिया गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 8-7-1985

संहर :

क्रम संख्या ८२१ एवं पुढ़े

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत भारत

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पुना, दिनांक 12 जुलाई 1985

अर्जन रेंज, पुना

निदेश सं. 37अई० 10318/84-8 --प्रत: मुझे,

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इगके पश्चात 'जनरल अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प० फ्लैट नं. प०-१-१०-वी०, सुजामो को-  
आपरेटिंग हाउसिंग नॉवायर्टी निं० बृन्द गार्डन रोड, पुना  
है तथा जो पुना में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड ग्रिफिली के  
आयालय संदर्भ: त्रिलोक आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पुना  
में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख नवम्बर, 1984

को दर्शान सम्भिति के ३१ लेत बाजार मूल्य से कम के अवधारण  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, तथा इसमान प्रतिफल से, एवं इसमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उत्तरक (अन्तरकों) और  
(बंतरितियों) के बीच इसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरण निरीक्षण में वास्तविक  
रूप से कीधत नहीं किया गया है—

(अ) वस्तुका वर्तमान की वात, उसके  
वर्तीनियत वे जीवन कर देने के बन्दरण के  
लायिक से कोई करणे वा उक्त से वर्तने वे सूचिया  
नहीं किया गया।

(ब) निम्नी क्राए या किसी धन का अन्य वास्तविकों  
का, विन्दु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 रा 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाया चाहिए था, जिसने उन  
परिणामों का दिया

1. श्री रमनी नान घो० मेहता, योगेश वापुभाई,  
चिले पाले (डब्ल्यू०), अस्वर्द्ध-५६।

(अन्तरक)

2. श्रीमती, हरीदा ए० फजलभाई और अन्य,  
सुजाम सेत्तन, ए० वी० रोड, अधिरो,  
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रबोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कहे ही बाबें :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधी व्यक्तियों पर  
मूल्यांकन की तारीख गे 30 दिन की अवधि, जो भी  
वर्ती वाह में समाप्त होती है, के भीतर प्रबोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि  
किसी अन्य व्याकृत द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभासित हैं,  
वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं. 37 ई०/10318/  
84-85 और जो नवम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण, अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
भक्ति प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

प्रत: वाच, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुकरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ८—

तारीख: 12-7-1985

मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्तालाल, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं० 37-ई/12236/84-85--यत, मुझे,  
अन्तर्का० कुमार,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इच्छात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन हथन प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायक गंभीर जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० फैलौट नं० 6, प्लाट नं० 45, दहाणूकर  
बालोंगी में, कोथरुड, पूना है तथा जो पूना में स्थित  
है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर  
आयकर निरीक्षण, अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1985

वार्ता पूर्वक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि दृश्यपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत एं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कीर्तित नहीं किया गया है :—

(अ) अंतरण से हट्ट किमी आय की वावस, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कीर्ति या उससे बचने में सहिता के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहिता के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उवस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
8—226GJ/85

1. मध्यम मोनरच बिल्डर्स कार्पोरेशन, 594, मदाशिव-  
पेठ, एक्सप्रेस टार्मस, दूसरा मंजिला, लक्ष्मी  
रोड, पूना-301

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीण रामचन्द्र पुरांदेकर, 630, नारायणपेठ,  
पूना-301

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस ग्रंथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उद्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तर्का० कुमार

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ई/12236/84-85  
जो मई 1985 को महायक आयकर आयकर (निरीक्षण), अर्जन  
रेंज, पूना के दफ्तर में निवा गया है।

अन्तर्का० कुमार  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 11-7-1985

मोहर:

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश मं० 37-ईई/7587/84-85-अतः मुझे,  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-वा के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह निवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी नं० प्लाट नं० 44 (भाग) 45, 46 मध्ये  
नं० 9 और 10 के पॉर्टल, पुना है तथा जो पुना में स्थित  
है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, महायक आयकर  
आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज, पुना में, रजिस्ट्रीकॉर्ट अधिनियम,  
1908 (1903 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984  
को प्रदूषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमात्र  
अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण  
करने का कारण है कि यथाधूर्वाकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
गूदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी भाव की बावजूद उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वारित्व में  
ज्ञानी भरने या उससे बचन में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-वा के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

1. श्री एस० बी० नाईक और अन्य,  
"वाटर क्वीन", वाटर फील्ड रोड, बांद्रा (डब्ल्यू०)  
बम्बई।  
(अन्तरक)

2. मेगर्स वराड वन्मद्रक्षणम, 1244, मदाशिंच पेठ,  
पुना-३।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार के सिए  
कार्यालयों द्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापे :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवॉक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जैवा कि रजिस्ट्रीकॉर्ट का मं० 37-ईई/7583/85-86  
जो नवम्बर 1984 को महायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 12-7-1985  
मोहर:

प्रस्तुत बाईं. टी.एम.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

## भारत लैटर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० 37 ईई०/7779/84-85—अतः मुझे  
अनिल कुमारआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 बिल्डिंग नं० 2 फ्लैट नं०  
292/2 संगमवाडी, कोरेगवांव पूना है तथा जो पूना में  
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक  
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में राजस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
नवम्बर 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह स्थायमान  
प्रतिफल का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थायमान प्रतिफल से, ऐसे स्थायमान प्रतिफल के  
इन्हीं प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और  
अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
जाया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण में 'हूँ' किसी नाम की जावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी नाम या किसी भूत या अन्य आंसूसयों  
को बिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जत—

1. श्री जी० छोटे० के० द्रस्ट गारगी हंजीनियरिंग एन्टर-  
प्राइजेस ट्रस्टीज विनोद कपूर और विक्की कपूर,  
मरकैन्टाईल अपार्टमेंट्स डॉ० सी० गिर्भवानी,  
रोड चेंबूर बम्बई।

(अन्तरक)

2. श्री विनीत डी० अग्रवाल और अन्य विजय महल,  
चौथा मंजिला 'डी' 'रोड मरीन ड्राईव बम्बई।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अंदरुनीकारी के पास  
निवास में किए जा लकेन।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अधार्य 20-क में परिभाषित हैं  
वही वर्त्त होगा जो उस अधार्य में दिया गया  
है।

लैटर

जैसा कि राजस्ट्रीकृत फ० 37 ईई०/7779/84-85  
जो नवम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पूना

तारीख: 12-7-1985

मोहर:

प्रकाशन कार्यालय, दी.पी.एच.एड.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
269-वा (1) के अधीन सूचना

### भारत वाचन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37 ईश्वरी/6854/84-85—अतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है), की भारत  
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3 प्रेमलोक पार्क प्लाट नं. 14, बिलिंग  
नं. 8, प्लाट नं. 8 सं. 10 नमूना चिचवड अकुडी रोड,  
पूना-33 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावड  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृष्ट्यात्म  
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिहित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हटा किसी आप की वाचन, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तव में कमी करने वा उससे बढ़ने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आप या किसी भन या अन्य आंसूतारों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अन्तरण  
में, पैर, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :—

1. मैं अरबन लैण्ड एण्ड हाउसिंग प्रा० लि०  
“निरंकार” पहुला मोजल 1133/5 एफ० सी०  
रोड शिवाजी नगर, पूना-16।  
(अन्तरक)

2. श्री मुकुंद एस० वायकर रुम नं. 32 आराम  
बिलिंग नौरोकी हिल रोड नं. 4, बम्बई-9।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यालयांकों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के याजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के याजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किए भव्य व्यक्ति द्वारा वापोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीक्त क्र. 37 ईश्वरी/6854/84-85  
जो अक्टूबर 84 की सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 12-7-1985

मोहर :

प्रकृष्ट वाई.टी.डी.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार****कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, पूना।

पूना, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं. 37 ईई०/7493/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है  
और जिसकी सं. एलट नं. सर्वे नं. 729/1 सर्वे नं.  
50 गुलटेकडी पूना-७ है तथा जो पूना में स्थित है (और  
इससे उत्तर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक  
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख  
नवम्बर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और बातरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तद पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(फ) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; शौर/मा

(ग) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयंत रमेश कुलकर्णी 264/4, गणितार  
पेठ, पूना-२।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक तिळकराज अगरवाल चेअरमैन तिळकराज  
कोअपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, अगरवाल  
टोटो स्पेअर्स क्वार्टर गेट, पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्वय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**बमृसृष्टि**

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं. 37 ईई०/7493/84-85  
जो नवम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 12-7-1985

मोहर

प्रस्तुत आई. टी. पन. एस. -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269(ष) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना  
पूना, दिनांक 11 जुलाई 1985  
निर्देश सं. 37 ईद०/7578/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
दान्ण है कि मधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. प्लाट नं. 9 सर्वे नं. 86/1ए कोथस्ड  
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता आंधिकारी के  
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेंज में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के  
अधीन तारीख नवम्बर 1984,  
जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतिम की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि मधावर्बोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
प्रतिशब्द से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण  
निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(१) इस्यमान से हट किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक वा  
वायित्व वे किसी करने वा उदाहरण स्वरूप में सुविधा  
के लिए; और/या

(२) ऐसे किसी बाय वा किसी धन वा अन्य वास्तविक  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ बन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया  
वा या किसी बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नारायण टी० गुडे 16/38 नवशायम सदन,  
चेंबूर बम्बई।

(अन्तरक)

2. मेसर्स अमद कन्सट्रक्शन्स कंपनी, 1205/5, साई  
कुपा अपटे रोड पूना-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी लक्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि  
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताभरी के पास  
लिमिट में बिए जा सकेंगे।

**सम्बोधीकरण :**—इसमें प्रयुक्त संबोधों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ग होगा जो उस बन्धाय वे दिया  
गया है।

**ममूसूची**

जैसा कि रजिस्ट्रीक्युल नं. 37 ईद०/7578/84-85  
जो नवम्बर 84 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 11-7-1985

नोटर :

प्रकृष्ट प्राइवेटी एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं. 37 ईई/7501/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं. 7 तीसरा मंजिला फ्लैट नं.  
38 रामबाग कालोनी पुना-12 भेत्रफल 883 चौ०  
फ्ट) है तथा जो पुना में स्थित है (और इसमें उपावहू  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1984,

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
इन्हीं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
शाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्निक्षित में शास्त्रियक रूप में कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की वादत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देनेके अन्तरक के दायित्व  
में कठी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारण (1)  
को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेरसा अतुल एन्टरप्राइजेस 31, शीला बिहार  
कालोनी एन्डवणा, पूना-4।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश राजाराम शावले 194 गोल्ड फिल्च  
पेठ, सोलापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वचन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त सब्जी और पद्धों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर अ.युक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तर्फः 11-7-1985  
साहूर :

## प्रश्न प्राप्ति दौ. एव. दस्तावेज़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत वरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 11 जुलाई 1985

निदेश सं. 37 ईद०/7527/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व से अधीन सभी सामाजिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौढ़ जिसकी सं. लग्न. नं. 3 पहल, मंजिला, विर्टिङ्ग  
"ए" अधीकत कोअपरेटिव हाउसिंग सोसायटी सी० टी०  
एम० नं. 122 लुल्ल; नगर पुना-४० है तथा जो पुना  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायालिय सहाय  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच  
ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया  
गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के वर्तील कर वर्ते के अन्तरक वे  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) एसी अंकमी आय या किसी धन या अन्य जास्तिया  
के जिन्हें भारतीय दाय-हार अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उन्हें अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीयारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, जिसने दो  
भागिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अनुसरण  
में, ये उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोपाल के० रद्जे श्री अन्य बिलिंडग ए०,  
वीर अशोका कोअपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,  
मी० टी० एम० नं. 122 लुल्ल; नगर,  
पुना-४०।

(अन्तरक)

2. श्री भनजीत सिंग करारा और अन्य हर्सट बिला  
आर० सी० चर्च के पास दौड़ जिं पुना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वहश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षणिकरण :**—इसमें प्रथम सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तिषय  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकूत नं. 37 ईद०/9597/84-85  
जो नवम्बर 1984 को सहायक आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज पुना के वपतर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख: 11-7-1985

माहूर :

## प्रकाशन कार्ड एवं पर्याप्ति

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 15 जुलाई 1985

निर्देश मं० 37-ई/749/84-85—पत्र: मुझे, अनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन संधारन प्राधिकारों को यह विश्वास करने का अधिकार है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लेट नं० 36, दूसरा मजला, मर्वे मं० 722ए/1-1-ए/2, कालेजी रोड, नामिक (क्षेत्रफल 886 चौ० फुट) है तथा जो नामिक में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुभुवी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के द्यायलिय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज पुना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को प्रत्येक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर अधिकार के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके स्थावर प्रतिफल से एसे द्ययमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बनारीरती (बनारीरतियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण (नामुक्त) बास्तोनक के अधीन नहीं किया गया है :—

(५) अन्तरण से ही किसी भाय की नावत, नक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचाने में मद्दत के लिए; और/या

(६) ऐसी किसी भाय या किसी भन्द या अन्द बास्तोनकों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अनारीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया चाहीं था, किनाने में मद्दत के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :

—226 GI/85

(1) मैमन्द पं० डॉ विल्डर्स,  
कालेज रोड, नामिक।  
(379 पानि एम० रो० रोड,  
विले लार्न, बम्बई।)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शता शंकर गव आढव,  
587, गविवार पेट,  
नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके प्रयोग्यत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यप्रयोग :—

(३) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि तक उससे अधिकतर प्रयोग्यत सूचना की तारीख दो (३) दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्थाय बदली जा, तो भीतर प्रयोग्यत व्यक्तियों में से किसी अनियत द्वारा;

(४) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्तित्व द्वारा प्रवाहिताकारी के बात मिलिक से किया जा सकते।

लक्षणोक्तरण :—इसमें प्रयोग्यत शब्दों आंखें लो, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिवा गया है।

## अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकूट क्र० 37-ई/749/84-85 जो अप्रैल 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
प्रत्यक्ष प्राधिकरण  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 15-7-1985

माहर :

**राज्य आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ए (1) के अधीन सुन्ना**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ए (1) के अधीन सुन्ना

**सालव विवरण**

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 15 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईई/8940/84-85—यतः मुद्दे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर इहमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 58, सर्वे नं० 89/1, 90/1  
और 91/1, पार्वती पूना-9 (फ्लैटफ्ल 770 बंधा हुआ)  
है तथा जो पूना में स्थित है (और डस्में उपावड्ह अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
प्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और यह पूर्ण व्यवसाय  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकी) और  
बन्तारीती (बन्तारीतीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीचित नहीं किया जाता है —

(क) बन्तरण से हाई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर दर्ते के बन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में हाविभा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के बन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम को भारा 269-ए की उपभारा (1)  
में अधीन, 'निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

(1) मैसर्स साठे जोटवारी,  
129/सी-2, चिपलूनकर रोड,  
पूना।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश सखाराम जांधके पाटोल,  
92/1, दीपक अपार्टमेंट्स,  
तुक्सीवाग वाले कालोनी,  
सहकार नगर, मेन रोड,  
पर्वती, पुणे-9।

(अन्तरिती)

मैं यह दस्ता बारी करके पूर्वोक्त इमारित के बर्जन के विषय  
कार्यवाहीयों द्वारा करता हूँ।

उक्त दस्ता के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव —

(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा उत्तमात्मी व्यक्तियों पर  
दस्ता की तारीख से 30 दिन की अवधि, यो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस दस्ता वे राजपत्र से बनाहन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा उत्तम अवधि वाले में हितवृष्टि  
व्यक्ति द्वारा अविरत द्वारा व्याहस्तान्त्रिकी वे वाले  
दिवायद वे किए जा देंने।

**लालोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, वे अधार 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही वर्त होंगा, जो उस अध्याय में विवा  
द्या है।

मनुसूची।

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई/8940/84-85, जो  
दिसम्बर 1984 को सहायक आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सकाम प्राधि। आरी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 15-7-1985

मोहर:

प्राकृत आई.टी.एन.एस. . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत लकड़ार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)  
अर्जन रेंज कार्यालय, पूना  
पूना, दिनांक 15 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37-ई/12167/84-85—यतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिछे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, वित्तका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. लाट नं.हाउस नं. 29 (नया)/103 (जून) एन्ड्रेवार पेठ, पूना-2 है तथा जो पूना में स्थित है (और इसने उपावड़ अनुसूचि में आंग पूणे रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण), अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवधान, तारीख मई 1985 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का अन्तर्रत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निम्नलिखित एस्टेटिक रूप से कार्यकृत नहीं किया जाया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ग) ऐसी किसी आय या कम्य ज्ञासितवारों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्धार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मुकुन्द गजानन रानडे और अन्य,  
2/7, विष्णु प्रसाद कोआपरेटिव हार्किंसिंग सोसायटी,  
एन० जी० रोड,  
बिले पाले (ई), बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मैसरं विवसाय बच्चान,  
22 मुकुंद नगर,  
पूना-४७।

(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समस्ति के वर्जन के लिए कार्यकारी रूप से करदा है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षय है—

(क) इस दृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनदाता किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रेशन क्रमांक 37-ई/12167/84-85 है जो मई 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरक्षण, अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
भक्षम प्रविहर  
सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

लाइन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बन्दरस्त  
में, दो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः—

तारीख: 15-7-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ——————

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण).

अर्जन रेज. पूना

पूना, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं. 37-ई/11444/84-85—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. सं अंदर है

और जिसकी रु. सं. नं. 681/3-1, विवेद वाढी, पूना  
है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन  
रेज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति वे उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उक्त अन्तरित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिपाल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरेती  
(अंतरेतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल विमलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विस्तृत में वास्तविक  
रूप से कीभित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त वीष्विवद, वा  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
में वर्धी निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमतो तारा बाई नंदराम विवेद  
और अन्य।  
431, कम्बला पेठ,  
पूना-11।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स घनिटी बिलडर्स,  
405/6, मुलटेकडी रोड,  
पूना-37।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बद के विषय  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बद के सम्बन्ध में बोहेर भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसाकि रजिस्ट्रीकृत नं. 37-ई/11444/84-85  
जो अप्रैल, 1985 वो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना।

तारीख : 15-7-1985

माहूर :

प्रकल्प नाइंटी एन.एच. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

## मार्ग उत्तर

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (विवरण)  
अर्जन रेज पुना

पुना, दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37-ई/15337/84-85—यतः मुझे, अनिस  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार वृद्धि  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ० यूनिट नं. २, इंडस्ट्रियल इस्टेट, मीरा  
विलेज, मीरा तालुक, जिला थाना है तथा जो थाना में  
स्थित है (और इसमें उपावन्द्र अनुमूली में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, पुना में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अप्रैल 1985

के पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार वृद्धि से कम के अधिकार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
वृद्धि, उसके अधिकार प्रतिफल से ऐसे अधिकार प्रतिफल का अन्तर  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे वन्तरण के लिए तब प्राप्त एक  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध  
के आस्तीनिक रूप में कठित नहीं किया जाया है—

(ए) अन्तरमें दूर्दृष्टि विहीन बाज की वाल, अन्य  
अधिनियम के अधीन कर दरें के अन्तर के  
विवित विवित में कमी करने वा सहज विवित में अन्तरक  
के लिए; और/या

(एस) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकल्प नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, शिपान में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अभित् ३—

(१) मैसर्स कुकरेजा कारपोरेशन,  
शाव नं. २९, ६४/ई, दाढ़ीबाला बिल्डिंग,  
जूना हनुमान लेन,  
बम्बई।

(अन्तरक)

(२) मैसर्स सिलीकेट हॉस्ट्रीज,  
६१, नंद भवन, बाबू गेन रोड,  
कालबा देवी रोड,  
बम्बई-२।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में दूर्दृष्टि भी बाल्पृष्ठ १—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेदस्ताभरी के पास  
निवासित भूमि किए जा लकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-वा में परि-  
भासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय वै-  
दिक्षा द्वा रहा है।

## अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र. ३७-ई/१५३३७/८४-८५  
जो अप्रैल 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

आनेल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख: 16-7-1985  
मोहर:

ब्रह्मण वाइ.टी.एन.एड.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ई/11703/84-85—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्रतिक्रियारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० पहला मजला, 336-बी, शुक्रवार पेठ  
पूना (क्षेत्रफल 750 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित  
है (आं इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अप्रैल 1985

ओ पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरीतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
क्षेप, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से इस किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम द्वारा दर्भीन कर दर्भे के अन्तरक के  
बावजूद वे क्रमी करने वा उक्त वापत वे सूचित  
नहीं हैं; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या इन्हें अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगसार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था हा किया जाना चाहिए था, लिखाने में  
सूचित नहीं है;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षित हूँ—

(1) श्री दीनकर नारायण पीसाक  
336-बी, शुक्रवार पेठ,  
पूना-2।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रभावती बी. अनंपुरे और अन्य  
नारायणगांव,  
तहसील जुम्हर,  
जिला पूना।

(अन्तरिती)

वह सूचना वारी करके एकेकत सम्पत्ति के मर्जन के लिए  
कार्यालयालय करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के दस्तावेज में कोई भी वाहणे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अंग  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्वत सम्पत्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनकृष्ण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लालैटरनः**—इसमें प्रथम वार वदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ई/11703/84-85  
जो अप्रैल 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 16-7-1985

सोहा ४

प्रृष्ठ प्राइवेट एन.एस.-----

(1) मैमसं विजय इन्स्टमेंट्स,  
20 मोटोल यार्ड हाउस,  
67-एफ, संत तुकाराम रोड,  
बंगलौर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 16 जुलाई, 1985

निवेश मं. 37-ई/10078/84-85—यतः मुझे अधिनियम  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार  
269-व के अधीन स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. प्लाट नं. 6, पम्ला मंजला, वर्षा अपार्ट-  
मेंट्स, 421/1, मालिसवरी पार्क, पूना (क्षेत्रफल 575  
चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उप-  
क्षेत्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता  
धकारी के रायालिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(2) शेख इकबाल मखबूल,  
800/37, भगवानदास चाल,  
भावानी पेठ,  
पूना।

(अन्नेरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के उपरपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपरपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

## अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र. 37-ई/10098/84-85 है  
जो फरवरी 1985 को महायक आयकर आयकर निरीक्षण,  
अर्जन रेज पूना के दफतर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

यतः अब, उक्त अधिनियम की भार 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भार 269-व की उपभारण (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

तारीख : 16-7-1985

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायांत्रिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 16 जुलाई 1985

निदेश सं. 37-ई/9385/84-85—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सब प्लाट नं. 18, श्रीलालिहार कालोनी,  
सर्वे नं. 45, एरनडवण, सी.टी.एम. नं. 324, पूना  
है तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कायांत्रिय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज  
पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के कायित्र  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आवृद्ध था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, उर्ध्वांतः :—

(1) मैमसं द्वी० बी० पारम्परी० एन्ड एसोसिएट्स,  
1112, मदाशिव पेठ,  
पूना-30।

(2) श्री श्रीपाद पुरुषोत्तम अम्यंकर,  
93/1, एरनडवणा पूना-4।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायांत्रियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टौकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

**अनुसूची**

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं. 37-ई/84-85 है जो  
जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-7-1985

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ई/12016/84-85— यतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1, पहाना मजला, 284/285,  
नामापेठ, पूना-2 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त मम्पनि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमत्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रेक्षण नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :—

10—226 GI/85

(1) मैसर्स अभय असोसिएट्स,  
18/19, रविवार पेठ,  
पूना-2।

(अन्तरक)

(2) श्री मुनील कांतीलाल मुथा,  
123, नामापेठ, पूना-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याग 20-क में यथा परिभाषित  
है, यही वर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता क्र. 37-ई/12016/84-85,  
जो अप्रैल, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 16-7-1985

मोहर :

**राज्य शासकीय एवं एवं**

**आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष्य  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायव्य (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पुना

पुना, विनांक 16 जुलाई 1985

निर्वेश सं. 37-ई/11922/84 85—पत: मुझे अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर भवित्व, जिसका उचित बाबार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ० प्लाट नं. ३, प्लाट नं. ० सी४/सी५ सर्वे  
नं. ० ८८/१/५, पर्यंती, पुना-९ है तथा जो पुना में स्थित है  
(और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज पुना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के अव्याप्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाए है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि वायापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार  
मूल्य, उसके अव्याप्त इतिहास से, ऐसे अव्याप्त  
प्रतिफल के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
सतीफल विभिन्नतिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
शास्त्रिक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(८) अंतरण के लिए किसी बाब की बाबत, उक्त  
बायिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दावित ये कभी करने वा उससे वर्तने वे सुनिश्च  
हो सकते हैं; और/वा

(९) ऐसी किसी बाब या किसी दून या अन्य अधिनियमों  
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
भया था या किसी बाबा वाहिनी या छिपाने में  
कठिना ले लिए;

इस भा० राज्य अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :—

(१) श्री साठे गोडसे  
1244, सदाशिव पेठ,  
पुना-३०।

(२) श्री ए० ए० वालवे  
६७१/२, घोरपडे पेठ,  
एकबोटे कालोनी,  
गुरु कृष्ण,  
पुना-२।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके दूर्योक्त सम्पत्ति के बजेन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बजेन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की हामील से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबूथ  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित ये किये जा सकेंगे।

लघुकरण :—इसमें प्रथम सम्बों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उक्त सम्बन्ध में दिया  
जाए है।

**मृत्युचंद्री**

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं. ३७-ई/11922/84-८५ जो  
अप्रैल 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना।

तारीख : 16-7-1985

मोहर :

प्रकृष्ट वाई. टी. पटेल पहुँच —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37-ई/9497/84-85—यतः मुझे अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विचरण इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-वा के अधीन संख्यम प्राधिकारों का यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ८८ ब्लाट नं. १, पहला मंजूला, विंग ए,  
ब्लाक वी २१२८ वी. ० पी. ० रोड, कैम्प, पूना है तथा जो  
पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कारप्रलियम,  
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना ;  
रजिस्ट्रीर्टा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के,  
अधीन, जनवरी 1985 को

का प्रतिक्रिया के उचित बाजार मूल्य से कम के अर्थमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है भूमि यह विवास  
करने का कारण है कि यह प्रतिक्रिया सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके अर्थमान प्रतिफल से,  
एसे अर्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और बंतरक (अंतरक) और बंतरिती (अंतरितियाँ)  
के बीच अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी बाय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के अधिक  
में कई बारे या अद्यते अन्तरे में सूचित के लिए;  
और/या

(ख) एसी जिसी बाय या किसी भूमि या अस्तित्वों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगात्मक अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसर  
में, भूमि उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति ८—

(१) श्रीमती सुलोचना डी. खुरेंगी,  
ग्राम एवं पोस्ट यवत, ता० वौड़,  
रेलवे स्टेशन के पास,  
जिला पूना।

(अन्तरक)

(२) श्री इसाक सिंहीक मोसा मेमन,  
३३ महात्मा गांधी रोड,  
पूना।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना बारी करके एकत्र सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्ति बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रदूषक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**लघुवीकरण :**—इसमें प्रदूषक वस्तुओं द्वारा पहों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्यात् २०-वा में परिभाषित  
है, वही वर्ष द्वारा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं. ३७-ई/९४९७/८४-८५ है  
जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
संभ्राम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : १६-७-१९८५

मोहर :

प्रस्तुत वाइडीप्लॉन एवं -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 17 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ई/75/84-85-यतः मुझे, अनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके बाबत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
प्रीर जिसकी सं० मनस्मृति कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी,  
ब्नाक नं० बी/21, 3रा बंजला कोल्हापुर, (क्षेत्रफल 850  
चौ० फुट) है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (और इससे  
उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
'निरीक्षण अर्जन रेंज, पुना' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985  
को पूर्वोक्त सूचित के उचित बाजार मूल्य से कम के दबावान  
प्रतिफल के लिए अस्तरीय सूचित के उचित बाजार  
मूल्य, उसके दबावान प्रतिफल है, एवं उसके दबावान प्रतिफल का  
एवं प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकी) और  
अस्तरीय (अस्तरीयी) के बीच एवं अस्तरक के बीच तथा  
उस पर्याप्त प्रतिफल विविधिविविध उत्तराधिकारी के उक्त  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(व) उक्त रूप से हैर्स किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम से अधीन कर दीने के अन्तर्क और  
विधियमें कमी करने वा उक्त विधियमें सुविधा  
के लिए; जारी/शा

(ष) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवियमें  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोध-  
नार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था जिसने में सुविधा के लिए;

बहु: यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बन्दुरण  
में, भी उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन, मिम्नसिहित व्यक्तियों, अन्तर्क ५—

- (१) चेयरमैन,  
मनस्मृति कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी,  
टाकला, कोल्हापुर।  
(अन्तरक)
- (२) विजया चंद्रकात संचेती,  
उला गल्ली, कोल्हापुर।  
(अन्तर्क्षिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्बवाईफॉन भरता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में हैर्स भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
वर्ती बाद में इनपाठ होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकृष्ण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पात्र  
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

तारीखिकरण :—इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के पौरीभावित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 35-ई/75/84-85 है,  
जो फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राप्तिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज, पुना।

तारीख: 17-7-1985

मोहूर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) चेयरमैन,  
मनुस्मृति कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी,  
टाकला, कोल्हापुर।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना(2) श्री जीतेन्द्र कुमार के ० शाह,  
४था गल्ली, शाहुपुरी,  
कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 17 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ई/76/84-85-यतः मुझे, अनिल  
कुमारआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० मनुस्मृति कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी,  
व्लाक नं० बी/20, तीसरा मंजला, कोल्हापुर (क्षेत्रफल  
705 चौ० फुट) है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है  
(ग्रीष्मीय अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी  
1985को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उम्मके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हरै किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कह देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ल) एस किसी बाय या किसी भन या अन्य आमंत्रणों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रदः अन्तर्भूत अन्तर्गत द्वारा उक्त नहा जिया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;यतः वब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
या है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकूट क्र० 37-ई/76/84-85 जो  
फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 17-7-1985

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वर्षाकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37-ईई/11623/84-85—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. ० फ्लैट नं. ० १०६, पहला मजला लोक शिल्प  
वस्तु प्लाट नं. ० ५९, सेक्टर १७, डी० बी० सी०, नई  
बम्बई (क्षेत्रफल ६४० चौ० फुट) है तथा जो नई बम्बई में  
स्थित है (आंग इससे उपाबद्ध अनुसूची में आंग पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का १६) के अधीन,  
तारीख जनवरी 1985

को पूर्णांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिमान  
प्रतिफल वे लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्ते अधिमान प्रतिफल सं. एस अधिमान प्रतिफल का पंचह  
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरको) और अंतरिक्ती  
(अन्तरांशियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए उम पाया बड़ा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख के उक्त अंतरण विविध  
में वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में  
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या ऐसी धन या बन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अंतरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ललित सी० गांधी,  
14 विश्वाल शापिंग सेटर,  
सर एम० व्ही० रोड,  
अंधेरी (ईस्ट), बम्बई

(अन्तरक)

(2) मैसर्स शिपला लि०,  
289 बेलासिस रोड,  
बम्बई सेन्ट्रल;  
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, अंतरिक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

१. दोषकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुद्धवी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० ३७-ईई/11623/84-85  
है, जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना के वक्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 18-7-1985

मोहर :

प्रसूच शाहै. टी. एम. एल.-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बाजार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पुना

पुना, दिनांक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ई/11624/84-85—यतः मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकारा प्रधिकारी को, यह विषयात् करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 606, 6वीं मंजिल, लोक शिल्प  
वस्ती प्लाट नं० 59 मेक्टर 17, डी बी सी नई बम्बई  
(क्षेत्रफल 640 फुट चौ० फुट) है तथा जो बम्बई में स्थित है  
(और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी  
1985

को प्रवृत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित कर गई है और मैंने यह विषयात्  
करने का कारण है कि ग्रामपंचायति सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
वन्देश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त मन्त्ररण निर्दिष्ट  
ने आमतिक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हृदृ किसी बाद की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
विविध दौरों का वर्णन वा उक्त दौरों पर संविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
से, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने गए  
प्राप्ति के सिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसारण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ललित सी० गांधी,  
14 विशाल शार्पिंग मेन्टर,  
ए०० एम० व्ही० रोड,  
अंधेरी (ईस्ट),  
बम्बई।

(अन्तर्गत)

(2) मै०० सिपला लि०,  
289 बेलासिस रोड,  
बम्बई सेन्ट्रल,  
बम्बई।

(अन्तर्गत)

की यह सूचना आरी करके प्रवृत्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवृत्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवयुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहसाक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

लक्षणी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० सं० 37-ई/11624/85-86  
है, जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरी-  
क्षण), अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 18-7-1985

मोहर :

प्रश्न लाइट एवं दूत एवं

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37-ई/11625/84-85-यतः मुझे, अनिल

कुमार

बायकर अधीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, उसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संप्लाट नं. 503, 4था मजला, लोक शिल्प  
बसई में फ्लैट नं. 59, डी० बीसा, नई बम्बई  
(क्षेत्रफल 640 चौ० फुट) है तथा जो बम्बई में स्थित है  
(और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जनवरी 1985

का प्रार्थना सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित एवं  
नालिखित स्थग से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आदित्यों  
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
10 का 11) प्रावृत्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
नियन्त्रण के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या यिहा आता आदित्य, विवादे में  
निवारण हो जाए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक है—

(1) श्री ललित सी० गांधी

14, विशाल शार्पिंग मेन्टर,  
सर एम० बी० रोड,  
अंधेरी (ईस्ट), बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मै० शिप्ला लि०,

289 बेलासिस रोड, बम्बई मेन्टर,

(अस्तित्वी)

कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अजन के संबंध में कोई भी वास्त्रेष :—

को यह सूचना आरा करके प्रबोधित सम्पत्ति के अवैन के लिए

(६) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५५  
दिन तक ग्रहणित या नवसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना हो  
तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में  
समाप्त होनी हो, के भीतर प्रबोधित व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(४) इस सूचना के दातान में प्रकाशन की तारीख से ५५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित  
में किये जा सकें।

प्रधानकारण :—इसमें प्रयुक्त ग्रहण प्रबोधित का, जो उक्त प्राधि-  
नियम ने व्यवायार १० के परिप्रेक्षित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस व्यवाय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रम सं. 37-ई/11625/84-  
85 है तथा जो जनवरी 1985 को सहायक आयुक्त निरीक्षण,  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 18-7-1985

माहूर ४

प्रसूप आई.टी.एन.एस. - - - - -

(1) श्री ललित सी० गांधी  
14, विशाल शापिंग मेन्टर,  
अंधेरी (ईस्ट), बम्बई।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) मै० शिपला लिमिटेड,  
289, बेलासिस रोड,  
बम्बई मेन्टर, बम्बई।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ईद्दि/11626/84-85—या०: मुझे, अनिल  
कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मृष्ट विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 506, पांचवा मंज़ला, लोक शिल्प  
बिल्डिंग, बम्बई फ्लैट नं० 59, सेक्टर नं० 17, डो० बी०  
सी०, नया बम्बई (क्लेनफल 640 चौ० फुट) है तथा जो  
बम्बई में स्थित है (आँग जो इसमें उपावढ़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा० अधिकारी के  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भक्ते यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रो, एस  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिस्त भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, शिपाने में सुविधा  
के लिए;

इति: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जपथाग (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

11-226GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्षेत्र भी बाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तांशरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**बन्धुसंघी**

जैसा कि रजिस्ट्रीशन नं० 37-ईद्दि/11626/84-85  
जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में मिला गया है।

अनिल कुमार  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-7-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ई/11627/थाना/85-86—यतः मुझ  
अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 706, 7वा मजला, लोक शिल्प  
बिल्डिंग में वसई, फ्लैट नं० 59, सेक्टर 17, डी० बी० मी०  
नई बम्बई (ओवरफ्ल 640 चौ० फ०) है तथा जो बम्बई  
से स्थित है (और इसमें उपावन्द्र अनूसूची में पुर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री नर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सहायक आयुक्त आयकर (निरीक्षण), अर्जन रेज पूना में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
शास्त्रीय रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ललित सी० गाँधी,  
मुख्य प्रमोटर,  
लोक शिल्प को-आपरेटिव हार्डिंग सोसायटी  
मर्यादित  
14 विशाल शार्पिंग सेन्टर,  
एम० वी० रोड, अंधेरी (ईस्ट),  
बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मैसस सीपला लि०,  
289, बेलासिस रोड,  
बम्बई सेन्ट्रल, बम्बई।

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में क्षितदृष्टि किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसनी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ई/11627/85-86  
जो जनवरी 185 में सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना के दफतर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 18-7-1985

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 18 जूलाई, 1985

निर्देश सं. 37-ई/11628/84-85—यतः म.मे,  
अग्निल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 105, पहला मजला, नोक  
शिल्प, बमई में प्लाट नं. 59, सेक्टर 17, डी० बी० सी०,  
नई बमई (क्षेत्रफल 888 बो० फुट)।

(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महाकांक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री/मति श्री/कुमारी लक्ष्मि सी गांधी (अन्तरक)

14 विपाल शापिंग सेन्टर अधेरी () बमई

(2) श्री/श्रीमति/कुमारी मिशन निं० (अन्तरिती)

289 बेलाभिस रोड, बमई सेन्टरल, बमई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधी बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेरस्ताक्षरी के पास  
लिखित रूप से किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में विभागित  
हैं, वही अर्थ हैंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र. 37-ई/11628/84-85 जो  
जनवरी 1985 को सहायता आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अग्निल कुमार  
नक्षम प्राधिकारी  
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 18-7-1985

हंगर :

## प्रस्तुत आई.डी.एस.एस.

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 17 जुलाई 1985

निवेश मं० 37-ई/11629/85-86—यतः मुझे  
अनिल कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 206, दुगग मंजला लोक गिल्प  
वसई में फ्लैट नं० 59, सेक्टर 17, डी० बी० मी० बसई,  
बम्बई (ओवरकल 640 चौ० फुट) है तथा जो नई बम्बई  
में स्थित है (श्रीर इनसे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप  
में दर्शन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक  
आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जनवरी 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रति-  
फल निम्नलिखित चूड़ेश से उक्त अन्तरण लिखित में वापरिक  
का से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविभाके लिए;  
जोर/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारीय आपकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या का ना कर दिए थे, लिपाने परे  
परिणाम में भिजा।

प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उस्तादा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित घोषणा, वर्तमान ॥—

(1) श्री ललित सो० गांधी  
14, विशाल शार्पिंग सेन्टर,  
ग्रांडेंग (ईस्ट),  
बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मै० शिवला लि�०,  
289, बेनासिम गोड,  
बम्बई मेन्टल, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
दद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के यथा परिभास्त  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनिल कुमार

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण का 37-ई/11629/84-86 है,  
जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना के दर्भार में लिया गया है।

अनिल कुमार  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना।

नामांकन: 17-7-1985

मोहर

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 18 जुलाई 1985

निवेद्य सं. 37-ईडी/11630/84-85-पत्र: मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वापार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं. ८लाई नं. १०७, पहला मंजला, लोक शिल्प वर्मई, फ्लैट नं. ५९, बेक्टर १७, डी० बी० सी०, नई बम्बई (क्षेत्रफल ६५५ चौ० फुट) है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ये वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुना में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ललित सी० गांधी  
14 विश्वाल शापिंग मेन्टर,  
सर एम० बी० रोड,  
अंबेरी (ईस्ट), बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मै० शिवला नि०,  
२८७, बेलासिस रोड,  
बम्बई मेन्टर, बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यालिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेष्ट :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा पौऽभाव हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

जैमा कि रजिस्ट्रीकून नं. 37-ईडी/11630/84-85 है जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 18-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37-ईई/11633/84-85—यतः मुझे,  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीष्म जिसकी सं. प्लाई नं. 307, 3मरा मंजला, लोक  
शिल्प फ्लैट नं. 59, सेक्टर 17, डी० बी० सी० नई बम्बई  
(क्षेत्रफल 645 चौ० फुट) है तथा जो नई बम्बई में स्थित  
है (ग्रीष्म इसमें उपाख्य अनुसूची में ग्रीष्म पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर  
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जनवरी 1985

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा याहा  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लतिन सी० गावी  
14, विशाल शापिंग मैन्टर,  
अंधेरी (ईट),  
बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मै० शिपला लि०,  
289, बेलासिम रोड,  
बम्बई मेन्ट्रल,  
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीक्रून नं. 37-ईई/11633/84-85 है  
जो जनवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-२, बम्बई

तारीख : 18-7-1985

मोहर :

प्रकाश बाहौदी.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कार्यालय, पूना

पूना, दिनांक 24 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37-ई/1109/84-85- धन: मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' भी हो गया है), की धारा 269-  
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित दाखार मूल्य

1,00,000/- रु. में अधिक है

सर्वे नं. 48, विस्ता नं. 1/2, विलेज मोर्ज वालिद, बेमिन  
तहसील बेशिम जिला थाना है तथा जो थाना में स्थित है  
(आंग उरां उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीरिंग अधिकारी के कार्यालय, बेमिन जो थाना  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अप्रैल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाखार मूल्य से कम के दरमान  
प्रतिफल वे विए अनुरित की गई है और यह विवाह करने का कारण है कि यथाप्रवेक्षत सम्पत्ति का उचित दाखार  
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिकी  
(अंतरिक्षीय) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तब पावा या ग्रीष्म-  
कला इम्नतिवित उद्घोषण से उक्त अनुरित नियित में वास्त-  
विक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरज से हृष्ट किसी आय की वापर उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वायित्व  
में कहीं करवे या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या अन्य आमतयों  
की, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन  
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रतिवर्ती अन्तरिकी दबारा प्रकट नहीं किया गया  
हो वा इसका आना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

जन: इष्ट, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उत्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, इम्नतिवित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कन्वर अजीतसिंह देवल,  
फ्लैट नं. 22, रोड नं. 11, जे. वी. डी.  
स्कीम, जुह, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) एवरसाइट विलडम्प्रा० लि०,  
215, ब्लौना बीना, शापिंग मेन्टर,  
रेलवे स्टेशन के सामने,  
बांद्रा (W), बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपर्क के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

सबसे सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहै भी काबैय :—

(क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
तिवित थे किए जा रहे थे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं. 37 जी०/1109/84-85 है,  
जो अप्रैल, 1985 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 24-7-1985  
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आदेश अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई, 1985

निर्देश सं० 37-ई/11878/84-85- यत/ मुझे,

अविल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ("प्रस्तुत इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 443, पंचायाड़ी, विलेज किसन नगर नं० 3, रोड नं० 22, वागेक हस्टेट, थाना है तथा जो थाना में स्थित है (और इसमें उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एवं उन्तरण के लिए संघ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित :—

(1) मैंपर्स साधना विलडर्स,  
जानकी भवन, किसन नगर, नं० 3,  
रोड नं० 16,  
वागेक हस्टेट,  
थाना।

(अन्तरक)

(2) अजीत सिंग, गुरुबचत सिंह संघ  
जगदीश निवास,  
रोड नं० 16, किसन नगर नं० 3,  
वागेक हस्टेट,  
थाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षणप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**मूल**

जैसा कि रजिस्ट्रीकूल न० 37-ई/11878/84-85 है, जो जनवरी 1985 को सहायक आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अविल कुमार  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-7-1985

ओहर

प्रस्तुति आई.टी.पु.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 25 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37-ई०-१०, 10486/84-85—अतः मुझे, अनिल  
कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. पलैट नं. 101 एअरी अपार्टमेंट पी. नं.  
878 बूटे स्ट्रीट पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाव वा  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरत की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान  
प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरीतयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया  
था या किया जाना आविहृत था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्—

12—226 GI/85

1. मैं पोरवाल बिल्डर्स  
1482, सदाशिव पेठ पूना-30।

(अन्तरक)

2. डॉ. इरफान एम० कुरेशी  
310 सामर अपार्टमेंट, सिनेमा स्ट्रीट  
पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी कहुँचे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन से तिथि  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वापर नहीं है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी क्षय व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

लग्नपूर्णी

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रम सं. 37-ई०-१०/10486/85-86  
जो फरवरी 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

(अनिल कुमार)  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पूना।

तारीख : 25-7-1985  
मोहर।

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना  
पुना, दिनांक 25 जुलाई 1985  
सं 37-ई०ई०/10705/84-85-अतः मुझे, अनिल

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 109 सर्वे नं. 199+204+  
205+206(1) 209(1) विमान नगर कालोनी  
लोहगांव पुना स्थित है (ओर इसे उगबद्ध अनुसूची में शीर  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीडर्टी अधिकारी के कार्यालय  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
मार्च 1985

अपे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि दूसरामान प्रतिफल का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से, ऐसे दूसरामान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक अंतरकों और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) उक्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसीं किसीं आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गंगी एस० लहरी  
द्वारा श्री दिनेश परनलाल संधानी  
19/21 अम्बालाल दोशी मार्ग  
बन्घई ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स भीन बिल्डर्स  
21 21 मातृष्ठाया सोसायटी  
एखडा पुना -14 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रम सं. 37-ई०ई०/10705/84-85  
जो मार्च 1985 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन  
रेंज पुना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 25-7-985

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

1. मैं याकर एण्ड परम.र प्राप्टीस (प्रा०) लि०,  
116, 118 मरीन मरीन स्ट्रीट

(अन्तरक)

बम्बई ।

2. श्री राजकुमार धरमदास लुला  
71 लुला नगर पूना-40 ।

(अन्तरिती)

**वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के वधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 22 जुलाई 1985

निवेश सं० 37-ई०८०, 287, 85-86—अतः मुझे, अनिल कुमार, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान विंग 2 पर 18-ए थाकर ह उस एच० नं 2418 जनरल तिमथा रोड, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुचुची में आई पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक वायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

मेरे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान प्रतिफल के सिए बल्लंगित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिकान प्रतिफल से, ऐसे अधिकान प्रतिफल का पैदौह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वायत, उक्त अधिनियम के वधीन कर दने के अन्तरक वैदायित से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बाड़/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में सुविधा के लिए;

वर: वर, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रश्नकृत व्यक्ति और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या दिया है।

अमृसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रम 37-ई०८०, 287, 85-86 जो 1985 को सहायक आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पूना के वफ्तर में लिखा गया है

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 22-7-1985

साहूड़

## प्रख्यात वाहू, दौरा, एवं प्रदर्शन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37-जी०, 35, 85-86—अतः मुझे अनिल कुमार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्रैंट नं. 19, संवेद नं. 32, (पार्ट) नवधर  
छिलेज तालुका वसई जिला थाना है, तथा जो  
वसई में स्थित है (श्रीर इससे नपावद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक  
आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
बास्तविक रूप से की भूत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण हे हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा हो लिए।

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)

1. मैं ० सलीम हुजाजी कासम और अन्य  
नवीदाला बिल्डिंग रेलवे स्टेशन के सामने  
अंधेरी (वै०) बसई।

(अंतरक)

2. मैं ० स्टेप-इन बिल्डिंग  
२२ जरीना सोसायटी  
एस० व्ही रोड, लकी रेस्टोरेंट के पास  
बान्द्रा बसई।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों से किसी अविक्षित दृष्टान्त;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहु किसी अन्य अविक्षित दृष्टान्त जधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा रहे हैं।

**लक्षण:**—इसमें उक्त सम्बन्धी और वही का, जो उक्त  
अधिनियम की अध्याय 20-क में पौरभावित है  
वही अर्थ होता जो उक्त अध्याय में दिया  
दृष्टा है॥

## अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रम सं. 37-जी०, 35, 85-86 जो  
अप्रैल 1985 को सब रजिस्ट्रार के आफिस में (बसई) दाखल किया  
गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पूना।

तारीख : 29-7-1985

मोहर

प्रस्तुप आई.डी.एन.एस.

**जामकु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

सामाजिक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985

निदेश सं. 37-ई०ई०/ 74/ 85-86—अतः मुझे अनिल कुमार  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है  
 और जिसकी संप्लाट नं. 20 सर्वे नं. 32(पी०टी०) नवधर में  
 स्थित तथा ० वर्सई जिला थाना है सथाजो वर्सई में स्थित है (ग्राम इससे  
 अनुच्छी में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
 कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
 तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह दृश्यमान  
 करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतररक्तों) और अंतरिती  
 (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरूप/या

(घ) एंसीं किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातु ।

1. श्री अब्दुल रश्ताक कालम और अन्य  
 नदीदवाला बिल्डिंग रेलवे स्टेशन के सामने  
 अंधेरी (वै०) बम्बई ।  
 (अन्तरक)

2. मै० स्टेप इन बिल्डिंग  
 22, श्रीना सोसायटी इस० ब्ही० रोड  
 लकड़ी रेस्टोरेंट के पास वान्द्रा बम्बई-५० ।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
 कार्यवाहीयां करता हूँ।

जबत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बावर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदब्दि  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

प्रानुसूची

रजीसा कि जिस्ट्रीकृत क्रम सं. 37-ई०ई०/ 74/ 85-86 जो  
 अप्रैल 1985 को सदावक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज  
 पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 तारीख : 29-7-1985 ।  
 मोहर  
 अर्जन रेंज पूना ।

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. ८०८०/८४-८५

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पूना

पूना दिनांक 29 जुलाई 1985

सं० ३७-ई०ई०/६३/८४-८५—यतः मुझे अनिल कुमार  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदचार 'दभल' अधिनियम' कहा गया है) कि भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से ऊंचिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 7, दुसरी मंजिल आरा० एस० नं०  
447 प्लाट नं० 33 सांगली थोकफल 590 चौ० फुट) है तथा  
जो सांगली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख मई 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि, यह विश्वास  
करने का कारण है कि पथापर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल के  
एवं इसके प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया बया प्रति-  
कल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है ॥

(क) अंतरण से हूँ कि किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने थे अंतरक के  
वायिक्य में कमी करने थे उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

1. श्री श्रीराम वत्ताक्षय वर्मे और अन्य  
२७ संजोग कालोनी, सांगली ।

(अन्तरिती)

2. श्री ए. लिङ्गा सलीम फुलरा

c/o एच०ई० ५ प्लटेवाल, गणपतिपठ सांगली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है  
45 दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की वृद्धि, जो भी  
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहुस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया,  
या या किसी ज्ञाना ज्ञाहिए था, उसपाठ में सुविधा  
के लिए;

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्रम सं० ३७-ई०ई०/६३/८४-८५  
जो मई 1985 को सहायक बायकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी

(सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज पूना

तारीख : 29-7-1985

मोहर :

यतः यथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, जैसे उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नामांतर छ—

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

1 श्री विला फैमनो ट्रस्ट और अन्य

21 ब्राह्मणा 383, 13वीं रोड बान्द्रा, बम्बई  
(प्रत्तिरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पूना, दिनांक 1985

निर्देश सं 37-ई ई/15489/85-86—यसः, मुझे

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के  
अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और अर्जन: सं ० प्लाट नं ८, सर्वे नं ७, हिस्सा नं ० ३ से ५  
सर्वे नं ० १७ (गी) हिस्सा नं ० ११ से १२ जो दिवानमत में स्थित  
तह० वसई जिला—याना है, तथा जो दिवानमत याना में स्थित है  
(और इसमें उपावक्त्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से विविध है)  
रजिस्ट्रेशन की अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त  
निरीक्षण अर्जन रेंज, में रजिस्ट्रेशन करण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अंतर्गत, तारीख अप्रैल, 1985,

को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि गद्धपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के वधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे दूरने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि स्पष्टीकृत क्र० 37-ई ई/15489/85-86 जो  
अप्रैल, 84 को सहायक आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पुना  
के द्वावर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

दिनांक : 5-7-1985

मोद्दर :

प्रसूप भाई, टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुना

पुना, दिनांक 29 जुलाई 1985

निवेश सं० 37-ई/12109/84-85--पतः, मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

ओह जिसमें ० खोज गांव, खुदावलों ता० उल्हासनगर  
जिला थाना सर्वे सं० 158/८, अम्बरनाथ सं० १३१४ है,  
तथा जो उल्हासनगर में स्थित है (और इसमें उपांबढ़ अनुसूची में  
आंग धूर्ण रु० से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायालय,  
सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से, एसे छ्यमान प्रतिफल का  
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
क्षमता की अधिकता नहीं किया गया है ॥

(फ) अन्तरण से हटा किसी भाव या वाचक, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उसके बचने में दूषिता की जिसका  
आरंभ होता है।

(ग) एसी फिसी भाव या फिसी भन मा अन्ना आस्तिकों  
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया आना आवैहए था, छिपाने में दूषिता  
के सिए।

पतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री रतन ज्योति बिल्डर्स

उल्हासनगर, लुकस कम्पाऊण अम्बरनाथ

(अन्तरक)

2 श्रीमती मेरी डिसोजा

महाराष्ट्र हौसिंग बोर्ड 14/254 पहली मंजिल अम्बरनाथ  
(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्तम के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी वाक्य नहीं ॥

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताभारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**प्रत्यक्षीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्य 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ज होंगा जो उस अन्य में विद्या  
गया है ।

### पूर्णपत्र

जैसा कि रजिस्ट्रीकरण नं० 37-ई/12109/84-85, जो  
जनवरी, 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज,  
पुना के घप्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुना

तारीख : 29-7-1985

मोदर :

प्रलूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
प्रति 180-व (1) के अंतर्गत मृत्यु

### भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पुणे

पुणे, दिनांक 29 जूलाई 1985

निर्देश सं 37-ई/12152/84-85—यतः, मुझे,  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 30 खोज खुल्वाली गाँव, ता० उल्हास नगर,  
जिला—थाना, सर्वे नं 158/8, सी० प्रस०/314  
है, तथा जो उल्हासनगर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन रेज,  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारोंख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान  
प्रतिफल वा जिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाह करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरक) और अंतरिती  
(बंतरिती) के बीच एसे अंतरण के लिए हमें आवश्यक आयकर  
का निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
बंतरिती की बची रहे एवं उसके अंतरक की  
बायित्य में लायी करने वा उससे बचवे भैं सुविधा  
ले लिए; और/या

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य कास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यथः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित लाक्रित्यां वर्थतु :—

13—226 GT/85

1 श्री गतन ज्योति विल्डर्स,

उल्हास नाल, नुगम कम्पोनेंट, अम्बरनाथ

(अन्तरक)

2 श्री पफ० प्रम० लाल०, 26, मिला एरिया,  
क्वार्ट्स, अम्बरनाथ थाना, महाराष्ट्र

(अन्तरिती)

4 श्री खोज खुतवाली गांव ता० उल्हासनगर, जिला थाना  
सर्वे नं 1518 सी० फस० 1214

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों वा से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवृणु  
किती बन्य व्यक्ति द्वारा अपौरुषताधारी के पाल  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त वस्तुओं और वस्तुओं का, जो उक्त  
बंतरिती के अध्याय 20-क में वर्तितावित  
है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विद्या गया  
है।

### अनुसूची

जिमा 35 रजिस्ट्रेशन नं 37-ई/12152/84-85 जो  
जनवरी, 85 को महायज आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज, पुणे के दातार में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
मतम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पुणे

तारोंख : 29-7-1985

मोहर :

इसका वाइ. टी. पून. एवं एस. ——————

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाय  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साधारण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं०३७२ई ई/१३५१०/८४-८५—यतः, मुझे,

अनिल कुमार,

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घाडा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का,, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थानीय संपत्ति विसका उचित बाजार मूल्य ;

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसके में सबौं नं० 443(पार्ट) पंचायाई; गांव, रोड  
नं० 22, फिरान नगर, किसान नगर नं० 3, वागले हस्टेट थाना  
(क्षेत्रफल : 567 चौ० फुट) है, तथा जो याना में स्थित है (और  
इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकॉर्टी  
अधिकारी के जायालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण, अर्जन  
रेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ला 16)  
के अधीन, तारीख मार्च 1985

को दूर्वाला सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान  
अधिकार के लिए उन्नतीरत की गई है, और वृक्ष वह विश्वास  
करने का कारण है कि दूर्वाला सम्पत्ति संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अमान प्रतिक्रम वे एवं अस्थानान प्रतिक्रम का एवं  
प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरको) वार अंतरिती  
(अन्तरिताओं) के बीच एवं एवं अन्तरक के लिए उक्त वाय पाया दूर्वा  
ला सम्पत्ति, विविहित उद्देश्य वे उक्त अन्तरक लिखित  
वे वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) उक्त दूर्वा की वाय की वाय उक्त अधि-  
कार के अधीन कर दीने के अन्तरक के दावित वे  
कठी करने वा उक्त वर्तन में सुविधा के लिए,  
वीरथा

(क) एवं किसी वाय या किसी उन या प्रत्येक अधीन के,  
विन्दु भारतीय अन्तर्क अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या अन्तरक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनाव  
व्यापारी इसाए अक्ष वही किया वया वा वा किया  
वाया जाएगा वा, कियाने वे सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की घाडा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की घाडा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धा ५—

१ भैमर्ग साधना बिलडर्स

जानकी भवन, किसान नगर नं० 3, रोड नं० 16;  
वागले स्टेट, थाना

(अन्तरक)

२ श्री विठ्ठल रामचन्द्र मारंग,

चन्द्रभागा निवास, रुम नं० 2, किसान नगर नं० 3,  
वागले स्टेट, थाना

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शूल करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाजीपे ।—

(क) उक्त सूचना के उपरान्त वे प्रकाशन की तारीख व  
४५ दिन की अवधि वा उत्तरांशी व्यक्तिद्वारा उक्त  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
जबाबी वाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तिद्वारा वे दो किसी व्यक्ति इवाया;

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख व  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में उत्त-  
वाद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
वाय लिखित में किए जा सकेंगे ।

सम्बोधकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन-  
यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही वर्धा होंगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकॉर्ट का ३७/ई ई/१३५१०/८४-८५ जो  
मार्च 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, पूना  
के दफ्तर में लिया गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 29-7-1985

मांहूर :

शहर वार्ड. टी.एम.एल. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 25 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37ई/8027/85-86 अतः, मुझे, प्रनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 63, हिस्सा नं० 1--2, पर्वती गांव  
पुणे है, तथा जो पर्वती पुना में स्थित है और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्हर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मई 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर सम्पत्ति  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आम या किसी भन या अन्य आंतरणों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती बाजार ब्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपास में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, यै, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्जन :—

1. श्री प्रकाश महादेश कोरड़  
1058, शुक्रवार पेठ, पूना-2

(अन्तरक)

7. रावत बादसं,  
प्रमोटर्स और बिल्डर्स 376, शुक्रवार पेठ, पूना-2  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु विकासी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

**व्यष्टिकरण :**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया है :

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीर्हत अ. 37ई/8027/85-86 जो  
मई 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना  
के दफ्तर में लिखा गया है।

प्रनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 25-7-1985

मोहर :

**प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.—**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985

निवेदण सं. ३७-ई ३५२२/८५-८६—अतः, मुझे, अनिल  
कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके खण्डात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. फाइनल प्लाट नं. ३९४/सी, सब प्लाट नं. १  
सर्ट नं. २३०-ए पार्ट) जून मिट्टी सेर्वे ४७ पार्ट) सर्वे  
नं. २२९, दिस्सा नं. १ (पार्ट) जून मवे नं. ५४८ पार्ट)  
है, तथा जो थाना से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्व रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर निरीक्षण, अर्जन रेंज, ८  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख जूलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
चाहूँ देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वारा उक्त अन्तरण में सूचित  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित  
के लिए;

उत्तर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोर्य मोहनलाल भट्ट और अन्य  
दालखाना बाग, पंचपाखड़ी, अलंगड़ा रोड़, थाना  
(अन्तरक)
7. मैसर्स डी० ए० पटेल एण्ड कम्पनी,  
कैलाश नगर, एम० जी० रोड़, घाटकोपर(ई) बम्बई  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्षेत्र भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रमुखता शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र. ३७-ई ३५२२/८५-८६ जो  
जुलाई ४५ को सहायक आयकर आयकर निरीक्षण अर्जन रेंज पूना  
के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 29-7-1985

माहर :

ब्रह्म बाई, टी.एल.एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कायाचिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37-ई ई/14293/84-85-अतः मुझे,

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. अम्मासागर प्रार्टमेंट, प्लाट नं. 2 पहली  
मंज़िल, प्लाट ऑफ बी. 226, उल्हासनगर क्षेत्रफल  
600 चौ. फुट है, तथा जो उल्हास नगर में  
में स्थित है (और इसमें उपाबृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायाचिय,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकर्ण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
मार्च, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवयमान  
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और यह विवाह  
करने का कारण है कि व्यापारोंके संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवयमान प्रतिफल से ऐसे अवयमान प्रतिफल का  
अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाता गया  
प्रतिफल, निर्मासित उद्देश्य द्वे उक्त अन्तरण विभिन्न दो  
पासदिक रूप से अधिक नहीं किया जा सकता है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कहा दर्जे के अन्तराल के  
विविध भौंडी करने वा उक्त दर्जे के भौंडी  
के लिए आड़िया

(ख) ऐसी किसी वाय का किसी भौंडी वा अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा अवकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ  
अन्तरिती द्वाया अक्षम नहीं किया जावा किया  
जाना चाहिए वा, कियाने में दूरीया के लिए;

1. श्री दीपचन्द्र अमूलराय सभानी,  
अम्मा सागर, प्रार्टमेंट, प्लाट बी. 226,  
उल्हास नगर  
(अन्तर्गत)
2. श्री बालूमल लूकू मल पखीजा,  
अम्मा सागर प्रार्टमेंट प्लाट बी. 226,  
फ्लैट नं. 2, पहली मंज़िल, उल्हासनगर  
(अन्तर्गत)

जो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यदाहिना करता है।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आशेष :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकरी के तास  
लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्जें और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं. 37-ई/14293/84-85 जो  
मार्च 85 को सेहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज,  
पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पूना

वतः वव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसर  
वै, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपाया (1)  
वै अधीन, निर्मासित वास्तविकों व्यापार ॥

तारीख : 2-7-1985  
मोहर

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० 37-ई/460/84-86-अतः, मुझे, अनिल  
कुमार,

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके बायकर 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया है), को भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० प्लाट नं० 17, दूसरी मंजिल वै शाली अपार्टमेंट्स,  
459, नारायणपेठ पुना-30 है, तथा जो पुना में स्थित है और  
इससे उपाधार अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजस्ट्रीशन  
प्राधिकारी के कार्यालय आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में  
रजिस्ट्रीशन प्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मूल्य के बहु विष्वास करने का कारण है कि यथा-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रति-  
फल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) बनारण से है जिसी बाय की बायत, उक्त  
विभिन्नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
उचित वै किसी बहुत बहुत बहुत वै विभा-  
ग से किए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय बायकर विभिन्नियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, या  
एन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवोलार्थ अन्तरिती इकाया प्रकट नहीं किया जा-  
या या किसी चाला चालीए पर, जिसने में सुविधा  
के लिए,

अतः बाय, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ष के, अनुसरण  
में, मौं, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैर्से विणाल विल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स  
459, नारायण पेठ, पुना-30।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक घोडिशास जामदार  
1327-ई, सवाशिष पेठ पुना-30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यसाधियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ई/460/85-86 जो जून  
85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज पुना के  
घपतर में लिखा गया है।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 29-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत वाहौ दी एवं प्रस्तुति

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं. 37-ई/14673/84-85—यतः मुझे,  
अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें  
एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर उम्मीद, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं.० फ्लैट तीसरी मंजिल पर, हिंगलाज विलिंग,  
प्लाट नं.० 4 मवे नं.० 11-ए, हिंगला नं.० 2, भायंदर, जिला  
थाना, (क्षेत्रफल 661 चौ० फुट) है, तथा जो थाना में स्थित  
है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त,  
निरीक्षण अर्जन रेज में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि वथाम्बाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवधारण  
प्रतिफल से, एसे अवधारण प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय था या गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीजित  
नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के प्रावित्ति  
में कभी करने या उससे उक्त में सुविधा के लिए  
गौरव/दा।

(क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य बासियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के  
लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण  
में उक्त अधिनियम की भाग 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोतः :—

1. मैसर्सं जय कन्द्रवशन अनूसाल वाडी,  
स्टेशन रोड, भायंदर (इल्यू) जिला—थाना  
(अन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रा नागराज पं० जैन  
चैताली मेडिकल स्टोर्म, महाराष्ट्र ज्योति,  
मोदी पटेल रोड, भायंदर (इल्यू) (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों का करार है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में योग्य भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के उचित अवधारण की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर  
दूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उचित अवधारण की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
क्षम किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधिस्थानरी के  
पास लिखित में किए थे रखें ।

ल्पण्डोकरण —इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अधीन 20-के में पर्याप्तिः  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनूसूची

जैमा पि: रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ई/14673/84-85 जो  
अप्रैल, 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, पूना  
के वफ्तर में लिखा गया है ।

अनिल कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

तारीख : 29-7-1985

मोहर :

उत्तर भारत एवं उत्तर असम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ब (1) के अधीन सूचना

### सामग्री सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्स०/2/एस० आर०-१-  
12-४/७६०—प्रसः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ब के अधीन सकार शाखिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक्स-2, बली नगर है, तथा जो ग्राम—बसई  
दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
हार्डिनियम, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 24, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवाह  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि भाषापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवाह प्रतिफल से, ऐसे व्यवाह प्रतिफल के  
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तथा याद  
प्रतिफल निम्नलिखित उत्तरेव ते उक्त अन्तरण लिखित वे  
वास्तविक रूप वे कहिए नहीं किया जा सकता है—

(क) उत्तरेव वे हूँ जिसी बात की वाचत, उक्त  
प्रतिफल के अधीन कर देने के अन्तरक के  
पूर्व वे कही करने वा उससे बचने में लाभिका  
ने लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन्य  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय  
था या किया जाना चाहिए था, जिसने में लाभिका  
के लिए;

उत्तर अधिनियम की भाग 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जन :

1. जगजत राय अरोडा सुपुत्र स्व० श्री रामधन,  
नवाम/—स/-14, एक० एक, बाल॑ नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरक)
2. श्री राज कुमार सुपुत्र श्री शशामलाल;  
4/23, डल्पू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के मिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में साप्ताह होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अधिकत बुआय;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृप्त  
जिसी अन्वय व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
मिलित में किए जा सकते

**स्वाक्षरण :**—इसके प्रयुक्त वाक्यों वारे पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हाऊस ग्रान प्लाट नं० एक्स-2, बली नगर, ग्राम बसई दारापुर,  
दिल्ली, तालाही—155 वर्ग गज ।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-7-1985

मोहर :

## मुख्य आदेश द्वारा संचय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-2, दिल्ली:

नई दिल्ली, दिनांक 11 जूलाई 1985

निर्देश मं० आदि० ए० मं०/प्र०/ग०/२/ए० आर। 1/12-84/  
761-—प्रतः, मुझे, को० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये  
है अधिक है

ग्रौं जिसको मं० ए० नं०-82 है, तथा जो कोर्टी नाम, नई दिल्ली में  
स्थित है (ग्रौं इन० उपायुक्त अनुसुचि में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
उपर्युक्त अंतर्गत अधिनियम के प्रार्थना अनुसुचि के अधीन स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये  
है अधिक है

कार्यालय सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरीक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में है कि किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
आर/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आमदार्यों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए या, जिसके पूर्णांक  
के लिए

अतः इब्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

14—226 CII/83

1. श्री एस० रघुवीर सिंह सुपुत्र एस० मन्त्र सिंह,  
निवासी—जे-11/44, राजीवी गाँव, नई दिल्ली;  
(अन्तरक)

2. श्रीमती जाना बाला आहूजा पत्नी श्री यश पाल आहूजा,  
निवासी—14-वं/7, बैग बन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली  
(अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा  
गी है।

अनुसूची

प्रौ० नं० ए०-82, कोर्टी नाम, नई दिल्ली,  
तालार्ड:-200 वर्ग गज ।

के० वासुदेवन  
भक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निक्षण)  
अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-7-1985

मोहर

प्ररूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 वं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० प० मी०/एक्य०/२/एस० आर०-१/  
12-४४/७६२—प्रतः, भुजे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-वं के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4560 वार्ड नं० 13, 82-5/9, वर्ग गज है, तथा  
जो डिस्ट्री गंज, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है  
(और इसमें उगावड़ अनुसूचे में और पूर्ण रूप में वर्णित है  
रजिस्ट्री अधिकारी के नियालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम, 1908 (1908 ज 16) के अंतर्गत, तारीख

दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तररत की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के दब्लूप्रतिशत में अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीदृष्ट  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा शक्त नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, विषाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं के उन्नरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राकेश कुमार सुपुत्र श्री रनुलाल जैन,  
निवास:—4710, डिस्ट्री गंज, सदर बाजार, दिल्ली,  
अटारनी श्री अनिल कुमार जैन

(अन्तरक)

2. श्री प्रभु दयाल जैन सुपुत्र श्री जीहरी लाल जैन,  
निवास:—4682, प्लाट नं०-19, डिस्ट्री गंज, सदर  
बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी दून्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ हवेगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तसूची

प्र०—नं० 4560, वार्ड नं० XIII, डिस्ट्री गंज, सदर बाजार,  
दिल्ली, तादादी—82-5/9, वर्ग गज ।

के० वामुदेवन  
सदरम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख : 11-7-1985

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३)  
की धारा २६९ घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-२, नई दिल्ली

नई दिल्ली, इनांक ११ जूलाई १९८५

निर्देश सं० आई० प० सी०/गव्य०/२/गस० आर०-२/  
१२-४/७६३—यतः, मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
१,००,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० डब्ल्यू० जैड०-६३ में तथा जो खामपुर,  
दिल्ली-८ में स्थित है (और इसमें उपांचल अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), जिसकी इती अधिनियम, १९०८ (१९०८ को  
१६) के अधीन, तारीख दिसम्बर १९८४

की पूर्णता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके अध्यमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरित के लिए तय था या गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
भौतिक रूप से किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आग की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उत्तरे बचने में संविधा  
है इतए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती इवारं प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, जिसने में संविधा है लिए;

यतः नम्, स्वत अधिनियम की धारा २६९-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री भानवर सिंह मुपुत्र श्री यादराम,  
निवास:—डब्ल्यू० जैड०-७४, खाम पुर, दिल्ली-८  
(अन्तरर)

२. श्री युद्धवर्म सिंह चौहान पुत्र स्व० श्री राम,  
निवास:—डब्ल्य० जैड०-६४, खाम पुर दिल्ली-८  
(अन्तरितो)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के व्यवहार के लिए  
कानूनाधीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के व्यवहार के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अवस्था

प्रो० नं० डब्ल्य० जैड०-६३, खाम पुर दिल्ली-८,  
तादादी—३०० वर्ग गज, खसरा नं० ३२३(मा)।

के० व.मुद्देवन  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-२, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

तारीख ११-७-१९८५  
माहर :

**प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एल.**

बापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत उत्कार्ष

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

गाई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश मं० आई० ए० स००/०/एव००/२/एम० आ०८०-१/१२-४/४  
७६४—अतः, मुझे के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जियहै सं० प्र०० नं०—४०/४ है तथा जो ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपावड़ अनुभूति में और  
पूर्णतः में वृण्णि है), एच०प० तीता अग्रिमा के नार्यालय,  
नईदिल्ली में रजिस्ट्रीड उत्तर अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के आ॒त, तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथाएँकैसे संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके रख्यमान प्रतिफल में एंसे रख्यमान प्रतिफल का अन्तर  
प्रतिशत में उचित है और अन्तरक (अंतरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरीत्या), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण सिद्धित  
में दालानीय रूप में कीपत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवाया प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसके द्वे  
सुविधा के लिए;

बहुत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, इनका :—

1. श्री पर्मनन्द उपल सुपुत्र श्री रामवन्द उपल,  
निवास:—४०/४, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरक)
2. श्री वारण रम चतुर्वेदी सुपुत्र स्व० श्री भगवान दाम  
चतुर्वेदी और श्री वासनेश बुमार चतुर्वेदी सुपुत्र श्री  
काराराम चतुर्वेदी,  
निवास:—१८, जनुनालाल स्ट्रीट, कलकत्ता और  
४०/४, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली  
(अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
प्रार्थनाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थानीर सम्पत्ति में हितदृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहोस्ताभारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्ठोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

### बनस्त्री

बनी हुई प्र०० नं० ४०/४, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आय-कर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

तारीख : ११-७-१९८५

मांहूर

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस. -----

1. श्री अनूत लाल महलोता भुपुत्रश्च; मुन्दर दास महलोता,  
निवासी:-ग-2/57, रोज़ेरी; गाँड़न, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संघायक आयकर बाध्यकार (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जून 1985

निर्देश सं० आई० प० सी००/एक्य०/२/एस० आर०-१/  
12-84/768--अन०, नुस्खे, के० वासुदेवन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' तहा गया है), की भाग  
269-व के अधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि ध्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 57, ब्लॉक-ए-2 है, तथा जो रोजोंगे  
गाँड़न, एरिया ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली में स्थित है (ओर  
इस इवावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
दिसंबर, 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को  
व्यापत्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
4. निए; और/या(ब) देसी फिल्ही आय या किसी भूत या अन्य बास्तियाँ  
को, जिस्त है भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
ज्ञातिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
बाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;2. श्री उमाभला पत्नी श्री राज कुमारभला,  
निवासी:-मी-1/163, जन० पुर्ण, नई दिल्ली  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
भूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वायाः ;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वायाः अधांहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

मनुसंखी

मिशन स्टोर्स, हाइम, प्लाट नं०-57, ब्लॉक ए-2,  
तादादी:-284.3 वर्ग गज, रोजोरी, गाँड़न, एरिया ग्राम बसई  
दारापुर, दिल्ली, स्टेट, दिल्ली ।के० वासुदेवन  
संस्म प्राधिकारी  
संहाय-३ आय-कर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002अतः अर्थ, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यापत्ति ४—तारीख : 11-7-1985  
माहूर ४

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली;

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० प० स०/ग्रंथ०/2/पम० आर०-1/  
12-84/769—यतः, मुझे, के० बासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकं सं० डी-8/4 है, तथा जो माडल टाइन, ग्राम—  
मलिकपुर चौहानी, दिल्ली स्टेट, दिल्ली में स्थित है (आर इसमें  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), अर्जित इत्ता  
प्रतिरूप के अधिनियम, नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसंबर, 1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरीतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में  
वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हृहृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री श्रीचन्द्र मुमुक्षु श्री उदो दास,  
निवास:—डॉ-8/4, माडल टाइन, दिल्ली;

(अन्तरक)

2. श्रीमान् माया देवीं पत्नी श्री किशन चन्द्र,  
निवास:—डॉ-8/4, माडल टाइन, दिल्ली;  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्ता संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्प :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अमुसूची**

प्रौ० नं० डॉ-8/4, माडल टाइन, एरिया ग्राम—  
मलिकपुर चौहानी, दिल्ली स्टेट, दिल्ली, तादादी—282  
वर्ग गज।

के० बासुदेवन  
पक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-7-1985  
माहर :

प्रृष्ठ पाइ. टी. एल. एस. -----

(1) मैं जगत नाथ हरी राम, 191, कटरा नवाब,  
चांदनी चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना(2) श्रामता पुनिता सूरी, निवासी-33, पूमा रोड  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

## भारत एकाउंट

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/ए५० आर-२/  
1-२-४/७७०—अतः, मैंने को० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4/997-999 है तथा जो चांदड़ी बाजार दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन अनुमूली में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के भारतीय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पैकीजिक रूप से कठित मर्ही किया था है—

(क) अन्तरण से हर्दू किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के वायित्व में छोड़ी करने का उससे बचने में मदिधा के लिए और/या

(ख) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाहे लिखित में किए जा सकेंगे।

लालोकरण ८—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

## बनसूची

प्र०० नं० 4/997-999, चांदड़ी बाजार, दिल्ली  
तादादी-495 घर्ग मीटर।को० वासुदेवन  
मकाम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख : 12-7-1985।

मोहर :

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ग्र०००२/ए० 1/12-84  
 771—अतः मृशे, के० वासुदेवन,  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह संकरने  
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० प्र०० न० 2535 ओल्ड न० 3600,  
 है तथा जो वस्ती पंजाबीयन, मठजी मन्डी, दिल्ली में स्थित  
 है (और इसमें उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
 रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के आयनिय नई दिल्ली में भारतीय  
 रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
 अन्तर्गत दिनांक दिसंबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृशे यह विवाह संकरने  
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पूर्ण अंतरित में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
 नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
 कमी करने या उससे बचने में संविधा के लिए;  
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा ग्रक्त नहीं किया गया था  
 या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के  
 लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शृंगार रानी पत्नी श्री मदन गोपाल  
 निवासी-146, मल्का गंजरोड़, मठजी मन्डी, दिल्ली  
 (अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति देवी पत्नी श्री भगवान शाही,  
 निवासी-2535, वस्ती पंजाबीयन, मठजी मन्डी,  
 दिल्ली,  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याद 20-के में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया  
 गया है।

अनुसूची

प्र०० न० 2535 ओल्ड न० 3600, तादादी, 72 वर्ग-  
 गज, वस्ती पंजाबीयन, मठजी मन्डी, दिल्ली।

प्र०० वासुदेवन  
 मक्षम प्राक्षिकारी  
 महाद्युपाय, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रोड-2, नई दिल्ली,

तारीख 11-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैं पुरन चन्द्र अरोड़ा चैरिटेबल ट्रस्ट, ब्लार  
श्रीमान श्री पुरन चन्द्र अरोड़ा, 12/11, शक्ति  
नगर दिल्ली।

(गन्तरक)

(2) दिल्ली हाउस विल्डिंग को-ओपरेटिव, मोमायटी,  
1001-1004, गली तेलीयान, नावलटी, दिल्ली,  
द्वारा वाह्स प्रैसिङ्केंट श्री प्यारा लाल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/एस० आर०/१/  
१२-८४/७७४—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 111/130-132 और 131, है तथा जो  
मौहल्ला जटवारा पुल मिठाई दिल्ली, में स्थित है (और  
इसमें उपावरु अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैं यह विश्वास करने  
का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्टमान प्रतिफल से, ऐसे इष्टमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व  
में कमी करने या उसमें बद्धने से संविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रथोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
संविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

15—226 GI|85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
ब्रूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होया जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्र० नं० X III/130-132, 131 (स्टेयर केस) ताटादी  
38—60 वर्ग गज, मौहल्ला जटवारा, पुल मिठाई, दिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 11-7-1985।

मोहर :

श्रील प्रभाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस०/2/एस० आर-1/  
12-84/775—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' इत्था गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उल्लिख बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 46, ब्लाक जो-3 है तथा जो माडल  
टाऊन दिल्ली में स्थित (अतेर इसमें उपायद्र अनूसूची में  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट हाश्मियारी के कार्यालय  
नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984।

कर पर्वतित संपत्ति के उल्लिख बाजार प्रम्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उल्लिख बाजार प्रम्य  
उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का प्रद्युम्न  
प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(बन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तदन्पादा वा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया जा सकता है।—

(क) अन्तरण से हाहूँ किसी भाव की जाति जल्दी अधिनियम के अधीन कार्रवाई के अन्तरक के दायित्व में  
कठीन करने वा उसके दायते में दृष्टिभा ले लिये;  
मौजूदा/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी प्रन या अन्य आपूर्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ बन्तरिती इवाच प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित  
नहीं किया।

उक्त वाच, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुदात्प  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(१) चरीमतानिया उमा संधु तत्त्वी श्री जे० सी०  
संधु निवासी जी-३/४६ माडल टाऊन, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(२) (१) शशि अग्रवाल पत्नी राजेन्द्रा कुमार अग्रवाल  
(२) रुक्मणी अग्रवाल, पत्नी श्री जितेन्द्र अग्रवाल  
निवासी-३८५४, गली मंदिर वाली, पहाड़ी धिरज  
दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जानी करके पर्वतित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सवंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वतित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिवित में किए जा सकेंगे।

**प्रबोधकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मूल्यांकन

2-1/2 भाग, प्रौ० न० 46, ब्लाक जी-3, नालादी-  
145.15 वर्ग गज, माडल टाऊनदिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्ज रेंज-2, नई दिल्ली,  
तारीख 11-7-1985।  
मोहर : .....

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण  
अर्ज रेंज-2, नई दिल्ली,

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस००/२/एस० आर० १/

१२-८४/७७६—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ३/१६, हैंतथा जो ईन्ट पटेल नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है (आग इन्हें उगाढ़ प्रनुसूची में पूरा रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
१६) के अधीन तारीख दिसम्बर-४

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के क्षयित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अव., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(१) श्रीमती मोहिनी कौर पत्नी श्री सुजान सिंह,  
निवासी-८, ईस्टनवीव, महारानी बाग, नई  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(२) श्री भूषण चन्द (२) श्रीमती राज कुमारी,  
(३) श्री बहादुर चन्द, निवासी ३/१६, ईस्ट  
पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीहृण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ८—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को सामील से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रौ० न० ३/१६, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-२, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 11-7-1985

मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई.ए.एस./यू०/2/एस० आर-१  
12-84/777—अतः मुझे के० वासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 575, ब्लाक सी, है तथा जो  
मजलिम पार्क, ग्राम आजाद पुर, दिल्ली में स्थित है (श्री  
उपायद्वारा अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
दिसम्बर 84।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की जावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र राम किशन, निवासी  
एल० 7, मल्का गंज, सज्जी मन्डी, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राम जनेश्वर जैन श्री नरेन्द्र कुमार जैन  
सुपुत्र स्व० श्री पूरन चन्द्र, निवासी-बी-4  
महात्मा गांधी रोड, आदर्श नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कहें भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों भी से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितद्वध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**वासुदेवन**

प्लाट नं० 575, फ्लाक न० सी०, तादादी-216 वर्ग  
गज, खसारा नं० 63, रवन्य० इस्टेंट, ग्राम आजाद पुर,  
मजलिम पार्क दिल्ली।

के० वासुदेवन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 12-7-1985

मोहर :

प्रकल्प आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एव्य०/२/एस० आर०-  
12-४/७७८—अतः मुझे के० वासुदेवन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-३/ 26, है तथा जो माडल टाऊन,  
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नई  
दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
दारिद्र्य से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रथोजनाथे अंतरारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

(1) श्री गुलशन कुमार बक्शी मुपुत्र स्व० श्री गोविन्द  
राम बक्शी, निवासी एफ-३/२८, माडल टाऊन,  
दिल्ली, अटारनी आफ सिस्टर एन्ड ब्रदर्स,  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कविता क्षम्ब पल्ली श्री रजनिर भट्ट्वा, और  
रजनिश कुमार क्षम्ब मुपुत्र श्री गंगा राम क्षम्ब,  
निवासी बी-१८२, गुजरानवाला टाऊन, दिल्ली ।  
(अन्तरीती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदृढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**शिल्पीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एस० एस० हाउस प्लाट नं० एफ-३/२६, माडल टाऊन,  
दिल्ली, तालाबी 272.22 चर्च गज।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 11-7-1985 ।

मोहर :

प्रस्तुत नाम दीन पत्र, एवं

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
भारा 269-ग (1) के वभीन दृष्टि

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/२ एस० आर-१  
12-४/779—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते हजारों  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विवाद करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, छिक्का उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।**

प्रीर जिसकी सं० 5653, हैं तथा जो कुचा खान चन्द,  
नई सड़क दिल्ली है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और

पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय रसिज्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापर्याप्ति सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (बंतरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितिय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण  
सिद्धित में वास्तविक रूप से कीजिये गया है—

(क) अन्तरण है इस किसी आव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कहु देवे वी अन्तरक के  
सिद्धित में इमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(द) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध वास्तियों  
को बिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खट-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया आगा चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती कमला वती खन्ना पत्नी शिव नाथ  
खन्ना, 5653, कुचा खान चन्द, नई सड़क  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कन्हैया लाल बन्सल फैमली ट्रस्ट, 1143,  
कुचा हरजस मल बाजर सीता राम, दिल्ली-6,  
द्वारा चीफ ट्रस्टी श्री भगवान दास बन्सल।

(ग्रन्तरिती)

कों यह सच्चता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त हम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सच्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तात्त्विक दे-  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सच्चता दे द्वारा दे प्रकाशन की तात्त्विक दे-  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तंपत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा निर्धारित के पास  
निलिख भें किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परि-  
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में विद्या गया है।

### मृत्यु

प्रो० नं० 5653, प्लाट तादादी-81 वर्ग गज, कुचा  
खान चन्द, नई सड़क, दिल्ली-110006।

के० वासुदेवन  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110008

तारीख 12-7-1985

मोहृ०

प्राख्यप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एश्य००/२/एस० आर०/  
12/84/780—अतः मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विन्दे इसके उपरांत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थानीय संपत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है।

ओर जिसकी सं० 5/7, है तथा जो प्लाट नं० 0-3, रूप नगर दिल्ली, में स्थित है (ओर इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलयों नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थानीय प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य, यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थानीय प्रतिकल से, ऐसे स्थानीय प्रतिकल के पौर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय तारा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विवित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी बात की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक वा दायित्व से कमी करने या उससे बचने से सुधारा के विषय; और/वा

(ख) दोस्री किसी बात वा किसी बात का अन्य अस्तित्व के, विन्दे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिली इतार अस्त नहीं किया गया वा वा किया गया चाहिए वा, कियाले वा सुधारा के विषय;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण से, नै, जकर दायित्व की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा—

(1) मै० पी० जे० पी० विलडर्स, 3058-63, दे वन्धु गुप्ता रोड, नई दिल्ली, द्वारा पाठेन्स श्री जे० एन० ग्रोवर

(अन्तरक)

(2) श्री राजिव मिनोचा मुफ्त श्री इन्द्र नाथ मिनोचा, और श्रीमती राज मिनोचा पत्नी श्री इन्द्र नाथ मिनोचा, द्वारा हर जी० ए० श्री इन्द्र नाथ मिनोचा, निवासी फ्लैट नं० 3, रूप नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जासी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षा का कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त अन्तरिती के वर्षा के सम्बन्ध में हटो है श्री ब्राह्मण—

(क) इस सूचना के अन्तर्गत जै इकाइयों की तारीख से 45 दिन की अवधि का उत्तराधिकारी अधिकारी की सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाहर से समाप्त होती है, वे भी ओर पूर्वोक्त अधिकारी के विन्दे अधिकारी होते हैं ।

(ख) इस सूचना के अन्तर्गत जै इकाइयों की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अन्तरिती में हितवृष्टि विन्दे अधिकारी अवैध होती है वा उक्त अधिकारी विन्दे अधिकारी में विन्दे अधिकारी होते हैं ।

लघुविकल्पः—इसमें प्रवक्त वालों और वहों का, जो उक्त अधिनियम, के अधार 20-के विन्दे अधिकारी विन्दे अधिकारी विन्दे अधिकारी विन्दे होते हैं, जो उक्त अधार में दिया गया है ।

अनुसूची

प्र० न० 5/7, बैरिंग प्लाट न०-3, रूप नगर, दिल्ली, तादादी-1300 वर्ग फीट बेसमेन्ट फ्लौर, तादादी-900 वर्ग फीट, ग्राउन्ड फ्लौर ।

के० वामुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर नि (गीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली 110

तारीख 11-7-1985  
मोहर

प्रस्तुत आई. टी. ए. प्र०. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/2/एस०-आर-1/12  
84/785—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

अंतर्जित जिसकी सं० 25/133, है तथा जो 11722, शक्ति  
नगर, दिल्ली, में स्थित है (और डमसे उपाबद्ध अनुसूची में  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के आधीन तारीख विन्नवर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशवर्षाव  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अव्याप्ति व्यापार प्रतिफल से एरो अव्याप्ति व्यापार प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा  
प्राप्त व्यापार, विमानित व्यापार से उक्त बन्तरण  
किए जाने वाले व्यापारिक रूप हैं कौशित नहीं किया जाय है :—

(3) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाजार, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने वाले अन्तरक वा  
शक्ति व्यापार में कमी करने या उसमें बचने में सहित  
के लिए; और/या

अनुसूची

प्री० नं० 25/133, मुनिसीपल नं० 11722, शक्ति  
नगर, दिल्ली, तादादी-200 वर्ग गज ।

(4) एरो व्यापार जाने 21 विली धन या अन्य वासियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्राप्त जननार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सहित के लिए;

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली- 11000

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्ननिमित्त अधिकारी, अधित :—

तारीख 11-7-1985

मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. ----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-ए (1) के वधीन सूचना**

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
 अर्जन रोज़-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्य० 2/एस० आर-1  
 1/12-84/787—अतः मुझे के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ए के वधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, विश्वास उचित बाजार भूत्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० हाऊस नं० 30, है तथा जो रोड़ नं० 7,  
 पंजाबी बाग, दिल्ली, में स्थित है (अंगूर इसमें उपावन्ध  
 अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
 के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीव दिसम्बर 84  
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम की व्यापार  
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 भूत्य, उसके व्यापार प्रतिफल से, ऐसे व्यापार प्रतिफल का  
 पूर्व प्रतिक्रिया में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी वाय की वावत उक्त अधि-  
 नियम की वधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
 कटी करने वा उससे बचने में सुविधा वे निए;  
 और/वा

(1) श्री आर० एन० वर्मा पुढ़ श्री गीता राम, कोटी  
 नं० 30, रोड़ नं० 7, पंजाबी बाग, दिल्ली  
 (अन्तरक)

(2) श्रीमती राज वारीया पत्नी श्री गुरदीप मिह निवासी-  
 52/21, गमजम रोड़ कैरोल बाग, नई दिल्ली।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
 कार्यकारियां करता है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर  
 सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि भाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हिस-  
 बदूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरणी  
 पास निवित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रदूष शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के व्यायाय 20-ए में परिभाषित  
 है, वही अर्थ होता है। जो उन व्यायाय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
 के लिए;

के० वासुदेवन  
 सक्षम पातिकारी  
 महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
 अर्जन रोज़-2, दिल्ली/नई दिल्ली 110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि 5—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एम. -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

(1) के १०८० अंश

भारत भवान

भारतीय, महायक आपकर आयुक्त /निरीक्षण  
अधिकारी रोज़-२, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिसंबर 12 जुलाई 1985

निरेंग सं० आई० ए० नी०/एक्स०-२/ए० आर०-१  
१२४४/७८८— दर्शक मुमे, नं० ३५३२ से ३५३५ और ३५३५आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पासत् 'उत्ता अधिनियम' कहा गया है), वो धारा  
269-ए के अधीन ग्रन्त प्राप्तिकर्ता जो उत्ता विभाग दरगते का  
कारण <sup>१</sup> कि ग्रामीण ग्रन्ति, जिसका उत्ता विभाग मन्त्र  
1,00,000/- रु. से अधिक हैओर दिल्ली नं० ३५३२ से ३५३५ और ३५३५  
है तथा जो नेताजी सुभाष मार्ग, दरीया गंज, बाईं नं० ११,  
नई दिल्ली, में स्थित है (अतः उसे उपावड़ उत्तमुच्ची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), उत्तमुच्ची जाति की वो दार्यालय  
नई दिल्ली, में भारतीय नियन्त्रित अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दारीय दिसंबर 1984  
को पूर्वोक्त मम्पति से उत्तीत बाजार मूल्य में काम के इष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
भर्ते यह विश्वासकरने का कारण है कि ग्रामीण अधिनियम का उचित बाजार  
मूल्य, इसके इष्टमान प्रतिफल में, एंसे इष्टमान प्रतिफल का  
पञ्चकूप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्ननिर्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अधिनियम से  
पास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया <sup>२</sup> ।(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार दर्दे के अन्तरक के दायित्व एवं  
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए अपैर/ए(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या उत्ता अधिनियमों  
को, जिन्हे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या <sup>३</sup> कि उत्ता शाहीह था, छिपारे में सुविधा  
के लिए(1) श्री जोगिन्द्र लिल सुप्रिय जिह और श्री बलवी  
जिह सुपुत्र श्री कुमा जिह, नेताजी 3540,  
नेताजी सुभाष मार्ग, दरीया गंज, नई दिल्ली।  
(अन्तरक).(2) श्रीमती दरेंज राजनीति पत्नी श्री जशवार सबलोक  
श्रीमती नीति राजनीति पत्नी श्री बिनोद सबलोक,  
मास्टर विक्रम भश्वलोक माइनर पुल स्व० डा०  
हरविर जिह सबलोक, दाया हर मदर श्रीमती  
सुप्रभा राजनीति जिलाकी-28/17, शक्ति नगर,  
दिल्ली।  
(अन्तरिती)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त मम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
जारीकरण की तारीख द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपति में हित-  
लक्ष्म किसे अन्य आयुक्त द्वारा अधोहस्ताकरी को  
पास लेनीही में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अन्तमध्ये

प्रौ० नं० 2532 से 3534 और सदावर केस नं०  
3535, दावादी 56.00 वर्ग गज, नेताजी सुभाष मार्ग,  
दरीया गंज, बाईं नं० ११, नई दिल्ली।के० वासुदेवन  
गक्षम प्राधिकारी  
महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज़-२, नई दिल्ली-110002अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरर  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (11)  
के अधीन, निम्ननिर्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 11-7-1985

माहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/37 ई०/12-84/

544—अतः मुझे के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को घह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० 5 है तथा राजनारायन  
रोड, सिविल लाईन, दिल्ली, में स्थित है (और  
इससे उपबद्ध अनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के० कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख  
दिसम्बर 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-  
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तारीख में  
प्रस्ताविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर इनके अंतरक क  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सांकेतिक के लिए;(1) श्रीमती रेनुजा, निवासी डी-1/101 ए, सत्य  
मार्ग, चाणक्य पुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल मगंला, निवासी 1961, कट्टरा  
सहगलाही, चादनी चौक, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए  
कार्यकौशल करता है।

उक्त सम्पत्ति के बचन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पाल  
निरीक्षण में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवं का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनूसूची

फ्लाट नं० 5, 2, राज नारायन रोड, सिविल लाईन,  
दिल्ली, टावादी-2000 वर्ग फिल्ड।के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—तारीख: 11-7-1985  
मोहर:

## प्रधान वार्ता दोः एकूण एवः ॥

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, उद्योग आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/३७ ई०/१२-४

५४५—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधीनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिमकी मं० क्रिडिंग नं० 3, है तथा जो अराम बाग नई दिल्ली, में स्थित है (ओर इसमें उपावध अनुमती में और पूर्ण स्वयं से दर्शाया है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गयी है और भासे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ दाया कथा प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तवेद्यों से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण के हृदय की वास की वासना, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दौषित्र में कठीन करने पा उससे धनन में हृदयिता के दिए; और/वा

(ब) देवी की वास या किसी धन या अन्य आस्तीनों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं० भनेंट्र प्रोटोकॉल एन्ड इन्डस्ट्रीज लि०, 102-103, राजाहाऊन, 30-31, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० मिमनी एन्ड सन (एच० य० एफ०), पी-16, साऊथ पैकेटेन्स भाग-11, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(६) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(७) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमदृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधाहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में दिए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रथोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मैजनित फ्लोर विल्डिंग नं० 3, अराम बाग, नई दिल्ली (लोकल शॉपिंग सेंटर) नावादी 270 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 11-7-1985

मोहर :

प्रस्तुप बाहौदरी, एन.एस.-----

(1) श्री बलबीर सिंह द्वारा ओममानक विज्ञाप  
जी० 24/2, मारीना ओरेंज़ लॉडनार्ट गर्कंगा,  
नई दिल्ली।

(अन्तर्गत)

(2) मै० दिन्दुस्तान प्लाईवुड 2/2, देशबन्धु गुप्ता  
रोड, पहाड़ गंज नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ग० नी०/एक्य००/२/३७८८/१२-८५-  
५४६—अतः मुझे, दो० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/10070 और 10071 हैं तथा जो  
गली न० 1, मुलतानी डन्डा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित  
है (आर इसमें उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-2, नई दिल्ली  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख  
दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके धर्यमान प्रतिफल सं, ऐसे धर्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धारित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी आय मा किसी भन या नन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के अन्बन्ध में कोइ भी आलेख :—

(क) इस सूचना के उपयन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के उपयन में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोत्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रौ० नं० 15/10070 एन्ड 10071 गली नं० 1,  
मुलतानी डन्डा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली, ग्राउन्ड फ्लोर  
तादादी 675 वर्ग फिट, पहली मंजिल तादादी 202 वर्ग  
फीट।

क० वासुदेवन  
सधम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख : 11-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई. टॉ. एन. एड. — — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-व (1) के अधीन भूषण

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्स (तिरीक्षण)

अर्जन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं. 0 आई० ए० सी०/एक्यू०/२/३७ ई०/१२-४/  
५४७—अतः मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
फारम है कि 'आवार सम्पादन', जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिनकी सं. ० फ्लाइ नं. ३८३, है तथा जो ए-५ एन्ड  
ए-६, रजिस्टर नं. ३८३, नई दिल्ली में स्थित है (अर्ज इमें  
उपरवाले अनुसूची में पूर्ण रूप से दर्शित है), रजिस्ट्रीर्टा॒  
अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-१, नई दिल्ली भारतीय  
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दारीद्र दिसम्बर  
1984,

को पूर्वोक्त संपर्कित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के निए अन्तर्भूत की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाकृत अन्तर्भूत का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का फन्ह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्भूती  
(अन्तर्भूतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा या गया  
प्रतिफल, निर्मालित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्विद्ध  
मास्त्रिक सूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हूँह किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाधे अन्तर्भूत बुद्धता इकट्ठ नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, तेथाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, ये उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) मै० विश्वा प्रोत्तरीज (प्रा०) नि०, चांदी मंजिल  
सीज़ला हाऊस, 73-74, नेट्रू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्दरक)

(2) मै० सैमको इन्स्ट्रीकल, 9/5, ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपर्क के अर्बन के लिए  
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्बित के अर्बन के संबंध में कोइ० भी वाक्य नहीं

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा  
षीय बाद में स्थाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे,

**प्रष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्टों का, जो उल्लं  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ध होगा जो उसे अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

बुक्स फ्लाइ नं. 303, मल्टीस्टोरी बिल्डिंग नं.  
ए०-५ एन्ड ए-६ कम्पूनिटी सेक्टर राजिन नगर, नई दिल्ली  
लाइटी-४९७ वर्ग फिट।

के० वामुदेवन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण)  
अर्जन रेज-२, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-7-1985  
मोहर

प्रधान लाइ. टी. ए. एस. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरोधाभास)  
श्रजन रेज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/2/37८६/12-84/  
५४८—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' लहा भया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
फारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी मं० बी-2/3, है तथा जो नैनीवाला बाग,  
आजादपुर, दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनु-  
सूची में पूर्ण रूप में वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, श्रजन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961, के अधीन तारीख दिसम्बर 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की छायमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और भभे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके छायमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लग पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरणों से उच्च अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) गोपी किसी आय या गिली भन या अन्य आयिकाओं  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या जिया जान आक्रिया या, जिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उल्लंघन (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोनु :—

(1) मै० सार्व कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्रा० नि०, बी-88  
जी० टी० करताल रोड हन्डम्टीयल एरीआ,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) हिमिरियल हन्टरनेशनल प्रा० नि०, डायरेक्टर  
कत्वन नैन कीर, 12/17, शक्ति नगर,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयित करता है।

उक्त सम्पत्ति जै अर्जन के अन्तर्भूत में कोई भी व्यापे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसमें अधिकतमें पर  
सूचना की साप्रील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
बम्भ याद में भवाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान प्रतिति में हितबहुत  
किसी अन्य अकित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के बाह  
लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ छोगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मार्य भवन, बी-2/3, नैनीवाला बाग, आजादपुर,  
दिल्ली, नामांदी पलाट नं० 4, पहली मंजिल।

के० वासुदेवन  
मक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
श्रजन रेज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 11-7-1985

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/३७ ई०/१२-८४/  
५४—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ए-८, है तथा जो ब्लाक "ए"  
४५, द आल, दिल्ली-७, में स्थित है (और इसमें आपबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण स्वप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आयकर  
अधिनियम 1961, के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्षेत्र विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इयमान प्रतिफल से, एवं इयमान प्रतिफल का पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती  
(बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धित में  
बास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है ८—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम व अधीन कर देने के बन्तरक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ख की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) मैं० रेनटरस एन्ड फाइनेंस प्रा० लि०, प्लाट  
नं० 4, 'दक्षिणेश्वर' 10, हैली रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) मैं० नारायण कोल्ड स्टोरेज एन्ड अलाईड इन्ड-  
स्ट्रीज प्रा० लि०, 26-सी, लारेंस रोड हैन्ड-  
स्ट्रीयल एरीया नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

क्षे वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीहासा करता है ८—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ८—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाहर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
कियी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किया जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए-८, ब्लाक 'ए' 45, द माल, दिल्ली-७,  
तादादी 313 वर्ग गज।

के० वासुदेवन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली-110002

तारीख 11-7-1985

मोहर:

शहर अधीक्ष. टी. पृष्ठ. एवं एवं, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/२/३७ ई०/१२-८४-  
५५०—अतः मुझे, के० वासुदेवन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('विस्तृ इसमें  
इसमें उल्लिख 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-  
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राउन्ड फ्लोर नं० ०७, है तथा जो  
एम० जी० हाऊस, वजिर पुर, दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपावढ़ अनुमती में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख दिसम्बर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उहके रख्यमान प्रतिफल ते ऐसे विश्वास प्रतिफल वा  
प्रत्यक्ष उत्तिष्ठत वे अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिक्षी  
(अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अनुरूप के सिए तब यह यहा प्रति-  
क्रिया विविहित उत्तरोद्धरण के बहुत अंतरम विविहित वे वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरम वे हृदृ विदी वाय की आवश अवृ अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए  
मौजूदा;

(ब) एसी विदी वाय का विदी वाय का विदी वायस्त्री  
को, विदी वायस्त्री आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या उक्त  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा  
प्रबोधनार्थ अन्तरिक्षी द्वाया प्रकट नहीं किया गया  
वा वा किया गया चाहीए था, छिपाने वे सूचिया  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

17-226 G1/85

(1) श्रीमती राज मलिक, निवासी—डी-1104, न्यू  
फैडेस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) एस० कुलदीप सिंह, निवासी-4-सी०, अंक 9,  
पोकेट बी०-फैज—, अशोक बिहार, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोइँ प्री वाक्ये हैं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के द्वारा  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
व्यक्तियम के अध्याय 20-क में परिचित  
हैं, वही वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
हो।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर नं० ०७, एम० जी० हाऊस वजिर पुर,  
दिल्ली, तावादी-268 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-11

तारीख : 11-7-1985

माहर :

प्रकाशन आवृत्ति दी एवं प्रदान की गयी।

**बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वा (1) के अधीन दृष्टना**

### भारत राष्ट्रपति

कार्यालय, सहायक बाबकर बास्कत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/३/३७ हई/१२-४

687—घटा: मुझे सुनील चोपड़ा,

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'बाबकर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा के अधीन उक्त अधिकारी की यह विश्वाय करने का कारण है कि ल्पाल्ट उम्मीद, वित्तका उपचार बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 31, है तथा जो जैन को-आंपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लि०, दिल्ली में स्थित है (और इससे, उपायम् घनूसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख दिसंबर 1984

को पूर्वोक्त उम्मीद के उपचार बाजार मूल्य से उक्त के उत्तराधिकारी के लिए अन्तरित की गई है और मूर्छे यह विश्वाय करने का कारण है कि उक्तपूर्वोक्त उम्मीद के उपचार बाजार मूल्य उक्तके उपचार अधिकारी से, ऐसे उपचार अधिकारी का पूर्ण प्रतिष्ठान से अधिक है और उक्त अधिकारी (उक्तरक्ती) और अन्तरिती (अन्तरीरिती) के बीच एक उपचार के लिए तथा याता गया प्रतिफल निम्नलिखित उम्मीदेव से उक्त अन्तरज्ञ विनियोग में वास्तविक रूप से अधिक यही किया गया है—

(क) अन्तरज्ञ संकुट नियम की आवश्यकता उपचार अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अविवित वैधिकी करने या उपर्युक्त उपचार से संविधान के सिए; और/वा

(ख) एकी कियी आय या कियी भन या अन्य आविष्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मरवाना के लिए;

घटा: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसरण में, वैद्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पदम चन्द जैन, 841, भोजपुरा, मालीवाड़ा, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चन्द गोयल, एफ० नं० 15, सी-40, द्वारका सदन, कनाट पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह दृष्टना आजी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियाँ करुता हैं।

उक्त उम्मीद के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस दृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भैं से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस दृष्टना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रब्रह्मत वस्त्रों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-के में परिभावित है, वही वर्त होगा जो उक्त अन्याय में दिया गया है।

सुनील चोपड़ा

प्राप्ति नं० 31, जैन को-आंपरेटिव हाऊस बिल्डिंग,  
सोसायटी लि० हुबली इनकलेव, दिल्ली तादादी 232.33  
बर्ग गज।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 12-8-1985

मोहर :

दस्त वाहू दी इन्हें

(1) श्री कान्ती लाल हामी, निवासी भी-1/पूसा रोड,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा  
भारा 269-ए (1) के अधीन तृष्णा(2) भी भी आर मुदुल, निवासी इम-७०, चेटर  
कैलांग-१, नई दिल्ली ।

(अन्तरिक्षी)

## प्राप्त स्थान

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा  
भारा 269-ए (1) के अधीन तृष्णा

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ ई०/१२-४/  
६९८—प्रतः मुझे, मुनील चौपडा,  
आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० ए-५, है तथा जो नीती बाग, नई दिल्ली,  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से  
बर्णित है), अर्जन रेंज-३, नई दिल्ली में भारतीय  
आधिकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख इसमें  
1984

का पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवधान प्रतिफल से, एसे अवधान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरीतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पर्या-  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चवरेय से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से अंतरण नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्ति में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

मुनील

(घ) एसी किसी आव या एकसी धन या अन्य आविष्यों  
को दियहै भारतीय आधिकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा १९-  
वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा  
प्रावेनार्थ अस्तरीय इवाय प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ॥

प्रो० नं० ए०-५ नीती बाग, नई दिल्ली तादादी  
८५३.३३ बर्ग गज, एक मंजिली जमान ।

मुनील चौपडा  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आधिकर आमुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-३ दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

प्रतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुतरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, असति ॥

तारीख : 12-८-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.पृष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ग (1) के वधीन सूचना

## व्यापक दरबार

कार्यालय, सहायक आयकर बास्केट (मिस्ट्रीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985

निवेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ ई० ई०/१२-  
८४/६९९—आतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के वधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विवाद करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर-9/3, है तथा जो विकाजी कामा पलेस,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनूसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख  
दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाका बदा प्रति-  
शत निम्नलिखित उद्धरण के उपर अन्तरण जिसके बाहरीक  
का भी अधिक नहीं किया जा सकता है—

(१) बदारण के हाई कोर्टी कानून की वायद उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे व्यक्तियों में  
की बहुत या अल्प दूरी में दूसिरा के लिए  
दौड़ाया

(२) दौड़ी किसी कानून का किसी वर्ष वा वर्ष जास्तीय  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम वा अ-  
प्रतिवेदनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाय  
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—

(1) श्रीमती सुमन हजिला, निवासी-डी-1/50, बसन्त  
विहार, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० एन० गुप्ता (2) श्री ओ० एन० गुप्ता  
(3) श्रीमती कमला गुप्ता (4) श्रीमती संगीता  
गुप्ता और श्रीमती पजीं देवी निवासी 694,  
चर्च रोड़ सिविल लाइन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

वह उक्त सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वोइ भी आक्षेप —

(३) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की लाईन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
दात वर्ष में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों वर्ष में जिसी व्यक्ति द्वारा

(४) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
दृष्टि किसी वर्ष व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताकरी वर्ष  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्बोधीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्टों और पर्सों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित  
हैं, वही वर्ष होंगा जो उक्त अध्याय में विद्यम  
होता है।

मनूसनी

प्र० न० आर-9/3, विकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली  
तावादी 501, वर्ग फिट ।

मनूसनी चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 5-8-1985

मोहर

प्रकल्प वाइ.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भार 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निवेश सं. आई.ए. सी.एक्यू.3/37 ई.12-84/  
700—अतः मुझे, मुनील चौपड़ा।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भार  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 69, है तथा जो जनता को-ओपरेटिव  
हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लि०, दिल्ली, में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आकर अधिनियम  
1961, के अधीन तारीख दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षण)  
और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से है किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक को  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, जिसने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की 1(रा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) श्री विरेन्द्र नाथ सूद सुपुत्र स्व० श्री प्रान नाथ  
निवासी ए-7 हैज खास नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरचरन दास जैन सुपुत्र स्व० श्री एफ०  
सी० जैन निवासी-एल०-214 साकेत नई  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्लाट नं. 69, तालादी-300 वर्ग गज, जनता को-  
ओपरेटिव, हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लि०, मीरा बाग,  
नई दिल्ली।

मुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 8-8-1985

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निवेदित सं. आई.ए.सी./एक्यू./3/37 ईड्स/12-84/  
701—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किसास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. आर. जे. ए. 204, है तथा जो 60/26,  
पर्वत मार्ग, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली, में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), अर्जन  
रीज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के  
अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिशत से, ऐसे इस्यमान प्रतिशत के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है  
मूले यह किसास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान  
प्रतिशत के तिए अन्तरित की गई है और  
और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अंतरण के लिए तभी पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित  
छाइचित्र से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिनत  
गहरे किया गया है—

(क) अंतरण ते हैरे किसी भाव की घटत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में दृष्टिभा  
वानियां के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अन्तरिती  
को जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में दृष्टिभा  
वानियां के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

(1) राज राहुल कन्दूकशन एन्ड बुल्डिंग (प्रा०) लि०,  
एन०-52-ए, कनाट प्लेस, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुधा जैन, पी० फ्लैट सागर एपार्टमेंट्स,  
6 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

कौ यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति में बर्बन के तिए  
कार्यवाहीयों हूँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोइ भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले ते तत्पात्र होती है, वे दीर्घ पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**लालैनिरण:**—इसमें प्रबुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

आर० जे० ए० 204 (पू० जी० एफ०), 60/26,  
पर्वत मार्ग, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली, तादादी-204  
बर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 8-8-1985

गोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एम.एज.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत लोकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ ई०/१२-८४/

७०२—अतः मुझे, सुनील चौपडा

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषेद इसमें इसके परावर्त्तन अधिनियम कहा गया है); की धारा 269-प के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को; यह विषयासंबंधी का कारण है कि स्थानीय प्रशिक्षण का उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-३२, है तथा जो २-ए, बिकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्तुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), अर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय आवकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयासंबंधी का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का परन्तु प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित ने वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव या आवकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की शायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी आव या किसी भने आवकर अधिनियमों को बिन्हे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की ओर;

अतः आव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसर में, सै, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) हे अधीन, विनानीतिक्षण व्यक्तियों, वर्धाते हैं—

(1) मैं० कैलाश नाथ एन्ड एसोसियेट्स, 1006, कंचनजुंगा, 18, बाराखम्बा रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माला महगल द्वारा मेजर जनरल आई० एम० बोहरा, एफ ५०५, सोम बिहार, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को वह सूचना आवी करके पूर्वोक्त सम्बति के अधीन के लिए कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पा तत्पंचांगी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी अवित्त इवारा;

(ब) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृष्टि किसी अन्य अवित्त इवारा अधोहस्ताकरी के पांच सिलेंडर में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है :

वन्दूसूची

सोप नं० फ-३२, पहली मणिल, तादादी-२४० वर्ग फिट, प्रोपोजिष्ण कमर्शियल काम्पलेक्स ए-एल-पी०-एल-२-ए, बिकाजी कामा पलेस, नई दिल्ली।

मुनील चौपडा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-११०००२

तारीख: ५-८-१९८५

मोहर :

प्रस्तुप बाई० टी० एन० एस० -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ ई०/१२-८४/  
७०३—ग्रन्त: मुझे, सुनील चौपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-ग के अधीन सभी संस्थानों को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 301, युनिट (जी) है तथा जो 6,  
कौशल्या पार्क, हौज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम  
1961, के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूले यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का  
उन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की जबह, उक्त  
अधिनियम के अधीन कुछ दर्ते के अंतरक के  
शायद में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी बाय या किसी धन वा वस्तु आस्तीनों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा  
के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, ज्ञात :—

(1) कौशला एडुकेशनल ट्रस्ट, हारा इस्टी श्री विवेक  
कपूर, निवासी अर्पणा, मधुबन, करनाल हरियाना  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती रामप्यारी दुश्मा, बी-1/24, हौज खास,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापरण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में दिये जा सकें।

लक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट नं० 301, युनिट (जी) 6, कौशल्या पार्क, हौज  
खास, नई दिल्ली, तादादी-1500 वर्ग फीट।

सुनील चौपड़ा  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-8-1985

मोहर :

प्रधन अधीक्ष. डॉ. एन. एस. -----

**आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ ई०/१२-८४/  
७०४—अतः मुझे मुनील चौपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13, रोड नं० 14, है तथा जो पंजाबी  
बाग, एक्सटेनशन, दिल्ली में स्थित है (श्रौत इससे उपावढ  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

को पूर्वोक्त भव्यता के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास  
नहीं का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती  
(अंतरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धि में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई तक्सी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी इन या अन्य आस्तियों  
पर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाधीन अंतरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपाया (1)  
के अधीन निम्नलिखित घटकिन्हें, अभीत ...

18—226 G/85

(1) सुरीनंदर पाल कपूर सुपुत्र श्रो देव राज कपूर,  
निवासी सी-2/46, लोधी कालीनी, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्रो छबिल दास और ओम प्रकाश, मार्फत मै०  
मूल चन्द्र छबिल दास, कुचा उस्ताद दाग-चान्दनी  
चौक दिल्ली।  
(अन्तरिती)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर<sup>1</sup> सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदृश्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिपिचित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ इसमें जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनसूची

खाली प्लाट नं० 13, रोड नं० 14, पंजाबी बाग,  
एक्सटेनशन, नई दिल्ली, तादादी 272.55 वर्ग गज।

मुनोल चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली 110002

तारीख: 7-8-1985

मोहर 1

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अधीन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७-ई/१२-८४/

705—अतः मुझे मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सूचना दार्थात्तरी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पाकेट ए० कटेगरी-III, है तथा जो ए० एक० एम०-४, प्रीतमपुरा, दिल्ली, में स्थित है (ओर हमसे उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चव प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिक्षी (अन्तर्रार्थिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निर्मालांकृत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहो किया गया है :—

(क) अंतरण में हड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचने में संविधा के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग्यतार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए।

अतः अइ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उद्दत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

(1) राधे श्याम गोपल मुफुब श्री दया राम गोपल  
भारी वैद्य हरी शाम, ए-६/५, राणा प्रताप  
बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वम्भर लाल खुराना मुमुक्षु श्री एन० आर०  
खुराना, निवासी बो-१४०, अशोक विहार भाग-१,  
दिल्ली।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाहियाँ अरता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अधिक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

**स्थावरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट ग्राउन्ड फ्लोर 4 सेल्फ फाइनान्सिंग स्कीम, कटेगरी III, पाकेट एम, पीतमपुरा, दिल्ली।

मुनील चोपड़ा  
मकाम अधिकारी  
महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अधीन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख 7-8-1985।

माहर :

प्रश्न वाइंटी, टी., एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सुदूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्य०/३/३७८६/१२-८४/  
७०६—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-४८ है तथा जो पश्चिम बिहार नई  
दिल्ली में स्थित है (और उसमें उपावन अनुमूल्य में पूर्ण  
रूप में वर्णित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख  
दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थिरान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति या उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थिरान प्राप्त कर सं, ऐसे स्थिरान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय को बाबत, उस  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्कारों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जैना प्रोपर्टीज (प्रा०) लि० एडीनाथ श्री  
हाऊस, सामने सुपर बाजार कनाट सर्कस  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप कुमार और श्री अलांक कुमार निवासी  
बी-1/51 पश्चिम बिहार नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह गृहना आदी कल्पे पूर्वोक्त गम्भीर और मर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी वारोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
ब्यूध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्टों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही वर्त्त होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रौ० न० जी-४८ जैना शार्पिंग काम्पलेक्स, पश्चिम  
बिहार नई दिल्ली, ताबादी-८४ वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-8-1985।

मोहर :

इस ग्राहकी दी पृष्ठ १३८ - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाइय उत्तराखण्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 अगस्त 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 3/37-ई०/12-84/

707—ग्राहक मुशो, सुनील चोपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके अधिकारी कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थान संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

ग्राहक जिसकी सं० जी-58, है तथा जो पश्चिम बिहार, नई  
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन तारीख  
दिसम्बर 1984

के पूर्वोक्त सम्बन्धित के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और भूमि यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्धित के उचित बाजार  
मूल्य उसके स्थान प्रतिफल से एवं स्थान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) बाहु बन्तरिकों  
(मंतरिकियों) के बीच एवं बन्तरक के लिए तथा यथा प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निश्चित में बासिक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरक वे दूरी की दूरी की दूरी के बन्तरक के अधीन  
नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उचित बचने में सुविधा के लिए;  
जी०/पा

(ख) एसी किसी जाय या किसी भन या बन्ध नास्तिकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्त-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या  
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त दुवारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाता चाहिए या, जिसने ने सूचिक  
के लिए;

उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसार  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिति :—

(1) मै० जैना प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०, एझीनाथ सरी  
हाऊस, सामने सुपर बजारा, कनाट सर्केस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्र प्रकाश सुपुत्र श्री प्यारे लाल, निवासी  
एफ-301/3, एन्ड्र्यू गंज नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त उत्तराखण्ड के बर्देव के विश  
कार्यालयों करता है।

उक्त उत्तराखण्ड के बर्देव के उत्तराखण्ड में कोई भी जालेषः—

(क) इस सूचना के उत्तराखण्ड में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
या वे उत्तराखण्ड होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उत्तराखण्ड में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हित-  
वहूँ जिसी अवधि व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास  
निश्चित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मान्त्रक

प्रौ० न० जी-58, जैना शार्पिन काम्पलेक्स, पश्चिम बिहार,  
नई दिल्ली, तादादी-108 वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख 2-8-1985

मोहूँ ॥

प्रृष्ठ पा० ३२१. टी. एन. एस.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

**भारत शरकार**

फोर्मलिय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 2 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ ई०/१२-४/  
७०८—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को महं विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-11, है तथा जो 22, राजेन्द्रा पलेस,  
नई दिल्ली, में हिस्थित है (और इससे उपावन्न अनूसूची में  
पर्ण रूप से वर्णित है), अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख  
दिसम्बर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल के  
पार है प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बीतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण वं 'एस' किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी कठुने या उससे बचने में सुविधा  
को लिए; और/ए

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, जिनमें में सुविधा  
को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविलब्ध, वर्चात् हूँ—

(1) मैं भाटिया महगल कन्ट्रक्सन क्रापोरेशन, 48-ए,  
जौर बाग, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री बद्री नाथ बजाजा सुपुत्र श्री खुशी राम  
बजाज, निवासी, 18/5, ओल्ड राजेन्द्र नगर  
नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोहू भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन हे भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के ग्रन्थय 20-व में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**मनूसूची**

शोप नं० एस-11 न्यू ग्राउन्ड फ्लोर- पदमा टावर नं० 2;  
22, राजेन्द्रा पलेस नई दिल्ली, मल्टीस्टोरी बिल्डिंग, तातारी-  
572 वर्ग फिट।

मुनील चोपड़ा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयकत निरीक्षण  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख 2-8-1985

मोहर :

प्रकृष्ट भाई, हौं, एवं इह . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर बाबूक्स (निरीक्षण)

अर्धन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ ई०/१२-८४/  
७०९—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को २००-  
२६९-ए के अधीन सकाम प्रांथकारी को यह विश्वास करने का  
करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
100,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 103, है तथा जो 2, ओल्ड  
रोहतक रोड़ दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3  
नई विल्ली, में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 अधीन  
तारीख दिसम्बर 1984

फो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ प्रतिवात अधिक है और बन्तरक (बंतरकों) और बन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित  
प्रास्ताविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
कार्यालय में कमी करने या उक्त सम्बन्ध में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध अस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वा  
रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाध अन्तरित दबारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

फ्लाट नं० 103, तादादी-625 वर्ग फिट, प्लाट नं०-२  
ओल्ड रोहतक रोड़, शाहजादा बाग दिल्ली।

मुनील चोपड़ा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीण)  
अर्जन रेंज विल्ली, नई दिल्ली 110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :—

(1) एलाईड कन्ट्रक्सन कम्पनी, जी-5, 92 दिल्ली  
नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार ग्रेवाल हाऊस नं० 2886  
गली नं० 215, त्रिनगर, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बूझ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधारोंस्ताशरी के  
पास लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

तारीख 5-8-1985  
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक: 14 अगस्त, 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/३/३७८८/१२-४/७१०:-

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष व उसके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर अधिकारी, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंस्या प्लाट नं० 15, रोड नं० 49, है  
तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3,  
नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन,  
दिनांक दिसम्बर 1984।

को पूर्णतया सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्य में कमी करने या उससे बचने वाँ सुविधा  
हे निए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किसी बाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अकित्यों, अर्थात्,—

1. श्रीमती जानमिन मदान,  
निवासी सी०-२३२, ग्रैंटर कैलाण-१,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरुचरन कौर एण्ड  
श्रीमती मोहिन्दर कौर,  
३ई/११, सन्डेशालान एक्स्टेंशन,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आई.टी.एन.एस. के उद्दर में दिया  
कार्यालयीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आमेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, वे भी अप्रैक्ट  
अकित्यों में से किसी अकित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अकित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ देगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सनील चोपड़ा

प्लाट नं० 15, रोड नं० 49, पंजाबी बाग, नई दिल्ली  
तालादां—५५५.५५ वर्ग गज।

सनील चोपड़ा,

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

मोहर:

तारीख: 14-८-१९८५

प्रस्तुत बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

स्थानिक, महायक शासक आयूक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त, 1985

निदेश सं. आई.ए.मी.०/३/प्रध०/३७६६/१२-४४/७१।—  
यतः, मुझे, सुनील चौपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 19 ए, है तथा जो ग्राम उल्घान-  
पुर, पंचशील गाड़न, शाहदगर, दिल्ली में स्थित है (आंतर  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आयूलिय, अर्जन  
रोज-3, नई दिल्ली में आयूक्त अधिनियम, 1961, के अधीन  
दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उच्चमान प्रतिफल से ऐसे उच्चमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, दिमालिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में आस्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अतरक के दायित्व  
में कठी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

बतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, दिमालिति व्यक्तियों, वर्तातु :—

(1) श्री रघुनाथ,

निवासी 1/10413, मोहन पार्क,  
शहदरा, दिल्ली।

(अन्तराक)

(2) श्री पुरोषीतम दाम,

निवासी—1594, गली मशहूर मोर,  
जुमाला कुचा, जाईमवाल, लाल कुआं,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 19 ए, ग्राम उल्घान पुर, पंचशील गाड़न,  
शहदगर, दिल्ली।

मुनील चौपड़ा  
नक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयूक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1985

मोहर :

## इस्यु नं. ८१. एव. ४३.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत बहुकार  
कार्यालय, सहायक आयकर वायुपत्र (नियोजन)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त, 1985

निवेश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७६६/१२-८४/७१२:-

अतः मुझे, सुनील औपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 103, सन्देश विहार, है तथा जो पी०  
ए० टी० कालोनी, शकुरपुर, दिल्ली में स्थित है और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, कार्यालय, अर्जन  
रेंज-४, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961,  
के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984

फोटो पर्वेक्षण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापर्वेक्षण सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बाहरको) और अंतरिती  
(अतिरिक्तयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित अंतरालिक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्ता करने वा उक्त से बचने में लाभिता के निए;  
और/या

(इ) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
पायों व्यापार्य अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में लाभिता

अतः गब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—226 GI/85

1. श्री. पुष्प नाथ सहगल,  
निवासी ई-26, दया नदी नगर, गाजियाबाद,  
उत्तर प्रदेश।

(अन्नेक)

2. श्री सीता राम और श्रीमतीं लीलाश्रीं,  
5543/74, रंगरपुरा, करोल बाग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरितीं)

मैं यह सूचना आरी करके पर्वेक्षण सम्पत्ति के बर्बन के लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सबभा  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्षण  
व्यक्तियों से में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हुए-  
हुए किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभोहत्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए था दर्कों;

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 103, सन्देश विहार, पी० ए० टी० कालोनी,  
शकुरपुर, दिल्ली, तादादी 186.53 वर्ग गज।

सुनील औपड़ा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख : 14-8-1985

मोहर :

प्रस्तुत आठ<sup>व</sup>. दी. पू. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्रत्यक्ष व्यक्ति  
कार्यालय, महायकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
श्रेणी रेंज-3, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त, 1985

मं. आई० ए० मी० पृष्ठ० 3/3कहौ०/12-84/713:-  
अतः मुझे, सुनील 'चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संबंध प्राधिकारी के यह विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या य० जी० 37 है तथा जो 5, विकाजी  
बीमा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्य  
अनुसूची में पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), नामांक्य, श्रेणी रेंज-3,  
नई विल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन,  
तारीख दिसम्बर, 1984

का दुर्भाग्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण  
भांतीरण के लिए अन्तरित की गई है और वृक्ष विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रतिफल से होकर दृष्टिकोण प्रतिफल का  
पन्थ प्रतिग्रंथ से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिक्षेप निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँह किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के बंतरक वै  
दायित्व में कामी करते थे उसमें बनने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
से जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 7) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्दरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित विवितों, अर्थात् ?—

1. भर्नाट प्रोपर्टीज एण्ड इन्डस्ट्रीज लिं. 102-103, राजा हाउस, 30-31,  
ज नेहरू रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं अमरजीत अणोक कुमार  
सोप नं. 834, बिहारीनगर, 1 ब्लॉक,  
श्रद्धामन्द, मार्किट, जी० बी० रोड,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

और वह सूचना बारी करके पूछोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए  
कार्यालयिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोइँ भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख 15 वित की अवधि वस्तुबन्धी व्यक्तियों ने  
सम्पत्ति की साथीन से उस को अपरिव, आ और  
अवधि बाव भैं समाप्त हुए, के भीतर पूछोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति शारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 वित के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति गैं हितवद्धि,  
किसी अन्य अस्ति द्वारा वाहाम्पत्याक्षरों के पाय  
लिखित में किए जा सकें।

**स्वाक्षरण** :—इसमें प्रदृष्ट सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ हासा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अन्तर्जाली

प्लाट नं. य० जी०-37, 5, विकाजी बांसा प्लेस, नई  
दिल्ली, तादादी 155 वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा,  
मक्षम प्राधिकारी,  
महायकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
श्रेणी रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 5-8-1985

माहर :

प्रकृष्ट शार्ट, टी. एन. एस. -----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निर्देशनं० आई०.ए० सी०/एक्य०/3/37ई०/12-84/715—  
अन मुझे, सुनील चौपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी-63 जैना शार्पिंग कम्पलेक्स,  
है तथा जो बसई दोगपुर, नई दिल्ली में स्थित है (आर इंगे  
उपावद्ध अनुसूची में पुणी रूप से लिखा है), कार्यालय, अर्जन  
रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1961  
के अधीन, तारीख दिनांक, 1984.

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दर्जे के अन्तरक के  
बावजूद में करी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ बनाई दबारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
सुविधा ली जाए;

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैर्से जैना प्रार्टीज प्रा० लि०

आदिनाथ था हाउस, अपोजिट सुपर बाजार,  
कनाट सर्केस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री रणधीर निह सुपुत्र श्री होशियार सिंह,  
निवासी सी० २०/२५४ बी,  
जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरो करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित भौं किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० की-63, जैना शार्पिंग कम्पलेक्स, बसई दोरा-  
पुर, नई दिल्ली, तादादी 60 वर्ग फीट।

सुनील चौपड़ा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख : 8-8-1985

मोहर :

प्रस्तुत, लाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूजल (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं ० आई० ए० मी०/एक्य०/३/३७८८/१२-८४/७१६—  
अतः मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-११, है तथा जो मस्जिद मौठ, नई  
दिल्ली में स्थित है (आगे इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप  
से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय  
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख दिसम्बर,  
1984;

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रभं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाग्रूहोदाह संपत्ति का जातक बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त बन्तरण  
निम्निति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हटौं किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरण  
बाबिल में कही कहने वा उक्त बन्तरण में सुविधा  
में अधिक और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसियों  
को, जिहौं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम वाली भारा 269-ग वे बन्तरण  
है, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति वे, अन्तरित :—

1. (1) श्रीमती गीता भट्टाचार्यजी  
(2) श्री मिद्दार्थ भट्टाचार्यजी  
निवासी बी-2/33, आजाद अपार्टमेंट,  
महरौली रोड  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती श्रनिता शिकरी,  
217, डी० डी० ए० फ्लैट, हौज खास,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां संस्कृत करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्त्रेष है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वा-  
रा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवं विक्षिप्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्ष्यकारणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मुनील चौपड़ा

प्रो० नं० ई-११, मस्जिद मौठ, नई दिल्ली ।

मुनील चौपड़ा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, दिल्ली

तारीख : 6-8-1985

मोहर :

## प्रकाश भावना द्वीप प्रद. एवं —

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

## प्राप्ति लिखान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं ० आई० ए० सी/एक्यू/३/३८६६/१२-४४/७१७—

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लाट नं. 102 है तथा जो 2, ओल्ड  
रोहतक रोड, शहजादा बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपावढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन  
रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्भ पहले विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उदास्य से उक्त अन्तरण । ताँचत म  
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कुछ दर्जे के अन्तरक के  
दावित दो करने वा उक्त दावे दर्जे में सुधिष्ठि  
त होने वाले वा

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी भन या अन्य वासियों  
को, विन्है भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसने दो  
सुविधा से विहृ;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण  
में, दो, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

1. मैसर्स एलाइंड कन्ट्रक्शन कम्पनी,  
जी-५/१२, दिल्ली, नेहरू प्लॉम,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री महेश चन्द्र गुप्ता,  
निवासी हाउस नं. ३८०/८१,  
गली मातावाली, तैली बाड़ा,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के नियम  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख त  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में नियत-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रमित है, वही अर्थ होगा जो उस सम्बन्ध  
में दिया गया है।

मुनोज  
चौपड़ा

फ्लाट नं. 102, तादादी 425 वर्ग फिट, फ्लाट नं. 2,  
ओल्ड रोहतक रोड शहजादा बाग, दिल्ली।

मुनोज चौपड़ा,  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, दिल्ली

तारीख : ५-८-१९८५

लोहर

प्रकृष्ट बाईं, दी. एन. एस. —  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/३/३७८८/१२-४/७१८—  
अतः मूले, मुनील चौपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एफ-112, है नथा जो 4, विकाजी  
कामा मैल, नई दिल्ली में स्थित है (आंग इससे उपावद  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन  
रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961  
के अधीन, नारीब दिसम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तथ याया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त—  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण के हूए किसी आय की वापत उक्त सम्पत्ति  
नियम के अधीन कर दावे के अन्तरक की शायित्व में  
कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए;  
हीड़/था

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी अन्य वस्तु जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यदा  
वा या किया जाना चाहिए वा छिपाने में एवं विधा  
की लिए;

1. मौ० राजधानी विलडम्,  
प्र० मेहता हन्डम्हीज नि०.  
तेहरवो मंजिल, 1, टोलस्टाय मार्ग,  
आत्मा गम हाउस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र जैन सी/श्र० जैन भवन,  
मदर बाजार, दिल्ली कैन्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाल में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रश्नक शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसनी

प्र० नं० एफ० 112, 4, विकाजी कामा प्लेस, नई  
दिल्ली, तादादी 180 वर्ग फिट।

मुनील चौपड़ा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-3, दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

तारीख: 5-8-1985

माहूर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७८५/१२-४/

७१९:—अत मृश्ने, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी मंदिर नं० 132 है तथा जो 9 बिकाजी  
कामा लेम नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपापद  
अनुमूली में पूर्ण रूप से वर्णित है) के कार्यालय, अर्जन रेंज-3,  
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के  
अधीन, तारीख दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मृक्षे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरामान प्रतिफल से एसे दूसरामान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, जिसनिमान उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
है लाखों रुपयों में कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट रही किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अप०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन रेंज 2, दिल्ली

1. श्री बचन दास शर्मा

(नवासी ई-286 ए. ग्रैंटर कैलाण-1  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं सोम दत्त बिल्डर्स (प्रा०) लि०  
56, कम्प्युनिटी मैटर ईस्ट अफ कैलाण,  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितदृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सुनील चौपड़ा

सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण  
अर्जन रेंज 2, दिल्ली

तारीख: 6-8-1985

मोहर:

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू/३/३७८८/१२-८४/७२०-

अतः मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाह करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या य० जी० ३ है तथा जो जैना टावर  
डिस्ट्रिक्ट सेन्टर जनकपुरी नई दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय,  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984,

को पूर्वोक्त संस्ल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह  
प्रतिशत गे अधिक है और अन्तरक (बन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के नीचे गोप्ये अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उपदेश से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-  
विक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आव की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण की  
वायिक्ति में कमी करने वा उससे बचने में सहित  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सहित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन ३—

1. मैमर्स जैना प्रापरटीज (प्रा०) लि०  
एडीनाथ श्री हाउस सामर्ते सुपर बाजार  
कनाट सकंस नई दिल्ली।

(अन्तरक)

1. श्री अंजोयब सिंह सुपुत्र श्री रघवीरसिंह  
श्री बनबीर सिंह सुपुत्र श्री दीवाल सिंह  
निवासी बी-१/१९८ जनकपुरी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए  
कार्यवातीहाया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं;  
कूटी अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

प्रो० नं० य० जी० ३ जैना टावर डिस्ट्रिक्ट सेन्टर,  
जनकपुरी, नई दिल्ली, तादादी 105 वर्ग फिट।

मुनील चौपड़ा,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख : 6-8-1985

मोहर

प्रस्तुत वाइर्. टी. एन. पटेल-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/३/३८६६/१२-४४/७२१-

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं-1 है, तथा जो 1 कोशल्या पार्क,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में  
पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई  
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन  
सारीख विसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिती (अंसरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरित दृवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. मैं सूर्या इन्टरप्राइजेज (प्रा०) लि०  
एल-३४ कीर्ती नगर  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री डी० आर० गुप्ता;  
एन-१५५ पंचशील, पाकं;  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न वे जिए  
कार्यवाहिवां शूरू करता है।

उक्त हंपति के बजाने के हंपत ने लोहे भी आदेत ह—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव वे समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी बन्व व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकें।

**लक्ष्यकरणः**—इसमें अवृद्धि शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सुनील चौपड़ा

स्पेस नं०-1 ग्राउण्ड फ्लोर, 1 कोशल्या पार्क होज खास,  
नई दिल्ली साकादी 258.25 वर्ग फिट।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षित :—  
20—226 GI/85

तारीख : 6-8-1985

मोहर :

ग्रन्थपत्र, भारत, दी. एन. एम. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 6 अगस्त 1985

मं. शाई. ए. सी. ०/एक्यू. ३, ३७/ईडी १२-८४, ७२२:—  
अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम आयकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी संख्या स्पेस नं-०-३, है तथा जो १ कोशल्या  
पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ओर इससे उपावड़ अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तरीख  
दिसम्बर, 1984

एने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के असमान  
प्रतिफल में लिए अन्तरिक्ष की गई है और वहे, यह विद्याल  
यारने तथा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
प्रतिफल, उसके समान प्रतिफल से, एसे समान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (जंसरकों) और अंतरिक्षी  
(अन्तरिरिक्षीयों) के बीच एसे अन्तरण के द्वारा बष्ट पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त असरण निम्नित  
प्रस्तविक रूप से विशित नहीं किया गया है :—

(६) असरण से है इसे किसी ताय की बाबत, उच्च  
अधिनियम के अधीन कर देने वाले वन्देशक के  
वायिक्षण में कमी करने या उससे कमने में हुक्मित  
के लिए; और/या

(७) एसी किसी ताय की अधिनियम के अन्य आस्तियों  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(11, ११ वा ११) एवं उसके अधिनियम, या १९५७-  
का अधिनियम, 1957 (1957 का २७) के  
प्रतिक्रिया वाली द्वारा एक अर्थी जितना ताय  
था या लिया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचित  
के लिए;

अत तथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. मैं सुर्या इन्टरप्राइज (प्रा०) लि०,  
एल०-३४, कीर्ति नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

२. श्री राजेश कुमार गुप्ता  
निवासी एन-१५५, पंचशील पार्क  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को मह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
४५ दिन की अवधि पर तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले तारीख होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अचौहस्ताभरी के पाल  
लियित में किए जा सकें।

**स्वाक्षरण:**—इसके प्रदूषत सम्बोधी और पढ़ो का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय २०-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उक्त अन्याय में दिया  
गया है।

सूचना

स्पेस नं-०-३, ग्राउण्ड फ्लोर, १ कोशल्या पार्क ऐ खास,  
नई दिल्ली तादादी २११.७५ वर्ग फुट।

सुनील चौपड़ा,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: ६-८-१९८५

मोहर :

प्रध्य भाई, डॉ. एम. एच. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भारत (विवरण)

अजंन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त, 1985

निर्देश सं. अई. ए. सी. ०/एक्यू. ३/३८६६/१२-४/७२३—  
अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,  
बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
कारण है कि स्थानीय अंतरकालीन विवाद का उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेशल नं ४ है तथा जो १ कोशल्य  
पार्क होजखास, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय अजंन रेंज-३,  
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन  
तारीख दिसम्बर 1984

जो पूर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद  
फरार का कारण है कि यथापूर्वोंकृत संपर्कित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थानीय प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कृत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरण सिद्धित में वास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हूँ इनकी वाय की बाबत उक्त अंतरक  
नियम को अधीन कर दें वह अन्तरक के दावित में  
को छोड़ दा उक्त अंतरण में त्रुटिया के लिए  
दौड़ा/वा

(ख) एसी किसी वाय या किसी भव या अन्य वार्तालयों  
को जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविष्ट था छिपाने में सुनिधि  
के लिए;

वर्ता: वा, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए की अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अपभारा (1)  
के अधीन, निम्नांकित व्यक्तियों अधारे ॥—

1. मैं० सूर्य इन्टरप्राइजे ए० लि०,  
एल०-३४ कीर्ति नगर  
नई दिल्ली।

(अंतरक)

2. श्रीमती ममतेश जैन (मदर) गाजियन मास्टर  
राजिय जैन,  
सी-४१ ग्रीन पार्क,  
नई दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकृत सम्पत्ति के अजंन के लिए  
कार्यदातियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अजंन के संबंध में कोइ भी वाक्य ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हित-  
मूल्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निम्निकृत में दिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो इस  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

स्पेशल नं. 4 ग्राउण्ड फ्लोर, १ कोशल्या पार्क नई दिल्ली  
तारामी—२११.७५ वर्ग फिट।

सुनील चौपड़ा,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण )  
अजंन रेंज ३ दिल्ली

तारीख: ८-८-१९८५

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नई-3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक, 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७६६१/१२-८४/७२४—  
अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या य० जी० ३७ है तथा जी० ५. का  
जी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबज्जु  
अनुप्रूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय अर्जन रेंज-  
नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के  
अधीन दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे चयमान प्रतिफल का  
पूर्व इतिहास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बादत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कमलेश जौहर, श्रीमती सरोज नर्ला,  
और श्रीमती निर्मल तलवार  
निवासी सी- 4 ई/39 जनक पुरी,  
नई दिल्ली।

(नंतरक)

(2) मैं भनोट प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज,  
102-103, राजा हाऊस 30-31, नेहरू प्लेस,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सज्जन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षीकरण :—** इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

शाप नं० य० जी० 37 आप्पर ग्राउण्ड फ्लॉर बिल्डिंग  
अंडर कन्ट्रक्शन, 5 बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली,  
तावादी 155 वर्ग फिट।

मनुसूची  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर निरीक्षण)  
अर्जन रेंज: 3 नई दिल्ली

तारीख : 6-8-1985  
मोहर :

## प्रकृत वार्षिक दृष्टि उत्तर भारत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन दस्ता

भारत वरकार  
कार्यालय, उत्तराधिकार आयकर अधिनियम (भित्तियम्)  
अर्जन रेंज 3 दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 अगस्त, 1985

सं० आई० ए० सी०ए०/३/३७८६/१२-८४/७२५—  
अतः मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या शाप नं० य० जी-३३, है तथा जो,  
बिकाजी कामा प्लेस है दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) अर्जन रेंज-३,  
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन,  
दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से एसे इथमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्क्षेत्र) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे वन्तरण जो लिए गये  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपदेश से उक्त वन्तरण  
भित्तियम् में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया जा रहा है—

(क) अनुसूचि वे दृष्टि की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे  
वायित्व में कठीनता या उक्त वन्तरण में दृष्टिया  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
के लिए भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रशाखनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया था वा किया जाया था, जिसने में संविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्सौमदत बिल्डर्स प्रा० लि०  
56, कम्यूनिटी सेन्टर ईस्ट आफ कैलाश,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. मैस० कपूर इण्डस्ट्रीज  
बी-४६, सफदरजंग इनक्लेव  
नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यदाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में क्रेह भी जालेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरो के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ष होंगा जो उस अध्याय में विद्या  
जाएगा है।

अनुसूची

शाप नं० य० जी-३३ उपरग्राउण्ड फ्लो प्लाट नं०  
9 बिकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली तादादी 26 वर्ग फिट

सुनील चोपड़ा,  
सक्षम अधिकारी  
महायकृ आयकर अधिकृत निरोक्षण  
अर्जन रेंज 3 दिल्ली

तारीख: 6-8-1985  
मोहर:

प्रकाश लाइन्स ट्री.एन.एस.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**भारा 269-ग (1) के बधीम सूचना**

वार्ता संख्या:

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 8 अगस्त, 1985

सं० आई० ए० सी० /एक्य०/ 3/37ई०/ 12-84/ 726—  
 अतः मुझे सुनील चोपड़ा

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (विसे इन्हें  
 इसके भवात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
 269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि उक्त स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है।**

और जिसकी संख्या 5 है तथा जो 1 कोण्ठ्य होज  
 खास नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
 में पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
 में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख  
 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
 रक्ती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया जाया  
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
 5/स्टार्क न्यू गे काथत नहाँ किया गया है:—

(क) अंतरक वे हूँ कि जो आय की गयी गयी है, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
 अधिक्षय ये कर्मों करने या उक्त वस्तु वस्तु में खांचा  
 कराएँ जाएँ जाएँ जाएँ

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 गुप्तिया के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
 में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
 या गाँव, निम्नलिखित अंतरिती अर्थात् ॥—

1. मै० सूर्या इन्टरप्राइज (प्रा०) लि०  
 एफ० 34 कीर्ती नगर  
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मोहम्मद जयर नदिम  
 सुपुत्र मोहम्मद शाहिद,  
 निवासी ई-37ल कालन्डी कालोनी,  
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यदाहियं करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृथ  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वायाः अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षर्य** :—इसमें प्रयुक्त सब्जों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो  
 उस अध्याय में दिया गया है।

### मनूसनी

स्पेस नं० 5 ग्राउण्ड फ्लोर 1, कोशल्य पार्क होज खास,  
 नई दिल्ली तादादी 211.74 वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा  
 सम्पत्ति प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर अधिकृत निरीक्षण  
 अर्जन रेंज-3 दिल्ली

तारीख: 6-8-1985

मोहर:

प्रैरुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985

सं० आई० ए० सी०/एक्य०/3/37ई०/12-84/727--

अतः मुझे; मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 214 है तथा जो 1 ओल्ड रोहतक,  
रोड दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है) के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई  
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन  
दिनांक दिसम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हॉर्स किसी आय की आवत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, अछिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मै० रूपा कन्द्रकसन (प्रा०) लि०  
जी० एन-4, अशोक इंस्टेट 24  
बाराखम्बा रोड नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सत्या वती पत्नी श्री राम किशन  
सी-245 विवेक विहार  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद से समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध  
किसी अन्य व्यविहार अधेहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 214 प्लाट नं० 1 ओल्ड रोहतक रोड  
दिल्ली, तादादी 296 बगे फिट।

मुनील चौपड़ा,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 3, दिल्ली,

तारीख: 5-8-1985

मोहर :

संसद वाइ. ट्रॉ. एच. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाग  
269-ए (1) के अधीन सूचना

## भाइप व्हरक्सर

भारतीय, सहायक आयकर व्हरक्सर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 अगस्त 1985

सं० आई० ग० सी०/एक्य०/3/37ई०/12-84/728:—  
अत मेरे सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('विसं इसमें  
इसके दरबात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भाग  
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं० 201 है तथा जो 2ए, बिकाजी  
कामा प्लेस नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावड  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3  
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के  
अधीन तारीख दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्हाइट्सेल उचित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच हेठले दृश्यरूप के बीच उच बाजा व्हा व्हाइ-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(१) अंतरण से हेठले किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दर्ते के अन्तरण के  
विवित घोषणाएँ करने या उससे बाहर में सूचिभा  
वे लिए; और/या

(२) एतो किसी बाय का विक्षी पत्र या व्हा व्हाइट्सेल  
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रमाणनार्थ अंतरिती इचारा प्रक्रिया महा किया  
जाया या किया जाया चलाइ या, कियाने में  
अविभाव के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्त्ता—

1. मैं० कैलांग नव गृह एसोसिएट  
1006 कंचनजंगा वाराष्मांदा रोड  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)  
2. श्री आर० के० तरेन एण्ड एच० यू० एफ०,  
बी-५४० फैडस कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

वह सूचना बारी करके एक्सेल दस्तावेज के बर्दाव के लिए  
निम्नलिखितों द्वारा है।

वह सम्पत्ति के बर्दाव के दस्ताव ने 'हेड' भी बालोड़—

(क) इह सूचना मेरे दृश्यरूप में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि का तत्त्वावधी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
वर्तमान बाब में दस्ताव होती है, के भीतर एक्सेल  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इह सूचना मेरे दृश्यरूप में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त दृश्यरूप दस्तावेज में हितवृष्टि  
किसी बन्धु व्यक्ति द्वारा निषेद्धात्मकी के पाव  
विवित में किए या दर्कोर्दे।

**प्रकाशितणः—**—इहमे प्रदत्त व्हर्डे भीर पदों का, जो उन्हें  
प्राप्तिप्रद, ते दस्ताव 20-ए में प्राप्तिप्रद  
है, वही वर्ष होया यो उक्त दस्ताव में दिया  
गया है।

अनुसूची

आफिस स्पेस नं० 201, तादादी 319 वर्ग फिट  
द्वासी मंजिल प्रोपोजिड मल्टीसेटोरियड कमरिशल  
काम्पलेक्स ई० एल पी० एस', 2ए, बिकाजी कामा प्लेस,  
नई दिल्ली।

तारीख : 8-8-1985

मोहरः

सुनील चौपड़ा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, दिल्ली

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री मोहिन्दर सिंह  
निवासी 11/24, ईस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री गोरा लाल एण्ड श्रीमती निलमा देवी,  
निवासी सी-28, शिवाजी पार्क,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा  
269-ग (1) के अधीन दृष्टा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त, 1985

सं. आई.ए. १० सी.०/एक्यू/३/३७६६, १२-८४/७२५:—  
अतः मुझे सुनील औपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या जी-1/101, है तथा जो फैज-2  
पुरी इन्डस्ट्रीज एरिया, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपरांत अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) के लायलिय,  
अर्जन रेंज-3 दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन, तारीख दिसंबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
इतिहासिक उदाहरण से उक्त अन्तरक निर्दिष्ट अंतरितिक रूप से कठित नहीं किया यक्षा है।

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय का बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयितव में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
कोर/या

(ब) ऐसी किसी आय या दैक्षणी धन या वस्त्र वासितवा  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
इवोचमार्क अस्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किसी आम चाहीए का, जिसमें वे सुविधा  
यह चिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन अंतरितिक व्यक्तियों, अर्थात् ५—

21-226GL/85

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के दृश्यमान में कोई भी बालोड है—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मामूली

फैक्टरी नं. जी 1/101 फैज-2 माया पुरी इन्डस्ट्रीयल  
एरिया नई दिल्ली, भूमि तादादी-400.56 वर्ग फिट।

सुनील चौधरा,  
सम्पन्न अधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, दिल्ली

तारीख: 14-8-1985

मोहर

प्रकृत वार्ष, दी.एम., एस. २८७

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत भवन

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७/१६२-२-४/७३०—

अद्यतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या 104/20 है तथा जो युसुफ मराय नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के अधीन, तारीख  
दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
प्रतीत (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण निवित वे  
प्राक्तिक रूप से कठिन नहीं किया गया है—

(ए) अन्तर्कल है इसे किसी बात की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दर्जे के अन्तरक वे  
विवित वे कमी करने वा उक्त अस्तरण में इन्विटा  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, किसाने में सुविधा  
वे सिए;

अठू बब, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की अन्तर्कल  
में, वे, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाषा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान—

1. मै० ओक्सपोडै इंजिनियर्स प्रा० लि०।  
18-कमर्शियल कम्प्लेक्स, मालवा मार्ट,  
डिल्ली मैटिक इनक्लेक्स,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रामीन्द्र भाटी

निवासी डी० डी० ए, प्लैट नं० 55,  
पाकेट बी एस० एफ० एस०,  
सेक्स सराय भाग-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
तिलित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ हुआ, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अन्तर्कल

फ्लैट नं० 104, पहली मंजिल, 20 युसुफ सराय, नई  
दिल्ली, तादादी 346.80 वर्ग फिट।

सुनील चौपड़ा,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 7-8-1985

मोहर

प्रस्तुत वाइट टॉन, एन. एस. . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०/3/37 ईई०

12-84/731—अतः, मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 306 है तथा जो 20 युसूफ सराय नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उगाचल अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय  
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर,  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप  
के समान नहीं किया जा सकता है ॥

(अ) अन्तरण से हुए किसी बाय की बायत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कल्याणस्थी  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट नहीं किया जाय  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् १—

(1) मैं बोम्बे विल्डर्स (इण्डिया)

18/48 कमर्शियल कम्पलेक्स, मालचा मार्ग  
डिप्लोमैटिक इक्कलेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमन सिक्का निवासी श्री-5/194

सफदरजांग इनक्लेव नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वक्षध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ॥

मृगपत्र

प्लाट नं० 306 तीसरी मंजिल, ओरिएन्टल एपार्टमेंट  
20 युसूफ सराय, नई दिल्ली । तादादी 387.51 वर्ग  
फीट ।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-8-1985

मोहृद ॥

प्रूलप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निवेश सं० आई० ए८० सी० /एक्ष्य०/3/37ई०/12-84/  
732—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर संपत्ति जिराका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 305 है तथा जो 19 युसूफ सराय,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसे उपावढ़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय अर्जन रेज-3 नई दिल्ली में  
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 की के अधीन तारीख  
दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से, ऐसे इसमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ रुँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं आक्सिरोड इन्जीनियर प्रा० लिमिटेड  
18/48 कर्मशिल कम्पलेक्स मालवा मार्ग  
डिप्लोमैटिक इन्क्लेव नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी,  
निवासी वी-5/194  
सफवरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बवृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 305 तीसरी मंजिल ओरिएन्टल  
प्रार्टमेंट 19, युसूफ सराय, नई दिल्ली। तादादी 377.57  
वर्ग फीट ।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली ।

तारीख : 8-8-1985  
मोहर :

प्रकल्प नामः टी. एन. एव. - - - - -  
बायफट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वी पात्र  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आप्कर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/3/37ईई०/  
12-84/734—असः मुझे, सुनील चोपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० एफ-31 में स्थित है तथा जो  
2-ए विकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से घण्टित है) कार्यालय  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंडह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबत  
है कभी करने वा उसके बजाए वैधिकता के लिए;  
वी/वा

(घ) एरों किसी आय वा किसी भव वा अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
शास्त्रार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में दृष्टिका  
नी छिपा।

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स  
1006, कंचनजंगा, 18 बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली ।

(2) श्रीमती गीतांजलि चौहान  
ए-2/3, इलाईट सोसाइटी, शाहीबाग,  
अहमदाबाद (गुजरात) ।

(प्रत्यक्ष)  
(प्रत्यक्षित)  
(प्रत्यक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
तिलित वै लिए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

शेष स्पेस नं० एफ-31, तादादी—124 वर्ग फीट  
पहली मंजिल प्रोपोजिंड मलटीस्टोरीज कमरिंग बिल्डिंग  
'ए-एल 2 पी०-एस०/2-ए, विकाजी कामप्लेक्स, नई दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्षण (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-8-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

वाचकृत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### सांख्यिकीय विवरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ हैरि०

12-84/735—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 9, कीर्ति महल विलिंग है तथा जो 19,  
राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्ध  
ग्रन्तिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय अर्जन  
रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान  
प्रतिफल की लिए रजिस्ट्रीकर्ट विलेख के अनुसार अंतरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्शमान  
प्रतिफल से, ऐसे दर्शमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों)  
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कीर्थित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी की आवश्यकता विवरण के अधीन कर देने के बन्दल के दावित्य  
में कठीन करने वा उद्दल दृष्टि में दृष्टिका लिए;  
तोड़/वा

(ख) ऐसी किसी आय का किसी भन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोचनार्थ अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसारण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

(1) श्री दामोदर बद्रा सुपुत्र श्री डी० सी० बद्रा  
निवासी ए-४३२, डिफेंस कालोनी,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० मयूर इन्टरनेशनल  
602, दीप शिखा विलिंग,  
8, राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवापे ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए था एवं;

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ॥

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

तारीख : 8-8-1985

माहूर ॥

प्रस्तुत वार्ता दौ. एव. एव. ॥

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

शायकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ई०/१२-८४/  
७३६—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ए के अधीन संशब्द प्राधिकारी को, यह विवाद करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ५/६७ है तथा जो पर्याप्ति रोड, करौल बाग,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,  
में भारतीय शायकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख  
सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि स्थापान प्रतिफल से, एसे स्थावर संशब्द का  
एवं उसके उपावड़ प्रतिफल से, एसे स्थावर संशब्द का  
प्रतिकृति के अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तथा पाया जाना  
प्रतिफल, निम्ननिमित्त संदर्भों से उक्त अन्तरक लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरक से हूँ इ किसी बाद की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी बाद या किसी भव या अन्य आवश्यकीय  
को, जिसे भारतीय लाल-कर अधिनियम, 1920  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) मैं पाल मोहन कन्स्ट्रक्शन कं०,  
6/4792, चौदानी चौक,  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती सुषमा कुटियाला,  
2. श्री नन्दन कुटियाला,  
3. कुमारी नारायणी कुटियाला,  
निवासी कानाल रोड, करौल बाग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

इन दो सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्बन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के संबंध में कोई भी आक्षेप ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्याकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में इतनका  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्बोधन:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट तीसरी मंजिल, बिल्डिंग पाल मोहन हाउस, 5/67,  
पर्याप्ति रोड, करौल बाग, नई दिल्ली ।

तादाती 2516 वर्ग फौट ।

सुनील चोपड़ा  
संशम प्राधिकारी  
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-8-1985

माटुड़ :

वस. वस, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की व्याख्या  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की व्याख्या (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् ॥

इन वादे, दी, एवं एव. —————

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) को  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७६६/१२-८४/

७३८—अतः मुझे, सुनील चौधड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पासात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 1 और 2 है तथा जो 2-ए,  
विहाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे  
उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय,  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 की घारा के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को द्वार्कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि पथानुवॉक्ट संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिलित में वास्तविक रूप से की थित  
नहीं किया गया है ।—

(1) मैं० कैलाश नाथ एण्ड एसेंसिएट्स,  
1006, जंगा, 18, बाराखम्बा रोड,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी आदिती आनन्द,  
सी-१९, चिराग हानकलेव,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति की वृद्धि का विषय  
कार्यालयों करता है ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्तेव —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदात्प  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाल  
मिलित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्यम  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

(क) अन्तरण से है जिसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने से सूचित  
के निए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय वा किसी भन वा अन्य वार्ताओं  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
वरा वा य. किया जाना चाहिए वा छिपाने वा  
दूषित के निए;

### मूल्य

ओपन कार पार्किंग स्पेस नं० 1 और 2, प्रोपोज्ड  
फर्मशियल कम्पलेक्स, 'ए० एल० पी० एस०', 2-ए, भीकाजी  
कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

सुनील चौधड़ा  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

अतः इथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसार  
मैं०, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभाषा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :—

तारीख : 8-8-1985

मोहर :

प्रृष्ठ पाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के वर्तीय संसद

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० आई० ए० भी०/एक्य०/3/37ई०/12-84/  
739—अतः मूँझे, मुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इतने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-2, बी-3, 2-ए है तथा जो भीकाजी  
कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्री इसमें उपाध्यक्ष अनुसुची  
में आंरपूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख  
दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
कर, कि कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से ऐसे दरमान प्रतिफल का  
पंचह उत्तरांश से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक स्पष्ट संक्षिप्त नहीं किया गया है :—

(क) बास्तव से हूँ जिसी काम की बाब्ह, उक्त अधिनियम के वर्तीय कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी कारूने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बीउ/वा

(ब) ऐसी किसी काम या किसी भन या अन्य बास्तवों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पुनर्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगमान अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया  
पाया था य किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(1) मै० कलाश नाथ एसेसिएट्स,  
1006, कंचनजंगा, 18वीं  
बाराखाम्बा रोड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद ग्रानन्द,  
निवासी सी-19, विराग इनक्सेव,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह संसद आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तम के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस संसद के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की विधि या उत्तरांशी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की विधि, जो भी  
विधि द्वारा ने तभाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता;

(ब) इस संसद के राजपत्र ने प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में लितवडुध  
विस्तृ अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकारी के पात्र  
लिखित ने किए जा सकेंगे।

लक्षण ५—इसके प्रबन्ध सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय में विद्या  
हो।

लक्षण ६

गोडाउन स्पेस नं० बी-2, बी-3, विलिंग नं० 2-ए;  
कमर्शियल कम्पलेक्स, 'ए० एल० पी० एस०', भीकाजी कामा  
प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 790 वर्ग फीट ।

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 7-8-1985

मोहर :

अतः वह, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा

22—226 GI/85

प्रधान पाइ, ट्रै. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत बहुकाल

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिसंबर 31 जुलाई 1985

निर्देश सं ० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर०-III  
12-84/93।—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिव बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० सी-12 है तथा जो हौज खास, इनकलेव,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपावन्द अनुसूची में  
मार्ग पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख दिसंबर,  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गण्ड है और मुझे यह विश्वास  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
फल्गुन प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) धारा ८८-व  
रिती (अन्तरिक्षों) के बीच एवं अंतरिक्ष के लिए तथा यादा यादा  
प्राप्ति निर्मालिति उद्देश्य से उक्त प्रतिफल की गण्ड  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाता है ॥

(क) अन्तरेज से हृदय की वात से उक्त  
अधिनियम के अधीन यकूदने के अन्तरक व  
वायित्व में किसी उक्त या उक्त उक्त में सूचित  
में लिए, और/वा

(ल) एक्सी किसी आग या धन या अन्य आस्तियों  
के, इसके भारी विधि आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के एक्सेजनार्थ अंतरिक्ष व्यापार प्रकट नहीं किया  
जाया था या किया जाना आहिए था, छिद्रों में  
विभाग के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निर्मालिति व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

(1) श्रीमती सुदर्शन रावला  
पत्नी वाई० पी० रावला,  
श्री यशपाल रावला  
सुपुत्र श्री एन० एल० रावला  
ओर मै० रावला एण्ड क० प्रा० लि०,  
2655 बैंक स्ट्रीट, करोल बाग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता सेठ  
पत्नी श्री अनिल मेठ  
और अनिल सेठ  
सुपुत्र ए० पो० सेठ,  
निवासी जे-7, ग्रीन पार्क,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना यारी करके प्रकाशित होने के लिए  
कार्यदाताहायां शुरू करता हूँ।

उक्त दस्तावेज के उपर यह दस्तावेज़ की वाले १०-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
वर्ती वर्ष में उपलब्ध होती है, के भीतर प्रकाशित  
किया जायेगा ॥

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि उक्त दस्तावेज़ में हितवद्धु  
किया जाय व्यक्ति इसके अधीन व्यापार व्यापारिशाला के पास  
मिलेंगे ॥

**लक्षणीकरण:**—इसमें प्रकाशित सब्जों और पदों का, जो सूचना  
अधिनियम के क्षेत्र 20-के में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस क्षेत्र में दिया  
जाता है ॥

### मुनील

प्रो० न० सी-12, तादादी 311-1 वर्ग गज, हौज  
खास, इनकलेव, नई दिल्ली ।

मुनील चोपड़ा  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 31-7-1985

मोहर:

प्रस्तुत आईटीएन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निंदेश सं आईटीएन.एस./एक्यू.0/3/37 ईई/12-84/  
740—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. बी-414 है तथा जो 23 बिकाजी काम।  
पलेस नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961  
के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दबावात  
प्रतिफल के निए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उत्तम प्रतिफल से, ऐसे उत्तम प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
यामा गया प्रांतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है ॥

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
रायित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुधिका  
के लिए; और/वा

(ख) एसो किसी आय या किसी भग वस्तु कास्तियों  
में हिल्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबार प्रकट नहीं किया या  
या किया जाना चाहिए या छिपाने में सूक्ष्मा  
के लिए;

(1) डा० एन० सी० मेहता।

486-7-बी० फरीदाबाद (हरियाणा)।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एस० श

बी-4/203, सफदर नक्लेब

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जालेब ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्त्वाद्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता  
अधिनियम के अध्याय 20-के यौं परिभाषित  
हैं, वही वर्त होता जो उस वस्तु के द्वारा  
यामा है।

मनुसूची

प्लाट नं. बी-414 3 बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली  
सालादी 306 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् ॥

तारीख : 8-8-1985

मोहर :

**प्रकृत अधिनियम द्वारा उत्तराधिकार**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

**सामुद्र विभाग**  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 8 अगस्त 1985

निवेश सं० अई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ ई०/१२-४।  
७४२—असः मुझे सुनील चौपड़ा

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
२६९-घ ने अधीन सक्षम प्राधिकारी को, दह क्षेत्रों करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवास बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 206 है तथा जो २-घ., बिकाजी कामा जैसे  
बी० आर० 225 सेन्टर नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) के कार्यालय,  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम  
1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984**

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्ति  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह विवाह  
करने का कारण है कि अधारपूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अव्याप्ति प्रतिफल से ऐसे अव्याप्ति प्रतिफल का  
मन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और उक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी जाव वा किसी भूमि वा कास्ति को  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा उनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया या या किया  
जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए

उत्तराधिकार अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बाबत :—

(1) मैं० कैलश नाथ और एसोसिएट्स  
1006 कन्चनजुन्या 18, बाराबहार रोड  
नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री अनिल मारिका  
श्रीमती रिता मारिका  
किंबी बिल्डिंग सिस्टम  
जुबायर इन्टरप्राइसेस मर्केट ओमान ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उत्तराधिकार के अंतर्गत में कोई भी बाबत ॥—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित  
वृद्धि किसी नव्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी वे  
पास निवित में किए जा सकेंगे।

**लक्षणकारणः**—इसमें प्रयुक्त वज्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
रखा है।

अनुसूची

प्लाट नं० 206 तादादी 708.5 वर्ग फीट प्रौद्योगिक  
मलटी स्टोरी कमर्शियल कम्पलेक्स ए-एल-पी-एस' 2-ए  
बिकाजी कामा ज्लेस नई दिल्ली डिस्ट्रिक्ट सेन्टर नई  
दिल्ली ।

सुनिल चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

तारीख : 8-8-1985

मोहर :

परस्पर भारत, दी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन गृचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निवेद सं० आई० ए० सी०/एक्य०/3/37 ई०/12-84/  
743—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 18 सी, अशीवदि है तथा जो के-84  
श्रीन पार्क नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुमति  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3  
दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन  
तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मर्हे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंमे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवाय प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महावीर प्रसाद  
ई-22 डी० डी० ए० फ्लैट  
मालविया नगर एक्स्टेंशन  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र सिंह और  
श्रीमती रमेन्द्र कौर  
बी-8/4 वसन्त विहार नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्षा —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुच्छेदी

अफिस प्लाट न० 'सी० तादादी 312.5 वर्ग फीट  
पहली मंजिल प्रीपजिज कर्मशाला कम्पलैक्स बिल्डिंग के-84,  
श्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

मुनील चोपड़ा  
मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-8-1985

मोहर :

प्रकृष्ट वाई. ई. एन. यह. -----  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-व (1) के नीचे लूपना

## लाल चौपड़ा

कार्यालय, सहायक बायकर बाजार (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/ 3/37 ईई०/  
12-84/749—अतः मुझे सुनील चौपड़ा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ज्या है), की भाग 269-  
व के नीचे लक्षण प्राधिकारी को, वह विश्वाल करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 85 है तथा जो ग्राम खुरेजी विकास मार्ग  
आई० पी० एक्स० गुजरात विहार दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम

1961 के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार रूप से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वाल  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
गत्तरिती (गत्तरिती) के बीच इस नन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) इस्तरण के हूर्दा किसी बात की बाधा, उक्त  
अधिनियम के नीचे लूपने के बनारक के बिल्ल  
में किसी बात का उक्त लूपने में दूषिभा के लिए;  
कौरु/वा

(ख) एसी किसी बात या किसी भन वा जन्य बास्तुयों  
को, जिन्हे भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ गत्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया  
करा था या किबा आमा भावित था, छिपाने में  
दूषिभा के लिए;

बाहर की, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के नन्तरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभाय (1)  
है ज्यान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सवाई लाल पारीख कांती लाल आर पारीख,  
श्री जितेन्द्र पारीख श्री जनादेन पारीख  
श्री अरविन्द पारीख और श्री किरीत पारीख  
प्रो० मै० कांती लाल आर० पारीख  
चांदनी चौक दिल्ली।

(अन्तरक),

(2) श्री जितेन्द्र पारीख निवासी 19 अंसारी रोड़ा  
दरियांगंज दिल्ली।  
श्री जनादेन पारीख निवासी 2958 कटरा  
खुसल राय किनारी बाजार दिल्ली।

(अन्तरकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिवाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथवे हस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिख जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रियोक्त  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 85 तादावी 240.68 वर्ग गज, ग्राम-खुरेजी  
विकास मार्ग आई० पी० एक्सटेंशन (गुजरात विहार)  
दिल्ली।

सुनील चौपड़ा  
सक्तम अधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 6-8-1985

मोहर :

प्रधान बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायकर आयकर आयकर विवरण (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० आई० ए० सो० /एन्य०/३/३७ ई०/१२-८४/

८५८—अतः मुझे, मुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘विसे इसके प्रत्यक्ष उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की भारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य प्लाट नं० 21 है तथा जो न्यू राजधानी इनक्लेव, दिल्ली-३२ में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेज-३, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के अधिकार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, इसके उच्चार प्रतिफल से, ऐसे अधिकार प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन महीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के असरके द्वायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) किसी कियों द्वाया किसी भन या अन्य आस्तियों को, शिव्य भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा० १) या उक्त अधिनियम, या इनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अंतिमी इकाई ग्रेट नहीं किया गया था जो किया जाना चाहिए था इत्यान में अधिकार के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकारी अधिरत:—

(1) लेफिट० कर्नेल एम० पी० एन० कन्दल,  
निवासी 46, कोटा हाउस,  
शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली ।

(2) श्रीमती कमलेश अग्रवाल, पत्नी  
श्री राजा गम अग्रवाल,  
निवासी ब्लाक जे और के-८१,  
लक्ष्मी नगर, दिल्ली-३२ ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-वहू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास प्रिलिंग में किए जा सकेंगे।

लम्बोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली निवासीय प्लाट नं० 21, न्यू राजधानी इनक्लेव, तादादी 400 वर्ग गज, दिल्ली-९२ ।

मुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
महायकर आयकर आयकर विवरण (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-३, नई दिल्ली

तारीख : 7-8-1985

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/३७ ईर्झ०/१२-८४/

2-85/804—ग्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/य० जी०-21 है तथा जो भीकाजी कामा  
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में  
और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है), के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन नारीब्र  
दिसम्बर, 1984

के पूर्वीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चांश विवरण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ  
पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निमित्त में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के वापिस्त  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य जास्तियों  
फॉ, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

कल: अध., उक्त अधिनियम को धारा 269-थ के अनुसरण  
में अस्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सावित्री देवी, एवं श्री कन्हैया लाल,  
निवासी ई-32, मोती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कन्हैया लाल, निवासी ई-32,  
मोती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्याकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रा० नं० य० जी०-21, बिल्डिंग नं० 5, भीकाजी  
कामा ब्लैक, नई दिल्ली, तालाबी 225 वर्ग फीट।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 7-8-1985

मोहर :

## प्रकल्प आई.टी.एन.एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं. आई.ए. ८० सी.० /एक्यू.०/३/३७ ई.०/१२-८४/

८५९—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के वधीन सकाम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी मं. टी-10 है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीरामसे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पुर्ण रूप में वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि श्रीरपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रत्यक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारी) और अंतरिती (अंतरितारी) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा दाया गया ग्राहक प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कार्य से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूँ इ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के अनुरक्त वैधिकता में कमी करने या उक्त वधने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय का निम्न व्यवहार को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वैधिकता, या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा प्रयोगभारी अंतरिती द्वाये प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता जातिगं था, जिसने में सुविधा के लिए;

असः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसार वे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :—

23—226 GI/85

(1) श्री सी० एल० पुरी एम० के० पुरी और  
नितान पुरी, निवासी एस-488, ग्रेटर कलाण,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीला मोगा, निवासी टी-10,  
ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी जानेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख (45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमदृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तापरी के पाव निविलित में किए जा सकेंगे ।

अनुसूची

प्रो० नं. टी-10, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, पहली मंजिल,  
प्लाट नं. 310 वर्ग गज, नई दिल्ली ।

मुनील चोपड़ा  
मध्यम अधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-8-1985

मोहर :

द्रष्टव्य वाइंटी, एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं 0 आई० ऐ० सी० /एक्य०/3/38 ई०/12-84/  
883—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पूर्वान्तर 'अद्यत अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 0 132, न्यू राजधानी है तथा जो को आपरेटिव  
हाउस विलिंग सोसायटी लि०, दिल्ली में स्थित है (और  
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय,  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि अधार्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उपर्युक्त अध्यमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पञ्चव  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्रासादिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(म) बस्तुत वे हृष्ट किसी बाय की वापर, उक्त  
बिधिविधि के अधीन कर देने के अन्तर्क के विवित  
में कभी कहने वा उससे बचने में लक्षित के निह  
और/या

(न) एसी किसी आय या किसी भव या बन्द बासितकों  
को जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
की लिए।

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसर  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्त्ता :—

(1) श्री जग मोहन भट्टनागर,  
निवासी ई-23, एन० डी० एस० ई०-1,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञान चन्द्र,  
निवासी 511/3-ए, विश्वास नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वक्त्रेप :—

(क) इस सूचना के अनुप्रय वे प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि वा उसमेंच्या व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में सबाल होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों द्वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के अनुप्रय वे प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहन  
किसी व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताभरी के पास  
निवित में किए जा सकें।

**सम्झौतेरत्न :—**—इसमें प्रदूषित सम्बद्ध और प्रदूषों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क वे प्रतिशावित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 132, तालादी 174, 44 वर्ग गज, न्यू  
राजधानी, को० आपरेटिव हाउस विलिंग सोसायटी लि०,  
दिल्ली ।

मुनील चोपड़ा  
मक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख : 13-8-1985  
मोहर :

प्रकल्प आई.डी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्य०/111/37६६/12-  
84/4-85/884—यत्, मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाह करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 36/9 है तथा जो भी काजी कामा प्लेस,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), के कार्यालय, अर्जन रेंज-3,  
नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन  
दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह दृश्यमान  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इसे दृश्यमान प्रतिफल के बंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच इसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
अनुसूची से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित  
हैं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करु दने के अनुसूचक के  
दावित्य में कमी करने वा उक्त बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी बाय वा किसी भन या अन्य कास्तियों  
के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में उचित  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अंकियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती साचिली बाली,  
निवासी—११-३/100, लाजपत नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती रुपवनत कौर पल्ली स्व० श्री हर्वंस सिंह,  
2. सुख पाल सिंह पुत्र स्व० श्री हर्वंस सिंह,  
3. श्रीमती हरप्रीत कौर पल्ली डा० ए० पी० सिंह  
4. ग्रभय पाल सिंह—अभिभावक डा० ए० पी० सिंह,  
निवासी—पी० २ हौज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जाऊ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वजन के लिए  
कार्यालयीय शूल करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाष्पेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं० 45 दिन की बराबर या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की बराबर, जो भी  
बराबर बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं० 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिहित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सुनील चोपड़ा

स्थम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

तारीख : 6-8-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्य०/३/एस० आर०-॥/ 12-84/2508—यतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 37, छालक 'सी' है तथा जो  
मादीपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुभूची  
में और पूर्ण रूप से विण्ठित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीशन अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसंबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथा  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रति-  
फल से ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अंतरक (वंतरक्षा) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए हाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से  
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से की थित नहीं किया  
गया है :—

(क) अंतरण से हाई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्षण में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगेनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था "छाने" में  
सुविधा के लिए;

इस अद्यतन अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जसवन्त सिंह

सुपुत्र श्री सुनदर सिंह,  
निवासी-83/1-ए, पंजाबी बाग,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगत राम,

श्री जान चन्द और  
श्री अजीत कुमार,  
सभी सुपुत्र श्री सरदार मल,  
निवासी-5/15, पंजाबी बाग एक्सटेन्शन,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवृत्त के लिए  
कार्यवाहियां पूर्ण करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवृत्त के अवृत्त में कोई भी वार्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर उक्त सम्पत्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रदूषित सब्जी और पद्धों का, जो उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्षण में करी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

**अन्तर्भूमि**

प्लाट नं० 37, छालक 'सी', तादादी 471.4 वर्ग गज,  
मादीपुर, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख: 1-8-1985

मोहर :

प्रस्तुत वाहूः दी. एस. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार ..

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एम० आर०-११/  
१२-४४/२५०९—यतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 21 है तथा जो रोड नं० 43, पंजाबी  
बाग, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूल्य में  
और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अनुंत दिनांक, 1984

को प्राप्त कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए अद्वितीय को भर्त है और मुझे यह विश्वास करने  
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धारित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर होने वाले अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; जोह/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य कानूनों  
के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए,

यतः वह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर  
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्षात् :—

( ) श्री देव करन गर्ग,  
निवासी-134/1, एम० जी० रोड,  
चौथी मंजिल,  
कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री सतविन्द्र पाल सिंह,  
निवासी-बी/209,  
वेस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में जोह भी बाजेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तवृक्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप  
विवित में किए था सकरें।

**तारीखांकन :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अप्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मुनील चोपड़ा

प्रो० द० 21, रोड द० 43, पंजाबी बाग, नई दिल्ली,  
तादादी 277.08 रुपये गज।

मुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख: 13-8-1985

मोहर :

## उक्त नामों दीन पत्र एवं इत्युक्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) की अधीन सूचना

(1) श्री राम प्रकाश शर्मा,  
सुपुत्र श्री गंगा राम शर्मा,  
निवासी—नजदीक हवासीया मन्दिर,  
मिहानी (हरियाणा)।

(अन्तरक)

(2) एस० हरविन्दर सिंह  
सुपुत्र एम० जागीर सिंह,  
निवासी—14 नजफगढ़ रोड,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थमें लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोइ भी वास्तवेष्ट

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर०-II/  
12-84/2510—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पूर्वानु उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प्लॉट नं० 20, रोड नं० 55 है तथा जो  
पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़  
ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर  
1989

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिवेदन से अधिक है और इन्तरक (इन्टरकॉ) और  
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
जाया प्रतिफल निम्नलिखित रूपदेश से उक्त अंतरण मिलित मूल्य  
बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की वापर, उक्त  
अधिनियम के अन्तीन कर हने वे अन्तरक से  
दायित्व में कमी करने या उक्त सूचने में सूचित  
नहीं की गयी।

(ख) दंती किसी बाय या किसी भूमि या अन्य वासितयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
कठित के विषय।

बहु: बहु, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों ग  
द्वारा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अन्तरिती  
बाब में समाप्त होती हो, के भीतर द्वारा अधिकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षणकरण:**—इसमें प्रथम अब्दी और पद्मो का, जो इस  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ग्रन्तुसूची

प्लॉट नं० 20, रोड नं० 55, तादादी 555.55  
घर्ग गज, पंजाबी बाग, दिल्ली।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 1-8-1985

भोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्य०/३/एस० आर०-२/

12-84/2512—यतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० खसरा नं० 335 है तथा जो ग्राम दिन्दा  
पुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद अनुमूली में  
ग्रीष्म ऋतु में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृक्षत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्त प्रतिफल का  
पूर्वोक्त से अधिक है और बंतरक (बंतरक) और अंतरियी  
(अंतरीतयों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब बाबा जना अति-  
फल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक एवं वाचिक  
में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य आस्तीय  
को, जिन्हें भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया  
गया था या किस बाबा आहिए था, जिसने भौं  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

(1) श्री पी० एन० महलोत्रा,  
सुपुत्र श्व० श्री राम चन्द्र मलहोत्रा,  
निवासी—बी० एफ० 25, टैगोर गाँड़न,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० पी० कपूर,  
सुपुत्र श्री बुध राज,  
निवासी—एन० 7, राजोरी गाँड़न,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की वह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए  
कार्यवाहीहाँ करता है।

उक्त संपत्ति के बचन के सम्बन्ध में कहें भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की बचन या उत्तम्यन्वी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की बचन, जो भी बचन  
पर वै इवान्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
दूष वित्ती वन्य व्यक्ति इवारा, अजोहस्ताकरी वै  
पाल नियमित वै किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ॥

अनुमूली

कृषि भूमि तादादी 1 विधे, 8 विश्वे, खसरा नं० 335,  
ग्राम दिन्दारपुर, दिल्ली।

सुनील चोपड़ा  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख : 14-8-1985

मोहर :

प्रकल्प आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वाकेकर अधिकार (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर०-४/  
१२-८४/२५१३—यतः, मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. ते अधिक है

और जिसकी सं० ख्रमग नं० 335 है तथा जो ग्राम दिन्दारपुर,  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्ण स्वामी भवित्व में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय,  
जैसे, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाद द्वारा द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या विद्या जात चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरणी  
से, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० पी० मलहोत्रा,  
सुयुव श्री राम चन्द मलहोत्रा,  
निवासी—झी० एफ०/२५, डैगोर गाँड़न,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० पी० कपूर,  
पुत्र श्री बुध राज कपूर,  
निवासी—एन-७, राजोरी गाँड़न,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करवा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समानी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मूलभूती

कृषि भूमि तादादी 1 बीघे, 8 बिश्बे, लमरा नं०  
335, ग्राम दिन्दारपुर, दिल्ली।

मुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राविकारी  
हायक अधिकार आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन ई० ज-३, नई दिल्ली

ता. रीड़ 14-8-1985

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. ट. एन. एल. - - - -

प्रधानमंत्री अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

संघर्षकाल, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्ति रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1985

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/३/ए० सं. आर०-॥/  
12-८४/२५१४--यतः, मुझे, सुनील चौपड़ा,

प्रधानमंत्री अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयात् करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. 20-ए/८-ए, है तथा जो तिलक नगर,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष श्रमुमूल्य में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), जिस्तीर्णी अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
ब्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयात्  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त उत्तरित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में योग्यिता के लिए;  
और/या

(ख) एसी किसी आय या विक्री भन या अन्य भास्तियों  
को जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या जो किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

(1) श्रीमनी मंजीत कौर  
पत्नी श्री करम सिंह,  
निवासी—वी—1/594, जनकपुरी,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन्दर सिंह  
सुपुत्र स्व० श्री हरबंस सिंह,  
निवासी—207/8-ए, तिलक नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के लक्ष्य ने कोई भी वापेस :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवैध बदल में समाप्त होती है, के बीहर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यापित द्वाया,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

बत: नम, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनावरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ज्ञात्वा :—

24-226 GII85

दिनांक : 1-8-1985

मोहर :

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्ति रेंज-3, नई दिल्ली

प्रकृष्ट श. टी. एस. -----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के वधीन सूचना

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश मं० आर्ड० ए० सी०/एक्यू०/३/एम० आर०-२/  
१२-४/२५१५--यतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का  
कारबंध है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० ए०-७ (डब्ल्यू० जेड-342) है तथा जो  
शिव नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण स्थग से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1984

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
पहले विवाहास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्य-  
मान प्रतिफल से, ऐसी इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था छिपाने में दूषित  
के लिए।

अतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मन्दसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अन्तर्जल, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शादी लाल आनन्द  
मुपुव्र श्री हृषीकेश राम,  
निवासी—ग-114, जनता कालोनी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गणेश कुमार और  
श्री देविन्द्र कुमार,  
मुपुव्र श्री राम मरन,  
निवासी—डब्ल्यू० जेड 43, शिव नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अवधारण में कोइ भी वासेप :—

(क) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहन  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**लाप्तीकरण :**—इसमें प्रमुख वस्त्रों और पत्तों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभ्रान्ति  
हैं वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**मूल्य**

‘नाट नं० ए-९ (डब्ल्यू० जेड-342), तादादी 200  
घर्ग गज, शिव नगर, नई दिल्ली, एरिया ग्राम तिहाड़,  
दिल्ली।

मुनील चोपड़ा

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 5-8-1985

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. १९८५

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० ०/३/एस०आर० २/  
१२-८४/२५१६ अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-ए०/१३८ है तथा जो इन्द्रपुरी, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण स्वयं में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के  
कायालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर,  
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मूल्य यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति को उचित बाजार मूल्य,  
उसके दूष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का पूर्ण  
व्यक्तिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लग पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँ इन्हें किसी आद की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध  
में कठी करने वा उससे बचने में सुविधा नहीं दिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी आद या किसी भूमि का वन्य भास्तुओं  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
गत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
ने लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कैलाश बहर  
हरसेल्फ एण्ड अटारनी आफ  
श्रीमती साधना बेरी,  
निवासी 28, साउथर्न एवेन्यू,  
प्लाट नं० 8,  
कलकत्ता ।

(अन्तरक)

- (2) 1. आर० एल० दुआ,  
सुपुत्र श्री धनश्याम दास दुआ,  
2. श्रीमती चम्पा दुआ  
पत्नी श्री आर० एल० दुआ,  
निवासी 20/27, ओल्ड राजेन्द्र नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रबोचन सम्पत्ति के अधीन के सिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी वापेप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि मा तलसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवृद्ध बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रबोचन  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वाया अभावसाकरी के पाव  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ई०-ए०/१३८, इन्द्रपुरी, नई दिल्ली,  
तादाबी 250 वर्ग गज ।

सुनील चोपड़ा  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 13-8-1985  
मोहर

## प्रकल्प नामः टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1985

निर्देश सं । आई० ए० सी०/एक्य०/३/१०८० आर०-२

12-८४/२५१७—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं । सी-१११, खस्ता नं । 2056 है तथा जो  
हरी नगर क्लाक टावर, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को प्रमोक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्यापान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अव्यापान प्रतिफल से,  
ऐसे अव्यापान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-  
रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-  
रण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया  
है—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसार  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

(1) श्री बलदेव सागर भन्डारी,  
सुपुत्र श्री खराती लाल भन्डारी,  
निवासी 4/117, डब्ल्यू०-ई०-००,  
करोल बाग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) एस० मोहन सिंह  
सुपुत्र एस० बुआ दित्या मल,  
निवासी टी-२३५ ए,  
बलित नगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं । सी-१११, नावाढी 220 वर्ग गज, खसरा  
नं । 2056, हरी नगर, क्लाक टावर, एरिया प्राम तिहाड़  
नई दिल्ली ।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 5-8-1985

मोहर :

प्रस्तुत बाइ<sup>१</sup>, दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 अगस्त 1985

निर्देश 50 आई० ए० सी०/एक्य०/३/एम० आर०-११/  
12-८४/२५१९—अनंत शुभे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

आंग जिसकी सं० ए-१/१३५ है नथा जो ग्राम नगरायना,  
इन्द्रपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (आंग डम्पे उपायुक्त  
अनुसूची में आंग पूर्ण रूप में वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

दिसंबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाएवंकित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती  
(अंतरीतयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पथा का  
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अंतरण सिद्धित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दर्ते ही अनुसूचि को  
दायित्व में कमी करने वा सकूले बचन में कुछ बदला  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों  
को, विन्दू भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किसी जाना जाना चाहिए एवं, इसके में सूचित  
के लिए;

(1) श्रीमती शोभा गुप्ता  
पत्नी श्री आर० ए० गुप्ता,  
निवासी आर० ए०-७४, इन्द्र पुरी,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मधु गुप्ता  
पत्नी श्री एस० सी० गुप्ता,  
मास्टर धीरज गुप्ता,  
मास्टर राहुल गुप्ता,  
सुपु गण श्री एस० सी० गुप्ता,  
निवासी 981 शिवाजी स्ट्रीट,  
करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

वे यह सूचना आरै करने पूर्वक संपादित के बजाए के निए  
कार्यकारियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के बजाए के सम्बन्ध में कोई भी आक्रम:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिकारी के बीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ब) इस सूचना के राजपत्र की तारीख के  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
फिरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रषित  
हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० ए-१/१३५, नावादी 250 वर्ग गज, खसरा  
नं० 1610, ग्राम नरायणा, आवादी इन्द्रपुरी, नई दिल्ली।

मुनीश चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख: 1-8-1985

मोहर:

बताए अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

**प्रस्तुति वाइटी-एन-एस.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
भाग 269-ग (1) के विवेद सूचना**

**भारत वर्षाका**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अगस्त 1985

निदेश सं. आई. ८० मी.०/एक्यू.०/३/३७८८/१२-८४/  
७४।—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के विधीन सकारा आयकरी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 103 है तथा जो 3, एन डब्ल्यू-ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपांचाल अनुसूची में और पूर्ण दृष्टि से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अंतिफल के लिए बन्तरित की गई है और भुजे वह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एवं से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरीतीयों) के बीच ऐसे बन्तरत के लिए उच्च पारा बना रखिएका, निम्नांजित गुरुरेम से उक्त वास्तविक विविधता में वास्तविक इस के लिए यहाँ किया जाया है:—

(१) उक्त इस दृष्टि की भाव की वापर, उक्त विविधत के विवेद इस दृष्टि के वास्तविक विविधत में लम्बी लम्बाई वा उक्त इसमें विविधत के लिए; और/या

(२) दूसरी दृष्टि का विवेद वा उक्त वास्तविक को, जिसे भारतीय आय-बहु अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा अवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना जानी चाहिये वा, छिपाने में लालचा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के विवेद, निम्नांजित विविधत दर्शात् हूँ—

(१) मैं रिप्पी पाल प्रोपर्टीज (प्रा०) लि०  
७०४, प्रगति टावर, राजेन्द्रा प्लेस,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) श्रीमती सवीता कथुरीया  
पत्नी श्री रमेश कथुरीया,  
निवासी एफ० २८-ए०,  
हरी नगर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

वह सूचना प्राप्ति करके द्वार्चा सम्पत्ति के वर्णन के लिये कार्यवाहीयों करता है ।

इसका सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में लाइन भी बालोरा।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख १५ डिसेंबर १९८५ वा उसके बाद विविधतों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की विधि, जो भी विविध बाद में समाप्त होती है, के भीतर द्वार्चा विविधतों पर से किसी व्यक्तिसंघ द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख १५ दिन के भीतर उसका स्थावर संपत्ति में हितवद्विधि किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अभावस्थानरों के लाल  
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

**सांख्यिकीय:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

**वास्तविक**

प्लाट नं. 103, पहली मंजिल, पाल मोहन अपार्टमेंट,  
3, एन० डब्ल्यू०-ए०, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, तादादी  
७८० वर्ग फीट ।

सुनील चोपड़ा  
सकारा प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रज्ञन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 8-8-1985

मोहन

प्रेस्प्र बाई, टो. एव. एस. - - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत नगरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर वाप्रकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं ० प्राई० ग० पी० प्रकृ० ०-३/एस० आर०-१११/  
१२-८४/९३५—अतः मुझे, मुनील चौपड़ा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उनके अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राप्तकारी को, यह विवाह करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० 1/42874 (पार्ट) है तथा जो युम्फ  
मराय, ग्रीन पार्क प्रॅस्टेशन, नई दिल्ली में स्थित है (ओर  
इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीगकण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारी दिसम्बर 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह स  
बाट का दर्शा है कि स्थापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का  
रेंझ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरांतरिताएं) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसूचा से उक्त अंतरण निम्नांगे से  
वास्तविक रूप में कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अनुसूचणा से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कठीं करने या उनसे छोड़ने एं सुविधा के लिए;  
सौट/बा

(ख) एंसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम द्वा धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगाधीर  
अन्तरिती इवार्य प्रकट नहीं किया गया था या  
इकण जाना चाहिए अंतिमान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री मनोहरन किशन कौल  
(ए०० के० कॉल)  
मुमुक्षु श्री प्रण किशन कौल,  
निवासी 61/1 मनोहरन ब्रिंहिंडग,  
युसफ सराय,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरां)

(2) श्रीमती निमला जैन  
पत्नी श्री जय पाल सिंह जैन,  
निवासी 12/8, युसफ सराय, नई दिल्ली  
और श्रीमती बिमला गुप्ता  
पत्नी श्री लखमी चन्द गुप्ता,  
निवासी एम-201, गौतम मगर,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
दिया है ॥

### अनुसूची

प्रो० नं० 1/42874 (पार्ट) खसरा नं० 141/129,  
खेवत खतोनी नं० 1-मिन, नादादी 100 वर्ग गज, युसफ  
सराय, ग्रीन पार्क प्रॅस्टेशन, नई दिल्ली ।

मुनील चौपड़ा ।

सक्षम अधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण )  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 31-7-1985

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० ०/एक्य०/३/एम० आर०-३/  
12-८४/९३५—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
एको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सिगल स्टोरी बिल्डिंग, एम-13 है तथा  
जो ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इसमें उपाख्य अनुमूली में आर० पूर्व रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, एसे दद्यमान प्रतिफल का  
गंवाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय वा किसी भव वा बन्द्य वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भा-  
क्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आवृहए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती इन्द्र मोहनी रार्मा  
पत्नी श्री पन्ना लाल,  
द्वारा अटारनी श्री के० एल० मेहता,  
निवासी ए४/१ राना प्रताप बाग,  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मकबुल निकहाद मेहदी  
पत्नी श्री संयद साहब मेहदी,  
द्वारा मोनु भट्टाचार्या,  
ई-३, पंचशिला पार्क,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उचित प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उचित प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिलिंग में दिया जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसनी

सिगल स्टोरी बिल्डिंग, ब्लाट 'एम' ब्लाट नं० 13,  
ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली, नादादी 310 वर्ग गज ।

सुनील चोपड़ा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 13-8-1985

मोहर:

प्रकाश नाईटी.एस.एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
पात्र 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वार्षालिय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1985  
निर्देश सं. आई.ए. ० सी.०/एक्यू.०/३/एस.० आर.०-३/

12-84/936—अतः मुझे सुनील चोपड़ा  
आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इष्टके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारत 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से ऊंचिक है।

और जिसकी सं. प्रो.० नं. २८३, ज्ञाक 'एस' है तथा जो ग्राम शेखसगाय, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के हार्यालिय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 'उक्तके अध्यमान प्रतिफल से ऐसे अध्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ले लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आम-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाए प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री प्रकाश चन्द्र जैन,  
सुपुत्र श्री जगमिनदर दास जैन,  
निवासी 1282, वाकिल पुरा,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा० महिन्द्राप्रसाद जैन  
सुपुत्र स्व० महाराज प्रसाद जैन,  
निवासी एस-५२९, ग्रेटर कलाश-२,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आदी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहीया करूँ करता है।

बर्जन हम्मेस के बर्जन के लिए भी आवेदन :—

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि या तसंबंधी व्यक्तियों वह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो वी व्यक्ति वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(न) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पाल लियित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरता :—इसमें प्रयुक्त वब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ द्याया, जो उस अध्याय में लिए गए हैं।

अनुसूची

प्रो.० नं.० २८३, ज्ञाक 'एस' नादादी ८४७.८० वर्ग नज, ग्राम शेख सगाय, नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा  
सक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 13-8-1985

मोहर :

## प्रकृत आदेश दी. एन. सर.

बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (१) के अधीन सूचना

## सारणी उल्लंघन

प्रायोगिक, सहायक आयकर आदेश (प्रिवेट)

अर्जन रेज-३, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० ०/एकू० ०/३/एस० आर०-II/

12-84/939—अन्तः मुसे, सुनील चौपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14, 14/1, प्लाट नं० 15, र तथा जो  
ब्लॉक नं० 80-ए, कुण्डा मार्केट, पहाड़ गंज, नई दिल्ली  
में स्थित है (ओर इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में भागीय रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984 को  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उम्मीद स्थान प्रतिफल से, एंसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण विवित वै  
भास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है १—२

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वादित्व में कमी बन्ते वा उससे बन्ते में विविध  
के निम्न; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) वा उक्त विविध, वा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा वा किया जाना चाहिए वा, जिवाने वै  
स्त्रिया के निरूप;

अन्तः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व वै बन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (१)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१) श्रीमती इन्दु बाला गुप्ता  
पुत्री अशोक कुमार,  
मिवासी ६०, गली राजा केदार नाथ,  
चावडी बाजार, दिल्ली  
श्रीमती लतिता बाजा भन्डारी पत्नी अशोक  
कुमार भन्डारी, मिवासी २१३३, मस्जीद खजुर,  
धरमपुरा दिल्ली और

शिव शंकर गुप्ता सुपुत्र श्री सम्भु नाथ गुप्ता  
मिवासी ७६-गली, मेहनाव राय, चावडी बाजार,  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(२) मैं देट्रोपोलोस रेस्टोरेंट,

१६३४, मेन बाजार, पहाड़गंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बन्तरण के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त उल्लंघन वै बन्तरण के उम्मीद वै बालोगु—

(क) इह सूचना के उम्मीद में प्रकाशन की तारीख वै  
४५ दिन की बद्धिया तस्वीरधी अविक्तयों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की बद्धिया जो भी  
उल्लंघन वै बन्तरण से बदलती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों वै वै किसी अविक्त इवापाँ

(ख) इह सूचना के उम्मीद में प्रकाशन की तारीख से ४५  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु  
किसी बन्द अविक्त द्वारा, अपोहस्ताकरी के पाल  
विविध में किसी वा सकेन।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० १४, और १४/१, प्लाट नं० १५, ब्लॉक नं०  
८०-ए, तावादी १२०, वर्ग गंज, कुण्डा मार्केट, पहाड़ गंज,  
नई दिल्ली ।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (गिरीझा)  
अर्जन रेज-३, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख: 14-8-1985

मोहर:



प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की भारा 269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई० ए० सी०/एक्य०/३/एस० आर०-३/  
12-८४/९४२—अतः मुझे, मुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
वां के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मूल्य ५०००००/- है तथा जो मालवीय नगर नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपबंद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इकायमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इकायमान प्रतिफल से ऐसे इकायमान प्रतिफल का पन्नह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए हाँ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
है वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचन उक्त सम्पत्ति-  
नियम के अन्तर कर देने के अन्तरक के शावित्र वे  
करी करने वा उक्त वस्त्र वस्त्र में शवित्र के लिए  
और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीन  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः ज्ञा, उक्त अधिनियम की भारा 269-वां के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वां की उपभाय (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्याकृत्यां, वर्धतः ।

(1) श्रीमती राम पीयारी

माकंत श्री जगदीश चन्द्र  
निवासी ई-५/२ मालवीय नगर  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री भारत भूषन,

निवासी ई-५/२ मालवीय नगर  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याप्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक  
बाब वे तत्पात्त होती हैं, के भीतर पूर्णतः  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध वित्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**लक्ष्योकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

प्रो० न० ई-५/२ मालवीय नगर नई दिल्ली सदावी  
124 वर्ग गज ।

मुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 7-8-1985

मोहर:

प्रूफ आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई० ए० न००/४८५०/३११८० आर०-३/  
12-४/१९४३—अर्जन नं०, सुनील चौपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 10604 है तथा जो कांगल बाग नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है). राजस्ट्रीहार्ड अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में भारतीय राजस्ट्रीहारण अधिनियम, 1908  
(1908 व. 16) के अधीन नारायण दिसम्बर 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य भं कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से गंभीर दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
घासाविक रूप से कार्यात्मक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी क्लाय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व में  
कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए;  
कौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः इब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) 1. श्री रघुश्यम साहनी,
- 2. श्री मोहन लाल साहनी
- 3. श्री अमल कुमार साहनी,
- 4. श्री अनन्त कुमार साहनी,  
मुपुव्र स्व० श्री दीनत राम साहनी

(अन्तरक)

- (2) श्री नसीब चन्द भाटिया  
मुपुव्र स्व० श्री मूल चन्द भाटिया,  
श्रीमती शान्ति देवी  
पनो श्री नसीब चन्द भाटिया  
निवासी ५८१/५३ न्यू रोड़तक रोड़,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
उक्त बाब में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रत की जाएगी।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसके प्रयोग इब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अध्यै होंगे जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग, प्र० न० 10604, तादादी 140 वर्ग गज  
टोटल एरिया 280 वर्ग गज) करोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख : 14-8-1985

माहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, (दिनांक 30 जून 1985)

निवेश मं. आई. १० ए० भी०/एक्य०/३/एम० आर०-३/  
१२-४४/९४४—अतः मुझे, मुनीन चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मकान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी मं. 10604 है तथा जो करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (ओर इसमें उपवट्ठ अमूल्यी में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख दिसम्बर 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल है लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पूर्ण से दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह अंतरित में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या इन्हें आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः दो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रघुशाम माहनी

श्री मोहन लाल माहनी

श्री अरुण कुमार माहनी,

श्री अंनल कुमार माहनी

निवासी-92 बड़े रोड़,

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दास सुनेजा

मुपुत्र श्री गंगा राम सुनेजा

निवासी-15ए, 54 डब्ल्यू० ई० ए०

करोल बाग,

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेरस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिया गया है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्नसूची

1/2 भाग अविमानित इसमें प्रो० नं. 10604, तादाती 140 वर्ग गज, टोटल भूमि 280 वर्ग गज करोल बाग नई दिल्ली।

मुनीन चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखः 30-/-1985

मोहर :

इलाम बाई, डी. एन. एस. -----  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत बहुमत

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०/३/एम० आर०-३/  
12-८४/९४५-ग—अतः मुझे, मुनील चौपडा,बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 87 ब्लाक 'P' है तथा जो साउथ एक्स-  
टेंशन, स्कीम भाग-, मुम्बारकपुर, कोटला, रिंग रोड,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के  
कायानिय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख दिनम्बर, 1984,  
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाजल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरण के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बनने में हृषिका  
ष लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मुँहधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, वर्धात :—

मोहर :

(1) श्रीमती श्रामा देवा जैन  
पत्नी श्री हर्षोल्लास चन्द जैन,  
निवासी—72, अंधारी रोड,  
दरीया गंज,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पदम चन्द मुपुव  
श्री जगदीश प्रमाद  
श्रीमती लीकेश्वरो देवी,  
पत्नी श्री अनुल कुमार गुप्ता,  
निवासी—2267, पहाड़ गंज,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरोप करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उपर सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेप :—

(क) इस सूचना के राजपद में पकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
शब्द में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपद में पकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वहन किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
पास लिखित में हुआ रहा।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि का एक खण्ड नामांकी 263.9/10 वर्ग गज,  
प्लाट नं० 87, ब्लाक 'P', साउथ एक्सटेंशन, स्कीम भाग-  
II, मुम्बारकपुर कोटला, रिंग रोड, नई दिल्ली।

मुनील चौपडा  
सक्षम प्राधिकारी  
महायह आय हर प्रायकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 31-7-1985

मोहर :

प्राकृत आई.टी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
की धारा 269 वा (1) के अधीन सूचना

प्राकृत आई.टी.एन.एस.

ग्रामीण, महावक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० प० सी०/पक्ष०/३/प० आर०-४/

12-४/१४०५—अनु: मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उक्त के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० बी/६१, है तथा जो ज्योती नगर (झिट),  
शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उत्तरावढ़ी अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्म अधिकारी के  
कायानिय, नई दिल्ली में (रजिस्ट्रीफर्म अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन नारीक दिसम्बर,  
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और बन्दरक (बन्दरकों) और बन्दरिती  
(बन्दरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों ते उक्त बन्दरक निम्नलिखित  
में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) बन्दरक से हुए किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्दरक के दृश्यमान  
में किसी कठरे वा उद्दृष्ट वृद्धि वा दृश्यमान के लिए;  
और/वा

(ख) दसी किसी जात वा किसी भन वा वन्य जास्तियों  
को बिन्दू भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरित इवाय प्रकट नहीं किया गया  
वा या किसी बाबा बाहिए वा, किसाने में सुविधा  
के लिए;

बता: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के उपधारा (1)  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् २—

(1) श्री जगदंगा चंद्र

मुनुव था आर० प० चोपड़ा,  
निवासी—गृ-२/८९, राजीवी गाँव,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश कुमार जैन  
मुपुत्र था छोटा लाल जैन,  
निवासी गली नं० ३,  
फेंडस कालानी, शाहदरा,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह दृश्या चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोइ भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि दावे में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों वा में किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वा हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
विभिन्न वा सहेजे।

लक्षणिकरण :—इसमें प्रकृत स्थानों की दृश्यमान की, वा उक्त  
अधिनियम के अध्यात् २०-वा में विवरित  
है, वही वर्ष द्वारा जो उक्त बन्दरक में लिए  
जाते हैं।

मुनुसूची

प्र०० नं० बी/६१, नारीदी ४६१.१ वर्ग गज, ज्योती  
तगर, शाहदरा, दिल्ली।

मुनील चोपड़ा  
निम्न प्राधिकारी  
ग्रामीण आयकर आयुवत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 6-8-1985

मोहर

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री गम स्वरूप दास  
गुप्त श्रो दीवान चन्द्र,  
निवासी जे-10, कृष्ण नगर,  
दिल्ली-5।

(अन्तरक)

(2) डा० बी० के० मोन्हा  
सुपुत्र श्री के० सो० मोन्हा,  
निवासी एच-5/12, कृष्ण नगर,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 3/एम० आग०-4/  
12-84/1406—अतः मुझे, सुनील चापड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं० जे०-10, है तथा जो खसरा नं० 511, कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (और उसमें उपावद्ध अनुभूची में और पूर्ण स्थापन में वर्णित है), राजस्त्रीकृती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में (रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख दिवस्त्र, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है।

फिर यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिशत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिशत की पन्द्रह प्रतिशत से उधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए हथ पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथित नहीं की गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने भी सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण में, एक अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अन्तर्द्वारा, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26—226 GI[85

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्रेद भी आकर्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध विद्वान् व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हसामें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 13-8-1985

माहूर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली  
नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1985  
निर्देश सं० आई० ए० मो०/गव्य०/३/एस० आर०-४/  
12-84/1408—ग्रतः मुझे, मुनील चौपड़ा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/9328 है तथा जो ग्राम सिकन्दरपुर,  
शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण स्थं से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर,  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उच्चान्त प्रतिफल से, ऐसे उच्चान्त प्रतिफल का  
प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए उत्तम पाया गया प्रतिप  
त्यक्त विभिन्नताओं से संबंधित अन्तरण लिंग्हात्र से बालू  
विक स्थं से कठित नहीं किया गया है—

(क) बनारस वे हैं किसी बाद की बाद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बनारक वे विभिन्न  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
लालू/शा

(क) ऐसी किसी बाय या किसी भव या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रा  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
बवा या या किया आमा चाहीए तो लियाने में  
सुविधा के लिए

उत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निरीक्षित व्यक्तियों, अन्तरि—

(1) श्रीमती भागवती

पत्नी स्व० श्री गन्डा सिंह,  
निवासी (ओल्ड) नं० 1480/1-ए, और  
न्यू नं० 1/9328, शाही मुहल्ला,  
वेस्ट रोहताष नगर, शाहदरा,  
दिल्ली-32।

(अन्तरक)

(2) श्री दर्शन लाल भुपुत्र

श्री अरचरज लाल,  
निवासी क्वाटर नं० 51, मोहन पार्क,  
शाहदरा, दिल्ली-32।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लक्षण के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लक्षण में फोटो भी साझें हैं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि से इत्यत्वान्वी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की वामीम से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से (किसी व्यक्ति द्वारा);

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर इवत स्थान अन्तरित द्वारा विस्तृत  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा विभोहस्तान्त्री वे पाप  
लक्षण में (किए जा सकेंगे)।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं,  
वही अर्थ होते हैं, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

मुनील चौपड़ा

मुनील चौपड़ा  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 7-8-1985

मोहर :

प्रस्तुत वाले, दी. एन., एस. -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

### आवकर अधिनियम

अधिनियम, आवकर आवकर आवकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी/एक्य०/३/एस० आर०-४/  
१२-८४/१४०९—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-व के अधीन वाकात प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/7205 खंगरा नं० 2180 है तथा जो ग्राम सिकंदार पुर, दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाधि अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है) उक्त अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख दिनम्वर 1984

का पूर्वोक्त संघीत के उचित बाजार मूल्य से कम के छव्यानाम प्रतिक्रिया के द्वारा अन्वार्ता की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि वथापूर्वक संघीत का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वावलम्बीकरण से, एस० व्यवहार प्रतिफल का पूर्ण प्रतिक्रिया में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितीय) के बीच एस० अंतरण के निए तय पाया गया प्रतीक्षा, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्दित संवादोंके रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) उससे हृष्ट निली वाप की वाप, उसके अधिनियम के अधीन उक्त देने के व्यवहार के अधीन से कथी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) एस० निली वाप का विनी भव या अन्य वास्तवों को, विनी भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्यांगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अनुसरण में, गौ. उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपभारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा:—

(1) श्री गुर निह ठाकुर

मुख्य श्री गोविन्द मिह

निवासी (ओल्ड) नं० 1473-ए/2 और

न्यू नं० 1/7205 शिवाजी पार्क  
दिल्ली।

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमती शालिनी खन्ना

पत्नी श्री गजकुमार खन्ना

निवासी-५७०, कटरा नील,

चाँदनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

कों यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संघीत के उचित अन्तर्गत करता है।

सूचना संघीत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या उससम्बन्धी अविक्षितात्मक पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितात्मक पर में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर संघीत भी फ़िल्मबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधाहस्ताकारी के पास निवास के लिए ला सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रश्नकृत सभ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यात्र 20-क में परिभासित है, वही अर्थ द्वारा जो उक्त अध्यात्र में दिया गया है।

मनुसूची

प्र० नं० (ओल्ड) 1473-ए/2, और न्यू नं० 1/7205, खंगरा नं० 2180/265 एरीया तादादी 200 वर्ग गज, ग्राम मिकंदार पुर, आवादी रावल्य ब्लाक, रोहनास नगर, शिवाजी पार्क, दिल्ली।

मनुसूची  
सभ्यम प्राधिकारी  
भूमाल आवकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख : 6-8-1985  
मोहर

प्रकल्प नंबर १. टी. इन., एस.-----

आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा  
धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

### आवश्यक अधिनियम

कानूनीय, बहुवक्त आयकर आदान (नियंत्रण)

अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं. आई० ए० सी/एक्य०/३/एस० आर०-४/

12-८४/१४०९—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आवश्यक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अधीन इकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय उपचार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. १/७२०५ खाता नं. २१८० है तथा जो ग्राम मिकदार पुर, दिल्ली में स्थित है (और इसने उपचार मूल्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेटरने अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीररग अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीव दिसम्बर 1984

का प्रारंभिक सम्मान या उचित बाजार मूल्य संकाय के अनुसार अनुदारण की रही है और नुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि विधायिकाने सम्पूर्णता का उचित बाजार मूल्य, उससे अन्यान्य अनुदारण अनुदारण का प्रदूषक से अधिक है और अन्तरक (अक्षरका) और अर्तारकी (अंतर्गतीयों) के दीर्घ एंसें अनुदारण के लिए तथा यात्रा गया ग्रीष्म-ऋतु, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुदारण नियंत्रित में बास्तविक रूप में कार्यकारी नहीं किया गया है।—

(क) अन्तर्गत से हटाई जिसी वापर की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन उक्त देने के अनुदारण के अधिकारी द्वारा करने या लापता बचते में स्वीकार के लिए, अ. १/८१।

(ख) दौरी किसी वापर का दौरी पद वा अन्य बास्तवों को, जिन्हे भारतीय आवश्यक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनुकूल अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामे अन्तर्गतीय इवारा ग्रहण नहीं किया गया था तथा इन्होंना जाहिर था, छपाने में मुश्किल की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, गौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपचारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभाव—

(1) श्री गुरु पिंड ठाकुर  
मुपुवा श्री गोविन्द मिह  
निवासी (ओल्ड) नं. 1473-ए/2 और  
न्यू नं. 1/7205 शिवाजी पार्क  
दिल्ली।

(अन्तर्गत)

(2) श्रीमती शालिनी खन्ना  
पत्नी श्री राजकुमार खन्ना  
निवासी-५७०, कटरा नील,  
चौंदनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के नियंत्रण कार्यालयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अवधि या उसमें व्याप्तियाँ पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भी भी अन्तरित बूकाय;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में रिंबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिकित भी नियंत्रण या सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रदूषक सूची और पदों का, जो उक्त अधिनियम के विधायक 20-क में नियंत्रित हैं, वही अर्थ होता जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

मनुसूची

प्रो० नं. (ओल्ड) 1473-ए/2, और न्यू नं. 1/7205, खाता नं. २१८०/२६५ एरीया नावादी २०० वर्ग गज, ग्राम मिकदार पुर, आवादी सरल्य ब्लाक, रोहतास नगर, शिवाजी पार्क, दिल्ली।

मुनील चोपड़ा  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (नियंत्रण)  
अर्जन रेज-3, दिल्ली/नई दिल्ली

नारीव : ६-८-१९८५  
मोहर

प्रूफ आइ.टी.एन.एस.-----

(1) एकमप्रैम विल्डर्म (प्रा०) नि०,  
वो-177, ग्रेटर कैलाश-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मतीश दीवान,  
निवासी 1/18 बी,  
आसफ अली रोड,  
दिल्ली।

(अन्तरिती)

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
भारा 269-वा (1) विधीन सभा**भारत वरिष्ठ**

कार्यालय, भारतीय आयकर बायकर बायकर (निराकाण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सो०/ग्र०/३/३७ ई०/१२-४४/  
५४७-ए—अतः मुझे, को० वासुदेवन,**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
वा के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है**और जिसकी स० स्पेस नं० 103 है तथा जौः प्रौ० नं०  
1311/8, अजमेरी गेट, दिल्ली में स्थित है (आगे इसमें  
उपावड़ अनुसूची में आर पूर्ण स्ता में वर्णित है), अजमेरी-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-2, नई दिल्ली,  
में भारतीय आयकर विधिविभाग, 1961 के अधीन नारायण  
दिसम्बर 1984की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, एस रख्यमान प्राप्ति का  
निवृत्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) बन्दरगाह वै दूर्द किसी बात की वाबदू उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्दरगाह के रायमान वै कली करने वा उक्त उक्त वै विधा के लिए;  
मार्या

अनुसूची

स्पेस नं० 103, तादादी 235 वर्ग फिट, प्रौ० नं०  
1311/8, अजमेरी गेट, दिल्ली।(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिस भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-  
दर औं धनयाम, 1957 (1957 का 27) के  
शायेनाथ बसारी इयारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिणने से सुनिधा  
के लिए;बायकर बद, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसर  
वै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित विधियों, बायकर,—को० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
भारतीय आयकर बायकर (निराकाण)  
अर्जन रेज-3, दिल्ली/  
नई दिल्ली

तारीख : 12-8-1985

मोहर :

प्रकल्प बाइ० टी० एन० एस० ----

(1) श्रीमती विद्यावत्ती  
पत्नी नव० श्री गिरधारी लाल बत्रा,  
निवासी ई-161, फेज-1,  
अशोक विहार, दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री के० ग्री० मोन्गा एण्ड श्री बी० के० मोन्गा  
सुपुत्र श्री अट० पी० मोन्गा, निवासी (ओलड)  
एफ-75, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।  
ई/161, फेज-1, अशोक विहार, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

### भारत वाप्रकार

कायामत, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1985

निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्य०/3/37-ई०/12-84/  
550 ए—अतः मुझे, के० वासुदेवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके अधिकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीराम जिनकी मं० ई-161, है नथा जो अर्णोद विहार-1,  
दिल्ली में स्थित है (श्रीराम उपायद्वारा अनुसूची में श्रीराम  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय,  
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 के अन्वय तारीख दिसम्बर 1984

को पर्याकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमात्र  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके द्वयमात्र प्रतिफल से, परंतु द्वयमात्र प्रतिफल का पूर्ण  
प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पापा गया  
प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण (अन्तरित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है) —

(म) अन्तरण से ई-161 किसी भाव की वापद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुद्रुक्त के विषयत्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जोड़/या

(म) ऐसी किसी भाव या किसी भन का बन्द धार्सियों  
के जिस्त भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार  
में, भौ. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उच्चाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तणों, जारी हैं —

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षण :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि भाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताकरी के पाव  
तिक्षित में किए जा सकेंगे।

लक्षण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रतिवाचित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
दूया है।

### अनुसूची

हाउस नं० ई-161, फेज-1, अशोक विहार, दिल्ली,  
तादादी 300 वर्ग गज।

के० वासुदेवन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, दिल्ली/  
नई दिल्ली

तारीख : 22-7-1985  
मोहर :

प्रस्तुत वाइ. डी. एव. एड. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/पृ० आर०-३/  
१२-८४/६०५—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग नं० एफ-३२ है जो  
ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया-१, नई दिल्ली में स्थित है  
(ओर इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीगर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन नारीब दिमान्द्र, 1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के नीचल बाजार मूल्य से कम के हथमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके हथमान प्रतिफल से, ऐसे हथमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्घोष्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आविष्कारों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसुचि  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वार्ता ५—

(1) मैं प्रोमोल इन्डस्ट्रीज,

एफ-३२, ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया,

भाग-१, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनील सोंधी

पत्नी ए० के० मोंधी,

निवासी बी-३/४, वसन्त बिहार,

नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग नं० एफ०-३२, तालाबी 427.33  
वर्ग गज, ओखला इन्डस्ट्रियल एरिया, भाग-१, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली

तारीख: 6-8-1985

मोहर:

प्रकृष्ट आई.टी.एन., एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त, 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्य०-१/एम०आर०-३/ 12-84/

606—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-141 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उत्तरांश अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसंबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थायमान प्रतिफल से, ऐसे स्थायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है उत्तरांश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सक्रम अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री घनशाम दाम, झर्मा  
मकान नं० 145, नेक्टर नं० 19-ए,  
चन्डीगढ़, पंजाब।  
(अन्तरक)

2. मै० खुराना, विल्हेम ।  
ई/ 12-ए, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

के यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्राप्तीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

**अन्तर्कृति**

प्लाट नं० एम-141, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, ताथादी 289 वर्ग गज ।

आर० पी० राजेश  
सक्रम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक : 12-8-1985

मोहर :

## उक्त वाई.टी.एन.एस.-----

भाष्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निदेश सं० आई.ए.सी.०/एक्यू.०-१/एम०आर०-३/१२-८४/  
६११—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भूमि है तथा जो ग्राम विज्वाशन,  
तहसील महारौली, नई दिल्ली में मिथन है (और इसमें उपावड़  
ग्राम सुची में और गुर्ण गांग में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कायलिय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकार  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अधिकार प्रतिफल से ऐसे अधिकार प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निहित में वास्तविक रूप से कार्रवा महीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुए निली वाप की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और  
सामित्र में कमी करने वा उक्त अन्तरण में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी फिली वाप जो किसी भव वा अन्य वास्तविक  
को, किन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगभार अन्तरिती द्वारा प्रकट मर्ही किया  
गया वा जो किया जाना चाहिए वा कियाजाने में  
पूर्विका वे लिए;

बतः वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभाग (1)  
में अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षादः ।—

1. श्री गणेशी मुपुड़ वा मुन्डव गाम,  
निवासी ग्राम विज्वाशन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मै० मोल्याल पृष्ठ कं० (कन्ट्रक्षन) प्रा० लि०,  
115, अनन्द भवन, 16-कं० जी० मार्ग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

कि वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापेसः ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वा  
सूचना की तहसील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्ति वाई में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदन  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## ग्राम सुची

कृषि भूमि, तादादी 23 दीघे, और 16 विश्वे, रेक्ट नं०  
77, खसरानं० 18, 19 (6-04), 21 (0-12), (22 (4-09)  
23 (4-16), 26 (0-07), रेक्ट नं० 84, खसरा नं०  
1 (0-08), 2 (2-12), 3 (4-08), ग्राम विज्वाशन,  
नई दिल्ली, तहसील महरौली ।

आर० पी० राजेश  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 6-8-1985

मोहर :

## प्रख्य बाहौदी एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निवेश सं० आर्ड०ए०सी०/एक्य०-१/एम०आर०-३/१२-८४/

612—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 10, ब्लाक 'एल' है तथा जो  
ग्राम जमश्वपुर, लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और  
इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिप्पम्बर,  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण  
प्रतिफल के लिए उन्नतिरक्त की गई है और वह यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
इसके अवधारण प्रतिफल से, ऐसे अवधारण प्रतिफल का पर्याप्त  
प्रतिक्रिया से अधिक है और उन्नतरक्त (उन्नतरक्ती) और अस्तीर्ती  
(अस्तीर्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
श्रेष्ठतम्, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण उन्नतिरक्त  
प्रस्ताविक रूप से किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भने या अन्य वास्तविकों  
को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ जन्मलिखि द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
भा भा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरण  
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उच्चाग (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

27—226 GI|85

- श्री कंवरलाल भारद्वाज, मुपुत्र श्री आर० एम० दीप  
भारद्वाज निवासी ग्राम और पौ० रत्नवाल (जिला  
नुधियाना), वर्तमान पृ०-12, माउथ एक्स्टेक्शन-1,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- श्री अनिल कुमार मुपुत्र श्री मुखदेव राज,  
निवासो पृ०-17, हौज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

के द्वारा जारी करवे उक्त उन्नति के बहुत बड़े विषय  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वांभी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अधिक बाद वे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्दृष्ट  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पात्र  
निश्चिह्न में किए जा सकेंगे।

**प्रस्तावकरणः**—इसमें दस्तकृत शब्दों और नदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उम्म अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्र०० नं० प्लाट नं० 10, ब्लाक 'एल', तादारी 308.33  
वर्ग गज, दिल्ली कालोनी, कैलाश कालोनी, ग्राम जमश्वपुर,  
लाजपत नगर, कालका जी निक रोड, दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
नक्षम प्राधिकारी  
प्रायकर आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-8-1985

मोहर :

प्रधान वाहौ. टी. पटु. एस. —

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

**भारत लोकसभा**

कार्यालय, संहाइक बायकर आयोजन (निरीक्षण)

अजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त, 1985

निर्देश मं० आई०ए०सी०/एक्य०-1/ए०श्वा०-3/12-84/  
616—प्रतः मुझे आरा० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की धारा  
269-ए के अधीन संसद प्राधिकारी को यह विवाद करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 270, ब्लाक-वी है, तथा जो ग्रेटर केलाश-1,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

हाँ एक्य०सं सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाद करने  
का कारण है कि यथापूर्वैकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए हाय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उपचेताय से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से हाई किसी धारा की वावत नक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उसमें बदले जा लिखा के लिए;  
जीरका

(ब) एसी किसी जाव या किसी धन या जन्व वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
शब्दोन्नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था  
या या किया जाना चाहिए था, जिसमें मैं लिखा  
हूँ लिखूँ।

बतूँ बतूँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

1. श्री बी० बी० द्विगुरा सुपुत्र श्री चानन दाम,  
निवासी 16/1060, हरधीयान मिह रोड, करोन बाग,  
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री अरुण आहुजा सुपुत्र श्री ए० पी० आहुजा,  
श्रीमती मुनैना आहुजा पत्नी श्री अरुण आहुजा,  
निवासी बी०-93, मालवीय नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयाहीया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के इत्यमध्ये कोई भी वापर :

(क) इस सूचना के राजपत्र में शब्दालू जी ताई० वे 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों द्वे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होनेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 अविभाजित हिस्से प्लाट नं० 270 ब्लाक 'बी'  
नामांकी 299 वर्ग गज स्थित ग्रेटर केलाश-1 नई दिल्ली ।

आरा० पी० राजेश  
मध्यम प्राधिकारी  
सहाय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-8-1985

मोहर :

प्रश्न आइ. टी. एन. एस. -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के वधीय लक्ष्य

भारत संग्रहालय

सहायक आयकर वायकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निवेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०१/एस०आर०३/१२-८४/  
६१७—अतः मुले, आर० पी० राजेश

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है।  
और जिसकी मं० बी-५, पम्पोश इनकलेब है, तथा जो पम्पोश  
इनकलेब, नई दिल्ली में स्थित है (आर० इससे उपावद्ध अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्फर्नी अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रात की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वाचापूर्वांकसंतुलित का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
दन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाका गया गति-  
रूप निम्नलिखित उद्दरेख से उक्त अन्तरण भौतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ए) अन्तरण से हुई किसी वायकर की वायकर उक्त अन्तरण-  
निवेश के बची छह दोने के अन्तरुक के दाविल से  
कमी करने वा उक्त वायकर में सुविधा के लिए;  
बाई/वा

(ब) एसी किसी वायकर का एकसी भाव वा अन्य आस्तीनों  
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भव-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से  
प्रबोचनार्थ अस्तीर्ती दूषाएं इकट्ठ नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा  
नहीं दिया;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेजर जनरल अमरेन्द्र कौल,  
निवासी ई-13/1, बसन्त विहार, नई दिल्ली-110057.  
(अन्तरक)

2. श्री दविन्दर कुमार सबरवाल, मार्फत महिन्दर पुरी एंड  
कं० 37-सी, कनाट प्लेस, आत्मा राम हाउस,  
नई दिल्ली ।

(अस्तिर्ती)

को यह तुच्छा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालोप :—

(क) इस तुच्छा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की बचाव या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की ताबीज से 30 दिन की बचाव, जो भी अधीन  
वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुध किसी वस्तु व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी वा  
पाल लिंगात में किए जा सकें।

**स्थावोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय 1-े दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्रो० नं० बी-५, पंपोश इनकलेब, नई दिल्ली-४८, तादादी  
२०२०.९३ वर्ग फीट, तथा २३२ वर्ग फीट, सर्वेन्ट क्वाटर  
के अंपर गैरेज ।

आर० पी० राजेश  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज 1, नई दिल्ली

दिनांक : ६-८-१९८५

मोहर ६

प्रस्तुत वाइ. टी., एन. एस. ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्य०-१/एस०आर०-३/१२-८४।

६१९—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-१६५ है, तथा जो ग्रेटर कलाश-I, नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमात्र  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इक्यमात्र प्रतिफल से, ऐसे इक्यमात्र प्रतिफल का  
पूर्वोक्त अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ग्राहक-  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है: —

(क) अन्तरण से हृइ किसी आव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
नहीं लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आव या किसी धन या बन्धे वास्तवीय  
को, जिन्हें भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रगतीशील त्रायी द्रव्यग्रन्थि नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
नहीं लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धाति : —

1. श्री वेद प्रकाश मेहता, श्रीमती राजे मेहता, श्री  
विनय मेहता, और श्री भय मेहता, निवासी  
11, मुनिरका मार्ग, बसन्त बिहार, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. मैं० निकोलियन (इंडिया) प्रा० लि०  
48/2, जन पथ, नई दिल्ली-१

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की बद्धि या तत्त्वज्ञानी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की बद्धि, जो भी बद्धि  
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

। सगल स्टारो मकान के साथ-साथ वह मंजिल, मकान एक  
गैरेज, और एक सर्वेन्ट, क्वार्टर, प्लाट नं० बी-१६५, ग्रेटर  
कैलाश-I नई दिल्ली, तादादी 513 वर्ग गज।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-8-1985

माहूर :

द्रष्टव्य श्री<sup>१</sup> टॉ. एच. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू-१/एस०आर०-३/१२-८४/

६२०—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे मैं इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-घ के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जोनापुर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीष्म इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्दीरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी वाय की बाबत, उक्त भागोन्नत्यम के वधीन घर दर्ने के बन्दुक के दावित्य में किसी कड़ी दृष्टि वा उद्दृष्टि वज्र में दूषित के लिए;

(ख) किसी किसी वाय वा किसी भन वा अन्य वास्तवियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वेषणार्थ अन्तरिती इवाय शक्त नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में दृष्टिपूर्ण है।

अन्तरण उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णातः ।

1. श्री मदन लाल मेहरा,

113, दरीया महल ए, नपीन सी रोड, बम्बे ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री मल्होत्रा, श्रीमती मीनाक्षी मल्होत्रा, श्री राजेश मल्होत्रा और श्री आर० आर० आर० मल्होत्रा निवासी 4-सेन्टफ लैन, मद्रास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यान्वयित्वां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वधीन या तत्संबंधी व्यक्तियों वर्तमान की बासीन से 30 दिन की वधीन, जो भी अवधि बाद में रद्दापत होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी वन्दे व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्बन्धित रूपः**—इसमें प्रयुक्त वन्द्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के विषय 20-के वर्षीय विवरण है वही यथै दीया जो उप प्रधायाय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी, 20 वीवे, 14 विश्वे खसरा, नं० 21/11, 6/20, 6/21, 21/1, और 21/10, के साथ कार्म काटेज, ग्राम जोनापुर, तहसील, महरौली, नई-दिल्ली ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 7-8-1985

मोहर

प्रस्तुत आई. ए. एन. एस. . . .

कानून अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायकत (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 अगस्त 1985

निर्देश मं० आई०ए०मी०/एक्य०१/एम०आर०-३/१२-८४/

६२२—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण इ० कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० बी-21, है तथा जो चिराग इन्क्लेच, नई  
दिल्ली, में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय  
नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक विनांक विस्वार, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिक्ती (अंतरिक्तियों)  
गे बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तीक रूप से  
फीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किलो भाष्य की वायक, उक्त  
अधिनियम वै अभीम कर देने वै अन्तरण के  
प्रतिवेदन में कमी करने था उसके बचने में लिखित  
है दिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीकों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रायोजनार्थ अतिरिक्त दबारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
ने इ० उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपरान्त (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जंग बहादुर पुरी और तरुण कुमार पुरी,

सुपुत्र एस० एल० पुरी,

निधासी ३५त्यूर्धी, राज रोड, नई दिल्ली

द्वारा अठारी सुरित्तर कुमार गुप्ता,

निधासी आर-२९, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री आई०क०चाला, सुपुत्र त्रिलोकनन्द चाला,  
कुमारी राज चाला सुपुत्री श्री त्रिलोक नन्द चाला,  
निधासी बी-५४, काल हाजी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बधोहस्ताकारी के पाव  
जिकित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क यौ वैराजित  
है, वही अर्थ होता था उस अध्याय में दिया  
गया है ;

**नमूसूची**

मकान नं० बी-२१, तादावी, ४ १.४ घर्ग गज, चिराग  
इन्क्लेच, नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
सकार प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज १, नई दिल्ली

दिनांक 16-८-१९८५

मोहर :

**इस वाईड टी.एस.ए.पी.सी.एस.**

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**भाग 269-ए (1) के व्यौद्ध सूचना**

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर बाबूल (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिन क. 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई.ए.सी.०/ए यू-१/एकम०आर-३/१२-४/  
६२३—प्रतः मृशे, आर० पी० राजेश  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० डी-६५६ है, तथा जो चितरंजन पार्क, ई०पी०डी०  
पी० कालोनी, यनई दिल्ली में स्थित है (और इसमें  
उपाध्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्री बुरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृशे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवहार अनुसार प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरिताओं) के बीच एवं उन्हें बनारण अंत मात्रा गदा प्रतिस-  
क्षम नियमित उदाहरण से उक्त अंतरक (अंतरकों) वास्तविक  
मूल्य से छाँटा नहीं किया गया है :—

(क) बनारण से उक्त किसी बाब की बाबत, उक्त  
बिधीनियम के व्यौद्ध कर देने के अंतरक के  
व्यापत्ति में किसी उक्त या उक्त उच्चने वें दूरीया  
6 फीट, नैर०ग

(ख) एसो किसी बाब का किसी भू या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती बाबा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसने वें सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए के अनुसर  
में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपभाषा (1)  
के व्यौद्ध, नियमित व्यक्तियों, अंत :—

1. श्री दिदारी इत्ता सुपुत्र श्री बी० बी० दत्ता,  
निवासी—डी-६५६, चिरंज पार्क,  
ई० पी० डी० पी० कालोनी, नई दिल्ली ।

(प्रत्यक्ष)

2. श्रीमती कृष्णा चौपडा, पत्नी श्री बी० ई० चौपडा,  
निवासी—ई-३२, प्रेटर कैलाण, नई दिल्ली ।

(प्रत्यक्षिती)

जो यह सूचना चाही छुट्टे पूर्वोक्त सम्पत्ति के व्यौद्ध के लिए  
कार्यालयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के व्यौद्ध में कोई भी जाकोप 3—

(क) इस सूचना के उच्चार में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि द्वारा दो दिवाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उच्चार में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तदृश  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, व्याहस्ताक्षरी के पात्र  
विविध में किए जा सकें।

**स्वाक्षर्य :**—इसमें प्रयुक्त कल्पों बारे पर्याप्त का, जो उक्त  
बिधीनियम, जो अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ण द्वारा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

**संक्षेप**

प्र०० न० डी-६५६, तादादी 183 वर्ग गज, चितरंजन पार्क,  
ई० पी० डी० पी० कालोनी, नई दिल्ली ।

आर० पी० राजेश

स्थान प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिन क. 6-८-१९८५

प्रोहर ६

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एल.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

फ़िलेंग नं० आई०ए०सी०/ए यू- 1/एस०आर०-3/12-84/  
624—अतः मुझे आरा० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा०  
269-व के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थान संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी मूल एम-35 है, तथा जो प्रेटर कैलाश-II, नई  
दिल्ली में उपर्युक्त (अंतर्गत उन्नदण्ड अनुदूची में  
और जो पूर्ण व्यापक विणी है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में जिस्ट्री.रण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984 से  
का पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य न कम के द्वयमात्र  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले मह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमात्र प्रतिफल का  
पूर्वान्तर से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरीक्षी  
(अन्तरितायां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण में हैर किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से  
वास्तविक में कमी करने या उससे अंतरण में लूपित  
के लिए, आर/या

(द) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
को, जिसके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक या अन्य  
के प्रयोगान्तर अन्तरीक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आवृत्त था, व्यापार में संविधान  
के लिए;

अतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपराठा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधीक्षण ४—

—226 GI/85

१. नं० नामः सरदाठ (इंश्वर दरबार), रियलीनियस,  
सोसायटी, रजिस्टर्ड नं० 5775, दिनांक 26/7/73  
रजिस्ट्रार द्वारा, सोसायटी दिल्ली, द्वारा, सेक्टरी  
एवं० अंतरार सिंह, निवासी एम०-41,  
प्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

२. श्रीमती हरबंस कौर पल्ली चौ० दया सिंह  
(२) एम० स्वर्ण सिंह, सूपूत्र दया सिंह,  
(३) कुमारी हरशिरन कौर सूपूत्री चौ० दया सिंह  
सभी निवासी, ४/९, विजय नगर, दिल्ली-९६

(अन्तरकी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अंतरण के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त संघर्ष के अंतरण के संबंध में कोई भी बालोंगः—

(क) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर  
सूचना की तामील से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
निकृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय २०-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय वे दिला  
गया है।

### नमूना

फ्लैट नं० एम-39, प्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-४८,  
तालाबी, २५० वर्ग गज़।

आरा० पी० राजेश  
सम्म स्वाधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-१, नई दिल्ली

दिनांक ६-८-१९८५

मोहर

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाष्य 269-व (1) के अधीन सूचना

आदेश वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त, 1985

निदेश सं० आई.ए०सी०/एक्यू-1/ए स०आर०-3/12-84/  
629—ग्रन्त: मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-1/118 है, तथा जो लाजपत नगर, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक विसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टिकोण से, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल का  
पक्षहै प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रांतान्तर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी वाय की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वे  
सामित्त जो कठी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य कास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
आय आहिए था, जिसने जो सुविधा के लिए;

ग्रन्त: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुसूचना  
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपस्थापा (1)  
वे ही हैं, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान

1. श्रीमती गंगुन्तला, पत्नी स्व० श्री राम लाल,  
निवासी डी-1/118, लाजपत नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती भोहिन्दर कौर, पत्नी एस० रनजीत सिंह,  
निवासी 3/52, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां शुक्र करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्योप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय ये दिया  
गया है।

ग्रन्त नं० डी-1/118, तादादी 100 वर्ग गज, लाजपत  
नगर, नई दिल्ली।

मृत्युचंद्री

आर० पी० राजेश  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-8-1985

बोहर ४

**राज्य वाइकॉर्ट दी.ए.सं. ४५७**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

**साउथ लूटरेक**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रोड-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निदेश सं० प्राई०ए०सी०/एकू-१/एस०आर०-३/१२-८४/

६२६—अतः मुझे आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विलेखनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कानून है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० शायं नं० 2, है, तथा जो साविकी सिनेमा, कम्पलेक्स, प्रेटर बैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (जो इससे उपावक्ता अनुमति में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के अवधारणा प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवधारणा प्रतिफल से, एसे अवधारणा प्रतिफल का एक अतिक्रम से अधिक है और बंतरक (बंतरकी) और बंतरिती (बंतरितीवर्यों) के बीच एसे बंतरण के लिए तब यादा बदा प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाता है—

(१) बंतरण वै.ट्रै. की बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अविलम्ब में कभी करने या उससे बचने में सुविधा नहीं; बीड़/या

(२) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आविस्तरणों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिसी शब्दाय प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में अविधा नहीं;

अतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत्त है—

1. वरद्धम दास मुरी, निवासी 4/21-ए, जंगमुरा 'बी' नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती कुमुम मुरी और मास्टर संजीव मुरी, निवासी 4/21-ए, जंगमुरा 'बी' नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के विषय कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव

- (३) इस सूचना के हुआपन भैं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधीन या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधीन, जो भी अवधिकारी में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (४) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भैं हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षणोक्तरण:**—इसमें प्रयुक्त वर्बों बीड़ पर्दी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**मृत्युसूची**

शायं नं० 2, साविकी सिनेमा, कम्पलेक्स, प्रेटर बैलाश-II, नई दिल्ली, तादादी, 202 वर्ग पीट।

प्रार० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रोड-1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-8-1985

इति बाहुदृष्टी, एन., एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष  
(1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

तर्फ दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त, 1985

निदेश सं० भाई०ए०सी०/एक्य००-१/एस०आर 3/1284/  
६२५—प्रतः मूँहे, भारा० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को यह विषयक करते का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी 1/119, है, तथा जो लाजपत नगर, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुमूली में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 के (1908 वा 16)  
के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

जो पूर्वोक्त सम्बन्ध के उचित बाजार मूल्य से कम के उपयोग  
प्रतिक्रिया के लिए अन्तिम की गई है और मूँहे यह विषयक  
कारण का कारण है कि यथास्वर्वोक्त उपर्युक्त का उचित बाजार  
मूल्य, उसके उपयोग प्रतिक्रिया से, ऐसे उपयोग प्रतिक्रिया का  
पूर्ण प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दुरुण जिक्रिया में  
गास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

**पूर्वोक्त उद्देश्य के उचित कियी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम की अधीन बार एवं के असरक वा  
विवित ने कठी करने वा उक्त दस्तावेज़ में दृष्टिभा  
वे किए; और/वा**

(३) ऐसी किसी जाय या किसी धन या किसी आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रोत्तों व्यवसायी इवाच्य प्रकट नहीं किया गया  
था या किसी आया आयदूर्घात, छिपाने में सूचित  
के लिए;

वहतः बह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण  
, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अस्ति :—

1. श्रीमती शकुन्तला पर्णी श्री राम हाँल,  
निवासी डी 1/118-119, लाजपत नगर, नई दिल्ली  
(अन्मेंग)
2. श्रीमती कमलेश बहल पर्णी श्री महेश चन्द बहल,  
निवासी 7/7 जंगपुर डब्ल्यू स्टोरी, नई दिल्ली।  
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोइं भी आशंका :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बात में छापी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी नव्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लैखित भौं किए जा सकते।

**स्वाक्षरता :—**—इसमें प्रबुक्त पद्धति और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही वर्ण होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्यु

प्रो० नं० डी-1/119, लाजपत नगर, नई दिल्ली, ताटादी  
100 वर्ग गज़।

आरा० पी० राजेश  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दानांक : 6-8-16 85

मोहर

इस्पत्र बाइ'टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निदेश सं० आईआ००५०/एक्यू-१/एम०आर०-३/१२-८४/  
६३०—प्रतः मुझे, आर० पी० राजेश

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सधैर प्रांतीयानी भें उक्त विश्वास करने वा अरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका लंबित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ते अधिक है और जिसकी सं० ई-14 है, तथा जो एटर दैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसंबर, 1984

क्वो पूर्वोक्त संघित के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघित का उचित बाजार मूल्य, उक्तके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रांतीय में अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया श्रेष्ठ-कर्त्र विनियिक्षित उद्देश्य में उक्त अन्तरण नियिक्षित में वास्तविक रूप में अंतरित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर इनके अन्तरक अंतरिती रूपों के बीच करने वा उपर्ये बचने वाँ सूचित किया गया था।

(ब) ऐसी किसी आय या इकानो पर पा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, नियाने में सूचित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उन्हें :—

1. श्री दिवेणी नाथ शर्मा,  
ई-14, एटर दैलाश-2, नई दिल्ली  
(अन्तरक)

2. श्रीमती वेद गोईका, जन्मी श्री जे० के० गोईका, और  
श्री रजनीश गोईका, मुपुत्र श्री जे० के० गोईका  
निवासी-22, वैस्ट पेन नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संघित के अर्जन के लिए जारीहायां करता है :

उक्त संघित के अर्जन के अन्यन्य में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के एसप्र० में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तम्भंबंधी व्यक्तियों पर सूचना वाली तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ब) इस सूचना के एसप्र० में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संघित में हितवद्वा विस्तृती अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास दिलाई भी त्रिपां भी भक्तेवे।

**स्थावरण:**—इसमें प्रयोग वाले और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्य 20-क में विवरित है, वही वर्ष द्वारा जो उस अन्य में दिया गया है।

अनुसूची

प्र० नं० ई-14, एटर दैलाश-II, नई दिल्ली, तादादी 250 वर्ग मज, ईस्ट लाइट नं० ई-12, वैस्ट लाइट नं० ई-16, नार्थ रोड, साउथ, एस० लेन ।

आर० पी० राजेश  
मक्कम प्रधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त ('निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांक : 6-8-1985

मोहर:

प्रस्तुत आइ. टी. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निर्देश सं० आई००८०००/८५४१-१/स०आर००३/१२-८४/  
६३३—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का  
फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-266 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई  
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उनावढ़ अनुमूदी में  
पूर्ण स्वप्न से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्ड प्राप्तिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अर्थमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अर्थमान प्रतिफल से, ऐसे अर्थमान प्रतिफल का  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा  
जाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
अंतिम में बास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

\* अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मौ. अमरजीत सिंह और प्रणव का०  
सी-139, डिवेस लॉटी, नई दिल्ली,  
द्वारा, प्रो० अमरजीत सिंह जौहर,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरा नारंग, पत्नी श्री विरेन्द्र नारंग,  
निवासी डब्ल्यू-7, पटेल रोड, वेस्ट पटेल नगर,  
नई दिल्ली।

(अन्तिरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव द—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि याद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया  
गया है।

मनुसूची

पहली मंजिल, और मैजिन प्लॉट, प्रो० सं० ई-266,  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, तादादी 208 वर्ग गज।

प्रार० पी० राजेश  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 6-8-1985

मोहर

प्रस्तुत आइटी.एन.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिल्ली 14 अगस्त 1985

निर्देश सं० अई० ५० सी०/एक्य०/१/८४० आर०-३  
१२-८४/६३४—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ८-५६, बैलाल कालीनी है तथा जो नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकर्ट अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं  
किया गया है:—

(१) अन्तरण से हूँ है किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक अ  
वायित्व द्वे कमी करने वा उससे बचने में मद्दत  
के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य वास्तवियों  
को, जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अधिकारी अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया  
वाया वा वा किसी बाया आदि वा किसी द्वे  
वायित्व के लिए;

अतः वह, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ता:—

(१) श्रीमती रोजी मनिकम  
पत्नी श्री दी० जे० मनिकम,  
सौ/ओ अटारनी श्री आर० के० गुप्ता,  
२१, वसन्त इन्डिया,  
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(२) श्री मानु श्रीमाणी,  
जी-६, मैट्री एपार्टमेंट,  
९६/८, मैन मनेश्वरम,  
बंगलोर (कर्नाटक)।

(ग्रन्तरक्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के  
पास लिंचित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सिगल स्टोरी, बंगला, दुगेदर, 2 गैरिज, 2 सर्वेन्ट  
ब्रार्टर, ज्ञाट नं० ८-५६, बैलाल कालीनी, नई दिल्ली,  
तादादी 1004 वर्ग गज, 839.4 वर्ग मीटर।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली/नई दिल्ली।

तारीख: 14-8-1985

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जनरेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निकेश सं० आई० ए० मी०/कृ०/१/८० आर०-३/  
१२-४/६३—प्रति: मुद्रा, प्र०१० पी० राजेश,  
आयकर अधिकारी, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें  
हागके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), को धारा  
269-के अधीन सूचना अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी रु० छाप भूमि है तथा जो ग्राम विज्ञानसन,  
महारौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में और ए० रूप से वर्णित है), जिन्हीवर्ती अधि-  
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीशन अधिनियम,  
1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख  
दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पूर्वोक्त सम्पत्ति में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
शास्त्रीयक रूप में क्रियन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाइ किसी आय की बात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा  
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आपूर्तियों  
को, निन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगसार अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा  
स्विधा के लिए;

बत जबकि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, सौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1).  
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

(1) श्री छोटू सुपुत्र श्री भद्रा राम,  
निवासी ग्राम विज्ञान,  
महारौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० दिल्ली टावर्स आ० लि०,  
115, अंसल भवन,  
16-के० जी० मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरकी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्त्रप्रयोग ;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन श्री तारीफ से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्याकृत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीफ से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेवादी  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग भूमि कृषि भूमि नादानी 15 दीवे और 10  
विश्वे, वैमि नं० 182, ग्राम विज्ञान, तहसील महरौली,  
नई दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली/नई दिल्ली।

तारीख : 6-8-1985

मोहर :

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

वापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वापकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अगस्त 1985

निवेदण सं. अई. ५० मी०/उक्त०/१/पृष्ठ० आर०-३/  
१२-४/६४०—अन्तः मुझे, आर० पी० राजेश

वापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विज्ञान  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में  
और पूर्ण स्पृष्टि में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1984,  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और माझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(न) उक्त रुपूर्ति किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय वापकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

मत: आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
में अन्तरित नियमित व्यक्तियों अधीन :—

29-226 GTI85

(1) श्री छोटू राम  
मुपुत्र श्री महा राम,  
निवासी ग्राम विज्ञान,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं दिल्ली टावर्स एन्ड इस्टेंट्स प्रा० लि०,  
115, अंसल भवन,  
16 के० ओ० मार्ग,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ पूर्ण करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध  
किसी अन्य विक्ति द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पास  
मिलित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पब्लिक का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 भाग कृषि भूमि जादादी 5 बीघे और 10 बिल्डे  
कमि नं. 182, ग्राम विज्ञान, तहसील महरोली, नई  
दिल्ली।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक वापकर आद्युक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली/नई दिल्ली।

तारीख: 6-8-1985

मोहर:

प्रकृष्ट वाहौ. टी. एव. एव.-----

उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाच  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 अगस्त 1985

निर्देश सं० अर्ई० ५० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-३/  
१-८५/६५८—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को आय  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-२३ है तथा जो फ्रेटर वैलाश-१,  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुगृही में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के  
कार्राय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी  
1985

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थायमान  
व्यापकता के सिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का 'उचित बाजार  
मूल्य', उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
भव्य प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
विफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
प्रासंगिक रूप से कठिन नहीं किया जाता है ॥

(क) उक्त अधिनियम के अधीन वाच की वाचत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के द्वायित्व  
में कभी अन्तरण वा अन्तरण में सूचिता के लिए;  
वाई/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाङ्गनाथ  
अंतरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या  
ऐसा जाना जाता है कि इसने में सूचिता के लिए

वाच: उक्त अधिनियम की वाच 269-व के अन्तरक  
में, उक्त अधिनियम की वाच 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वाचातु ॥

(1) श्रीमती सुरिन्दर चौर  
पत्नी स्व० श्री रघुवीर सिंह,  
निवासी बी-२-२२५/२, ईगोर गाड़े,  
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार गुप्ता  
सुपुत्र श्री नन्द किशोर गुप्ता,  
निवासी ११५-८, बिचा भल बिल्डिंग,  
कमला नगर,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना वारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहीहों करता है ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवाय —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को गर्वित ४५ दिन की अवधि या तस्वीरी राखिया एवं  
सूचना की तामील से ३० दिन फैला  
अवधि वाले में समाप्त होती है ॥

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्क में विस्तव्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखितरी के तात्पर  
लिखित में किए जा सकते ॥

**लिखितरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-व, में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ॥

वासुदेव

प्रो० न० सी-२३, फ्रेटर वैलाश-१, नई दिल्ली, एक  
मंजिला मकान, एक बेड रूम, एक ड्राइंग रूम-कम-डार्टिंग,  
एक बाथ रूम और एक किचन, तादादी 300 वर्ग गज ।

आर० पी० राजेश  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, दिल्ली/नई दिल्ली ।

तिथि: 14-8-1985

मोहर

प्रकल्प काइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3789/23-I/85-85—अतः  
मुझे, जी० के० पंड्याआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
प के अधीन मध्यम प्राधिकारी वो, यह विवाह करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन गेरतपुर सीममे ब्लाक नं० 104, है  
तथा जो तालुका इसफेर जिला अहमदाबाद में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-12-84  
को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मध्ये यह विवाह स  
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह अप्रिक्षत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धि है वास्तविक रूप से कीर्तत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी काय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में  
कीर्तत नहीं की गयी है।(क) इसी किसी काय या किसी धन या अस्तित्वों  
को, जिन्हे भारतीय नामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या बन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;(1) श्री प्रह्लादभाई मोतीभाई और अन्य  
गेरतपुर तालुका—इसफेर  
जिला अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) चैयरमेन/सेक्रेटरी  
महेन्द्री गेरतपुर को० ओ० सोसायटी  
गेरतपुर तालुका—इसफेर  
जिला, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यान्वयिताएँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाट भी अधिक होती हो, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हुए  
बदल किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के  
पाल नियंत्रण में किए था तब तक।स्वाक्षरताः—इसमें प्रथम हम्बो और पढ़ी का, जो सूचना  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया  
गया है।

अनुसूची

जमीन गेरतपुर में ब्लाक नं० 104 रजिस्ट्रेशन नं०  
15721/3-12-84 ।जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबादअपने बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की अनुदर्शन  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 9-7-85

मोहर :

**उच्च वक्तव्य की घटना**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

**भारत सरकार**  
कार्यालय, सहायक आयकर वाक्तव्य (प्रिवेट)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निवेश नं० पी० आर० नं० 3790/23-I/85-86—अतः

मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सख्त प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि उच्चायर सम्पत्ति, वित्तका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मलिकत पालडीस टी० पी० एस० एफ० पी० 196 है तथा जो सब प्लाट-3 में स्थित है (और इससे उपायकर अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-12-84

को पूर्वोक्त नम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के अधिकार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उल्के ५०५मान प्रतिफल से ८ से १०५मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उत्तरक (अंतरक) और अंतरिती (अस्तित्वित्यां) के लिए ए०में बनारस के लिए हय या या प्रतिफल, निम्ननिविष्ट उद्देश्य से उक्त उत्तरक निम्निकल में वास्तविक रूप में कीचित नहीं किया गया है ।—

(क) उत्तरक से है इसकी किसी भाव की वावत, उच्च अधिनियम की अधीन कर देने के उत्तरक के लायित में कमी लगते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ल) ऐसी किसी भाव या किसी भन मा अन्य आस्तित्यों का शिल्प भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ए० प्रमोजनार्थ अंतरिती दृष्टारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्ननिविष्ट व्यक्तियों, वर्षांत् ॥—

(1) श्री श.ह बीबीन बन्द्र उर्फ  
बीदीनचन्द्र कान्तीलाल शाह  
सीधी बंगलो प्रवीनचन्द्र के० शाह  
ताजपाल सोसायटी के पीछे  
पालडी अहमदाबाद-6

(अन्तरक)

(2) श्री हलचन्द्र कलचन्द्र बोश  
शालाल हलचन्द्र बोश  
76, मधुरी फ्लेट ठीकांठा रोड,  
नोवलटी सिनेमा के नजदीक, अहमदाबाद  
'सीधी' बंगलो  
ताजपाल सोसायटी के पीछे  
फतेहपुरा बस स्टेन्ड के नजदीक  
पालडी, अहमदाबाद-7 ।

(अन्तरिती)

ये वह सूचना आरो करने पूर्वक सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यक्रमहीन स्वरूप ॥—

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोइँ भी आधोएँ :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि द्वा तसम्बन्धी व्यास्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से लिया व्याप्ति जारी,
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित रूप में किए जा सकें ।

**लक्षणोक्तरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभीष्ट हैं, वही वर्ष होंगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

**अन्तस्त्वी**

मिलकत टी० पी० एस० नं० 6 पर पालडी में एफ० सी० 196 सब प्लाट 3 रजिस्ट्रेशन नं० 17339/4-12-84।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 9-7-85

मंत्र

प्रसूप गाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई, 1985

निकेश नं. पी० प्रा० नं. 3792/23-I/85-86—अतः  
मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लैट राजकोट में इकानलोक अपार्टमेन्ट है  
तथा जो क्षेत्रफल 1725 वर्ग फुट अमीन गेड, राजकोट में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्री  
करण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
दिसंबर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिल्हा को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, यैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)  
में अपीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महावीर वंशदेवशत कम्पनी  
भागीदार—श्री गुनवन्तराय रत्नीलाल भट्ट और अन्य  
2, रामकृष्णनगर, वैभव अपार्टमेन्ट,  
राजकोट

(अन्तरक)

(2) डा० जगदीशभाई जीनाभाई फंसाग्रा  
श्रीमती डी० ऊबेन जगदीशभाई फंसाग्रा  
फंसाग्रा सर्जिकल अस्पताल  
एस्ट्रोन सिनेमा के सामने,  
राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाह्यां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृष्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 2, स्वरनलोक अपार्टमेन्ट में अमीन गेड, राजकोट  
क्षेत्रफल 1725 वर्ग फीट ।-जीनाग्रा गार्डन के लिए रजिस्ट्रेशन  
नं० 3979/दिसंबर 1984।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत शाहौं दी. एन. एस. ----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

विधायिका, सहायक नायकर आयुक्त (विरोधिय)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3791/23-I/85-86—ग्रहण:  
मुझे, जी० के० पंड्या

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन टी० पी० 26 एफ० पी० 22-23-  
24-28 है तथा जो आयोजन नगर वासना सीमा प्लेट-251  
अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908  
का 16) के अधीन, 28-12-84

को पर्यावरण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रमें यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित है  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी भाव की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृष्टिक्षेत्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या जन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिक्त इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, भू उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिएँ वर्णित हैं :—

(1) श्री चितरंजन गोरघनदास जानी  
25-जनविश्वाम सोसायटी  
सहजा नंद कोलेज के पीछे  
प्रांवावाड़ी, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री अपूर्णभाई पियूषकुमार मुनसी  
11-बी, जनविश्वाम सोसायटी,  
सहजानंद कालेज के पीछे,  
प्रांवावाड़ी, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके प्रांकित सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यशाहित्यां करता है।

उक्त संपत्ति के उचित के संबंध में कोइ० भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में अकाउन्ट की तारीख है  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णता  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है  
45 दिन के भीतर उठत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रतिकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही नई हांगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

जमीन वासनामे टी० पी० एस० 26 एफ० पी० 22-23  
24-25-26 आयोजननगर को० ओ० सोसायटी में प्लाट  
नं० 51 रजिस्ट्रेशन 9625/28-12-84

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद।

तारीख : 9-7-85

मोहर :

प्रस्तुत आई.डी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3793/23—/85-86--ग्रन्तः  
मुझे, जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहा है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट थड़े फ्लोर मीली अपार्टमेंट में है तथा  
जो 4 जागनाथ प्लॉट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावर्द्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908

(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पावा चवा छीठि-  
कम, निम्नलिखित उत्तरदैय से उक्त अन्तरण सिद्धित वै पासविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय मा किसी भन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था. छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
मैं प्रतीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स बड़ीयानी बिल्डर्स  
भागीदार—श्री नारनवास विठलवास बड़ीयानी  
और अन्य  
3/10/23 एल० नवजीवन सोसायटी  
लैमिटेड रोड, बीम्बे-8

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक वी० फारीया और नीला फारीया  
364, एस० वी० रोड,  
सिगरेट वाला बालिंग  
ब्लाक नं० 27, सेन्ट्रल बैंक के सामने  
बोम्बे-4

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिहित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

फ्लैट थड़े फ्लोर पर मीली अपार्टमेंट में जागनाथ फ्लोर  
राजकोट क्षेत्रफल 1289 वर्ग फिट रजिस्ट्रेशन नं० 6286/  
दिसम्बर 1984

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-7-1985

मोहर :

संख्या बाई टी.एस.एस. ----

आवाहन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### आवाहन सरकार

संघीयता, सहायक आयकर आवाहन (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निवेश नं. पी० आई नं० 3794/23-I/85-86—प्रतः  
मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है), को आय  
269-व के अधीन लक्ष्य प्राप्तिकारी को मह विषयात् करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० पी० येरावल में, जमीन एवं रिया  
307.126 वर्ग मीटर मकान 300 वर्ग फुट  
में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय येरावल में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 29-12-1984

को प्रौद्योगिक सम्पत्ति के उचित बाचार मूल्य के दस्यातान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विषयात् करने  
का कारण है कि यथा प्रौद्योगिक सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य,  
उसके दस्यातान प्रतिफल से, ऐसे दस्यातान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी (अंतरिक्षियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निति में वास्तविक रूप से कठिन  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय को बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक वे  
दावितक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एंगी किसी आय या किसी भन या अन्य आसितियों  
को, जिन्हें भारतीय बाल-कर्त्र अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) द्वा उक्त अधिनियम, ए  
बल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के दसातानार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट भई किया गया  
या या किया गया जाइए था, जिसमें सौंधना  
के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुवरण  
में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जाभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री सोनी माधवजीभाई भीमजीभाई  
धोरडा और अन्य  
कृष्णनगर, खड़खड, येरावल,  
जिला जूनागढ़

(अन्तरक)

(2) श्री सोनी बाबूलाल गोरधनवास  
सागर और अन्य  
कृष्णनगर, खड़खड  
येरावल।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना आरी करके प्रौद्योगिक सम्पत्ति के अधीन के नियम  
कार्यकालियां करता है।

उपर सूचित के वर्षन के हांगन में कोहै भी जाओँ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में स्थान होती हो, के भीत्र प्रौद्योगिक  
सम्पत्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल  
लिखित में किया जा सकेंगे।

**संख्यावलय :—**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मन्त्रीकारी

एच० पी० येरावल में खड़खड विस्तार में जमीन क्षेत्रफल  
307.126 वर्ग मीटर+मकान 300 वर्ग फीट, रजिस्ट्रेशन  
नं० 3049/29-12-84।

जी० के० पंडया  
संघम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 11-7-1985

मोहर

प्रस्तुत वाटहौ. टी. एन. एच. - . .

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

**सारांश बरकार****कार्यालय, सहायक आयकर वायव्यकर वायव्यकर (निरीक्षण)**

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निवेश नं० पी० आरा० नं० 3795/23-I/85-86—ग्रातः  
मुझे, जी० के० पंड्या,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 16 एकड़ 7 गुंठा 5 रुम  
और कुपां है तथा जो याडी सर्वे नं० 16 भावनाथ गिरनार  
तलेटी में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जूनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 3-12-84

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का  
निम्न प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्षी  
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
क्षेप निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में सिद्धित बास्तविक  
मूल्य से कमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी बाय की बायक उक्त  
अधिनियम के अन्तर कर हने के अन्तरक के  
अधिकार में कमी करने वा उक्त उक्त उक्त में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय वा किसी अन्य वा अन्य वार्तालाई  
के, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा  
बाय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी इवारा प्रकट नहो देक्षण गमा  
या या किया जान आहिए वा, कियाने में हुदिला  
के लिए;

(1) मेमन हाड़ी अञ्जुल रहमान

अञ्जुल हृषीब मारगनी  
नया घांचीवाड़ा, जूनागढ़

(अन्तरक)

(2) प्रेनेता परिवार द्रस्ट

के/ओ० शोम्बे माल स्टोर्स सप्लाई कम्पनी  
प्राईवेट लिमिटेड  
वेस्टन इन्डिया हाउस  
सर पी० मेहता रोड़,  
बोम्बे-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भ  
45 दिन की अवधि या तस्मान्वयी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षयों में से किसी अविक्षय इवारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में उक्ताकान की तारीख के  
45 दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्ध  
किसी वाले अविक्षय इवारा वाहोहस्ताकरी के वाल  
अविक्षय में किए जा सकें।

**लक्ष्यक्रम:**—इसमें प्रदूषक वस्तुओं और पद्धतों का, वो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होता हो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**लक्ष्यक्रम**

जमीन जूनागढ़ भावनाथ तलेटी सर्वे नं० 16,  
दूधेश्वर प्लान्टेशन अंबापाड़ा क्षेत्रफल 16 ए० 7 जी० + 5  
रुम० और कुपां वाडी, रजिस्ट्रेशन नं० 2432/3-12-84 ।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 11-7-85

मोहर :

प्रस्तुति टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

### शास्त्र विवरण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3796/23-I/85-86—अन्तः  
मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ग (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इन्डस्ट्रियल जमीन क्षेत्रफल 2000 वर्ग यार्ड  
+ रोड है तथा जो क्षेत्रफल 590 वर्ग मीटर छाया सर्वे नं०  
2 बोरबन्दर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में प्रौढ़  
पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
पोरबन्दर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 21-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास  
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अत्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्रासादीक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय ज्ञाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रदृष्ट नहो किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

गत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1)-  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शांतीलाल केशवलाल  
महात्मा गांधी रोड,  
पोरबन्दर

(अन्तरक)

(2) श्री मूसा नमीद रामदानी  
ओ०—मुमी प्राइवेट सेक्युरिटी  
सेवनवाड़ा, पोरबन्दर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वास्तविक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में वर्णित हैं, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

इन्डस्ट्रियल जमीन क्षेत्रफल 2000 वर्ग यार्ड + रोड क्षेत्रफल  
590 वर्ग मीटर छाया सर्वे नं० 2, पोरबन्दर रजिस्ट्रेशन नं०  
3688/21-12-84।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 19-7-1985  
माहर:

प्रस्तुत वाइँ: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3797/23-I/85-86—अतः  
मुझे, जी० के० पंड्या,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रायबर्ण बोर्ड सीटी सर्वे नं० 4164-  
बी० और 4164-सी० हैं तथा जो में स्थित हैं (और इसमें  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रेकर्टा०  
अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजस्ट्रीकरण अधिनियम;

1908 (1908 का 16) के अधीन 7-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ ह प्रतिशत ते अधिक है और उक्त अंतरित (अंतरको०) और अंतरिती०  
(अन्तरितियो०) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने वा उससे उच्चने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आव या किसी धन या अन्य वास्तवियो०  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, उसपाने में सुविधा  
नहीं निए।

अतः अब, उक्त अधीनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो० बधारे :—

(1) भोड़ल मोयेटर्स प्रा० लिमिटेड  
रजिस्टर्ड आफिस—भोड़ल टाकीज प्रीमायसेस  
गांधी रोड, अहमदाबाद  
(अन्तरक)

(2) एडवान्स फिल्म एंगेजेरन्ज  
प्राइवेट लिमिटेड  
रजिस्टर्ड आफिस—एडवान्स टाकीज प्रीमायसीज  
भद्र, अहमदाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जानेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहूद किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

रायबर्ण बोर्ड सीटी सर्वे नं० 4164-बी० और  
4164-सी० रजिस्ट्रेशन नं० 17483/7-12-84

जी० के० पंड्या  
सम्म प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 24-7-1985

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री नन्दलाल एच० मोटवान  
15-बी, जलविहार सोसायटी  
प्रांशुभ रोड, अहमदाबाद

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० आर नं० 3798/23-I/85-86—अतः  
भूमि, जी० के० पंड्याआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी शाप नं० 25 अजन्टा फोर्मेशियल सेन्टर  
है तथा जो आश्रम रोड टी० पी० एस० 3, एफ० पी०  
100 अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 27-12-84को पूर्वीकृति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त संपत्ति लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अनुसूची

शाप नं० 25 अजन्टा फोर्मेशियल सेन्टर टी० पी० एस०-  
3 एफ० पी० 100 आश्रम रोड अहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं०  
18729/27-12-84।जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबादअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 24-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत बाईं.टौ.एन.एस.-----

उक्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3799/23-I/85-86—ग्रन्तः  
मुद्दे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मिल्कीयत एक० पी० 988 टी० पी० एस०-  
3 नं० 25 है तथा जो तोलकीनगर को० आ० सोसायटी पालडी  
अहमदाबाद में स्थित है 37 रर फारल कीया के कार्यालय  
निम्न दसासन कीये के अधीन 31-12-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अनुसरण से हूँह किसी बाय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने वा उक्त सूचने में सुविधा के लिए;  
वार/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तीनों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया  
वा वा किया जाना चाहिए वा, जिसने में हृतिया  
वे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कनकराय शांतोलाल पंडया  
अनंतराय शांतोलाल पंडया  
जशोदाबेन शांतोलाल पंडया  
ए-4 मधूरपांक को० ओ० सोसायटी  
स्टेलाइट, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बेन कस्तुरभाई  
कस्तुरभाई लालेभाई एच० यू० एफ०  
सगिर मीहीर भरतकुमार  
जवेरीबाड, परनी खड्की  
रिलीफ रोड, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों को लूँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वासेव 5—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अधोहस्ताक्षारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त स्वार्थों वार पद्धारों का, जो उक्त  
है, वही अर्थ होगा जो उस व्यायाय में विद्या  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
होता है ।

ग्रन्तसूची

मिलक्ष टी० पी० एस० 3 एक० पी० 988 नं० 27  
तोलकीनगर को० आ० सोसायटी पालडी 37 रर/दिनांक  
31-12-84 ।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख : 24-7-1985  
मोहर :

प्रश्न प्राइ. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

वार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 24 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3800/23- /85-86—अनः  
मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-व (1) के अधीन सभग प्राधिकारी को, वह विवार करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, विवक्षक उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन पर्यावरण के साथ टी० पी० एस० 20  
एक० पी० 381 पर है। तथा जो फोचरव सीम में स्थित है  
(आंतर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आंतर पूर्ण रूप से वर्णित है);  
रजिस्ट्रीव तर्फ अधिकारी के वार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीव ने  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-84  
को पूर्वकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विवार सूचना  
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का पन्द्रह  
शतांश से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती  
(बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए वय पाया गया प्रति-  
वर्त्त नियमित उत्तरेम से उक्त बन्तरक विविह वे वास्तविक  
पर से कठिन नहीं किया गया है—

(ए) अन्तर्मुख वे हैं कि की बाब की बाबू, उक्त  
बन्तरिती के अधीन कर देने के बन्तरक के  
व्यवित्त वे कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य आस्तमें  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पर्याप्तार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसे वे  
सुविधा के लिए;

उक्त उक्त विविह वे भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रताप चंपकलाल चोकसी;  
दीयीन सी० चोकसी;  
अजय सी० चोकसी;  
अशोक सी० चोकसी;  
नितिन सी० चोकसी;  
बिवनय सी० चोकसी;  
मांकडी शेरी, लारपा पटल की पोल,  
अहमदाबाद

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री चंपकलाल गोरखनदाम —कर्ता—  
प्रतापभाई चंपकलाल चोकसी;
- (2) श्रीमती हंसाबेन विनोदभाई सोनी;
- (3) दिपभाई नरोत्तमदास दलाल
- (4) श्रीमती बिना दीपककभाई दलाल
- (5) रतीलाल सोमनाथ एच० पु० एफ० कर्ता
- (6) रजनीकान्त रतीलाल पटेल उपेन्द्र आर० पटेल  
विनय रतीलाल पटेल  
237, सरसपुर नयी सालपी वाड,  
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना आरी करके पूर्ववर सम्पत्ति के बर्बन के लिए  
कार्यान्वयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा उसकुमन्ती अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, को भी  
अवधि वाले में बनाने होती हो, के भीतर पूर्ववर  
सम्पत्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपेहस्ताकारी के पास  
निवित में किए जा रहे हैं।

**लक्ष्यावलय :**—इससे स्थावर वस्ती और वार्ता वाले  
बन्तरिती, जो अध्याय 20-क में परिवर्तित हैं,  
वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में लिया  
जाए है।

अनुसूची

जमीन टी० पी० एस० 20 फोचरव सीम में टी० पी० 20  
एक० पी० 381 रजिस्ट्रेशन नं० 17354/4-12-84

जी० के० पंडया  
मन्त्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 24-7-1985

मोहर :

प्रस्तुप आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई, 1985

निदेश सं. जी० आर० नं० 3801/23-1/85-86—ग्रतः  
मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 102 निदा इन्डियल एस्टेट है तथा जो  
चिना भावनगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधियम; 1908 (1908 का  
16) के अधीन 10-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, 'अन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वा  
सांबंधा वा निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं पुनीत मेटल इन्डस्ट्रीज  
के०ओ० बेलो इन्डस्ट्रीज  
दुवा चारी रोड, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) अशोक एयर प्रोडक्ट्स प्रायवेट लिमिटेड  
वर्क्स—प्लेट 102—  
चिना इन्डियल एस्टेट भावनगर  
रजिस्टर्ड आफिस 1/सी, नारायण नीकुंज  
(2) कल्यान सोसायटी  
आर० मी० पटेल इन्डियल एस्टेट के मासने  
आकोटा रोड, बरोदा-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया इ-रू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवं क्षेत्र  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी या पाल  
जिल्हात में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

वर्क्षाप फ्लेट 102—चिना इन्डियल एस्टेट चिना—  
भावनगर, रजिस्ट्रेशन नं० 3908/10-12-84।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-7-85

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 जुलाई, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3802/23-1/85-86—अतः  
मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 259 हिल ड्राइव रोड है तथा जो  
मेमन बीलिंग भावनगर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन 26-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंके यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से हो से दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चांश प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(अ) एसौ किसी आय या एकसो धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जमवन्त राय जीवनलाल दोशी  
कान्तीलाल जीवनलाल दोशी  
मोती मेन्शन थड़े प्लॉर,  
पौचड़ी गली, खेतवाड़ी,  
विठ्ठलभाई पटेल रोड,  
बोम्बे-400006।

(अन्तरक)

(2) अंजली को० ओ० हा० सोसायटी  
14, विठ्ठलवाड़ी, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
शायित्वाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आभेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्थायीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रामित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉर नं० 2559, हिल ड्राइव रोड, कृष्णनगर, भावनगर  
रजिस्ट्रेशन नं० 3813/26-12-84।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीकण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 23-7-85

मोहर :

ब्र. छब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3803/23-1/85-86—अतः,  
मुझे, जी० के० पंडया,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मिलकियत टी० पी० एस० नं० एफ० पी०  
751 पर है। तथा जो सब प्लाट-2 हीरावाग, अहमदाबाद  
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण सूचे से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन  
18-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठीनत नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा  
के लिए; जारी/या

(क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अप्त, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षतः—  
31—226 GI/85

(1) श्री वीयानभाई इन्दुभाई पटेल  
संगमयार्क सोसायटी  
परीमल सोसायटी के पीछे,  
ऐलीसब्रीज, अहमदाबाद-6  
श्री गिरीशभाई इन्दुभाई पटेल  
श्रेयस सोसायटी, आँचावाडी,  
ऐलीसब्रीज, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) कुमुरवेन नरेन्द्र भुवा  
समीर मेहुल नरेन्द्रपार्ट भुवा  
कुल मुख्तयार—श्री नरेन्द्र रनुलाल भुवा  
गोनेट को० औ० सोसायटी  
जामे जमशेद रोड, मादृगा,  
बोम्बे।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों शूल करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित  
है, वही अर्थ द्वारा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मलकियत टी० पी० एस० 3 पर एफ० पी० 751/सब  
प्लाट 3 रजिस्ट्रेशन नं० 18399, 18389/ 8-12-84।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 25-7-85

मोहर :

प्रकृष्ट वाइ. डी. एन. एच. \*\*\*\*\*

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3804/23-1/85-86—अतः  
मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
-८५-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने  
का लाभ है कि स्थावर मामाला, जिसका उद्दित वारार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० मल्कीयत जामनगर में वेडेन्हर पंडिया  
है तथा जो आर० ए० नं० 200 ओर० 203 प्लाट  
22-23-24 में स्थित है (और इसे उपरांठ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय, जामनगर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 14-12-84

का दूर्वेक्षण संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के छयांग  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विवरण  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित वाजार  
मूल्य, उसके अग्रमान प्रतिफल में, एसे छयांग प्रतिफल का  
पूर्वह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर जो विषय है  
तथा यह प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर  
निश्चित में आसानी करने वाली नहीं है।—

(क) अन्तरण से हरू किसी भाव की वापर उक्त अधि-  
नियम की अधीन भाव करने के अन्तरक के दायित्व में  
करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जी०/गा

(ख) दोषी किसी भाव द्वा किसी भन वा अन्य शास्त्रज्ञों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन के  
आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-  
नार्थ अन्तरिती इकाय प्रकट कर्त्ता किया था वा  
वा किया जाना चाहिए था इषाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अ०, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, भौ. अवस अधिनियम की भारा 269-व की उम्मारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, जी०/गा

(1) मैसर्स सावजानी एन्ड सन्प,  
मैसर्स गनेश ओरल इन्डस्ट्रीज  
कल्पनांज पार्टी, ग्रेन मारकेट,  
जामनगर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स वित्य ओरल मिल  
वेडेन्हर जामनगर  
आफिस—के/ओ० मैसर्स अशोक कुमार जमनादास  
ग्रेटन मारकेट, जामनगर

(अन्मेरिती)

को यह सूचना आरी कर्ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय—

(क) यह सूचना के उपरांठ में प्रकाशन की तारीख है 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) यह सूचना के उपरांठ में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वाया अभोहस्ताकरी के पास  
सिवित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रदूषक सब्जेक्ट और वर्दी का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्दी होगा, जो उस अध्याय में दिया  
दिया है।

अनुसूची

मल्कीयत जामनगर में वेडेन्हर आर० एस० नं० 200  
और 203 प्लाट 22, 23, 28 रजिस्ट्रेशन नं० 516/14-12-84।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 25-7-85

मोहर :

## प्रधान मार्ग टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1985।

निदेश सं० पी० आरा० नं० 3805/23-1/85-86—प्रतः  
मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट जलदीन को० ओ० सोसायटी ब्लाक मी०  
है। तथा जो फ्लैट नं० 2 आश्रम रोड 27 पी० एस० 3 एफ०  
पी० 499 अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 20-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विवास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्य-  
मान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियाँ)  
के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तविक रूप से  
की गया नहीं किया गया है—

(३६) उक्त उद्देश्य से हूँड़ किसी भाव की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(३७) ऐसी हूँड़ किसी भाव या अन्य आस्तियों  
के, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती उपारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान—

(1) सुपीलावेन बायुभाई शाह

804, परार पांडा पोल

बाड़ीया चार रस्ता के नजदीक,  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योतिवेन हरीशभाई माझ

र-25, जलदीन फ्लैट

नटरज के सामने, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता हूँ।

दूसरे गम्भीरता के अर्जन के दस्यमान में कोइँ भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परु  
मुख्यमान को नामाल स 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हृतबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति क्वाय अधारूपताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**ल्याक्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्यु

फ्लैट जलदीन को० ओ० मासायटी में ब्लाक 'सी' फ्लैट  
नं० 2 टी० पी० एस०-3 एफ० पी० नं० 499 रजिस्ट्रेशन नं०  
18562/20-12-84।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 26-7-85

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एस. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3806/23-1/85-86—अतः  
मुझे जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन चंगीसपुर में एफ० पी० 393  
टी० पी० एस० 3 है। तथा जो सब प्लाट 1 और 2 पैकीविन  
बहुचणी कीया जमीन में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908)  
का 16) के अधीन 27-12-84

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों, अधीत् ॥—

(1) श्रीमती गीताबेन धीरजलाल रपुशालदास  
की पुत्री  
लीलावतीबेन डाकोरभाई पटेल  
गीराबेन धीरजलाल रपुशालदास की पुत्री  
योगेन्द्र रतीलाल पटेल  
मीनाबेन धीरजलाल सुशालदास की पुत्री  
'धीरज बंगलो' एन० आर० सी० अफिस के पीछे  
आनन्दम रोड, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री चेरमेन/सक्रेटरी  
न्यू वैभव को० ओ० सोसायटी लिमिटेड  
चेयरमैन—फरसनदाम रघुदास  
सक्रेटरी—बिहारीभाई मनीलाल  
प्रेयस हारस्कुल के मामने  
गाहपुर मिल कंपाउन्ड,  
अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

जमीन टी० पी० एस० 3 एफ० पी० 343 सब प्लाट  
1 और 2 वीन बहुचणी काया जमीन चंगीसपुर में।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख : 26-7-85

मोहर :

प्रकृष्ट श्राव्यैः टी. इन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कायनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, निंंक 26 जुलाई, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3807/23-1/85-86—अतः  
मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० रोड नं० सब प्लॉट 332 गुजरात होयारी  
महामंडल है। तथा जो सरकारी औद्योगिक वसाहत लिमिटेड  
ओठप सीम में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908)  
का 16) के अधीन 12-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृङ्के यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
नन्दरह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण में हूँड़ किसी भाव की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वास्तविक में की करने वा उक्त उक्त में दूरिता  
के लिए; औड़/सा

(घ) एसे किसी भाव वा किसी धन या जन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में  
दूरिता के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वकारे:—

(1) एम० गिरीशचन्द्र (एच० य०० एफ०)  
शिल्या राजपथ कल्ब के सामने  
ग्रामदेवनगर, अहमदाबाद-54।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स ए० ए० के० रोषेको० मेन्य०  
कम्पनी  
657, फयासीया बजार  
अहमदाबाद-380002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तमान्धि व्यक्तियों पर  
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि अब वे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पाल  
लिखित में किए जा सकते।

**प्रलोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
या हो।

### प्राप्ति

ग्रोधव मीम शेड जी० वी० एम० एम० वसाइत लिमिटेड  
मब प्लाट नं० 332 सर्वे नं० 67+70+75 123 रजिस्ट्रेशन  
नं० 17654/12-12-84।

जी० के० पंडया  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 26-7-85

मोहर:

श्रम वाहै.टी.ए.ए.ए.

**आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

काश्मीर, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1985

निदेश सं. पी० आर० नं० 3808/23-1/85-86-अन०,  
मुझे, जी० के० पंडया,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आय  
269-ए के अधीन संख्या प्राधिकारी को यह विदेश अर्जन का  
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन छड़ापड़ में माड़लपुर सीमा टी०  
पी० एम० 2 आफ है तथा जो पी०-421 सब-प्लॉट  
3 हिस्सा नं० 2-ए० और 22 अहमदाबाद में स्थित है  
(और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 31-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मूँझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवांशीकृत अनुसूची में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्ननिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित से  
आस्तीनिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण से  
एकीकृत हो करने वा उक्त अन्तरण से दूषित  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव वा किसी भाव वा अन्य दृष्टिकोणों  
को, जिसे आर्तीय बाद-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, बा  
धद-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
से प्रकाशित अहीरी इताप अस्त नहीं किया  
वाय वा किसी आया अपील वा, किसी भी  
दृष्टिकोण के लिए;

उक्त अवधि, उक्त अधिनियम की आय 269-ए के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की आय 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्ननिचित अन्तरण, अन्तर्दृष्टि ।—

1. श्री मनोजेन चंद्रलाल छोयापाड लंघाप्रत्यज जिला—  
महेंगाना कान्तीलाल बापूदास पटेल सौ० एन०  
विद्यालय के नजदीक अंत्रावाड एंट्रीमिंज  
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. मौ० पारकींग फ्लैट आनंद प्र० मियेशन विर्गन्द्र  
मंगलदास रमेशभाई आर० पटेल, अहमदाबाद।  
(यानदिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विषय  
कार्यवाहिका करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकेव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मानी अविकल्पों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, से भीतर पूर्वोक्त  
अविकल्पों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अभावसाधारी के  
पास तिलित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं  
वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

माड़लपुर छड़ापड़ सीमा टी० पी० एम०-21 ए४० पी०  
421 हिस्सा नं० 2-ए० 2-2 चौ० फी० जमीन रजिस्ट्रेशन  
नं० 18872, 18873/31-12-1984।

जी० हौ० पंडया

सहायक प्राधिकारी

सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 26-7-1985

माहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जूलाई 1985

निदेश सं० पी० आरा० नं० 3809—ग्रन्त: मुझे, जी० को० पंडया,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिम्मी सं० मिल्कियत जमालपुर में वार्ड नं० 2-मी०  
एम० है तथा जो नं० 3622-2 3622-1 3623-  
3624 में स्थित है (ओर हमने उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण स्पष्ट में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय-  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम: 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 31-12-1984

को पर्याप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के लक्ष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि वथाप्यवौक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के  
पन्थ प्रतिशत भी अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के बास्तरक लै  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों  
को जिन्हे भारतीय आधकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्तागोरी जवेरीलाल अंबाशंहज की पुत्री  
मुहरत चौल मानेक चौक अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

1. मै० राघव शास्त्र एण्ड आफिसेस को०-आ०  
मार्केटिंग सोसायटी चीफ प्रार्गेनाइजर :— (1)  
दशरथ लाल एन० पटेल बून्दावन कालोनी शहीदाबाग  
अहमदाबाद। (2) हरगोविनदाम रामदाम पटेल  
बी० नं० 5 उत्तर गुजरात पटेल सोसायटी  
विभाग-2 असारवा अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए  
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई वास्त्रेष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा राखें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिल्कियत जमालपुर वार्ड 2 में सी० एस० नं०  
3622-1-2 3623, 3624 रजिस्ट्रेशन नं० 17190/  
3-12-1984।

जी० को० पंडया  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 26-7-1985

मोहुर

प्रसूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

काशीलिय, सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1985

निदेश सं. पी० आर० नं. 3810—प्रत: मुझे, जी०  
के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन संज्ञा प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मिलकियत टी० पी० एस० 19 एफ०  
पी० 345 पर है तथा जो बी० नं. 5, अमर सोसायटी  
मेमनगर रोड, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्र  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के काशीलिय अहमदाबाद में रजिस्ट्री है, तारीख 3-12-1984  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छातमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अस्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्धरक्ष  
विवित में वास्तवीकरण से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
विवितवत्व के वायम क्षु वर्ते वायत्तवत्व की  
वायितवत्व में कमी करने वा उद्देश्य वर्ते में विवित  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय वा किसी भूमि वा बास्तवीकरण  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या  
उन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा वा किया जाना आविहए था, जिसमें में विवित  
के लिए;

जल्द: ज्ञ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अन्तरक  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री माधुबेन किरीट कुमार पटेल, गाँव-ठभान  
तालाब, तालुका-नडीयाड, जिला-खेड़ा।

(अन्तरक)

2. मेसर्स कला निकेतन, नोबल्स ब्रिलिंग 'बी' ब्लाक,  
नेहरू ब्रिज के सामने, आश्रम रोड, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्तन के लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्तन के संबंध में कोई भी जाक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की वर्तीय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की वर्तीय, जो भी  
वर्तीय बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
कित्तित में किए जा सकें।

**स्टॉकरण:**—इनमें प्रदृष्ट वस्त्रों और पदों का, वो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### वद्वाची

मिलकियत टी० पी० 19 एफ० पी० 345 पर  
बी० नं. 5, अमर सोसायटी, रजिस्ट्रेशन नं. 17175/  
3-12-1984।

जी० के० पंडया  
संघर्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 26-7-1985

मोहर :

कल्पना भाई टी. एस. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3811—अतः मुझे, जी० के० पंथडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘यसे इसके इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की धारा 269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. है अधिक है।

और जिसकी सं० एच० पी० रामकिशन नगर में पर्सेट नं० 3 है तथा जो पंथली गेट, जूनागढ़ में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

26-12-1984

के प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूले वह विवास करने का कारण है कि यथाप्रवृक्ष सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल से, एसे दूसराने प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकी) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के विविध में कमी करते या उससे बचने में सविधा ले जिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-भार्य अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था उपराने में तत्विधा के लिए;

इस बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
32-226GT/85

1. श्री मगनलाल रावजी भाई भाटी, के०/श्रा० महेश एग्रो सेल्स कार्पोरेशन, 22, विजय प्लाट, राजकोट।

(अन्तरक)

2. डा० गोविंदभाई ठाकरसी भाई लडानी, ब्लाक नं० 3-ए०, रामकिशन नगर, एस० टी० बस स्टेशन रोड, पंथली गेट, जूनागढ़।

(अन्तरिक्षी)

मैं यह सूचना बारी करके प्रत्येक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यानीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्रत्येक सम्बिलों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त काल्पनिक वार्ताओं वाले वाक्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एच० पी० रामकिशन नगर में ब्लाक नं० 3-ए०, जमीन क्षेत्रफल 150 वर्ग यार्ड + मकान रजिस्ट्रेशन नं० 2551/26-12-1984।

जी० के० पंथडा  
पक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 29-8-1985

माहूर:

प्रसूप आई.टी.एन.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-6, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० शार० नं० 3812—अतः मुझे, जी०  
के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
औपं जिसकी सं० एन० ए० इण्डस्ट्रीयल जमीन गांव बामत-  
बोट में है तथा जो जिला सुरेन्द्र नगर नं० 2 और 3  
क्षेत्रफल 15/83 वर्ग मीटर में स्थित है (और इससे उप-  
बढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मुली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-12-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
नन्तरिती (नन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पापा या, प्रतिफल, निम्नमिति उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लियित हैं वास्तविक रूप से किया नहीं क्या गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हने के अन्तरक के  
वापिस्त्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
वापिस्त्व के लिए; और/वा

(ल) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध वास्तवियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रीटा दारबोनेट प्रोडक्ट्स लिमिटेड, मनेजिंग  
डायरेक्टर —भूपललाल फरमशी पटेल, तथा शला  
सोमायटी, गिरनार सिनेमा के मामते, राजकोट।  
(अन्तरक)

(2) सियाडिलस प्रा० लिमिटेड, मनेजिंग डायरेक्टर—  
गोपालदास बांतिलाल चांगेला 23/25, न्यू  
जागनाथ, विजय अपार्टमेंट्स, राजकोट।  
(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वहुभ किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताकरी के  
पात्र विवित में किए जा सकेंगे।

**स्थावरण:**—इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एन० ए० इण्डस्ट्रीयल जमीन गांव-बामसबोट में सर्वे  
नं० 2 और 3 जिला सुरेन्द्र नगर क्षेत्रफल 15783 वर्ग  
मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 462/10-12-80।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-6, अहमदाबाद

तारीख: 29-7-1985

मोहर:

प्रस्तुत बाहू. टी. एन. एस. - - -  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर व्यायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1985

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 3813/अर्जन रोज-I/23-I/85-  
४८-दतः मुझे, जी० के० पंड्या,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते  
हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 16, लोअर लेवल मेडिकेअर मेंटर,  
है तथा जो टाउन हाल, एलीस ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित  
है (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), 37-ई० 7-12-84 को अहमदाबाद में काईन दिया  
क्यों पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब  
पाला गया प्रतिफल, निम्ननिचित उचुवेष्य से उक्त बन्तरण  
निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के  
दृश्यमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. मैनर्स हसमुख शाह एण्ड कम्पनी, फर्ट फ्लोर चीनू भाई  
सेन्टर, आश्रम रोड, अहमदाबाद।  
(अन्तरक)

2. श्री ज्योतिबेन कालिदास पटेल, मनीबेन अमीचंद पटेल,  
7, गौतम विहार मोक्षायटी, उस्मानपुरा,  
आश्रम रोड, अहमदाबाद।  
(अन्तरिती)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यकालियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर  
मृचना की समील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित दों लिङ् ३। मार्गों।

**प्रमाणीकरण:**—इसमें प्रयुक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के व्यायाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस व्याय में दिया  
गया है।

### मृचना

शाप नं० 16, लोअर लेवल 'मेडिकेअर सेंटर' में एलीस-  
ब्रिज, अहमदाबाद 37-ई० 7-12-84 को फार्स्ट  
किया।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
गहायक आयकर व्यायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीख: 31-7-1985

मोहर :

अतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भौं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति :—

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

दिदेश सं० पी० आर० नं० 3640/11—अतः मुझे,  
जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिय नं० 347, रिंग रोड, है तथा जो  
सूचना में लिखा है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है), निम्नस्त्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में निम्नस्त्रीकर्ता अधिनियम, 37 ईई० के  
अधीन, तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का तारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में आस्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की, बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तवियों  
को जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
कोलए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं शांति बिल्डर्स, रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश कुमार जैन, कोठी नं० 2, अंबाला  
सिटी, हरियाणा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनुभ  
किसी अन्य द्वितीय द्वारा अपांगमताक्षरी के पास  
निम्नित में किए जा सकते।

सम्पौरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है :

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37 ईई० का कार्म  
पर कार्यालय में 16-10-84 में पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या  
सभम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड-2, अहमदाबाद

तारीख: 9-7-1985

मोहर:

प्रस्तुत वाइ. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाषा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

ग्रन्जन रोज़-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निवेश सं. पी० आर० नं. 3641/11—प्रतः मुझे,  
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० आफिल नं० 538, रिंग रोड, है तथा  
जो सूरत में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईंटी० के  
अधीन, तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यान प्रतिफल से एसे इश्यान प्रतिफल का  
पूछ हुक्म प्रतिक्रिया में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
क्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण वे हैं जिसी बाब की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अनुरक्त वै  
श्वित्र में कमी करने वा उससे बढ़ने में छुपिया  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी बाब या किसी भन या बच्चे जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आद-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उससे अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवार प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में  
छुपिया के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ए के अनुदरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भाषा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अधिकृत :—

1. मैं० शोशाति बिल्डर्स, रिंग रोड, सूरत।  
(अन्तरक)

2. श्री रामेश्वरलाल जी जैन, गिरनाट सोमायटी,  
भींवडी।  
(अन्तरिती)

मैं यह सूचना बाही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विषय  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
बद्धियाँ भाव में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावोक्तण :— इसमें प्रत्यन्त शब्दों जोर ददा का, वा उन्हें  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
दया है।

अनुसूची

मिलक्षित जो सूरत में स्थित है। 37ईंटी० का फार्म  
यह कार्यालय में दिनांक 16-10-84 को पेश किया गया  
है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रोज़-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-7-1985

मोहर :

इकाई वाइ.टी.ए.ए.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. मैं शांति विल्डर्स, गिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रोति मरन जयतीलाल गांधी, गोपीपुरा  
मोरी छोपावाड, सूरत।

(अन्तरिती)

### सारांश सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजंन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

नियेश सं० पी० आर० नं० 3642-II-अतः मृद्गे,  
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पूर्वानु उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिय नं० 733, अजन्टा शापिंग मेंटर,  
है तथा जो गिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इनमें उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
37-ई० के अधीन, तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि दधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बन्तरकों) और अंत-  
रिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
जाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
है वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण है हृइ किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में व्यक्ति  
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या वस्तु बासितकों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै  
श्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकल्प नहीं किया जाया  
जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन में दिया  
कार्यालयियां बूक कुता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्ध व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
बन्तरक वाले से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूख  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
निवृत्ति में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ई० का फार्म  
पर कार्यालय में दिनांक 16-10-84 में पेश किया गया  
है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अजंन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 9-7-1985

मोहर :

प्रस्तुप बाई, डॉ. एन. एवं -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत एकादश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोड-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3643/II—अतः मुझे,  
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित भाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर. जिसकी सं० अधिकारी नं० 63, अर्जनदा शार्पिंग सेटर  
है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपावड़  
अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
37-ई० के अधीन, तारीख 16-10-1984

को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए राजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर-  
रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य,  
उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच नई अन्तरण के लिए दस्य पादा कदा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
साथित्व में कभी करने या उससे वरने में सुविधा  
के लिए; और/या

(म) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 वा 1934 वा 1947 वा 1957-प्रभ.  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) वा  
उसके अन्तर्गत अन्य अधिनियम द्वारा  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण  
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिक :

1. मौ० शांति विल्सन, रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री सुखदेव जैन, डाग अस्पायर विल्सन  
रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्य है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रवृत्ति व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निवित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रवृत्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मूलसूची

मिलकियत जो, सूरत में स्थित है। 37-ई० का फार्म  
पर कार्यालय में दिनांक 16-10-84 में पेश किया गया  
है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रोड-2, अहमदाबाद

तारीख : 9-7-1985

मोहर :

प्रसूच बाहर, टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत राजस्वास

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3644/II—अर्जन: मुझे,  
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चित्रकला उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिय नं० 736, अजन्टा शापिंग सेंटर  
है तथा जो रिंग रोड, मूरत में स्थित है (और इसमें उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 37-ई० के अधीन, तारीख 16-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की अवधारणा  
प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और वृक्षे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थान प्रतिफल सं, एसे अवधारणा प्रतिफल का  
एक्स्ट्रा प्रतिशत से अधिक है और बंदरगाह (बंदरगाह)  
और बंतरग (बन्तरग) के बीच एवं बन्तरग के मिश्र बब पाया जाना  
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अनुरूप निम्निकृत वे  
सामाजिक रूप से कठिन नहीं किया गया है २—

(क) बन्तरग से छुर निम्नी जल की बाजार, उक्त  
बन्तरग की बर्बाद दर्दे की कम्परक वे  
वायिक्षण में कठी करने या उसने बचने में संविधा  
के लिए; और/वा

(क) ऐसी किसी जल या किसी भन या अन्य आविष्टियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भव-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ बन्तरगी इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छियाने में संविधा  
की लिए;

१. मै० शांति विल्हेम, रिंग रोड, मूरत।

(अन्तरक)

२. श्रीमती दमयन्ती आर० मेहता, श्रद्धा मोक्षायटी,  
सुमिल डेंगी रोड, मूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रवॉक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
बचाव बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

मिलकियत जो मूरत में स्थित है। 37-ई० का फार्म  
पर कार्यालय में दिनांक 16-10-84 में पेश किया गया  
है।

जी० के० पंडया  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अर्जन: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसार  
वे, वे उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बचाव २—

तारीख: 9-7-1985

मोहर:

प्रश्नप. बाई. टी. एन. एस. - ८०८५

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3645/II—अतः मुझे,  
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सभीम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जे-606, रिंग रोड है तथा  
जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय अहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
37-ई० के अधीन, तारीख अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित वहीं किया गया है ।—

**[क] अन्तरण है तरुं निची वाय तो वायष, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शब्दों में कही करने वा उससे वायने में सुनिधा  
के लिए; और/वा**

अनुसूची

(ब) एसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तविक  
स्थ, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था। या किसी आना घाँड़िए था, लिपाने में  
नृपिता वै लिपा।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, पै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपावड़ (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

33-226 GI85

6. मौ० संजीव प्रिमायसेत को०-प्राप० हाउसिंग सोसायटी  
रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री वेद प्रकाश, पी० डी० कुमार, श्रीशना कलाथ  
मार्केट, दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यशाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में संबंध में कोई भी वाक्योप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, वधौरसाकारी के पास लिखित  
में किए वा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ई० फार्म पर  
कार्यालय में अक्टूबर 1984 को पेश किया गया है।

तारीख: 15-7-1985

मोहर:

## ग्रहण ब्राइटी पुस्ट प्रॉब्लम्स

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वा.  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

## भारत एकाउड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3046/II—अतः मृशे  
जी० के० पंडया

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें  
इसके अधीन 'उचित अधिनियम' भी भया है), की धारा  
269-प के अधीन संक्षम प्राधिकारी को अह विवाद करने का  
प्रारंभ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिवका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जे०-403 हैडिंग टैक्सटाइल्स  
है तथा जो रिंग रोड सूरत में स्थित है (ओर इससे उपावद्ध  
ग्रन्तुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
37-ई८० के अधीन तारीख 11-10-1984

हाँ पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृशे यह विश्वास करने  
शरण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके  
दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
दीसफल निम्नलिखित उच्चावद से उक्त अंतरण लिखित में  
शास्त्राविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(ए) उच्चावद के द्वारा दिल्ली बाय की वायाद, अल्प  
अधिनियम की अधीन कहु एवे के अनुतुक्त वा  
प्रार्थित वा कठोर करने वा उच्चावद वायने वा उचित  
के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य लास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा  
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
वा विए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसार  
वा, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अधारि:—

1. मैं० संजीव प्रिमायसिस को० आप० हाउसिंग सोसा-  
यटी रिंग रोड सूरत।

(अन्तरक)

2. मैं० एस० के० डियारो फैमिली ट्रस्ट अगरबत्ती  
बाला बिल्डिंग भूलेश्वर रोड बम्बई-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(ए) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्तरांकी अवित्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि या उत्तरांकी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्तियों में से किसी अवित्त इवारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अवित्त द्वारा अभोहस्ताकारी के पाल  
सिविल में किए जा सकेंगे।

**लक्षण:**—इसमें प्रबुक्त दावों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रियोक्तित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## मृशुमूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। फार्म नं० 37-ई८०  
पर कार्यालय में 11-10-1984 में पेश किया गया  
है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2 अहमदाबाद

तारीख : 1.-7-1985  
मोहर :

बहुम बाहौदी टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3647/I—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
अवृण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 107 इण्डिया टेक्सटाइल हैं  
तथा जो मार्केट रिंग रोड सूरत में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 37-ई० के अधीन, तारीख 11-10-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से एसे दूसरमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
बत्तरिती (बत्तरीताओं) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तर  
वामा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
द्वितीय में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से है इसे किसी भाव की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य कालियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या उक्त धन का अधिक व्यक्ति, जिसने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हू—

1. मै० संजय प्रियायसेस को० आप० हाऊसिंग सोसायटी  
किन्नरी सिनेमा के पास, रिंग रोड,  
सूरत ।

(अन्तरक)

2. मै० सी० डी० दियारो फेमिली इस्ट, भूलेश्वर,  
बंगलूरु ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितावश्व  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पातरी के पास  
लिखित में किये जा सकते ।

**लिखितरण:**—इसमें प्रयुक्त सन्दर्भों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

**लग्नसूची**

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ई० का फार्म  
यह कार्यालय में विनांक 11-10-84 में पेश किया गया  
है।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-1985

सोहन ॥

प्रह्लाद कांडे, टी. पर. एस., ——————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
साधारण, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3648/2—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-ग के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, वह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 603, ग्रा० रोड, सूरत है तथा  
जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई०  
के अधीन, तारीख 11-10-1984

के पूर्णकांत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शाना  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके दर्शाना प्रतिफल से ऐसे दर्शाना प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
आस्तीनिक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
के लिए; और/या

(ब) ऐसा किसी जाय या किसी भूमि या बन्य आस्तीनों  
को विनहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
मरा या या किया जाना चाहिए था, जिसने में  
सुविधा के लिए;

1. मै० संजोव प्रिमायसेस सोमायटी, ग्रा० रोड,  
सूरत।

(अन्तरक)

2. मै० एन० पी० डिओरा फैमिली ट्रस्ट नरीमान  
प्लाईन्ट, बम्बई-21।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मानी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास  
लिंगित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें उक्त सूचना और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के विधाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### नमूसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ई० का  
फार्म पर कार्यालय में दिनांक 11-10-84 में पेश किया  
गया है।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अस्त्र अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की संपत्ति (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 15-7-1985  
मोहर :

प्रसूप वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3649/-—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 108, रिंग रोड है तथा जो  
सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई० के अधीन,  
तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्नालों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिशत; निम्नलिखित उम्मीद से उक्त अन्तरण लिखित  
के वास्तुशक्ति का संक्षिप्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जी०/पा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
दृष्टिभा दे जिए;

बता नमूद, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसारण  
में, वह उक्त अधिनियम की भारा 269-वा की उपभारा (1)  
की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :—

1. मै० संजीव प्रिमायसेस को० आप० सोसायटी,  
रिंग रोड, सूरत।

(अन्तरक)

2. मै० जी० डी० डिओरा फैमिली इस्ट, भूलेश्वर,  
बम्बई-2।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्यप्रयोग :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्वय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ई० का  
फार्म पर कार्यालय में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया  
वक्तव्य प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीखः 15-7-1985

मोहरः

प्रध्य आइ.टी.ए.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-प (1) से वधीन दृष्टना**

भारत चुनाव

**सहायक आयकर आयकर नायकर (निर्देशिका)**

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3650/11—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-प के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० जे०-606, रिंग रोड है तथा  
जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई० के अधीन,  
तारीख 11-10-1984

को पूर्वक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिभान  
प्रतिफल के लिए अंतरीक की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐसे अधिकारी के कारण  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
प्रेरणात्मक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(ए) अन्तरण पर हूर्दा किसी बाय वाली वाला, उक्त  
अधिनियम की वधीन कुछ दर्ते ही बालुक और  
वालित्व में कभी कुछ वा उक्त दर्ते में सुविधा  
के लिए; जी०/वा

• अनुसूची

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना आविहए था छिपाने में सुविधा के लिए;

37-ई० का फार्म यह कार्यालय में दिनांक  
11-10-84 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः यह, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग के अनुसरण  
में, वै उक्त अधिनियम को भारा 269-प की उपचारा (1)  
के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

तारीख: 15-7-1985  
मोहर

प्रस्तुप आईटीएन एवं एस एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायकर वायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3651/11—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रोर जिसकी सं० पलैट नं० 2-सी० आम्बा लाईट। सूरत  
है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई०  
के अधीन, तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्त प्रतिफल का  
मानक प्रतिशत से अधिक है और बंतुक (बंतरक) और अंतरिती  
(अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिशत  
का निम्नलिखित उत्तरेव है उक्त अंतरुक विवित में वास्तविक  
रूप से क्रियत नहीं किया गया है—

(क) अंतरण से हुई [किसी भाय की वायत] उक्त  
अंतरित वे अंतरुक वर्ते हो वर्तुक के  
शावित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के सिए; और/वा

(ब) होले [किसी भाय वा किसी अन्य वायकर अधिनियमों  
को, जिहे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
वे विवर।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अभर्ता हूँ—

1. मैं रवि इन्टरप्राइज, राजेश्वर एपार्ट, पहली माला,  
नानपुरा सथगर गली, सूरत। (अन्तरक)
2. सुरिंद्र नाथ सरूप सिंह गारवर, सी-9, बम्बई मार्केट,  
सूरत। (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यकालिका करता हूँ।

उक्त अधिनियम अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वायाप है—

(क) इस सूचना के उचित वायकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाय वे दसात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अविक्त द्वाया;

(ब) इस सूचना के उचित वायकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्दुष  
किसी अन्य अविक्त द्वाया, अधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रत्यक्षण :**—इसमें प्रदृष्ट वायों और वायों का, जो उक्त  
अधिनियम, वे वायाव 20-क में परिवारित  
है, वही अर्थ होगा जो उस वायाव में विद्या  
गया है।

### अधिकारी

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ई० का  
फार्म यह कार्यालय में दिनांक 11-10-1984 को पेश किया  
गया है।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख : 15-7-85

मोद्दुर :

प्रस्तुप आर्ट.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3652/11--अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० आफिम नं० 103, बाम्बे मार्केट है तथा जो हउमरावाडा, मूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई० के के अधीन, तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवधार प्रतिफल से, ऐसी अवधार प्रतिफल का पैशह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितीतयों) के बीच एवं अन्दरक के लिए तथा पाया जाना अतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाना है 3—

(क) अन्तरण जे.हुए किसी वाय की वायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जी०/शा

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी भन या बन वास्तवों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधौत हूँ—

1. मैं बाम्बे मार्केट आर्ट भिल्क को० आप० हाउसिंग सोसायटी, उमरवाडा, मूरत।

(अन्तरक)

2. मैं संजीव डाई एण्ड हैटरमीडियेट, 238/7, भवानपुरा, रायपुर दरवाजा के बाहर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यालयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के समन्वय में कोई भी वाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मूरूसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ई० का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 11-10-1984 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीखः 12-7-1985

मोहर

प्राप्त वाई.टी.एम.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेद सं० पी० प्रार० नं० 3653/11—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विभाग करने का  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 1103, बाम्बे मार्केट है तथा  
जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपावढ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई० के अधीन  
तारीख 11-10-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथा  
वापा गया प्रतिफल, निम्ननिचित उद्देश्य से उक्त असरण  
निचित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) असरण से है इसकी वाप की वावड, उक्त  
वापिसिय वापीन कर देने के असरण से  
वापिस वापी करने के दृश्यमान से सुविधा  
नहीं है।

(छ) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को विन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन  
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
नहीं है।

अतः पंड, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपशारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

34—226GJ/85

1. मैं० बाम्बे मार्केट आर्ट सिल्क को० आप० सोसा-  
यटी, उमरवाडा, सूरत।

(अन्तरक)

2. मैं० विपिन चन्द्र वसंतलाल द्वारा बोडावाला द्रेसर०१,  
बेगमपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

**मैं यह सूचना प्राप्त करके दूसरी वस्तु के वर्णन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।**

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर दूसरी वस्तु  
व्यक्तियों द्वारा इसे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेष्टाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
रखा है।

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है 137-ई० का फार्म  
यह कार्यालय में दिनांक 11-10-84 में पेश किया गया  
है।

जी० के० पंडया  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीखः 12-7-1985

मोहर :

इष्ट वाइटी ट्रॉफी एवं पुस्तक

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-वा (1) के अधीन सूचना**

बायकर अधिनियम

कार्यालय, बहुवक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नठ० 3654/11—प्रत: मुझे,  
जी० के० पंडया,

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-वा के अधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है**

और जिसकी सं० आफिस नं० 1002, बास्टे मार्केट, है तथा  
जो तथा जो भूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय में अहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
37-ई० के अधीन, तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि  
में हृष्ट विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
अधिकार बाजार मूल्य, उसके अवधारण प्रतिफल से, दोहे अवधारण  
प्रतिफल का पंचांग प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक)  
और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
इष्ट पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण  
अनिवार्य में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत या अन्य अस्तित्यों  
को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त बोधानियम, या  
वन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
वया आ या किया जाना चाहिए तो छिपाने में हृषिका  
के लिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की भारा 269-वा उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. मै० बास्टे मार्केट आर्ट सिल्क को० आप० हाउसिंग  
सोसायटी, उमरवाडा, भूरत।

(अन्तरक)

2. मै० धारीवाल एण्ड मन्स, पारसी अंचायन वाडी,  
उमरवाडा, भूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवधारण के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अवधारण के उल्लंघन में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन की अवधियाँ या उत्तमत्वात्मक अविकल्पीय  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधियाँ, जो भी  
अवधियाँ वाले द्वारा होती हों, के भीतर पूर्वोक्त  
अविकल्पीय से किसी अविकल्प द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृष्ट-  
वृष्ट किसी अन्य अविकल्प द्वारा अभोहस्ताशरी वे  
पास लिखित में किए जा सकते हैं।

**लब्धीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ इसी जो उस अध्याय में दिया  
वया है।

अनुसूची

मिलकियत जो भूरत में स्थित है। 37-ई० का फार्म  
यह कार्यालय में दिनांक 11-10-1984 में पेश किया  
गया है।

जी० के० पंडया  
भूमि प्राधिकारी  
लहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख: 12.7.1985

मोहर:

प्रकल्प: वार्दूर टी. एस., एस. ——————

1. मैं संजीव प्रियायसेस को० प्राप० हाउसिंग  
सोसायटी, रिंग रोड, सूरतः  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

## भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीकण)

अर्जन रोड-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3655/11—अतः मुझे,  
जी० के० पंड्या,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इहके पृष्ठात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० पैटेट नं० 405, रिंग रोड है तथा जो  
सूरत में स्थित है (आँख इससे उपावढ़ अनुसूची में आँख  
पूर्ण रूप से अंगिल है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई०  
के अधीन, तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की मर्ह है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि व्यापक अनुसूचित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
पूर्ण प्रतिषेध से अधिक है और बन्तरक (बन्तरको) और  
बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए तथा फायदा  
दाता प्रतिफल निम्नलिखित सूचीरेम से उक्त अनुसूचित विविध वे  
दास्ताविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरक वे हैं किसी भाव की बावत, उक्त  
विविधक के अधीन कर देने के बन्तरक के वायिक्स  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्ष द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या  
जिन्हा जाना जाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वह उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण  
में, वे, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णन :—

2. मैं एस० के० डीप्रोरा फैमिली ट्रस्ट, भूसेवर,  
बम्बई।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थात् जो लिए  
कार्यवाहियां बहुत करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आलोचन :—

(क) इस सूचना के एप्रिल में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के बारे में

(ख) इस सूचना के एप्रिल में प्रकाशन की तारीख सं  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हवारा वधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
दिया है।

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ई० का कार्य  
यह कार्यालय में दिनांक 11-10-1984 में पेश किया  
गया है।

जी० के० पंड्या  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोड-2, अहमदाबाद

तारीख: 15-7-1985

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, वम्बई

अहमदाबाद, विनाई 15 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3656/11—अतः मुझे,  
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 506, रिंग रोड, सूरत में  
स्थित है (और इसमें उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई० के अधीन, तारीख  
11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अथवा प्रतिफल से, एसे अथवा प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरीरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में  
प्रासादिक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

1. मै० संजीव प्रिमायसेस को० आप० हाउर्सिंग सोसा-  
यटी, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री बी रमेच्चा श्यामशुक्ल एसोसिएट्स, रिंग रोड,  
सूरत।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में अकाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध विवरण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्राप्तीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्टों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विवा-  
धया है।

(क) अंतरण से हुए किसी वाय की वायत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
विवित में कभी करने का उक्त वर्ष सूचने में उपचित  
नहीं है।

अनुसूची

(ल) एसी किसी वाय या किसी घन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
नहीं है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

कृपा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मै० उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
में अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः 1—

तारीख: 15-7-1985

माहूर :

प्रस्तुत आइ.टी.एल.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 जुलाई 1985

निदेश सं. पी० आर० नं० 3657/11—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आफिस नं० 1108, रिंग रोड है तथा  
जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 37-ई० के अधीन  
तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
गर्जने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्धरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित  
महो किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
से अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैं बास्टे मारकेट आर्ट सिल्क को० आप० हाउससिंग  
सोसायटी उमरवाडा सूरत।  
(अन्तरक)
2. मैं सिराम उद्योग प्रा० लि० सलसलपुरा  
सूरत।  
(अन्तरिती)

कि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

मिलियक्त जो सूरत में विधित है। 37-ई० का फार्म  
यह कार्यालय में दिनांक 11-10-1984 को पेश किया  
गया है।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

तारीख: 15-7-1985

मोहर:

प्रस्तुत आइ.टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निवेश सं. पी० आर० नं. 3658/II—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आफिस नं. 1101, रिंग रोड, है तथा  
जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई  
के अधीन, तारीख 11-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तिरिक्त की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान  
प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल के बहुत प्रतिशत से अधिक है  
वार अंतरक (अंतरकों) और अंतर्रसी (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित  
गए हैं—

(क) अन्तरण से हरू किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक में कमी करने या उससे अचूने में सुविधा  
के लिए; जी०/जा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तर्रसी इकारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में सुविधा  
के लिए;

वहाँ अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उषधारा (1)  
के अधीन, निम्नसिद्धि अविक्तियों, असति :—

(1) मै० बाबू मार्केट आर्ट सिल्क को० आप० सोसायटी०  
उभवराडा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) मै० सींगापुरी सिल्क मिल्स, सलावतपुर,  
बेगवाडी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कर्मवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
सिवित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मूल्यांकन

मिलकत जो सूरत में स्थित है॥ 37-ई का फार्म  
पर कार्यालय में दिनांक 11-10-1984 में पेश किया  
गया है।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक अधिकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 11-7-1985

मोहर

प्रस्तुति नं. १८७८५

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

नारत वरकार

कार्यालय, उत्तर भारत बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निर्देश सं. पी० आर० नं. 3659/11—अतः मुझे,  
जी० के० पंड्या,  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘उत्तर इसके प्रस्तुति उत्तर अधिनियम’ कहा जाता है), की भाषा 269-ए के अधीन बायकर बायकर अधिकारी को यह किसान बायकर करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपीक्षत बायकर बद्दल 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आफिस नं. 904, बास्ते मार्केट है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध प्रत्युम्भी में और पूरी रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई के अधीन, तारीख 11-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपीक्षत बायकर बद्दल से कम के बायकर ब्रतिकल के लिए जन्मारित की गई है और भूमि यह किसान बायकर करने का कारण है कि बायकर बायकर तमात्तिका उपीक्षत बायकर बद्दल उसके बायकर ब्रतिकल से, एवं उपीक्षत बायकर ब्रतिकल का पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया जाया अधिकता नियमित उद्देश्य से उत्तर अवारज नियमित से कठिन नहीं किया जाता है।—

(ए) अल्लरुल से हुई किसी बाय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दें छोटे बायकर के अधिकारी जो कमी करने वा उसमें बद्दलने में लाइन वा लिहा वा लौटा/वा

(इ) ऐसी किसी बाय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वा प्रशाचनार्थ अन्तरिती बायारा प्रकट कर्ता किया जाया या किया जाना चाहिए तथा, उपाने में पृष्ठिः के लिए ॥

अतः जब, उत्तर अधिनियम की भाषा 269-ए के अन्तरण में, मैं, उत्तर अधिनियम की भाषा 269-ए की उपान (1) के अधीन, नियमित अधिकारी, बधाई ॥—

1. मैं० बास्ते मार्केट आर्ट सिल्क सोसायटी, उत्तरवाड  
सूरत।

(अन्तरक

2. मैं० जे० कुमार एंड कॉ., उत्तरवाड,  
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त समाज के अवैय कार्यालयों करता है।

उत्तर अधिनियम के अन्तरण में योहै भी आवाह ॥—

(क) इह सूचना के उपाय जो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी अविकारों से उत्तर अधीन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो उपीक्षत बाय में उपाय होती है, वे भीतर उपीक्षत अधिकारी ने किसी अविकार इत्याय;

(ख) इह सूचना के उपाय में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर अवारज सम्पत्ति में हितवहन किसी अन्य अधिक इवाय अधोहस्ताभारी के पात्र अधिकारी ने किए जा सकते हैं।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रकाशत बायों और पात्रों का, जो उत्तर अधिनियम के बायाय 20-ए वा परिधानिय हैं, उनी बाय होता, जो उपीक्षत बाय में दिया जाता है।

वायुसूचना

मिलकत जो सूरत में स्थित है। 37-ई का फार्म यह कार्यालय में दिनांक 11-10-1984 में पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या  
सधम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख : 11-7-1985

मोहुड़ ॥

प्रकाश ग्राहौ.टी.एव.एस.-----

बायांपर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निवेदा सं० पी० आर० नं० 3660/ —अतः मुझे,  
जी० के० पंड्या,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस नं० 104, उमरवाडा, है सथा  
जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपावन्द अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है, (रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई०  
के अधीन, तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्षमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाए है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इक्षमान प्रतिफल से एवं इक्षमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब  
यामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निश्चित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हटौं किसी बाब जी बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
साथित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; बार/या

(ल) एमी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित आक्तियों, अधीतः—

1. मैं बाम्बे आर्ट सिल्क मिल्स को० आप०  
सौसायटी, उमरवाडा, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री दामोदरलाल अग्रवाल, नवाब बाडी जंगमपुरा,  
सूरत।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोइ भी बालों—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हिस्तवहृ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

लालौकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही वर्थ होता जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## मूल्यांकन

मिलककियत जो सूरत में स्थित है। 37-ई० का  
फार्म पर कार्यालय में दिनांक 11-10-1984 में पेश  
किया गया है।

जी० के० पंड्या  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 11-7-1985

मोहर :

एस. ब्राह्म. टी. एव. पृष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

साक्षर लक्षण

साधारण आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1985

निवेश सं. पी. आर. नं. 3661/II—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वित्त वर्ष  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा  
269-ग वी अधीन वालम प्राधिकारी को वह विवाद करने का  
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, वित्तका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आफिस नं. 705, बाम्बे मार्केट है तथा  
जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई० के अधीन  
तारीख 11-10-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि वालम पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
को छिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
35—226GI/85

6. मैं बाम्बे मारकेट प्रार्ट सिल्क को० आप० सोसा-  
यटी, उमरवाडा, सूरत।

(अन्तरक)

2. मैं सिल्क फेनिक्स, दूकान नं० जे०-22,  
बाम्बे मार्केट, उमरवाडा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तावेध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा उसी अवधि से अधिक से पुरु  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों द्वारा किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रवॉ का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमाणी

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37-ई० का फार्म  
पर कार्यालय में दिनांक 11-10-1984 को पेश किया  
गया है।

जी० के० पंडया  
सभम प्राधिकारी  
साधारण आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 11-7-1985  
मात्र

प्रकृष्ट आइंटी.टी.एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत राष्ट्रपत्र

कार्यालय, उद्योगकर आयकर आयुक्त (नियुक्त)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जूनाई 1985

निदेश सं० जी० आर० नं० 3662/2—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का  
कारण है कि उक्त अधिकारी उक्त वापार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि॒जी॒ सं॒० आफिन नं॒० 803 बम्बई मार्किट है  
तथा जो सूरत में स्थित है (और इसे उपावद  
अनुनुवी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
37 ई॒० के अधीन तारीख 11-10-84

को पूर्वोत्तम सम्मति के उचित वापार मूल्य से कम के उपयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जो उक्त मुझे यह विवरण  
करने का कारण है कि उपावदीकृत लंपत्ति का उचित वापार  
मूल्य, उसके उपयमान प्रतिफल से, ऐसे उपयमान प्रतिफल का  
एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और  
अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट  
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है ॥

(1) वाम्बे मार्केट आर्ट सिलक  
को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,  
उमरवाग, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मै० मुखराज एण्ड कम्पनी,  
स्वदेशी मार्किट,  
बम्बई-2 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोत्तम सम्मति के अर्जन को लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता है ।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्वाक्षीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्टों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में हिता  
या है ॥

(अ) अन्तरण से हुए किसी वाय की वादत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यक्तिय  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
मौर्या

(घ) पहले ३५ सी वाय या किसी धन या अन्य आस्तकों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः इदृ उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धन 269-वों की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥

मिनकियन जो सूरत में स्थित है । 37 ई॒० का फार्म  
पर कार्यालय में दिनांक 11-10-84 में पेश किया गया  
है ।

जी० के० पंडया  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (नियुक्त)  
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख : 12-7-1988  
मोहर ॥

प्रस्तुत श्री डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

गवर्नर गवर्नर

कार्यालय, सहायक आयकर आदावाद (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3664/2—अतः मृमे,  
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्राउफिस नं० 102 अम्बई मार्किट है तथा जो  
सूचत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदा-  
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई० के अधीन  
तारीख 11-10-84

को पूर्वोक्त उम्मीदि के उचित बाजार मूल्य से कम के इव्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इव्यमान प्रतिफल से, ऐसे इव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और उक्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित है  
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(ए) उक्तरण से हटा किसी वाय की वायष, उक्त  
वायिक्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सूचिभा  
वृत्तिएः और/या

(ब) ऐसे किसी वाय वा किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में  
सूचिभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अधितः:—

(1) बाबे मार्किट आर्ट सिल्क  
को० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,  
उमखाग, सूरत ।

(अन्तर्गत)

(2) मै० कान्तिलाल साकर लाल बोडनवाला,  
मार्फत चुक्कीलाल नाथू भाई,  
दिल्ली गेट, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बजाए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वालेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहृस्ताक्षरी दे पाए  
सिवित में किये जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37 ईई० कार्म  
यह कार्यालय में दिनांक 11-10-84 को पेश किया गया  
है।

जी० के० पंड्या  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 12-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

(1) वाम्बे मार्किट आर्ट टिल्क

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचनाको० आपरेटिंग हाउसिंग सोसाइटी,  
उमखण, सूरत ।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

(2) मै० रंजन टेक्स्टाइल्स,

प्रोप्राइटर श्रीं धीरजलाल मगन लाल,  
सैयदपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

अहमदाबाद, दिनांक 12 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3665/2- अतः मुझे,  
जी० के० पंड्याआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० आफियम नं० 906 वाम्बे मार्किट है तथा  
जो उमरवाडा, सूरत में स्थित है (और इससे उपावढ  
अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा  
प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीरण अधिनियम,  
37 ई० के अधीन तारीख 11-10-84को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल त्रै लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह अंतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से काठ्ट नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे॒हस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
जी०/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अतः इव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-7-89

मोहर :

प्रकृष्ट आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निराकाश)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1985

निवेश सं. पी.० आर. नं. य3666/2—अतः मुझे,  
जी० के० पड़या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. रसानी है तथा जो बड़ीदा में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
13-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर  
प्रतिफल के लिए अंतरिक्ष की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके घर्यमान प्रतिफल से, ऐसे घर्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरक  
अंतरिक्षीय (अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब जब जब  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिक्रिया में  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है ।—

(क) अंतरक से हुई किसी वाय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के अंतर्याम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

जमूसूची

(घ) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बनायी द्वारा प्रकट गई किया गया या या किया जाना चाहिए था। कियाने में हितिहासी लिए।

अतः ज्ञा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुत्तरमें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अंतर्याम—

(1) श्रीमती पदमा बेन रसिक लाल] अमीन  
श्री किरीट भाई रसिक लाल अमीन  
मिलन सोसाइटी, बड़ीदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री परेश छोटा लाल पटेल,  
ग्राम्यभृत को०-प्रापरेटिव हाउसिंग  
सोसाइटी, कोथी कचहरी, बड़ीदा ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोइ भी आवेदन ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की बनीधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना  
सूचना की तारीख से 30 दिन की बनीधि, जो भी  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति क्षमारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नियोजित करने के पास  
लिंगिक्षण में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रदूषक शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्त हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

जमीन जो नरसाली में स्थित है। जिसका कुल मूल्य  
4,08,675/- रुपए है। सब रजिस्ट्रार, बड़ीदा में 8624  
नं. पर दिनांक 13-12-84 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पड़या  
सक्षम प्राधिकारी-

सहायक आयकर आयुक्त (निराकाश)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1985  
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश मं० पी० आर० नं० 3667/II—अतः, मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को वह विवाहास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० माजलपुर, बड़ौदा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में भौर पूर्ण स्प से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवमान प्रतिफल से, ऐसे अवमान प्रतिफल का पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरक्ष) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक की साधित में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा न हो; और/या

(ग) दोसों किसी आय वा किसी भने या अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती प्राप्ता प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कलीला बेन जयस्तोलाल,  
केयर प्राप्त : हर्षदभाई रासक लाल परीख,  
विट्ठल बांग सोसाईटी,  
बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री हर्षदभाई रासकला पटेल,  
माजलपुर, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत्र के लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन है सम्बन्ध में कोई आवेदन है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन वे भीतर उक्त स्थान अधिकारी के पात्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पात्र लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होता, जो उप अन्याय में इस पक्ष है।

अनुसूची

जमीन जो माजलपुर बड़ौदा में स्थित है जिसका बुल केन्टफल 1115 च० मी० है और कुल मूल्य 2,00,001/- है।

जी० के० पंड्या  
मक्कम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख : 22-7-1085

मोहर :

प्रस्तुत वाहौं दी. एन. पुस्तुका

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत लाइब्रेरी  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, ज़ अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1985

निदेश सं. पी. ओ. आर. नं. 3668/II—अतः मुझे,  
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी कर्ते यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपर्युक्त बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जेतलपुर है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और  
इससे उपावरु अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में राजस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
5-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपरित बाजार मूल्य से कम के दूर्यामान  
प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि उपर्युक्त सम्पत्ति का उपरित बाजार  
मूल्य, उपर्युक्त प्रतिफल से, दोहरे उपरित प्रतिफल का  
पूर्व प्रतिवर्तन से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्रासादिक रूप से कठित नहीं किया गया है ।

(1) श्री राकेश रमणलाल शाह,  
पटेल कालीनी,  
कुण्डा टाकीज, बड़ौदा ।

(प्रत्यक्ष)  
(2) श्री केलाश चन्द्र रामचन्द्र सेमन,  
बड़ौदा ।

(अन्तरिक्ती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपरि  
कार्यकालियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति की वर्तन के उपर्युक्त जो कोई भी वालों द्वा—

(क) इस सूचना के उपरित में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि बाद में दोनों छोटी हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के उपरित में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलूपुर  
किसी बन्द व्यक्ति द्वारा, अपोइस्टाक्टरी के पाल  
लिहित में किये जा सकेंगे ।

**स्वष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याद में दिया  
गया है ।

(क) अंतरण से हुए किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी कहने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी बाब या किसी भन वा अन्य आंतरिकी  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा वा किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अनुसूची

जमीन जो जेतलपुर बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल  
क्षेत्रफल 345.82 एकड़ी है और कुल मूल्य 1,11,111/-  
रु है । संख्या नं. 965/1 167 है ।

जी० के० दंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1985

मोहर :

बाब बब. उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपधारा (1)  
में उक्त अधिनियम की भाग 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ष ३-४

प्रस्तुत वाहौ. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं. ८० ध० आर० नं. 3669/II—यतः, मुझे, जी०  
के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सकारा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्रामोदय है तथा जो चरोत्तर सोसायटी  
बड़ौदा में स्थित है (और इसपे उपाधि अनुमूली में और पूर्ण  
रूप से दिया गया है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्राय,  
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 3-12-84

मो पूर्वोक्त समाज के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे हृश्यमान प्रतिक्रिया के  
बद्दल प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरको) और  
बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण  
विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहूँ किसी आद की आवश्यकता नहीं अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक की  
वास्तविक में कोई करने या उससे बचने में सुविधा  
नहीं है; जारी/वा

(1) श्री मकनकाई तुलसीदाई इकता  
श्री ठोट्टमाई रोपालजी,  
आसुन्दर, तां० नवसारी।

(2) श्री सरोज बेन शिरीट्टुमार शाह, (अन्तरक)  
चरोत्तर सोसायटी,  
आकोटा, बड़ौदा।

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोइ० भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्स्वामी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मन्त्रसूची

(ब) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हैं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या इ० १ अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रशोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्लाट जो चरोत्तर सोसायटी, बड़ौदा में स्थित है  
जिसका युल कोटप्ल 2091 चौ० शीटर है और युल मूल्य  
56,782 रुपये है।

जी० के० पंड्या  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 16-7-1985

गोप्ता :

बहु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसर-  
न्, भ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

36-226GI/85

प्रकल्प भाई० टी० एव० एस०

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

सारांश संस्कार

स्थानीय, सहायक आयकर आधिकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3670/2—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रत्यापात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० अकोटा, बड़ीदा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है  
और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण से रूप वर्णित है),  
रजिस्ट्री रुटा अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
प्रमाण प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरीरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त विवास सिद्धि में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) बस्तरप डॉ हूर्द निम्नी आय की नाम, बस्तर  
अधिनियम के अधीन कर हने के बस्तरक और  
आयस्वर्य में कमी करने वा बढ़ावे विवास में दृष्टिकोण  
के विषय; बोड/वा

(1) श्रीमती जय प्रभा विपिन भाई पटेल,  
प्रांतीयागंज, बड़ीदा।

(अन्तरक)

(2) श्री विक्रम कपूर हरिरतन कपूर,  
कुंज सोसाइटी,  
अलकापुरी सोसाइटी, बड़ीदा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
स्थायीहित करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमदृष्ट  
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकते हैं।

**सम्बोधकरण:**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय पा किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उसके अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, जिपाते में सूचित  
के लिए;

जमीन और मकान जिसका जारै काम प्लीथ लदेन तक किया  
हुआ है और जिसका कुल मूल्य 2, 15, 000/- रुपए है।

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1985

मोदूर :

बतः बत उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
मैं अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अवधि 3—

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3671/2—अतः मुझे, जो०  
के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1.00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1442 चौ० मी० सर्वे नं० 287 है तथा  
जो अकोटा, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
आंपूर्ण द्वितीय से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे कार्यालय  
बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थवरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थवरमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षण) और अंतरिती  
(अंतरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया था  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, आयकर  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक को  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहीभा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में श्रिविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्री जसुभाई डाया भाई पटेल,  
श्री जसुभाई पूज भाई पटेल,  
आशापुरी सोसाइटी,  
अकोटा, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रमदास जगजीवन दास ठाकर,  
फुटबाल ग्राउन्ड, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बधाय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**सम्झौते:**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया  
है।

### सूचना

जमीन जो अकोटा, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल  
क्षेत्रफल 1442 चौ० मीटर है और कुल मूल्य 2,79,290  
रुपए है।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 16-7-1985

मोहर :

प्रसूप बाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3672/II—अतः मुझ  
मुझे जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-स के वर्धीन संश्लेषणों का यह विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० अकोटा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (आंदर-  
इससे उपावढ़ अनुसूची में आंदर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीशन अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक

29-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विवरण  
करने का कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-  
स्ति (अंतरिति) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विकित में  
प्रत्यक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है;—

(क) अंतरक से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के वर्धीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के व्यवसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन—

(1) श्री पर्णोत्तम दात बी० शाह  
कृष्णकुंज सोनायटी,  
जैनपुर रोड,  
बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री गोविंदपाल मोहन लाल शाह,  
पोरिएंट इंस्टीट्यूट कं०,  
डिवीजनल ऑफिस,  
बड़ौदा।

(अंतरिती)

को यह सूचना आरौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वापेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थापन सम्पत्ति में हितनपूर्ण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पटीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन जो अकोटा बड़ौदा स्थित है जिसका  
कुल क्षेत्रफल 205 च०० भी० है और कुल मूल्य 2,85,000/-  
रुपये है।

जी० के० पंडया  
संस्कृत प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक 16-7-1985

मोहर:

प्रृष्ठ प आईटी.एन., एस.-----

(1) श्री ठाकुरभाई श्री जीवं 3 वी मंगल सोतायटी,  
एसकोटी सोतायटी,  
बड़ीदा।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० के० नागपाल,  
फाइनांस कंट्रोलर,  
हिन्दुस्तान बैंक बावरी लि०,  
बड़ीदा।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 16 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3673/।।।—अतः मुझे  
जी० के० पंड्या,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अकोटा, बड़ीदा है तथा जो बड़ीदा  
में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से अण्डित है), रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के कार्यालय  
बड़ीदा में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
॥16) के अधीन मारीख 29-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीस्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक स्पष्ट से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के विवित हैं  
कमी करने या उसके उच्चने में दूरिता के लिए;  
जोह/था

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या शब्द आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, जिसमें में दूरिता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोइ भी आक्षणे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
युक्त किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी वा  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिणामस्वरूप  
हैं, वही वर्ण द्वारा, जो उस अध्याय से लिया  
जाता है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो अकोटा बड़ीदा में स्थित है  
जिसका कुल मूल्य 16,58,000/- रुपये  
है।

'जी० के० पंड्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 16-7-1985  
मोहर

प्रश्न प्राइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद  
अहमदाबाद दिनांक 17 जुलाई 1985

नि निदेश सं. पी.० आर० नं. 3674/2—अतः  
मुझे, जी० के० पंड्या  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।  
ओर जिवकी सं. बड़ोदा है तथा जो बड़ोदा में स्थित है (ओर  
इसे उत्तराखण्ड अनुसूची में और पूर्ण सैप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर  
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्ननिम्नित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में बास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण हे दूर की बाय की बाब्द वर्त्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की समाजक वै  
दिवित्व में कभी करने वा उससे बदलने वा त्रुटिया  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भूमि वा बन्ध जास्तीकौ  
फों, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27),  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहुए था,, छिपाने वा  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उच्चारा (1)  
के अधीन निम्ननिम्नित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रो जनकन्त लाल मणीलाल कोठारी,  
मेहुल सोसाहटी,  
सुमान पुरा, बड़ोदा ।

(अन्तरक)

(2) चेयरमैन : जे० एम० के० श्वार्टमेंट,  
निर्मल श्वार्टमेंट,  
अलकापुरी, बड़ोदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
सिविल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है :

अनुसूची

जमीन जो गोखा, बड़ोदा में स्थित है जिसका कुल  
मूल्य 2,16,900/- रुपए है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एम.एस. -----

(1) श्री जे० एन० गांधी,  
राम चेम्बर्स,  
सरकारी हाउस के सामने,  
अलकापुरी, बड़ीदा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमिमगो बड़ै छट्टाराम हरजानी,  
ब्लाक नं० 307, राम चेम्बर्स,  
दत्तरोड, बड़ीदा।

(अन्तरिती)

जायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3675/2—अतः मुझे,  
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सभी सम्पत्ति प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. ते अधिक है

और जिसकी मं० राम चेम्बर्स, ब्लाक नं० 307 है जो  
सायामीगंज, बड़ीदा में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूचों  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय  
बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 31-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दावित में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना जाएगा था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

ममृता

ममृत ब्लाक नं० 307, जो अन्नपुरी बड़ीदा में स्थित  
है जिपला कुन थीवेकन 710 चौ० फॉट है और कुन मूल्य  
1,05,000/- रुपए है।

जी० के० पंड्या  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1985

मोहर

प्राप्ति आई.टी.ए.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, प्राथम रोड अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई, 1985

निदेश नं. पी० आर० नं० 3676/2—अतः मुझे,  
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ('जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है'), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय विधिवाली मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी स० लाखावाड़ पटी, है तथा जो नडीयाद  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नडीयाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 27-12-84

जो पर्वोंकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के लक्ष्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथावृत्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
वस्तु के लक्ष्यमान प्रतिफल से, एसे लक्ष्यमान प्रतिफल का पल्ल  
अतिशय से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और असरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा यथा  
प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहेय से उक्त अन्तरण लिखित हैं—

(क) अन्तरण से हूँ फिसी जाय की जात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और  
साथस्थि ये कमी करने या उसने वस्तु में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या कम्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आदेश अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी

(1) 1. श्री कमलासरन दाभाई मंगलभाई  
2. मोहनभाई दाभाई ठाकुर  
सावाल हास्पिटल के पास,  
नडीयाद

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश रमजानीभूषण बारोट  
योगीराज को० ओ० हा० सोसायटी  
रामकृष्ण सोसायटी  
नडीयाद

(अन्तरिती)

जो यह इन वारी करके पर्वोंकृत संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शूँ करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
15 दिन की अवधि या तात्पर्यके व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोंकृत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
द्वय किसी व्यक्ति द्वारा, अधोस्तानी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्ष्यमान द्वय:**—इसमें प्रकृति वस्तुओं और वस्तु का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्याप्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस वस्तुवाले द्वारा  
प्रदान है।

अनुसूची

जो जमीन जो लाखावाड़ पटी, नडीयाद में स्थित है। सब  
रजिस्ट्रार, नडीयाद में 1008 नंबर पर दिनांक 27-12-84  
को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद  
तारीख: 22-7-85  
माहर :

प्र० आइ०.टी०.एन०.एस०.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3677/2—ग्रतः मुझे,  
जी० के० ८५४

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसी में चक्रवाची ता० नडीयाद है तथा जो  
नडीयाद में स्थित है (और इसे उपावद्ध ग्रन्ति और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
नडीयाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 14-12-84

को पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमिट में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

37-226 GI/85

1 श्री मंजुलाभरन नरसाई पांगड़  
दीरसद तह० परिमद  
जिला खेडा

(अन्तरक)

2 श्री उपेन्द्र मजीलाल शाह  
नयनासरन उपेन्द्र शाह  
नडीयाद

(अन्तरक)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
षित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

जी० के० ८५४  
दुल क्षेत्रपत्र 327 दौ० मी० है और युल श्रीमत 2,20,000  
रुपये है।

जी० के० ८५४  
गधम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 22-7-85

मोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, श्रावण गोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निर्देश सं. पी० आर. नं० 3678/I—अतः मुझे  
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कक्षाड़ है तथा जो नडीयाड में  
स्थित है (प्रौढ़ उम्मे उचावद ग्राम्यों में प्रीर पूर्ण रूप में  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नशीयाड  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 11-12-1984

को पर्वतीकरण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मृम्भे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापर्वतीकरण सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
दोनों ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उदाहरण में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में की गयी  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबल, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में से, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सोलोमान मोगरजी मकवाना,  
श्रादर्श सोसायटी, नडीयाड

(अन्तरक)

(2) श्री कान्तीभाई गोगाभाई मकवाना,  
(चेयरमैन) जयप्रभु को० ओ० हा० सोसायटी,  
नडीयाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येष :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय-  
वद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है,  
वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अमृसूद्धी

जमीन जो कक्षाड़ नडीयाड में स्थित है जिसका  
कुल क्षेत्रफल 113.31 चौ० सी० है और कुल मूल्य  
2,02,201/- रुपये है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एम्. एवं प्रधानमंत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

**भारत बारकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

आजन रेज-2, आश्रम रोड, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं. पी० आर० नं. 3679/II—आतः सूचना  
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थापत्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० लाखावाड़ पट्टी है तथा जो नडीयाड़ में  
स्थित है (और इसमें उपावन्द यन्मुक्ति में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ने प्रयोगी के कार्यालय नडीगाड़  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 11-12-1984

को दूर्भाव सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपाल्त का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्वानुमान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कार्यात्मक नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आप को वाल्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन जरूर दर्ज के अन्तरक को  
वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सहायता  
की जिम्मा, आदि।

(ख) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957. (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
वी विश्वास

(1) श्री दीनुभाई परशोत्तम दाम,  
थी मर्नभाई हार्थभाई पटेल,  
चकला, नडीयाड

(अन्तरक)

(2) भारत टी० चौक्सी,  
भारीशार गलोव सीनेम०,  
के०/श्रो० बिनुभाई परशोत्तम दाम,  
सामदी, चकला नडीयाड

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतरन के निष्ठ  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतरन के सम्बन्ध में कोई भी आधेन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्पंचामी व्याप्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यापार द्वारा, अधारस्ताभरी के दास  
सिवित में किए जा सकेंगे।

**प्रष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन और भकान जो लाखावाड़, नडीयाड़ में स्थित  
हैं जिसका सर्वे नं. 3128 है और कुल मूल्य 3,00,000  
रुपये है।

जी० के० पंड्या  
संघर्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
आजन रेज-2 अहमदाबाद

दिनांक 22-7-1985

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण  
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त है—

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस. -----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (१) के वर्णन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, शहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं. पी० आर० नं. 3680/ —अतः मुझे  
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
दृष्टके दृश्वत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा  
269-ग के अधीन उक्त अधिनियम को, जो गया करने का  
कारण है कि स्थाकर सम्पत्ति जिसका उपि. बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कंजी है, तथा जो सा-नाडीयाड में स्थित  
है (और इसमें उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नाडीयाड में रजिस्ट्री-  
करण अनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 13-12-1984

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतर्भूत की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तराह (अन्तरको) और  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) उसे किसी आय या दानी भन या अन्य आस्तमों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उका अधिनियम, या  
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या उक्त ज्ञान नहीं था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
के, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (१)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(१) श्री शामामीण मखुममीयां मलेक,  
कंजरी, सा-नाडीयाड जिला-खेडा।

(अन्तरक)

(२) श्री मणीभाई जावरभाई पटेल,  
श्री गोपालभाई मणीभाई पटेल,  
बोरीशाई, तालुक थाननद।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोइ भी बाक्षेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रदूक्त धार्मों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही  
वर्ज दूर्ग, और उस अध्याय में दिया गया है।

अनुशूची

जमीन जी नडीयाड में स्थित है जिसका कुल मूल्य  
3,00,000 रुपये है और सर्वे नं. 201, 202, 203 हैं  
सब रजिस्ट्रार, नडीयाड में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

मंहर ॥

प्रस्तुप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश मं० पी० आर० नं० 3681/11—अतः मुझे  
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० बोरसद है तथा जो बोरसद में स्थित है  
(और इसमें उपायद्वय अनुपूची में और पूर्ण स्थप से वर्णित  
है) उजिस्टीकर्ता प्राधिकारी के दायांतय बोरसद में उजिस्टी-  
करण अधिनियम 1908 के 1908 का 16) अधीन  
तारीख 13-12-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमें  
प्रतिष्ठित के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिष्ठित से, ऐसे दस्यमान प्रतिष्ठित के पंद्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जीयाभाई कलसीभाई पटेल,  
श्री रामजीभाई भावरभाई पटेल,  
कुज सोसायटी, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री जयनी लाल एक भावसार राजेश टोर्पाके  
वासुभाई नाथभाई पटेल,  
नवरंग सोसायटी, बोरसद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख श  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख श  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोमताक्षरी के पार  
लिहित में किए जा सकेंगे।

**प्रष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अमृतजी

जमीन और मकान जो बोरसद में स्थित हैं जिसका कुल  
धनेवफल 887.24 चौ गज है और सर्वे नं० 465 और  
466 हैं।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

ओमर [३]

प्रस्तुत भाइ, टी.एन.एस. -----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन संघना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3682/2—आद: मुझे,  
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन संघन संघिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि व्याप्रबोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कालोल है तथा जो कालोल में स्थित है  
(आगे इसके उपायद अनुसूची में ग्राम पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्री इर्टा अधिकारी के कार्यालय कालोल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 15-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिशत के निए अन्तरित की गई है और यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रबोक्षत संघत का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाया गया ग्रामी-  
कर्म, निम्नलिखित उद्धरण और उक्त उन्नरण निम्नलिखित मूल्यविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्नरण से इर्टा किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वयमान में कमी करने या उन्हें उपरोक्त मूल्यविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाम अनुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया गया थाहिए था, जिसमें से हीवान  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आय 269-व की अनुवरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की आय 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गालाजी इगराजी ठाकुर  
ठाकुरदास कालोल, जिला महाराष्ट्र।

(अन्तरक)

(2) श्री डाकाभाई अम्बा लाल पटेल,  
पार्श्वतीकर नो० अर० हा० सोसायटी,  
नवजीवन रोड, नडीयाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संघत के अर्जन के निए  
कार्यान्वयन करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
संघन की माझील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जिसकी अधीन  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**बहुकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जी० के० पंडया  
संघन संघिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जी० के० पंडया

संघन प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 अहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1984

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री महेन्द्र अंबालाल पटेल,  
महेन्द्र ओप्टिकल्स लि०,  
गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद मीयां नानामीयां,  
राजपुर, तहो कडी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

का पर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० न० 3683/II—अतः मुझे, जी०  
के० पंड्या,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हे इहूँ  
इसमें पूछाल 'उक्त अधिनियम' कहा जाय है), की धारा  
269-ष के अधीन उक्त अधिनियम को इह विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० राजपुर, तहो कडी है तथा जो कडी में  
स्थित है (और इसमें उपवर्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टी अधिकारी के व्यारालिय द्वारा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 20-12-1984को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य दह विश्वास  
करने का कारण है कि यथार्थवाक्त उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तर्स्ती (अन्तरीक्षों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्णय में वापस्तिवक्त रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दावित्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा के  
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध ने कोइ भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पर हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में  
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जी राजपुर में कडी में स्थित है जिसका कुल  
मूल्य 3.18,083 रुपये है और गर्वे नं० 1525/1 है।जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II  
अहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत वादः दी० ए० ए०

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

उत्तर सूचना

सार्वाधिक, सहायक आमकर आयुर्व (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, आश्रम रोड़  
अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 22 जुलाई 1985  
निदेश सं० आर० पी० नं० 3684/2—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसले पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अन्तीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, विश्वास उचित बाजार  
मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ओर जिसकी में० कड़ी जिला महानाणा है तथा जो कड़ी  
में स्थित है (ओर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप  
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कागदिय कड़ी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 29-12-1984

‘ठो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
अंतरफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
भौद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
लंतरिती (लंतरितीयों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तथ  
आया जाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण  
लंतरित में बास्तविक रूप से कमिल नहीं किया जाया है’—

(क) अंतरण से हृदृ किसी आय की नाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरक्त वे  
काँवस्तव वे कड़ी करने या उक्त वे करने वे काँवस्तव  
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी भन या क्षेत्राद्यों  
को, जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जावा चाहौदे था, जिसने अं  
कुदिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) शीलगरी जयदेव शंकर ठाकुर  
कड़ी नं० कड़ी

(अन्तरक)

(2) दिलीप डी० भूटानी  
श्री सज्जन सान्धेश्वर इन्डस्ट्रीज  
काश लेन, अहमदाबाद।

(अन्दरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन को अधिधि या स्तंसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिधि  
गाद में स्पष्ट होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जसीत जो कड़ी में स्थित है ओर जिसका कुल मूल्य  
2,00,000 रु० है। इस रजिस्ट्रार कड़ी में 2083 नं० पर  
दिनांक 29-12-84 में रजिस्टर्ड को गई है।

जी० के० पंडया  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2,  
अहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--

आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निवेश सं० आर० पी० न० 3685/2—अतः मुझे जी०

के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास द.न०  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म० दुक रिंग

जो सूरत में स्थित है (ग्राम इसमें उत्तर अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी को कार्यालय  
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 20-12-1984

को प्रत्यंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापवेक्षित सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति इतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(1) मेसर्स आर० एल० ड्रेड्स  
भागीदार, रामपिंडि सुन्दर बाम बजाज  
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार आत्म प्रकाश  
निमलियावाड नानपुरा  
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करका है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताभरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर वेने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2,  
अहमदाबाद

अतः इब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
32—226GT/85

दिनांक : 22-7-1985

मोहर:

प्रकृष्ट नाई.टी.एस.एस.-----

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2

आश्रम रोड, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3686/—अतः मुझे, जी०  
के० पंड्या,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3030 सूरत टेक्स्टाइल  
मार्केट, है तथा जो शिंग रोड, सूरत में स्थित है (और  
इसे उत्तरांचल में और पूर्ण स्वप में वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

29-12-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे  
दस्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिस्रीत में बास्तविक रूप में कार्यात  
नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाय्य  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी भन या कान्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय बाय कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती प्रवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सहाय्य  
के लिए;

उत्त: अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवक्तयों अधीक्षित :—

(1) श्रीशोक्त कुमार मोहनलाल  
मुख्य मार्ग, सूरत।

(अन्तरक)

(2) रेहाना सिल्क फेनीक्स,  
सोनीवाड, सूरत।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्समांती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षमारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर भंपत्ति में हितवृष्ट  
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण :—इसमें प्रयुक्त हब्डों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत  
में 10785 नंबर पर दिनांक 29-12-1984 को रजिस्टर्ड  
किया गया।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

मोहर :

प्रकल्प नामः डी.एस.एस.

(1) सतपाल मोहनदार जी,  
अठवा लाइन्स, सूरत ।उक्त अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भाषा  
269-व (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) मै. वेलीचन्द मीथालाल एड कं.  
नेवाचवाडी, बेगमपुरा ।

(अन्तरिती)

वार्षिक वार्ता

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निर्देश सं. पी० आर० नं. 3687/II—प्रत: मुझे जी०

के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो भाषा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं. दुकान नं. ई-1318, सूरत टेक्सटाइल  
है तथा जो मार्किट सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 19-12-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुदुष्ट निश्चित में वास्त-  
विक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है—को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त रापति के अज्ञन के तरीके  
कार्यवाहियां करुता है ।

उक्त संपत्ति के अर्चन के संबंध में कोई भी वाक्य —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंग-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।(३) अंतरक ने हृष्ट किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने की अंतरक ने  
व्यक्तियों में किसी करने वा उद्देश्य बदलने में सुविधा  
के लिए, शारीरिक

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत  
में 10628 नंबर पर दिनांक 19-12-1984 को रजिस्टर्ड  
की गई है।(४) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर  
व्यक्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आवृत्त था छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० के० पंडया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

उक्त अधिनियम की भाषा 269-व की उपभाषा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति ॥

दिनांक : 22-7-1985

माहूर ३

**सूचना बाटु, भी. प्रध. अधिकारी**  
**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**धारा 269-व (1) के अधीन सूचना**  
**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
 प्रर्जन रेंज-2  
 आश्रम रोड, अहमदाबाद  
 अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं. पी. ० आर० नं. 3688/2—अतः मुझे, जी. ०  
 के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (‘जिसे इसमें इसके विवाह ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है’), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. दुकान नं. आर-2100 रिंग रोड तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908<sup>1</sup> (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरान प्रतिफल के सिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि वथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरान प्रतिफल से, ऐसे दूसरान प्रतिफल का अन्तरिक्ष प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी ताय की बात, उक्त अधिनियम की अधीन कर हैं और अन्तरक के द्वितीय में कली छाने वा उद्देश्य द्वारा दूषित के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी ताय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय व्याप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में अविभावक के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तराज में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णता :—

(1) कुंदन मल भीकम चन्द जैन  
 सूरत, विकासनगर तोसायटी।

(अन्तरक)

(2) रचना एन्टरप्राइजेम  
 देवीदयाल टहेलराम भारत रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाचीयों पर उत्तर करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमदानी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में सामान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु विकासनगर द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रतिकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रापित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 10558 नंबर पर दिनांक 17-12-1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी. ० के० पंडया  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
 प्रर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत नाइट.टी.एन.एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2

आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3689/II—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० बी-2329 लिंग रोड है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने वाला कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व वायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/मा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत :—

(1) मे० विवारिया ट्रेडिंग कं।  
जी० जी० विवारिया, रसतमपुरा।  
सूरत।

(अन्तरक)

(2) रोहितकुमार ग्रांतिलाल शाह  
श्रीठाना लाइन्स, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के उचपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिशः

(ल) इस सूचना के उचपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय सम्पत्ति में हितदृश्य छिपी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोग्रहस्ताक्षरी के पास तिलिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नमूदूर्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में दिनांक 15-12-1984 में 10537 नंबर पर रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

मोहर :

प्रस्तुति दृष्टि, एवं एवं  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

**सारद बट्टार**  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2,  
आश्रम रोड, अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निवेदण सं० पी० आर० नं० 3690/II—अतः मुझे, जी० के० पंड्या;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सूचना अधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित वापार मूल्य 1,00,000/- रु. के अधिक है

और जिसकी सं० मजुरा, सूरत आर० एस० नं० 658 वी-2 है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को एवं उक्त सम्पत्ति के उचित वापार मूल्य से कम के अधिमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और यह कारण को कारण है कि अधिकारी अधिनियम के अधीन सूचना के अनुसूची के अनुसार उक्त सम्पत्ति का उचित वापार मूल्य, उसके अनुसार प्रतिफल से, ऐसे अधिमान प्रतिफल का प्रदूषण से अधिक है और अवश्यक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त वापारण लिखिए भौं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(अ) अन्तरण है है किसी वापार की आय, उक्त अधिनियम की वसीय कर देने के अन्तरक वापिस्तम्भ में वसीय करने या उक्त वापार में वृद्धिया की नाही; और/या

(ए) ऐसी किसी वापार या किसी धन या अन्य आस्तीय की वित्ती भारतीय वापार कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृष्टारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, लिपाने में लुप्तिका के लिए;

अस० अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचण में, दृष्टि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविकायों, अर्थात् ।—

(1) श्री धनगांगीबहन चिमनलाल कालीदाम  
महेन्द्र चिमनलाल इन्द्रवदन चिमनलाल  
भूपेन्द्र चिमनलाल नरेन्द्र चिमनलाल  
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) स्वामी धनयज्ञनगर को० ओ० हा० सोमायटी,  
घोडदोड रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए कार्यवाहीयां शुरू करता है ।

**उक्त सम्पत्ति के वर्तन के संबंध में कहें भी आवेदन :**

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्वमन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हिस्से विकास की अन्तरिती दृष्टारा, अभिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रष्टोकरण —**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सभ रजिस्टर सूरत में 6792, 9803, 9804, 9805 और 6788 नंबर पर दिसम्बर 1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 22-7-1985

मोहर :

प्रृष्ठ पाँच टी. एन. एस. -----

(1) शंकरदाम जे० मेघलाली

चरनी रोड बम्बई ।

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तर्गत)

(2) फगवान एन० सलवानी

कक्षड मार्केट, कालसादेव रोड, बम्बई ।

(अन्तरिती)

साहस्र रुपयां

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

ग्राममार्ग रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3691/II—अतः मुझे, जी०  
के० पंड्या,ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
आवरण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० दुकान नं० 9 उमरवाडा है तथा जो  
सूरत में स्थित है (और हमसे उपावढ ग्रन्तमूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 31-12-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और ऐसे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उपरोक्त से उक्त अन्तरण  
निम्निकत में वास्तविक रूप से कीदत नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुए किसी आय की आवस्त, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कीमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

अनुमूलो

(ख) एसी कीमी आय या धन या अन्य आस्तीनों  
को, जिन्हें भान्नीज ग्रामकर निर्भयन, 1922  
(1922 का 11) ए उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के ग्रोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था वा किया गया आस्तीन  
निम्निकत के लिए:मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत  
में 4241 नंबर पर दिनांक 31-12-1984 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।जी० के० पंड्या  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबादअतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

दिनांक : 24-7-1985

मोहर :

प्रकाश नाई.टॉ.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर वालुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2

आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3692/II—अतः मुझे, जी० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापत्र सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीजिसकी सं० दुकान नं० 9-2243, सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीजिस उपाधिका अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-12-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दरेष्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वालिक वाली बदले या उक्त वाले वाले में त्रुष्णा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शाखनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती पुकारा इकट्ठ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाते ही त्रुष्णा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० न्यु के० जी० शीरीष टेक्सटाइल  
बी० एन० पटेल स्टेशन नजदीक,  
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) जिन्दल सिल्क मिल्स  
सूरत टेक्सटाइल मार्किट,  
रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त व्यक्ति के वर्तमान के कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण्प :—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्समानी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विलिखित में किए जा सकेंगे ।

**त्रुष्णीकरण :**—इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के व्याय 20-क में पर्याप्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ॥

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 10835 नंबर पर दिनांक 18-12-1984 में रजिस्टर्ड किया गया है ।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 24-7-1985

माहर :

प्रकाश नाहे, टौ. पुन. पस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### तात्पूर लक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० भार० नं० 3693/II—अतः मुझे जी०  
के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा  
269-व के अधीन सभीम आयकरी और वह विश्वास करने का  
आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. ते अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1114, सूरत है तथा जो  
रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के  
कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 7-12-1984

को पर्वतिकरण संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से जब के अवश्यक  
प्रतिक्रिया वह लिए अंतरित की गई है वारे मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथावृत्तिक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवश्यक प्रतिक्रिया से, ऐसे अवश्यक प्रतिक्रिया का  
पर्वतिकरण से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती  
(अंतरितिवारी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
क्रिया, जिन्नलिवित उद्देश्य से उक्त बन्तरक निवित में बालादिक  
का से कठित नहीं किया जाता है ।—

(क) बन्तरक से हूँ हूँ किसी बाय की बाबत, उक्त  
प्रतिक्रिया के अधीन कर देने के बन्तरक के  
प्रतिक्रिया में कोई करदे वा उक्त बन्तरक से बृद्धिका  
के लिए; वारे/वा

(ख) पूँछी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिमो  
को जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
एवं एवं अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अवश्यक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
नियमों के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुकरण  
में, वै, राज्य अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, अन्तरितिक स्वितियों, अर्थात् :—

(1) अन्य दीपक एस्ड को  
बाढ़ा चढ़ा सूरत।

(अन्तरक)

(2) विमल मिल्क मिल्य  
मुनारदेवी, आहवा लाईन्स,  
सूरत।

(अन्तरिती)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवधारणा के लिए  
कार्यालय द्वारा बुक करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में ब्राकाशन की तारीख वे  
45 दिन की अवधि द्वारा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
तृप्ता की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधीष द्वारा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी अवधि इत्याः

(ख) इस सूचना के राजपत्र में ब्राकाशन की तारीख वे  
45 दिन के भीतर उक्त स्थापत्य अधिकारी में हितवत्तम  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभारी के पात्र  
तिवित में लिए जा सकों।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में वर्णित हैं,  
जहाँ शब्द हैं, ओ उस अध्याय में विद्या गया

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है, मव-रजिस्ट्रार, सूरत में  
10303 नंबर पर दिनांक 7-12-1984 को रजिस्टर्ड  
की गई है।

जी० के० पंड्या  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयदाता (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2,  
अहमदाबाद

दिनांक : 24-7-1985

मोहर :

प्रैरुप बाई. टौ. इन. एल. -----  
 जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 भारा 269-व के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-2  
 आश्रम रोड, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1985  
 निवेश सं० प० आर० न० 3694/2—अतः मुझे जी०  
 कै० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने  
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है  
 और जिसकी सं० दुकान न० 1286 सूरत टै० मार्केट है  
 तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुमूली में  
 और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय  
 सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन तारीख दिसंबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छवमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके छवमान प्रतिफल से एसे छवमान प्रतिफल का  
 पढ़ह उत्तिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया  
 प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
 वास्तविक रूप से कार्यात नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आदि की बाबत, उक्त  
 नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
 कमी करने या उससे बचने में सहिता के लिए;  
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहिता  
 के लिए;

अतः इब्ब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मे० जीवनलाल एण्ड सन्म  
 आर० जे० माजदीया तीमरी गली  
 वम्बई ।

(अन्तरक)

(2) महेन्द्र फतेहलाल संघवी  
 45-शांतिनिकेतन, सोसायटी, सूरत ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर  
 सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि आदि में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षर्य:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
 हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुमूली

मिलकत जो सूरत में स्थित है सब रजिस्ट्रार, सूरत  
 में 9306 नम्बर पर दिनांक 10-12-1984 को रजिस्टर्ड  
 की गई है।

जी० कै० पंड्या  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)  
 अर्जन रेजII, अहमदाबाद

दिनांक : 24-7-1985

प्राहर :

प्रसाद वार्षी, डी. परम एवं अन्य लोगों

**भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 45 वां  
कानून 269-व (1) के विवेच सुनवा**

प्राचीन दर्शन

कार्बोलय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2

आश्रम रोड, अहमदाबाद

અહમદાબાદ, દિનાંક 24 જુલાઈ 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3695/2—अतः मुझे जी०  
के० पंड्या

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत  
269-के अधीन सभी प्राधिकारी को मत विस्तार करने का  
आशंका है कि स्थानीय विधान चिह्नित बाजार भूमि  
1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी मं० दुकान नं० 2311 है तथा जो रिंग रोड  
सूरत में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुभूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 10-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ऊंचाई है और मुझे यह विश्वास करने का बाहरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पृष्ठभूमि प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हूँ किसी भाव की बाबत, उन्नत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तररक के कायदित्व में कली ऊरते थे उसमें व्यवस्था के लिए क्षेत्र/ग्रा

(४) एसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आर्थिक  
को चिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बदलकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रवोचनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किबा जाना चाहिए था, छिपाने में  
शुद्धिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 239-ए के अनुसरण  
में, वह, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- ( १ ) लक्षिताब्देन वैजीलाला नानावटी  
 १०/४२ बी० एम० पहीता फोटो प्राकसं  
 गली छोटा, जिला,  
 सुरत ।

( भ्रात्तरक )

- ( 2 ) कान्ती लाल उत्तमराय दासवाला  
सग्रामपुरा, सूरत ।

(अन्तरिती)

को वह मृत्यु बारी करके पूर्णस्त संपत्ति के अवज्ञन के द्विषय कार्यबाधियाँ करता है ।

ਤਕਤ ਸਮੱਸਿਆ ਦੇ ਅਰਜਨ ਵਿੱਚ ਵਾਂਗ ਮੁੰਡੋਂ ਭੀ ਆਖੋਧੇ :—

- (क) इस सूची के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूची की दासीत ऐसे 30 दिन की अवधि, जो अग्रिम बात में समाप्त होती हो, के भीतर पढ़ने वाले व्यक्तियों द्वारा से किसी व्यक्ति का गाय:

- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वास्थ्यकरण**—इसमें प्रधानत जन्मदो और पत्नी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में मध्य परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

四百三

मिलकियन जो भूरत में स्थित है, ग्रेजिट्रार सूरत में 10118 नंबर पर दिनांक 10-12-1984 से रजिस्टर्ड की गई है।

तीर्त्थ तीर्त्थ तीर्त्थ  
महाप्रभुतिरुदी  
महायक यथकर आनंदन (निरोपग्र)  
अर्जन रेज-२, कालमन्दाबाद

दिनांक : 24-7-1985

मोहर

इस्यु बाई.डी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2

ग्राथम रोड, ग्रहमदावाद

ग्रहमदावाद, दिनांक 24 जुलाई 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3696/2—प्रतः मुख्य जी०  
के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन ग्राथम ग्रहमदावाद को यह विश्वास करने के  
लिए इसमें किए गये सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. रु अधिक है

और जिसकी सं० द्वितीय नं० 24 है तथा जो उमरवाडा  
सूरत है तथा जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष  
ग्रन्तुसूची में और पुर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी  
के कार्यालय मुगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 31-12-1984

को पूर्णस्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के राज्यवाल  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि ग्राथम ग्रहमदावाद प्रतिफल का  
मूल्य उसके राज्यमान प्रतिफल है, एवं इसवालन प्रतिफल का  
एक ही प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए यह  
तात्परा यथा प्रतिफल, विमलिषित उद्देश्य से उक्त अंतरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कर्तव्य नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं० 24 निकटी बाजार को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दिये हैं अन्तरक के  
वायिक्य में किसी कर्तव्य या उसके अंतरें में सुविधा  
वा नियम नहीं की गयी।

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वायिक्यों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उसके  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाम अन्तराता द्वारा प्रक्र. नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, जिसके में सुविधा  
के लिए,

जस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिक्यों, अर्थात् :—

(1) श्यामसुन्दर मरोज एन्ड सन्स  
के०/श्री० वालीसरन रामजीवन  
महींद्रपुरा, सूरत

(अन्तरक)

(2) वालीसरन रामजीवन  
के०/श्री० मूलचन्द दास नारायण  
सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णस्ति सम्पत्ति के अंतर्गत के विषय  
कार्यवाहियाँ करता है :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाबत में इमारत होती है, के भीतर पूर्णस्ति  
अविक्तियों में से किसी अविक्त इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हितवृष्टि  
किसी अस्थ अविक्त इवारा वधोहस्ताक्षरी के पाल  
लिखित में लिए जा सकते।

**रजिस्ट्रेशन:**—इसमें प्रयुक्त सम्बांधी और पद्धते का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वही अर्थ होगा जो उस वायिक्य में लिया  
गया है।

ग्रन्तुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है  
सब-रजिस्ट्रार सूरत में 10998 नंबर पर दिनांक 31-12-  
1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-2, ग्रहमदावाद

दिनांक : 24-7-1985

मोहर :

प्रकृष्ट शार्द. टी. एन. इल. —————  
**जावकड़ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-2  
 आश्रम रोड़ अहमदाबाद  
 अहमदाबाद, दिन 24 जुलाई 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3697/2—अतः मुझे जी०  
 के० पंड्या,  
**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 69, 101 में 106 है तथा  
 जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में  
 और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
 सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
 के अधीन तारीख 20-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दब्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दब्यमान प्रतिफल से, ऐसे दब्यमान प्रतिफल का  
 पन्थाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तराल के लिए तब  
 पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तराल  
 निर्दिष्ट भौं वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है है—

(क) बकाउ के हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वै  
 दायित्व वा कमी करने पा नससे बजारे में लूपिता  
 के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी बाय पा किसी धन 20 अन्य आस्तियों  
 को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
 प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था  
 वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिता  
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुसरण  
 में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपभारा (1)  
 के अधीन, निम्ननिर्दिष्ट व्यक्तियों, वर्तात।—

(1) उन्डो प्रोफेसिव इंजीनियरिंग प्रा० लि०  
 घडिदाड रोड़ सूरत।

(अन्तरक)

(2) हिरालाल गुलाबचन्द  
 2147 ब्रैटेमटाईल मार्कीट,  
 सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियाँ चलाता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धु  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जाहोहस्ताधरी के पास  
 निवित में किए जा सकते।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रदूषक सम्बों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही वर्ध डोल जो उस अन्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

मिलवियत जो सूरत में स्थित है सब रजिस्ट्रार, सूरत  
 में 10651 नंबर पर दिनांक 20-12-1984 वो रजिस्टर्ड  
 की गई है।

जी० जे० पंड्या  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 24-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन., एवं -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269-ब (1) के अधीन मध्यना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृत्त (विरोधालय)

अर्जन रेंज II,

ग्रहमदावाद, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निदेश सं० पी० आरा० नठ० 3698/II—श्रतः मुझे जी०  
के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पालामूख 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ब के अधीन मध्यना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ज्लाट नं० 18, ज्लाट नं० 23-ए, है, तथा जो  
उद्दीपना, सूरत में स्थित है (और इसमें उपापद अनुसूची में और जो  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 21-12-89

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने वाला कारण है कि नक्षेभूमि अनुसूचित के उचित बाजार  
मूल्य, दण्डक दृश्यमान अनुसूचित दृश्यमान प्रतिफल के  
एवं उत्तिश्छत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिकी (अन्तरिकीयों) के बीच प्रयुक्त अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, अनुसूचित उद्दृश्य वै उक्त अन्तरक  
निवेदन से बास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हाइ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कार दैने के अन्तरक वै  
दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मासितयों  
को विन्हृ भारीय आवृत्त अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी दृवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, उपनामें में सुविधा  
के लिए;

बता जब, उक्त अधिनियम की धारा 219-ग के अनुसर  
में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा "(1)  
के अधीन, विमलिष्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. जयबद्धमुख लाल पटेल,  
सिंदेश्वरी,  
सूरत ।

(अन्तरक)

2. मूल चन्द्र भाई, शंकर भाई अमीन,  
मीरा नगर, सोसायटी,  
17- माया नगर सो० घोड- डोड रोड  
सूरत ।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोहै भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
4.5 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
विनायों में से किभी व्यक्ति द्वारा,

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यदध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
तिविष्ट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### मूलभूत

मिलकियन जो सूरत में स्थित है। यह रजिस्ट्रार मूलत में  
10688 नम्बर, दिनांक 21-12-1984 में रजिस्टर्ड की  
गई है।

जी० के० पंडया  
मध्यन प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (विरोधालय)  
अर्जन रेंज, ग्रहमदावाद

दिनांक 24-7-1985

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3699/II—यतः मुझे,  
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6ए, आठवा नाईन्स है, तथा जो  
सूरत में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकेशन प्राधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ईंटि के अधीन नारीख 15-1-84  
को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल के  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निमित्त में वास्तविक रूप से कीचित नहीं किया गया है :—

(1) जैलसं, श्रार्टमेन्ट,  
तमलीयावाड़,  
नानपुरा,  
सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री नितिनभाई जयंतीलाल,  
11, विपुल रीफ्टी रोड,  
बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी वास्तेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाल  
नियित में किए जा सकें।

**स्वाक्षरणः—**—इसमें पद्धति शब्दों और वदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही वर्त्त होगा, जो उस अध्याय में दिया जाय  
है॥

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने था उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

अनुसूची

मिलकत जो मूरत में स्थित है। 37-ईंटि का फार्म इस  
कार्यालय में 15-10-1984 में पेश किया गया है।

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या जम्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में  
के किए;

जी० के० पंड्या

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अतः धब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के आदि. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 24-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्ज. रेज-II,

अहमदाबाद दिनांक 29 जुलाई, 1985

निवेश सं० पी० आर० न० 3700/I—अतः मुझे जी०  
के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा  
269-व के अधीन सकारा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4-ई है, तथा जो आठवां लाइन,  
सूरन में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) (रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 3-ई के अधीन दिनांक  
15-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परीक्षा का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का  
प्रदूष प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ-ई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के हाविल  
में कही करदे या उक्त बच्चे में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बासितयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किसी जाना आहुए था, छिनाने में सुविधा  
के लिए;

बहु: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—

1. ज्वैलसा अपार्टमेन्ट,  
स्वांति अपार्टमेन्ट,  
नानपुरा,  
सूरत ।

(अन्तरक)

2. मिसिम सुशिला सरन, शरद भाई,  
ए, नानपुरा,  
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों द्वारा  
सूचना की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताशरी के पाल  
लिखित में किए या सकेंगे।

**लक्ष्यक्रम:**—इसमें प्रदूषत वस्त्रों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवर  
गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 3-ई, फोर्म यह  
कार्यालय में 15-10-1984 को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या,  
मकान प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II,  
अहमदाबाद,

दिनांक 24-7-1985

मोहर :

इन्हें लाइन टॉ.टॉ.एच.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3701/I—यतः, मुझे,  
जै० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं फ्लैट नं. 5-बी, पारले प्लॉइंट है तथा जो  
सूरत में स्थित है (ग्रोर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 37-ई के अधीन  
सारीख 15-10-1984

नो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रख्यमान प्रतिफल से, ऐसे रख्यमान प्रतिफल का  
पैदूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उत्तरेश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(ii) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हट्टे वै विवरण वै  
वासित में किसी कठुने का उक्त वै विवरण में छुपिया  
वै निष्ठ; कठु/वा

(iv) एंसी किसी आय का किसी भूमि वा वस्तु वासितियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
एवं एवं किया जाना आवश्यक था, छिपाने में संविधा  
के लिए;

**अनु:** अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-वी की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अधोन—  
40—226 CT/85

(1) ज्वलर्म अपार्टमेन्ट को-ओ० हाउसिंग सोसायटी,  
आठबां लाईंस,  
सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर सुशील चौकसी,  
जै० एस० चौकसी,  
सुमंगल अपार्टमेन्ट्स,  
बम्बई-6 ।

(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर<sup>1</sup> वृच्छा की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों वै वै किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में द्वितीय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निषिद्ध में किए जा रहेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
करा है।

अनुसंधी

मिलक्यत जो सूरत में स्थित है। 3-ईई, कार्म इस  
कार्यालय में दिनांक 15-10-1984 में पेश किया गया है।

जी० के० पंडया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 24-7-1985

मोहर :

खण्ड चाहौंटी, पट. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ए(1) के विवेक दृष्टि

प्राप्ति आयकर

फार्मलिंग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3702/I—अतः मुझे जी०  
के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसमें पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा जवा है), की  
भारा 269-ए के अधीन उक्त आयकरी को, उक्त विवेक करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाचार भूमि  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गोपीपुरा वार्ड नं० 1 है, तथा जो सूरत में  
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से  
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 18-12-1984

को उक्त सम्पत्ति के उचित वाचार भूमि से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए, अंतरिक की गई है और मूले यह विवेक करने का कारण है कि इया-  
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार भूमि, उसके इयमान प्रतिफल से,  
ऐसे इयमान प्रतिफल का पूर्व प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अंतरिक्तियों) के बीच इसे  
अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, जिसकीविवृत उत्तरेय  
से उक्त अंतरण मिलित में वास्तविक रूप से की जाती नहीं किया  
जवा है :—

(क) अन्तरण ते हुए किसी जाय की वाचात, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में करी करने या उससे अथवा में उचिता  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी जाय वा किसी भूमि वा कार्यालयों  
वा चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या इन-  
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रावेदनार्थ अंतरिक्ती व्याचार प्रबृत्त नहीं किया जवा  
या वा किया जाय जानकारी ना, किन्तु जो उचिता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण  
में, जैसे, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री नवीन चन्द्र सालुभाई झेवेरी  
निशा अपार्टमेन्ट,  
गोपीपुरा,  
सूरत ।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश अमरचन्द झेवेरी,  
मातृ-आशीष को-ऑप० हा० सोसायटी,  
सूरत, गोपीपुरा ।

(अन्तरिती)

जो यह दृष्टि वारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपरूप के किये  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के उपरूप के सम्बन्ध में कोई भी वालों :—

(क) यह दृष्टि के उपरूप में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि वा उत्तममात्री व्यक्तियों पर दृष्टि  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
याद वे उपरूप होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) यह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त दृष्टि संपत्ति में हित-  
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी वा  
पाल लिखित में किए जा सकते ।

**लक्षणांकन :**—पूर्वोक्त वाचो वार्ता वा, जो उक्त  
अधिनियम के उपरूप 20-ए में परिवर्तित है, वही वर्ते होता जो उक्त उपरूप में किया  
जवा है।

मूलसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में  
10598 नम्बर पर दिनांक 18-12-1984 में रजिस्टर्ड किया  
गया है।

जी० के० पंड्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 24-17-1985

मातृहर :

उच्च नाइटी.टी.एन.एल. -----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की**  
**भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना**

भारत लड़कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (नियोजन)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई, 1985

निवेश सं. पी० आर० नं० 3703/II—अतः मुझे नी०  
के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उच्च अधिनियम' कहा जाता है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास नहर का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आठवां लाईन्स, है, तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसंबर,

1984

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अभे यह विवास कहने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के शीघ्र एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण उचित में वास्तविक रूप से किया जाता है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी बाय की बाबत उच्च अधिनियम के अधीन कर दने के अनुरक्त के लाईल दें कही कही या उक्त बन्दे में सूचित वे लिए गैर/वा

(ख) एसी किसी बाय का किसी भन या बन्द आस्तियाँ को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-वार्ष अस्तित्वी हुआय प्रकट नहीं किया जाय तो वा वा किया जाना चाहिए या कियाये वे सूचित के लिए

उत्तर: बहु, उच्च अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग (१) उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधारूः—

1. श्री मत्तीश चन्द्र जयन्ती साल जाई  
गोपीपुरा,  
सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री छाटु भाई गुलासी भाई, देसाई,  
महीधरपुरा, (स्वप्न लोक को-भाप० हा० सोसायटी  
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्णकृत संपत्ति के बर्बन के लिए कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उच्च सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेषु—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यालियों पहले सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त ग्राहक समाजिक में हितवद्धु वित्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पाल लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 7145 नम्बर, पर दिनांक दिसंबर, 84 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (नियोजन)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 25-7-1985

मौहर

इक्षु भाई, टॉ. एम. एड. -----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत क्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई, 1985

निवेद सं. पी० आर० नं० 3704/II—अतः मुझे जी  
के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पदार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आठवां विस्तार, 1476/वी है, तथा जो सूत में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का बाबत है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके बृहानान प्रतिक्लिन है, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्लिन का प्रतिक्लिन से प्रतिक्लिन है और बाबरक (ब्रह्मदौ) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरित के लिए तथा पाया गया प्रतिक्लिन, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अनुसरण निवित में वास्तविक रूप से उचित बही किया गया है।—

(ए) बन्तरित से इसे किसी बाब की बाबत, अवधि अधिनियम के अधीन कर देने की बन्तरित के बायित्व में कमी करने या उससे बाहर में सूचित न होगा; प्राई/वा

(फ) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के मान्यता के लिए; और/वा

बता गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५—

1. श्री नितिन भाई, रजिस्ट्र शास्त्री,  
काली माता की शेट्टी,  
सग्राम पुरा,  
सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री मनसुखभाई लाल भाई,  
उमरा,  
तहू सारंदिली,  
जिला-सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब भी समाप्त होती हो, वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति इवाय;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, उन्ही अर्थ होंगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

मन्त्री

मिलकल जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 4078 नम्बर पर दिसम्बर, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 25-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत वाइटी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3705/I—अतः मुझे, जी०  
के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० आफिस नं० 517, डायमन्ड हाउस है, तथा  
जो सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37ई के अधीन  
दिनांक अक्टूबर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दूसराने के दूसराना प्रतिफल का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, ऐसे दूसराना प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्घोष्य से उक्त अन्तरण लिखित ग्रे  
भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(ए) अन्तरण है इसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

1. मै० जे० एम० सी० और मेघानी बिल्डर्स,  
जवेरी बाजार,  
बम्बई-२।  
(अन्तरक)
2. प्रियवदन दलाल और कंकुल पी० दलाल,  
२३, दुर्गरशी रोड,  
बम्बई।  
(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप नहीं—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्प्रवर्त्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय  
वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्याय २०-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### पृष्ठांती

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। ३७ई, कार्म यह  
कार्यालय में दिनांक १५-१०-१९८४ को पेश किया गया है।

जी० के० पंड्या  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज-II अहमदाबाद

दिनांक : 25 7-1985

मोद्दुर :

ब्रह्मपुर काइं, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, प्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 25 जुलाई 1985

निदेश सं. पी. आर. नं. 3706/II—अतः मुझे, जी. ०  
के० पंड्या,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आफिस नं. 518, डायमन्ड हाउस है, तथा जो  
सूरत में स्थित है (और इससे उपावन्द ग्रन्तियाँ में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रहमदाबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक अक्टूबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव  
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल का  
पन्द्रह अधिकारी से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती  
(बंतरितीयों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
करण, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त व्यक्ति निर्हित में भास्त-  
्रक रूप से कठित नहीं किया जाता है :—

(१) अंतरक दे छाई किलो वाली बाल की व्यवहर उक्त व्यक्ति-  
नियम के अधीन कर देते हो व्यक्ति के व्यक्तित्व से  
अल्ला करने वा उक्त व्यक्ति दे दीक्षा के लिये;  
और या/

(२) एंसी किलों वाल या किलो धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से  
उपर्योगी अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया जा  
ता या किया जाना चाहीए था, जिसने वे दूसरा  
नी लिया;

वर. वड., उक्त अधिनियम की भारा 269-व की, अनुसार  
हैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपावारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, वर्ता :—

1. मैं० जे० एस० सी० एण्ड मेघाडी बिल्डर्स,  
223/225, जयरी बाजार,  
बम्बई-2।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सतीश सी० शाह  
114, केवल इन्डस्ट्रियल इस्टेट,  
बापत मार्ग,  
बम्बई-1/85-86

कि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के जिन  
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तित्वों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वहन फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, व्योहस्ताकारी वा  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षण :—इसमें प्रयुक्त हजारों और पदों का, या इसमें  
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उस अन्याय में दिया  
गया है।

### मन्त्रालय

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। 37ई का फोर्म यह  
कार्यालय में दिनांक 15 अक्टूबर, 1984 को पेश किया गया

जी० के० पंड्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, प्रहमदाबाद

दिनांक : 25-7-1985  
मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई, 1985

निर्देश सं० पी० आरा० नं० 3707/II—प्रतः मुझे,  
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० बराच्छा रोड कनारगाम, है तथा जो सूरत  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में काँथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री डाह्या भाई दानजीभाई  
श्री ठाकरणी भाई, करमशी भाई,  
बी-7, गणेश कालोनी,  
सूरत ।

(अन्तरक)

2. श्री केशरी एकसपोर्ट,  
भागीउदार, बामजीभाई पटेल,  
पराच्छा रोड,  
सूरत ।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुमूली

मकान जो सूरत स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में  
8586 नम्बर पर दिनांक दिसम्बर, 1984 में रजिस्टर्ड किया  
गया है।

जी० के० पंड्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 26-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत आइ० टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्ति)

अर्जन रेज-II, श्रहमदावाद

श्रहमदावाद, दिनांक 26 जुलाई, 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3708/II—अतः मुझे  
जी० के० पंड्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पांडेसरा, जी० आई० डी० सी०, विस्तार,  
तथा जो पांडेसरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाखण अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 5-12-1984

को पृष्ठेकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए उन्नतिरत की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ववृत्ति तथा अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स योगानन्द, टैक्सेटाइल,  
प्रचंना, उद्योग नगर,  
सूरत ।

(अन्तरक)

2. श्रीराम उद्योग प्रा० लि०,  
सलसतपुरा,  
सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लाट जो पांडेसेरा सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार  
सूरत में 10289 नम्बर, पर दिनांक 5-12-1984 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

जी० के० पंड्या,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्ति)  
अर्जन रेज-II, श्रहमदावाद

दिनांक 26-7-1985

ओहर :

प्रस्तु. बाई. टी. एम. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत उत्तराखण्ड  
कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 जुलाई 1985

निर्देश सं. पी० आर० नं. 2709/II—अतः मुझे, जी०  
के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. मकान 850 वर्ग फुट है, तथा जो सूरत  
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

15-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थगमन  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके स्थगमन प्रतिफल से एसे स्थगमन प्रतिफल का  
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहिकायें  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

गट: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

41—226 GI/85

1. श्री भवानी प्रसाद अग्रवाल  
अृपिंशु अपार्टमेन्ट्स,  
दिवाली बाग,  
सूरत।

(अन्तरक)

2. मोहम्मद इस्माईल, प० रोहणी,  
मुंगलीसरा,  
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन ले ला  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के बचन के संबंध में कोई भी वाक्येष :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख 15  
45 दिन की अवधि या उससे अधिक अवधि पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इब सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निलिख में किए जा सकें।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान जो सूरत में स्थित है। मत्र रजिस्ट्रार सूरत में  
10536 नम्बर पर दिनांक 15-12-1984 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 26-7-1985

मोहर :

प्रकृत बाइ. टी. एव. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

बाहुदत बहुकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आवृत्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विमांक 26 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3710/2—यतः, मुझे,  
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बालाजी रोड है तथा जो सूरत में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख  
3-12-1984

के पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विवास  
करने का कारण है कि इष्टवैक्षणिक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रांतशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरक्षे) और अंतरिर्ली  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पावा वया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित व  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण वे हूँ किसी जाय की बाहुदत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिक भौं करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी भूं या अन्य आवृत्तियों  
को विन्है भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने वे  
सुविधा के लिए;

वर्ता: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण  
भौं, या, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
वे अधीन, निम्नलिखित आवृत्तियों, वर्ता भौं.

(1) श्री कुमुदेन कान्तीलाल जागरिया  
बालाजी रोड सूरत।

(अन्तरक)

(2) सैरू जेम्स  
शांतिमिकेतम सोसायटी, मुमुलाडेरी रोड,  
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्येण —

(क) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बढ़ीया तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी बढ़ीय बाब दै दबावद छोटी है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति वै हिर-  
बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा बधेहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**स्वाक्षरता :**—इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के वाचाय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ध होगा जो उस वाचाय में विद्या  
एवा है।

### मन्त्री

मकान जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में  
10220 नंबर पर दिनांक 3-12-1984 [में] रजिस्टर्ड  
किया गया है।

जी० के० पंड्या  
मकान प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 26-7-1985

मोहर

प्रस्तुप आहै, टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद.

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1985.

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3711/II—यतः, मुझे,  
जी० के० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 46 भोलाव है तथा जो जिला भर्त्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, भर्त्ता  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 14-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-  
रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हटाई किसी वाय की बावत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) एसी किसी वाय या किसी धन या बन्य आस्तियों  
को छिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भ्रमकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना लाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पन्ना लाल त्रिकमलाल शाह  
श्री योगेश पमालाल शाह  
बनेकपोर, तिंता: जगड़ीया  
जिला भर्त्ता।

(अन्तरक)

(2) गीताकुंज को-श्रो० हा० सोसायटी  
प्रमुख श्री रामजीलाल ईश्वर लाल  
भोलाव, ता०/जिला भर्त्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यशालियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी वास्तेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यह सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जया है।

### मानसूची

जमीन जो भोलाव में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, भर्त्ता में  
1976, 1979 और 1980 नं० पर दिनांक 4-12-84 में  
रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29-7-1985

मोहर

## प्रकल्प वार्ष. टी.एस.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
भाय 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं. पी० आर० नं. 3712/I—यतः मुझे,  
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वराच्छा रोड नवगाम मीम है तथा जो सूरत  
में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 3-12-84  
को पूर्वान्तर सम्भाति के उचित बाजार मूल्य गं कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कस्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल इनीमतिलिखित उद्घेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक न-  
शायित्र में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या दक्षकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया था या किया  
आता आहए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

बता अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण  
में, जो उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, विभिन्निभित्र व्यक्तियों, वर्षां ३—

(1) श्री हरिभाई नरसिंह भाई  
द्वारा बजरंग क्वारी  
गांव—कदवारी  
ता०—संगडीया  
जि०—भस्त्र।

(अन्तरक)

(2) श्री मीठाभाई जीवराजभाई दिवोरा,  
सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वायाः।

(ख) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वायारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रदूषक वदों और पदों वा, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिवारित  
हैं, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

सूचना

मकान जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 4968  
नं. पर दिनांक 3-12-1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (विरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 29-7-1985

काल्पनिक

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिसंबर 29 जुलाई 1985

निदेश सं. पी० आर० नं. 3713/II—यतः, मुझे,  
जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1508, 1509, 1510 है, तथा जो सूरत में  
स्थित है (और इसमें उपावाह अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

26-12-1984

को पर्वतीकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय ( ) बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर वसने के अंतरक के दायित्व  
में किसी करने या उससे वसने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवीय  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः :—

- (1) श्री एच० सी० सीजुवाला और अन्य,  
सूरत।  
(अन्तरक)  
(2) श्री एच० सी० सीजुवाला एण्ड कं०  
सी०/प्र० नानावार सीजुवाला एण्ड कं०  
मोदी स्ट्रीट, बम्बई।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्प :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही वर्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसूची

जमीन जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में  
26-12-1984 में 10720 नं. पर रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 29-7-1985

मोहर :

## राज्य वार्ष. टी. पर. इच्छा

बायोट अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

वायोट अधिकार  
कार्यालय, राज्यवाच आवकर वाचकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II प्रहमदावाद

प्रहमदावाद, विनाक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3714/II— अतः, मुझे,  
जी० के पंड्या,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इसने  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि भारा  
269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी नाम, वह विवास करने का  
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसेक्त उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1700, टीका नं० 8,4 है, तथा जो नीलीमोपा  
में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपावन अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांदेवी में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 5-12-1984

को वृद्धिकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिभाव  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह व्यिवास करने  
का कारण है कि यथावृद्धिकर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृष्टिभाव प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिभाव प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत वे अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तथा पासा गमा गमा प्रति-  
फल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाच, इस  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक वै  
कारित्व में करने करने या उपर्युक्त वचने में सौधिता  
के लिए; और/वा

(२) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य कानूनों  
को, जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या या  
किया जाना आवश्यक था जिसने में सौधिता के लिए;

बदल बदल, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाय (1)  
में अन्तरित निम्नलिखित व्यक्तियों का सात् ह—

(१) श्री जयन्तीलाल छगनलाल शाह,  
सोनीवाड़,  
बीलीमोरा।

(अन्तरक)

(२) श्री सुभाषचन्द्र राधाकिशन गुप्ता  
गुप्ता हास्पीटल,  
बीलीमोरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्तवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वायारा अधोहस्ताक्षरी के पाय  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जनीन जो सूरत में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 938  
नं० पर दिमाक 17-12-1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, प्रहमदावाद

तारीख : 29-7-1985

मोहर :

प्रख्य भाई, टी. एन. एस. -----  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाय 269-ष (1) के वधीय सूचना

(1) मंजुलाबेन नारायण भाई  
कोसमडा ता० कामरेज ।

(अन्तरक)

(2) धरमेन्द्र मिह नरसिंह गोहिल  
मंगलो ता० चोरमासी ।  
जिला—सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आई करके पूर्वोक्त संघित के उच्चर के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उच्चर संघित के उच्चर के संबंध में कोइ भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन की बरीच था उत्तममधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख वे 30 दिन की बरीच, जो भी बरीच दाइ में उपाय छोटी हो, वे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्धु किसी भूत्य व्यक्ति द्वारा अधोक्षेत्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**प्रतिक्रिया:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के वधीय कर देने के बन्तरक के वायित्व में कठी करने या उससे बचने में युविधा के किए; और/वा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की भाय 269-ष के वधीय संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोसमडा ता० कामरेज है, तथा जो सूरत में स्थित है (और हमसे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-12-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्ययन प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संघित का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक उत्तरण के किए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।—

(क) उत्तरण वे हैं किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के वधीय कर देने के बन्तरक के वायित्व में कठी करने या उससे बचने में युविधा के किए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट नहीं किया गया था वा वा किया जाना चाहिए था, जिसमें में त्रुष्णा के किए;

### मनुष्यों

जमीन जो कोसमडा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 1426 नं० पर दिनांक 15-12-1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या  
संक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जनरेज II, अहमदाबाद

तारीख 29-7-1985

मोहर :

उक्त अधिनियम की भाय 269-ष के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भाय 269-ष की उपधारा (1) के वधीय निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तर :—

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जूलाई 1985

निवेश सं० पी० आर० नं० 3716/II-यतः, मुझे,  
जी० के० पंडया,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पृष्ठात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकी मं० 160/1, 161/3, 161/4, 162/3, 162/4,  
है, तथा जो अब्रामा ता० ब्लमाड में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रेकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 84को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-  
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिहै भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगेनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री समन्तराय भानुभाई देसाई

अब्रामा

ता०ब्लमाड ।

(अन्तरक)

(2) श्री धुकु बुमार लल्लुभाई देसाई,

अब्रामा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभासा  
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

जमीन जो अब्रामा में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में  
4019 नं० पर दिसम्बर 1984 में रजिस्टर्ड किया गया है।जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज II अहमदाबाद

तारीख : 29-7-1985

मोहर :

सहायक आई.टी.एम.एच.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत का राजपत्र

अधिनियम, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3717/II-- अतः, मुझे,  
जी० के पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके  
इसके अधीन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन उक्त आयकर अधिकारी को वह विश्वास करने का  
कारण है कि लालू बन्सरी, चिंचला उचित बाजार भूल  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जमीन-अकोटा है तथा जो बड़ीदा में स्थित है  
(और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख  
18-12-1984

को व्यौक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल से कम के अधिनान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि वथापूर्वक उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
भूल, उसके अधिनान प्रतिफल से, ऐसे अवश्यक प्रतिफल का  
प्रत्यक्ष प्रतिष्ठान से अधिक है और बन्सरक (बन्सरको) और  
बन्सरी (बन्सरीसियाँ) के दीव ऐसे अन्तरण के लिए क्य  
प्रभा या किसी अधिकारी, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिद्धि ने कार्यत नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण वे हैं किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कहा देने के बन्सरक के वायित्व  
में कार्यत वा उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/वा

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आदिनदों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया  
गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :-

42-226 GT/85

(1) श्री लीलासरन मगनभाई चौहाण  
सी/श्री एम० पी० पटेन देष्टर्स,  
मुमान पुरा, बड़ीदा

(अन्तरक)

(2) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया  
भद्र, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के सिए  
कार्यवाहियों करता है।

हाल इन्हींसे इन्हीं के सम्बन्ध में कहे हैं आजले:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वे  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इड सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-  
वृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिनीहै तो किए या सकेंगे ।

स्वाक्षरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित  
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन जो अकोटा, बड़ीदा में स्थित है। जिसका  
कुल मूल्य 9,50,000 रुपये है।

जी०के० पंडया  
मकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 17-7-1985

मोहर :

कार्यालय, दी. एस. स्टॉल्कर

उच्चतम नीतिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
पाय 269-ए (1) के अधीन हस्ताक्षर

उच्चतम नीतिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3718/- —अतः, मुझे,  
जी० के० पंडया,

आयकर नीतिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकी  
इसकी पश्चात् 'उच्चतम नीतिनियम' कहा जाया है), को भारा  
269-ए के अधीन सहायक आयकर को यह विवरण करने का  
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, विस्तर उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सूरज-प्लाजा-II, याजीगंज है तथा  
जो बड़ीदा में स्थित है (और इसमें उपावन अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, अहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 37-ई०  
के अधीन, तारीख 17-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधारण  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युक्ते यह विवरण  
करने का कारण है कि यथानुसूचित संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अवधारण प्रतिफल से, ऐसे अवधारण प्रतिफल का  
समान अविकल से अधिक है और अवधारण (अवधारण) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीप एवं अन्तरण के लिये अवधारण  
वाला बाय प्रतिफल, विस्तरित उच्चतमेष्ट ते उच्चतम अवधारण  
विवित वास्तविक रूप से अधिक यहाँ लिख दिया है ।—

(म) अवधारण वाले द्वारा लिखी दाव की वादह, उच्चतम  
नीतिनियम को नभीन कर देने के अवधारण विवित वाले  
को अविकल से कम करने या उसके अवधारण से उचित  
के लिए; और/वा

(न) द्वारा लिखी दाव या किसी भूमि या अवधारण को  
को, विद्युत भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उच्चतम नीतिनियम, अ  
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया  
दिया था या किया जाना आवाह था छिपाने में सुविधा  
के लिए,

वायर बत, उच्चतम नीतिनियम की धारा 269-ए के अवधारण  
है, जो, उच्चतम नीतिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन विस्तरित अविकलनी, अवधारण है—

(1) पी० नारायण कन्स्ट्रक्शन कं०, सूरज-प्लाजा,  
याजीगंज, बड़ीदा।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० एम० ज्ञाला, इंडियन डेरी कार्पोरेशन,  
बड़ीदा।

(अन्तरिती)

तो यह दृष्टि आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए  
कार्यवाहियों करता है।

उच्चतम नीतिनियम के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वालों पर—

(म) इस दृष्टि के उच्चतम में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकलों पूरे  
दृष्टि की तापीत से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि दोनों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविकलों में से किसी अविकल दृष्टि;

(न) इस दृष्टि के उच्चतम में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अवधि अविकल दृष्टि अवधारणारी के पास  
सिवित में किए जा सकेंगे ।

**प्रकाशन:**—इसमें प्रदृष्ट उम्मीदों और उद्दों का, जो उच्चतम  
नीतिनियम के अधार 20-ए में परिभासित  
है, वही वर्ष होगा जो उच्चतम वायर में रिकॉर्ड  
दिया गया है।

प्रदृष्ट

मकान जो सूरज-प्लाजा, बड़ीदा में स्थित है जिसका  
मूल्य 30,45,500/- रुपये है। 37-ई० का फार्म इस  
कार्यालय में दिनांक 17-12-1984 में पेश किया गया  
है।

जी० के० पंडया  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 29-7-1985

माहूर :

प्रसूप आई.टी.एन. एस.-----

(1) श्री जगदोषचन्द्र रत्नलाल सोनी, सीनीवाड़ो, पाटण।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रजनीकांत चंपकलाल सोनी, चेयरमैन,  
गोतांजलि को. आप० हाउसिंग सोसायटी,  
सिंधुपुर, चारा रास्ता, पाटण।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3719/II—अतः, मुझे,  
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
दृसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पाटण-जमीन है तथा जो पाटण में  
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में आंश पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाटण  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 15-12-1984

को पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्विक संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एंसे  
रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक  
और बंतरक (अंतरको) और बंतरिती (अंतरितियों) के  
वीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित  
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के मिह; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसंबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध  
किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में गीरभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**मान्यता**

जमीन जो पाटण में स्थित है जिसका कुल मूल्य  
3,25,000/- रुपये है और सर्वे नं० 257 है। सब-रजि-  
स्ट्रार, पाटण में दिसम्बर 1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भौ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 29-7-1985

मात्र:

## प्रस्तुत वाइटेटी, एवं एस्टेट्स

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

## भारत वरकार

अधिकारी, सहायक आयकर आयकर (भिन्नीयम)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 29 जुलाई 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3720/II—अतः, मुझे,  
जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को वह विषयक अस्ते का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन-पाटण है तथा जो पाटण में स्थित  
है (और इससे उपांचढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाटण में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 12-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के अवयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित वाजार  
मूल्य, उसके अवयमान प्रतिफल में, ऐसे अवयमान प्रतिफल का  
गल्वाह प्रतिकार से अधिक है और उत्तरक (वन्तरक) और  
अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में  
ग्रस्तावृक्ष रूप से कठित नहीं किया जाता है :—

(a) बेतुष्ठा व द्वारा किसी भाव की वादत, उस्यु  
अधिनियम के अधीन उक्त दाने के अंतरक के  
रायित्व में कमी करने या उसमें बदन में सांख्या  
के लिए; और/या

(b) ऐसी किसी वाद या किसी भूल या अन्य आदितकों  
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अनिवार्य, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
ना-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किसी जाना चाहता था, जिसमें  
सूचित के लिए;

बताए उक्त अधिनियम को भाषा 269-व के अनुसरण  
में, वी, उक्त अधिनियम की भाषा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :—

(1) नवाब श्री लोहाणी इकबालखान, कोलाबा,  
बास्बर्ह।

(अन्तरक)

(2) श्री हीरालाल नाथालाल शाह, खटवाड़ो, बैंक रोड़,  
बास्बर्ह।

(अंतरिती)

को वह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीहों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मंदिर भूं कांडे भी आवेद्य ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से  
45 दिन की अवधि या तत्पंथी व्यक्तियों पर  
दृष्टि वाली वारी वे 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में अमाल होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
संपत्ति में ऐसीकी वासिता इवारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृप्त  
किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम  
लिखित में किए जा सकते।

**स्पष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के भूं पारम्परित  
हैं, वहाँ व्याख्या जा रही अध्याय में दिया  
गया है;

मृत्युकी

जमीन जो पालनपुर में स्थित है जिसका कुल मूल्य  
4,00,000/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार, पालनपुर में 2556  
नंबर पर विनांक 12-12-1984 में रजिस्टर की गई है।

जी० के० पंड्या  
संक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (तिरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 23-7-1985

मोहर

प्रकाश वाहन ट्रैक एवं एक्स्प्रेस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारत 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

**महायक आयकर वाद्यम (विवरण)**

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जुलाई 1985

निवेदा सं० पी० आर० नं० 3721/II—अतः मुझे,  
जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा भवा है), की भारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजाह मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन-पाटण है तथा जो पाटण में स्थित  
है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, पाटण में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 25-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजाह मूल्य से कम के छयमाल  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित स्थावर  
मूल्य, उसके स्थवरान विवरण से, एक स्थवरान विवरण का  
प्रदृष्ट प्रतिक्रिया से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं  
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्वयण के लिए सम दाया गया प्रतिक्रिया  
का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठिन नहीं किया गया है १—

(क) अन्तरण में हूर्दा किसी आय की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिया  
का, जिन्हे भारतीय आवकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के विवोच-  
नार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया या  
या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा  
के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की आय 269-ए के अन्तरण  
में, या, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा ३—

1. श्री मोहनभाई शंकरभाई, जलचकि,  
पाटण।

(अन्तरक)

2. श्री युसुफभाई नूरमोहम्मद नांदोलिया,  
पालीटक्कनीक कालेज के पाठ्य,  
पाटण।

(अन्तरिती)

को वह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के क्षमता के संबंध में कोई भी वास्तव :

- (क) इस सूचना के उच्चावध में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पहुं  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, यों जी  
अवधि बाद तो इवाय होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति द्वाया;
- (ख) इस सूचना के उच्चावध गे इकाई की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति इवाय अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा रहेंगे ।

**प्रश्नोक्तरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों जोर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
रहा है ।

अनुसूची

जमीन जो पाटण में स्थित है जिसका कुल मूल्य  
7,00,000/- रुपये है। सब रजिस्ट्रार, पाटण में दिसम्बर  
1984 में रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया  
भक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 29-7-1986

मोहर [ ]

उक्त अद्य दी. सन्. एवं ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
बाय 269-ए (1) के अधीन सूचना

**सूचना**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 जून 1985

निदेश सं. डी० आर०-116/84-85/37-ई०ई०—

अतः मुझे, आर० आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय  
269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संस्थित, विस्तृत बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितको सं. 85/2, है तथा जो मोरमनी और पैकेनो,  
गोवा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में आर  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 5-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्चमान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की पड़े हैं और मझे यह विश्वास  
करने का अप्रण है कि अधारपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अव्याप्ति प्रतिफल से ऐसे उच्चमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत ये अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नालिखित उद्दोष से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्रास्तापिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हटौं किसी जाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक वे  
व्यक्तियों वे कहीं करने वा उक्त दृष्टि वे हटिया  
दें जिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में  
दृष्टिया वे जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, जैसे :—

1. (1) श्री लक्ष्मीमोना मुकुन्द पोरोबो कोलवालकर,  
(2) श्रीमती सावित्रीबाई कोलवालकर, ब्लाक नं०  
सी-2, आढ़ी कालोनी, पणजी-गोवा। (3)  
श्री उस्तो मुकुन्द पोरोबो कोलवालकर, (4)  
श्रीमती कुमुटनी उस्तो पोरोबो कोलवालकर, (5)  
श्रीमती गौत्रबाई बालक्रीष्ण पोरोबो कोलवालकर,  
(6) श्री वीनायक बालक्रीष्ण पोरोबो कोलवालकर  
पणजी-गोवा, (7) श्री पुरुषोत्तम मुकुन्द पोरोबो  
कोलवालकर। (8) श्रीमती कांति पी० कोलवाल-  
कर, घर नं० 156, पणजी-गोवा।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र शिंगाद लावन्डे, श्री कृष्णा इमारत,  
वास्क-डी-गामा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्में के निए  
कार्यालियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्में के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविसर्ताएँ पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवैध बात ये तत्पात होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उच्चपत्र की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से  
पूर्व इच्छी बाल व्यक्ति इवारा, व्यापारिकारी के  
पास भित्तियाँ में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अधार 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

दास्तावेज सं. डी० आर० 116/84-85/37-ई०ई०/  
दिसम्बर 1984।

द्वेषी जमीन "कुसोडो अगोर" सं. 85/2, मोरोम्बी-  
ओ-पेक्केनो-गोवा।

आर० भारद्वाज  
सभी प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 26-6-1985

मोहर

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----  
साधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
ताग 269-घ (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक शायकर बायकर बायकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर  
बैंगलूर, दिनांक 26 जून 1985

निदेश सं. डी.आर/62/84-85/37-इ.इ. --अतः  
मुझे, आर० भारद्वाज,  
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिस्ते इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के वधीन सभी प्राधिकारी को वह विस्तार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. 353 व 356 है, तथा जो चपोरा बांडज गोवा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विस्तार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थामान प्रतिफल से, एसे स्थामान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के बिए तब याचना माया प्रतिफल, चिन्मिलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।--

(को) अन्तरण से हृहै किसी बात की याचन, उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के अन्तरक व याचित्व में कमी करने वा उक्ते वधीन में जीवित के लिए; और वा/

(क) एसी किसी बात या किसी बन वा अन्य आस्तियों को, जिहै भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में संविधा के लिए;

अतः वह, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की अन्तरण में, वा, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के वधीन चिन्मिलिचित व्यक्तियों, उपर्युक्त

(1) श्री देवदत्त शीशोडकर श्रीमती विजयलक्ष्मी शिशोडकर, द्वारा म० डी० पी० शिशोडकर, अलफोन्सो अन्नबुकराळ रोड, पणजी-गोवा।  
(अन्तरक)

(2) म० वागतोर वीच शीसार्ड प्रा० लिमिटेड, 5, मूनिसिपल हैंडस्ट्रिप्ल इस्टेट, बोर्ली, मुंबई।  
(अन्तरिती)

को वह सूचना प्राप्ति करने पूर्वोक्त उपर्युक्त वे वर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्बिल के वर्जन के संबंध में कोइं प्री आकेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्त्विक वा अन्तरिती द्वारा वर्तमान वर्जन की अवधि वा अन्तरिती के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने ते किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उपर्युक्त वर्जन के हितवद्ध किसी अन्य अन्तरिती द्वारा अपोहस्ताकारा के पास दिलाई जाए जा सकते।

**स्थानीकरण:**—इसमें प्रदृष्ट वालों और वहाँ वा, वो उक्त अधिनियम के वधाव 20-क में परिमाणित है, वही वर्ज होगा जो उक्त वधाव में दिला गया है।

### लगाव

(दस्तावेज सं. डी० आर० 62/तारीख 5-12-1984)

खेती जमीन "तांबुडकी" सं. 353 व 356, चपोरा, बांडज-गोवा।

आर० भारद्वाज  
सभी प्राधिकारी  
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 26-6-1985

मोहर:

प्रस्तुत वाइ.टी.एन.एस. :-

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

## संस्कार संस्कार

कार्यालय, सहायक आदानपूर्ण वायकर (निर्माण)

अर्जन रेज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 2 जुलाई 1985

नोटिस नं. 45834/84-85 यतः मुझे आरो भारतीज  
आदानपूर्ण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा याहा है), जो भारा  
269-व के अधीन उक्त संस्कार अधिनियम को इस विवरण के साथ का  
व्याप्त है कि इसके अन्तर अधिनियम, निम्नलिखित आदानपूर्ण  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं. अपार्टमेंट नं. 102 (आरो एसो नं.  
186-2, टि. एसो नं. 29-2-1 फ्लोर, कोटेया एटेज,  
बिलिंडग है, तथा जो अन्तावर विलेज, मंगलूर में स्थित है  
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के वार्षिक मंगलूर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 11-12-1984

को पूर्वोक्त संस्कार के उपर्युक्त आदानपूर्ण से इस के उक्त संस्कार  
प्रतिफल के अधिकारी की सर्व है और मैंने यह विवरण  
करने का कारण है कि उक्त पूर्वोक्त संस्कार का उपर्युक्त आदानपूर्ण  
मूल्य, इसके उक्त संस्कार प्रतिफल से, एवं उक्त आदानपूर्ण का  
पूर्व है प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंदरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथा पादा  
गाया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेश से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(ए) उक्तपूर्ण से हर्दि किसी वज्र की आदान, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दर्ते की अंतरक और  
संस्कार में कही करने या उक्त वज्र से उक्तिभा  
वी जिए जाएँगी।

(ब) एर्डी 1 की भाव या किसी इन या अन्य आदानों  
को, विद्युत आदानीय आदानपूर्ण अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
जाया था या किया जाना आविहए था लिखित में  
सुक्षिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा 11  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

1. श्री उमेश बी.० सनिल, कुम-कुम, III फ्लोर, प्लाट  
नं. 32, 17-रोड़, आरो सी.० मार्ग, चैम्बूर बम्बई।  
(अन्तरक)

2. श्री नंजिया मोहम्मद हरिम, व्यापारी, जे० एस०  
रोड, बंवर०, मंगलूर।  
(अन्तरक)

3. अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त संस्कार के अधीन के लिए  
करावैयाहिकी करता हूँ।

उक्त उपर्युक्त वज्र के उक्तपूर्ण से कोई भी वापरः—

(ए) इस सूचना के उक्तपूर्ण से उक्तवज्र की उत्तीर्ण ते  
45 दिन की अवधि या उक्तमध्यांती अधिनियमों का  
सूचना की अपील से 30 दिन की अवधि, यो भी  
व्यक्ति वज्र वज्र से उपाय होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के उक्तपूर्ण में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्कार से हिल-  
बहुप जिसी अन्य अविक्षित इवारा भगवाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हस्ते प्रयोग वज्रों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही वर्ग होगा जो उस अध्याय में दिए  
गए हैं।

मंगलूरु

(दस्तावेज सं. 1410/84 ता० 11-12-84)

संपत्ति है जिसका सं. आरो एसो 186-2, टि  
एसो नं. 29-2-अपार्टमेंट नं. 102, I फ्लोर, कोटेया  
काटेज बिलिंडग, अन्तावर मंगलूर सिटी, में स्थित है। )

आरो भारतीज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूरु

तारीख: 2-7-1985

माझे

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-म (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमती के० लक्ष्मी वाई, वाइफ आफ यु० राधाकृष्ण  
गव, नं० 76, बडगबेटू चिलेज, उड्हुपि तालुक,  
द० क०।

(अन्तरक)

2. श्री एडविन फ्लेमेंट हेनरि, किन्निमुलगि आफ किडि-  
यूर चिलेज, उड्हुपि तालुक।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 2 जुलाई 1985

निवेदण सं० 45840/84-85—अतः मुझे, प्रार०  
भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-म के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 76 (139 2बि) है, तथा जो बडगबेटू  
चिलेज, उड्हुपि तालुक; द० क० में स्थित है (और इसमें  
उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उड्हुपि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-12-84  
कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गयी है और मूँहे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंत-  
रिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उच्चदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-  
है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

(दस्तावेज मं० 1525/84, ता० 20-12-84)  
सम्पत्ति है जिता मं० 76, (एम० नं० 139/2 बी०)  
जो बडगबेटू चिलेज, उड्हुपि तालुक, दक्षिण कश्मीर में स्थित है।

प्रार० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण  
अर्जन रेंज, बंगलूरु

तारिख: 2-7-1985

मोहर

## मुख्य बाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोज़, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 2 जुलाई 1985

निवेश मं० 45830/84-85—प्रतः मुझे, आर०  
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सधम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि रघवार संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और त्रिनकी मं० आर० एम० 469, टी० एम० नं० 308-  
३ फि० 5 है तथा जो कोडियल्लैन विलेज, मंगलूर तालुक  
में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से दर्शित है), निस्ट्रीनी अधिकारी के शार्यालय, मंगलूर  
में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 नं० 26)  
के अधीन, तारीख 3-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का  
पूर्व प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तर्थ पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्रासादिक है से कार्यत नहीं किया गया है।

(क) अनुत्तम वं द्वारा कियी गयी वाद, अनु  
वादितवत वं अधीन कर होते हैं अनुत्तम वं  
दावितवत में कर्ता करने वा उससे बदलने में सुविधा  
ले सिए; और/या

(ख) ऐसी कियी गयी या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अनुत्तरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
गया था अधीये था, जिसने में सुविधा ले सिए;

जब धन, उक्त अधिनियम की घरा 269-व के अनुसरण  
में गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षतः:—

1. डॉक्टर प्रताप एस० येट्री, रिप्रेजेंट बाई श्री कौ०  
रेखोत्तमा शेट्टी, पृष्ठवोवेट, कोडियल्लैन, मंगलूर-3, (फि०  
4, एस० एस० जै० एस० मै० कैप्पस, बंगलूरु)  
(अन्तरक)

2. श्री एम० रामाचन्द्रा भट्ट, मितवारे आफ कैन्टनमें  
विलेज, कुर्याड पतस्ट, बन्टवाल तालुक, एस० क०  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बदल के विष  
कार्यवाहियों को लूप करता है।

उक्त संचित के बदल के संबंध में कोई भी आकांक्षा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकें।

**लक्ष्यक्रम:**—इसमें प्रदत्त सब्जेक्टों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वह  
लिख द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1371/84, ना० 3-12-84)  
सम्पत्ति है जिसका सं० आर० एस० 469, टी० एस०  
नं० 308-2 सी-1, जो कोडियल्लैन विलेज, मंगलूर तालुक  
में स्थित है।

आर० रामद्वाज  
भक्त प्राधिकारी  
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, बंगलूरु

तारीख: 2-7-1985

सोहर :

प्रस्तुप शाहू.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वारा 269-ष (1) के अधीन भूखन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायकर बायकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 16 जुलाई 1985

निदेश सं. 41371/84-४५—अतः मुझे, आर०  
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 41 है, तथा जो अव्वन रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इसे उपावड़ अनुमूल्य में और पूर्ण मूल्य में वर्णित है), निम्नलिखित अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अधिकान प्रतिफल से एसे अधिकान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतुरंग (अतुरंग) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से की गया है।

(क) अन्तरण से हाई कोर्टी वाय की बायकर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने वाले अन्तरक के अधित्य में कमी करने या उक्त विवास में सुविधा के लिए; और/वा

(क) एसी किसी वाय का किसी भव या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया था या किया गया था, जिसमें में दृष्टिपा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण ने, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दुर्दना नायर, "चिन्त्रकूट" डिफेंस सर्विसेस स्टाफ कॉलेज, बैंगलूरु।

(अन्तरक)

2. मेसर्स स्प्रिंग बोरबेल्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, के. जी. रोड, बैंगलूरु-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उम्बन्ध में कोई भी जाकेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिर्यक भा लिया जा सकता।

**स्वाक्षरकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मार्गदर्शक

दस्तावेज सं. 2651/84, ता० 7-12-84)

सभ सम्पत्ति है जिसकी सं. 41 में 1/3 भाग जो कब्बन रोड, बैंगलूर से स्थित है।

आर० भारद्वाज  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

तारीख: 16-7-1985

मोहर:

प्रकल्प नामः टी.एन.एस. -----,

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व(1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 16 जुलाई 1985

निवेश सं० नॉटिस नं० 41372/84-85—अतः मुझे,  
ग्राम भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41 है, तथा जो कञ्चन रोड, बैंगलूरु में  
स्थित है, (और इसे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट  
में वर्णित है), रजिस्ट्री नं० अविलारी के कार्यालय, शिवाजी  
नगर में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अन्तर्गत, तरीक 7-12-1984

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दबावमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि बथार्डोक्स संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दबावमान प्रतिफल से ऐसे दबावमान प्रतिफल का  
प्रत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरितीय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उब  
दावा गया प्रतिफल, विस्तृत उपरोक्त से उक्त स्थावर  
स्थिति में वास्तविक स्पष्ट से कठित नहीं किया जा सकता है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के बहरक के  
वादित में किसी करने या उससे करने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ओर या किसी भव या अन्य खोस्तों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, विस्तृत अधिकारी, वर्षा 5—

1. श्री बरकत मासिगिल, नं० 1/3, "टैगर हिल्स",  
कूनूर (तमिलनाडु)।  
(अन्तरक)
2. मेकर्स स्प्रिंग बोबेल्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड  
चेन्नई आफ काम्पस, के० जी० रोड, बगलूरु।  
(अन्तरिती)

की यह सूचना आई करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषु ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पुर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निश्चित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 2652/84, ता० 7-12-84)  
मैं सम्पत्ति हूँ जिसका सं० 41, जो कञ्चन रोड  
बैंगलूरु में स्थित है।

ग्राम भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
ग्रजन रेंज, बैंगलूरु

मोहर : 16-7-1985

मोहर :

इति श्रावण ई., एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के वर्षीन सूचना

भारत लेटर्स

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रोड, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 16 जुलाई 1985

निवेदन सं. नं. नॉटिस नं. 45373/84-85--अतः मुझे  
आरा० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के वर्षीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसका सं. 41 है, तथा जो बवन रोड, बैंगलूरु में  
स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में ओर पूर्ण ४५  
से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट अधिकारी, के कार्यालय, शिवाजी  
नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 7-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास  
करने का कारण है कि ग्राहापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरको) और बन्तारिदी  
(बन्तारिदियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथा या गवा  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निर्दित हैं  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है।

(क) बन्तरण व दूर निष्ठी वाद की वादत, उक्त  
वास्तविक व वर्षीन कहु देने के बन्तरक व  
बन्तारिदी व वर्षीन करने वा उक्तवे बनने वे बन्तारिदी  
के लिए; और/वा

प्रनुसूची

(क) ऐसी किसी वाद या किसी भव या अन्य वास्तविकी  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
के प्रयोगनार्थ बन्तरिदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए था, जिसमें से संविधा  
के लिए;

1. श्रीमति गवाला कुरुम्बम्मा नं. 41, बवन रोड  
बैंगलूरु।  
(अल्टरक)
2. मेसर्स लिप्रेन बोर्डेल कंपनी, प्राइवेट लिमिटेड,  
चम्बर आफ कामर्स बिल्डिंग, क० जी० रोड,  
बैंगलूरु।  
(ग्रन्तिरक्त)

की यह सूचना आर्टी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यं प्राप्त है।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी या  
पास लिपित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रथम स्वाक्षर और पदों का, जो उक्त  
वास्तविक व वर्षीन कहु देने के बन्तरक व  
बन्तारिदी व वर्षीन करने वा उक्तवे बनने वे बन्तारिदी  
के लिए हैं;

दस्तावेज सं. 2653/84-85, ता० 7-12-84)  
सब सम्पत्ति है जिसकी सं. 41 में 1/3 भाग जो  
बवन रोड, बैंगलूरु में स्थित है।

आरा० भारद्वाज  
संघ प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रोड, बैंगलूरु

वाद: वाद, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसूचणा  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपचार (1)  
व वर्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति—

तारीख: 16-7-1985

मोहर:

प्रकृत वाइ. टी. एव. एल. ८८८८८८

### आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 16 जुलाई 1985

निवेश सं० नोटिय नं० 45374/84-85—अतः मुझे,  
ग्राम भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 41 है, तथा जो जब्बन रोड, बैंगलूरु  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रन्तमूकी में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), गजस्त्रीकृती अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी  
नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 7-12-1984  
का पूर्वोक्त मपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय नहीं गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हौदे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में किसी करने वा उठाने वालने हें दृष्टिया वे देश  
भर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिहे भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-  
नार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना आहे था, जिसमें वे सूचिता वे  
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अन्तरण, दृष्टि ॥—

1. श्रीमती तेहमिना बारकर, नं० 41, जब्बन रोड,  
बैंगलूरु।

(अन्तरक)

2. मेमसे स्प्रिंग बोरबेल्स कंपनी प्राइवेट लिमिटेड,  
चम्बूर आफ कामस बिल्डिंग, के० जी० रंड,  
बैंगलूरु।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित-  
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहेस्ताक्षरी के  
पास दिलचित्त में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण** ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित  
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया  
जाता है।

११०

दस्माकेज सं० 2654/84-85, ता० 7-12-84)  
मध्य सम्पत्ति है जिसकी सं० 41 में 1/3 भाग जो  
जब्बन रोड, बैंगलूरु में स्थित है।

ग्राम भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूरु

21 रोप्त: 16-7-1985

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस. . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निर्देश मं० नोटिस नं० 45479/84-85—अनु : मुझे  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पद्धति 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन संभव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी मं० 453 है तथा जो एच० ए० एल० III  
स्टेज बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावस्था अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से अंगित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
में शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—

(क) अन्तरण से हटाई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
दायित्व के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिसके भारतीय आयकर कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुत्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

(1) श्री पंडित डी० गंगद्वा राव,

1040, 5 ब्लॉक

राजाजी नगर, बंगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० सेन्डामरे

नं० 50, एन० पी० लेन,

काटनपेट, बंगलूर-560053

(अन्तार्गती)

को यह सूचना बारी काढ़के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ॥—

(क) इस सूचना के राजपत्र में व्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रदृक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दम्नावेज मं० 2638/84-85 तारीख 7-12-84)।  
जब समाप्त है जिमकी मं० 453, जो एच० ए० एल०  
3 स्टेज, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 12-7-1985

सांहृत:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 12 जुलाई, 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 46227/84-85--अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जितकी सं० 885 है, तथा जो एच० ए० एन० II,  
स्टेज इंदिरानगर, बैंगलूर-38 में स्थित है (और इसमें  
उआबद्ध अनुमूल्यों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्स  
प्राधिकारी के कार्यालय में शिवा नगर रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 3-12-84

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसवासान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसवासान प्रतिफल से एसें इसवासान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कानूनिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में विविध  
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः इन उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० आर० रंगस्वामी,

नं० 885, 11 मैन,

एच० ए० एन० II स्टेज, इंदिरानगर,

बैंगलूर-38

(अन्तरक)

(2) श्री ओङ्क टानिसलास,

श्रीमती फलोरमा टानिसलास,

नं० 656, 100 फोट रोड, इंदिरानगर,

बैंगलूर-38

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कोई भी वापर :-

(क) इस सूचना के उपपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्तर स्थान अंतरित में हिलावृप  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपोहताकारी ने या  
दिलाइये थे वे किसी अविकल्प नहीं।

(ग) इस दस्तावेज के उपपत्र में शक्तिशाली तारीख से  
45 दिन वे दीवार अन्तर स्थान अंतरित में हिलावृप  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपोहताकारी ने या  
दिलाइये थे वे किसी अविकल्प नहीं।

**प्रकाशन:-**--इन्हें प्रदूषत उच्च और वर्षों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही वर्ष होता जो उस अभाव में विदा ददा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3555/84-85 ता० 3-12-84)

मैं सम्पत्ति है जिनका सं० 885 जो एच० ए०  
एन० II स्टेज, इंदिरानगर, बैंगलूर-38 में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 14-7-85

माहेर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(1) श्री जी० नारायण मूर्ति,  
नं० 526, 3 क्र०, 2 ब्ल०,  
बनशंकर 1 स्टेंड,  
बैगलूर-50

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सकू बाई  
वैह/आफ के० दामोदर,  
नं० 1021, 27 ए० मैन,  
IX ब्ल०, जर्नलर,  
बैगलूर-2

(अन्तर्वाची)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैधन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन तक अन्तराल से व्यक्तिगत व्यक्तिगतों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बाद में संपादित होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परिकल्पना, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया जाता है।

निर्देश सं० नोटिस नं० 46215/84-85—अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संस्थान प्राधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उन्नत बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 593 है, तथा जो 2 फेंट लांकीं लेओट बैगलूर सौत तालूक में स्थित है (अ० इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घटित है), रजिस्ट्रीकर्नी प्राधिकारी के कार्यालय में बैगलूर सौत तालूक रजिस्ट्री रज अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन, तारीख 13-12-84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है कौर मर्याद यह विवाद करने का कारण है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का उन्ह अतिरिक्त से अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरिरी (बातरीतियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के असुरक्त कानूनिक अधिकारी के द्वाया या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या दिसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आदकर 'आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगस्थ अतिरिक्त दवाग प्रकट नह। काया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने के संविधा के लिए:

अतएव, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्यरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

44-226 GI/85

(दस्तावेज सं० 5690/84-85 ता० 13-12-84)।  
सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 593 जा 2 फेंट, सारकी लेओट बैगलूर सौत तालूक में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
संस्था प्रतिनिधि  
संशयक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रेज, बैगलूर

तारीख: 15-7-85

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
को भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूरु  
बैंगलूरु, दिनांक 16 जुलाई, 1985

दिव्येण सं. नोटिस नं. 45366/84-85—अतः मुझे,  
आरा० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 11 है, तथा जो अद्वार रोड, बैंगलूरु  
में स्थित है (और डम्से उत्तर अन्नसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी  
नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
वा 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्को) और अंतरिती  
(अंतरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तत पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥

(अ) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन वा अन्य कार्यस्थानों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वह  
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने वे सुविधा  
हैं।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाव (1)  
वे सुविधा, जिन्हें विश्वास अधिकारी, अर्जन :—

(1) श्रीमती रेखा अदित्यवृक्षार और दूसरे लोग  
3051, 8 ए० मैन रोड,  
दाजमहल बिलास प्रिस्टेशन,  
बैंगलूरु।

(अन्तरार)

(2) श्री वी० एम० राराचिदाना  
23, अगा अस्सा, श्राविं रोड,  
बैंगलूरु-42

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी विवाद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख वा  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्याप्तिया 45  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा  
ष्वायित बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अन्नसूची

(दस्तावेज सं. 2755/84-85 ता० दिसम्बर 84)।

सब सम्पत्ति है जिसकी सं. 11 जो अल्सूर रोड  
बैंगलूरु में स्थित है।

आरा० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूरु

तारीख: 16-7-85

ओपर व

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० 955/85-86—अतः युम्, आर० भारडाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसके सं० प्लाट नं० 7 है तथा जो मण्णांव गोदा में  
स्थित है (आर० इमें १५५२ अनुच्छेद में आर० पूर्ण रूप से  
वर्णित है) राजस्ट्र द्वारा कार्यालय मालेहांगांव में  
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 7-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तररत की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
बारे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक्ती (अंतरिक्तियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कठित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए:

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्नुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. (1) श्री अमुतजा टेमोडीगीये सरकीतो फर्नाडिस  
प्रलयास ए० ट०० एस० फर्नाडिस।

(2) श्रीमति ईफोथोनायो ब्राईको फर्नाडिस  
प्रार०ओ० वेलाम प०० य०० होल्डर  
श्री यस्कोलस्टको मजरेलो।

(3) मैसर्स मजारलोस येहरप्राइजम, वेलीम गलवेह  
गोवा।

(अन्तरक)

2. (1) ईनसडियो जाकोब फर्नाडिस।

(2) जेवो काट्सेकाओ फर्नाडिस भोगल हेर श्री जेवो  
लारेन्जा फर्नाडिस आर०ओ० सर्विलाम मालकेट  
गोवा।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तन के लिए  
कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के उक्तन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रत्येकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 2742 ता० 7-12-84)

ऐ० प्लाट का नाम है मायफोर अपार्टमेंट और इमार  
नं० 7 है। ए संपत्ति मण्णांव में स्थित है। इसका क्षेत्र<sup>91.20</sup> स्केर मोटस।

आर० भारडाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूरु

दिनांक : 10-7-1985

मोहर :

## प्रृष्ठ बाईं टी. एन्. एस.—

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 30 जुलाई 1985।

निर्देश सं० 1075/डिवल्य०आर०/84-85—अतः  
मुझे, आर० भारद्वा॒ज,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० एच० नं० 75-पुराना (डॉडी) नथा  
8-1335 है तथा जो नेहरू नं० गंज गुलबर्गा में स्थित है (और  
इससे उत्तरांश अनुदूत भूमि में आरं पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय गुलबर्गा  
में रजिस्ट्रेशन प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 20-12-1984

गोपनीय सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
प्रतिफल का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाबार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरीतीया) के बीच भी अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य ते उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक  
संक्षिप्त नहो किया गया है :—

(क) अंतरण से हृदृश्य किसी आवृत्ति की बाबत, उक्त  
अधिनियम के वधीन कर दने के बन्तरक के  
प्रयोग से कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया  
को, जिन्हें भारद्वाज बायकर आधार० न०  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छेपाने में सुविधा  
के लिए;

(1) श्री महेश्वर खान पुत्र श्री एस० खान,  
आरं नूनसुरा गुलबर्गा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति लक्ष्मी बाई पल्लि मनिकृष्णा बावार्जा, नं०  
7-5-285 असफ गन्ज, गुलबर्गा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी क  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनूसूची

(दस्तावेज सं० 2309/84-85 दिनांक 20-12-1984)

सं० 7-5-28 (गोडौन) जिसका नाम है।

(प्लाट एरिया 1510 वर्ग फिट+प्लॉट एरिया  
1510 वर्ग फिट) नेहरू नं०, गुलबर्गा।

आर० भारद्वा॒ज,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक बायकर आयुक्त निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूरु

दिनांक 30-7-1985

माहेर :

प्रस्तुप बाई, टी. एन. एस. -----

(1) श्री चूर्ण के, गुरुनाथ जीव, IV कास, जयनगर  
बोंदलोर ।

(अन्तर्गत)

(2) श्री डॉ रत्नेश भट्ट, विपर्णि एवं अरंड  
जा० आडां इंस्कूल, आफिल नेहरु धालोन,  
होमेंट 583201 ।

(प्रचलितो)

प्रधानमंत्री, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्वय, सहायक आयकर आयवस्तु (निरपेक्षण)

अर्जन रोड, बंगलुर

बंगला, दिनांक 30 जूलाई 1985

निदेश सं० 1051/डॉडवत्युप्राप्त/84-४५/एस/क्यू ब/-  
अतः, मुख्ये अ.रा० भगद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
अमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा-  
269-म के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीराजिस्कर में 15/190 है या जो नेहव काले तो होमपेट में स्थित है (श्रीराजस्कर उत्पादक अनुबूति में श्रीराज पूर्ण रूप से वर्णित है) एजिस्ट्रेशन के वार्यलिय होमपेट में रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1968 (1908 का 16) के प्रधान 1208/84-85 दिनांक 11-12-1984

का पूर्वोक्त सम्बल्ति के उचित बाष्पार मूल्य से कम के दृश्यमान ग्रीतफल के लिए अन्तरिक कांग गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बल्ति का उचित बाष्पार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थ्य प्रतिशत में आधिक है और अतरक (अतरको) और अतरिर्णा (अतरितयों) के भीच इस अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाजानाड़क रूप से कथित नहीं किया यथा —

(क) अन्तरण व दृष्टि की जाय की बाबत, उसमें  
शांखिनिवय के अधीन कार होने के सम्मतके दोषाश्रय  
ये कथी करने वा उद्धव बढ़ने में दृष्टिभा वै निए;  
तीर/ग

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हे भारतीय वायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में विवाद के निए;

बहु वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार  
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

(दस्तावेज मं० 1203/84-85 ता० 11-12-84)।

आरा० सं० या० मकान जिरा नाम 1200 वर्ग फिट है। जिन के साथ की जमीन जिसका नाम है 4775 वर्ग फिट है और विकास नं० 15/190, नेहरू कालोनी, द्विसप्ते ।

श्रावण भगवद्वाज  
नक्षम प्रातिकारो  
प्रातिकारो श्रावण श्रावण करुते श्रावण

दिनांक : 30-7-1985  
मोहर (१)

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
दाग 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अवृत्त रेज, बंगलूर

बंगलोर, दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश मं. 1115/84 85—अन्व. मुझे, आर० भारद्वाज,  
प्रांतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है), कौं धारा  
269-क के अधीन संशम प्रांतिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि उक्त अधिनियम, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
आंतरिक नियम: सं. 44194 है तथा जो मिगन्डा रोड मार-  
गोंवा गोंवा में स्थित है (आंतरिक नियम उपावड़ अनुसूच में आंतरिक पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रेशन अधिकारी के कार्यालय  
मालवड गोंवा में आजरदूरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अन्व. दिनांक 6-12-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उल्के दृष्टिकोण प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और प्रतारिती (अंतरिरीती) के द्वारा दृष्टिकोण के लिए तथा पादा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के द्वारा दृष्टि में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(।) अ. अमुनगांवो टियांडोस्टो मराफिनो, फलांडेस अलिशन ए० ट००० एस० फलांडोस और श्रीमति एफिकेनिया यूमिस फरनांडेस और मैर्म सजांगो यंडरवैगस मारगोंवा।  
(अन्तरक)

(२) मैसं. दाद फ्लाट नं. ट००५, मेफैर अपार्टमेंट्स मारगोंवा गोंवा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाझेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिव की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में निवास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनास्तृती

(दस्तावेज मं. 2732/84-95 दिनांक 6-12-1984)  
फ्लाट नं. ट००५, जो III फ्लोर मेफैर अपार्टमेंट्स मिगन्डा रोड मारगोंवा, गोंवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
मध्यम प्राधिकारी,  
सहायक आय-कर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूर

अन्व. अवृत्त अधिनियम की भारा 269-के अनुसर  
तो, अन्व. अवृत्त अधिनियम की भारा २००-की उपभारा (१)  
को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक: 30-7-1985

मोहर:

प्रस्तुत मार्फ़ाटी पत्र पत्र।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

## भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (विवरण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बंगलूरु, दिनांक 30 जून 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 1124/84-85--आयकर मुद्रे,  
आरा० भारतवर्ष

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
आएँ है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22042 है, या जो निम्नरोने विवेज वारडेज  
में स्थित है (और इसमें उक्तावद अनुदूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ड अधिकारी के दायिन्य इलहाम  
गोप्य में, रजिस्ट्रीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 10-12-1984

को दर्शकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उपके इसमान प्रतिफल से, एवं इसमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेष्य से उक्त अन्तरण  
निम्नलिखित में दास्ताविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक अदायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

(म) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

मत: अब, उच्च अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यष्टियों अर्थात् :—

(1) श्री उन्नादेश मन्दिर देश व व्यापार और श्रीमती  
मंदिराक्षी ज० देश व व्यापार चौ. 16 तिवारीजी,  
इलहाबाद, गोदा।

(अन्तरः)

(2) मैं भी अमत और कामत उन्नादेश कंसर्ट, बी००-२;  
जुटा न्यायालय अल्ट्रामिनिस्टा, भारत वारडेज  
गोदा।

(प्रत्यक्षिती)

क्योंकि यह सूचना आवी करके प्राप्तक सम्पत्ति के बर्षन के लिये  
कार्यवाहीय शूल करता है।

इकठ्ठ हम्मती के बर्षन के सम्बन्ध में कोइँ भी शास्त्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में दकान की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तर्तवंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भा०  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्राप्तक  
व्यक्तियाँ नैं मैं किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रदान की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति पैर हितदृश  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी व इस  
लियित मैं किए जा सकेंगे।

प्राप्तोद्दरण :—इसमें यम्भन शब्दों कौर पश्चों जा. आ उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क मैं पथा परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उम अध्याय  
पै दिया गया है।

## प्राप्तुमूल्य

(दस्तावेज नं० 964/204/84-85 ता० 10-12-1984)

इस सम्बन्ध है जो "प्रदियों डी० अफगानिस्तानी ओडियरल  
डिनोमीनाडों नाम से प्रसिद्ध है जो निम्नरोने विवेज वारडेज  
इलहाबाद गोदा में स्थित है।

आरा० भारतवर्ष,  
सहायक आयकर आयकर (विवरण)  
अर्जन रान, बंगलूरु

दिनांक : 30-6-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

**आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सच्चना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक, आयकर आयकल (निरीक्षण)

प्रज्ञा रेति वंगला

बंगलूरु, दिनांक 30 जूलाहै 1985

निर्देश सं० 1119/84-85—अतः मङ्गे, आर०

भारहात्

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'द्वितीय अधिनियम' कहा जाता है), लंबे धारा 269-वाँ के अधीन साम्य प्राधिकारी ने, पूर्व विदेश करों का कारण है कि स्थानीय राजिति जिसका एक दोषीर मूल्य 1,00,000/- रु. के लाई है

और इसी सं० पुढ़ है कि सभी समाज गंदा में रिति  
है (और इसे उपायकरण सुनी रखो) कि एक रुप  
से बणि है), रजिस्ट्रेशन अधिकारी नार्थन गंदा में  
रजिस्ट्रेशन अधिकारी 1908 (1908-7-16) के अधीन  
दिनांक 14-12-1984

को पूर्वोत्ता सम्पत्ति के अधिकार मूल्य से कम के उद्देश्यालय प्रतिकल के लिए अंतीम को जहाँ है और उसे इन विश्वास करने का कारण है कि विश्वास संवाद या गवित विषय मूल्य, उसके व्यवस्था विवरण से, एवं उसका नियन्त्रण पन्द्रह प्रिविति से अपेक्षित और विषयक (उत्तराधिकारी) विषय-प्रिति (अन्तरितियाँ) विवरण अनुरूप नहिल या विवरण प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य रुद्धता विवरण हितिर में व्यास्तविक रूप से कठिन हो। विषय मत्ता विवरण

(क) अंतरण गे टार्ड दिली आइ को वादत, उवत  
अधिनियम बैठक कर इन के छात्र को टार्ड दिली  
मौं कमी करने द्य रससे धन्देह द्वे रुपया के लिए;  
आरे/या

(६) एसी किसी जाता या दिल्ली भन या अरब आरियाँ  
को, जिन भारतीय अधिकार अधिकार, 1922  
(1922 का 11) वा उक्ता अधिकार, वा बन-  
कर अधिकार, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
इच्छा करने,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमृदासावो डियांडेसियं से अफिलो फर्नन्डिज और उनकी पत्नि श्रीमति एफिपेन्था युरिङ्क के फर्नन्डिस, उनके प्रतिनिधि एवं कोला टिक मज़रेल्लो और

(2) मेसर्स मजारेल्लोंत एंटरप्राइसेंस, मरगोवस

(अन्तर्क)

श्रीमति एनिड पेडन्हा डाकोस्टा, वेरिस्म, तोले-  
वान्टो, सुलसैहे, गोदा।

(अनुवादी)

को नहीं सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही हाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पर्चि हे अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन की अवधि या तत्संघी व्यक्तियों से सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(इ) इस सूचना के राजदूत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते हैं।

**स्पष्टकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के कथाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हैं जो उस कथाय में दिया गया है।

अनुसारी

(दस्तावेज सं० 2743/34 दिनांक 14-12-8½)  
सम्पत्ति है क्रिस्टा प्लाट नं० एफ-1, जो "मफैर  
अन्डरवर्टमेंट्स", मरगांवा, गांवा, में स्थित है।

सहायता आवश्यक आवृक्ष (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलर

दिनांक 30-7-1984

माहर ३

प्रैरुप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

प्राप्त संस्कार  
कायालय, सहायक बायकर आष्टक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर  
बंगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1985  
निर्देश सं. 1122/84-85—अतः मुझे, आरा० भार-  
द्वाज;

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिंड इवां इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन संकाय प्राधिकारी को यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 350 है तथा जो रिया विलेज में मनोरा सालसेट तालूका, गोवा डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के शायलिय सालसेट गोवा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल के कम के स्वभाव प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और यह विवाह करने कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य इसके स्वभाव प्रतिफल से, ऐसे स्वभाव प्रतिफल का उच्च अधिक है और उत्तरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितायों) के बीच यहां बन्तरण के लिए उच्च बाजार वा प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चावेशों से उक्ता अन्तरण लिखित में सांस्कृतिक कष से कठित नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्ते वा उत्तरक के अधिकता के कानून दर्ते वा उत्तरक में सूचित के लिए; और/वा

(क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य वासियों को जिन्हे भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया जाता या किया जाना चाहिए था, जिसने में सूचित के लिए।

अतः यह, उक्त अधिनियम का भारा 269-ए के अनुसुचि में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति :—

45—226 GI/85

(1) श्री टिटो फिलोमेनो ओरेलियो डापिया डैड आन्ड्रूहज इ मेनिजेज या टिटो फिलोमेनो जोस डिलिये मेनिजेज असियास टिटो मेनिजेज और उसकी पत्नि श्रीमति एजिलडा मेनिया मलाकना मेनिजेज जो लंडन में रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स कारपे रियल एस्टेट्स, कारपे हौस इसिंजरो ब्राप्टिस्टा रोड, मारगोवा

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यादिवां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकतयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवैध बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहसाकरी के बारे विविध बारे किए जा सकें।

**लक्ष्यावेजः**—इहमें प्रवृक्त सम्बोधी और पत्नी का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## लक्ष्यावेजः

(वस्तावेज सं. 2810/84-85 दिनांक 29-12-84)  
सम्पत्ति है जो 'डॉनफेलिकेम भाट या उरेल' नाम से जपरिचित है और उसका नामा दं. 319 0 स्केवर मृदांगन है जो रिया विलेज में मनोरा, सालसेट तालूका, गोवा डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

आरा० भारद्वाज,  
संस्कृत प्राधिकारी  
सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 30-7-1985

मोहर :

प्रस्तुति आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज वंगलूर

बंगलूरु दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं 1104/डब्लू. आर/84-85/एमस्यु बी-

आर मुद्रा आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्हीं सं आर० एस० 196/1, 196/2 हैं तथा  
जो हिन्डलग, वेलगांव में स्थित हैं (और इसमें उपाबंध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से दर्जित है), के लिए जिस्ट्री-ता  
अधिकारी (दायालिय वेलगांव में रजिस्ट्री-एण अधिनियम 1908  
1908 वि. 16) के अधीन दिनांक 3350/84-85 दिनांक  
20-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंडह अतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित सुदृढ़देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्य में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जीवन बी० कुलगांव, श्री श्रीष्ठि श्री विलास  
कोल्लापुर वेलगांव।

(अन्तरक)  
(2) चेयरमैन, समर्थ कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,  
हिन्डलग गांव, वेलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिणी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कौदूर्ष भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं 3350/84-85 दिनांक 20-12-84)  
सम्पत्ति जिसका सं आर० एस० नं 196/1, 196/2  
जो हिन्डलग, वेलगांव में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, वंगलूर

दिनांक 30-7-1984

लेहर :

प्रकृष्ट थाई.टी.एस.एस.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत लक्षण

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं० 1130/84-85--अतः मुख्य आरो  
भारद्वाज

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन संभास प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 (6सी) है तथा जो सेट भेरोस<sup>ा</sup> कालोनी गासपर दिवान, मिरोमर, पनजी, गोवा में स्थित है (और  
इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से घण्टित है),  
रजिस्ट्रीशन के वायकर गोवा में रजिस्ट्रीशन अधिनियम  
1908 (1908 त 16) के अधीन दिनांक 21-12-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए बन्तरण की गई है और  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उद्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
जोर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
संदर्भ से उक्त अन्तरण लिहित में वात्सलिक स्पष्ट से कानूनित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था यदि किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः क्य, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के क्षुसरण  
में, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षति:—

(1) श्री जोसे मिनिनो जीलन अक्षेद और श्रीमति  
मरिया ल्यूजा कोंस्टा अक्षेद, सर्नावाटिन,  
सलसेट, गोवा।

(अन्नरक)

(2) मरे आंट्यो, न्यूयर्क, सलसेट गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यकारी होना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधिकारी के पास  
लिहित में दिए जा सकेंगे।

**संलग्नीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1006/211/84-85 दिनांक 21-12-84)

सम्पत्ति है जिसका सं० प्लाट नं० 2 (सीं 6), जो सेट  
भेरोस कालोनी, गासपर डेवास, मिरोमर, पनजी, गोवा, में  
स्थित है।

आरो भारद्वाज,  
संभास प्राधिकारी,  
सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 30-7-1985

मोहर :-

प्रधन मासू.टी.ए.ए.ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

### आदेश वर्तमान

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूरु

बंगलूरु, विनांक 30 जुलाई 1985

निदेश सं० 1116/84-85—अतः मुझे, आर०  
भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का  
आदेश है कि स्थावर अधिकारी को, यह विषयास करने का  
भारा 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० एफ 9, नया सं० एफ 2 है  
तथा जो 1 फ्लोर, मेफेर अपार्टमेंट्स ब्लाक ए मरगोवा गोवा  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोवा  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 6-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमाल  
प्रतिकल के लिए अंतरित की यह है और मुझे वह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके इसमाल प्रतिकल से एवं इसमाल प्रतिकल का प्रत्यह  
प्रतिवर्ष वे अधिक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती  
(बन्तरितियों) के बीच एवं बन्तरन के लिए तद याता या  
प्रतिफल, निम्ननिवित व्युद्धेष्य से उक्त बन्तरण निवित  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तायं  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
... निम्न उक्त अधिकारी, अधीक्षित 8—

(1). श्री ए० टी० एस० फरनांडेस, श्रीमती एफिकानिय  
गुरुडेस के फरनांडेस, उनके प्रतिनिधि श्री एसको  
लास्टिको मरारेलो; और मेसर्स मरारेलोस एंटर-  
प्रैसेस, बेला विस्टा, अपार्टमेंट्स, मरोवा,  
सलसेट्टे ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जोविटा कोलार्का वेलिम सलसेट्टे ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके स्वीकृत सम्पत्ति के अर्बन के लिए  
कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्बन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तवः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरिती अवधि वी पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाय में समाप्त होती है, के भीतर प्रूफेंट  
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा ।

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुक्त  
किसी अन्य अधिकारी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसप्रेर प्रयुक्त वाये और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2741/74-85 दि 6-12-84) ।

सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० एफ 9, नया सं० एफ 0  
2 फ्लट फ्लोर, मेफेर अपार्टमेंट्स, ब्लाक एक मरगोवा,  
गोवा, में स्थित है ।

आर० भारद्वाज,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूरु

दिनांक: 30-7-1985

मोहर:

प्रश्न वाइटी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३)  
की भारा २६९-घ (१) के अधीन सूचना

## भारत शुल्क

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिवांक ३० जुलाई १९८५

निर्देश सं० ११/२९/८४-८५—अतः भुजे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाय  
२६९-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
१,००,०००/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ६२८ (प्लाट २) है, तथा जो इलाहास  
पनजि, गोवा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय, गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८  
का १६) के अधीन २९-१२-१९४४

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और भुजे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद्य पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेखों से उक्त अन्तरण लिखित द्वे  
भारतीय रूप से कीपत नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण द्वे हैं किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम वे अधीन कर देने के अन्तरक के  
सामिल द्वे कमी करने वा उसके बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(२) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वाया प्रकल्प नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः बाय, उक्त अधिनियम की भारा २६९-घ के अनुसुचि  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा २६९-घ की उपायां (१)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकतवों, अधिकतः—

- (१) श्रीमती विताल एम० एस० तलौलिकर
  २. उषा विताल सिनै तलौलिकर,
  ३. डाक्टर प्रामोद एम० एस० तलौलिकर,
  ४. प्रवासिनि प्रामोद एस० तलौलिकर,
  ५. प्रदीप एम० एस० तलौलिकर और,
  ६. अमिता प्रदीप एम० तलौलिकर,
- हीरा महल, पनजि,  
गोवा-१

(अन्तरक)

- (२) मैसर्स प्रदीप को-आपरेटिव हाउसिंग  
सोसायटी लिमिटेड,  
तमबाडी मारुति, तलंगोवा,  
गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(१) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी लायिकायों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद वो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
स्वाक्षितयों में से किसी अविकृत दृष्टान्त;

(२) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य अधिकता द्वाया, अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षितरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त  
अधिनियम वे अन्याय २०-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया  
गया है।

## उल्लेख

(दस्तावेज सं० १०००/८४ ता० २९-१२-८४) ।

सम्पत्ति है जिसका प्लाट नं० २, जो "प्रदीप बिल्डिंग"  
इलाहास, गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : ३०-७-८५

मोहर :

राज्य लाइ. टी. एन. एच. २२-८०००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 30 जुलाई 1985

मिर्देंग सं० नोटिस नं० 1101/84-85—अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 28 (एस नं०) है, तथा जो विलेज  
भात तालूक संघवेम में गोवा स्थित है (ओ० इसमें उपावन्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, संघवेम, गोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शनान  
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दर्शनान प्रतिफल से, ऐसे दर्शनान प्रतिफल का  
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरेको) और अंतरिती  
(अन्तरीरितीयों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तब याता यह  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यपूर्त नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इसी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देवे के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
है यिए छूट/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-ए-र  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ

उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिका—

(1) श्रीमती मेरिया हेनरी टेल डी० आड्रेड  
श्री जोस प्रेस्टो विवटो मेल्स डी आड्रेड  
शोल्ट, 2 परोर, अंबेद करिया रोड,  
मारगोवा, गोवा

(अन्तर्क)

- (2) 1. श्री शांताराम श्रीपाद प्रभु देसाय,  
2. श्री इताराम नारायण शेट नावेनकर  
3. श्री दामियाओ डिपागो ड कास्टा  
4. श्री अग्नेली गासपर पेरेंरा  
5. श्री श्रीकान्त मोनू भान्डारी  
6. श्री अनन्त शिवराम चिपलान्कर  
7. श्री तुलसीदास शिवाजी मायक  
8. श्री मुर्या महेश्वर वेलिंग  
9. श्रीगती लक्ष्मीबाई विट्टल केलान्कर  
10. श्री चन्द्रकान्त लक्ष्मण भट्टारी  
11. श्री भाभुराय गांवकर,  
शेलपम मंडवेम गोवा

(अन्तर्निती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कायांहया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यावरणों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुत  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तान्तरी के पाल  
भित्ति में किए जा सकें।

**स्वाक्षरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त  
हैं, वहीं अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

स्वाक्षरी

(दस्तावेज सं० 227/84-85 ता० 1-12-84)।

कृपि भूमि उसका नापना 2,06,725 एकर मीटर्स  
जिसका सं० 28 जो विलेज भात तालूक संघवेम, गोवा में  
स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूरु

तारीख: 30-7-85

ओहड़ ॥

ब्रह्म बाई, दी. एस., -----<sup>1</sup>

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बंगलूरु

बंगलूरु दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं० नोटिस नं० 113/84-85—अन्तः मुम्भ,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि भारा  
269-ष के अधीन सूचना साधिकारी को, यह विवाह करने का  
कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० टी० 1 (पुराना टी० 12)  
है, तथा जो मेकेर अपार्टमेंट्स, मारगोवा गोवा में स्थित  
है (अंतर इसमें उपावद अनुमूल्यी में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), सज्जित्रीकृत प्राधिकारी के कार्यालय, सालमेट गोवा में रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
ता० 5-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को अधिनान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल  
से, ऐसे अधिनान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिताओं) के बीच एसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(को) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(द) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर संधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त संधिनियम या  
उनके अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती बाबा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिपने में सुविधा  
हो दिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री असुनसावो टियोशोतियों सेराफिहनो फर्नाडिस  
डलिलियास ए० टी० एस० फर्नाडिस और  
उसकी पत्नी श्रीमती एफियेनिया युरिडिन फर्नाडिस  
उनके प्रतिनिधि एस्कोनास्टिको मजाजारेल्सो  
है और मैपर्स मजारेलोस एटरप्राइवेम  
इसके प्रतिनिधि श्री एस्कोनातेडिको,  
शाप नं० 4, वेला विस्ता,  
मारगोवा, गोवा

(अन्तरक)

(2) श्री विविधन फांसिस डकास्था  
सीमेन डोनेकान्टो, वेलिम सालवेट,  
गोवा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बच्चे होइ भी आकर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर<sup>2</sup> सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि नाद मा नमाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखान्तरी के पास  
लिमित में किए जा सकें।

**लिंगोकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2731/84-85 ता० 5-12-84)।  
प्लाट नं० टी०-1 (पुराना टी०-12), जो मेकेर  
अपार्टमेंट मारगोवा, गोवा में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज बंगलूर

दिनांक 30-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 30 जुलाई 1985

निवेश सं. 1111/84—85—अतः मुझे, आर०  
भार स्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 59/1 ए 41ए/13 है तथा जो संज्ञा ए-  
पुर ग्राम दारवार में स्थित है (और इसमें उपावद अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 13-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे वह विवास करने का कारण है  
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अध्यमान  
प्रतिफल से ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पंच प्रतिकृत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में कानूनिक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी वाय की तरह, उक्त  
अधिनियम से अधीक्त कर देने के अन्तरक के विविध  
में कहीं करने वा उक्त सूचने में सूचिता के लिए;  
और/वा

(ब) हेतु किसी वाय वा किसी वाय की अनुसूची  
को, जिसे भारतीय बाबकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रशोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
पाया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने वा  
सूचिता के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूचण  
में, वा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभाषा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्याप्त है—

(1) श्री महेश्वर अमृतापा मिरजाकर, 47, मियागढ़  
कामपौड़, सप्तपुर, दारवार

(अन्तरक)

(2) श्री रामदास नारायण कोमत, स्टेट बैंक, गोवा  
मैनेजर, दारवार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में काई भी जानेप्रीति :—

(क) इह सूचना के अध्यपत्र में ब्राह्मण की तारीख है  
45 दिन की अवधि वा तस्वीरें अद्वितीयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि वा भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
अद्वितीयों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इह सूचना वे दावदात वे ब्राह्मण की तारीख है  
45 दिन की अवधि वाले इवारा उक्त सम्पत्ति  
किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोइस्ताक्षरी के पाव  
सिद्धित में किए वा सकें।

लक्षीकरण :—इसमें प्रयुक्त वाव्हां और वाव्हों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित है, वही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया  
पाया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1240/84 दिनांक 13-12-84)  
सम्पत्ति है जिसका सर्वे नं. 59/1ए/13, जो संज्ञा  
पुर ग्राम, दारवार में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलोर

दिनांक 30-7-85

मोहर :

प्रस्तुत वाई. टी. एन. पट. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 30 जुलाई 1985

निर्देश सं० 1055/2685/84-85 अतः मुझे, आर०  
भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-व के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० पम० नं० 130/1 व 130/2 बि  
है तथा जो गांगवेंद्रा कालोनी बैंगोरि ग्राम, हृष्णगढ़ में स्थित  
है (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण सूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-12-84  
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पंचवृष्टि प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और  
अंतरिक्षीय (अंतरिक्षियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया  
माया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप में काथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
कारीनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कं  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी भन मा उन्हें आमतयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या घन-  
कर आधीनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगस्थ कल्पनी दिया गया है; और/या  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त् :—

46—226 GI/85

- (1) श्री श्रीकृष्ण राव, राजापुरोहित देशपांडे, नगर,  
हृष्णगढ़।  
(अन्तरक)  
(2) श्रीमति पुष्पगता कोनापुर, उडपि तालुक, (एम०  
क०)।  
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी अविक्षित होता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध  
निम्नों अन्दर व्याप्ति द्वारा अन्तरिक्षीयरी के पास  
निर्विकल में किए जा सकेंगे।

**प्राप्तीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1055/84 ता० 10-12-84)  
सम्पत्ति है जिसका सं० आर० पम० 130/1, और  
130/2 ओ, जो गांगवेंद्रा कालोनी, बैंगोरि ग्राम, हृष्णगढ़ में  
स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सदाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलोर

दिनांक: 30-7-85  
माहर

## प्रस्तुत आईटीएचएस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

## वार्षिक सूचना

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (प्रिवेशन)

अर्जन रेज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० 5/84-85/37ई—अन: मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष (1) के अधीन सभी प्राधिकारी को उक्त विवरास करने का  
कारब्ध है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,60,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लाट नं० जी०-३ है तथा जो० कंडां-  
लीयम गोवा में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची  
में पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन दिनांक 5-12-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमनि  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विवरास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमनि प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिथित में  
प्रासादिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ब) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तीयों  
की, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, दायरा :—

(1) अनकान रीयल इस्टेट्शन प्रा० निमिट्टेड, वेल्हो  
बिलिंग, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री अन्तोनी पीटर अमाक डीमोजा और श्रीमती  
जानेट डीमोजा 107, हेलेना बीला, कवेरम  
कनघठ, ठीवीम बार्डेज, गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
लिए कायवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख लं  
45 दिन की अवधि या तस्मन्धि अविस्तरों पर  
सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविस्तरों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूष्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वास्ताक्षरी के पास  
प्रिविल में लिए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी०/५६/दिसम्बर 1984 दिनांक 5-12-1984)

प्लाट नं० जी०-३ "अगोडा हालीडे होम्स" कर्डोलीयम-  
गोवा।

आर० भारद्वाज,  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (प्रिवेशन)  
अर्जन रेज बंगलोर,

दिनांक : 10-7-1985

मोहर :

प्रस्तुप वाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलोर  
बंगलोर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० 7/84-85/37 ईई—अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप सं० 12 है तथा जो मरगांव में स्थित  
है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-12-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इयमान प्रतिफल से, एंसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथा दाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में  
प्रारंभिक रूप से कार्यात्मक नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम की वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;  
और/या

(ख) दोस्री किसी आय या किसी धन या अन्य व्यास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपजाय (1)  
के बोग, निम्नलिखित व्यक्तियों, बतातः ।—

(1) अन्तकान रीयल ईस्टेट्स प्रा० लिमिटेड, बेल्हो  
बिल्डिंग, पंजाबी-गोदा ।

(2) श्री प्रकाश जे० रामचन्द्रानी, प्लाट बी/7, नावेल-  
कर अपार्टमेंट्स, मांगोर हुलि, बास्कोडी-गामा ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों परु  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितभूषण  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
मिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी०/५०/सितम्बर 84 दिनांक 51-284)।  
शाप नं० 12, "गाडंन बीव अपार्टमेंट्स" टेरेनो नाम-  
गोला मरगांव-गोदा 27.19 वर्ग गज

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण);  
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 10-7-1985

मोहर :

इस खाद्य टी. प्र. एवं

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारत 269-ग (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

स्वास्थ्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलोर

बंगलोर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० छी० आर० 13/84-85/37ई—अतः मुझे  
आर० भारद्वाज

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विहू इसके  
इकाई वस्त्रात् 'उक्त अधिनियम' कह गया है, की आय  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है एक स्थावर सम्पत्ति, चितका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ५ 4 है, तथा जो कन्डोलीयम, गोवा में  
स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलोर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-12-84  
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अंतिरित की गई है और भूकों यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त वस्त्रान् प्रतिफल से, एवं वस्त्रान् प्रतिफल का पूर्ण  
वित्तवद तं अधिक है और बन्दरगढ़ (बन्दरगां) और बन्दरगढ़ी  
(बन्दरगढ़ीकां) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण से उचित  
वैश्वानिक स्पष्ट से कृपित नहीं किया गया है ॥—

(क) बन्तरण से है इसी किसी बाब की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सविधा  
के सिए; बाहु/वा

(ख) इसी किसी बाब मा किसी भन मा बन्य बास्तवों  
में, विहू भारतीय बाब-कु अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, वा अ-  
कु अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
इवोचनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
मा मा किया जाना आहिए था, किमाने में सूचित  
में शिरू;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा '1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—

(1) अल-जाम रीयल ईस्टेट्स प्रा० लिमिटेड, बेल्हो बिल्डिंग  
पणजी गोवा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति डेबोःरोह ग्राम० डी० मेलो, "ईव मरीया"  
प्लाट नं० 2, मेन ऐवेन्या सौंता शुज, बास्ये 400054  
(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के निम्न  
कारबाहियां कुरुता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्बन के संबंध में काइ भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्ति आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्षम  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा व्याहोस्त्राकारी के पार  
निषिद्ध में किए था सकते।

**तथा इतरः**—इसके प्रयुक्त सम्बोधी वारु पत्रों का, जो उक्त  
अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा, जो उक्त बध्याय में विदा पत्र  
हो।

वृद्धी

(दस्तावेज सं० डी/55/दिसम्बर 84 दिनांक 5-12-84)  
प्लाट नं० 4 ए "अगोडा हालीडे होम्स" ऐसालवाक मठा,  
कन्डोलीयम 55.00 वर्ग गज ।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलोर

दिनांक 10-7-85.

नोट ३

प्रस्तुत वाहू, ई. एच. एच. -----

(1) अलकान रीयल ईस्टेट्स प्रा० लिमिटेड, वेल्हो  
बिल्डिंग, पणजी, गोवा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्री लेवर फरनार्डिज और श्री.मति मार्फा  
एन.गेट फरनार्डिज द्वारा श्री.मति ए० लोबो, घर  
नं० 289, गोनकोई, अलडोना बांडज, गोवा ।

(अन्तरिती)

## तात्पर उत्तराधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर दिनांक 20 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० 26/84-85/37ई-अतः

मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी प्लाट नं० ४ है, तथा जो कन्डोलायम गोवा  
में स्थित है (आंग इसमें उपावड ग्रन्तुसूची में आंग पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रेक्टरी के कार्यालय बैंगलूर में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
5-12-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और ग्रन्थे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
न्द्रह प्रतिष्ठात से अंतरक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
में वास्तविक रूप से क्रीयत नहीं किया गया है ।—(क) अन्तरण से दूर किसी बाब की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अन्तर्गत कर दने के बन्तरक व  
कार्यालय में किसी कड़वे वा उक्त बचने में उपचार  
के लिए; और/वा(घ) दूरी किसी बाब वा किसी भूमि वा अन्य कास्तियों  
से, जिन्हे बास्तीव बाब-कड़ु अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा  
बाब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया  
वा वा किया जाना आविहए वा, छिपाने में सुधारा  
वी लिए ।अतः बब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः :—क्षे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तापीत से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी/49/दिसम्बर 1984 दिनांक 5-12-84)  
प्लाट नं० डी.०-५ "अगोडा हार्लैड होम्स" अपार्टमेंट्स  
कन्डोलीयम 55. 00 वर्ग मीटर ।आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 10-7-1985

माहूर ॥

हस्त लगाएँ दी० भूत, मुख, १९८५

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के वर्णन दृष्टि।

### उत्तर उत्तराखण्ड

सार्वजनिक, उत्तराखण्ड आयकर विभाग (प्रिवेट)

अर्जन रेज, बंगलोर

बंगलोर दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० 27/84-85/37ई-अतः  
मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिछे इसमें  
इसके उत्तराखण्ड 'उत्तर अधिनियम' कहा जाया है), की भारा  
269-व के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ३ है तथा जो अलटो बहीम  
बांडेज गोवा में स्थित है (ओर हम में उपायद अनुगूमी  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय  
बंगलोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन दिनांक 5-12-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्तराखण्ड  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये वह पिछाउ  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अध्यात्मन प्रतिफल से, ऐसे उत्तराखण्ड का पंजीयन  
प्रतिक्रिया से विचित्र है और उत्तराखण्ड (उत्तराखण्ड)  
मौजूद अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब यहा यहा इति-  
प्रति इन्हाँनी उत्तराखण्ड से उत्तर उत्तराखण्ड हिन्दूखण्ड में उत्तराखण्ड  
से संकेत नहीं किया जाया है।—

(म) उत्तर उत्तराखण्ड की वादह, उत्तर  
अधिनियम के अधीन कर देने के उत्तराखण्ड के वादित्व  
में क्या क्युं वा उत्तर उत्तराखण्ड में दूषिता के लिए;  
और/या

(न) ऐसी किसी वाद या किसी भन या उत्तराखण्ड को, पिछहे आरडीव आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, का  
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
में प्रवालेनार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया  
जाया या या किया जाना आहिए था, तिथाने वै  
दूषिता के लिए;

उत्तर उत्तराखण्ड की भारा 269-व वै उत्तराखण्ड  
में वै उत्तराखण्ड की भारा 269-व वै उत्तराखण्ड (1).  
वै उत्तराखण्ड की भारा 269-व वै उत्तराखण्ड (1).  
वै उत्तराखण्ड की भारा 269-व वै उत्तराखण्ड (1).

(1) श्रीमति मारीना नुसीया वेगस अलटो डी० बेतीम  
बांडेज, गोवा।

(अन्तरक)

(2) डायम्को बल्डास, ग्रेन्ड फ्लोर, मगनलाल सदन  
एम० वा० रोड, पणजी गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाऊ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यालयां करता है।

उत्तर उत्तराखण्ड के अर्जन के उत्तराखण्ड में कोइ जाकेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की कामील से 30 दिन की अवधि, जै भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीह से  
45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पात्र  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही वर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया  
जाया है।

### लगाएँ

(क्षेत्रावेज सं० डी०/77/दिसम्बर 1984 दिनांक 5-12-84)  
प्लाट नं० ६ "जारडी" अलटो बेतीम, सेरुला खेडा  
बांडेज, गोवा ९४५.०० वर्ग गज।

आर० भारद्वाज;  
मध्यम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलोर

दिनांक 10-7-1984

मोहर :

श्रम वाई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-वि (1) के अधीन दृष्टि

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डॉ० आर०-117/84-85/37ई—अतः  
मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
एसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग  
269-वि के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थान अधिकार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट नं० 3 और 4 है, तथा जो अल्टो डॉ०  
वीक्षारीम ईल्हाम, गोवा में स्थित है (और इसे उपायद्वा  
ग्रनुसूची में श्रीम पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय बंगलोर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 5-12-84

इस प्रौद्योगिक संस्थान के उचित बाजार मूल्य से कम के इसमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विषयास  
करने का कारण है कि यथापूर्वकता संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इसमान प्रतिफल से एसे इसमान प्रतिफल का  
अन्यहृ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तथा पाया  
जाना प्रतिफल निम्नलिखित उपवेश से उक्त अन्तरण लिखित  
अस्तित्व के रूप से कीधत नहीं किया गया है :—

- (1) श्रो नवेस्टीयो शेक डॉ० कन्हा,  
(2) श्रामो० ईदा ऐरेजोना डॉ० कन्हा, पी/ए, ऐडमन्ड  
जोकीम जबीयार डॉ० कन्हा, मोयरा बार्डज, गोवा।

(अन्तरक)

- (2) मै० मठ अवर व्युलडरम, हिलटाप अपार्टमेंट,  
अल्टो बतीम गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

इस उपस्थिति के वर्जन के सम्बन्ध में लौह श्री बालोर ३—

(अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वि  
45 दिन की अवधि का उत्तममध्यम व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
वाले वर्ष में दूसरा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में जो किसी व्यक्ति इवान;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वि  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वृक्ष किसी वर्ष व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित  
हैं, वही वर्ष होगा जो उस वर्षाव में इस  
में है।

अनुसूची

(अ) उक्त सूचना किसी आय की वारद उपर अधिक-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वारित वे  
कमी करने वा उससे बचने वे सावधा के लिए;  
भारतीय

(ब) एसी किसी आय या किसी भन वा अन्य बास्तवयों  
ज्ञा, 1979- भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रधानमार्थ अस्तरिती इवारा प्रकट वहीं किया जवा  
या या किया जाना आविष्ट आ, छिपाने में सुविधा  
वा लिए,

(दस्तावेज सं० डॉ/34/दिसम्बर 1984/ता० 5-12-84)  
प्लाट नं० 3 व 4 "अकोरामेंटो उप्रयेम गलुम" अल्टो डॉ०  
पोर्नोरीम, ईल्हाम, गोवा 133.40 वर्ग गज ।

प्रार० भारद्वाज,  
मक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलोर

दिनांक 10-7-1985

ओहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-वि के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भाग 269-वि की उपशारा (1)

\* अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं. डी० आर०/150/84-85/37 ईई—अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 4 व 5 है, तथा जो कन्डोलीयम  
गोवा में स्थित है (और इसे उपायव्र अनुमूली में और  
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बंगलूर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 5-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृडो यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचित्व में  
कपी करने या उससे बचने में सुविधा वे लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रावन रोयल इस्टेट्स प्रा० लिमिटेड बेल्हो  
बिल्डिंग, पणजी गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कलीर्हीडा दोमोजा द्वारा श्री पूर्व कर-  
नांडोज, आर्य नमाज रोड, मंगलूर-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बनस्तुती

(दस्तावेज सं. डी/70/दिसंबर 1984 दि. 5-12-84)  
प्लाट नं. 4 व 5 "अगोडा हालीडे होप्स" अपार्टमेंट्स,  
कन्डोलीयम, 55.00 वर्ग मीटर।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 10-7-1985  
मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

(1) अलकान रीथल ईस्टेट्स प्रा० लिमिटेड वेल्ही-विलिंग, पणजी—गोवा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की भारा 269 व (1) के अधीन सूचना(2) श्री रावर्ट फरनांडिज और श्रीमति ओलारी फर-  
नांडिज चीवेलरोड, बांद्रा वाघे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर  
बंगलूर 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० 151/84-85/37 ईई—अतः

मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को उक्त विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० एच-6 है, तथा जो कन्डालीयम-  
गोवा में स्थित है (और इससे उपावक्त्र अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 5-12-1984को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवधान  
प्रतिफल से, ऐसे अवधान प्रतिफल का बंदूह अतिशय से अधिक  
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच  
ऐसे व्यापक अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीयत  
नहीं किया गया है :—को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यालयकां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वास्तव :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
विधि बावध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताशरी के पास  
लिखित में किए जा सकते।

**अधिकारीकरण:**—इसमें प्रदत्त वक्तों और पक्षों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित  
होता है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए  
शक्ति है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के  
दायित्व में कर्त्ता करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/वा

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों  
को विहृ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

(दस्तावेज सं० डी०/69/तिसम्बर 1984 ता० 5-12-84)  
प्लाट नं० एच 6 "अर्गडा हालीडे होम" कन्डाली-गोवा।

आर० भारद्वाज,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूर

अतः वक्तः, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुभवण  
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, अन्तरित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
47—226 GI/85

दिनांक 10-7-84

मोहर :

प्रैरुप अर्थ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूरु दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं. डी आर-152/84-85/37ई— अतः मुझे  
आरो भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लाट नं. जी 4 है तथा जो कन्डोलीयम-4  
गोवा में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुमूली में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट के कार्यालय बंगलूर में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 5-12-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थावर  
प्रतिफल वे लिए अंतरित की गई है और मूँहे यह विवास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके स्थावर प्रतिफल से, ऐसे स्थावर प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
पर्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
प्रतिविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा को लिए;  
और/या

(ख) दोस्री किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहुए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैं आलकान शीयन ईस्टेट्स प्रा० लिमिटेड  
पणजी गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कलाश कारमेन सीक्वेण और श्री डेशी के  
क्रीस्टोपर सीक्वेण, "सी बीव" सीवाजी पाक;  
केतुस्कर रोड, (उत्तर) बाबी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीहायां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी जन्व व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टोक्तरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में बथा पौराण-  
प्रित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
विवा गया है।

अनुमूली

(दस्तावेज सं. डी/67/विसम्बर 1984 ता० 5-12-84)  
फ्लाट नं. जी-4 "ग्रोडा हलीड होम्स" अपार्टमेन्ट्स  
(“एसालवाक मठा”, कन्डोलीयम, गोवा 55.00 वर्ग गज।

आरो भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बंगलूर,

दिनांक 10-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर  
बंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० 153/84-85/37 ईई.—यतः  
मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा  
269-ष के अधीन सज्जन प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० बी०/९ है तथा जो कल्डोलियम  
गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
का 16) के अधीन तारीख 5-12-1984

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य पर विवास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंथे  
दृश्यमान प्रतिफल के पत्तह प्रतिशत से अधिक है  
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

इतः यद्यु, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कथांतः :—

(1) आलकान शीयल ईस्टेट्स प्रा० लिमिटेड  
बेल्हो बिलिङ, पणजी, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माशी बेलजीना पायस,  
पी० ओ० बाक्स 1145, सालमीया, कुवेत।

(अन्तरिती)

मेरे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के दबंध में क्षेत्र भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदृश्य  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

गोवा

(दस्तावेज सं० डी/68/दिसम्बर 1984 दि० 5-12-85)  
प्लाट नं० बी०/९ "भगोडा हालीडे होम्स" प्रास्ता  
"ईसालवाक मढा" कल्डोलियम गोवा 55.00

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक : 10-7-1985

मोहर :

संख्या ३०८१ द्वारा दिनांक १५ अक्टूबर १९८५

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

साप्ताहिक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० 154/84-85/37ई—यतः  
मझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन संशोधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करते हुए  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूमि  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मेट्रीज नं० 1371 है, तथा जो पणजी  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय बंगलूर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 5-12-1984

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि से कम के विश्वास  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-  
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निर्धित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन इस द्वारा दर्जे के अन्तरक वे  
दायित्व में कमी करने या उत्तर से बचने में सुविधा  
है लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भवकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ  
वास्तविकी द्वारा इकट्ठ नहीं किया जाया या किया  
जाया जाना वे दृष्टिकोण से दिए;

अतः आ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णता :—

(1) श्री रेजीनालडो डोस रेमेडीयोस

C/o श्री पास्कोल मेनेजीस अल्टीनो पणजी-गोवा

(2) श्री मारियो पालोजुडे डोस

रेमेडीयोस, पोरतुगाल

3. श्रीमती मारिया इन्डिया डोस रेमेडीयोस  
सालवाडो पोरतुगाल।

(अन्तरक)

(2) मे० अलकान रीयल इस्टेट्स प्र०० लि०,  
बेल्डो विलिंग पणजी, गोवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर से नियमित  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर से कोई भी वापर नहीं—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही लर्ख होंगा जो उस अध्याय से विद्या  
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० डी/84/डीमम्बर 1984 ता 5-12-84  
घर मेट्रीज नं० 1371 काठनो डी० अलबुकरकरक  
रोड, पणजी, गोवा।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 10-7-1985  
मोहर :

संसद वाहन टैक्स एवं टैक्स —

(1) मे० जी० एफ० ब्युनड़रा,

नं० ५, जे० ए० एफ० हौस,

जोसेफ वाज रोड, वास्को-डि-गामा।

(अन्तर्रक)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 (च) (1) के अधीन दखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० 170/84-85/37ई—यतः,  
मुझे, आर० भारद्वाज,  
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवे इसके  
इसके अन्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाए है), की धारा  
269-म के अन्वान मध्यम प्राधिकारी का, यह विवेनान करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्बन्धित, विवका उचित बाजार भूत्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० ब्लाट नं० 2 है तथा जो वास्को में स्थित  
है (ग्रीष्म इनसे उपावद्ध अनुभूति में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है)  
गजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर में गजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
8-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्क के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्वान  
प्रतिफल के लिए बतारित की गई है और मुझे यह विवेनान  
करने का कारण है कि अनुपूर्वोक्त कार्यालय का उचित बाजार  
भूत्य, उसके अन्वान प्रतिफल से, एस अन्वान प्रतिफल का  
पूर्वोक्त से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बत-  
रिता (बतरिताएँ) के बीच ऐसे बतरण के लिए तथा प्रदू  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अंतरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है ॥—

(क) बतरण से है किसी बाय की बाबत, सकल  
अधिनियम के अधीन कर देने के बंतरक के  
यांत्रिक में कभी करने या उससे उपर्यन्त में सुविधा  
एवं अपेक्षा और वा

(ख) एंटी किसी बाय मा किसी बन वा अन्य वास्तवियों  
को जिन्हे भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तर्राती द्वाय प्रकट नहीं किया  
गया था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अनुभूति

(दस्तावेज सं० डी/97/जनवरी 1985 ता: 8-1-85)

ब्लाट नं० 2, "ट्रोपा दान्डो" वास्को-गोवा

77.50 राम ।

आर० भारद्वाज,  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

असू अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1)  
से विवेच निम्नलिखित अविस्तरों, अधीक्षि ॥—

दिनांक 10-7-1985

मोहर :

प्रकृष्ट वाहन दी एवं इह—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन दृष्टना

### प्राप्त उत्तर

कायासिथ, सहायक आयकर आयकर (निर्दीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 10 जुलाई 1985

निर्देश सं० डी० आर० 177/84-85/37ई—यतः,  
मुझे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा 269-व  
के अधीन ग्राम प्राधिकारी को यह विवरण करने का कारण है  
कि राष्ट्राधिकारी उपर्युक्त विवरण उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० ५६ है तथा जो कन्डोलियम  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायासिथ बंगलूरु  
में राजस्त्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 5-12-1985

को पूर्वोक्त समस्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के राष्ट्राधिकारी  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भुक्ते यह विवरण  
करने का कारण है कि ग्रामपूर्वोक्त समस्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अधिकारी प्रतिफल से एवं उसके अधिकारी प्रतिफल का  
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)  
और अंतरिती (अंतरितायों) के बीच इसे अंतरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिमिटर  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से छुट्टे किसी जात की आवश्यकता अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के अधिकारी में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ल) ऐसी किसी आवश्यकता की आवश्यकता अधिनियम  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोधनार्थ अंतरिती ब्याय प्रकट नहीं किया  
गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अथवा—

(1) मे० रुफ म्यान और पार्टनर्स भगवन बकुल  
मार्डोलकर बकुल और मार्डोलकर  
पोन्डा-गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधा रामचन्द्रा नायक,  
पोन्डा-गोवा।

(अन्तरिती)

को यह दृष्टना वाली करने पूर्वोक्त समस्ति के अंतर्गत के नियम  
कार्यवाहियों सुन करवा हूँ।

उक्त समस्ति के अंतर्गत के अंतर्गत में कोई भी आवश्यक है—

(क) इह दृष्टना के उद्देश्य में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या उसके अधिकारी अधिकारी द्वारा  
दृष्टना की तारीख ते 30 दिन की अवधि, या भी  
अवधि या उसके अधिकारी द्वारा होती है, के द्वारा पूर्वोक्त  
अधिकारी वाले के किसी अधिकारी द्वारा;

(ल) इह दृष्टना के उद्देश्य में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के द्वारा उक्त अंतरिती में हितवृष्टि  
किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधोहस्ताकारी के पास  
निक्षित में किए जा सकेंगे।

**उपचारकरण:**—इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्यात् 20-क में पर्याप्त हैं,  
वही अवृहि होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी/103/जनवरी 1985 ता 8-1-1985)  
मे० नं० 733 एवं सी नं० 175 पोन्डा-गोवा  
75 वर्ग मीटर

आर० भारद्वाज  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूरु

दिनांक : 10-7-1985

मोदर

प्रस्तुत आई.टी.एन.एव.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं. डी-आर-230/84-85/37ई/अतः मुझे  
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 488वी है तथा जो अंगोला  
खेडा, बेलगाम में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 5-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात  
प्रतिफल से यिए जन्मरीत की गई है और भव्य उचित बाजार  
का कारण है कि व्यापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दूर्घात प्रतिफल से, एसे दूर्घात प्रतिफल से पूर्ण  
प्रतिफल से अधिक है और अपरक (व्यापरक) और अनुसूची  
(अन्तरिक्षीय) के बीच एसे वर्तमान से लिए तब याद गया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उम्मेद से उक्त अन्तरण लिखित में  
निम्नलिखित रूप से कार्यत नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
पूर्वान्तर में अस्ती वाय उक्त वाय में सूचित  
के लिए; और/वा

(ग) ऐसी किसी वाय या ऐसी वाय या वाय वास्तविकी  
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
संस्कृत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय दूरारा प्रकट नहीं किया  
या या या किया जाना चाहिए था, छिपाने वें  
अविभाग के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उचिता (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्त—

(1) श्रीमतो अलका मोहन देवपांडे  
360/61 नारायणपेठ लक्ष्मी रोड  
पूर्णे-411030

(अन्तरक)

(2) श्री मुद्राया शेशा भट,  
272, अगरकर रोड, ठाळकवाडी,  
बेलगाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आक्षणेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में शामिल की तारीख से  
45 दिन की अवधि ता तक अन्यायी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर अस्तित्व में हितवृष्ट  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रदूषित वस्तु वार परो वा, जो उचित  
विधिनियम, वे व्यापक 20-व वीर्यादिक  
है, वही वर्ष होगा जो इस व्यापक में विद्या  
रूप है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं.डी/143/करवरी/1985 ता 5-2-85)  
प्लाट नं. 488वी, सी.० नं. 30 अनगेल खेडा,  
बेलगाम तालुक।

श्रार० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 10-7-1985

मोहर :

प्रकल्प वाइटी एस.एस.एस.  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत बारकार  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूरु  
बंगलूरु, दिनांक 10 जुलाई 1985

निदेश सं० डी० आर 238/84-85/37ई/अतः— मुझे  
आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ए/1 है तथा जो वास्को में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूरु में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 5-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने या कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पञ्च प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और  
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया जाया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट  
में वास्तविक रूप में कीचित नहीं किया जा सकता है—

(क) दस्यमान से हड्डे किसी आद की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हड्डे की अन्तरक वे  
दायित्व में कीची करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रबोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया रखा  
या किया जाना चाहिए था, स्थिति में सरिज्ज  
के लिए;

**अन्त:** अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् इ—

(1) मे० रुकमनि कन्सट्रक्शन्स  
सीरोडकर विलिंग वास्को-गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण प्रभाकर काकोडकर,  
श्रीमती. सीमा अरुण काकोडकर  
के०/आफ इन्डिया इन्डिया इन्डिया के० लि०  
वास्को-गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-  
शालिकों करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण—

(क) इस सूचना के दस्यमान में प्रकल्पन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में हो किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के दस्यमान में प्रकल्पन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाल  
दिल्लित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षिकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में वर्णित हैं, वही अर्थ होगा जो  
उक्त अध्याय में दिया गया है।

### मन्त्रसूची

(दस्तावेज सं० डी/146/फरवरी 85 ता 5-2-1985)

प्लाट नं० ए/1, तृष्णी अपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 16 न्यु  
वेडम वास्को 6880 नम्बर

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूरु

दिनांक : 10-7-1985.

मोहर :

प्रस्तुत आहें.टी.एन.एस.

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूरु

बंगलूरु, दिनांक 10 जुलाई 1985

निवेश सं० डी० आर० 240/84-85/37ई—अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज्

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
100,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० म० न० 2689 है तथा जो मरगाव-  
गोवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूरु  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 6-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वक  
सम्पाद्त का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल है, ऐसे  
द्वयमान प्रतिफल का पन्छी प्रतिशत से अधिक है और अंतरक  
(अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच अन्तरण के  
लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-  
रण लिखित में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 41  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में  
सुविधा थी तिथ;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :—

48—226 GI|85

(1) श्री एन्टोनियो जोस ओस्कार ग्रेसीयस  
पाजीफान्ड मरगाव-गोवा।

(अन्तरक)

(2) मे० आरिएन्ट बिल्डर्स  
रेड्यल्डो डी कोस्टा बिल्डिंग  
पी० आ० बाक्स नं० 226, मरगाव-गोवा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० डी/152/फरवरी 1985 ता 6-2-85)

फ्लाट मेट्रोजार नं० 2689 सी० नं० 42 मरगाव-  
गोवा—1705 वर्ग मी०।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूरु

दिनांक : 10-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(1) मेसर्स मनिश इन्टरप्राइसेम

1-2, श्रीगार शार्पिक सेंटर

80, एम० जी० रोड़, बंगलूर-1।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स भगवान इन्टरप्राइसेम

11, कैमेक स्ट्रीट, कलकत्ता-1।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक अधिकर आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 अगस्त 1985

निदेश सं० नोटिप नं० आर 1497/37ईई/-अतः:

मुझ, आर० भारद्वाज,

अधिकर आयकर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
आयकर संपत्ति विभक्ति उत्तराय बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

आर० इनकी नं० डी-1 है तथा जो भानिश टावर नं० ४४  
जे० सी० रोड़ बंगलूर में स्थित है (आर० इने उत्तराय अनुमूल्य  
में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) गिरिस्टीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 12-12-1984

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने  
का कारण है कि दशान्वेषित संगति का उचित बाजार  
मूल्य, उक्त द्वयमान प्रतिफल से, एवं द्वयमान प्रतिफल वा  
पंद्रह प्रतिवार से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती  
(अन्तरीतियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तथा पाशा गया प्रति-  
फल निम्नांकित उत्तराय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कोई अंतर नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की बावत, उक्त  
अंतरिती के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
दाता अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगान्वय अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नांकित व्यक्तियों, अथवा :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया अवस्था है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन वे सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के यथा परिभा-  
है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुमूल्य

(दस्तावेज सं० 1292/84-85 ता 12-12-84)  
सम्पत्ति है जिसका सं० डी-1 जो मनि० टवर नं०  
84, जे० सी० रोड़ बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
मध्यम प्राधिकारी  
सहायक अधिकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक १-८-१९८५

मोहर :

प्रलूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचनाभारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 अगस्त 1985

निवेद सं० नोटिस नं० आर 1498/37ई—अतः मुझे  
आर० भारद्वाज,आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (‘इहे इहने  
इहके पश्चात् ‘उक्त अधिनियम’ कहा यह है), की धारा  
269-घ के अधीन तकनी प्राधिकारी द्वारा यह किलाड़ करने का  
अधिक है कि स्थावर समीक्षा, जिवका उचित वापार भूम्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० डी-२ है तथा जो मनिश टावर नं० ८४  
जे० सी० रोड, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, बंगलूर में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 12-12-1984कि पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वापार भूम्य से कम के स्थावर  
प्रतिफल के लिए अन्वारित की गई है और अब यह विवाह  
दरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बिल आ उचित वापार  
नहीं, उसके स्थावर प्रतिफल से देखे स्थावर प्रतिफल के  
पाइए प्रतिष्ठित से अधिक है और बंदरक (बंदरकों) और बंतारिलौ  
(बंतारिलौयों) के बीच ऐसे बतरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
ष्ठित, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त बंदरण निर्धारित प्र० धारावित  
रूप से कथित नहीं किया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के बंतरण के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आर०/या(ख) इसी किसी वाय का किसी भन का तन्य बास्तवों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) द्वारा उक्त अधिनियम, या  
उनके अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
वे प्रयोगनार्थ अन्वारिलौ हाए प्रकट नहीं किया  
भवा ता वा किया जाना चाहिए ता, छिनाने वा  
मुरुबधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के बनमरण  
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लप्तागा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—(1) मेसर्स मनिश इन्टरेक्टिव  
1-2, शंगार शॉपिंग सेंटर,  
नं० ८० एम० जी० रोड, बंगलूर ।  
(अन्तरक)(2) मेसर्स मनिश इन्टरेक्टिव  
11 केमेक स्ट्रीट, कलकत्ता ।  
(अन्तरक्ती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में दोहे भी वाक्येः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन तक जारी, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो तो भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
नहुम् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
द्वारा लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
व्यक्तियों के लिए २००५ वा २००६ वा २००७ में  
हुए, यही अर्थ होगा जो उक्त व्यक्ति द्वारा  
देखा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1243/84-85 ता 12-12-84  
मम्पत है जिसकी सं० डी०-२ जो मनिश टावर नं०  
८४ जे० सी० रोड, बंगलूर-२ में स्थित है।ग्राह० भारद्वाज  
मकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूरतितानि : 1-8-1985  
मोहर ४

प्रस्तुत वाहौ, टी. प्र०. एस.—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

### उत्तर उत्तराखण्ड

सामाजिक सहायक आयकर बाबूकर (निरोक्षण)

अर्जन रेज, दंगलूर

दंगलूर, दिल्ली 1 अगस्त 1985

निदेश सं० नॉटिस नं० आर० 1499/37ईई—अतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, मह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तर बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० डी-३ है तथा जो मनिश टावर ४  
जै० नौ० रोड, दंगलूर में स्थित है (और इसमें उत्तराखण्ड  
श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय दंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 12-12-1984  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तराखण्ड बाजार मूल्य से कम के अध्याम  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकूर विलेख के अनुसार अंतरित की गई  
है और भूमें यह प्रतिवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उत्तराखण्ड बाजार मूल्य, उसके अध्याम प्रतिफल सं,  
एसे अध्याम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अतरक (अंतरक) और अंतारिती (अंतारितियों) के बीच ऐसे  
अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा  
धैर्य;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत हूँ—

(1) मेसर्स मनिश इन्टरप्राइसेस

1-2 शंगार शार्पिंग सेटर 80,  
एम० जी० रोड, दंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स माननम इन्टरप्राइसेस  
11, कैम्प क्लिट, कलकत्ता-17।

(अंतारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कामबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील सं 30 विन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

(दर्जानामें नं० 1294/84-85 ता० 12-12-1984  
माननम ने जिसका सं० डी-३ जो मनिश टावर नं०  
84 जै० नौ० रोड, दंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
मथम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयवत (निरोक्षण)  
अर्जन रेज 2, बम्बई

दिनांक : 1-8-1985

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइवेट एन.एस.-----

(1) मेसर्म मनिश इंटरप्राइमेस

नं० 80 एम० जी० रोड़ 1-2 अंगार शापिंग मेटर  
बैंगलूर-1

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्म मनुम इंटरप्राइमेस

नं० 11 कमक म्हीट क्लक।-17

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

आयकर आयुक्त 1 अगस्त 1985

निदेश नं० नोटिस नं० डी आर-1500/37हृ/84-85

अतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० डी-4 है तथा जो मनिश टावर नं० 84  
जे० सी० रोड, बैंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्त्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बैंगलूर में राजस्त्रीकरण अधिनियम (1908  
(1908 का 16) के अधिन तारीख 12-12-1984  
का पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के विवास  
प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि वापर्वेक्षण सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, इसके अवासन प्रतिकल ते एवं अवासन प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ  
पाया गया प्रांतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रष्ठोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं,  
वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

(क) अन्तरण के दूर्द किसी बाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के  
साथसे वे कमी करने या उक्तसे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

**मनुष्यों**

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिसे भास्तीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रत्येकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहीए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

(दस्तावेज सं० 1295/84-85 ना 12-12-84)

सम्पत्ति है जिसका सं० डी-4, मनिश टावर, जो नं० 84  
जे० सी० रोड, बैंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 1-8-1985

मोहर :

उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ८—

प्रस्तुप श्री. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 अगस्त 85

निर्देश मं० नोटिस नं० आर-1501/37ई/84-85—

अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी०-५ है तथा जो मानिला टावर, नं०  
84 जे० सी० रोड़, बंगलूर में स्थित है (और इसमें  
उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता के कार्यालय, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-12-84  
फां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल 36 लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों)  
और अन्तरस्ती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
सूचना में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(१) अन्तरण द्वारा किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम वे अधीन कर दिए के अन्तरक और  
शामिल होने की क्रम या उससे बदलने में सुनिश्चि-  
त किए; और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी भूत या अन्य आस्तयों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्चि-  
त किए;

जहाँ आप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) मैसर्स मानिश एंटरप्राइजेस,  
1-2, शूगार शापिंग सेंटर,  
80, एम० जी० रोड़,  
बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मगनुम एंटरप्राइजेस,  
11, कामक स्ट्रीट,  
कलकत्ता-17।

(अन्तरिती)

क। यह सूचना आप करने परांकित दृष्टिकोण से उक्त  
कार्यकारीहोना करता है।

उक्त संपादित के अंतर्गत के संबंध में कांडे भी आक्षम :—

(क) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की जारीत ग  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाक में समाप्त होनी हो, वे भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षयार;

(घ) इस सूचना के शाजपत्र भी प्रकाशन की जारीत ग  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान व समैल में हितेवदृप  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताभारों वे पास  
दिसित पर्याप्त जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अध्याय 20-के मौरीभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 1296/84 ता० 12/12/84)।  
सम्प्रदि है जिसका नं० डी०-५ मानिला टावर, जो  
नं० 84, जे० सी० रोड़, बंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 1-8-85

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स मानिश एटरप्रेस

1-2, ग्रतगार शापिंग सेंटर,  
80, एम० जी० रोड़,  
बैंगलूर०-1

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269 प्र (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स भगनुम एटरप्रेस

11, कामक ट्रीट,  
कलकत्ता-17

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अज्ञन रेज, बैंगलूरू  
बैंगलूरू, दिनांग 1 अगस्त 85

निर्देश सं० नोटिस नं० आर-1502/37ई/84-85—

अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयात् करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका नियन्त्रण आयकर मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी मं० डी-6 है तथा जो मानिश टावरस, नं०  
84 जे० सी० रोड़, बैंगलूरू में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष  
अनुसूची में और पुणी स्थिति में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय, बैंगलूरू में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 12-12-84को एकोंठा प्रयोग से उचित लाभार पत्ता ले कर उसमें स्थावर  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विषयात्  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाल्कर  
मूल्य अन्तर्वर्ती अन्तर्वर्ती अन्तर्वर्ती में, एसे क्षणमात्र प्रतिफल का  
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तर्वर्तीयों) में अन्तर्वर्ती के लिए सय पाँच गया  
प्रतिफल, जिसका अनुसूची से उक्त अन्तर्वर्ती अन्तर्वर्ती में  
लिखा है उक्त अन्तर्वर्ती भारत भिन्न भिन्न गया है।—मैं यह सूचना जारी करके प्रयुक्त सम्पत्ति के अवधि के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवधि के सम्बन्ध में कोई ज्ञानेप्र :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूत्रा  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अकेले  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर  
अधिनियम के अभी लाग देने ले आमतरक हैं,  
वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(ए) एभी जिनी आय या किसी भूमि या गम्य कार्यालयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दो  
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
था या किया जाना चाहिए था, जिपान में संविधा  
के लिए;(घ) एभी जिनी आय या किसी भूमि या गम्य कार्यालयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दो  
भूकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
था या किया जाना चाहिए था, जिपान में संविधा  
के लिए;(दस्तावेज सं० 1297/84 ता० 12-12-84)  
सम्पत्ति है जिसका सं० डी-6 मानिश टवर, जो नं०  
84, जे० सी० रोड़, बैंगलूरू में स्थित है।

(आर० भारद्वाज)

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अज्ञन रेज, बैंगलूरू

तारीख: 1-8-85

मोहर :

अत. अ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के क्रमसंख्या  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)  
के अधीन, नियन्त्रिति कार्यालय की अधीन

ପ୍ରାଚୀ ମହିନେ ପତ୍ର ଅନୁଷ୍ଠାନ

**प्रावस्तु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वी  
भाग 269-ए (1) के अधीन सचना**

## कार्यसिय, सहायक आधकर जायक्त (निरीक्षण) भारत सरकार

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलुर, दिनांक 25 जूलाई, 1985

निर्देश मं० दोटीस सं० 45511/84-85—ग्रतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

तायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयात् करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है<sup>3</sup>  
और जिसकी मं० 39, 34/3, 34/4, 34/6, 31/1 और  
32/2 है, नथा जो कैकाडु विलेज मडिकेरी तालूक है (और  
इससे उपबाह्य अनुमती में और पूर्ण रूप में बर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, मरकेरा में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

कां धूर्मार्थ सम्पत्ति के उचित बाजार यन्त्र से कम के अवगत प्रतिफल के निए बन्तरिठ की गई है और यह विद्याल करने का कारण है कि वधुर्मार्थ सम्पत्ति का उचित बाजार न्यू, इसके अवगत प्रतिफल से ऐसे अवगत प्रतिफल का बंदू प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और उत्तरिणी (उत्तरिणियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तथा पात्र यन्त्र प्रतिफल, चिम्बिनिउत उद्देश्य से उच्च बन्तरण उचित है बास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया जाता है ॥

(क) अतिरण से हाई किसी बाबत उसके अधिनियम के वभीन कर देने के बहुतक वैष्णवित्य में कभी करने वा उससे बदलने में सुविधा के लिए; जीव/या

(क) एसी किसी भाषा या किसी भषा या वस्त्र आौतर्यो  
हो, बिल्कुल भारतीय धर्मवार अधिकृतम्, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती हवाय प्रकट नहीं किया  
जा सका या किया जाना चाहिए या छिपाने में लिपिधा  
के नियम।

अतः ज्ञा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)  
में सही विमलिकृत व्यक्तिवाँ, वर्षा

(1) श्री एम० एम० अधार्जन्,  
श्रीमती ए० ए० अक्षयवा-  
श्री एम० ए० मुख्या,  
श्री एम० ए० बेलियप्पा,  
नं० 2481, विनायकनगर  
मैसूरू- 12

(2) श्री के० के० दामोदरा  
सन/ग्राफ के० वी० कृष्णा,  
कौली स्टीट, माडिकरी

(अन्तरक)

(अन्तरिक्ष)

को यह तृष्णा धारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उसका संप्रति के वर्तमान के संबंध में कोई भी जापने —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतया व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अभ्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही बर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया

प्राची

(बस्तावेज सं० ९२३/८३-८५ ता० १५-१२-८४)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 39 में 3.84 एकरस  
 34/3 में 00.70 एकरस, 34/4 में 3.64 एकरस 34/6  
 में 3.10 एकरस, 31/1 में 2.92 एकरस और 32/2  
 में 7.081 एकरस जो कैकाडु विलेज मडिलेरी तालूक में  
 स्थित है।

(प्रार० भारताज)

संक्षेप प्राधिकारी

## सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

ਅੰਤਰੀਮ ਸਾਲ

तारीख : 25-7-85

मात्र ८

प्रस्तुत आई. डी. एन. एज. ——————

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 जूलाई, 1985

निवेश सं. नोटिस नं. 45741/84-85—अतः मैंने  
आरो भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 18 पुराना सं. 11 भी है, तथा जो  
4 श्रास नरसिंहा राजा श्रास रोड अब कला विपालयम  
न्यू एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के  
कार्यालय, वमवनमुडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) यके अधीन, ता. 28-22-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्दमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विवरण  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का  
एन्ड्रू प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारी)  
और अंतरिती (अन्तरितारी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि  
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाया  
के लिए; बाँड़/या

(ख) एसें फिरी आय या किसी धन या अन्य आवश्यकी  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहाया  
के लिए;

मम चल, इन्हें अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार  
मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की जामाना (11)  
के अन्तर निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति ॥

49-226 GT/85

(1) श्री डी. पू. पुष्पोत्तम  
और श्रीमती नागरत्ना,  
श्री तिलककुमार और कुछ घोग  
नं. 8/4, के. वा. भूजग्या नेओट  
4 ब्लॉक, जयनगर  
बंगलूर

(अन्तरक)

(2) श्री सी. अब्दुल अजीज  
और श्री महमद हायत  
(1) नं. 3 बसवन्गुडिंड्र बंगलूर  
(2) नं. 30 एक स्ट्रीट कलासिपालयम  
न्यू एक्सटेंशन बंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां शूल करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवधि ॥

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी त्रै  
45 दिन की अवधि या उसमध्ये व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी त्रै  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकते ॥

स्वाक्षरीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 3870/84-85 ता. 28-12-84) ।  
सब सम्पत्ति है जिसका सं. पुराना सं. 1/सी कार्पोरेशन  
नं. 18 जो 4 श्रास नरसिंहाराजा श्रास रोड  
अब कलासिपालयम न्यू एक्सटेंशन बंगलूर में स्थित है ।

आरो भारद्वाज  
काशम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 21-7-85

मोहर :

प्रस्तुत वाहू, टी. एन. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 जुलाई, 1985

मिदेश सं० 45536/85-86—अतः मुझे आरा० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

मीर जिसकी सं० 3 पुराना सं० 20 है, तथा जो क्रास  
कुमार काहरे और बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाग्रह  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधि-  
कारी अधिकारी के कार्यालय, गोधीमगर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-12-84  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास  
फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
मन्द ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के बिए तब  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरक  
अधिकतमे प्रास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी वाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्य में  
कमी करने या उसमें बदलने में अविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या मन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना आविह॑ था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अन्तरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकतयों, अधितु :—

श्री ए० वी० गोपालकृष्ण भट्टा,  
नं० ३, ए क्रास, कुमारकाट ले आउट, बैंगलूर।  
(अन्तरक)

2. श्री ए० वी० वस्त्रातेया भट्टा,  
यूनिटि सखीस स्टेशन,  
राजाजी नगर, बैंगलूर ;।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित न के सिए  
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भौ-  
ति किए जा सकेंगे।

**स्थायीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवर्तित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2993/85-86 दिनांक 28-12-84)  
सब सम्पत्ति है जिसका सं० पुराना, सं० 20 है, नया सं० 3 है  
जो ए क्रास कुमार काट ले आउट, बैंगलूर में स्थित है।

आरा० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रोज, बैंगलूर

दिनांक 24-7-1985  
मोहुः :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर व्यापक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 जुलाई 1985

निदेश सं० 45958/84-85—यतः मुझे आर० भारद्वाज,  
जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3419 है, तथा जो एच० ए० ए ल० II स्टेज,  
बैंगलूर-38 में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1985

को प्र्वैक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्र्वैक्स सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्ण हृतिशाल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिकी  
(अन्तरिक्षियों) के बोच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय जायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आ  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः इष्ट, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बन्दरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति—

1. लेफ्टनेंट रन्ड; एस० एस० सुकुमार, (रिटायर्ड)  
न० 3, I शास अयैण्या; ले आउट, विवेकनगर,  
बैंगलूर ।

(अन्तरक)

2. श्री वी० एस० शेषगिरि राव,  
न० 746, X मैन, बैंस्ट आफ कडि रोड,  
राजाजीनगर, बैंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्र्वैक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधिक बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्र्वैक्स  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षर्य:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3101/84-85, दिनांक जनवरी 85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 3419, जो एच० ए० ए ल०,  
II स्टेज, बैंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक जायकर व्यापक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 26-7-1985

मोहर :

प्रृष्ठ प्राइंटी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1985

निवेश सं० 46354/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 565 है, तथा जो विनम्रगला, II स्टेज,  
इंदिरा नगर, बैंगलूर 38 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-2-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यापा गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

1. श्री ए० भूपाती,  
14, प्रभिनेड, रोड, फेजर टाउन,  
बैंगलूर ।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती जलजा चन्द्रन,  
2/1, पड्डवई रोड,  
बैंगलूर-560001  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन नहीं

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

बन्धुवती

(दस्तावेज सं० 3601/84-85, दिनांक 27-2-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 565 जो विनम्रगला, II स्टेज,  
इंदिरा नगर, बैंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक 25-7-1985

मोहर :

प्रस्तुत याई दी एवं एस-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## राजपत्र सूचना

आपालियम्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 18 जुलाई, 1985

निदेश सं० 46029/84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह प्रिवेस करने का कारण  
कि स्थान सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-82 है, तथा जो इंडस्ट्रियल इस्टेट, राजाजी-  
नगर, बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, राजाजीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-1-85

को पूर्णकर्ता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह प्रिवेस  
करने का कारण है कि व्यापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पूर्व ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्योगस्थ से उक्त अन्तरण लिखित में वार्ता-  
एवं रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण सं हूँ किसी आय की आवत, उक्त आध-  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के धारित्व  
में की करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आई/वा

(ल) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 घ 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, जिपाने ये  
सुविधा के लिए;

1. मैसर्स अल्यूमिनियम केवल्स, और कन्डक्टर्स,  
लक्ष्मी रोड, IV क्रास, शांतीनगर, बैंगलूर-27  
(अन्तरक)

2. मै वरदमान कन्डक्टर्स, (प्रा०) लिमिटेड III क्रास  
गांधीनगर, बैंगलूर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के बम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविकृतियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविकृतियों में से किसी अविकृत द्वायाएँ;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अन्य अविकृत द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें व्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

प्रनुसूची

(वस्तावेज, सं० 4279/84-85, दिनांक 4-1-85)  
सब सम्पत्ति है जो इंडस्ट्रियल, शैड, जिसका सं० ए-82 जो  
इंडस्ट्रियल, इस्टेट, राजाजीनगर, बैंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्रम प्राधिकारी  
आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 18-7-1985

ओहर ॥

बहु: बहु, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुचरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविकृतों, अर्थात् :—

प्रकाश नाईटी.एन. इड.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकर विभाग (नियोजन)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निःशेष सं. 46467/84-85--अतः मुझे आरा० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-क के अधीन सकम प्राधिकारी को वह विषयाल करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तर उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. 144 है, तथा जो ब्लाक, IX जयनकर, बैंगलूर  
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीरेटी अधिकारी के वार्तालय, जयनगर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 2-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवमान  
प्रतिफल के लिए उत्तरित की गई है और मुझे वह विषयाल करने  
का कारण है कि वह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, हेंग-  
दस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रांतशासन में अधिक है  
और जनरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाता गया प्रतिफल, जिसका विवर  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियोजित में वास्तविक रूप में अंतर  
नहीं दिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी भाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हेने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने वा उक्त अन्तरण में  
की दृष्टिकोण के लिए; और/वा

(क) एकी किसी भाव मा किसी भन वा अन्व जास्तीयों  
को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था वा किया जाना चाहिए था, जिसने में सूचिभा  
के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की अनुसंधान  
में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1)  
के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

1. श्री टी० सी० अनन्त मूर्ती,  
346, II क्रान्त I ब्लाक,  
जयनगर, बैंगलूर-III

(ग्रन्तरक)

2. श्री आर० सरोजा, पत्नी श्री रामा लिङ्गम,  
नं० 1346, साउथ एंड रोड, 9 ब्लाक, जयनगर,  
बैंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त संघीत के अर्जन के विषय  
कार्यवाहीवाला बुझ करता है।

उक्त संघीत वे अर्जन के संबंध में क्यों भी कहते हैं :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वा  
45 दिन की अवधि वा तस्वीरी व्यक्तियों पर  
सूचना वाली तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्ति वाल वे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
संघीतदारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वा  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमूल  
वित्ती वस्त्र व्यक्ति इवारा वधोहस्ताकरी के वाल  
नियम में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यावलम्बन:—इसमें प्रवक्ता वालों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
जया है।

### अन्तर्दृष्टि

(दस्तावेज, सं. 4382/84-85, दिनांक 25-1-85)

नव सम्पत्ति है जिसका सं. 144, जो ब्लाक, जयनगर,  
बैंगलूर, में स्थित है।

आरा० भारद्वाज,  
सकम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुदत (नियोजन)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक 29-1-1985

बोहर :

प्रकृत बाहौं टो. ८८. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर  
बैंगलूर, दिनांक 29 जुलाई, 1985

निदेश सं० 46005/84-85—अत मुझे, आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आय  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
ओर जिसकी सं० 20 है, तथा जो स्टेज, क्राम मैन,  
वेस्ट आफ कार्ड रोड, राजार्जीनगर, बैंगलूर में स्थित है  
और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण स्प से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरामपुरम, में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के इधर्नि दिनांक  
24-11-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवधान  
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सभके यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय आया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापर उक्त  
वर्धनियम के अधीन काढ़ देने के अन्तरक व  
राज्यत्व में कभी करने या उससे इनमें से यूविधि  
के लिए; और/वा

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त वर्धनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाता आश्रित था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आय 269-ग के अनुसरण  
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० के० भानुमति,  
पत्नी श्री एन० सी० सुन्दरमूरती, और मैत्र बच्चे  
नं० 194/ए, एन ब्लाक, राजार्जीनगर,  
बैंगलूर ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री जी० कोमला,  
(2) श्री एम० के० पोतराजु, कमलाम्बा निलाया,  
मामल्ली, बिलेज 'यनन्टूर तालुक, मैसूर डिस्ट्रिक्ट  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के संबंध में कोई भी आवेदन है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
उचित बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति प्र० हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**लक्षण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
वर्धनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा और उस अध्याय में दिया  
गया है।

मृत्तुची

(दस्तावेज सं० 4589/84-85 दिनांक 24-1-85)  
सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 20, जो वेस्ट आफ कार्ड रोड,  
क्राम, मैन, राजार्जीनगर, बैंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक 29-7-1985

मोहर :

बच्चे जाइंटी एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 23 जुलाई 1985

निदेश सं० 46464/85-86---आतः मुझे, आर० भारद्वाज  
आयकर अधीनवक्ता, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन उक्त अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० 94 है, तथा जो X, ए.मैन, V ब्लाक, जयनगर,  
बैंगलूरु में स्थित है (और इससे उपाधिक अनुसूची में और जो पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय जयनगर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 अ 16) के अधीन  
दिनांक 18-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि व्यापूर्वकता सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
अन्तर अतिकष्ट से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हूई किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अतिक्रम के  
वायिक्षण में कमी करने या उसके बढ़ाने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) एकी किसी आय या किसी भन या जन्म अस्तित्वों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्षीय द्वारा ब्रेक्ट नहीं किया गया था या किया  
गया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षय, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अनुचरण  
पूर्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपचार (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

1. डॉक्टर, प० कुपुस्वामी,  
1-52, कोतागुडम, कोल्लारिम;  
श्रीनगर।

(आमरक)

2. एम० एन० नरसेंगोडा,  
सुपरिस्टेंडेंट, इंजीनियर, नेशनल हैवी (पी.डब्ल्यू.डी.),  
आनन्द राव सरकार, बैंगलूरु।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी अविक्षयों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में बोक्स होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के उचित में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रबुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

मनुसूची

(दस्तावेज सं० 4430/84-85, दिनांक 18-1-85)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० 594, जो X ए.मैन, जयनगर,  
V ब्लाक, बैंगलूरु में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
आर्जन रोड, बैंगलूरु

दिनांक 23-7-1985

मोहर

भारत भाषा दौली एवं एस.

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत भाषाकार  
कार्यालय, सहायक भावकर भाषुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 18 जुलाई, 1985

निदेश सं० 45689/84-85—अन्तः मुझे, आर० भारद्वाज  
भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' यहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 55 है, तथा जो दोमलूर, एक्सटेंशन, आरपो-  
रेशन, डिवीजन नं० 67, बैंगलूर में स्थित है (और इसमें  
उपाख्य श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
21-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
में, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा वे जिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण  
में, ही उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों अधर्त् है—

50-226 GI/85

1. श्री वी० गोविन्दराजु, सुपूत्र श्री वेंकटरामा,  
नं० 55, दोमलूर रोड, बैंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० सी० रकमणि, पत्नी श्री० एम० आर०  
श्रीनिवासन, 147-सी०, (अपस्टेरसे), मैन रोड,  
चामराजपेट, बैंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वापेपे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षयों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षयों में से किसी अविक्षय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 6  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अविक्षय द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्राप्तीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है॥

### प्रमुख

(दस्तावेज सं० 2865/84-85, दिनांक 21-12-84)

मैं यह सम्पत्ति है जिसका सं० 55 जो दोमलूर, एक्सटेंशन  
कारपोरेशन, डिवीजन, नं० 67, बैंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक 18-7-1985

जोहर ॥

**संसद बाई**, टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के वर्षीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 जुलाई 1985

निदेश सं० 45509/84-85—आतः मुझे, आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ष  
के वर्षीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 4 है तथा जो 'डी' ब्लाक  
कुल्यान्डहली मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
ओर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 12-12-1984,

को पृष्ठोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके व्यवान प्रतिफल से, एसे व्यवान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दूर किसी भाव की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या कान्य 'अमित्यों  
को, जिन्हें भागीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

आतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसार  
मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री बी० के० सावित्रीभासा

पत्नी श्री ए० बालय्या डी० नं० 13, 13 क्रास  
जयनगर मैसूर-570014

(अंतरक)

2. पृथि० दर्मचन्द्रन सुपुत्र श्री हरकचन्द्र

(2) श्री सुश्लाल

(3) श्री मनोहर लाल

नं० 854 चामुण्डेश्वरी रोड मैसूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बोई भी बाबोप :—

(क) इस सूचना वे राजपत्र में प्रकाशित की तारीख है  
45 दिन की वैधि वा उक्त सम्पत्ति के व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की वैधि, जो भी  
वैधि वाले दो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों द्वे दो किसी व्यक्तिके द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**व्यक्तिकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम द्वे अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
उही वर्त होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया  
है॥

**बन्धन**

(वस्तावेज सं० 984/84-85 दिनांक 12-12-1984)

सब सम्पत्ति है जिसका सं० एस० नं० 4 जो डी० ब्लाक  
कुरु बरहली मैसूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज बंगलूर

दिनांक 18-7-1985

मोहर

## प्रस्तुत वाइंट ट्रीट एवं स्पेशलिस्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

## उत्तर उत्तराखण्ड

काम्पिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर  
बैंगलूर, दिनांक 23 जुलाई 1985

निदेश सं० 46164/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'आयकर अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सकाय प्राधिकारी को वह विवाद करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का और बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना नं० 59/8 तथा नया सं० 8 और  
60/7 है तथा जो लाल बाग रोड, 13 कास चिक्कमावली  
डिवीजन नं० 37 बैंगलूर में स्थित है (आंतर इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरांगत को गई है और मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अद्यमान प्रतिक्रिया से, एसे अस्वाक्षर प्रतिक्रिया का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उन  
पांच ग्राम, निम्नविवित उद्देश्य से उसके अन्तरण  
विवित में वास्तविक अंत से कमित नहीं किया जा है ॥

(क) अन्तरण से हटे किसी वाले वही उत्तर, उत्तर  
अधिनियम के अधीन वह दर्ज हो सकता है जो  
वाचित हो कर वही उत्तर वहाँ वहाँ में दूरिया  
से हिला जाएगा।

(ख) एसी किसी ताय वा फिल्सी अथ या बन्ध भास्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया  
जाय था या किया जाना आवश्यक था, उपराने में  
सूचिया को लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नविवित अधिकारी, अधारि ॥

1. (1) सुब्बम्मा  
(2) श्री एन० ग्रामसुगम  
(3) श्री एन० ग्रामस्वामी  
(4) श्री एन० कृष्णा  
40 मूडलप्पा स्ट्रीट दोडमोबल्ली बैंगलूर।  
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती रेहमतुनीसा बेगम  
(2) श्रीमती समियुन्नीसा बेगम  
(3) श्रीमती सलिमुसा बेगम  
एल-6 नलबन्दवाडी पुलिस रोड, कास  
बैंगलूर।  
(अन्तरिती)

जो वह सूचना आती करके दूरोंक्षत सम्पत्ति के अंतर के बिए  
कार्यवाहियाँ करता है ।

उत्तर सम्पत्ति के अंतर के संबंध में कोई भी वाक्ये ॥—

(क) इस सूचना के उत्तर में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसमें अधिकतरों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वह में समाप्त होती है, के अंतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उत्तर में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के अंतर उसके स्थावर सम्पत्ति में हित-  
पूर्ण किसी अन्य अधिकृत द्वारा, बुधेहस्ताक्षरी के  
पांच लिखित में किए जा सकें।

सम्प्रीतियाँ ॥—इसमें प्रथम क्षम्भों और पद्मों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिनामित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ॥

अनुसूची

(वस्तावेज) सं० 4422/84-85 दिनांक 5-12-84)

सब सम्पत्तिहै जिसका सं० पुराना नं० 59/8 तथा सं० 8  
ओर सं० 60/7 है जो लाल बाग रोड 13 कास चिक्कमावली  
डिवीजन नं० 37 बैंगलूर में स्थित है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक 23-7-1985

ओहर ॥

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 जुलाई 1985

निवेश सं० आर० 1495/37ई/84-85/प्रजन/—अतः  
मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिम नं० जी-1 है तथा जो नं० 9,  
कन्निङ्हाम रोड, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाख्य  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन नं० 1291/84-85 दिनांक 12-12-1984  
को प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथाप्रवृत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पंचह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की आवास, उक्त  
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सविधा  
के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स यूनिक इन्टरप्राइजेज

405 बी नीलकंठ,

98 मेरीन ड्रीव, अस्वाई-400001

(अन्तरक)

2. श्रीमती नागरत्नमा रामराव

श्री सी० आर० सतीण

श्रीमती आशा रमेश

श्री सी० आर० रवी

श्री सी० आर० वेंकटेश

श्रीमती सी० आर० ज्योती

सब नं० 2592-8 मेन रोड,

बनशंकरी सेकन्ड, स्टेज, बेंगलूर-70 के निवासी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद गैं समाप्त होता हो, के भीतर प्रवृत्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृधि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रदीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1291/84-85 दिनांक 12-12-84)

आफिम प्रिमायेजेज नं० जी 1 ग्राउन्ड फ्लोअर 'कामसे  
हाउस, नं० 9, कन्निङ्हाम रोड (जंकशन आफ मिल्लर रोड),  
बंगलूर-560001

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 24-7-1985

मोहर :

प्रकृष्ट शाहै.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

## भारत राजपत्र

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 जुलाई 1985

निदेश सं० आर० 1506/84-85/37ई/—प्रतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित्त इसके पश्चात 'अधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-ग के अधीन वक्तव्य प्राधिकारी को यह विवरण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 102 है तथा जो १ कल्निगहाम रोड बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बैंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नं० 1298/84-85 दिनांक 13-12-84

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम की व्यवाध प्रतिफल के सिए अंतरिक्त की गई है और भूके यह विवाद करने का कारण है कि व्यापौर्वक सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य इसके व्यवाध प्रतिफल से, ऐसे व्यवाध प्रतिफल का पन्द्रह अंतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरक के बीच तक पाता जाया जाता है तथा व्यापौर्वक, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरक विविध वैधानिक रूप से कठिन नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरक वे हैं किसी वाय की वास्तु, उक्त अधिनियम के अधीन कानून के अन्तर्गत को हावित वैधानिक रूप से कठीन करने पर उससे उपर्युक्त सूचिता के लिए; और/वा

(घ) ऐसे किसी वाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के व्यावधार्ष अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने वैधानिक सूचिता के लिए;

अतः वह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स यूनिक इंटरप्रैस  
405 बी नीलकंठ ९८ मेरीन ईव  
बम्बई-२  
(अन्तरक)
2. एशियाटिक एक्सप्रेस (प्रा०) लिमिटेड  
१/९६ कनाट सर्कस नई विल्ली ।  
(अन्तरिती)

करने वाला स्थान आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जास्तीय :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वैध ४५ दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अधिक जाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वैध ४५ दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हित-विध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिनित में किए जा सकते।

**स्वाक्षरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जाता है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 1298/84-85 दिनांक 13-12-84)  
फ्राफिस प्रिमेसस नं० 102 कामर्स हाउस नं० ९  
कल्निगहाम रोड बैंगलूर-५६०००१।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक 24-7-1985

मोहर:

### उच्च वादी एवं उच्च

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना**

#### सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निवेश सं० आर० 1516/84-85—अतः मुझे आर० भारद्वाज  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्होंने  
एक प्रश्नात 'उच्च अधिनियम' कहा गया है), की आय  
269-ए के अधीन सभी संघर्ष प्राधिकारी को यह विवाद करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 301 है, तथा जो 132, इन्फैल्टी रोड,  
बैंगलूर में स्थित है (आंदोलन में अंग और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रा कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बैंगलूर  
में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन सं० 1306/84-85, दिनांक 13-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान  
प्रतिक्रिया के निए अंतरित की गई है और मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके रूपमान प्रतिक्रिया से, एसे रूपमान प्रतिक्रिया का  
पूर्वोक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
बांटरिती (बांटरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिये तथा याद  
की जिसका विमालिवित उपचार एवं उच्च अन्तरण विविध रूप  
सांस्कृतिक रूप से कठिन नहीं किया जाता है:

(ए) उपर्युक्त दूर किलो वाली बाजार की वाल्य, उसके  
अधिनियम के अधीन कर दरों की अन्तरण से  
जापित है किसी करने वा उद्देश दरों से जापित  
नहीं किया जाता;

(ब) ऐसी किलो बाजार वा किलो धन वा अन्य कारितातीय  
को, जिन्हें भारतीय बाजार-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) वा उच्च अधिनियम, वा  
वय-वार अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के अनुच्छेदार्थ अन्तरिती कुआरा इष्ट वही किया  
जाता वा जो किया जाता जातिर वा, जिसका दूर  
सूचीभा के लिए;

उपर्युक्त बाजार अधिनियम की आया 269-ए के अनुसरण  
में, वे, उच्च अधिनियम की आया 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन, विमालिवित व्यक्तियों, उच्चतम् ५—

1. श्री एन० राधाकृष्णन, मुपुल श्री, नंजन, ब्रिटिशन,  
वैट फ़ाल्ड, बैंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रवीन शेत, पत्नी श्री ललित शेत,  
35, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बाती करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उच्च सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोइँ जाकोंदे ८—

(क) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
व्यक्ति बाब में समाप्त होती है, जो भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के उच्चपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ  
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास  
सिविल रूप से किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उच्च  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पीढ़ीभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
जाता है।

#### सूचना

(दस्तावेज सं० 1306/84-85, दिनांक 13-12-84)

आपार्टमेन्ट, नं० 301, जो तारा आपार्टमेन्ट्स के तीसरी  
मंजिल में स्थित है जिसका पता है नं० 132, इन्फैल्टी रोड,  
बैंगलूर है।

आर० भारद्वाज  
संघर्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक : 24-7-1985

लेटर ॥

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूरु

बैंगलूरु, दिनांक 24 जूलाई 1985

निर्देश सं. आर०-1526/37ई/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं. बै/1 है, जो जो कामर्म हाउस, 9/1, कनिंघम्हाम रोड, बैंगलूरु में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्यूचों में और जो पुर्णरूप में वर्णित है) रजिस्ट्री हॉर्ट अधिकारी के कार्यालय, बैंगलूरु में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सं. 1314/84-85 दिनांक 13-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्नतिरक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1 ऐसर्स युनिट एंटरप्राइजेज,  
नं० 405, 'वी', नोट्स्ट, 98,  
मेरिन ड्राइव, वम्बई-2

(अन्तरक)

2 श्रीमति लस्तुरी राघव सूरतकल,  
141/1, 'एन०' ब्लॉक,  
राजाजी नगर, बैंगलूरु-10

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 1314/84-85, दिनांक 13-12-84)

ब्रेस्मेट, नं० बै/1, जिस पा नाम 245 वर्ग फुट है, जो 'कामर्म हाउस', 9/1 रुनिंग्हाम रोड, बैंगलूरु-52 में स्थित है।

श्रीर० मारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बैंगलूरु

दिनांक 24-7-1985

मोहर :

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 24 जुलाई, 1985

निर्देश सं. आर० 1536/37ई/84-85—श्रतः मुझे,  
आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. प-32 है, तथा जो 26 आगा अब्बास आली  
रोड, बैंगलूर, में स्थित है (ओर इसमें उपावन्न प्रनुसाची में ओर  
जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय,  
बैंगलूर, में दस्तावेज सं. 1319/84-85 रजिस्ट्रेक्टर  
अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के अधीन दिनांक  
13-12-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रेक्टरी द्वारा किया गया अनुसार अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
मात्र ही प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकी) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
गे किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अप., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1 श्री ए० जब्बार तथा ग्रल्मा रियलटर्स ,  
नं० 105, रिवमंड, रोड, बैंगलूर-560025  
(अन्तरक)

2 डा० वी० डै० हम्माद तथा  
श्रमता० एफ० वी० हम्मद,  
II, फ्लोर, किंग्सर विला, भुला भाई देसाई रोड,  
बैंगलूर-400026

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4:  
विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित रूप  
से किए जा सकेंगे।

**प्रष्टोक्तरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### जनूसूची

(दस्तावेज सं. 1319/84-85 दिनांक 13-12-1984)

अपार्टमेन्ट, नं० प-32 आफ 'ए' टाइप, जो 4 तथा 5 वीं  
मंजिल में है और जिसका नाम करीबन, 2848 नं० फ्लूट है,  
और जो नं० 26, आगा अब्बास आली रोड, बैंगलूर-560042  
में स्थित है।

आर० भारद्वाज  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बैंगलूर

दिनांक 24-7-1985

मोहरः

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 30th July 1985

No. A.32013|4|83-Admn.II.—Shri K. R. P. Nair, who retired as Joint Director (ER) in the Commission's office on attaining the age of superannuation on 31st May 1985, is deemed to have been appointed as Officer on Special Duty (Language) in the pay scale of Rs. 1500—60—1800 on 13-4-1985 and as Joint Director (ER) w.e.f. 14-4-1985 to 31-5-1985.

M. P. JAIN  
Under Secretary (Admn.)  
for Chairman  
Union Public Service Commission

New Delhi, the 25th July 1985

No. A. 35014/1/84-Admn. II (i)—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints following Section Officers of the CSS cadre of the Union Public Service Commission as Accounts Officers in the Commission office on transfer on deputation basis for the period mentioned against them or until further orders whichever is earlier,

	From	To
S/Shri		
1 VC Kajra (SC) . . . . .	18-7-85	11-1-86
2 Harkirat Singh . . . . .	18-7-85	7-10-87
2 Karan Singh (SC) . . . . .	18-7-85	31-1-88
4 Sudershan Kumar . . . . .	18-7-86	5-1-85

2. Their appointment will be regulated in terms of Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M No F 1 (11) E III(B)/85 dated 7-11-1975.

M.P. JAIN,  
Under Secy (Admn.)  
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 12th August 1985

No. O.II-137|69-Estt.—Consequent on his retirement from service on superannuation, Shri S. B. Narayana Rao, Deputy Inspector General of Police, C.R.P.F., Putna Range, relinquished the charge of his post on the afternoon of 31st July 1985.

No. O.II-215|69-Estt.—Consequent on his retirement from service on superannuation, Shri Gajender Singh, Second-in-Command, 9th Bn, CRPF, relinquished the charge of his post on the afternoon of 31st July 1985.

The 14th August 1985

No. O.II-1761|82-Estt(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) P. Pradhan, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 29th July 1985 for a period of 3 months or till the post is filled in by the regulo-incumbent, whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI  
Assistant, Director (Estt.)

51—226GI|85

## BUREAU OF POLICE RESEARCH &amp; DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 16th August 1985

No. 18|11|85-Adm.II.—Shri J. Swamy Rao, an Inspector of Police from Andhra Pradesh, is appointed as Deputy Supdt. of Police (Instructor) on deputation in the Central Detective Training School, Hyderabad, with effect from 14-6-1985 (FN) for a period of one year in the first instance.

The 19th August 1985

No. 18|9|85-Adm.II.—Shri B. B. Pushkarna, an Inspector of the CFPB, Calcutta is appointed as Deputy Supdt. of Police (Instructor) on deputation in the Central Detective Training School, Hyderabad with effect from the afternoon of the 19th June 1985 for a period of one year in the first instance.

S. K. MALLIK  
Director General

DIRECTORATE GENERAL,  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 12th August 1985

No. E-32015(3)|11|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri J. R. Gupta, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit, ECL Seetalpur with effect from the forenoon of 30th July 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27th August 1985 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

No. E-32015(4)|45|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri Anil Mallick, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit OTHPP Obra with effect from the afternoon of 29th July 1985.

No. E-32015(4)|50|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Pandhir, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BTSP Badarpur with effect from the forenoon of 24th July 1985.

The 14th August 1985

No. E-32015(3)|10|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri V. Murleedharan, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit, FBP, Farakka with effect from the 15th July 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27-8-85 or till such time regular appointments are made whichever is earlier.

The 19th August 1985

No. E-32015(3)|9|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Abrol, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit MPT Madras with effect from the forenoon of 22nd July 1985 on purely ad-hoc basis and temporary for a period upto 27-8-85 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

No. E-32015(4)|44|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Issar, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoon of 7th August 1985.

No. E-32015(4)|53|85-Pers.I.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Yadav, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit NAPP Narora with effect from the forenoon of 2nd August 1985.

ILLEGIBLE  
Director General|CISF

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi the 13th August 1985

No. 11/1/85-A.I.—The President is pleased to revert the undermentioned officers working as Asstt. Director (Data Processing) (Data Entry), on deputation, on a purely temporary and *ad hoc* basis, in the offices mentioned below against their names, to the grade of Investigator with effect from the 9th April 1985.

The President is further pleased to appoint these officers, by promotion, to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical Group A; Gazetted) in the scale of pay of Rs 700-40-900-EB-40-1100-50-1300, on a purely temporary and *ad hoc* basis, with effect from the same date i.e 9-4-1985 till 28-2-86 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

S. No.	Name of the officer	Office in which working posted
1	2	3
	S/Shri	
1.	O.P. Ahuja . . . . .	Office of the Registrar General India
2.	P.N. Bawej . . . . .	Do.
3.	S.R. Garg . . . . .	Do.
4.	K.B. Rohtagi . . . . .	Do.
5.	N.S. Bhatnagar . . . . .	Do
6.	S.S. Niket . . . . .	Do.
7.	R.S. Lal . . . . .	Do
8.	Gyan Prakash . . . . .	Do.
9.	Ganesh Dass . . . . .	Do
10.	Subhash Garg . . . . .	Do.
11.	K.K. Sharma . . . . .	Office of the Director of Census, Operations.
12.	Khaja Mojnuddin . . . . .	Andhra Pradesh, Hyderabad Do
13.	G.C. Mishra . . . . .	Bihar, Patna
14.	M. Nehal Hussain . . . . .	Do.
15.	S.K. Sinha . . . . .	Do.
16.	B.M. Patel . . . . .	Do.
17.	G.N. Gowda . . . . .	Do.
18.	S.R. Raghvendra Rao . . . . .	Do.
19.	M. Peethambaram . . . . .	Do.
20.	A.G. Oak . . . . .	Do.
21.	V.S. Joshi . . . . .	Do.
22.	R. N Pongurlekar . . . . .	Do.
23.	K. K. Akolkar . . . . .	Do.
24.	P. K. Rout . . . . .	Do.
25.	G.D. Agarwal . . . . .	Do.
26.	N. K. Purohit . . . . .	Do.
27.	J.T. Machado . . . . .	Do
28.	R. Narayanan . . . . .	Do.
29.	M.M.A. Beg . . . . .	Do.
30.	J. P. Barnwal . . . . .	Do.
31.	R.M. Singh . . . . .	Do.
32.	K.C. Upadhyay . . . . .	Do.
33.	L.C. Rastogi . . . . .	Do.
34.	K. K. Mehrotra . . . . .	Do.
35.	Ram Sahai . . . . .	Do.
36.	Smt. Shaifali Chakravorty . . . . .	Office of the Director of Census, Operations.
37.	J.N. Suri . . . . .	West Bengal, Calcutta. Do.
38.	K.B. Lakhpal . . . . .	U.T. Chandigarh, Chandigarh. Do.

The above-mentioned *ad hoc* appointments shall not bestow upon the officials concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on *ad hoc* basis shall not be counted for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid *ad hoc* appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/1/85-Ad.I—The President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Investigators/Investigators (Social-Studies) working in the offices mentioned against their names in column 4 below, as Assistant Director of Census Operations (Technical) (Group A : Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 on a purely temporary and ad hoc basis from the date(s) as mentioned against their names in column 2 below upto 28-2-86 or till the post are filled on regular basis, whichever is earlier and post them to the offices shown against their names in column 5 below :—

S No.	Name of the Officer	Date of appointment	Office in which working	Office to which posted on promotion
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	Ansar Ahmed	14-5-85 (FN)	Office of the Director of Census Operations	Tamil Nadu, Office of the Director of Census Operations
2.	B. K. Verma	14-5-85 (FN)	Do	Bihar, Patna
3.	R. K. Saxena	27-6-85 (FN)	Office of the Registrar General India	Madras, Do, New Delhi
4.	Ram Kuber Ram	30-5-85 (FN)	Do	Bihar, Patna
5.	A. Mehdhi	10-6-85 (FN)	Office of the Director of Census Operations	Maharashtra, Bombay
6.	G.B. Panda	18-7-85 (FN)	Office of the Registrar General, India	Uttar Pradesh, Lucknow
7.	Budh Singh	18-7-85 (FN)	Do.	West Bengal, Calcutta
8.	R.P. Naula	18-7-85 (FN)	Do.	Office of the Registrar General, India, New Delhi
9.	Smt. Renu Sabharwal	18-7-85 (FN)	Do.	Do.
10.				Do.
11.				Do.
12.				Do.

The above mentioned *adhoc* appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on *ad hoc* basis shall not count for the purpose of seniority in the grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid *ad hoc* appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

No. 11/1/85-Ad..I—The President is pleased to repatriate the under-mentioned officers in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical), working as Assistant Director (Data Processing), on deputation, on *ad hoc* basis, in the offices shown against their names, to their parent cadre of Assistant Director of Census Operations (Technical) with effect from the 9th April, 1985 and to post in the same offices :—

S. No.	Name of the Officer	Office in which working /posted	
1	2	3	4
S/Shri			
1.	R.C. Kathuria	Office of the Registrar General, India	New Delhi
2.	S.S. Kashyap	Do.	Do.
3.	L.C. Sharma	Do.	Do.
4.	B. Satyanarayana	Office of the Director of Census Operations.	Andhra Pradesh, Hyderabad.
5.	U.S. Chaturvedi	Do.	Bihar, Patna
6.	R.Y. Ravashetty	Do.	Karnataka, Bangalore.
7.	S. Jayashankar	Do.	Kerala, Trivendrum.
8.	Hari Kishan	Do.	Rajasthan, Jaipur
9.	R.C. Bhargava	Do.	Do.
10.	A.V. Vallinathan	Do.	Tamil Nadu, Madras
11.	Harbhajan Singh	Do Do	Uttar Pradesh, Lucknow
12.	M.C. Padalia	Do.	Do.
13.	D.P. Chatterjee	Do.	West Bengal, Calcutta.
14.	N.C. Sarkar	Do.	Do.

No. 11|1|85-Ad.I.—The President is pleased to revert Shri C. Chakravorty and Smt. Suman Prashar, working as Research Officer (Social Studies), on deputation, on purely temporary and ad-hoc basis, in the Office of the Registrar General, India, New Delhi, to the grade of Investigator (Social Studies) with effect from the 17th July 1985.

The President is further pleased to appoint the aforesaid officers, by promotion, to the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical) (Group-A; Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300, on a purely temporary and ad hoc basis with effect from 17-7-1985, upto 28-2-1986, in the same office or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

The above-mentioned ad hoc appointments shall not bestow upon the officials concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on ad hoc basis shall not count for the purpose of seniority in the grade or for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid ad hoc appointment may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

V. S. VERMA  
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE  
DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS  
INDIA SECURITY PRESS

Nasik-Road, the 13th August 1985

No. 305|A.—In continuation of Notification No. 47|A, dated 29-1-1984 the term of regular deputation of Shri G. Narayan Sami, Deputy Control Officer, as Administrative Officer in India Security Press, Nasik-Road is hereby extended for one year from 14-4-1985 to 13-4-1986.

P. S. SHIVARAM  
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 10th August 1985

F. No. BNP|C|5|85.—In continuation of this office's Notification of even No. dated 26-6-1985, the following permanent Inspector Controls are appointed to officiate on regular basis as Dy. Control Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazet-

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT-I) MAHARASHTRA

Bombay-400020 the 27th June 1985

No. Admn. I Au/Genl/AO/1(1)3—The Accountant General (Audit)-I, Maharashtra, is pleased to appoint the following Asst. Audit Officers to officiate as Audit Officers with effect from the dates mentioned against their names, until further orders:—

Sl. No.	Name	Date of appointment as Audit Officer	Office to which posted
1.	Shri S.V. Darve . . . . .	11-6-1985 (AN)	Director of Audit (S&CD), Bombay
2.	Shri R.A. Bhide . . . . .	12-6-1985 (AN)	Accountant General (Audit) II, Nagpur.
3.	Shri K.L. Mankar . . . . .	13-6-1985 (FN)	Accountant General (Audit) I, Bombay
4.	Shri R.B. Choubal . . . . .	11-6-1985 (AN)	Director of Audit (Central), Bombay.

P.K. RAMACHANDRAN  
Sr. Dy. Accountant General/Admn.

ted) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 30-7-1985 (FN) until further orders.

1. Shri P. R. Sharma.
2. Shri Mohinder Singh.
3. Shri Paresh Joshi,

M. V. CHAR  
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT  
CENTRAL REVENUES

New Delhi-2, the 19th August 1985

No. Admn.I/O.O.No. 227.—The Director of Audit, Central Revenues, I hereby appoints Shri B. D. Gupta, an officiating Audit Officer of this office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-8-1985.

Sd./- ILLEGIBLE  
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,  
ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 9th August 1985

No. Admn. I|8-132|85-86|75.—S|Shri K. L. Narasimham, Y. Subramaniam, I and M.B.K.Bh. Satyanarayana Murthy Audit Officers, Office of the Accountant General (Audit), I, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on the Afternoon of 31-7-1985.

ANANDA SHANKAR  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) : I,  
MADHYA PRADESH

Gwalior, the 16th August 1985

No. Admn. XI|Gr. I|Retirement|AO|156|305.—In terms of Rule-48 (i) of C.C.S. (Pension) Rules, 1972 the Accountant General (Audit) : I Madhya Pradesh, Gwalior is pleased to permit Shri B. D. Rishbud (01|181) a permanent Audit Officer of the Office Of The Accountant General (Audit) : II Madhya Pradesh, Bhopal to retire voluntarily from Central Government Service with effect from 30th April, 1986 Afternoon.

(Authority : Orders of A.G. (Audit) : I dated 2-8-1985)

M. DEENA DAYALAN  
Dy. Accountant General|(Admn.)

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICE

New Delhi-110001, the 16th August 1985

No. 2204|A/Admin|130|85.—On attaining the age of superannuation Shri G. S. Sharma, substantive Audit Officer, retired from service, with effect from 31st July, 1985 (AN).

B. S. TYLE  
Joint Director of Audit  
Defence Services

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-66, the 12th August 1985

No. AN-I|1728|5|I.—The Controller of Defence Accounts regrets to notify the sad demise of Shri N. D. Moray, IDAS (Date of birth 27-08-34) on 14th July, 1985.

No. AN-I|1172|1|Vol.III.—The President is pleased to appoint B. S. BHALLERAO, an officer of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Senior Administrative Grade (Level-II) (Scale Rs. 2250-125|2-2500) of that Service with effect from the forenoon of 18th July, 1985, until further orders.

The 13th August 1985

No. AN-II|2606|84.—The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri Roop Ram Singh, Permanent Accounts Officer (0|462) on 2-7-1985.

Shri Roop Ram Singh A.O. is accordingly struck off the strength of this Department with effect from 3-7-85(FN).

A. K. GHOSH  
Addl. C.G.D.A. (Admin)

## MINISTRY OF COMMERCE

## OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi-110011, the 5th August 1985  
IMPORTS AND EXPORTS TRADE CONTROL  
(ESTABLISHMENT)

No. 6|1193|77-Admn(G).—Shri S. L. Soni Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports (Central Licensing Area), New Delhi expired on 11-1-1985.

The 7th August 1985

No. 6|1249|78-Admn(G).—Smt. P. M. Sankari Controller of Imports and Exports in the office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports, has been permitted to retire voluntarily from the forenoon of the 1st July 1985.

SHANKAR CHAND  
Dy. Chief Controller of Imports & Exports  
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL OF INDUSTRIAL  
CONTINGENCY

New Delhi, the 13th August 1985

No. 111 (93)|DGIC|HQ|85(.).—The President is pleased to appoint Shri Kishore Kunal, an officer of the Indian Police Service (Guj : 72) as Assistant Director in the Directorate General of Industrial Contingency at Patna under the Department of Industrial Development, Ministry of Industry and

Company Affairs, with effect from the forenoon of 5th August, 1985.

I. P. BHATT  
Dy. Asstt. Director (HQ).

## MINISTRY OF SUPPLY &amp; TEXTILES

## DEPARTMENT OF TEXTILES

## OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

## ADMN.I SECTION

New Delhi-110011, the 5th August 1985

No. 2001|15|77-DCH|Admn.I.—The President regrets to announce the death of Shri R. Karunakaran, Assistant Director-Gr.II in the office of the Development Commissioner for Handlooms, New Delhi on the 2nd August, 1985.

P. K. DATTA  
Additional Development Commissioner (Handlooms)

New Delhi, the 8th August 1985

No. A-32015(1)|84-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from 29-7-1985 and until further orders Shri B. Dasaratharami Reddy as Assistant Director Grade.JI (Non-Technical), in the Weavers' Service Centre, Guwahati.

V. K. AGNIHOTRI  
Addl. Development Commissioner for Handlooms

## MINISTRY OF STEEL, MINES &amp; COAL

## DEPARTMENT OF STEEL

## IRON &amp; STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 13th August 1985

No. EI-2(3)|82(.).—The undersigned hereby appoints Shri P. K. Das, Superintendent, to officiate in the post of Assistant Commissioner of Payments in this organisation with effect from 12-8-1985 on temporary basis for a period 3 months vice Shri Sukumar Sinha, now on deputation to Falta Export Processing Zone, as Administrative Officer, given proforma promotion to the same grade.

No. EI-2(3)|82(.).—Shri Sukumar Sinha who is now on deputation to the Falta Export Processing Zone, Ministry of Commerce, Government of India, 7, Cawao Street, Calcutta-16 in the capacity of Administrative Officer is hereby given proforma promotion to officiate as Assistant Commissioner of Payments in this organisation under the "next below rule" with effect from 12-8-1985, the date from which Shri P. K. Das, Superintendent, is officiating as Assistant Commissioner of Payments.

D. K. GHOSH  
Iron & Steel Controller

## (KHAN VIBHAG)

## GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 14th August 1985

## CORRIGENDUM

No. 8370B|A-32013(SO)|84|19A.—The name appearing in this office notification No. 7201B|A-32013(SO)|84-19A dated 15-7-1985 may be read as Shri S. R. Sinha Roy instead of Shri S. K. Sinha Ray.

A. KUSHARI  
Director (Personnel)

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 18th July 1985

No. A.190120|13|77-Admn.1|M (F&S).—Consequent on his voluntary retirement Shri P. Eapen Thomas relinquished charge of the post of Librarian at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the forenoon of 1st January, 1983.

P. K. GHAI  
Deputy Director Administration (C&B)

New Delhi, the 14th August 1985

No. A.12025|1|82-DC.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Mirza Farooq Ahmed Beg to the post of Junior Scientific Officer, (Pharmaceutical Chemistry), in the Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from forenoon of 15-4-1985, until further orders.

MATU RAM  
Dy. Director Adminn. (Drugs)

## MINISTRY OF AGRICULTURE &amp; RURAL DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE &amp; COOPERATION)

## DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 1st August 1985

No. F.2-3|85-Estt.(I).—On the recommendations of D.P.C. Group 'B' of the Directorate of Extension, Shri O. P. Lath, Superintendent (Gr. II) is promoted to officiate as Superintendent (Grade I) G.C.S. Group 'B' Gazetted (Ministerial) in the scale of pay of Rs. 700-30-760-35-900 in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Rural Devt., Deptt. of Agriculture & Cooperation with effect from 1st August 1985 (F.N.) until further orders.

R. G. BANERJEE  
Director of Administration

## (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

## DIRECTORATE OF MARKETING &amp; INSPECTION

Faridabad, the 14th August 1985

No. A-19025|41|79-A.III.—The resignation tendered by Shri B. D. Bajaj, who was relieved of his duties as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate on 1-5-80 (F.N.) for joining the Department of Food on his selection as Junior Inspecting Officer through the Union Public Service Commission, has been accepted by the Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India with effect from 30-4-1982 (AN) and his lien in this Dte. stands terminated from the same date.

J. KRISHNA  
Director of Administration

## DELHI MILK SCHEME

New Delhi-110008, the 13th August 1985

No. 4-3|81-Estt. (Spl).—Shri Sheo Ram officiating in the post of Assistant Administrative Officer is appointed to officiate on regular basis to the post of Administrative Officer in the pay scale of Rs. 840-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Delhi Milk Scheme with effect from 24-3-1985.

No. 4-3|81-Estt. (Spl).—Shri U. C. Puri, Officiating in the post of Administrative Officer on short term basis is appointed to officiate on regular basis in the post of Administrative Officer in the pay scale of Rs. 840-1200 (Group 'B' Gazetted) in the Delhi Milk Scheme with effect from 23-3-1985.

ARUN SEDWAL  
General Manager

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE  
PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 9th August 1985

No. PA|73(12)|85-R-IV|806.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. R. K. Mahajan as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of July 1, 1985 to the afternoon of July 31, 1985.

The 14th August 1985

No. PA|73(12)|85-R-IV|815.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Virendra Mohan Sharma as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of July 5, 1985 to the afternoon of August 6, 1985.

M. D. GADGIL  
Dy. Establishment Officer

## NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 12th August 1985

No. NAPP|Recit|11(6)|85-S|9664.—Officiating appointment on ad-hoc basis of Shri Om Prakash, a permanent Selection Grade Clerk of this Project as Assistant Personnel Officer notified vide notification No. NAPP|Adm|11(6)|84|S|10906 dated 13-11-84 stands terminated with effect from the afternoon of August 3, 1985.

R. K. BALI  
Administrative Officer

## DIRECTORATE OF PURCHASE &amp; STORES

Bombay-400 001, the 8th August 1985

No. DPS|41|1|85-Adm.|5981.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Joaquim John Pareira, a permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 1-7-1985 (FN) to 31-7-1985 (AN) in the same Directorate vice Shri S. S. Pradhan, Asstt. Purchase Officer granted leave.

The 9th August 1985

No. DPS|41|3|85-Adm.|5993.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri A. A. Shaikh, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer, to officiate as an Accounts Officer-II on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from 17-6-1985 (FN) to 31-7-1985 (AN) in the same Directorate.

No. DPS|41|3|85-Adm.|5999.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Smt. Kanta Amaral Raheja, a permanent UDC and officiating Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 17-6-1985 (FN) to 31-7-1985 (AN) in the same Directorate.

P. GOPALAN  
Administrative Officer

## CONSTRUCTION &amp; SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 31st July 1985

No. CED|A|2(16)|5183.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. V. Poulose, a temporary Assistant Accountant in Construction & Services Group as Assistant Accounts Offi-

cer in a temporary capacity on adhoc basis with effect from the forenoon of 1-5-85 to 1-6-85 vice Shri V.G.J. Pillai, A.A.O. promoted as Accounts Officer-II in Directorate of Estate Management.

S. K. KAPUR  
Administrative Officer

**DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY**  
**ATOMIC MINERALS DIVISION**  
**ATOMIC MINERALS DIVISION**

Hyderabad-500016, the 20th August 1985

No. AMD-16|3|85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Sukh Dayal, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from April 6, 1985 to May 8, 1985.

No. AMD-16|3|85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. S. Narayanan, a permanent Senior Stenographer, Nuclear Fuel Complex and officiating Assistant Personnel Officer, Atomic Minerals Division to officiate as Administrative Officer-II in the same Division on an ad-hoc basis with effect from February 1, 1985 to May 28, 1985.

No. AMD-16|3|85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri T. P. George, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant, Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from February 1, 1985 to 28th May, 1985 vice Shri T. S. Narayanan, Assistant Personnel Officer promoted as Administrative Officer-II.

No. AMD-16|3|85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Smt. K. V. Nair, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from April 27, 1985 to June 1, 1985 vice Shri P. O. Karuukaran, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

S. PADMANABHAN  
Sr. Administrative & Accounts Officer

**HEAVY WATER PROJECTS**

Bombay-400 008, the 19th August 1985

No. 05012|1|ROP|3059.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Shrikrishna Shrihari Khanolkar a permanent Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on adhoc basis from May 27, 1985 (FN) to July 5, 1985 (AN) vice Shri G. Kulandaivelu, APO, granted leave.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY  
Administrative Officer

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 18th August 1985

No. A.32013|5|83-EI.—In continuation of this Office Notification No. A.32013|5|83-EI, dated the 26th May, 1983, the President is pleased to continue the adhoc appointment of

Shri Y. P. Bawa to the post of Deputy Director (Research & Development) for the period from 5-4-1984 to 17-12-1984.

M. BHATTACHARJEE  
Deputy Director of Administration

**DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION**  
**CUSTOMS & CENTRAL EXCISE**

New Delhi, the 6th August 1985

No. 18|85.—Shri Bant Singh, lately posted as Senior Superintendent of Central Excise, Calcutta-II Collectorate on his transfer to the Directorate General of Inspection (C&CE) vide Ministry of Finance, Deptt. of Revenue's order No. 98|85 dt. 9-7-85 issued vide letter F. No. A-22012|42|85-Ad.II, assumed charge of the post of Asstt. Director, DGICCE, New Delhi w.e.f. 26-7-85 (FN).

No. 1985.—Shri B. K. AGARWAL, lately posted as Asstt. Collector of Customs, Bombay, on his transfer to the Directorate General of Inspection (C&CE) New Delhi vide Ministry of Finance, Deptt. of Revenue's Order No. 98|85 dt. 9-7-85 issued vide letter F. No. A-22012|40|85-Ad.II assumed charge of the post of Asstt. Director, DGICCE, New Delhi on the FN of 5-8-85.

No. 20|85.—Shri M. C. Saxena, lately posted as Supdt. of Central Excise (Gr. B) Range Haldwani in the Collectorate of Central Excise Meerut, on his appointment as Inspecting Officer (Gr. B) vide this Directorate General's Order C. No. 1041|50|82 dated 23-2-85 assumed charge of the post of Inspecting Officer, Group 'B' in the North Regional Unit of DGICCE at Ghaziabad w.e.f. 15-7-85 (FN).

A. C. SALDANHA  
Director General of Inspection

**CENTRAL WATER COMMISSION**  
New Delhi-110066, the 9th August 1985

No. A-19012|1070|84-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission appoints Shri Chandeshwar Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on adhoc basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 31-12-1984 for a period of one year or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

MEENAKSHI ARORA  
Under Secretary (C)  
Central Water Commission

**DIRECTORATE GENERAL OF WORKS**  
**CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT**

New Delhi, the 8th August 1985

No. 27-EE|K(14)|75-ECII.—Consequently on attaining the age of superannuation (58 years) Shri I. S. Kochhar, Executive Engineer (Elect.), PWD Electrical Divn. No. I (DA), New Delhi has been retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st July 1985 (31-7-1985 A.N.).

NEENA GARG  
Dy. Director of Administration  
for Director General (Works)

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
BORING CANAL ROAD,  
PATNA-800 001**

Patna-800 001, the 2nd August 1985

Ref. No. III-975/Acq./85-86.—Whereas, I,  
**R. K. DUBEY**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 397(A) New in Circle No. 6, Touzi No. 524, Plot No. 782(part), 783(part) and 784(part), ward No. 2, situated at Exhibition Road, Patna, Dist. Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D.S.R. Patna on 10-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Ashiana Engineers Pvt. Ltd., "Vishwa Sadan", Exhibition Road, Patna, through its Director Sri Om Prakash Gupta. (Transferor)
- (2) M/s. Mithila Motors Pvt. Ltd., Exhibition Road, Patna-1, through its Director Shri Dinesh B. Parikh Slo Late Bhagwanjee Parikh of Gokul, 9, Park Road, Bistupur, Jamshedpur. (Transferee)
- (3) M/s. Mithila Motors Pvt. Ltd., Exhibition Road, Patna-1. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All the premises i.e. floor area standing on the piece and parcel of land by measurement 444470 sq. ft. approx. as plinth area and 3960 sq. ft. as carpet area being a portion of holding No. 397(A) New circle No. 6, Touzi No. 524 on part plot of 782, 783 & 784 in Ward No. 2 Exhibition Road, Patna situated on the ground floor with all doors, windows, fixtures containing big hall & toilets and more fully described in deed No. 6988 dt. 10-12-84 registered with D.S.R., Patna.

**P. K. DUBEY**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bihar,  
 Patna

Date : 2-8-85  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE,  
196 BAPUJINAGAR, BHUBANESWAR-751 009  
(ORISSA)

Orissa, the 31st July 1985

Ref. No. IAC[Acq.]BBSR-1|85-86|552-53.—Whereas, I, R. C. SETHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7199|84 situated at Ganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 12-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-foresaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely :—

52—226GI|85

(1) Shri Sk. Jalil  
S/o Late Sk. Jayad Ali,  
P.O. Dhamasan Dist. Chhapra (Bihar),  
At present in Plot No. S.C.R. No. 68,  
Ganganagar, Unit-VI,  
Bhubaneswar, Dist—Puri (Orissa.)

(Transferor)

(2) Sk. Fazlur Rahman  
S/o Sl. Khalilur Rahman,  
Bapujinagar in S.C.R. Plot No. 15|A,  
Bhubaneswar, Dist—Puri (Orissa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land with Building—SCR Plot No. 68—Mouza—Ganganagar in Unit VI, measuring 90'x40' vide drawing No. 1680 Municipal Holding No. 40|190, Ward No. 9 rent Rs. 12.40 with the Jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and bounded by—North—Conservancy Lane, South—40 ft. Road and open space, East—Plot No. 67 and West—Small shop plot.

R. C. SETHI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
196 Bapujinagar, Bhubaneswar-9.

Date : 31-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Pondurang Aba Bhadure  
R/o Yavatmal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Padamchand Mangild Bafna,  
R/o Yavatmal.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR  
NAGPUR

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC|ACQ|4|18|85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Agricultural Land situated at Mauja, Moha Teh. & Distt. Yavatmal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Yavatmal on 11-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural Land bearing S. No. 50|2 situated at Mauja; Moha Teh. & Distt. Yavatmal Total Area : 5 Acres 27 Gunthas.

M. C. JOSHI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 8-5-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR  
NAGPUR

Nagpur, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|ACQ|20|22|85-85.—Whereas, I, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Sheet No. 165, CTS No. 18344|1, Station Road, Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in the office at Aurangabad on 17-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

- (1) Maulani Nabab Mohd Alikhan  
S/o Maulani Umaradraj Alikhan Saheb,  
Aurangabad Now-Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Shri Nandkishore Nagarao Jadhav,  
"Balaji Kripa"  
behind Telephone Exchange, Ajabnagar,  
Aurangabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot measuring 18900/- Sq. ft. situated at Station Road, Sheet No. 165, CTS No. 18344|1, Aurangabad.

M. C. JOSHI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Nagpur

Date : 5-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
JALANDHAR**

Jalandhar, the 6th August 1985

Ref. No. A.P. No. 5824.—Whereas, I,  
**J. L. GIRDHAR,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kamal Narain,  
Shiv Narain,  
S/o Lahori Lal,  
R/o Meh. Kasaban, Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shrimati Inderjit Kaur  
W/o Sardara Singh,  
R/o 23—Model Town,  
Pathankot.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.  
1. Central Bank of India,  
Kapurthala.  
2. F & T Department,  
Kapurthala.  
3. M/s. Aggarwal Enterprises,  
Sultanpur Road,  
Kapurthala.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 1959 of 26-12-84 of the Registering Authority, Kapurthala.

**J. L. GIRDHAR—  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Jalandhar**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
JALANDHAR**

Jalandhar, the 9th August 1985

Ref. No. A.P. No. 5826-5827-5828.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Lubhaya  
S/o Dhami Ram,  
R/o Gandhi Nagar near New Grain Market,  
Jalandhar,  
Mukhtiar-Khas of Harnarain Singh  
Mukhtiar-Am of Smt. Charanjit Kaur.  
(Transferor)
- (2) Shri Harnarain Singh  
S/o Surat Singh,  
R/o ND-270, Adda Tanda,  
Jalandhar.  
(Transferee)
- (3) As per St. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property situated at Tagore Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 3801, 3876 & 3893 of December, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 30th July 1985

Ref. No. ASR/85-86/23.—Whereas, I,  
**L. R. DHINGRA, IRS**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Pathankot (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Pathankot on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Lok Nath Bajaj & Sons,  
 Forest Lessees & Timber Merchants,  
 College Road, Pathankot,  
 Distt. Gurdaspur,  
 through Shri Jai Dev Bajaj,  
 S/o Sh. Lok Nath Bajaj,  
 Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Moti Parkash  
 S/o Shri Reop Lal,  
 R/o Mohalla Wadeharian,  
 Pathankot.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.  
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

A plot of land measuring 4950 sq. ft. situated at Village : Anandpur, Teh. : Pathankot, as mentioned in sale deed No. 2694 dt. 23-1-85 of registering authority. Pathankot.

**L. R. DHINGRA, IRS**  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range,  
 Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1985  
 Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 12th August 1985

Ref. No. ASR/85-86/24.—Whereas, I,  
L. R. DHINGRA, IRS  
being the Competent Authority authority authorised by the  
Central Government in this behalf under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One property situated at Golden Avenue, ASR  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
S.R. Amritsar in Dec. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Sh. Ram Murti  
W/o Shri Mela Ram,  
Bagh Rama Nand,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Inderjit Singh  
S/o Shri Jaswant Singh,  
c/o M/s. Allied Auto Traders,  
Sheranwala Gate,  
Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
**may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

One property No. 70, situated at Golden Avenue, Water  
Works Road, Amritsar as mentioned in sale deed No. 6259,  
date 12-12-1984, of registering Authority, Amritsar.

L. R. DHINGRA, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range.  
Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date . 12-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 12th August 1985

Ref. No. ASR/85-86/25.—Wheeras, I.  
L. R. DHINGRA, IRS  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One property situated at East Mohan Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Amritsar in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Munshi Ram  
S/o Shri Vir Bhan,  
R/o Karmon Deori,  
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Mukhtar Singh  
S/o Shri Kesar Singh,  
149, East Mohan Nagar,  
Amritsar,

(Transferee)

(3) A sat S. No. 2 overleaf & Tenants if any.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One property No. 238, situated at East Mohan Nagar, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 168 dt. 4-4-85 of

L. R. DHINGRA, IRS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Amritsar

Date . 12-8-1985

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri N Ismail Hajji,  
Naiha (Minor) Represented by  
Sri N. Ismail Hajji,  
Nellikkaparambil, Puthiyangadi, Edakkad,  
Calicut.  
(Present address :  
Sri N. Ismail,  
286 N. S. C. Bose Road,  
Madras-I)

(Transferor)

(2) Shri A. V. Paul,  
Alukas Jewellery,  
M. O. Road, Trichur.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
NARAYANI NILAYAM", WARRIAM ROAD,  
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 19th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. L.C. 763/85-86.—Whereas, I,  
**B. RAVIBALAN**,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Calicut on 10-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. J.W.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

10.95 cents of land in R. S. No. 17-15-681 of Calicut Corporation, registered in SRO, Calicut, vide document No. 1089 dt. 10-12-1984.

**B. RAVIBALAN**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
—226GI/85

Date : 19-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th August 1985

Ref. No. 126|December|84.—

Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Survey No. 254|1 situated at Kannankurichi Village, Salem Taluk and Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at JSR, Salem (Doct. No. 2168 to 2171|84) in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Sri P. Raman,  
2. Sri P. Swaminathan,  
3. Sri P. Paulivasu,  
4. Sri P. Kesavan,  
5. Sri P. Bahuswamy  
Sons of late Perumal Gounder.  
Iyyanthirumaligai,  
Asthampatti Village, Salem Taluk and Dist.  
(Transferor)

(2) Smt. R. Vathsala,  
W/o U. R. Ramasundaram,  
112, Greenways Road,  
Fairlands, Salem.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant Site in Survey No. 254|1 at Kannankurichi Village, Salem Taluk and Dist.  
JSR, Salem — Doct. No. 2168 to 2171|84.

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE-I**  
**MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 12th August 1985

Ref. No. F. No. 156/Dec/84/Mds.—  
 Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing  
 Plot No. 3982 situated at Anna Nagar, Madras 40  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the officer of the Registering Officer at  
 Anna Nagar (Doc. No. 4015/84) in December, 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

(1) Smt. Nirmala Simon AND  
 Shri Simon Jacob,  
 Plot No. 3282, lock S-7,  
 Arignar Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Shri T. A. Arthanari Mudaliar,  
 15, Jambulinga Street,  
 Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons  
 whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable  
 property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and Building : Plot No. 3982, Anna Nagar, Madras-40.

(S.R.O., Anna Nagar—Doc. No. 4015/84).

K. VENUGOPALA RAJU  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-I  
 Madras-600 006

Date : 14-8-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri N. Ismail Hajji,  
Najiba (Minor) Represented by  
Sri N. Ismail Hajji,  
Nellikkaparambil, Puthlynagad, Edakkad,  
Calicut.  
(Present address :  
Sri N. Ismail,  
286, N. S. C. Bose Road,  
Madras-1).

(Transferor)

(2) Shri K. P. Mayan,  
S/o Mohammed, Advocate,  
Chalapuram, Calicut-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
"NARAYANI NILAYAM", WARRIAM ROAD,  
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 19th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. I.C. 762/85-86.—Wheeras, I.  
B. RAVIBALAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Sy. No. as per schedule situated at Calicut Corporation  
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
Calicut on 10-12-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

11.75 cents of land in RS. No. 17-15-681 of Calicut Cor-  
poration, registered in SRO, Calicut, as per document No.  
1088 dt. 10-12-1984.

B. RAVIBALAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range,  
Ernakulam

Date : 19-7-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

## FORM ITNS

- (1) 1. Subramania Iyer,  
2. Shri Sankara Iyer.  
3. Kolathu Iyer.  
4. Narayana Iyer,  
5. Venkitaramakrishnan  
6. Krishna Iyer and  
7. Sankaran

Akampuram, North Kollidakurichi,  
Ambassamudram, Tirunelveli,  
Tamil Nadu.

(Transferor)

- (2) Sri P. N. Krishna Kumar,  
S/o P. K. Nanu Ezuthassan,  
Padinjarethalakkal House, Now residing at  
Amrutha Lodge, East Nada,  
Guruvayur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE  
"NARAYANI NILAYAM"  
WARRIAM ROAD  
COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 8 August 1985

Ref. No. L.C. 766/85-86.—

Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- [Rs. 1,00,000/-] and bearing Sy. No. per schedule situated at Guruvayur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at SRO, Kottappadi on 12-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

5.5 cents of land in Sy. No. 100/10, 11, 12, & 13 of SRO, Kottappadil, with double stories building at Guruvayur East Nada, in Chavakkadu Firka-Guruvayur Township.

B. RAVIBALAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Cochin-662 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-600 006**

Madras-600 006, the 12th August 1985

Ref. No. 12|December|84|MDS.—

Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 46 & 47, Aravamudha Garden Street situated at Madras-8 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registering Officer at S.R.O. Periamet in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri V. Narayanasamy Iyer,  
No. 94, II Cross Street,  
Aspin Garden, Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) The Madras Sivakasi Nadars' Welfare Association, 1128, Poonamallee High Road, Periamet, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building : Door No. 46 & 47, Aravamuda Garden Street, Madras-8.  
(S.R.O., Periamet — DOC. No. 1233|84).

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri U. E. Abdul Khader Sahib,  
Peria Agraharam,  
Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. M. Abdul Gani,  
33, Woothukattan Street,  
Madras-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th August 1985

Ref. No. 23[Dec]84.—  
Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Door No. 49, Woothukattan Street situated at Madras-3  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the officer of the Registering Officer at  
Periamet (Doc. No. 1206/84) in December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATN.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant Site—Door No. 49, Woothukattan Street, Madras-3.  
(S.R.O., Periamet—Document No. 1206/84).

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 14-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shanmugam  
AND  
Vilaya W/o Shanmugam  
Ganesapuram,  
Namakkal Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Palaniappa Mudallar,  
19, Kuyavar Street,  
Namakkal Town.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th August 1985.

Ref. No. 49|Dec|84|MDS.—

Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the Said Act), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Survey No. 494/3, Namakkal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the officer of the Registering Officer at  
S.R.O., Namakkal in December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Vacant House Site :—  
Survey No. 494/3, Namakkal  
(S.R.O., Namakkal—Document No. 1610|84).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Madras-600 006

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 12-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri T. N. Ravichandran,  
36, Frusupuram I Cross Street,  
Kodambakkam.

(Transferor)

(2) M/s. K. V. Traders,  
No. 10, Kodimaram Street,  
Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 14th August 1985

Ref. No. 165-Dec.84.—

Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

47, Kommalammal Koil Street situated at Tondiarpet  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
(1908) in the office of the registering Officer at  
Royapuram (Doc. No. 1963/84) in December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building : 47, Kommalammal Koil Street, Ton-  
diarpet.

(S.R.O., Royapuram—Doc. No. 1963/84).

K. VENUGOPALA RAJU  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I,  
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
54—226GI/85

Date : 14-8-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th August 1985

Ref. No. RAC. No. 31185-86.—

Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at Masab tank  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on 1/1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ismath Saleh,  
W/o Salen Bin Saleem.  
H. No. 10-5-3(A)3, Masab Tank,  
Hyderabad.

(2) Sri K. Subrahmanyam,  
29, Belavesta,  
281, S. V. Road,  
Bandra, Bombay.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days from the date of publication of this notice**  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. B on I Floor at H. No. 10-5-3(A)3, Masab Tank,  
Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document  
No. 625/85 in the month of 1/1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-8-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(1) M/s. Landmark Builders,  
6-2-930, Khairatabad,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Keerthi,  
308, Shishir Apartments,  
Khairatabad, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th August 1985

Ref. No. RAC. No. 312/85-86.—

Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat situated at 'Shibas Glen', Somajiguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 1/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat in 'Shibas Glen' on 3rd Floor, Somajiguda, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 510/85 in the month of 1/1985.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)**

Hyderabad (A.P.), the 12th August 1985

Ref. No. PAC. No. 313/85-85-.

Whereas, J. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat situated at Shibus Glen, Somajiguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in 21/985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Landmark Builders,  
6-2-930, Khairatabad,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. F. Millan and  
Miss Karen Millan,  
Flat No. 3, Ashok Apartments, Block-A,  
Colaba, Bombay-5

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

**THE SCHEDULE**

Apartment No. 304 on 3rd Floor of 'Shibus Glen', Kapadia Lane, Somajiguda, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad in the month of 2,1985 vide Document No. 782/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JECAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1985

Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Malik Builders,  
Rep : by Sri M. A. Malik & Mrs Azizunnisa Begum,  
3-6-290, Hyderguda,  
Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri Ahmed Shareef,  
S/o Sri Ismail Sharif,  
16-2-145/6, Malkpet,  
Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 14th August 1985

Ref. No. RAC. No. 320.85-86.—  
Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat situated at Aziz Towers, Hyderguda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the  
Registering Officer at  
Chikkadpally in 12/1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. A-IV, on 3rd Floor, in Aziz Towers at H. No. 3-6-280, St. Louis School Road, Hyderguda, Hyderabad registered by the SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 910/84 in the month of 12/1984.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 14th August 1985

Ref. No. RAC. No 321/85-86.—

Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot situated at Lingampally, Barkatpura (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Chikkadpally in 2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri P. Venkatarama Reddy,  
S/o P. Gopal Reddy,  
Pothireddy patty village,  
Huzurabad Tq. Karimnagar Dist.

(Transferor)

(2) Smt. D. Gangamwari,  
W/o Sri D. Janardan Reddy,  
3-6-102, 1 Floor, Himayatnagar,  
Hyderabad.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Open plot (portion of Plot Nos. 39 & 40), 359 sq. yds., Lingampally, Barkatpura, Hyderabad registered by the SRO, Chikkadpally, Hyderabad vide Document No. 142/85 in the month of 2/1985.

M. JEGAN MOHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-8-1985  
Seal :

**FORM ITNB**

(1) Sri Putnamisetty Dhadwai Mallappa S/o Veerappa,  
 (partner in M/s Sree Venkataramana Rice Mill,  
 Medak), Havelighanpur, Medak.  
 (Transferor)

(2) M/s Sree Venkataramana Rice Mill,  
 Rep. by Sri Yacham Chandriah, Mg. Partner,  
 S/o Venkaiah,  
 Havelighanpur village, Medak District.  
 (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**  
 ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th August 1985

Ref. No. RAC No. 322/85-86.—Whereas, I,  
 M. JEGAN MOHAN,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value  
 exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.  
 Godown situated at Gunji Market Medak  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Medak in December, 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
 that the consideration for such transfer as agreed to between  
 the parties has not been truly stated in the said instrument  
 of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Godown bearing M. No. 3-9-89/B, and its open place in Plot No. 13, Gunji Market, Medak registered by the SRO, Medak at Sangareddy vide Document No. 84/85 in the month of December, 1984.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-8-1985

Seal :

## FORM LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RGNAE-IB, CALCUTTA

Calcutta, the 24th July 1985

Ref. No. AC-6/Acqn.R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 196 situated at Girish Ghosh Road, Belurmath, Howrah, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Ghoti Devi Agarwal,  
106, Girish Ghosh Road,  
Belurmath, Howrah.

(Transferor)

(2) M/s. Excellon Agencies Ltd.,  
3-A, Arstin Place, Calcutta-700 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land : 1659.27 & 2922.09 sft. building with land.  
Address : 106, Girish Ghosh Road, Belurmath, Howrah.  
Deed No. : 14 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Date : 24-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Bhawani Prasad Agarwalla,  
of 570/1, Diamond Harbour Road,  
Calcutta-34.

(Transferor)

(2) 1. Ram Narayan Sharma,  
2. Om Narayan Sharma,  
3. Shyam Narayan Sharma,  
All of 66/6, Rabindra Sarani, Rishra.

(Transferee)

(3) Mrs. H. Blanche—Tenant.  
(Persons in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 13th August 1985

Ref. No. AC-39|R-II|Cal|85 86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8 situated at Janak Saha Road, Calcutta-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 15-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Approximately 4½ coths land with one storied building situated at 8, Janaki Saha Road, formerly 8, May Road, Calcutta-22. More particularly described in Deed No. 15205 of R.A. Calcutta of 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
55—22601|85

Date : 13-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS**(1) Sri N. K. Ghosh of 141, Mukherjee Road,  
Belurmath, District Howrah.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**(2) Sri Bajnath Agarwal of 620, Block-'O',  
New Alipore, Calcutta.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 13th August 1985

Ref. No. AC-38|R-II|Cal|85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 620 situated at Block-O, New Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.R.A. Calcutta on 8-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.****THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

2 cottahs 11 chittacks 9 Sft. land with two storied building situated at 620, Block-'O', New Alipore, Calcutta. More particularly described in Deed No. I 14737 of S.R.A. Calcutta of 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1985  
Seal :

**FORM ITM**

(1) Dr. Bose's Laboratory Ltd. of 53, Raja Dinendra Street, Calcutta-9.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Subhas Sarobar Co-operative Housing Society Ltd., of 108/3, Beliaghata Main Road, Calcutta-10.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 13th August 1985

Ref. No. AG-37|R-II|Cal|85-86.—Whereas, I,  
SHAikh NAIMUDDIN,  
being the Competent Authority under Section 269 B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
1,00,000/- and bearing  
No. 26 H, situated at Radha Madhab Dutta Garden Lane,  
Calcutta-10  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering Officer  
at S.R.A. Calcutta on 17-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

7 Cottahs 37 Sft. vacant land situated at 26 H, Radha  
Madhab Dutta Garden Lane, P.S. Beliaghata, Calcutta-10.  
More particularly described in Deed No. 1 15240 of S.R.A.  
Calcutta of 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923  
(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SHAikh NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 13-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Chinu Dutta Gupta of  
38, Beltala Road, Calcutta-20.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 12th August 1985

Ref. No. AC-35-R-II/Cal/85-86.—Whereas, I,  
**SHAIKH NAIMUDDIN**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 28B situated at Mahesh Dutta Lane, New Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Alipore, 24 Parganas on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Rekha Bhattacharya of  
21E, Kagi Bagan Lane,  
Calcutta-27.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION :—**Two terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

2 Cottahs 3 Chittaks of land with double storied building situated at 28B, Mahesh Dutta Lane, P.S. New Alipore, Calcutta. More particularly described in Deed No. 5545 of S.R. Alipore, 24 Parganas of 1984.

SHAIKH NAIMUDDIN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Amrao Devi Kankaria,  
65, Cotton Street,  
Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Devi Kothari,  
201-B, Mahatma Gandhi Road,  
Calcutta-7.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1985

Ref. No. AC-10/Acqn.R-IV/Cul/85-86.—Whereas, I,  
SANKAR K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269AB of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing  
situated at Contai Road, Midnapore  
at Calcutta on 14-12-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Calcutta on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Land : 20% share of Laxmi Rice Mills, 10.37 acres of  
land with building.  
Address : Laxmi Rice Mill, Belda, Contai Road, P.S.  
Narayangarh, District Midnapore.  
Deed No. 15032 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE  
Competent Authority  
Acquisition Range-IV  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

Date : 14-8-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Amrao Devi Kankaria,  
65, Cotton Street,  
Calcutta-7.

(Transferor)

(2) M/s. Shiv Kishan Kothari H.U.F.,  
201-B, Mahatama Gandhi Road,  
Calcutta-7.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1985

Ref. No. AC-11|Acqn.R-IV|Cal|85-86.—Whereas, I,

SANKAR K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Contai Road, Midnapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

Land : 21% share of Laxmi Rice Mill, 10-37 acres of land with building.

Address : Laxmi Rice Mill, Belda, Contai Road, P. S.

Narayangarh Dt. Midnapore.

Deed No. 15033 of 1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

SANKAR K. BANERJEE  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-8-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1985

Ref. No. AC-9|Acqn.R-IV|Cal|85-86.—Whereas, I,

SANKAR K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Contai Road, Midnapore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Calcutta on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Amrao Devi Kankaria,  
65, Cotton Street,  
Calcutta-7.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Devi Kothari,  
201-B, Mahatama Gandhi Road,  
Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : 28% undivided share in Laxmi Rice Mill, 10.37 acres of land with building.

Address Laxmi Rice Mill, Belda, Contai Road, P.S.  
Narayanganj, District Midnapore.  
Deed No. 15031 of 1984.

SANKAR K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1985

Ref. No. AC-8|Acqn.R-IV|Cal|85-86.—Whereas, I,  
SANKAR K. BANERJEE,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Contai Road, Midnapur  
at Calcutta on 14-12-1984

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 14-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Smt. Amrao Devi Kankaria,  
65, Cotton Street,  
Calcutta-7.

(Transferor)

(2) M/s. Mahesh Kumar Kothari,  
201-B, Mahatma Gandhi Road,  
Calcutta-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days from the date of publication of this notice**  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land : 31% undivided share of land 10.37 acres with  
building.

Address : Laxmi Rice Mill, Belda, Contai Road, P.S.  
Narayangarh, District Midnapore.  
Deed No. : 15030 of 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR K. BANERJEE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV  
54, Raft Ahmed Kidwai Road  
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 14-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 8th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/464/1984-85.—Whereas I  
**ANIL KUMAR**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Radheshyam Co-operative Hsg. Society Ltd. Mohan Nagar, Near Zilla Parishad, Trimbak Road, Nasik situated at Nasik (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer I.A.C., Acqn. Range, Pune on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Motilal R. Parakh,  
13 Radheshyam Co-operative Hsg. Society,  
Mohan Nagar, Near Zilla Parishad,  
Trimbak Road, Nasik.  
(Transferor)
- (2) Shri Vinayak Nana Pawar,  
Usha Apartments, Mangal Nagar,  
Gangapur Road, Nasik.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Radheshyam Co-operative Housing Society Ltd. Mohan Nagar, Near Zilla Parishad, Trimbak Road, Nasik (Area 570 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 464/1984-85 in the month of Dec. 1984).

**ANIL KUMAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—  
56—226GI/85

Date : 8-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Laxmibai Ratiram Goyal,  
Sunity Society, Wavare Lane,  
Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

(2) Arunabai Vasant Ghodke,  
Dighe Building, Main Road,  
Nasik.

(Transferee)

Pune, the 8th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|792|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 5C in building No. 2 of Sunity Co-operative Housing Society, Wavare Lane, Nasik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq Range, Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Flat No. 5C in Building No. 2 of Sunity Co-operative Housing Society, Wavare Lane, Nasik.  
(Area 587 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 792|1984-85 in the month of April 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri J. G. Malpathak,  
Vatsala Niwas, Gole Colony,  
Nasik.  
(Transferor)

(2) Shri Gurmit Singh Arjun Singh Bagga,  
Panchwati, Nasik-3.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC ACQ/CA-37EE/611/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vatsala Niwas, Flat No. 2, Gole Colony, Nasik-2 situated at Nasik (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq'n. Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

"Vatsala Niwas" Flat No. 2, Gole Colony, Nasik-2.  
(Area 557 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 611/1984-85 in the month of February 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri R. G. Malpathak,  
"Vatsala Niwas" Gole Colony,  
Nasik-2.

(Transferor)

(2) Shri Gurumit Singh Arjun Singh Bagga,  
Panchawati, Nasik-3.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE[610]1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing "Vatsala Niwas" Flat No. 5, Gole Colony, Nasik-2 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn: Range, Pune in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

"Vatsala Niwas" Flat No. 5, Gole Colony, Nasik.

(Area 558 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 610/1984-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 8-7-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

- (1) Shri Satish G Malpathak,  
"Vatsala Niwas" Gole Colony, Nasik.  
(Transferor)
- (2) Shri Gurumit Singh Arjun Singh Bagga,  
Panchavati, Nasik-3.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE|609|1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vatsala Niwas, Flat No. 3, Gole Colony, Nasik-2 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Vatsala Niwas, Flat No. 3, Gole Colony, Nasik-2.  
(Area 558 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 609|84-85 in the month of February 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|612|1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vatsala Niwas, Flat No. 1, Near Ashok Stambh, Gole Colony, Nasik, situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. P. D. Malpathak,  
5 Yashaprabha, Patil Colony, Lane No. 2,  
College Road, Nasik.  
(Transferor)

(2) Shri Gurumit Singh Arjun Singh Bagga,  
Panchavati, Nasik.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

"Vatsala Niwas' Flat No. 1 Near Ashok Stambh, Gole Colony, Nasik-2.  
(Area 558 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 612|1984-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of the Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 9-7-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. M. R. Thakkar & Sons.  
C/o 1516 Bhadrakali, Nasik.

(Transferor)

(2) Mrs. Pushpa Suresh Nagre,  
4185 Sonawane Bhuyan,  
South door of Kalaram Temple,  
Panchavati, Nashik.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/646/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, 11nd Floor, S. No. 655/1/8 Plot No. 5 situated at Nasik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 17, 11nd floor, S. No. 655/1/8 Plot No. 5, situated at Nasik.

(Area 715 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 646/1984-85 in the month of March 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Suresh G. Malpathak,  
Vatsala Niwas, Gole Colony,  
Nasik.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gurumit Singh Arjun Singh Bagga,  
Panchwati, Nasik-3.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/619/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Vatsala Niwas, Flat No. 4, Gole Colony, Nasik, situated at Nasik.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Vatsala Niwas, Flat No. 4, Gole Colony, Nasik.  
(Area 558 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 619/1984-85 in the month of February 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 9th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|953|1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 [43 of 1961] (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Flat No. 9 in A1 building at Chintaman Nagar, S. No. 128[1 Aundh, Pune-7 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune on May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

(1) Nikhil Enterprises,  
14 Bombay Poona Road, Near Bajaj  
Auto Show Room, Wakadewadi, Shivajinagar,  
Pune.

(Transferor)

(2) Mr. L. R. Ganeshan,  
1097/3 "Suhas" Model Colony,  
Pune-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 9 in A1 building at Chintaman Nagar, S. No. 128[1 Aundh, Pune-7.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 953|1985-86 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

57 —216GJ|85

Date : 9-7-1985  
Seal .

## FORM ITNS

(1) Darshana Builders,  
364/12 Bhavani Peth, Pune.

(Transferor)

(2) Fatima Hazalhussien Bhanpurawala,  
534 Raviwar Peth, Pune-2

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|12435|1984-85.—Whereas, I  
ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

Flat No. 6, Building No. 3, Kagolwala Apartments, 364/12  
Bhavani Peth, Pune-2 situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1993) in the office of the Registering Officer at  
I.A.C. Acq. Range, Pune on May 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration in such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meanings as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

Flat No. 6 building No. 3, Kagolwala Apartments, 364/12  
Bhavani Peth, Pune-2.

(Area 964 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under  
document No. 12435|1984-85 in the month of May 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys of other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Vijayakumar Keshav Gadgil,  
558 Laxmi Road,  
Kurundwad, Dist. Kolhapur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 8th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7596/1984-85.—Whereas, (I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 51, S. No. 120 Kothrud, Pune, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

I.A.C., Acq'n. Range, Pune on Nov. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 51, S. No. 120 Kothrud, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7596/1984-85 in the month of Nov. 1984.

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 8-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Rammiklal V. Mehta, Yogesh Bapubhai,  
Vashi Road, Vile Parle West, Bombay-56.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Habiba S. Fozalbhay &  
Mrs. Noor Jhan M. Fozalbhay,  
Sujat Mansion, S. V. Road,  
Andheri, Bombay.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 12th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10318/1984-85.—Whereas, I ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. A-1-10B Sujata Co-operative Housing Society Ltd. Bund Garden Road, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Nov. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. A-1-10B Sujata Co-operative Housing Society Ltd. Bund Garden Road, Pune-1.

(Area 817 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10318/1984-85 in the month of Nov. 1984).

- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Monarch Builder Corporation,  
594, Sadashiv Peth,  
Express Towers,  
2nd floor, Laxmi Road,  
Pune-30.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 11th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12236/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6 on plot No. 45 in Dahanukar Colony, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mr. Pravin Ramchandra Purandekar,  
630, Narayan Peth,  
Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 6 on plot No. 45 in Dahanukar Colony, Kothrud, Pune-29.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12236/84-85 in the month of May, 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
PUNE.

Pune, the 11th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7587/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot Nos. 44 (Part), 45, 46, S. No. 9 & 10, Kothrud situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range, Pune on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. S. B. Naik & Mrs. S. S. Naik,  
"Waterqueen" Waterfield Road,  
Bandra (W),  
Bombay.

M/s. Varad Constructions,  
1244, Sadashiv Peth,  
Pune-30.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot Nos. 44 (Part), 45, 46 S. No. 9 & 10, Kothrud. (Area 132.36 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document N. 7587/84-85 in the month of Nov., 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Date : 11-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE**

Pune, the 11th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7779/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 3 2nd floor, Building No. 2 on open plot No. 292/2 Sangamwadi, Koregaon Park Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) GVK Trust  
Prop Gargi Engineering Enterprises,  
through their Trustees Mr. Vinod Kapur &  
Mr. Vicky Kapur  
Mercantile Apartments  
Dr. C. Girwanji Road,  
Chembur,  
Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Vineet D. Aggarwal and  
Smt. Ruksha D. Aggarwal,  
Vijay Mahal,  
4th floor,  
"D" Road,  
Marine Drive,  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 3, 2nd floor, Building No. 2 on open plot No. 292/2, Sangamwadi, Koregaon Park, Pune.  
(Area 1105 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 7779/84-85 in the month of November, 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
50—216GI/85

Date : 11-7-1985

A.I.

## FORM ITNS

(1) Urban Land and Housing Pvt. Ltd.  
"Nirankar" 1st floor,  
1153/5, F. C. Road,  
Shivaji Nagar,  
Pune-16.

(Transferor)

(2) Shri Mukund S. Wairkar,  
Room No. 32,  
Aram Building,  
Noworooze Hill Road No. 4,  
Bombay-9

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 12th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/6854/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Premlok Park, Flat No. 14, Building No. 8, Plot No. 8, C. type, Chinchwad, Akurdi Road, Pune-33 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), I.A.C., Acqn. Range, Pune on October, 1984 (1908) in the office of the Registering Officer at has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

"Premlok Park" Flat No. 14, Building No. 8, Plot No. 8 C-Type, Chinchwad, Akurdi Road, Chinchwad, Pune-33.  
(Area 785 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 6854/84-85 in the month of Oct., 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jayant Ramkrishna Kulkarni,  
264/4, Shanwar Peth,  
Pune-2.  
(Transferor)

(2) Shri Ashok Tilakraj Agarwal  
Chairman for proposed  
Tilakraj Co-operative Housing Society,  
C/o Agarwal Auto Spares,  
Quarter Gate,  
Pune.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 12th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5[37EE]8493[84-85.—Whereas, I,  
ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Plot at S. No. 729/1, City Survey, No. 50, Gultekadi, Pune-9  
situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC, Acq. Range, Pune on November, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
which is less than the fair market value of the aforesaid property  
and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
58—226 GI/85

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range  
Pune

Date : 12-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 11th July 1985

Ref No. IAC ACQ|CA-5|37EE|7578|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 9, S. No. 86|1A Kothrud situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on November, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

(1) Shri Narayan T. Gunde,  
16|38, Navsham Sadan,  
Chembur,  
Bombay.

(2) Amey Construction Co.  
1205|5, Sai Kripa,  
Apte Road,  
Pune-4.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Plot No. 9, S. No. 86|1A, Kothrud.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8578|84-85 in the month of Nov., 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal ;

**FORM ITNS**

(1) M/s. Atul Enterprises,  
Prop. H. S. Mundada,  
31, Sheila Vihar Colony,  
Erandwana,  
Pune-4.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Rajaram Dhavale,  
194, Gold Finch Peth,  
Sholapur.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE**

Pune, the 11th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE]7501|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 7, II<sup>nd</sup> floor, Plot No. 38, Rambag Colony, Pune-12 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 7, II<sup>nd</sup> floor, Plot No. 38, Rambag Colony, Pune-12. (Area 883 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 7501|84-85 in the month of Nov., 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 11th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/7597/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, first floor in Building No. "A" Veer Ashoka Co-operative Hsg. Society, C.T.S. No. 122, Lulla Nagar, Pune-40 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Gopal K. Raheja & Others,  
Building No. "A"  
Veer Ashoka Co-operative Housing Society,  
C.T.S. No. 122,  
Lullanagar,  
Pune-40.

(Transferor)

(2) Mr. Manjeetsingh Bharara &  
Mrs. Indejit Kaur Bharara,  
Hurst Villa,  
Near R. C. Church,  
Dhond, Dist. Poona.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3, first floor in building No. "A" Veer Ashoka Co-operative Housing Society, C.T.S. No. 122, Lullanagar, Pune-40.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune under document No. 7597/84-85 in the month of Nov., 1984).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 15th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/749/84-85.—Whereas, I,  
**ANIL KUMAR**,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Constructed flat bearing Flat No. 36 2nd floor on S. No.  
722A/1-1-A/2 College Road, Nasik situated at Nasik  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC, Acqn. Range, Pune on April, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(1) M/s. P. D. Builders,  
A partnership firm,  
College Road Nasik,  
(379, Priti S. V. Road,  
Vile Parle, Bombay).

(Transferor)

(2) Shaila Shankarrao Adhav,  
587, Raviwar Peth,  
Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957):

Flat bearing Flat No. 36 2nd floor S. No. 722A-1-1-A/2,  
College Road, Nasik.

(Area 886 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 749/84-85 in the month of April, 1985).

**ANIL KUMAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 15-7-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Sathe Jotyani,  
129/C-2, Chiplunkar Road,  
Pune.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Sakharam Jambhale Patil  
92/1, Deepak Apartments,  
Tulsibagwale Colony,  
Sahakarnagar, Main Road,  
Parvati, Pune-9.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 15th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/8940/84-85.—Whereas, I,  
ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Flat at Plot No. 58, S. No. 89/1, 90/1 and 91/1, Parvati,  
Pune-9 situated at Pune  
(and more fully described in the scheduled annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC, Acq Range, Pune on Dec., 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat at plot No. 58 S. No. 89/1, 90/1 and 91/1 Parvatt,  
Pune-9. (Area 770 Built up).

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 8940/84-85 in the month of Dec., 1984).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Know, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by this issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 15-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 15th July 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-I|37EE|12167|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. House No. 29 (New)|103 (Old) Shukrawar Peth, Pune-2 situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at AC, Acqn. Range, Pune on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mukund Gajanan Ranade & Others  
2/7, Vishnu Prasad Co-operative Housing Society,  
M. G. Road,  
Vile Parle (E),  
Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Khinvasara-Chavan,  
22, Mukund Nagar,  
Pune-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. House No. 29 (New)|103 (Old) Shukrawar Peth, Pune-2. (Area 3,528 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12167|84-85 in the month of May, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Tarabai Nandram Bibawale & Others  
431, Kasba Peth,  
Pune-11.

(Transferor)

(2) M/s. Unity Builders,  
405/6, Gultekadi Road,  
Pune-37.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 15th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11444/84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 681/3-1 at Bibawewadi, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

S. No. 681/3-1 at Bibawewadi, Pune. (Area 59, 180 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11444/84-85 in the month of April, 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 15-7-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|15337|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 2, Ground floor, Noor, Industrial Estate, Mira Village, Mira Tal. Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq Range Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Kukreja Corporation,  
Shop No. 29, Ground floor,  
64/E Dabwala Building,  
Old Hanuman Lane, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Syndicate Industries,  
61 Nand Bhawan,  
Babu Genu Road, Kalbadevi Road,  
Bombay-2.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 2, Ground floor, Noor Industrial Estate, Mira Village, Mira Taluka, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 15337|1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
59—226 GI|85

Date : 16-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Dinkar Narayan Pisal,  
336-B Shukrawar Peth, Pune-2

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11703/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1st Floor, 336-B Shukrawar Peth, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) 1. Smt. Prabhavati B. Zanpure,  
2. Shri Vishwas V. Patil, Narayangaon,  
Tal. Junnar, Dist. Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

## THE SCHEDULE

1st Floor, 336-B Shukrawar Peth, Pune-2. (Area 750 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11703/1984-85 in the month of April 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any monies of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16.7.1985

Seal :

**FORM ITTB**

(1) M/s. Vijay Investments,  
20, Steel Yard House,  
67-F Sant Tukaram Road, Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE, PUNE**

(2) Mr. Sheikh Iqbal Maqbool,  
800/37 B Bhagwandas Chawl,  
Bhavani Peth, Pune.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Pune, the 16th July 1985

Ref. No. IAC|ACQ/CA-5|1430|37EE|10098|1984-85.—  
 Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, First floor, Varsha Apartment, 434/1 Salisbury Park Punc-1, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 6, 1st floor, Varsha Apartment, 434/1 Salisbury Park, Punc-1. (Area 575 sq. ft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10098|1984-85 in the month of February 1985).

ANIL KUMAR  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. V. B. Parasnis & Associates,  
1112 Sudashiv Peth, Pune-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Shripad Purushottam Abhyankar,  
93/1, Erandwana, Pune-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|1431|37EE|9385|1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sub plot No. 18, Shilavihar Colony, S. No. 45, Erandwana, C.T.S. No. 324, Pune, situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C., Acqn. Range, Pune on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sub Plot No. 18, Shilavihar Colony, S. No. 45, Erandwana, C.T.S. No. 324, Pune. (Area 6119 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 9385/1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Abhay Associates,  
18/19, Raviwar Peth, Pune-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sunil Kantilal Mutha,  
123, Nana Peth, Pune-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|1432|37EE|12016|1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 1st Floor, 284/285 Nana Peth, Pune-2 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer IAC, Acqn. Range, Pune on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 1, 1st floor, 284/285 Nana Peth, Pune-2. (Area 640 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12016|1984-85 in the month of April 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Sathe-Godse,  
1244 Sadashiv Peth, Pune-30.  
(Transferor)
- (2) Shri A. S. Walwe,  
671/2 Ghorpade Peth, Ekbote Colony, Guru-kripa,  
Pune-2.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice ~~in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;~~

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1433/1922/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 3 in building under construction at Plot No. C4/C5 S. No. 88/1/5 Parvati, Pune-9 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 3, in building under construction at Plot No. C4/C5 S. No. 88/1/5 Parvati, Pune-9.  
(Area-534 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, document No. 11922/1984-85 in the month of April 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Sulochana D Khurase,  
Mukam Post Yavat, Tal. Daund, Near  
Railway Station, Dist. Pune.

(Transferor)

(2) Mr. Esak Siddik Moosa Memon,  
33, Mahatma Gandhi Road, Pune-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 16th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]434|37EE|9497|1984-85.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 1, 1st floor, Wing A Block B at 2128 V.P. Street,  
Camp, Pune situated at Pune  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering Officer  
IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Wing A Block B at 2128, V.P. Street,  
Camp, Pune-1.

(Area 915 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 9497|1984-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 16-7-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) The Chairman,  
Manusmruti Co-operative Housing Society,  
Takala, Kolhapur.  
(Transferor)
- (2) Smt. Vijaya Chandrakant Sanchetti,  
3rd Lane Shahupuri, Kolhapur.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 17th July 1985

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/75/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Manusmruti Co-operative Housing Society, Block No. B/21, 3rd floor, Kolhapur situated at Kolhapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Manusmruti Co-operative Housing Society, Block No. B/21, 3rd floor, Kolhapur.

(Area 850 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 73/1984-85 in the month of February 1985)

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 17-7-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) The Chairman,  
Manusmriti Co-operative Housing Society,  
Takala, Kolhapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
PUNE

(2) Jeevendrakumar K Shah,  
4th Lane, Shahupuri, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Pune, the 17th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/76/1984-85.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as  
the said Act, have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

Manusmriti Co-operative Housing Society, Block No. B/20,  
3rd floor, Kolhapur situated at Kolhapur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC, Acq. Range, Pune on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Manusmriti Co-operative Housing Society, Block No.  
B-20, 3rd floor, Kolhapur.  
(Area 705 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 76/1984-85 in the month of February 1985)

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

60—266 GI/85

Date : 17-7-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Lalit C Gandhi,  
Chief Promoter,  
Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop.)  
14, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road,  
Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) CIPLA Ltd. 289 Bellasis Road,  
Bombay Central, Bombay.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|11623|1985-86.—

Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,00,000/- and bearing  
Flat No. 106, on 1st floor in building LOK SHILP at Vashi,  
Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay situated at New  
Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority at  
IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 106, on 1st floor in building LOK SHILP at  
Vashi Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay.  
(Area 640 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sell registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 11623|1984-85 in the month of January 1985)

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 18-7-1985,  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Lalit C Gandhi,  
Chief Promoter,  
Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop.)  
14, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road,  
Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) CIPLA Ltd. 289 Bellasis Road,  
Bombay Central, Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 188th July 1985

Ref. No IAC ACQ/CA-5/37EE/11624/1985-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
Flat No. 606 on 6th floor in building LOK SHILP at Vashi,  
Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay situated at New  
Bombay  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
IAC, Acq. Range, Pune on Jan. 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Flat No. 606 on 6th floor in building LOK SHILP at  
Vashi Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay.

(Area 640 sq. ft.)  
(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 11624/1984-85 in the month of January 1985)

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferees for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 18-7-1985.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11625/1985-6.—

Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 503 on 5th floor in building LOK SHILP at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay situated at New Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(1) Mr. Lalit C Gandhi,  
Chief Promoter,  
Lok Shilp Co-operative Housing Society Ltd. (Prop.)  
14, Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road,  
Andheri (E), Bombay.

(Transferor)

(2) CIPLA Ltd. 289 Bellasis Road,  
Bombay Central, Bombay.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as **as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

Flat No. 503 on 5th floor in building LOK SHILP at Vashi Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay.  
(Area 640 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11625/1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-1985.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Ledit C. Gandhi,  
Chief Promoter, Lok Shilp  
Co-operative Housing  
Society Ltd. (Prop)  
14 Visual Shopping Centre,  
Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) CIPLA Ltd. 289  
Balkas Road,  
Bombay Central,  
Bombay.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE PUNE

Pune the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11626/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 506 on 5th floor in building LOK SHILP at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Office at I.A.C. Acq. Range, Pune on January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 506 on 5th floor in building LOK SHILP at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 116/1984-85 in the month of January 1985)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-1985.  
seal :

**FORM ITNS**

(1) Mr. Lalit C. Gandhi,  
Chief Promoter, Lok Shilp  
Co-operative Housing  
Society Ltd. (Prop)  
14 Vishal Shopping Centre,  
Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE PUNE**

Pune the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/11627/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and being No. Flat No. 706 on 7th floor in building LOK SHILP at Vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Office at IAC, Acq. Range, Pune on January 83 in an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) CIPLA Ltd. 289  
Bellasis Road,  
Bombay Central,  
Bombay.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 706 on 7th floor in building LOK SHILP at vashi, Plot No. 59, Sec 17, DBC New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11627/1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 18-7-1985.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE PUNE**

Pune the 18th July 1985

Ref. No. IACACQ|CA-5|37EE|11628|1985-86 Whereas, I,  
**ANIL KUMAR**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing  
 Flat No. 105 on 1st Floor in building LOK SHILP at vashi  
 Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay.  
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering  
 Office at IAC, Acqn. Range, Pune on January 85  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the parties  
 has not been truly stated in the said instrument of transfer  
 with the object of :—

(1) Mr. Lmit C. Gandhi,  
 Chief Promoter, Lok Shilp  
 Co-operative Housing  
 Society Ltd. (Prop)  
 14 Vi hal Sha ping Centre,  
 Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) CIPLA Ltd. 289  
 Belasis Road,  
 Bombay Central,  
 Bombay.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
 able property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Flat No. 105 on first floor in building "LOK SHILP" at vashi  
 Plot No. 59, Sector 17, DBC New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered  
 in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
 document No. 11628|1984-85 in the month of January 1985)

**ANIL KUMAR**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, PPoona

Date :18-7-1985.  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Lalit C. Gandhi,  
Chief Promoter, Lok Shilp  
Co-operative Housing  
Society Ltd. (Prop)  
14 Vi-hal Shopping Centre,  
Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE PUNE

(2) CIPLA Ltd. 289  
Bellasis Road,  
Bombay Central,  
Bombay.

(Transferee)

Pune the 18th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11629/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00,000/- and bearing No. Flat No. 206 on 2nd floor in building LOK SHILP at vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Office at IAC, Acq. Range, Pune on January 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 206 on 2nd floor in building LOK SHILP at vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11629/1984-85 in the month of Jan. 1985)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Acquisition Range, pune  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :18-7-1985.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Pune the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37EE|11630|1984-85.—Whereas I,  
ANIL KUMAR  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 107, on 1st floor in building LOK SHILP at vashi,  
Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
IAC Acqn. Range, Pune in January, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Mr. Lalit C. Gandhi,  
Chief Promoter, Lok Shilp  
Co-operative Housing  
Society Ltd. (Prop)  
14 Vithal Shopping Centre,  
Sir M. V. Road,  
Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) CIPRA Ltd. 289  
Belasis Road,  
Bombay Central.  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 107 on 1st Floor in building LOK SHILP at vashi,  
Plot No. 59, Sector 17, DBC New Bombay.  
(Area 645 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 11630|1984-85 in the month of January 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, PPoona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the ~~new~~  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
61—226GI|85

Date : 18-7-1985.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Mr. Lalit C. Gandhi,  
Chief Promoter, Lok Shilp  
Co-operative Housing  
Society Ltd. (Prop)  
14 Vishal Shopping Centre,  
Andheri (E) Bombay.

(Transferor)

(2) CIPLA Ltd. 289  
Bombay Central,  
Bombay.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE PUNE**

Pune the 18th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-CA-5/37EE/11633/1985-86.—  
Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 307 on 3rd floor in building LOK SHILP vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

**THE SCHEDULE**

Flat No. 307 on 3rd floor in building LOK SHILP at vashi, Plot No. 59, Sector 17, DBC New Bombay.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 11633/1984-85 in the month of January 1985)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-1985.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 24th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|1109|1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

All and singular and warkes land bearing Survey No. 48, Hissa No. 1/2 situated at Village Valiv within the limits of the Sub-Registrar of Bassein, Tal. Bassein Dist. Thane situated at Bassein, Dist. Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Thane on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Kanwar Ajitsingh Deol,  
Plot No. 22, Road No. 11,  
J. V.D. Scheme, Juhu,  
Bombay.

(Transferor)

(2) Evershine Builders Pvt. Ltd.,  
216 Veena Beena Shopping Centre,  
Opp. Railway Station, Bandra (W),  
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

All and singular and warkes land bearing Survey No. 48, Hissa No. 1/2 situated at Village Mouje Valiv within the limits of the Sub-Registrar of Bassein, Tal. Bassein, Registration, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered in the Sub-Registrar, S.R. Bassein, Thane, under document No. 1109/1984-85 in the month of April, 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-7-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/11878/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 443, Village Panchpakhadi, Kisan Nagar No. 3, Wagale Estate, Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Sadhana Builders,  
Janki Bhuvan, Kisan Nagar No. 3,  
Road No. 16, Wagale Estate,  
Thane.

(Transferor)

(2) Dr. Irfan M. Quresh,  
Jagdish Niwas, Road No. 16,  
Kisan Nagar No. 3, Wagale Estate,  
Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Survey No. 443, Village Panchpakhadi, Kisan Nagar No. 3, Road No. 22, Wagale Estate, Thane. (Area 706 sq. ft.). (Property as described in the sale deed registered in the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under Document No. 11878/1984-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-85  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Porwal Builders,  
1482 Sadashiv Peth,  
Pune-30.

(Transferor)

(2) Dr. Ir. Iman M. Qureshi,  
310 Sagar Apartment, Synagoguc Street,  
Pune-30.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 25th July 1985  
Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10486/1985-86.—Whereas I,  
ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 101 in Building Airy Apartment, P. No. 878, Bootee  
Street, Pune-1 situated at Pune  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
IAC, Acq. Range, Pune on Feb. 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 101 in building Airy Apartment, P. No. 878,  
Bootee Street, Pune-1—(Area 889 sq. ft.).  
(Property as described in the sale deed registered in the  
I.A.C. Acquisition Range, Pune, under Document No.  
10486/1985-86 in the month of February, 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 25-7-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 25th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10705/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vacant plot No. 109 S. No. 199+204+205+206 (1)+209(1) Vimannagar Colony, Lohagaon, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Gauri S. Lahiri, residing at Calcutta through Attorney holder Shri Dipesh Pranlal Sanghani, 19/21, Ambalal Doshi Marg, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Ameet Builders, Matruchaya Society, Yerawada, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 109, S. No. 199+204+305+206(1)+209(1), Vimannagar Colony, Lohgaon, Pune-14—(Area 10760 sq. ft.).

(Property as described in the sale deed registered in the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under Document No. 10705/1984-85 in the month of March, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 25-7-1985  
Seal:

## FORM ITNS

(1) Thackers & Parmar Properties (P) Ltd.,  
116/118 1st Marine Street,  
Bombay.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajkumar Dharmdas Lulla,  
71, Lulla Nagar,  
Pune-40.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 24th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/287/1985-86.—Whereas, I,  
ANIL KUMAR,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Shop at Wing II, 18A on ground floor in Thacker House,  
H. No. 2418 General Thimmaya Road, Pune  
situated at Pune  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
IAC, Acq. Range, Pune on June 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette, or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in the Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Shop at Wing II, 18A on ground floor in Thacker House,  
H. No. 2418 General Thimmaya Road, Pune—(Area — ).

(Property as described in the sale deed registered in the  
I.A.C., Acquisition Range, Pune, under Document No.  
287/1985-86 in the month of June 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 25-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/35/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Lay out plot of land bearing Plot No. 19, of S. No. 32 (Pt.) situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Vasai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Vasai on April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Salim Haji Kasam  
2. Farida A Razak,  
At Nadiadwala Building,  
Opp. Railway Station, Andheri (W),  
Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Step-in Builders,  
22 Zarina Society,  
S. V. Road, Near Luck Restaurant, Bandra,  
Bombay.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lay out plot of land bearing plot No. 19 of S. No. 32, (Pt.) situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane. (Property as described in the sale deed registered in the Sub-Registrar, Vasai, under Document No. 35/85-86 in the month of April, 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1985.

Seal :

## FORM ITNS.—

(1) 1. Abdul Razak Koomam 2. R. A. Kader, Najiad-wala Building, Opp. Railway Station, Andheri West, Bombay.  
(Transferor)

(2) M/s. Step-in Builders,  
22 Zarina Society, S.V. Road, Near Lucky  
Restaurant, Bandra, Bombay-50.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37G/74/1985-86.—Whereas, I ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Layout plot of land bearing Plot No. 20, S. No. 3 (Pt) situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Vasai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Vasai in April, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Layout plot of land bearing plot No. 20, S. No. 32(Pt) situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Vasai under document No. 74/1985-86 in the month of April 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
62—226GI/85

Date : 29-7-1985.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Shri Shriram Dattatraya Barve, 2. Shri Eknath Vinayak Goro, 27 Sanjog Colony, Sangli.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC AQ[CA-5]37EE[63]1984-85.—Whereas I  
**ANIL KUMAR**  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, second floor, R. S. No. 447, Plot No. 33, Sangli situated at Sangli (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. Range Pune in May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Eliza Salim Fulara, C/o H.E. Upletawala, Ganapati Peth, Sangli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Flat No. 7, Second floor R.S. No. 447, Plot No. 33, Sangli (Area 590 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under the document No. 63/84-85 in the month of May 1985).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**ANIL KUMAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1985  
Seal :

## FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/15489/1985-86.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. Lay out Plot No. 8 out of Survey No. 7 Hissa No. 3 to 5 and Survey No. 17 (P) Hissa No. 11 to 12 situated at Diwanman, Tal. Vasai, Dist. Thane situated at Diwanman Dist. Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Chawla Family Trust, 2. Madhusudan Corporation 3. B. R. Chanani, 21 Dwarka 383, 13th Road, Bandra, Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Ashoka Engineering Corporation, 1 Bandana, 15th Road, Bandra West, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:** The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Lay out plot No. 8 out of Survey No. 7, Hissa No. 3 to 5 and Survey No. 17(p) Hissa No. 11 to 12 situated at Diwanman, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No 15489/1984-85 in the month of April 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12109/1984-85.—Whereas, I. ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land situated at Village Kohoj, Khutaval, Tal. Ulhasnagar, Dist. Thane bearing New Survey No. 158/8 Ambernath, C.S. 1314 situated at Kohoj Khutaval, Tal. Ulhasnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune in April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ratan Jyot Builders,  
Wooten Chawl, Lucas Compound,  
Ambernath,

(Transferor)

(2) Merry D'Souza,  
Maharashtra Housing Board,  
14/254 1st floor, Ambernath.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Village Kohoj-Khutaval, Tal. Ulhasnagar, Dist. Thane, bearing New Survey No. 158/8 Ambernath C.S. 1314. (Area 573 q. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12109/1984-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 29-7-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) Ratan Jyot Builders,  
Woollen Chawl, Lucas Compound,  
Ambernath.  
(Transferor)
- (2) F. M. Kazi, 26 Milla Area Quarters,  
Ambernath, Dist. Thana, Maharashtra.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/12152/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 1 and situated at Village Kohoj-Khundavali, Tal. Ulhasnagar, Dist. Thana bearing Survey No. 158/8 C.S. 1314, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. Range, Pune in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land situated at Village Kohoj-Khundavali, Tal. Ulhasnagar, Dist. Thana bearing Survey 158/8 C.S. 1314. (Area 512 sq.ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 12152/1984-85 in the month of January 1985).

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the persons, namely :—

Date : 29-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Sadhana Builders,  
Janki Bhuvan, Kisan Nagar No. 3,  
Road No. 16, Wagale Estate, Thane.  
(Transferor)
- (2) Shri Vithal Ramchandra Sarang, Chandrabaga  
Niwas, Room No. 2, Kisan Nagar No. 3, Wagale  
Estate, Thane.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/13510/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 443 (Pt) Village Panchpakhadi Road No. 22, Kisan Nagar No. 3, Wagale Estate, Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in April 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Survey No. 443 (Pt) Village Panchpakhadi Road No. 22, Kisan Nagar No. 3, Wagale Estate, Thane. (Area 567 sq.ft.)  
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 13510/1984-85 in the month of March 1985)

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(1) Prakash Mahadeo Korde,  
1058 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferee)

(2) Rawat Bros. Promoters & Builders,  
376 Shukrawar Peth, Pune-2.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 25th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/802/1985-86.—Whereas,  
**I, ANIL KUMAR**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing  
 No. Survey No. 63, Hissa No. 1+2 Village Parvati, with  
 P.M.C. limits situated at Parvati  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred  
 under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
 of the Registering Officer at  
 IAC, Acq. Range, Pune in April 1985  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more  
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
 the consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Survey No. 63, Hissa No. 1+2 village Parvati with P.M.C. limits. (Area.....)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 802/1985-86 in the month of May 1985).

ANIL KUMAR  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-7-1985  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/3522/1985-86.—Whereas,  
**I, ANIL KUMAR**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Final plot No. 394/C Sub Plot No. 1 S. No. 230A (Part) Old City S. No. 547 (Part) and S. No. 229 Hissa No. 1 (Part) Old City S. No. 548 (Part) and New C.S. No. 632/2 (Part) situated at Thane (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Pratap Mohanlal Bhatt,  
 Mrs. Sarla Pratap Bhatt,  
 Shri Mahesh Pratap Bhatt, Darukhana Baug,  
 Panch Pakhadi, Almeda Road, Thane-1.  
 (Transferor)

(2) M/s D.A. Patel & Co.  
 1. Shri Ambabhai Ruda Patel,  
 2. Shri Devji Ambabhai Patel, Kailas Nagar,  
 M.G. Road, Ghatkopar (E) Bombay.  
 (Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Final plot No. 394/C Sub plot No. 1 S. No. 230A (Part) Old City S. No. 547 (Part) and S. No. 229 Hissa No. 1 (Part) Old City S. No. 548 (Part) and New city S. No. 632/2 (Part) situated at Panchpakhadi Chandanwadi, Thane.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 3522/1985-86 in the month of July 1985.)

**ANIL KUMAR**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Deepchand Amulrai Sabhani, Amma-sagar Apartment, Plot of Bk-226, Ulhasnagar-I.  
(Transferor)
- (2) Shri Balumal Lokumal Makhija, Amma-sagar Apartment, Plot of Bk 226, Flat No. 2, 1st floor, Ulhasnagar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/14293/1984-85.—Whereas,  
I, ANIL KUMAR  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. Amma-sagar Apartment, Flat No. 2, 1st floor, Plot of  
Bk-226, Ulhasnagar, situated at Ulhasnagar  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
IAC, Acq. Range, Pune in April 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Amma-sagar Apartment, Flat No. 2 1st floor, Plot of Bk-  
226, Ulhasnagar. (Area 600 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 14293/1984-85 in the month of March 1985)

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
63—226GT/85

Date : 29-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) M/s. Vishal Builders & Promoters, 459 Narayan Peth, Pune-30.  
(Transferor)
- (2) Shri Ashok Dhondidas Jamdar, 1327-E Sadashiv Peth, Pune-30.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE**

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|460|1985-86.—Whereas,  
**I, ANIL KUMAR**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 17, on 2nd floor, at Vaishali Apartments, 459 Narayan Peth, Pune-30.  
 situated at Pune  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Pune in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 17, on 2nd floor at Vaishali Apartments, 459 Narayan Peth, Pune-30.

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range, Pune, under document No. 460|1985-86 in the month of 1985.

**ANIL KUMAR**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) M/s. Jai Construction Chandulwadi,  
Station Road, Bhayandar (W) Dist. Thana.  
(Transferor)  
(2) Smt. Chandra Nagraj P. Jain, Chaitali Medical  
Store, Mahavir Jyoti, Modi Patel Road,  
Bhayandar (W).  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th July 1985

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|14673|1984-85.—Whereas,  
I, ANIL KUMAR  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. One flat on 3rd floor of Hinglaj Building on Plot No.  
4 of Survey No. 11A Hissa No. 2 at Bhayandar, Dist Thane  
situated at Thane  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
of the Registering Officer at  
I.A.C. Acq. Range, Pune in April, 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;  
  
(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

One flat on 3rd floor of Hinglaj building on plot No. 4 of  
Survey No. 11A Hissa No. 2 at Bhayandar, Dist. Thane.  
(Area 661 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered  
in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under  
document No. 14673|1984-85 in the month of April 1985

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
ACQUISITION RANGE, POONA

Date : 29-7-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
4/14A ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/12/84/760.—Whereas, I,  
SH. K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
House on Plot No. F-2, Bali Nagar, situated at Vill. Bassai  
Darapur, Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (16 of 1908)  
in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

(1) Sh. Jagjit Rai Arora,  
s/o late Sh. Ram Dhan,  
C-14, F.F. Bali Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Kumar  
s/o Sh. Shyam Lal,  
4/23 W.E.A., Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

House on Plot No. F-2, Bali Nagar, Vill. Bassai Darapur,  
Delhi. Mg. 155 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Date : 11-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-II,  
414A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-1|12-84|761.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. L-82, Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Raghbir Singh  
s/o S. Sant Singh  
J-11/44, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kanan Bala Ahuja  
w/o Yash Paul Ahuja,  
14-B/7, D. B. Gupta Road,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
414A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/12/84/762.—Whereas, I,  
SH. K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
P. No. 4560, Ward No. XIII situated at Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi;  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the objects of :—

(1) Rakesh Kumar  
s/o Sh. Rangoo Lal Jain,  
4710, Deputy Ganj,  
Sadar Bazar Delhi for self and as Gen. Attorney of  
his brother Sh. Anil Kumar Jain.  
(Transferor)

(2) Sh. Brabhu Dayal Jain  
S/o Sh. Johri Lal Jain,  
4682, Plot No. 19,  
Deputy Ganj Sadar Babar,  
Delhi.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferer to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

P. No. 4560, Ward No. XIII, Deputy Ganj, Sadar Bazar,  
Delhi Mg. 82-5/9 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Bhanwar Singh  
S/o Sh. Yad Ram,  
R/o WZ-74, Kham Pur,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Yudhvir Singh Chauhan  
S/o Late Sh. Siri Ram,  
R/o WZ-64, Khampur,  
Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-1|12-84|763.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property No. WZ-63, situated at Khampur, Delhi-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE.

Property No. WZ-63, Kham Pur, Delhi-8, Measuring 300 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI**

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-1|12-84|764.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 40/4, East Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Karam Chand Uppal  
s/o Sh. Ram Chand Uppal,  
40/4, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Kharag Ram Chaturvedi  
s/o late Sh. Bhagwan Dass Chaturvedi and  
Karunesh Kumar Chaturvedi,  
s/o Sh. Kharag Ram Chaturvedi,  
178, Jamunatal Bajaj Street, Calcutta &  
40/4, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Govt. Built Property No. 40/4, East Patel Nagar, New Delhi Mg. 200 sq Yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-1/12-84/768.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Serial 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Plot No. 57, Block A-2 Rajouri Garden, situated at Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Incometax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Amrit Lal Malhotra  
s/o Sh. Sunder Dass Malhotra,  
A-2/57, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(2) Smt. Usha Bhalla  
w/o Sh. Raj Kumar Bhalla,  
C-1/163, Janakpuri,  
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House on Plot No. 57, Block A-2, Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi. Mg. 284.3 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—  
64—226 GI|85

Date : 11-7-1985

Seal :

## FORM IIINS

(1) Sh. Sri Chand  
s/o Udhoo Dass,  
D-8/4, Model Town,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Maya Devi  
w/o Sh. Kishan Chand,  
D-8/4, Model Town,  
Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-1|12-84|769.—Whereas, I,

SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

P. No. D-8/4, Model Town Vill, situated at Malikpur, Chhaoni, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One half share of property No. D-8/4 Model Town, Vill. Malikpur Chhaoni, Delhi Mg. 282 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Jagan Nath Hari Ram,  
191, Katra Uawab, Chandni Chowk,  
Delhi-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Punita Suri,  
33 Pusa Road,  
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. 1AC[Acq.II|SR-1]12-84|770.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. IV|997-999, Chawri Bazar, Delhi, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

P. No. IV|997-999, Chawri Bazar, Delhi Mg. 495 sq. metres.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road,  
New Delhi.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4|14A ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|12-84|771.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2535 old No. 3600, Basti situated at Punjaban, Subji Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the receiving Officer at Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Krishna Rani  
w/o Sh. Madan Gopal, 146 Malka Ganj Road,  
Subji Mandi,  
Delhi..

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi  
w/o Sh. Bhagwan Sahai,  
2535, Basti Punjabian,  
Subji Mandi,  
Delhi..

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 2535 old No. 3600, Basti Punjabian, Subji Mandi, Delhi, Mg. 72 sq. yds.  
Date : 11-7-1985

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4|14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Date : 11-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI**

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.-II]SR-1|12-84|774.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. XIII|130-132 and 131, Mohalla Jatwara situated at Pul Mithai, Delhi; (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen percent of such apparent consideration and i.e., the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ~~and 'or'~~

**THE SCHEDULE**

Property No. XIII|130|132 and 131 Stair case Mohalla Pul Mithai, Delhi. Mg. 381.60 sq. yds.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :—

(1) M/s Puran Chand Arora Charitable Trust, through its Chairman Sh. Puran Chand Arora, 12/11, Shakti Nagar, Delhi (Transferor)

(2) Delhi House Building Co-op. Society, 10001-1004 Gali Teliyan, Novelty Delhi through its Vice President Sh. Piyara Lal (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Christaina Uma Sanadh  
W/o Sh. J. C. Sanadh,  
R/o G-3, Model Town, Delhi.

(Transferor)  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

- (2) 1. Smt. Shashi Agarwal  
W/o Rajendra Kumar Agarwal,  
2. Smt. Rukmani Agarwal  
W/o Jitender Kumar Agarwal,  
R/o 3864, Gali Mandir Wali,  
Pahari Dhiraj,  
Delhi..

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 11th July 1985

Rcf. No. IAC[Acq.-1]3R-1/12-84/775.—Whereas, I,  
SH. K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and being  
No. 2-1/2, Storeyed Property No. 46, situated at Block G-3,  
Model Town, Delhi,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

## THE SCHEDULE

2-1/2 Storeyed Property No. 46, Block No. G-3, area  
145.15 Sq. Yds. Model Town, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Mahinder Kaur,  
R/O 8, Easton View,  
New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Sh. Bhushan Chand  
2. Raj Kumar,  
3. Bahadur Chand  
R/O 3/16, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.-II]SR-1|12-84|776.—Whereas, I,  
SH. K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-  
and bearing No. 3/16, East Patel Nagar, situated at New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein and  
are defined in Chapter XAX of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Prop. No. 3/16, East Patel Nagar, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC(Acq.-II)SR-1/12-84/777.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 575 Block-C, Khasra No. 63, Vill. Azadpur situated at Majlis Park, Delhi-33 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Surinder Kumar  
s/o Sh. Ram Kishan,  
L-7, Malka Ganj,  
Subji Mandi,  
Delhi.

(Transferor)

S/o Sh. Ram Janeshwar Jain and  
Narendra Kumar Jain  
sons of Late Sh. Puran Chand Jain,  
B-4, Mahatma Gandhi Road,  
Adarsh Ngr. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 575 Block C, Khasra No. 63, Vill. Azadpur, Majlis Park, Delhi-33. Mg. 216 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC[Acq.-II]SR-1|12-84|778.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. F-3/26, Model Town, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Gulshan Kumar Bakshi  
s/o Late Sh. Gobind Ram Bakshi  
F-3/28, Model Town, Delhi  
For self and as attorney of his real sisters and brothers

(Transferor)

(2) Smt. Kavita Jhamb  
w/o Rajnish Kumar Jhamb &  
Rajnish Kumar Jhamb  
s/o Sh. Ganga Ram Bhamb,  
B-182m Gujarwala Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

S.S. House on Plot No. F-3/26, Model Town, Delhyi Mg. 272.22 sq. Yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Date : 11-7-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

65—226 GI/85

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC|Acq.-II|SR-1|12-84|779.—Whereas, I,  
SH. K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1 lakh and bearing No.  
5653 Kucha Khan Chand, Nai Sarak, Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Kamla Wati Khanna  
Wd/o Shiv Nath Khanna,  
5653, Kucha Khan Chand,  
Nai Sarak, Delhi  
(Transferor)
- (2) Shree Kanhiya Lal Bansal  
Family Trust, 1143, Kucha Harjas Mal,  
Bazar Sitaram, Delhi-6  
through Chief Trustee Mr. Shr Bhagwan Bansal.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. 5653, four storeyed situated at Kucha Khan  
Chand, Nai Sarak, Delhi-6 Mg. 81 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Seal :  
Date : 11-7-85.

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-1/12-84/780.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

P. No. 5/7, Duplex Flat No. 3, Roop Nagar Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s P.J.P. Builders at 3058-63 Desh Bandhu Gupta Road, New Delhi through its partner Sh. J. L. Grover. (Transferor)
- (2) Sh. Rajiv Minocha s/o Sh. Inder Nath Minocha and Smt. Raj Minocha w/o Sh. Inder Nath Minocha through her G.A. Sh. Inder Nath Minocha. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

P. No. 5/7, Duplex Flat No. 3 Roop Nagar, Delhi Mg.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
414A ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC[Acq. II]SR-1|12-84|785.—

Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. P. No. 25/133, Municipal No. 11722, situated at Shakti Nagar, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi I.T. Act, 1961 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Satya Pal and Sh. Raj Pal sons of Late Sh. Ram Chand A-52, Gujran Wala Town, Part I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Shyam Lal Rustagi s/o late Sh. Jai Narain, 25/133, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property No. 25/133, Municipal No. 11722, Shakti Nagar, Delhi Mg. 200 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
414A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985.  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. JAC/Acq. II/SR-1/12-84/787.—  
Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act') have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

H. No. 30, Road No. 7, Punjabi Bagh, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
has been transferred under the Income-tax Act, 1961  
the Competent Authority at  
of the registering Officer at New Delhi in Dec. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Sh. R. N. Verma  
s/o Gela Ram  
Kothi No. 30, Road No. 7 Punjabi Bagh,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Wahiraya  
w/o Sh. Gurdip Singh,  
52/51, Ramjas Road, Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of the notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of  
1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

H. No. 30, Road No. 7, Punjabi Bagh, Delhi Mg.  
\*Strike off where not applicable.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985.  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
414A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC(Acq. II)[SR-1]12-84]788.—

Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

3532 to 3534 and Staircase No. 3535, situated at Netaji Subhas Marg, Darya Ganj, Ward No. 11, New Delhi has been transferred under the Income-tax Act, 1961 has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi I.T. Act, 1961 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Joginder Singh, Bhupender Singh and Sh. Balbir Singh sons of Sh. Kirpa Singh, 3540 Netaji Subhas Marg, Darya Ganj, New Delhi-2.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Sablok w/o Sh. Uashbir Sablok, Smt. Neelam Sablok w/o Dr. Vinod Sablok, Master Vikram Sablok, minor s/o Late Late Dr. Harbir Singh Sablok through Sushma Sablok, 28<sup>th</sup> Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

P. Nos. 3532 to 3534 and Staircase No. 3535 Netaji Subhash Marg, Darya Ganj, New Delhi Ward No. 11 Mg. 56 sq. yds.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
414A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985.  
Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Mrs. Renuka,  
D-1/101A, Satya Marg, Chanakya Puri,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Lal Mangla,  
1961, Katra Shanshahi,  
Ch. Chowk, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-JI,  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-HH/12-84/544.—

Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No 5, 2 Raj Narain Road, situated at Civil Lines, Delhi-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi I.T. Act, 1961 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

P. No. Flat No. 5, 2 Raj Narain Road, Civil Lines, Delhi-6. Mq. 2000 sq. ft.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s Bhanot Properties & Industries Ltd.,  
102-103, Raj House,  
30-31, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Mimani & Sons (HUF),  
P-16, South Extension Part II,  
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/12-84/545.—

Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing No.

Bldg. No. 3, Aram Bagh, New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the registering Officer at  
Delhi on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

## THE SCHEDULE

Mezzanine floor Bldg. No. 3 Aram Bagh, New Delhi (Local Shopping Centre) Mg. 270 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 11-7-1985.  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Sh. Balbir Singh  
c/o M/s Adwel Advertising Service,  
G-24/2 Marine Arcade,  
Con. Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC(Acq. II)37-EE|12-84|546.—

Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

XV|10070 and 10071, Street No. 1, situated at Multani  
Dhanda Pahar Ganj, New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office  
of the registering Officer at  
Delhi on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(2) M/s Hindustan Plywood Co.  
2/2, Desh Bandhu Gupta Road,  
Paharganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

P. No. XV|10070 & 10071, Street No. 1, Multani Dhanda  
Pahar Ganj, New Delhi Mg.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

66—226 GI|85

Date : 11-7-1985

Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s. Vishwa Properties (P) Ltd.,  
4th floor, Sheetla House,  
73-74 Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Samco Electrical,  
9/5, East Patel Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/12-84/547.—  
Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Booked flat No. 303 in Multi-storeyed bldg. A-5 & A-6, Community Centre, situated at Ranjeet Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Booked Flat No. 303 in multi-storeyed building, A-5 & A-6, Community Centre, Ranjeet Nagar, New Delhi Mg. 497 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) M/s Sharp Construction Co. Pvt. Ltd.,  
B-88, G. T. Karnal Road,  
Ind. Area, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI(2) Imperial International Pvt. Ltd.,  
Mg. Director Kanwal Nain Kaur,  
12/17, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Sharp Bhawan, B-2/3 Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi Mg.  
Flat No. 4 First floor.(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

Date : 11-7-1985

Seal :

## FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
4/14A ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE/12-84/549.—  
Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. A-8, Block 'A', situated at 45, The Mall, Delhi-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Rentiers & Financiers, P. Ltd., Flat No. 4, 'DAKSHINEESWAR', 10 Hailey Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Narain Cold Storage & Allied Ind. Pvt. Ltd., 26-C, Lawrence Road, Industrial Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. A-8, Block 'A', 45, The Mall, Delhi-7. Mg.

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

(1) Mrs. Raj Malik,  
D-1104, New Friends Colony,  
New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
414A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th July 1985

Ref. No. IAC(Acq. II)[37-EE]12-84/550.—

Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Ground Floor No. 07, M. G. House, situated at Wazirpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at Delhi I.T. Act, 1961 on Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S. Kuldip Singh,  
4-C, Block 9, Pocket, B-Phase III,  
Ashok Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Ground floor No. 07 M. G. House, Wazirpur, Delhi Mg.  
268 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Aggarwal House,  
414A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Padam Chand Jain,  
841, Bhojpura, Malliwaras,  
Delhi-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Subhash Chander Goel,  
F. No. 15, C-40, Dwarka Sadar,  
Connaught Place, New Delhi-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE, 414A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|697.—Whereas I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing No.  
31, Jain Co-op. House Bldg. Society Ltd., situated at Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi  
on December, 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 31, in the layout plan of Jain Co-op. Housing  
Building Society Ltd. known as Bahubali Enclave Delhi  
(measuring 232.33 sq. yards).

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 12-8-85.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Kanti Lal Hathi,  
B-1/Pusa Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE, 4114A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/12-84/698.—Whereas I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
A-5, Neeti Bagh, situated at New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi  
on December, 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property a-  
foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer is agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

No. A-5, Neeti Bagh, New Delhi-49. Land admeasuring  
853-33 sq. yds. together with one-storey bldg.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-8-85.  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/12-84/699.—Whereas I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs 1,00,000/- and bearing No.  
P-9/3, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi  
on December, 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Smt. Suman Hajela,  
B-1/50, Vasant Vihar,  
New Delhi-57.

(Transferor)

(2) Sh. V. N. Gupta, 2. Sh. B. N. Gupta, 3. Smt.  
Kamla Gupta, 4. Smt. Sangeeta Gupta & 5. Smt.  
Panji Devi r/o 694, Church Road, Civil Lines,  
Ludhiana-141001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

### THE SCHEDULE

R-9/3, Bhikaji Cama Places, New Delhi. Area Approximate  
501 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date : 5-8-85  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|700.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 69, Janta Co-op. House Bldg. Society Ltd. situated at New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Virender Nath Sood,  
s/o late Sh. Pran Nath r/o A-7, Hauz Khas,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Sh. Gurcharan Dass Jain,  
s/o late F. C. Jain,  
r/o 214 Saket, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reaution or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Plat of Jan No. 69, Area 300 sq. yds. in the lay out plan of Janta Co-operative House Bldgs. Society Ltd. known as Meera Bagh, New Delhi-4.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
67--226 GI/85

Date : 5-8-85.

Seal :

**FORM ITNS**

(1) For Raj Rahul Contractors & Builders Pvt. Ltd.  
N-52-A, Connaught Place, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Mrs. Sudha Jain,  
P-Flat Sagar Apartments, 6-Tilak Marg,  
New Delhi-1.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-III,**  
**AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,**  
**NEW DELHI**

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.]III|37EE|12-24|701.—Whereas I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
RJA-204 (U.C.F.) 60/26, Prabhat Marg, New R. Road,  
situated at New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi  
on December, 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

RJA-204 (U.G.F.) 60/26, Prabhat Marg, New Rohtak  
Road, New Delhi Area 204 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-8-85.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,  
1006 Kanchenjunga, 18, Barakhama Road,  
New Delhi-110001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/12-84/702.—Whereas I,  
**SUNIL CHOPRA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
F-32, 'ALPS' at 2-A, Bhikaji Cama Place, situated at New  
Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the office of the IAC, Acq. III, New Delhi on December,  
1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(2) Mrs. Mahal Sehgal s/o Maj.-Gen. T. M. Vohra,  
F-505, Som Vihar, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. F-32, on first floor, plinth area 240 sq. ft. in  
proposed commercial complex 'ALPS', at 2-A, Bhikaji  
Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 5-8-85.

Seal .

## FORM ITNS

(1) Kaushalya Education Trust,  
through its trustee Shri Vivek Kapur, Resident  
Arpana, Madhuban, Karnal (Haryana).  
(Transferor)

(2) Mrs. Ram Piari Dua,  
124, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|703.—Whereas I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing No.  
301, Unit (G), Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at  
New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi  
on December, 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 301, Unit (G), 6, Kaushalya Park, Hauz Khas,  
New Delhi. (1500 sq. ft.)

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 5-8-85.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Surinder Pal Kapoor slo Sh. Dev Raj Kapoor,  
C-2/46, Lodhi Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S|Shri Chhabil Dass & Om Parkash,  
C/o M/s. Moolchand Chhabil Das Kocha Usted  
Dag.—Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
AGCARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE[12-84]704.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 13, Road No. 14, Punjabi Bagh Extn., situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Plot No. 13 Road No. 14, Punjabi Bagh Extn., New Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-8-85.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Radhe Shyam Goel s/o Shri Daya Ram Goel,  
r/o Vidya Hari Ram,  
A-615, Rana Pratap Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bichamber Lal Khurara s/o Sh. L. R. Khurana,  
B-140, Ashok Vihar, Phase I,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EE|12-84|705.—Whereas I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 100,000/- and bearing  
S.F.S. Category-III, Pocket-5, Pitampura, situated at Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi  
on December, 1984,  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property, and  
I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
or the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat in the ground floor under forth, self financing scheme,  
Category-III, situated at Pocket-5, Pitam Pura, Delhi. Area  
111.19 sq. meter.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 7-6-85.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Jaina Properties (Pvt.) Ltd.,  
Addinath Shree House Opp. Super Bazaar,  
Connaught Circus, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Mr. Pravin Kumar & Mr. Alok Kumar,  
B-151, Paschim Vihar,  
New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE, 414A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37-EE|12-84|705.—Whereas I,  
**SUNIL CHOPRA**,  
being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-48, Jaina Shopping Complex, Paschim Vihar, situated at New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule below)  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

G-48, Jaina's Shopping Complex, Paschim Vihar, New Delhi. (Area 84 sq. ft.)

(b) facilities the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**SUNIL CHOPRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-8-85.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Jaina's Properties (Pvt.) Ltd.,  
Addinath Shree House, Opp. Super Bazar,  
Connaught Circus, New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE, 414A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd August 1985

Ref. No. IAC(Acq.III)37EE|12-884|707.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-588, Jaina's Shopping Complex, Paschim Vihar, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Prop. No. G-58, Jaina's Shopping Complex, Paschim Vihar, New Delhi, Area 108 Sq. Feet.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi|New Delhi

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-8-85.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Bhatia Sehgal Construction Corp.  
48-A, Jor Bagh, New Delhi-3.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Radri Nath Bajaj,  
S/o Sh. Kaush Ram Bajaj,  
18/5 Old Rajinder Nagar,  
New Delhi-60.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III,

AGGARWAL HOUSE, 4/14A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 2nd August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE|12-84|708.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000 and bearing No. S-11, 22, Rajindra Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq III, New Delhi on December, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. S-11, U. Ground floor, in Padma Tower No. II, 22, Rajindra Place, New Delhi a multi-storeyed building. Area 572 sq. f.t.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
68-225 GI|85

Date : 2-8-85

Seal :

## FORM ITNS

(1) Allied Construction Co.,  
G-5, 92, Deepali, Nehru Place,  
New Delhi,

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sh. Vinod Kumar Aggarwal,  
House No. 2885, Gali No. 215,  
Tri Nagar, Delhi-35.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE, 414A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE|12-84|709.—Whereas I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 103, Plot No. 2, Old Rohtak Road, situated at New Delhi, and are fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi on December, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Industrial flat No. 103, of 425 sq. ft. on plot no. 2, Old Rohtak Road, Shahada Bagh, Delhi (to be constructed).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**SUNIL CHOPRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-8-85

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Jasmine Madan,  
Plot C-232, Greater Kailash-I,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Gurcharan Kaur & Smt. Mohinder Kaur,  
32/II, Chandewalan, Ext.,  
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE, 414A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 4th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE|12 84|710.—Whereas I,  
**SUNIL CHOPRA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
**Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000, and bearing  
Plot No. 15, Road No. 49, Punjabi Bagh, situated at New  
Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq.III, New Delhi  
on December, 1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as a result of which between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of . . .

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the said property  
under the said Act;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 15, Road No. 49, Punjabi Bagh, New Delhi.

**SUNIL CHOPRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 14-8-85.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Raghunandan,  
R/o 1/10113, Mohan Park,  
Shahdra, Delhi-32.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAFAJJI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]371E/2-84/711.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
19A, Village Uldhanpur, Panchsheel Garden, Shahdra, situated at Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi in December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Purshotam Dass,  
1594, Gali Madarsa  
Meer Jumla Kucha Jaiswal, Lal Quan,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 19A, Village Uldhanpur, Panchsheel Garden, Shahdra, Delhi-32.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal Bhawan,  
Near Broadway Hotel,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Pushap Nath Sehgal,  
E-26, Dayanand Nagar,  
Ghaziabad (U.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37EL|12-84|712.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
103, Sandesh Vihar, P&T Colony, Shakurpur  
situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi in December,  
1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(2) Shri Sita Ram &  
Smt. Lila Wati,  
5543/74, Rehgarpura, Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

Plot No. 103, Sandesh Vihar, P&T Colony, Shakurjuri,  
Delhi (measuring 186.53 sq. yards).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal Bhawan,  
Near Broadway Hotel,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the 1st of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons  
namely :—

Date : 14-8-1985  
Seal :

## FORM I(1A)

(1) Dhanot Properties & Inds. Ltd.,  
102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place,  
New Delhi-19.

(Transferer.)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961),

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. INC/Acq.III/37EE/12 84/713.—With res. 1.  
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. G-37 at 5, Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . . .

(2) M/s. Amarjit Ashok Kumar,  
Shop-834, Behind I-Block,  
Shardhanand Market, G.B. Road,  
Delhi-6.

(Transferee.)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. UG-37, at 5, Cama Place, New Delhi-66—155 sq. ft.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal Bhawan,  
Near Broadway Hotel,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 5-8-1985

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI**

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE|12-84|715.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G-63, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.-III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Jaina Properties (Pvt.) Ltd., Addinathshree House Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Randhir Singh  
S/o Shri Hoshia Singh,  
C-2A/254-B, Janak Puri,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any income or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G-63, Jaina's Shopping Complex, Basai Darapur, New Delhi—Super area 60 sq. ft.

**SUNIL CHOPRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal Bhawan,  
Near Broadway Hotel,  
4/14A, Asaf Ali Rd.  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Mrs. Geeta Bhattacharji,  
2. Mr. Siddharth Bhattacharji,  
R/o B-2/33, Azad Apartments,  
Mehrauli Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Anceta Sekhri,  
217, DDA Flats, Hauz Khas,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|37EF|12-84|716.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

E-91, Masjid Moth, New Delhi situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acquisition Range-III, New  
Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons;  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the public  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

E-91, Masjid Moth, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal Bhawan,  
Near Broadway Hotel,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 6-88-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Allied Construction Co.,  
G-5/92, Deepali, Nehru Place,  
New Delhi-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE|12-84|717.—Whereas, I,  
**SUNIL CHOPRA**,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 102 on plot No. 2, Old Rohtak Road  
situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi  
in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

Industrial Flat No. 102, of 425 sq. ft. on Plot No. 2,  
Old Rohtak Road, Shahzada Bagh, Delhi (to be constructed).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**SUNIL CHOPRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal Bhawan,  
Near Broadway Hotel,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
69—226 GI|85

Date : 5-8-1985

Seal :

## FORM ITNS—

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Rajdhani Builders,  
Prop. Mehta Industries Ltd.,  
13th Floor 1, Tolstoy Marg,  
Atma Ram House, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Subhas Chander Jain,  
C/o Jain Bhawan, Sadar Bazar,  
Delhi Cantt.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,  
AGGARWAL HOUSE,  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37EF]12-84|718.—Whereas, I,

SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as "the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

F-112, at 4 Bhikaji Cama Place, situated at Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I. A. C. Asq.III, New Delhi  
in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections (if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

Shop No. F-112 at 4, Bhikaji Cama Place, Delhi. (180  
sq. ft.).

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III,  
Aggarwal Bhawan,  
Near Broadway Hotel,  
4/14A, Asaf Ali Road,  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Date : 5-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Bachan Dass Sharma,  
E-286-A, Greater Kailash-I, New Delhi,  
(Transferor)

(2) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd.,  
56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq-III]37EE|12-84|719.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 132, on F.F. 9, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Shop No. 132, on First Floor 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area Approx. 126 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 6-8-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Jaina Properties (P) Ltd.,  
Addinath Shree House Opp. Super Bazar,  
Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|37EE|12-84|720.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
No. UG-3, Jaina Tower, Distt. Centre, Janak Puri, situated at  
New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi  
on December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

**THE SCHEDULE**

UG-3, Jaina Tower, Distt. Centre, Janak Puri, New Delhi.  
Super area 105 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Surya Enterprises (P) Ltd.,  
L-34, Kirti Nagar, New Delhi-15.  
(Transferor)
- (2) Shri D. R. Gupta,  
N-155, Panchsheel Park, New Delhi-16.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
414-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq-III]37EE|12-84|721.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 1, on ground floor, 1, Kaushalya Park, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Space No. 1, on ground floor, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi-16. (Area 258-25 sq. ft.).

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
414-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 6-8-1985  
Seal :

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Surya Enterprises (P) Ltd.,  
L-34, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh Kumar Gupta,  
N-155, Panchsheel Park, New Delhi-16.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq-III]37EE[12-84]722.—Whereas, I,

SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 3, on Ground floor 1, Kaushalya Park, situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Space No. 3, on ground floor, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi, 211.75 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Surya Enterprises (P) Ltd.,  
L-34, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Mamtesh Jain (Mother),  
Guardian of Master Rajiv Jain,  
C-41, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC!Acq-III[37EE|12-84|723.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Space No. 4, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961) In the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Space No. 4, on ground floor 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. (Area 211.75 sq. ft.).

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. Nod. IAC/Acq III/37EE/12-84/724.—Whereas, I,  
**SUNIL CHOPRA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Shop No. UG-37 at 5, Bhikaji Cama Place, situated at  
New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
on December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Smt. Kamlesh Jahan, Smt. Saraj Narinder  
and Smt. Nirmal Talwar,  
C-4E/39, Janakpuri, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. Bhanot Properties & India Ltd.,  
102-103, Raja House, 30-31, Nehru Place, New  
Delhi-19.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. UG-37 on the Upper Ground floor of Building  
under construction at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi.  
(Area 155 sq. ft.).

**SUNIL CHOPRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 6-8-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

(1) Som Datt Builders Pvt. Ltd.  
56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s. Kapoor Industries,  
B1/46, Safdarjung Enclave, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC[Acq-III]37EE|12-84|725.—Whereas, J.  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Shop No. UG-33, 9, Bhikaji Cama Place, situated at  
New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi  
on December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. UG-33, on Upper Ground floor at No. 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi, Area 126 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

70—226GI|85

Date : 6-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) M/s. Sunya Enterprises (P) Ltd.  
1-34, Kirti Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Mohd. Zafar Nadeem &/o Mohd. Shabid  
E-37, Kalundi Colony, New Delhi.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
NEAR BROADWAY HOTEL  
414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC[Acq-III]37EE[12-84]726.—Whereas, I,  
**SUNIL CHOPRA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 5, 1 Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi  
on December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter AXXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Space No. 5 on ground floor, 1, Kaushalya Park, Hauz  
Khas, New Delhi-16. (Area 211.75 sq. ft.).

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
414-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) M/s. Roopa Construction (P) Ltd.,  
C-4, Ashoka Estate, 24, Barakhamba Road, New  
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Vati W/o Mr. Ram Kishan,  
C-245, Vivek Vihar, Delhi-32.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
NEAR BROADWAY HOTEL  
414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|12-84|727.—Whereas, I,  
**SUNIL CHOPRA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs.  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 214, at 1 Old Rohtak Road, situated at New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi  
on December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective person,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Flat No. 214, at 1, Old Rohtak Road, Delhi. Area 296  
sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
414-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely :—

Date : 5-8-1985

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
NEAR BROADWAY HOTEL  
414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC[Acq-III]37EE|32-84|728.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office Space No. 201, 2-A, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,  
1006, Kanchenjunga, 18, Bara Khamba Road, New  
Delhi-1.

(Transferor)

(2) R. K. Trahan & Sons HUF,  
B-540, New Friends Colony, New Delhi-65.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Office space No. 201, plinth area 319 sq. ft. on second floor of proposed multi-storeyed commercial complex ALPS at 2-A, Bhikaji Cama Distt. Centre, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
414-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 8-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Shri Mahinder Singh,  
11/24, Lata Patel Nagar, New Delhi,  
(Transferor)
- (2) Sh. Gera Lal & Smt. Nitopma Devi,  
C-28, Shivaji Park, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/12-84/729.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-1/101, Ph.-II, Maya Puri Indl. Area, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Factory No. G-1/101, Phase-II, Maya Puri Industrial Area, New Delhi. Land measuring 400.56 sq. yds.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. I.A.C[Acq-III]37EE/12-84/730.—Whereas, I,

SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. 104, 20-Yusuf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of

- (1) M/s. Oxford Engineers (P) Ltd.,  
18, Commercial Complex, Mulchha Marg,  
Diplomatic Enclave, New Delhi-21.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Raminder Bhati,  
DDA Flat No. 55, Pocket-B, SFS Sheikh Sarai Ph.-I,  
New Delhi-17.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or amount or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, in 'Oriental Apartments' 20- Yusuf Sarai, New Delhi. Area 346.80 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

: 7-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Bombay Builders (India) (P) Ltd.,  
18/48, Commercial Complex, Malcha Marg,  
Diplomatic Enclave, New Delhi-21.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGARWAL BHAVAN  
NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/12-84/731.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act', have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000 and bearing  
No. 306, Oriental Apartments, 20, Yusuf Sarai situated at  
New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi  
on December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefore by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(2) Mr. Raman Sikka,  
B-5/194, Safdarjung Enclave, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd floor in Oriental Apartments, 20, Yusuf  
Sarai, New Delhi. (Area 387.51 sq. ft.).

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Agarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Oxford Engineers (P) Ltd.,  
18, Commercial Complex, Muzcha Marg,  
Diplomatic Enclave, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Raj Kumari,  
8-5194, Safdarjung Enclave, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC/Acq-II|37EE|12-84|732.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 305, Oriental Apartments, 19, Yusaf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 305, 3rd floor in Oriental Apartments, 19, Yusaf Sarai, New Delhi. Area 377.57 sq. ft.

SUNIL. CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC[Acq-III]37EE[12-84]734.—Whereas, I,  
**SUNIL CHOPRA**,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immoveable property, having a fair market value  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Shop Space No. F-31, (ALPS 2-A, Bhikaji Cama Distt.  
Centre, situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi  
on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) M/s. Kailash Nath & Associates,  
1006, Kanchenjunna, 18, Barakhamba Road, New  
Delhi-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Gitanjali Chauhan,  
A-2/3, Elite Society, Shahibagh,  
Ahmedabad, Gujarat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer.  
ORIGIN

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Shop Space No. F-31, area 124 sq. ft. on First floor of  
proposed multi-storeyed commercial building 'ALPS' at 2-A,  
Bhikaji Cama District Centre, New Delhi-66.

**SUNIL CHOPRA**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 8-8-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
71—226GI/85

## FORM ITNS

(1) Mr. Damoder Batra S/o Sh. D. C. Batra,  
A-432, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Mayur International,  
602, Deep Shikha Building,  
8-Rajindera Place, New Delhi-8.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
NEAR BROADWAY HOTEL  
414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC[Acq-III]37FF/12-84/735.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9, Kirti Mahal Bldg., 10, Rajindera Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Basement No. 9, Kirti Mahal Building, 19, Rajinder Place, New Delhi. (Area 523 sq. ft.).

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
414-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 8-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
NEAR BROADWAY HOTEL  
414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/12-84/736.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 5/67, Padam Singh Road, Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Pal Mohan Construction Co.,  
64792, Chandni Chowk Delhi-6.  
(Transferor)

(2) 1. Smt. Susham Kauthiala,  
2. Sh. Nandan Kuthiala,  
3. Mrs. Natwani Kuthiala,  
All R/o. Canal Road, Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat at 3rd floor, in building Pal Mohan House, at 5/67, Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi. Area 2516 Sq. Ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
414-A, Asaf Ali Road, New Delhi

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE  
414-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq-III|37EE|I2-84|738.—Whereas, I,  
**SUNIL CHOPRA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Space 1&2 in the proposed Common complex 'ALPS'  
situated at 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi  
on December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act. to the following  
persons, namely:—

(1) Ms. Kailash Nath & Associates,  
1006, Kanchenjunna, 18, Barakhamba Road, New  
Delhi.

(Transferor)

(2) Miss. Aditi Anand,  
C-19, Chirao Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 45 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two open Car Parking space No. 1 & 2, in the proposed  
commercial complex, 'ALPS' 2-A, Bhikaji Cama Place, New  
Delhi.

**SUNIL CHOPRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal House  
414-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 8-8-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates,  
1006, Kanchenjunna, 18, Barnkhamba Road, New  
Delhi-1.  
(Transferor)
- (2) Mr. Vinod Anand,  
C-19, Chirag Enclave, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGI-III  
AGGARWAL BHAWAN  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC(Acq-III)37EE[12-84]739.—Whereas, I,

SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-2 & B-3, ALPS at 2-A, Bhikaji Cama Place, situated in New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Croddown space No. B-2, & B-3 (measuring 700 sq. ft. in basement of proposed commercial complex 'ALPS' at 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 7-8-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

## FORM ITNS—

(1) Mr. Rishi Pal Properties (P) Ltd.,  
704, Pragati Tower, Rajendra Place, New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Savita Kathuria,  
W/o Sh. Ramesh Kathuria,  
F-28-A, Hari Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC[Acq-III]37EE|12-84|741.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103, 3, Punjabi Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the Transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. 103, on first floor, Pal Mohan Apartments, NWA, Punjabi Bagh, New Delhi. Area 780 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III  
Aggarwal Bhawan  
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8.8.1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Dr. N. C. Mehta,  
486-7B, Faridabad (Haryana).

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC|Acq III|37FF|12-84|740.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

B-414, 3, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) I.A.C. Acq III, New Delhi on December 1984 has been transferred under I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sh. R. S. Sharma,  
B-4/203, Safdarjung Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. B-414, 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi-66.

Area 306 sq. ft.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Aggarwal Bhawan  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates,  
1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road,  
New Delhi-1.  
(Transferor)
- (2) Mr. Anil Marya & Mrs. Ritu Marya,  
Kirby Building, System Zubair Enterprises,  
Muscat, Oman.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC[Acq. III]37EE[12-84]742.—Whereas I  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
206, 'ALPS' 2-A, Bhikaji Cama Dist., Cen situated at New  
Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of  
the Competent Authority at  
I.A.C. ACQ. III, New Delhi on December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

Office flat No. 206, area 708.5 sq. ft. in proposed multi-storeyed commercial complex 'ALPS' at 2-A, Bhikaji Cama District Centre, New Delhi-66.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 8-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC[Acq III]37EE|12-84|743.—Whereas I  
**SUNIL CHOPRA**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the "Act") has transferred to me, the property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 18-C, Ashirwad at K-84, Green Park, situated at New  
Delhi-16  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority.  
I.A.C. ACQ. III, New Delhi on December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (1) Shri Mahabir Pershad,  
E-22, DDA Flats, Malviya Nagar, Extension,  
New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Mr. Rajinder Singh & Mrs. Raminder Kaur,  
B-8/4, Vasant Vihar, New Delhi-57.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

#### THE SCHEDULE

Office flat No. 19 'C' area 312.5 sq. ft. on first floor of  
proposed commercial building ASHIRWAD K-84, Green  
Park, New Delhi-16.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**SUNIL CHOPRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

72—226GI|85

Date : 8-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE(12-84/749).—Whereas I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 85, Vill. Khureji, Vikas Marg, I.P. Extn., situated at  
Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered  
under section 269AB of the Income-tax Act, 1961,  
in the office of the  
I.A.C. ACQ. II, New Delhi on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Sh. Sawai Lal Parikh, Sh. Kanti Lal Parikh,  
Sh. Jitendra Parikh, Sh. Janardan Parikh,  
Sh. Arvind Parikh & Sh. Kirti Parikh P/O  
M/s. Kantilal R. Parikh, 379, Chandni Chowk,  
Delhi.  
(Transferor)

(2) Sh. Jitendra Parikh 19, Ansari Rd.,  
Darya Ganj, Ne Delhi. &  
2. Janardan Parikh, 2958, Katra Khusal Rai,  
Kinari Bazar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

Plot of land bearing No. 85, measuring 240-68 sq. yds. at  
Village Khureji, Vikas Marg, I.P. Extension (Gujarat Vihar),  
Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 6-8-85  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Mrs. Savitri Devi and Shri Kanhaya Lal,  
E-32, Moti Nagar,  
New Delhi-15.

(Transferor)

(2) Sh. Kanhaya Lal,  
E-32, Moti Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JII  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC|Acq III|37EE|12-84|2-85|804.—Whereas 1, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 5, UG-21, Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of I.A.C. ACQ. III, New Delhi on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

No. 5, UG-21, Cama Place, New Delhi. Approximate Cover Area 255 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Aggarwal Bhawan  
Near Broadway Hotel  
4/14-A, Asaf Ali Road  
New Delhi

Date : 7-88-1985.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,**

**ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi, the 7th August 1985.

Ref. No. IAC/ACQ.III/37EE/12-84/3-85/858.—

Whereas I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

21, New Rajdhani Enclave, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt. Col. MPS Kandal,  
46, Kota House, Shahzahan Road,  
New Delhi,

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Agarwal,  
W/o. Sh. Raju Ram Agarwala,  
Block-J & K-81, Laxmi Nagar,  
Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

Vacant Residential Plot No. 21, New Rajdhani Enclave, measuring 400 sq. yds. Delhi-92.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**SUNIL CHOPRA**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :—

Date : 7-8-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.

(1) C. L. Puri, M. K. Puri & Nitin Puri,  
R/o. S-488, C. K.I.,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Monga,  
T-10, Green Park Extn.,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37FF|12-84-3-85|859.—  
Whereas I, SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. I-10, Green Park Extn., situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

T-10, Green Park Extn., First Floor on Plot of 310 yards, New Delhi (Area 850 sq. ft.)

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Jagmohan Bhatnagar,  
E-23, N. D. S. E-1.  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gian Chand,  
511/3A, Vishwas Nagar,  
Delhi-32.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37EE|12-84|4-85|883.—

Whereas I, SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- an dbearing No.

132, New Rajdhani Co-operative House Bldg. Society Ltd.,  
situated at Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi  
in December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Vacant residential plot no. 132, measuring 174.44 s. yd. in  
New Rajdhani Co-operative House Building Society Ltd.,  
Delhi-32,

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 13-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/12-84/4-85/884.—  
 Whereas I, SUNIL CHOPRA,  
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 Basement No. 36, 9, Bhikaji Cama Place,  
 situated at New Delhi  
 has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi  
 in December, 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Savitri Bali,  
 II/E/180, Lajpat Nagar,  
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Reopwant Kaur W/o.  
 late Sh. Harbans Singh, 2, Sukhpal Singh,  
 S/o, late Sh. H. Singh, 3, Harjeet Kaur,  
 W/o. Dr. A. P. Singh, 4, Abhey Pal Singh  
 U/G. Dr. A. P. Singh,  
 P-2, Hauz Khas,  
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

36, Basement at 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 310 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
 Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-JI|12-84|2508.—

Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 37, Block-C, Madipur

situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Jaswant Singh S/o. Sundar Singh,  
r/o. 83/1-A, Punjabi Bagh,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Mangat Ram, Gian Chand and  
Ajit Kumar, s/o. Sardar Mal,  
r/o. 5/15, Punjabi Bagh Extn.,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 37, Block-C, measuring 471.4 at Madipur, Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Dev Karan Garg r/o. 134/1, M. G. Road,  
4th floor, Calcutta.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|12-84|2509.—

Whereas I, SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi  
in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of—

(2) Sh. Satvinder Pal Singh  
r/o. B/209, West Patel Nagar,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. 21, Road No. 43, Punjabi Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

73—226GT|85

Date : 13-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE-II,**  
**AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL**  
**4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI**

New Delhi, the 1st August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|12-84|2510.—  
Whereas I,

SUNIL CHOPRA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20, Rd. No. 55, Punjabi Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Sh. Ram Parkash Sharma,  
 S/o. Sh. Ganga Ram Sharma,  
 R/o. Near Halwasia Mandir,  
 Bhiwani, (HR.)

(Transferor)

(2) S. Harvinder Singh,  
 S/o. S. Jagir Singh, R/o. 14, Najafgarh Road,  
 New Delhi.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Free hold Plot No. 20, on Road No. 55, mg. 555.55 sq. yds., at Punjabi Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/12-84/2512.—

Whereas I, SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Vill. Dindarpur, Kh. No. 335  
situated at Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri P. L. Malhotra s/o. late  
Sh. Ram Chand Malhotra R/o. DBF-25,  
Tagore Garden,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. P. Kapur s/o. Sh. Bodh Raj  
R/o. N-7, Rajauri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha, 8 biswas, part of Khasia No. 335, situated in the area of vill. Dindarpur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 14-8-1985  
Seal .

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. S. P. Malhotra s/o late  
Sh. Ram Chand Malhotra, R/o. OBF-25,  
Tagore Garden,  
New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. S. P. Kapoor s/o Sh. Bodh Raj Kapoor,  
R/o. N-7, Rajouri Garden,  
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAFAI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC(Acq.III)SR-II/12-84/2513.—  
Whereas I, SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Kh. No. 335, Vill. Dindarpur,  
situated at Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi  
in December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 8 biswas, part of Khasra No. 335,  
situated in the area of vill. Dindarpur, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 14-8-1985  
Sect. : \_\_\_\_\_

## FORM ITNS

- (1) Smt. Manjeet Kaur W/o. Sh. Karam Singh,  
r.o. E-I|594, Janakpuri,  
New Delhi. (Transferor)
- (2) Sh. Mohinder Singh s/o. late Sh. Harbans Singh,  
R/o. No. 20A|8-A, Tilak Nagar,  
New Delhi. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st August 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-[I]12-84]2514.—  
Whereas I, SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing No.

GBP. No. 20A|8-A, Tilak Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

G. B. P. No. 20A|8-A, Tilak Nagar, New Delhi measuring 100 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985.

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-II/12-84/2515.—  
Whereas I, SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. A-9 (WZ-342) Shiv Nagar,  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi  
in December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
Ateen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Sh. Shadi Lal Anand S/o.  
Sh. Haveli Ram r/o. A-114, Janta Colony,  
New Delhi-27.

(Transferor)

(2) Sh. Rajesh Kumar & Devinder Kumar,  
S/o. Sh. Ram Sharan R/o. WZ-43, Shiv Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. A-9 (WZ-342) 200 Sq. yds, at Shiv Nagar, New  
Delhi. Area of village—Tehar, Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority -  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-8-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|12-84|2516.—

Whereas I, SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

EA|1|38, Inderpuri,  
situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi  
in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Smt. Kailash Rajbar herself  
and as attorney of Smt. Sadhana Beri,  
R/o. 28, Southend Avenue, Flat No. 8,  
Calcutta-26.  
  
(Transferor)
- (2) Shri R. L. Dua s/o. Sh. Ghanshyam Dass Dua and  
(2) Smt. Champa Dua w/o. Sh. R. L. Dua,  
R/o. 20/27, Old Rajinder Nagar,  
New Delhi.  
  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publications of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Plot No. EA|1|38, Inderpuri, New Delhi measuring 250  
sq. yds.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 13-8-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 5th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|SR-II|12-84|2517.—  
 Whereas I, **SUNIL CHOPRA**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
 and bearing No.  
 C-99, Kh. No. 2056, Hari Nagar Clock Tower,  
 situated at New Delhi  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred and the agreement is registered under  
 has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)  
 in the Office of the I. A. C. ACQ. III, New Delhi  
 in December, 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of said Act, to the follow-  
 ing persons, namely :—

- (1) Baldev Sagar Bhandari  
 slo. Sh. Khairati Lal Bhandar  
 R/o. 4/17, W. E. A. Karol Bagh, New Delhi.  
 (Transferor)
- (2) S. Mohan Singh, slo. S. Dua Ditta Raj  
 R/o. T-235-A, Baljeet Nagar, New Delhi.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-  
 vable property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. C-99, measuring 220 sq. yds. (60'X33'), part of  
 Khasra No. 2056, situated at Hari Nagar, Clock Tower,  
 area of Vill. Tihar, New Delhi.

**SUNIL CHOPRA**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 5-8-1985  
 Seal :

## FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL BHAWAN, NEAR BROADWAY HOTEL  
4/14-A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st August 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/12-84/2519.—  
Whereas I, SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Mol. No. A-1|135, Kh. No. 1610, Vill. Naraina, Inderpuri  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
consideration for such transfer as agreed to between the  
transfer with the object of :—

(1) Smt. Shobha Gupta W/o.  
Sh. R. K. Gupta, R/o. RA-74, Inderpuri,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Gupta W/o. Sh. S. C. Gupta,  
and Mast. DLherajGupta, Master Raful Gupta,  
both Sons of Sh. S. C. Gupta r/o. No. 981,  
Shivaji Street, Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of the  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

#### THE SCHEDULE

House bearing Mpl. No. A-1|135, constructed on piece of  
land measuring 250 sq. yds. out of kh. No. 1610, situated  
in the area of village Naraina in the Abadi of Inderpuri, an  
approved Colony, New Delhi-12.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

74—226 GI|85

Date : 1-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Sudershan Rawla w/o Y. P. Yash Pal Rawla s/o N. L. Rawla and 2. M/s. Rawla & Co. (P) Ltd., 2655, Bank Street, Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Geeta Seth w/o Sh. Anil Seth, Anil Seth s/o A. P. Seth r/o 3-7, Green Park, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1985

Ref. No. IAC[Acq.-III]SR-III|12-84|931.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-12, Hauz Khas Enclave, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property No. C-12, measuring 311.1 sq. yds. Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sh. Manhora Kishan Kaul (M. K. Kaul) s/o Sh. Pran Kishan Kaul R/o 611, Manmohan Building, Yusaf Sarai, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1985

Ref. No. IAC|Acq.III|12-84|933.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') I have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/42874 (part) Kh. No. 141/129, Green Park Extn., situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Smt. Nirmala Sain w/o Sh. Jai Pal Singh Jain, r/o 12/8, Yusaf Sarai, New Delhi.  
2. Smt. Bimla Gupta wife of Sh. Lakhmi Chand Gupta, r/o M-201, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. 1/42874 (part) Khasra No. 141/129, Khewat Khatauni No. 1, min. measuring 100 sq. yards situated at Yusuf Sarai, Green Park Extension, New Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-7-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Inder Mohani Sharma w/o Sh. Panna Lal,  
t/n. her attorney Sh. K. L. Mehta, r/o A4/1, Rana  
Partap Bagh, Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-III/12-84/935.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Single-storey building  
in Green Park Ext'n, M-13 situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Maqbool Nikhat M. hili w/o Shri Syed Shahid  
Mehdi c/o Sonu Bhattacharya, E-3, Panchshila  
Park, New Delhi-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

M-13, Single storey building measuring 310 sq. yds. in  
Green Park Extension, New Delhi-16.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

Date : 13-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Prakash Chand Jain,  
s/o Shri Jugmander Dass Jain,  
r/o 1282, Vakli Pura, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Mahendra Prasad Jain s/o late Shri Mahazaj  
Prasad Jain, r/o S-529, Greater Kailash II, New  
Delhi.  
<sup>5</sup>

(Transeree)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|SR-II|12-84|936.—Whereas, I,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No. 283, Block S, Vill. Sheikhsarai,  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi on December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under that said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Property No. 283, Block S, measuring 847.80 sq. yds. at  
village Sheikhsarai, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 13-8-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-III[12-84]939.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,60,000/- and bearing No. 14 & 14/1, plot No. 15, Block No. 80A, Pahar Ganj, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Indu Bala Gupta w/o Ashok Kumar, r/o 60, Gali Raja Kedar Nath, Chawri Bazar, Delhi.  
2. Smt. Lalita Bala Bhandari w/o. Ashok Kumar Bhandari, r/o 2133, Masjid Khajur, Dharampura, & Delhi.

(2) M/s. Metropolis Restaurant,  
1634, Main Bazar, Pahar Ganj, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 14 and 14/1, measuring 120 sq. yds. on Plot No. 15, block No. 80A, Krishna Market, Pahar Ganj, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Date : 14-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri M. K. Kaul s/o late Raja Hari Krishan Kaul,  
r/o C-14, N.D.S.E.-II, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Asha Rani w/o Banarsi Lal r/o A-6, Housing  
Society South Extn. Part-I, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAFA ALI ROAD,  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.-III|SR-III|12-84|941.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-14, N.D.S.E. II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Property No. C-14, measuring 500 sq. yds. N.D.S.E.-II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Competent Authority  
Acquisition Range-III  
Delhi|New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Ram Piyari, C/o. Sh. Jagdish Chander,  
F-5/2, Malviya Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bharat Bhushan,  
R/o. E-5/2, Malviya Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC/Acq. IIIUSR-III/12-84/942.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E/52, Malviya Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

E-5/2, Malviya Nagar, New Delhi, 124 Sq. yds.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Sh. Radhey Shau Sahani  
 2. Sh. Mohan Lal Sahani.  
 3. Sh. Arun Kumar Sahani.  
 4. Sh. Anil Kumar Sahani  
 S/o, Late Sh. Dault Ram Sahani.

(Transferor)

- (2) 1. Sh. Nasib Chand Bhatia,  
 S/o, Late Sh. Mool Chand Bhatia.  
 2. Smt. Shanti Devi.  
 W/o, Sh. Nasib Chand Bhatia,  
 R/o 5-C/53, New Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC[Acq. III]SR-II]12-84/943.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bearing No. 10604, measuring 140 Sq. Yds. situated at (Total Area 280 Sq. Yds. at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 undivided/un-specified share in property bearing No. 10604, measuring 140 Sq. Yds. (total Area 280 Sq. Yds.) at Karol Bagh, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-III  
 Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

75—226 GI/75

Date : 14-8-1985  
 Seal :

## FORM STNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 30th July 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/12-84/944—Whereas, 1,  
SUNIL CHOPRA,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 10604, Karol Bagh, situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at New Delhi in December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

- (1) 1. Sh. Radhey Sham Sahani,  
2. Sh. Mohan Lal Sahani,  
3. Sh. Arun Kumar Sahani,  
4. Sh. Anil Kumar Sahani,  
R/o. 92, Baird Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Bhagwan Dass Suneja.  
S/o. Sh. Gadea Ram Suneja, R/o. 15-A/54, W.E.A.,  
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

1/2 undivided/un-specified share in property bearing No.  
10604, measuring 140 sq. yds. total measuring 280 sq. yds.)  
situated at Karol Bagh, New Delhi

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 30-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Smt. Shyama Devi Jain W/o Sh. Harish Chand Jain,  
R/o. No. 72, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Sh. Padam Chand, S/o Sh. Jagdish Pd.  
2. Smt. Lokeshwati Devi, W/o Sh. Atul Kumar  
Gupta, R/o. 2267; Pahar ganj, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 11-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 31st July 1985

Ref. No. AC|Acq. IIUSK-III|12 84|945A.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2639|10, Plot No. 87, Block-P situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Piece of land measuring 263.9|10 sq. yds. Plot No. 87, Block 'P', situated at South Extension Scheme, Part-II, Mobarakpur, Kaila, Ring Road, New Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-7-1985

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sh. Jagdish Chander, Slo. Sh. R. P. Chopra,  
R/o. A-2/89, Rajouri Garden, New Delhi-27.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sh. Naresh Kumar Jain, Slo. Sh. Chhotta Lal Jain,  
R/o. Gali No 3, Friends Colony, Shahdara, Delhi.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

**ACQUISITION RANGE-III**  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAIF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC(Acq. III)SR-IV/12 84/1425.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B/61, Jyoti Nagar (East) Shaheera, situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property No. B/61, mg. 461.1 Sq. yds. situated at Jyoti Nagar (East), Shahdara, Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Saran Das, S/o. Sh. Diwan Chand,  
R/o. J-10, Krishan Nagar, Delhi-51.  
(Transferor)

(2) Shri Dr. V. K. Monga, S/o Shri K. C. Monga.  
R/o. H-3/12, Krishan Nagar, Delhi 51.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 13th August 1985

Ref. No. IAC[Acq. III]SR-IV[12-84]1406.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-10, Kh. No. 511, Krishan Nagar, situated at Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Built up property, built on portion of plot No. J-10, area 118-1/18 sq. yds. out of Khasra No. 511, situated at Krishan Nagar, Village Ghaundli, Shahdara, Delhi.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Bhagwanti W/o Late Sh. Ganda Singh,  
R/o. (Old) No. 1480[1-A, and New No. 1/9328,  
Shahi Mohalla, West Rohtash Nagar, Shahdara,  
Delhi-32.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1985

Ref. No. IAC[Acq. II]SR-IV|12-84|1408.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/9328, Vill. Sikdar Pur, Shahdara, situated at Delhi-32 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sh. Darshan Lal, S/o. Sh. Ascharaj Lal,  
R/o. Qrt. No. 51, Mohan Park,  
Shahdara, Dehli-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

A built up property bearing No. (Old) 1480[1-A, and New No. 1/9328, area measuring 136 sq. vds., out of Khasra No. 290 min. situated at Village Sikdar Pur, in the abadi of Shahi Mohalla West Rohtash Nagar, Shahdara, Delhi-32.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Gur Singh Thakur, S/o. of Shri Gobind Singh,  
R/o. (Old) No. 1437-A/2, and New No. 1/7205,  
Shivaji Park, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shalini Khana, W/o Sh. Raj Kumar Khanna,  
R/o 570 Katra Neel, Chandi Chowk, Delhi-6.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 11, SAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SSR-IV/12 84/1409.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/7205 Kha No. 2180/Vill. Sikdar Pur, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

A built up property bearing No. (Old) 1473-A/2, and New No. 1/7205, out of Khasta No. 2180/265 area measuring 200 sq. yds., situated at Vill. Sikdar Pur, in the abadi of Sawroop Block Rohtash Nagar, Shivaji Park, Delhi-32.

SUNIL CHOPRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 6-8-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAFA ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref No. IAC/Acq. II/37-EE/12-84/547-A.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 103, Prop. No. 1311/8, Ajmeri Gate, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. ACO. II, at New Delhi in December, 1984, on an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Express Builders (P) Ltd.,  
B-177, Greater Kailash I,  
New Delhi-48.

(Transferor)

(2) Sh. Satish Dewan, 118, B. Asaf Ali Road,  
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHED:

Space No. 103, measuring 235 sq. ft. in property No. 1311/8, Ajmeri Gate, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 12-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Vidya Wanti, W/o Late Sh. Girdharilal Batra,  
R/o. E-161, Phase-I, Ashok Vihar, Delhi.  
(Transferor)

(2) Sh. K. G. Monga & Sh. V. K. Monga,  
S/o Sh. R. P. Monga, R/o F-75, Green Park, New  
Delhi, at Present R/o E-161, Phase-I, Ashok Vihar,  
Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
AGGARWAL HOUSE, 414A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd July 1985

Ref. No. IAC|Acq. II|37-EE|12-84-550A.—Whereas, I,  
K. VASUDEVAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. E-161 Ashok Vihar, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)  
in the Office of the registering Officer at I.A.C. ACQ. II,  
at New Delhi in December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the pub-  
lication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

H. No. E-161, Phase-I, Ashok Vihar, Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

K. VASUDEVAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this office notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

76—226 GI/85

Date 22-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Promol Industries,  
F-32, Okhla Industrial Area Phase-I, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Mrs Sunet Sodhi, W/o. A. K. Sodhi r/o. E-3/4,  
Vasant Vihar, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/ISR-III/12-84/505--Whereas, I,  
K. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Factory bldg. No. F-32, m/s. 427.33 sq. yds situated at  
Industrial Area Phase-I, New Delhi  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer, a  
t New Delhi in December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration of such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Factory building No. F-32, measuring 427.33 sq. yds. Okhla  
Industrial Area Phase-I, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons  
namely :—

Date 6-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III  
AGGARWAL HOUSE, 414-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1985

Ref. No. IAC(Acq.) 11J/12-84/606.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. S-141, mg. 298 sq. yds. Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Gansham Dass Sharma,  
H. No. 145, Sector 19-A, Chandigarh, Punjab,  
(Transferor)
- (2) M/s. Khurana Builders,  
F/21-A, East of Kailash, New Delhi,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No. S-141, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 289 sq. yds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, New Delhi

Date : 12-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Ganeshi S/o Shri Mulkh Ram  
r/o village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s C. Lyall & Co. (Const.)  
(P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K.G. Marg,  
New Delhi.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-84/611.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agr. land mg. 23 Bighas 16 Biswas situated at Village Bijwasan, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Agricultural land measuring 23 Bighas 16 Biswas comprised in Rectangle No. 77 Kh. No. 18, 19 (6-04), 21 (0-12), 22(4-09) 23(4-16) 26(0-07) Rect. No. 84 Khasra No. 1(0-08), 2(2-12), 3(4-08) situated in village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]SR-III]12-84|612.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
Property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Plot No. 10, Block 'L' mg. 308 sq. yds. in the  
residential colony known as Kailash Colony  
situated at vill. Jamrudpur on Lajpat Nagar,  
Kalkaji Link Road,  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the registration Act 1908 (16 of  
1980) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kanwar Lal Bhardwaj S/o  
Shri R. N. Dass Bhardwaj r/o Vill & P.O. Rattawal  
(Distt. Ludhiana) at present A-12, South Extn.,  
Part-I, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar s/o Shri Sukhdev  
Raj r/o X-17, Hauz Khas, New Delhi.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transferor  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property bearing plot No. '10, Block 'L' measuring 308  
sq.yds. in the Residential colony known as Kailash  
Colony situated at village Jamrudpur on Lajpat Nagar,  
Kalkaji Link Road, in the Union Territory of Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri B. B. Dhingra s/o  
Shri Chanan Das R/o 16/1060, Hardhian Singh  
Road, Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Arun Ahuja s/o Shri A. P. Ahuja,  
& Mrs Sunaina Ahuja w/o. Shri Arun Ahuja both  
r/o B-93, Malviya Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD  
NEW DELHI**

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|616.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/5th undivided share of plot of land bearing No. 270 Block B mg. 299 sq. yds. of built property in G.K.I, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1/5 undivided share of plot of land bearing No. 270, Block B, measuring 299 sq. yds. of built property Greater Kailash-I, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.1|SR-II|12-84|617.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-5, Pamposh Enclave, New Delhi, situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Major General, Amarendra Kaul,  
E-13/1, Vasani Vihar, New Delhi-57.  
(Transferor)
- (2) Shri Devinder Kumar Subarwal,  
C/o Mahindar Puri & Co., r/o 37-C, Connaught Place, Atma Ram House, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property No. B-5, Pamposh Enclave, New Delhi-48, measuring 2020.93 sq. ft. including 232 sq. ft. of the servant quarter over the garage.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]SR-III|12-84|618.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. C-526, Defence Colony, New Delhi, building of  
approx 1470 sq. ft. on land admeasuring  
approx 325 sq. yds.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the registration Act 1908 (16 of  
1980) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Christian Institute for the  
Study of Religion & Society, 16, Pandit Pant Marg,  
New Delhi-110001.  
(Transferor)
- (2) Godrej Soaps Limited,  
Pirojsha Nagar, Eastern Express Highway Kikhroli,  
Bombay-400 079.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter

## THE SCHEDULE

C-526, Defence Colony, New Delhi—Building of approx.  
1470 sq. ft. on land admeasuring approx. 325 sq. yds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ved Prakash Mehta,  
Smt. Raje Mehta, Shri Vinay Mehta &  
& Shri Abhay Mehta, c/o 11, Munrika Marg,  
Vasant Vihar, New Delhi-57.

(Transferor)

(2) M/s Nicolian (India) (P) Ltd.  
48/2, Janpath, New Delhi-110001.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|619.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Single storey house plot No. B-165, G.K.I., New Delhi  
situated at New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed here to),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
New Delhi in December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

Objection if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Single storey house together with munti, one garage and  
a servant quarter thereon built on a plot of land No. B-165,  
Greater Kailash-I, New Delhi-48, measuring 513 sq. yds. i.e.  
429 sq. metres.

R. P. RAJESII  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
77-226 GI/85

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Madan Lal Mehta,  
113, Darya Mahal A. Napcan Sea Road,  
Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Malhotra,  
Smt. Meenakshi Malhotra, Sh. Rajesh Malhotra  
& Shri R. P. Malhotra, 4, Centaph Lane, Madras.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]SR-III|12-84|620.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- or there being  
Agr. Land mg. 20 Bighas and 14 Biswas Village Jonpur New  
Delhi,  
situated at Village Jonapur, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed here to),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) int the office of the Registering Officer at  
New Delhi in December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 20 Bighas 14 Biswas bearing  
Khasara Nos. 21/11, 6/20, 6/21, 21/1 and 21/10 with Farm  
Cottage in village Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the way of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 6-8-1985  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 16th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-84/622.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
House No. B-21; mg. 851.4 sq. yds. Chiragh Enclave,  
situated at New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the registration Act 1908 (16 of  
1980) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(1) Jang Bahadur Puri and Tarun  
Kumar Puri, s/o S. L. Puri, r/o 35, Prithvi Raj  
Road, v.v. Delhi, through attorney Surinder Kumar  
Gupta, r/o R-79, G.K. 1, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri I. K. Chawla s/o Trilok Chand  
Chawla and Miss Raj Chawla d/o Trilok Chand  
Chawla, B-54, Kalkaji, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. B-21, measuring 852.4 sq. yds. Chiragh Enclave,  
New Delhi

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 6-8-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Shiddhartha Dutta s/o  
Shri B. B. Dutta R/o D-656, Chittaranjan Park,  
EPDP Colony, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
(INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961))

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/12-84/623.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. D-656, Chittaranjan Park, EPDP Colony, New Delhi  
measuring 183 sq. yds. situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1980) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi in December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publ-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. D-656, measuring 183 sq. yds. Chittaranjan  
Park, EPDP Colony, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 6-8-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Nanaksar Thath Iswar Darbar a religious society regd. No. 5885, issued on 26-7-73 by registrar of Societies, Delhi through Sec. Sr. Kartar Singh, r/o M-41 G-K-II, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Harbans Kaur, W/o Ch. Udai Singh  
2. Sr. Swaran Singh, s/o Udai Singh,  
3. Miss Harsharan Kaur d/o Ch. Udai Singh all r/o. 4/9, Vijay Nagar, Delhi-96.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.I|SR-III|12-84]624.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. M-39, Greater Kailash-II, mg. 250 sq. yds. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereby by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. M-39, Greater Kailash-II, New Delhi-48, measuring 250 sq. yds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-84/625.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property bearing No. D-1/119, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yds., situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Shakuntala w/o Shri Ram Lal  
r/o D-1/118-119, Lajpat Nagar, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Bahl w/o Sh. Mahesh Chand Bahl  
r/o 7/7, Jangpura Double Storey,  
New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. D-1/119, Lajpat Nagar, New Delhi, incasing 100 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Vidyam Dass Suri,  
4/21-A, Jangpura 'B', New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kusum Suri, and Master  
Sanjeev Suri, r/o 4/21-A, Jangpura 'B',  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHINew Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]SR-III]12-84|626.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2, Savitri Cinema Complex, G.K.-II, situated at New Delhi, measuring 202 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Shop No. 2, Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 202 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi  
Aggarwal House  
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Smt. Shakuntala W/o late Sh. Ram Lal,  
r/o D-I|118, Lajpat Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAFA ALI ROAD  
NEW DELHI**

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. JAC|Acq.I|SR-III|12-84|629.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-I|118, mg. 100 sq. yds. situated in Lajpat Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Smt. Mohinder Kaur  
w/o S. Ranjit Singh,  
r/o 3|52, Nehru Place,  
New Delhi.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

**THE SCHEDULE**

Property bearing No. D-I|118, measuring 100 sq. yds. situated in Lajpat Nagar, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House, 4|14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-8-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Tribeni Nath Sharma,  
E-14, Greater Kailash-II, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4114-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC|Acq.I|SR-III|12-84|630.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs 1,00,000/- and bearing  
No. E-14, Greater Kailash-II, New Delhi, mg. 250 sq. yds.  
situated at New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and the agreement is registered under section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent  
Authority at  
New Delhi in December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(2) Smt. Ved Goenka W/o Sh. J. K. Goenka  
and Sh. Rajnish Goenka S/o Sh. J. K. Goenka,  
22, West Patel Nagar, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given to  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. E-14, Greater Kailash-II, New Delhi, East  
Plot No. E-12, West Plot No. E-16, North Road, South lane.  
mg. 250 sq. yds.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House, 4114A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
78—226 GI/85

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFA ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]SR-III|12-84|633.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Plot No. E-266, Greater Kailash-I, mg. 208 sq. yds.  
situated at New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of  
the Competent Authority at  
New Delhi in December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Amarjit Singh Johar & Co,  
C-139, Defence Colony, New Delhi,  
through its sole prop'l. Amarjit Singh Johar.  
(Transferor)
- (2) Smt. Neera Narang W/o Virendra Narang  
r/o W-7, Patel Road, West Patel Nagar,  
New Delhi.  
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Dwelling unit on first floor and mezzanine floor of property No. E-266, Greater Kailash-I, New Delhi, admeasuring 208 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—

Date : 6-8-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Rosie Manickam, Wd/o. Sh. T. J. Manickam,  
C/o. Shri attorney Sh. R. K. Gupta,  
21, Basant Enclave,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manu Shrimali,  
G-6, Mattree Apartments, 96/6, Main  
Malleshwaram, Bangalore (India).

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 14th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/12-84/634.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-56, Kailash Colony, New Delhi-48, mg. 1004 sq. yds. situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at New Delhi in December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Single storey bungalow together with 2 garages and 2 servant quarters thereon, built on a plot of land No. A-56, Kailash Colony, New Delhi-48, measuring 1004 sq. yds. i.e. 839.4 sq. meters.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sections, namely :—

Date 14-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(1) Shri Chhotu S/o Shri Maha Ram  
r/o village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers (P) Ltd.,  
115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,  
New Delhi-110001.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II/12-84/635.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Agr. land in village Bijwasan, New Delhi situated at  
New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority,  
at New Delhi in December 1984  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Half share in agricultural land measuring 15 Bighas and  
10 Biswas in Kaimi No. 182, in village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Sh. Chhotu S/o Maha Ram,  
r/o Bijwasan, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s. Delhi Towers & Estates  
(P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg,  
New Delhi.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I**  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]SR-JII|12-84|640.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. Agr. land 15 Bighas and 10 biswas situated at  
village Bijwasan, New Delhi.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred and the Agreement is registered under  
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority at  
New Delhi in December 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

1/2 share in agr. land measuring 15 bighas and 10 biswas  
Kami No. 182, village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Surinder Kaur w/o late Sh. Raghbir Singh,  
r/o BA-225/2, Tagore Garden,  
New Delhi.

(Transferor)

Sh. Vijay Kumar Gupta,  
S/o Sh. Nand Kishore Gupta,  
115-A, Bichha Mal Building,  
Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD  
NEW DELHI

New Delhi, the 6th August 1985

Ref. No. IAC[Acq.I]SR-III|1-85|658.—Whereas, I,  
R. P. RAJESH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Property No. C-23, Greater Kailash-I, mg. 300 sq. yds.,  
situated at New Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and the agreement is registered under section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent  
Authority at  
New Delhi in January 1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

Property No. C-23, Greater Kailash, single storey, house  
consisting of one bed room, one drawing-cum-dining, a bath  
room, and a kitchen, mg. 300 sq. yds.

(b) facilitating the concealment of any income or an  
income or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

R. P. RAJESH  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 6-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Prahladbhai Motibhai & Ors.  
Ge. atpur Tal. Daskroi.  
Dist. A'bad.

(Transferors)

(2) Chairman|Secretary  
Maheshwari Geratpur Co.op. Socy.  
Geratpur Tal. Daskroi  
Dist. A'bad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3789.Acq.23|I|85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Land at Gara'pur seem Block No. 104, situated at  
Tal. Daskroi Dist. A'bad.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
A'bad on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen percent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
Instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land at Geratpur Block No. 104 R. No. 15721 Dt.  
3-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3790.Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Property at Paldi T.P.S. 6 F. P. 196 Sub Plot 3. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at A'bad on 4-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shah Bipinchandra Alias—  
Vipinchandra Kantilal Shah,  
Pravinchandra Kantilal Shah,  
Siddhi Bunglow, Behind Tejpal Socy.  
Paldi-A'bad-6.

(Transferors)

(2) Halchand Kakalchand Vora,  
Dhudalal Halchand  
Now at—76—Mayuri Flat  
Cheekanta Road—Nr. Novelty Cinema -A'bad.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 6 Paldi F. P. 196 Sub Plot-3 R. No. 17339 Dt. 4-12-84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Chitranshan Gordhanlal Jani,  
25—Janvishram Socy. Behind Sahjanand College,  
Ambawadi—Ahmedabad.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Apurabhai Piyushkumar Murshi,  
11-B-Janvishram Socy.  
Behind Sahjanand College, Ambawadi,  
Ahmedabad.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3791.Acq.23/I/85-86.—Whereas, J.  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Land TPS 26 F.P. 22-23-24-28 Ayojan Nagar Vasana—  
seem plot E. 51 A'bad,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
and the agreement is registered under section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent  
Authority at  
at A'bad on 28-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land—Vasana TPS 26 F. P. 22-23-24-25-26 at Ayojan  
Nagar Co.op. Socy. Plot E.51 R. No. 9625 Dt. 28-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 9-7-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
79—226 GI/85

## FORM IIMS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT  
COMMISSIONER OF THE INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 10th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3792.Acq.23/I.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat at Swapna Lok Aptt.  
Adm. 1725 sq. ft. Amin Road—Rajkot.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
section 269AP of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Rajkot on Dec. 1984.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
**Afteen per cent** of such apparent consideration and that  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269P of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Shri Mahavir Construction Coy.  
Partners—Gunvantrai Rafiwal Bhatt & Ors.  
2-Ram Krishna Nagar—Vaibhav Aptt. Rajkot.  
(Transferors)
- (2) Dr. Jagdishbhai Jinabhai Kansagara,  
Smt. Dr. Daxaben Jagdishbhai Kansagara  
Kansagara Surgical Hospital,  
Opp. Astron Cinema, Rajkot,  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the **said property**  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any or the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2 Swapna Lok Aptt. Amin Road Rajkot Adm.  
1725 sq. ft.+land for Garden R. No. 3979 Dec. 84

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-7-1985  
Seal

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380 009(1) M/s. Badiyani Builders  
Partners Shi Narandas Vithaldas Badiyani & Ors.  
310/23 L. Navjivan Socy. Lamington Road,  
Bombay-8.

(Transferors)

(2) Ashok V. Kariya &  
Neela Kariya  
364-S. V. Road—Sigaretwala Builders.  
Block No. 27 Opp. Central Bank.  
Bombay-4.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 10th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3793.Acq.23/I/85-86.—Wheeras, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat at 3rd floor Nilli Aptt.  
4—Jagnath Plot-Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and the agreement is registered under  
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office  
of the Competent Authority at  
Rajkot on Dec. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat at 3rd floor Nilli Aptt. Jagnath Plot Rajkot Adm.  
1289 sq. ft. R. No. 6286 Dt. Dec. 1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 10-7-1985

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1985

Ref. No P.R. No. 3794 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I  
 G. K. PANDYA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 H.P. at Veraval, Land area is 307.126 sq. mtr. plus  
 Building 300 sq. ft.  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908  
 (16 of 1908) in the office of the registering officer at  
 Veraval on 20-12-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(1) Soni Madhavjibhai Bhimjibhai Dhorda & Ors.  
 Krushna Nagar, Khad Khad,  
 Veraval, Dist. Junagadh.

(Transferor)

(2) Soni Babulal Gordandas Sagar & Ors.  
 Krushna Nagar, Khad Khad,  
 Veraval.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of 30  
 days from the service of notice on the respective  
 persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
 able property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

H.P. at Veraval in Khad Khad area land adm. 307.126 sq.  
 mtr. plus Building 300 sq. ft. R. No. 3049 Dt. 29-12-1984.

G. K. PANDYA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 IAC Acquisition Range I & II  
 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
 tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons namely :—

Date : 11-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 11th July 1985

(1) Memon Haji Abdul Rahoman  
Abdul Habib Margani,  
Nava Ganchi Wada,  
Junagadh.

(Transferor)

(2) Praneta Pariwar Trust  
C/o Bombay Mill Stores Supply Co. Pvt. Ltd.  
Western India House,  
Sir P. Mehta Road, Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

Ref. No. P.R. No. 3795 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I  
 G. K. PANDYA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
 moveable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 Land adm. 16 Acre & 7 Guntha -- 5 rooms & wells etc.  
 at S. No. 16 Bhavnath Girnar Talati, Junagadh  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act, 1908  
 (16 of 1908) in the office of the registering officer at  
 Junagadh on 3-12-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

## THE SCHEDULE

Land at Junagadh, Bhavnath Girnar Talati S. No. 16  
 Dudheswar Plantation, Ambawada' Adm. 16A 7G -- 5 room  
 & well etc. R. No. 2432 Dt. 3-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 IAC Acquisition Range I & II  
 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Shantilal Keshavlal,  
Mahatma Gandhi Road,  
Porbandar.

(Transferor)

(2) Musa Rasid Hamdani  
Prop : of Umi Enterprises  
Meman wada, Porbandar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 19th July 1985

Ref. No. PR. No. 3796 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Industrial Land Adm. 2000 sq. yd -- Shed Adm. 590 sq. mtr.  
at Chhaya S. No. 2, Porbandar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the registering officer at  
Porbandar on 21-12-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).

Industrial land adm. 2000 sq. yd -- Shed Adm. 590 sq. mtr.  
at Chhaya S. No. 2 Porbandar R. No. 3688 Dt. 21-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 19-7-1985  
Seal .

## FORM ITNS

- (1) Model Theatres Private Ltd.  
Registered Office—  
Model Talkies Premises,  
Gandhi Road, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Advance Film Exchange Pvt. Ltd.  
Registered Office—  
Advance Talkies Premises,  
Ahmedabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3797 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Raikhad Ward City S. No. 4164-B & 4164-C  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the registering officer at  
Ahmedabad on 7-12-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Raikhad Ward City S. No. 4164-B & 4164-C R. No. 17483  
Dt. 7-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 24-7-1984  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Nandlal H. Motwani,  
15-B, Jalvihar Socy.  
Ashram Road, Ahmedabad.  
(Transferor)
- (2) Smt. Sarla Devi Mahendrakumar Agrawal  
2 Vardhman Nagar, Khatodia,  
Ahmedabad-61.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3798 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Shop No. 28 at Ajanta Commercial Centre,  
Ashram Road, TPS 3 F.P. 1000, Ahmedabad  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the registering officer at  
Ahmedabad on 27-12-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Shop No. 25 at Ajanta Commercial Centre, TPS 3 F.P.  
100 Ashram Road, Ahmedabad, R. No. 18729 Dt. 27-12-84.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of the Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date 1-7-1984  
Seal

**FORM ITNS—**

- (1) 1. Kanakrai Shantilal Pandya  
 2. Anantraj Shantilal Pandya  
 3. Jashodaben Shantilal Pandya  
 -A4, Mayur Park Co.op. Socy.  
 Satelight, Ahmedabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,  
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
 AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3799 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I  
 G. K. PANDYA,  
 being the Competent Authority under Section 269D of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing  
 Property F.P. 988, TPS 3 No. 25, Tolaknagar Co.op. Socy.  
 Paldi, Ahmedabad  
 filled and more 37EE in the office of the undersigned at  
 Ahmedabad on 31-12-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
 ween the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of :

- (2) Shrimatiben Kasturbhai  
 Kasturbhai Lalbhai HUF  
 Minor Mihir Bharatkumar  
 Zaveriwad, Patnini Khadki  
 Relief Road, Ahmedabad.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Property TPS 3 FP 988 No. 27 Tolak Nagar Co.op. Socy.  
 Paldi 37EE|31-12-1984.

G. K. PANDYA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 IAC Acquisition Range I & II  
 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 namely :—

80 —226 GI/85

Date : 24-7-1984  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009**

Ahmedabad-380 009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3800 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I,

**G. K. PANDYA,**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land with plinth at TPS 20 F.P. 381 Kochrab Seem (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 4-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Pratap Champaklal Chokshi  
2. Bipin C. Chokshi  
3. Ajay C. Chokshi  
4. Ashok C. Chokshi  
5. Nitin C. Chokshi  
6. Vinay C. Chokshi  
Sandaki Sheri Lakha Patel Pole,  
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Champaklal Gordhandas, Karta,  
Pratapbhai Champaklal Chokshi  
2. Smt. Hansaben Vinodbhai Soni  
3. Deepakbhai Narottamdas Dalal  
4. Smt. Bina Deepakbhai Dalal  
5. Ratilal Sonnath,  
HUF Karta Rajnikant  
6. Rajnikan Ratilal Patel,  
Upendra R. Patel  
Vinay Ratilal Patel,  
237, Saraspur, Navi Savli Wad,  
Ahmedabad.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land at TPS 20 Kochrab seem TP 20 FP 381 R. No. 17354  
Dt. 4-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1984  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Punit Metal Industries,  
C/o Velo Industries,  
Ruva Pari Road, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Ashok Air Products Pvt. Ltd.  
Works, Plot 102,  
Chitra Industrial Estate, Bhavnagar.  
Regd. Office :

1/C 'Narayan Nikunj',  
2, Kalyan Socy. Opp : R. C. Patel Ind. Estate,  
Akota Road, Vadodara-5,  
Baroda-5.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3801 Acq.23]I/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the said Act), have reason to believe that the immovable  
property having a fair marketing value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
102, Chitra Industrial Estate, Chitra, Bhavnagar  
(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the registering officer at  
Bhavnagar on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Work Shop Plot 102, Chitra Industrial Estate, Chitra,  
Bhavnagar R. No. 3908, Dt. 10-12-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been for  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 23-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 23rd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3802 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 259, Hill Drive Road, Memon Bldg. Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 26-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Jashwantray Jivanlal Doshi  
Kantilal Jivanlal Doshi  
Moti Mensuan, 3rd floor 5th Gali,  
Kehtwadi, Vithalbhai Patel Road,  
Bombay-400 006.

(Transferor)

(2) Anjali Co-op Hsg. Hsg. Socy.  
14, Vithal Wadi, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Plot No. 2559, Hill Drive Road, Krishnanagar, Bhavnagar R. No. 3813, Dt. 26-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) 1. Vipinbhai Indubhai Patel,  
Sangam Park Socy.  
Behind Pavimal Socy. E.B., Ahmedabad-6.  
2. Girishbhai Indubhai Patel,  
Shreyas Socy. Ambawadi, E.B.,  
Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) 1. Kumudben Narendra Bhuvan  
2. Minor Mehl Narendrabhaji Bhuvan  
Guardian—  
Shri Narendra Indulal Bhuvan  
Gonet Co-op Socy. Jame Jamshed Road,  
Matunga, Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380-009, the 25th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3803 Acq.24/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property T.P.S. 3 F.P. 751 Sub Plot 2 'Hirabag', Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 18-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at TPS. 3 F.P. 751 Sub Plot 3 R. No. 18390, 18399 Dt. 8-12-1984.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-7-1985

Seal :

**FORM ITN3****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3904 Acq.23|1|85-86.—Whereas, I, G. K. PANIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing Property at Jamnagar, Badchshwar Area R.S. No. 200 & 203 Plot 22-23-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jamnagar on 14-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Savjani & Sons &  
M/s. Ganesh Oil Industries,  
Confirming Party,—  
Grain Market, Jamnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Vinay Oil Mill,  
Badchshwar, Jamnagar.  
Office : C/o M/s. Ashokumar Jamnadas,  
Grain Market, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Property at Jamnagar, Badchshwar R.S. No. 200 & 203 Plot 22, 23, 28 R. No. 516|14-12-1984.

G. K. PANIYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sushilaben Babubhai Shah,  
804, Vanai Pade Pele,  
Nr. Khadi Chor Rawa, Ahmedabad  
(Transferor)
- (2) Smt. Jyotiben Harishbhaj Madhu,  
E.24, Jaldarshan Flat, Opp. Natraj Ahmedabad.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD  
AHMEDABAD-380449  
AHMEDABAD-380 009

Ref. No. P.R. No. 3805 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat at Jal Darshan Co.op Socy Block 'C' Flat No. 2, Ashram Road, TPS. 3 F.P. 449 Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 20-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat at Jaldarshan Co.op. Socy Block 'C' Flat No. 2 TPS 3 F.P. 499, R. No. 18562, Dt. 20-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3806/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Changspur F. P. 393 T.P.S. 3 Sub Plot 1 & 2 Paiki undivided land (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 27-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Gitaben D/o Dhirajlal Khushaldas  
2. Lilavatiben Thakorbhai Patel  
3. Giraben D/o Dhirajlal Khushaldas  
4. Yogendra Ratilal Patel  
5. Meenaben D/o Dhirajlal Khushaldas,  
'Dhiraj Bunglow'  
Behind L.I.C. Office,  
Ashram Road,  
A'bad.

(Transferor)

- (2) The Chairman/Secretary,  
New Vaibhav C.o.p Socy. Ltd.  
Chairman : Karsandas Ishwardas  
Secretary : Biharibhai Manilal  
Opp : Preyash High School, Shahpur  
Mill Compound, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land T. P. S. 3 F. P. 343 Sub Plot 1 & 2 of Undivided land at Changspur.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 26-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M. Girish Chandra (HUF),  
 'Shilpa' Opp : Rajpath Club,  
 Ramdev Nagar, A'bad-54.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,  
 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
 ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3807 Acq. 23[I]85-86.—Whereas I,  
**G. K. PANDYA**,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the said Act) have reason to believe that the im-  
 movable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing  
 Shed No. Sub Plot 332 at Gujarat Vepari Mahal Mandal  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 Sahkari Audhogik Vasahat Ltd., Odhav Scem.  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the office of the Registering Officer at  
 A'bad on 12-12-84  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property, and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such transfer as agreed to  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
 bile property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Odhav Scem Shed G.V.M.S.A. Vasahat Ltd. Sub Plot  
 No. 332 S. No. 67-70-75-123 R. No. 17654 Dt. :  
 12-12-84.

G. K. PANDYA  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Ahmedabad

Date : 26-7-1985  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons namely :—

92—216 GI|85

81—226 GI|85

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 26th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3808 Acq. 23/1/85-86—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Chadawad, Madalpur Seem T.P.S. 2 F.P. 421 Sub Plot 3 Hissa No. 2-A & 22, A'bad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 31-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than fifteen pr cent of such apparent consideration and wherein the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (1) 1. Maniben Chandulal, Chhipawadi, Landhavanji Dist.: Mehsana  
2. Kantilal Bapudas Patel, Nr. Cfl N. Vidyalaya, Ambawadi E.B., A'bad.  
(Transferor)
- (2) Waiking Flat Owners Association,  
1. Virendra Mangaldas  
2. Rameshbhai R. Patel,  
Ahmedabad.  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property**  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Madalpur, Chandavadi Seem TPS. 21 FP. 421 Hissa No. 2A & 22, paiki land R. No. 18872, 18873 Dt.: 31-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shantagauri D/o Zaverilal Ambashankar,  
Mahurat Pole, Manek Chowk, A'bad-1.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

(2) Radhav Shops & Offices Co-op. Marketing Socy.  
Chief Organisor: 1. Dashrathlal N. Patel,  
Vrandavan Colony, Shahibag, A'bad.  
2. Hargovandas Ramdas Patel B. No. 5,  
Uttar Gujarat Patel Socy. Vibhag. 2,  
Asarva, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3809 Acq. 23/I/85-86—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Property Jamalpur Wd. No. 2 C.S. No. 3622 1-2, 3623 & 3624  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
A'bad on 31-12-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration and that the  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property at Jamalpur Wd. 2 C. S. No. 3622-1-2, 3623,  
3624 R. No. 17190 Dt. : 3-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 26-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Madhuben Kirtikumar Patel  
Village : Dabhan Tal. Nadiad  
Dist : Kaira.

(Transferor)

(2) M/s Kalaniketan Nobles Bldg. 'B' Block  
Opp : Nehru Bridge, Ashram Road,  
Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I,  
2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3810 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the "said Act"), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Property at T.P.S. 19 F.P. 345 B. No. 5, Amar Socy.,  
Mcnnagar Road, A'bad.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
A'bad on 3-12-84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Property at TPS. 19 FP 345 B. No. 5 Amar Society  
R. No. 17175 Dt : 3-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D1 of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 26-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**

**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE-I,  
 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
 ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3811 Acq 23/I/85-86.—Whereas I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H.P. at Ramkrishna Nagar Plot No. 3 Vanthli Gate., Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 26-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Maganlal Ravjibhai Bhati  
 C/o Mahesh Agro Sales Corp.  
 22, Vijay Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Dr. Govindbhai Thakarshibhai Ladani  
 Block No. 3A, Ramkrishna Nagar  
 S. T. Bus Station Road, Vanthli Gate,  
 Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

H. P. at Ramkrishna Nagar Block No. 3A, Land adm. 150 sq.yd. — Bldg. R. No. 2551 Dt : 26-12-1984.

G. K. PANDYA  
 Competent Authority -  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I  
 Ahmedabad

Date : 29-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3812 Acq 23/1/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. N. A. Industrial Land at village Bamanbor Dist : S'nagar S. No. 2 & 3 Adm. 15783sq. mtr. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Muli on 10-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Rita Carbonate Products Ltd.  
Managing Director, Bhupatil Karamshi Patel  
Taxa Sheela Socy. Opp : Girnar Cinema,  
Rajkot.

(Transferor)

(2) Galaxi Ceramics Pvt. Ltd.  
Managing Director,  
Gopaldas Kantilal Changela  
23/25, New Jagnath, Vijya Aptt.  
Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

N. A. Industrial Land at village Bamanbor S. No. 2 & 3 Dist : S'nagar Adm. 15783 sq. mtr. R. No. 462 Dt : 10-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad.

Date : 29-7-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s Hasmukh Shah & Co.  
1st Floor, Chinubhai Centre  
Ashram Road, A'bad.

(Transferor)

(2) 1. Jyotiben Kalidas Patel  
2. Maniben Amichand Patel  
7, Gautam Vihar Socy.  
Usmanpura, Ashram Road,  
A'bad, 13

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1985

Ref. No. P. R. No. 3813 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Shop No. 16 at 'Medicare Centre' Nr. Town Hall E. B.  
A'bad.  
and more fully Form No. 37FE filed on  
in the office of the  
undersigned on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income to any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Shop No. 16 Lower Level at 'Medicare Centre' E. B. A'bad  
37EE filed on 7-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 31-7-1985

Seal :

**FORM ITNS**

(1) M/s Shanti Builders,  
Ring Road, Surat.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Rajeshkumar Jain  
Kothi No. 2 Jain Nagar,  
Ambala City, 134 002  
(Haryana)

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th July 1985

Ref. P. R. No. 3640 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Office No. 347 at Ajant Shopping & Textile Arcade Ring  
Road, Surat.  
and more fully Form No. 37EE is submitted  
in the office of the  
undersigned in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The property is situated at Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Shanti Builders  
Ring Road, Surat.  
(Transferor)

(2) Shri Rameshwarlal Jankilal 'Sharda'  
185, Girnagar Co. op. Socy.  
Prabhualti, Bhivandi, Maharashtra  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th July 1985

Objections if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

Ref. No. P. R. No. 3641 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-  
and bearing  
Office No. 538 at Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring  
Road, Surat.  
and more fully Form No. 37EE is submitted  
in the office of the  
undersigned in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer:  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act. To the following  
persons, namely :—

§2—226 GI/85

Date : 9-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3642 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Office No. 733 at Ajanta Shopping & Textile Arcade,  
Ring Road, Surat.  
and more fully Form No. 37EE is submitted  
in the office of the  
undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this office notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

(1) M/s Shanti Builders  
Ajanta Shopping & Textile Arcade,  
Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Pritiben Jayantilal Gandhi  
& Jayantilal Harilal Gandhi  
Gopipura, Moti Chhipvad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the under-  
signed in Oct. 1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Dato : 9-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Shanti Builders,  
Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No.3643 Acq. 23/H/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Office No. 623 at Ajanta Shopping & Textile Arcade,  
Ring Road, Surat.  
and more Form No. 37EE is submitted  
in the office of the  
undersigned in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(2) Sukhdev Jain  
C/o Empire Silk Mill  
Z. 3180 Surat Textile Market,  
Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 9-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Shanti Builders,  
Ring Road,  
Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Damyantiben Ratilal Mehta  
Bungalow No. 12/A Sharadba Co-op. H. Socy.  
Sumul Dairy Rd. Surat.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 9th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3644 Acq. 23/II.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing  
Office No. 736 at Ajanta Shopping & Textile Arcade Ring  
Road, Surat  
(and more)  
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned  
in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is  
submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 9-7-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd.  
Ring Road,  
Surat.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Shri Ved Prakash S/o P. D. Kumar,  
61, Krishna Cloth Market,  
Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3645 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
Flat J, 606 'J' Bldg., India Textile Market, Ring Road, Surat  
and more  
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned  
in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
**may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein  
are defined in Chapter XVA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or;

(b), facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is  
submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd.,  
Nr. Kinnery Cinema Ring Road, Surat.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

(2) M/s. S. K. Deora Family Trust  
Agarbatiwala Bldg.  
1st floor, Bhuleshwar,  
Bombay-400 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3646 Acq. 23/H/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. 403 at 3rd Fltg. India Textile Market Ring Road,  
Nr. Kinnery Cinema, Surat  
(and more)

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned  
in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respect persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. The Form No. 37EE is  
submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy.  
Nr. Kinnery Cinema, Ring Road,  
Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. G. D. Deora Family Trust—  
Agarbatiwala Bldg.  
First Floor, Bhuleshwar,  
Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3647 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No J 107 in 'J' Bldg. India Textile Market, Ring Road, Surat and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1985

Sd/- :

## FORM ITNS

(1) M/s. Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy.  
Ring Road, Surat.  
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3648 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
Flat No. J-603 'T' Bldg. 5th Floor India Textile Market,  
Ring Rd. Nr. Kinnery Cinema, Surat.

and more

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned  
in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair mar-  
ket value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act  
1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. The Form No. 37EE is  
submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-7-1985

Seal

## FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Sanjay Premises Co.op. Hsg. Socy. Ltd.  
Nr. Kinnery Cinema—Ring Road—  
Surat.

(Transferor)

(2) G. D. Deora Family Trust—  
Agarbattiwala Bldg.  
1st Floor—Bhuleshwar—  
Bombay-400 002.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 15th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3649 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 108—'J' Bldg. India Textile Market Ring Road—  
Surat.  
and more Form No. 37EE is submitted in the office of the  
undersigned in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is  
submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

83—226 GI|85

Date : 15-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Sanjeev Premises Co. op. Hsg. Socy.  
Nr. Kinnery Cinema—Ring Road—  
Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASTIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3650 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 'I' Bldg. No. 601 at India Textile Market, Ring  
Road—Surat,  
and more Form No. 37EE is submitted in the office of the  
undersigned in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is  
submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(2) M/s. Ravi Enterprise,  
Rajeshwar Aptt. 1st Floor,  
Nanpura Athugar Street,  
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3651[Acq-23]II85]-86—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 2C at Ravi Chhaya Aptt. Opp: Loudes Convent  
School, Athwa Lines, Surat.  
and more Form No. 37EE is submitted in the office of the  
undersigned in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Surindranath Saroopsingh Gakhar,  
C-9—Bombay Market,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is  
submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 15-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd.  
Umarwada,  
Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Sanjay Dyes & Intermediate  
238/7—Bhavanpura outside Raipur Darwaja,  
Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3652/Acq.-23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Pedhi No. 103 at Bombay Market Umarwada, Surat,  
and more Form No. 37EE is submitted in the office of the  
undersigned in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette of a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is  
submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 15-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd.  
Umarwad,  
Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 12th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3653/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Pedhi No. 1103 at Bombay Market—Umarwada, Surat, and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s. Bipinchandra Vasantlal C/o Bodawala Traders,  
Opp : Suraj Cinema,  
Begampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd.  
Umarwada—Surat.  
(Transferor)
- (2) M/s. Dhariwal & Sons,  
111, Parsi Panchayat Wadi,  
Umarwada—Surat.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 12th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3654 Acq 23|U|85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pedhi No. 1002 at Bombay Market—Surat and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s Sanjeev Premises Co-op. Hqg. Socy. Ltd.  
Nr. Kinnery Cinema—Ring Road—  
Surat.

(Transferor)

(2) M/s. S. K. Deora Family Trust—  
Agarbatiwala Bldg.  
1st Floor—Bhuleshwar—Bombay-400 002.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,  
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 15th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3655 Acq. 23[II]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. J. 405 'J' Bldg. India Textile Market—Ring Road—Surat and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1985  
Seal :

## FORM ITNB

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009 the 15th July 1985

Ref. No. 3656 Acq23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 506 at 'J' Bldg India Textile Market-Ring Road-Surat<sup>2</sup> and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sanjeev Premises Co.op.  
Hsg. Socy. Ltd. Ring Road-  
Nr. Kinney Cinema  
Surat.

(Transferor)

(2) Birmecha Shyamsukha  
Associates-304-Goodlick  
Market, Ringroad, Surat-3

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Bombay Market Art Silk  
Co. op. Socy. Ltd.  
Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Sisim Udyog Pvt. Ltd.  
Salabatpura, Moti Begamwadi,  
Singapuri Mills Compound  
Surat

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

AHMEDABAD-380009 the 11th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3657 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office (Oedhi) No. 1108 at Bombay Market-Umarwada-Surat, and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and regulations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

84—226 GI|85

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS — —

(1) Bombay Market Art Silk  
Co. op. Socy. Ltd.  
Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Singapuri Silk Mills  
Salabatpura Begamwadi  
Surat

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3658 Acq23/II/85-86.—Whereas, J. G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Pedhi No. 1101 at Bombay market-Umarwada-Surat, and more Form No. 37EE is submitted in the office of the Undersigned in Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Bombay Market Art Silk  
Co. op. Socy. Ltd.  
Umarwada—Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s J. Kumar & Co.  
J-18 Bombay Market  
Umarwada  
Surat

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3659Acq23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Pedhi No. 904 at Bombay Market Umarwad-Surat, and more Form No. 37EE is submitted in the office of the Undersigned in Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 11th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3660 Acq23/I/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Pedhi No. 104 at Bombay Market-Umarwada-Surat, and more Form No. 37EE is submitted in the office of the Undersigned in Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd.  
Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) Shri Damodarlal Agrawal  
C/o Sitaram Shivkumar  
4/1980 Nawabwadi  
Main Road Begampura  
Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat, Form No. 37EE is submitted in the office of the Undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax—  
Acquisition Range, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS—**

(1) Bombay Market Art Silk  
Co. op. Socy. Ltd.  
Umarwada—Surat.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,**

Ahmedabad-380009 the 11th July 1985

Ref. No. P.R.No. 3661Acq23[II]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pedhi No. 705 at Bombay Market-Umarwada-Surat, and more Form No. 37EE is submitted in the office of the Undersigned in Oct. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s Urmil Silk Fabrics  
C/o Shop No. J. 22  
Bombay Market-Umarwada  
Surat

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the Undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 11-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Bombay Market Art Silk  
Co. op. Socy. Ltd.  
Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Sukhraj & Co.  
109-Cavel Street  
Nr. Swadeshi Market  
1st Floor Bombay-2

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 12th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3662Acq23|II|85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing  
Pedhi No. 803 at Bombay Market-Umarwada Surat  
and more Form No. 37EE is submitted in the office of the  
Undersigned in Oct. 84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is  
submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-  
said property by the issue of this notice under sub-section (1)  
of Section 269D of the Said Act to the following persons,  
namely :—

Date : 12-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th July 1985

Ref. No. P.R.No. 3663Acq23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Pedhi No. 503 at Bombay Market Umarwada Surat and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd.  
Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Gopiram & Sons  
Nagardas Cooth Market  
Chevdi Bazar  
Gwalior.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3664/Acq-23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (*hereinafter referred to as the 'said Act'*), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Pedhi No. 102 at Bombay Market Umarwada Surat and more Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of :—

(1) Bombay Market Art Silk Co. op. Socy. Ltd.  
Umarwada—Surat.

(Transferor)

(2) M/s Kantilal  
Sakarlal Bodawala  
C/o Chunilal Nathubhai  
Delhi Gate  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-7-1985  
Seal.

## FORM ITNS

(1) Bombay Market Art Silk  
Co. op. Socy. Ltd.  
Umarwada—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Ranjan Textiles  
Prop: Dhirajlal  
Maganlal  
7/2435 'Jay Deep'  
Chowky Street  
Saiyed Pura  
Surat

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3665 Acq23|II|85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

Pedhi No. 906 at Bombay Market Umarwada Surat  
and more Form No. 37EE is submitted in the office of the  
Undersigned in Oct. 84

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is  
submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
85—226 GI|85

Date : 12-7-1985

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE-II AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009 the 16th July 1985

Ref. No. P. R. No. 3666[Acq.23]II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Land at Tarsali-Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Baroda on Dcc. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Padmaben Rasiklal Amin and  
 Kiritbhai  
 Rasiklal Amin  
 Millan Socy  
 Race Course  
 Baroda

(2) Shri Paresh  
 Chhotalal Patel  
 Chairman of  
 Aryabhatt Co. op. Socy.  
 204 Narayan Aptt.  
 behind Kothi Kacheri  
 Baroda.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

A sale deed has been regd. by S. R. Baroda for an amt. of Rs. 4,08,675 in respect of Land at Tarsali-Baroda.

G. K. PANDYA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II,  
 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 16-7-1985

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE AHMEDABAD**

Ahmedabad-380009 the 16th July 1985

Ref. No. P. R. No. 36667/Acq-23/H/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
No. Land at Manjalpur Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer  
at Broda on Dec. 84  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kapilaben  
Jayantilal  
C/o Shri Harshadbhai  
Rasiklal Parikh  
Chairman of Mukti  
Co. op. H. Socy.  
21-Vithalbag Socy.  
Majalpur-Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Harshadbhai  
Rasiklal Patel  
Chairman of Muktidham  
Co. op. Socy.  
21-Vithalbag Socy  
Majalpur-Baroda

(Transferee)

**Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A sale deed has been regd. by S. R. Baroda for an amt.  
of Rs. 2,00,000/- in respect of land adm. 1115 sq. mtr. bear-  
S. No. 92 of Majalpur-Baroda.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3668 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 5-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rakesh Ramanlal Shah,  
27, Patel Colony,  
Nr. Krishna Talkies,  
Baroda.

(Transferor)

(2) Kailashchandra Ramchandra Saiyan,  
Kothi Kewa Belan Gunj,  
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 1,11,111/- in respect of land adm. 345.62 sq. mtr. bearing S. No. 155/1, 167 of Jetalpur, Baroda.

G. P. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
Seal .

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Makhanbhai Tulsibhai Bhakta,  
Power of Attorney Holder,  
of Shri Chhotubhai Gopalji,  
Asundar Tal, Navsari,  
District Navsari.

(Transferor)

(2) Sarojben Kirikumar Shah,  
21, Charotar Socy.  
Old Padra Road, Akota,  
Baroda.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3669 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Akota, Charotar Socy. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 3-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 56,782 in respect of Land adm. 201.9 sq. mtr. Plot No. 21-B of Charotar Socy., Baroda.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 16-7-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3670 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Akota

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda in December, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Jayprabha Bipinbhai Patel,  
Pratapganj, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Vikram Kapoor Hari Ratan Kapoor,  
93, Kunj Socy.,  
Nr. Alkapuri Socy., Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 2,15,000 in respect of land with construction work upto plinth level at Akota Baroda.

G. P. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1985

Ref. No. P.A. No. 3671 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land adm. 1442 sq. mtr. of S. No. 287 of Akota, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferee (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Jashbhai Dahyabhai Patel,  
Shri Jashbhai Punjabhai Patel,  
10, Ashapuri Co-op. H. Socy.,  
Akota, Baroda.

(2) Shri Bhikhabhai Jagjivandas Thakkar,  
Organiser of Sangita Co-op. H. Socy.,  
Opp. Foot Ball Ground, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda or an amt. of Rs. 2,79,290/- in respect of land adm. 1442 sq. mtr. bearing S. No. 287 of Akota Baroda.

G. P. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS —

(1) Shri Purshottamdas B. Shah,  
20, Krishnakunj Socy.,  
Behind Shiv Mahal,  
Jetalpur Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD-380 009

(2) Shri Govindlal Mohanlal Shah,  
Regional Manager of  
Oriental Insurance Co. Ltd.,  
Divisional Office at Fateganj,  
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. P.R. No. 3672 Acq.23/H/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Akota (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 29-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 2,85,000/- in respect of land adm. 205 sq. mtr. of Akota Baroda.

G. P. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
Seal :

## FORM LTNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th July 1985

Ref. No. P.A. No. 3673 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land, Bldg. at Akota, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 29-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Thakorbhaji V. Amin,  
3 Deep Mangal Socy.,  
Race Course Circle,  
Baroda

(Transferor)

(2) Shri S. K. Nagpal,  
Financial Controller,  
of Hindustan Brown Boveri Ltd.,  
Race Course Circle, Baroda.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 16,58,000 in respect of land and bldg. at Akota, Baroda,

G. P. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ah

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
86—226 GI|85

Date : 16-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Jashwantlal Manilal Kothari,  
Menul Socy., Subnanpura, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3674 Acq.23/JI/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000 and bearing No.

Land at Baroda

(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer  
at Baroda in December, 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of—

- (1) Chairman of J.M.K. Aptt. Co-op. H. Socy.,  
Neelam Aptt. Sampatrao Colony,  
Alkapuri, Baroda.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of  
Rs. 2,16,900 in respect of land at Gorwa, Baroda,

LAXMAN DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 17-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING  
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3675 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property at Ram Chamber Block No. 307 Sayajiganj R. C. Dutt Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 31-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri J. N. Gandhi,  
Ram Chamber,  
Opp. Circuit House,  
Alkapuri, Baroda.

(2) Rukshmaniben Chhataram Harjani,  
Opp. Circuit House, Alkapuri,  
R. C. Dutt Road, Baroda.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt. of Rs. 1,05,000/- in respect of bldg. of block No. 307 of Ram Chamber situated at Alkapuri Baroda. The measurement is 710 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3676 Acq 23/H/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Lakhwad Pati Nadiad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 27-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Smt. Kamlaiben wd/o Thakor Dabhai Mangalbhai,  
2. Mohanbai Dabhai Thakor & Ors.,  
Nr. Civil Hospital,  
Nadiad, District Kaira.

(Transferee)

(2) Shri Ramesh Ranjitsingh Brob,  
Chairman of Yograj Co-op. H. Socy.,  
Ramkrushna Socy.,  
Nadiad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Nadiad at No. 4264 in respect of land adm. 5362 sq. mtr. bearing S. No. 1008 of Lakhwad Pati Nadiad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3677 Acq.23/H/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land and Bldg. at Chakiashi, Nadiad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 14-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Manjulaben Nandubhai Parekh,  
Virsad Apnav,  
Tal. Borsad, District Kaira.

(Transferor)

(2) Shri Upendra Manilal Shah and  
Naynaben Upendra Shah,  
Sinkhusbi Pole, Nadiad.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property**  
may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (7 of 1957);

### THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Nadiad at No. 4167 for an amt. of Rs. 2,20,000 in respect of land adm. 327 sq. mtr. with bldg. at Chaikashi, Nadiad.

LAXMAN DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 22-7-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Solomon Morarji Makwana & Ors.,  
Adarsh Socy., Nadiad District Kaira.  
(Transferor)

(2) Shri Kantibhai Ganeshbhai Makwana,  
Chairman of Jayprabhu Co-op. H. Socy.,  
Bhatrubhav Socy., Nadiad.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3678 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Kakarad Nadiad  
(and more fully described in the schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 11-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been regd. by S.R. Nadiad at S. No. 3026 for an amt. of Rs. 2,02, 021/- in respect of land at Kakarkhad Nadiad adm. 113.31 sq. mtr. bearing No. 2956 & 2966|2.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3679 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Lakhavadi Pati, Santram Road, Nadiad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 11-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Vinuthai Parshottamdas,  
holding Power of Attorney of  
Kashiben Wd/o Manibhai Hathibhai Patel.  
Samdi Chakla, Nadiad.

(Transferor)

(2) Bharat Thakorhai Chokshi  
Partner of Glob Cinema  
C/o Vinuthai Parshottamdas  
Samdi Chakla-Nadiad District K. A. (Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Nadiad at S. No. 3128 for an amt. of Rs. 3.00.000/- in respect of land and bldg. at Lakhavadi Pati, Nadiad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :—

Date : 22-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3680/Acq. 23/U/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Kanjari situated at Tal. Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Sh. Immamiya Sarkumiya Meek & Others, guardian of Minor Allauddin Sarkumiya & Ors. Kanjari Tal. Nadiad, Dist : Kaira. (Transferor)
- (2) Sh. Manibhai Zaverbhai Patel & Gopalbhai Manibhai Patel & Ors. Boriavi, Tal. Anand. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Nadiad at No. 3475 for an amt. of Rs. 3,00,000/- in respect of land adm. 143.65 sq. mtr. bearing S. No. 201, 202 and 203 of Nadiad Dist: Kaira.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 22.7.1985  
Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3681/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Borsad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Borsad on 13-12-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Sh. Jivabhai Talsibhai Patel  
& Ramebhai Jivabhai Patel,  
50—Kunj Socy. Baroda.

(Transferor)

(1) 1. Sh. Jayantilal F. Bhavsar Partner of  
Rajesh Tobacco.  
2. Sh. Babubhai Nathabhai Patel  
Partner of Shah Tobacco  
Navrang Socy. Borsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Borsad at No. 6575  
in respect of land adm. 1131 sq. mtr. 1284 sq. mtr. and  
bldg. with built up area of 887.724 sq. yd. bearing S. No.  
465 & 466 of Borsad.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—  
87-226 GI/85

Date : 22-7-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Galaji Ugraaji Thakor  
Thakorwas, Kalol  
Dist: Mehsana.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3682/Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA  
being the Competent Authority under Section 269D of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Kalol  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at Kalol  
on 15-12-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

**THE SCHEDULE**

A sale deed has been regd. by S.R. Kalol at No. 1847 for  
an amt. of Rs. 3,07,746 in respect of land adm. 3755 sq.  
mtr. bearing S. No. 939/1 of Kalol Dist : Mehsana.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 22-7-1985

Seal :

## FORM ITN8

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3683 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.  
1,00,000/- and bearing No.

Land at Rajpur Tal. Kadi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at Kadi  
on 20-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(1) Sh. Mahendra Ambalal Patel  
Promotor of Sh. Mahendra Opticals Ltd.  
(Proposed)—  
Avantika Koba—Gandhinagar—Dist:  
Gandhinagar.

(Transferee)

(2) Sh. Mohammadmiya Lalamiya—  
Rajpur  
Tal. Kadi Dist: Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Kadi at No. 2067 for  
an amt. of Rs. 3,18,083 in respect of land adm. 37822 sq.  
mtr. bearing S. No. 1525|1 of Rajpur Tal. Kadi.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

Date : 22-7-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3684 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I,  
**G. K. PANDYA**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 N.A. Land at Kadi Dist: Mehsana,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
 1908) in the office of the registering officer at Kadi  
 on 29-12-84  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

- (1) Shantagauri Jaydevshankar Thakar & Ors.  
 Kadi Tal. Kadi Dist: Mehsana.  
 (Transferor)
- (2) Dilip D. Bhutani—  
 Partner of  
 Sh. Sajjan Synthetics Industries  
 Haribhai Market—Cross Lane—  
 Ahmedabad.  
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for by S.R. Kadi for an amt.  
 of Rs. 2,00,000 in respect of land adm. 69-62-68 sq. mtr.  
 situated at Kadi bearing S. No. 215.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957):

G. K. PANDYA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely :—

Date : 22-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3685 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. L. 2065 at Surat Textile Market—Ring Road—Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 20-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. R. L. Traders  
Partner Ramsing Sunderdas Bajaj & Ors.  
C-8-14, Model Town—Delhi.  
(Transferor)
- (2) Dineshkumar Atma Prakash  
Flat No. 1 Sagar Co-op. Hsg. Socy.  
Timaliavad—Nanpura—Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat.  
The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10768 Date 20-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS —

(1) Ashok Kumar Mohanlal—  
Main Road—Kot-Safil Road,  
Surat.

(Transferor)

(2) Rehana Silk Fabrics  
C/o Sarita banu Haji Kadar Chandi  
Sonivad, Rani Talav, Suret.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3686 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. F. 3030 at Surat Textile Market—Ring Road—  
Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at  
Surat on 29-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10785 date  
29-12-1985.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Date : 22-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3687 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Shop No. E. 1318 at Surat Textile Market—  
Ring Road—Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of  
1908) in the office of the registering officer at Surat on  
19-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(1) Sutpat Mohardanji & Ors.  
2D Delux Flats—  
Athwa Lines—Surat.

(Transferor)

(2) Mis. Velich and Mithalal & Co.  
Velich and Laxmilal & Ors.  
Newabwadi Begampura—Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**.—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10628 date  
19-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 22-7-1985  
Seal :

## FORM II NO.—

(1) Kundanmal Bhikhamchand Jain  
Trikam Nagar Socy. No. 2  
Bunglow No. A-3—Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3688 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I,  
G. K. PANDYA  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. R. 2100 at Surat Textile Market Ring Road—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 17-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Rachana Enterprise  
Devi Dayal Tabelram Arora  
& Ors. 86, 87, Yogi Kripa Socy.  
Opp: L.B. Cinema—Bhatar Road Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10558 date 17-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1985  
Seal :

## FORM ITN9

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3689 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. B. 2329 at Surat Textile Market Ring Road—Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 15-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Vakharia Trading Co.  
Dalpatram Gulabdas Vakharia & Ors.  
Rustampura Agiyari Mohalol  
Surat.

(Transferor)

(2) Rohitkumar Shantilal Shah  
Parle Point—Athwa Lines,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10537 date 15-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property b) the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
88—226GI|85

Date : 22-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 22nd July 1985

Ref. No. P.R. No. 3690 Acq.23/H/85-86.—Whereas, I,  
**G. K. PANDYA**  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 Land at Majura R.S. No. 658-B-2  
 City Survey Ward Majura—Surat  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on Dec. 84  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Dhangaviben W/o Chimanlal Kalidas  
 2. Mahendra Chimanlal Prajapati  
 3. Indravadan Chimanlal Prajapati  
 4. Bhupendra Chimanlal Prajapati  
 5. Narendra Chimanlal Prajapati  
 Sagarpura—Chogan Sheri—Surat.

(Transferor)

- (2) Swami Ghan Yagnanagar Co-op. Hsg. Socy.  
 At Jamnagar Ghod-dod Road  
 President—Janak Rameshchandra Pachhigar  
 Secretary—Govindabhai Ambalal—  
 Surat.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 9792, 9803, 9804, 9805 &amp; 6788 in Dec. 1984.

**G. K. PANDYA**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Ahmedabad

I now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 22-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Shankardas J. Mangalani  
170-B-Charny Road—  
Bombay.

(Transferor)

(2) Bhagwan N. Balwani  
7 A.C. Kakad Market  
306—Kalbadevi Road—  
Bombay.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 22nd July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. P.R. No. 3691 Acq.23/U/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. N. 9 at Bombay Market—

Umarwada—Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 31-12-84

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat.

The document is regd. at S.R. Surat v/e No. 4241 date 31-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 24-7-1985

Seal :

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3692 Acq. 23/II/85-86.—  
Whereas, I, G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Shop No. Q. 2243  
at Surat Textile Market, Ring Road, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
Surat on 15-12-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) M/s New K. B. Shirish Textile,  
Partner Bipinbhai Naranbhai Patel,  
at Gulam Lala Compound Opp: Station,  
Surat. (Transferor)
- (2) Jindal Silk Mills,  
Partners,  
Shyamsunder Ramkishandas Gupta,  
C/o Q.2243, Surat Textile Market, Ring Road,  
Surat. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd.  
at S.R. Surat vide No. 10535 Dt: 15-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 24-7-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS—

- (1) Ajay Dipak & Co.  
Partner,  
Bharatkumar Khimchand,  
Vada Chauta,  
Surat. (Transferor)
- (2) Bimal Silk Mills,  
Partner,  
Suniyadevi Kushalkumar,  
20-B Adarsh Co-op. Hsg. Socy. Athwa Lines,  
Surat. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. P.R. No. 3693 Acq. 23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 1114

at Surat Textile Market, Ring Road, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
Surat on 7-12-1984

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days, from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd.  
at S.R. Surat vide No. 10303 dt: 7-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 24-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3694 Acq. 23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. K.1286 at Surat Textile Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Jivapal & Sons, Rameshbhai Jivanlal Majidiya & Ors. Mulji Jetha Market, Chandra Lok 3rd Gali, Bombay.

(Transferor)

(2) Mahendra Patel Sanghavi & Ors.  
45, Shanti Niketan Socy.  
Surnil Dairy Road, Surat.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is read at S.R. Surat vide S.R. No. 9306 in Dec. 84.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 24-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3695 Acq. 23/III/85-86.—  
Whereas, I, G. K. PANDYA,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. G.2311

at Surat Textile Market, Ring Road, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
Surat on 10-12-1984for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

- (1) Lalitaben Venilal Nanavati,  
10/42 B. M. Pahita Photo Grapher's Gali,  
Chauta Pool,  
Surat.  
(Transferor)
- (2) Kantilal Uttamrai Daruwala  
Sagarpura, Gayatri Nagar,  
Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective person,  
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. The document is read.  
at S.R. Surat vide No. 10418 dt. 10-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 24-7-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3696 Acq. 23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

Shop No. T.24 at Bombay Market, Umarwada, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
Surat on 31-12-84.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shyam Sunder Saraf & Sons,  
Surat,  
C/o Vlaiben Ramjivan,  
C/o Mulchanddas Narayan & Co.  
Mahidarpura,  
Surat.

(2) Valiben Ramjivan,  
C/o Mulchanddas Narayan & Co.  
Mahidarpura,  
Surat.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd.  
at S.R. Surat vide No. 10798 Dt: 31-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Ahmedabad

Date : 24-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Indo-Progressive Eng. Pvt. Ltd.  
God-dod Road, Athwa Lines,  
Surat.

(Transferor)

(2) Hiralal Gulabchand,  
2147, Textile Market, Ring Road,  
Surat.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II.  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3697 Acq. 23|II|85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable pro-  
perty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Plot No. 69, S. No. 101 to 106, 112 to 116 paiki Plot No. B  
Ind. Plot No. 6, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
Surat on 20-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd.  
at S.R. Surat vide No. 10651 Dt: 20-12-84,

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
89—226GI|85

Date : 24-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3698 Acq. 23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 18, Block No. 23A at Udhana Udyognagar Sahkari Sangh Ltd. Udhana, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 21/12/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Jaivadan Hasmukhlal Patel & Ors.  
Sidhi Sheri, Salabarpura,  
Surat. (Transferor)
- (2) Mulchandai Shakarbhai Amin,  
17, Mia Nagar Socy, Ghod-dod Road,  
Surat. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10688 Dt: 21-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dato : 24-7-1985  
Seal :

## FORM LT.N.3.—

- (1) Jewellers Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd.  
C11, Swati Aptt., Timaliavad, Nandpura,  
Surat. (Transferor)
- (2) Mr. Nitinbhai Jayantilal Mehta,  
11, Vipul Ridge Road,  
Bombay. (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3699 Acq. 23/11/85-86.—  
Whereas, I, G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6A  
at Anjani Towers Nr. Parle Point, Athwa Lincs, Surat  
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
in Oct. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the India Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 24-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Jewellers Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd.  
C/o 1, Swati Aptt. Timalia Wad Nandpura,  
Surat. (Transferor)
- (2) Mrs. Sushilaben Sharadbhai Lakhani,  
V-1-Man Mandir Apt. Timaliavad, Nandpura,  
Surat. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3700 Acq. 23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4C

at Anjani Towers Nr. Parle Point, Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), in Oct. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than thirteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dato : 24-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) Jewellers Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd.  
T.P.S. 5 Fina Plot 101, 102 Nr. Parle Point,  
Athwa Lines, Surat,  
Shri Sudhir S. Chokshi,  
10, Sumangal Aptt. 13 B. G. Kger Mart,  
Bombay-400 006.

(Transferor)

(2) Shri Sudhir Sushil Chokshi &  
J. S. Chokshi,  
10, Sumangal Aptt.  
13, B. G. Kger Marg, Bombay-400 006.

(Transeree)

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3701 Acq. 23|II|85-86.—  
Whereas, I, G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 5B

at Anjani Towers Nr. Parle Point, Athwa Lines, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
in Oct. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION** :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is  
submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 24-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 24th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3702 Acq. 23[II]85-86.—  
 Whereas, I, G. K. PANDYA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
 Land at Gopipura Ward No. 1, Nendor No. 3189[B, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 18-12-84  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Navinchandra Balubhai Zaveri,  
 Nisha Aptt. Gopipura, Kazinu Medan,  
 Surat.

(Transferor)

(2) Ramesh Amarchand Zaveri,  
 President of  
 Matru Ashish Co.op. Hsg. Socy.,  
 Gopipura, Kazinu Madan,  
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II,  
 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 25th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3703 Acq. 23[II]85-86.—  
Whereas, I, G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Athwa Lines, S. No. 47B, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act 1908 (16  
of 1908) in the office of the registering officer at  
Surat on Dec. 84  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Satishchandra Jayantilal Shah,  
Gopipura, Main Road,  
Surat.  
(Transferor)
- (2) Dhirubhai Gulabchand Desai,  
Mabidarpura, Thoba Sheri,  
(President of  
wapna Lek Aptt. Co.op. Hsg. Socy.)  
(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd.  
at S.R. Surat vide No. 2145 Dec. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—  
61—216GI|85

Date : 25-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, 25th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3704 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Athwa Lines-S. No. 1476/B, Surat.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office to the registering officer at Surat on Dec., 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Nitinbhai Ravindra Shastri  
Kala Mehtani Sheri & Ors.  
Sagarpura

(Transferor)

(2) Mansukhbhai Lalbhai  
At Umrakh Tal. Bardoli

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document is regd. at S. R. Surat vide No. 4078  
Date : Dec. 34.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 25-7-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. J. M. C. & Meghani Builders,  
223/225-Zaveri Bazar,  
Bombay 400 002

(Transferor)

(2) Priyavadan Dalal &  
Kekul, P. Dalal  
'Asha' Flat 31,  
23, Dungarshi Road, Bombay.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3705/II/Acq. 23.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 517 in Diamond House Station Road Surat, and Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned.

on Oct., 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 25-7-1985.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) M/s. J. M. C. & Meghani Builders--  
223/225-Zaveri Bazar, Bombay

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 25th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3706 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 518 in Diamond House Station, Road, Surat and Form No. 37EE is submitted has been transferred under the Registration Act 1908 (16 in the office of the undersigned in Oct., 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Satish C. Shah & Ors.  
114-Kewal Industrial Estate  
Senapati Bapat Marg,  
Lower Parel-Bombay-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Oct. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 25-7-1985,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Bombay, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3707Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Varachha Road R. S. No. 361-1 and Kataragam S. No. 334 to 342 Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Dahyabhai Kanjibhai Thakarshibhai Karamshibhai B-7 Ganesh Colony Lambe Hanuman Road Surat. (Transferor)  
 (2) M/s. Keshri Export-Partner Valjibhai Patel 60-Guru Nagar Socy. Varachha Road, Surat (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.  
 (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat vice No. 8586 in Dec. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-7-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDBRICK HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3708.Acq.23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Pandesara G.D.O., Building No. S. No. 26 Nakki Plot No. 206/1-Pandesara 334/1A, Taluka: Surat.  
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

Surat on December 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) M/s Yoganad Textiles  
Road No. 4-Plot No. A/5/7  
Udhan Udyog Nagar,  
Surat.

(Transferor)

(2) M/s. Sisim Udyog Private Ltd.  
Begamwadi Salabatpura,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10289 Dt. 5-12-84.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-7-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bhavani Prasad

S. Agarwal

602, Rishirai Aptt. Diwali Bagh  
Surat.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

(2) Mohmed Ismail Abdulrahim Rohni &amp; Ors.

2427/A, 12/A Dara Rahat

Nr. Mission School, Mugli Sara, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3709 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. at Surat Adm. 850 sq. ft. Ground Floor Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Surat on December 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

(a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 26-7-1985.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kusumben Kantilal Jagaria  
Balaji Road,  
Surat.

(Transferor)

(2) M/s Shiru James  
41, Shantiniketan Socy.  
Sumul Dairy Road, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabatd, the 26th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3710 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Balaji Road Wd No. 9 Nondhi No. 1343 Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bombay on 27-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10220 dated 3-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 26-7-1985.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II.  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3711 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 46 paiki Land at Bholay Tal. Distt. Bharuch, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bharuch on 14-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Panalal Trikamal Shah  
Yogesh Ramlal Shah  
Vanak Por Tal. Zagadia Distt. Bharuch.  
(Transferor)

(2) M/s. Gita Kunji Co. op. Hsg. Socy. Ltd.  
President :—  
Ramanlal Ishwardas Patel  
Narmada Nagar  
Bholay Tal. Bharuch.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

The document is regd. at S.R. Bharuch vide No. 1976, 1979 & 1980 Dec. 84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 29-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3712 Acq. 23/II/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Varachha Road Nevagam Sim R.S. No. 21 Sadhana Co. op. Hsg. Socy. Bunglow No. 68-Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat, on 3-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Haribhai Narsibhai  
C/o Bairag Quari  
Village Kadvari Tal. Zagadia  
Distt. Bharuch

(Transferor)

(2) Mithabhai Jivrajbhai Divora & Ors.  
68, Sadhana Socy. Varnchha Road,  
Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 4968 Date 3-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad  
Ahmedabad

Date 29-7-1985.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) H. C. Sijuwala & Ors.  
Surat

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) H. C. Sijuwala & Co. & Ors.  
C/o Nanavat Sijawala & Co.  
11-A Modi Street, Bombay

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3713 Acq. 23/H/85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 1508, 1509, 1510 at Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 26-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 10720 Date 26-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

91--226GI|85

Date : 29-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Jayantilal Chhaganlal Shah,  
Soni Vadi Billimora

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, FLANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3714 Acc. 23/II/85 86. -Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C. S. No. 1700 (aka No. 8, 4 Municipality No. 5312 Billimora, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandevi on 5-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(2) Subhashchandra Radheksan Gupta  
Gupta Hospital,  
Billimora

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The document was regd. at S. Gandevi vide No. 938  
17-12-84.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Miss Manjulaben  
D/o Nasibai Nahubhai  
A. H. S. Tal. Kamrej

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3715 Acq. 23(H)85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Kasimda Tal. Kunraj Block No. 321 S. No. 286 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kamrej on 15-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Dharmendrasinh Narasinh Gohil  
& Ors. at Manglo  
Tal. Choryasi Distt. Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Kamrej vide No. 1426 Date : 15-12-1984.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Suman rai Bhanabhai Desai  
Abrama Tal. Valsod.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dhruvkumar Lallubhai Desai & Ors.  
Abkrama Tal, Valsad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3716 Acq. 23|II|85-86.—  
 Whereas, I, G. K. PANDYA,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 S. No. 160|1, 161|3, 161|4, 162|3, 162|4 Land at Abrama  
 Tal. Valsad  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred  
 under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
 of the registering officer at  
 Surat in Dec. 1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason  
 to believe that the fair market value of the property  
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act,  
 1957 (27 of 1957);

The document is regd. at Valsad vide S.R. No. 4049  
 Dec. 84.

G. K. PANDYA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-II,  
 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
 following persons, namely :—

Date : 29-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3717 Acq. 23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing

Land at Akota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
of the registering officer at

Baroda on 18-12-84

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Lilaben Maganbhai Chauhan  
C/o M/s Patel Traders—15 Parshram Socy.  
Subhanpura-Baroda.  
2. Shri Chandrakant Ambalal Amin Post Vsata  
Dist : Baroda.  
3. Shri Pravinbhai Hiralal Patel—  
Post : Kamrol Dist : Baroda.

(Transferor)

- (2) B. D. Desai Premises Officer of  
State Bank of India,  
State Bank of India Bldg. Bhadra,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 60 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda for an amt.  
of Rs. 9,50,000 in respect of land at Akota Baroda.  
Ahmedabad

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 29-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3718/Acq. 23/II/85-86.—  
Whereas, I, G. K. PANDYA,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.  
2nd floor of Suraj Plaza Bldg. No. 2 Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office  
of the registering officer at  
37EE in Dec. 1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) M/s Narayan Construction Co.  
Suraj Plaza Maganwadi—  
Sayajiganj-Baroda.

(Transferor)

(2) Shri G. M. Jhala  
Managing Director—  
Indian Dairy Corporation  
Darpan R.C. Dutt Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

A form No. 37EE to the effect of an agreement for an  
amt. of Rs. 30,45,500 has been recd. in the month of Dec.  
1984. The agreement is in respect of 2nd floor of Suraj  
Plaza No. II Suraj Plaza, Baroda.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferees for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 29-7-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagdishchandra Ratanlal Soni etc.  
12, Soni Vado—Patan Dist : Mehsana.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3719 Acq. 23/II/85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Patan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patan in Dtc. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri Rajnikant Champaklal Soni  
Chairman of Geetanjali Co-op. H. Socy.  
Sidhpur Char Rasta—Patan Dist : Mehsana  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

A sale deed has been regd. by S.R. Patan at No. 2551 for an amt. of Rs. 3,25,000/- in respect of land adm. 6374 sq. mtr. bearing S. No. 257 of Patan.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3720 Acq. 23[II]85-86.—

Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land at Patan  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Palanpur in Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Nawab Shri Lohani Iqbalkhan  
Talemkhan Saheb—Vind near  
Kant Fared—Colaba Bombay.  
(Transferor)

(2) Shri Hiralal Nathalal Shah—  
Mansukh Niwas—Khetwadi Bank Road  
Bombay.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A sale deed has been regd. by S.R. Palanpur for an amt. of Rs. 4,00,000 in respect of land adm. 37289 sq. mtr. at Palanpur.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-7-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mohanbhai Shankarbhai Patel  
Jal Chowk—Patan  
Dist : Mehsana.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th July 1985

Ref. No. P.R. No. 3721 Acq. 23/H/85-86.—  
Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and Building No. Land at Gungadi Pati-Patan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Patan on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Yusuf Noormohmad Nandolia & Ors.  
behind Poly Technic College,  
Patan—Dist : Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Patan for an amt. of Rs. 7,00,000/- in respect of land adm. 8092 sq. mtr. situated at Patan Dist : Mehsana.

G. K. PANDYA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
92—226GI/85

Date : 26-7-1985

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 26th June 1985

No. D|R-116|84-85|37EE.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Matriz No. 511 S. No. 85/2 situated at Morombi-O-Pequeno Village, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Loximona Mukund Porobo Colvalkar,  
2. Smt. Savitribai Kolwalcar,  
Block No. C-2, Adarsh Colony,  
Caranalem-Panaji-Goa.  
3. Sri Usno Mukund Porobo Kolvalcar,  
4. Smt. Kumudini Usno Porobo Kolvalcar,  
5. Smt. Xantabai Balkrishna Porobo Kolvalcar  
6. Sri Vinayak Balkrishna Porobo Kolvalcar,  
(No. 5 & 6 Power of Attorney given to Kum.  
Vassanti Balkrishna Porobo Kolvalcar), Rua  
Cunha Gonsalves, Panaji-Goa.  
7. Sri Purxottam Mukund Porobo Kolvalcar,  
8. Smt. Kranti P. Colvalcar,  
House No. 156, Opp : Don Bosco High School,  
Panaji, Goa.

(Transferor)

- (2) Shri Rajendra Shripad Lawande,  
Shree Krishna Building,  
Vasco-Da-Gama.

(Transferee)

- (3) Transferee. (Person in occupation of the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. D|R-62|Dec., 1984 dated 5-12-84]

Agri. property known as "Cussodo Agor", Matriz No. 511, S. No. 85/2, Morombi-O-Pequeno, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-6-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Devdatta Shirodkar,  
Mrs. Vijayalaxmi Shirodkar,  
C/o M/s. D. P. Shirodkar,  
Alfonso Albuquerque Road,  
Panaji-Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Vagator Beach Resort Pvt. Ltd.,  
5, Municipal Industrial Estate,  
Opp : E. Moses Road,  
Worli, Bombay.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 26th June 1985

No. D/R-62/84-85/37EE.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. Nos. 353 & 356 situated at Chapora, Anjuna Village, Bardez Goa (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

[Registered Document No. D/R-62/Dec., 1984 dated 5-12-1984]

Agrl. property known as "Tambudquin" S. Nos. 353 &amp; 356, Chapora, Anjuna Village, Bardez-Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-7-85

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 2nd July 1985

C.R. No. 62/42834/84-85/ACQ/B.—

Whereas, I R BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

RS 186-2, TS No. 29-2, situated at Attavar village, Milagres Ward of Mangalore city.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mangalore on 11-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Umesh B. Sanil,  
Kum-Kum, III floor,  
Flat No. 32, 17th Road,  
R. C. Marg, Chembur, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Kenzia Mohd. Hams,  
Businessman,  
J. M. Road, Bunder, Mangalore.

(Transferee)

(3) Transferor.  
(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 1410/84-85 dated 11-12-84]

Property situated in Attavar village, Milagres ward of Mangalore city, Apartment No. 102, 1st floor of Kotecha Cottage building in TS No. 29-2, RS No. 186-2, North Eastern Portion—285 sq. mts.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

Date : 26-6-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd July 1985

C.R. No. 62/45840/84-85/ACQ[B.—  
 Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 76 (S. No. 139/2B) situated at Badagabettu village, Udupi Tq. D.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Udupi on 20-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimathi K. Laxmi Bai  
w/o Radhakrishna Rao, U.,  
No. 76, Badagabettu village,  
Udupi Taluk, D.K.

(Transferor)

(2) Shri Edwin Clement Henry,  
Kinnimulky of Kidiyoor,  
Village of Udupi Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1525/84-85 dated 20-12-1984]  
 Property situated in No. 76 (S. No. 139/2B), Badagabettu village, Udupi Taluk, D.K.

R. BHARDWAJ  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 2-7-1985  
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd July 1985

C.R. No. 62/45830/84-85/ACQ/B.

Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

RS. 469, TS. No. 308-2C1, situated at Kodailbail village, Mangalore Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mangalore on 3-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Dr. Prakash S. Shetty,  
repd. by Mr. K. Sarvothama Shetty,  
Advocate, Kodailbail, Mangalore-3.  
(B-4, Staff Quarters, S.J.M.C. Campus, Bangalore)  
(Transferor)
- (2) Shri N. Ramachandra Bhat,  
Mithabare of Kairangala Village,  
P.O. Kurnool, Bantwal Taluk, S.K.  
(Transferee)
- (3) Self.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

[Registered Document No. 1371/84-85 dated 3-12-84]  
Property bearing No. RS. 469, TS. No. 308—2C1, Kodailbail village, Mar galore Tq.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati Durdema Nair  
"Chitrakoot" Defence Services Staff College,  
Wellington.

(Transferor)

(2) M/s. Spring Borewells Co. Pvt. Ltd.  
K. G. Road, Bangalore-9.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th July 1985

C.R. No. 62/45371/84-85/ACQ/B.—  
Whereas, I R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 41 situated at Cubban Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Shivajinagar under document No. 2651/84-85 on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 2651/84-85 dated 7-12-84]  
All that property bearing No. 41 (1/3rd portion) situated at Cubban Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Barkat Masih Gill,  
No. 1/3, "Tiger Hill",  
Coonoor (Tamil Nadu).

(Transferor)

(2) M/s. Spring Borewells Co. Pvt. Ltd.,  
Chamber of Commerce Building,  
K. G. Road, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th July 1985

C.R. No. 62/45372/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a Fair Market Value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

41, situated at Cubbon Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 2652/84-85 on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 2652/84-85 Dated 7-12-84)

All that property bearing No. 41 situated at Cubbon Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 16-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Ghazala Karumbaya,  
No. 41, Cubbon Road,  
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) M/s. Spring Borewells Co.,  
(Pvt.) Ltd., Chamber of Commerce  
Building, K. G. Road,  
Bangalore-9.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th July 1985

C.R. No. 62[45373]84-85]ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 41, situated at Cubbon Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 2653/84-85 on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2653/84-85 Dated 7-12-84)  
All that property bearing No. 41 (1/3rd portion) situated at Cubbon Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
93—226GI|85

Date : 16-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Tehmina Barker,  
No. 41, Cubbon Road,  
Bangalore-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Spring Borewells Co.,  
(Pvt.) Ltd., Chamber of Commerce  
Building, K. G. Road,  
Bangalore-9.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th July 1985

C.R. No. 62/45374/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 41, situated at Cubbon Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 2634/84-85 on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 2654/84-85. Dated 7-12-84). All that property bearing No. 41 (1/3rd portion) situated at Cubbon Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :

Date : 16-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th July 1985

C.R. No. 62[45479]84-85[ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 453, situated at HAL III Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 2638/84-85 on 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. D. Gajendra Rao,  
1040, V Block, Rajajinagar,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri M. Sendamarai,  
No. 50, N. P. Line, Cottonpet,  
Bangalore-500053.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 2638/84-85 Dated 7-12-84)

All that property bearing No. 453, situated at HAL III Stage, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001**

Bangalore-560001, the 16th July 1985

C.R. No. 62/46227/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

885, situated at HAL II stage, Indiranagar, Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 3555/84-85 on 3-12-1984 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri M. R. Rangaswamy,  
No. 885, 11th Main,  
HAL II Stage, Indiranagar,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Joseph Stanislaws,  
Mrs. Floramma Stanislaws,  
No. 656, 100 ft. Road, Indiranagar,  
Bangalore-38.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 3555/84-85

Dated 3-12-84)

All that property bearing No. 885 situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore-38.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 15th July 1985

C.R. No. 62/46215/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 593, situated II phase Sarappi Layout, Bangalore South Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore, South Taluk under Document No. 5690/84-85 on 13-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri G. Narayana Murthy,  
No. 526, III Cross, 2nd Block,  
Banashankari I Stage,  
Bangalore-50.

(Transferor)

(2) Sakkubai W/o K. Damodar,  
No. 1021, 27th A Main,  
9th Block, Jayanagar,  
Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Registered Document No. 5690/84-85 Dated 13-12-84)

All that property bearing No. 593 situated at II Phase, Sarakki Layout Bangalore South Taluk.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62/45366/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. T-7 situated at Margao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Salcete, Goa under Document No. 2742/dated 7-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mr. Assuncao Teodosio Serafina Fernandes Alias A.T.S. Fernandes and his wife  
 2. Mrs. Ephifanio Byriduke Fernandes R/o Valim represented by their P.A. holder Shri Escolastico Mazarelo.  
 3. M/s. Mazareloos Enterprises, Velim, Salcete, Goa.
- (Transferor)
- (2) 1. Mr. Inacio Jacob Fernandes and his brother.  
 2. Shri Joao Conceicao Fernandes, Represented his legal guardian Mr. Joao Lourenco Fernandes, Sernabetim, Salcete, Goa.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2742

Dated 7-12-1984)

This is a flat bearing No. 7 known as Mayfair Apartment situated at Margao Goa within the municipal area. Its measuring 91.20 sq. metres.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Rekha Anilkumar & Another,  
30A, 8th A Main Road,  
Rajmahal Vilas Extension,  
Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri V. M. Karachiwala,  
23, Aga Abbas Ali Road,  
Bangalore-42.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 16th July 1985

C.R. No. 62|Notice No. 955|85-86|ACQ|B.—Whereas, J. R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

11, situated at Ulsoor Road, Bangalore has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 2255/84-85 on Dec. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2755/84-85 Dated Dec. 1984)  
All that property bearing No. 11, situated at Ulsoor Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-7-1985  
Seal .

## FORM ITNS

(1) Mr. Mohd. Osmen Khan,  
 (2) S/o Mr. M. Khan,  
 R/o Munispura, Gulbarga.

(Transferor)

(2) Mrs. Laxmibai  
 W/o Manikappa Bayagi,  
 H. No. 7-5-28, Asif Ganj, Gulbarga.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/1075/DWR/84-85/Acq./B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. No. 7-5-28 (Old), New 8-1335 situated at Nehru Gunj, Gulbarga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Gulbarga under Document No. 2309/84-85 on 20-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 2309/84-85 Dated 20-12-1984)  
 House No. 7-5-28 (Godown) measuring plot area-1510 sq. ft. and Plinths are 1510 sq. ft.) Nehru Gunj, Gulbarga.

R. BHARDWAJ  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

- (1) D. K. Gurunath Rao,  
IVth Cross, Jayanagar, Bangalore.  
(Transferor)
- (2) Dr. Sadasiva Bhat,  
Opp. H. R. G. Oil Industries Office,  
Nehru Colony, Horpet-580 001.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/1051/DWR/84-85/Acq.I.B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 15/190 situated at Nehru Colony, Horpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Horpet under Document No. 1208/84-85 on 11-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 1208/84-85 Dated 11-12-1984)  
Property R.C.C. House measuring 1200 sq. ft. along with a site measuring 4675 sq. ft. bearing Door No. 15/190, Nehru Colony, Horpet.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
94—226GI/85

Date : 30-7-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/1115/DWR/84-85/Acq.|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 44194 situated at Miranda Road, Margao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Salcete Goa under Document No. 2732/84-85 on 6-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mr. Assunsao Teodotio Serafino Fernandes alias A. T. S. Fernandes and his wife Mrs. Ephifania Euridy Fernandes and M/s Mazarelos Enterprises, Margao. (Transferor)
- (2) Mrs. Maizie Vaz, Flat No. T. 5, Mayfair Apts., Margao, Goa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2732/84-85 Dated 6-12-84)  
Flat No. T. 5, Third floor of Mayfair Apartment, Miranda Road, Margao, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 30-7-1985  
Seal ;

## FORM ITNS—

(1) Mr. Janardan Mangesh Desai Kalangutkar and his wife Mrs. Minaxi J. Desai Kalangutkar, R/o Chorao, Tiswadi (Ilhas),  
Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Kamat & Kamat Construction Company,  
B-2 Janta Quarters,  
Alankar Cinema, Mapusa, Bardez,  
Goa.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/1124/DWR/84-85/Acq./B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 22042 situated at Pilerne Village, Bardez Taluk Ilhas, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ilhas Goa under Document No. 964/204/84-85 on 10-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 964/204/84-85 Dated 10-12-84)

All that property known as "Predio de Aframun o Oiteral denominado o do fondo" Pilerne Village, Bardez, Ilhas, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62[1119]8WR/84-85/Acq.B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. F-1 situated at Margao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Salcete, Goa under Document No. 2743], 4-85 on 14-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Assunsao Teodosio Serafino Fernandes and his wife Mrs. Ephifania Euridyke Fernandes, Reptd. by Mr. Escolastico Hazarelo and M/s. Mazarelos Enterprises, Margao (Transferor)

(2) Mrs. Enid Pedrinha D'Corta, Velim, Tolecanto, Salcete, Goa.

(Transferee)

*Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—*

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 2743[84-85 Dated 14-12-1984)  
Flat No. F. 1 'Mayfair Apartments' Margao, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/1122/84-85/Acq.I/B.—Whereas, I,  
I. R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
S. 350, situated Mauora of village of Raia, Salcete Taluka,  
District of Goa  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908), in the Office of the Registering Officer  
at Salcete, Goa Doc. No. 2810/84-85 on 29-12-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (1) Tito Filomeno Aurelio da Piedade Andrade e  
Meueres or Tito Filomeno Jose Dilipe Meueres  
alias Tito Meueres and his wife Mrs. Ezilda Maria  
Malvina Meueres, both residing at London,  
(Transferor)  
(2) M/s. Karpe Real Estates,  
Karpa House, I Sidorio,  
Baptista Road, Margao.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;  
  
(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2810/84-85 Dated 29-12-1984)

Property known as Dancalichem Bhat or Vrcl. admeasuring  
an area of 31,950 sq. mtrs. situated at Mauora of village  
of Raia, Salcete Taluka and District of Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

Date : 30-7-1985  
Deal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Jeevan B. Kulkarni,  
Mr. Ashok,  
Mr. Vilas,  
Kolhapur, Belgaum.

(Transferor)

(2) The Chairman,  
Samartha Co-op. Housing Society,  
Hindalga Village, Belgaum.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62[1104]DWR[84-85]ACQ[B].—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R.S. No. 196[1, 196]2 situated at Village Hindalga, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Belgaum under Document No. 3350[84-85] on 20-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3350[84-85] Dated 20-12-84].  
Property No. R.S. No. 196[1, 196]2 situated at Hindalga, Belgaum.

(t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. Jose Minino Jesus Aguiar &  
Mrs. Maria Luiza Casta Aguiar  
Sernabatim, Salcete, Goa.

(Transferor)

(2) Mrs. Marie Antao,  
Nuvem, Salcetto, Goa.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C. R. No. 62/1130/DWR/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, plot No. C-6 situated at St. Mary's Colony, Gaspar Dias, Miramar, Panaji, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Ilhas, Goa under Document No. 1006/211/84-85 Dt. 21-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1006/211/84-85 Dated 21-12-84].  
Flat No. 2 in plot No. C-6 of St. Mary's Colony, Gaspar Dias, Miranar, Panaji, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62/1116/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. F.9, New F.2, situated at I floor, "Mayfair Apartments", Block-A, Margao, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Doc. No. 2741/84-85 on 6-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri A. T. S. Fernandes, Mrs. Ephifania Euridyake Fernandes by GPA, Mr. Escolastico Mararello & M/s. Mararellos Enterprises, Bela Vista Apartments, Margao, Salcete.

(Transferor)

(2) Mrs. Jovila Colaco,  
R/o Veline, Salcete.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2741/84-85 Dated 6-12-84].

Flat No. F.9, new No. F-2, First floor, Mayfair Apartments, Block-A, Margao, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

- (1) 1. Mr. Vithal M. S. Talaulikar;  
 2. Mrs. Usha Vithal Sinai Talaulikar;  
 3. Dr. Pramod N. S. Talaulikar;  
 4. Mrs. Pravasini Pramod S. Talaulikar;  
 5. Mr. Pradeep N. S. Talaulikar &  
 6. Mrs. Anita Praseep S. Talaulikar;  
 All R/o Hira Nahat, Panaji, Goa-403001.  
 (Transferor)

- (2) M/s. Pradeep Co.op. Housing Society Ltd.  
 Tambadi Nasti,  
 Talcigao, Goa.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62/1129/DWR/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 628, plot No. A situated at Ilhas, Panaji, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ilhas Goa under Document No. 1000/84-85 on 29-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1000/84-85 Dated 29-12-84].  
 All that two floored building known as Pradeep Building in Plot 'A' admeasuring 769 sq. mtrs. Ilas, Goa.

R. BHARDWAJ  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-7-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 95—26GI/85

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62/1101/DWR/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,

R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 28 (Survey No.) situated at Village Bath, Tq. Sanguem, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Sangnem, Goa

under Document No. 227/84-85 on 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Maria Helena Saler De Andrade;  
2. Jose Pedro Cactano Sales De Andrade;  
'Shantal' 2nd floor, Abake Faria Road,  
Margao, Goa.

(Transferor)

- (2) 1. Mr. Shantaram Sripad Prabhu Desai;  
2. Mr. Dattaram Narayan Shet Narvenkar;  
3. Damiao Diogo D'Costa;  
4. Agnelo Gaspar Perira;  
5. Shrikant Sonu Bhandari;  
6. Anant Shivram Chiptunkai;  
7. Tulsidas Shivaj Nayak;  
8. Surya Mohadu Velip;  
9. Laxmibai Vithal Kelenkar;  
10. Chandrakanth Laxman Bhandari;  
11. Babu Rao Gaonkar;

All R/o Shelpem, Sanguem, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 227/84-85 dated 1-12-84)  
Agriculture land measuring 206.725 sq. mtrs. bearing Survey No. 28 alias Village Bath, Tq. Sanguem, Goa.R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 30-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62[1113]DWR/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. T.I. (originally 7-12) situated at Mayfair Apartments, Margao, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Salcete Goa under Document No. 2731|84-85 on 5-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mr. Assunrao Teodario Scrafina Fernandes alias A.T.S. Fernandes and his wife Mrs. Ephifania Cudidyke Fernandes Reptd. by Mr. Escolastico Mazarelo and M/s. Mazarelo's Enterprises, reptd. by said Escolastico, R/o Shop No. 4, Bela Vista, Margao, Goa.

(Transferor)

(2) Mr. Vivian Francis D'Costa,  
Scamen, Tolecanto,  
Velim, Salcete, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2731|84-85 Dated 5-12-84].  
Flat No. T-1 (originally T-12) of Mayfair Apartment, Margao, Goa.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Mahadev Amrutappa Nirajakar,  
47, Nichagar Compound,  
Saptapur, Dharwar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

(2) Mr. Ramdas Narayan Kamat,  
State Bank Branch Manager,  
Dharwar.

(Transferee)

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C. R. No. 62|111|DWR|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. No. 59|1A|1A|13 situated at Saptapur Grama, Drawar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Dharwar under Document No. 124 of 84-85 on 13-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 124 of 84-85 dated 1312-84).  
Property R.C.C. Building Survey No. 59|1A|1A|13 situated at Saptapur Grama, Dharwar.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th July 1985

C.R. No. 62|1055|DWR|84-85|ACQ|B|2685.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 130|1 & 130|2B situated at Raghavendra Colony Bengeri Gram, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Hubli under Document No. 1055|84-85 on 10-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri Kanta Rao,  
S/o Mr. Gopal Rao,  
Rajaporhit,  
R/o Deshpande Nagar,  
Hubli.

(Transferor)

(2) Mrs. Sumangala,  
W/o Mr. K. Adishera Rao,  
R/o Kotachur, Udupi Tq. (S.K.)

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1055|84-85 on 10-12-84]

R. S. No. 130|1 & 130|2B situated in Raghavendra Colony, Bengeri Gram, Hubli.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 30-7-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.

(1) Alcaon Real Estates Pvt. Ltd.,  
Velho Building, Panaji-Goa.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anthony Peter Isaac D'Souza &  
Mrs. Janet D'Souza,  
107, Helena Villa, Querrem Cungant,  
Tivim, Bardez, Goa.

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

Ref. No. 621D/R-5/84-85/37EE/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and  
bearing  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. G-3 situated at Candolim  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the Office of the Registering Office at  
Bangalore on 5-12-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
monies or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D/56/Dt., 84 dated 5-12-84]

Flat No. G-3, "Aguada Holiday Homes" Candolim admeasuring about 55.00 Sqms.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-7-85

Seal :

## FORM ITNS

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd.,  
Velho Building, Panaji-Goa.

(Trustees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62[D|R-7|84-85|37EE|8-8|ACQ|B.—  
Whereas, I,

R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 12 situated at "Gardenview Apartments" on "Terreno

Nanagolla" in Margao-Goa.

(and more fully described in the schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the Office of the Registering Office at  
Bangalore on 5-12-1985for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|50|Dec., 84 dated 5-12-84)

Shop No. 12 situated at 'Garden View Apartments' on  
'Terreno Nanagolla' in Margao-Goa, admeasuring 27-19 Sqms.R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, BangaloreNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 10-7-1985

Seal

## FORM JTNS

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd.,  
Velho Building, Panaji, Goa

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Deborah M. D'Mellow,  
'Ave, Maria', Flat No. 1,  
Main Avenue, St. Cruz  
(West), Bombay-400 054.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

Ref. No. 62[D|R-13|84-85|37EE|ACQ|B].—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-4 situated at Aguada Holiday Homes' on property known as 'Issolvaque Madda' in Candolim. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 5-12-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

*Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—*

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|55|Dec., 84 dated 5-12-84)

Flat No. 4-A at 'Aguada Holiday' Homes on property known as 'Issolvaque Madda' in Candolim, admeasuring 55.00 M2.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-85  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62/D/R-84-85/37EE/8-8/ACQ/B.—Whereas, I, R. DHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. D-1 situated at 'Aguada Holiday Homes' Apartments, Candolim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bangalore on 5-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Aicon Real Estates Pvt. Ltd., Velho Building, Panaji, Goa.  
(Transferor)
- (2) (1) Mr. Trevor Fernandes &  
(2) Mrs. Maria Bridget Fernandes,  
C/o Mrs. A. Lobo; H. No. 289 Goncoi,  
Alorna Barde-Goa.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[This instrument No. D/49/Dec., 84 dated 5-12-1984]  
Flat No. D-1, at 'Aguada Holiday Homes' Apartments,  
Candolim, Bangalore 560 001, containing 55.00 Sqms.

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Date : 10-7-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

- (1) Smt. Maria Lucia Viegas,  
Alto de Betim, Bardez-Goa.  
(Transferor)
- (2) Daymco Builders,  
Ground floor, Maganlal Sadan,  
S. V. Road, Panaji-Goa.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62/D/R-27/84-85/37EE/ACQ/B.—  
 Whereas, I, R. BHARADWAJ,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing  
 Plot No. 9 situated at Alto-Betim, Serula Village, Bardez-Goa  
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the Office of the Registering Office at  
 Bangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the  
 fair market value of the aforesaid property and I have  
 reason to believe that the fair market value of the  
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
 therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
 consideration and that the consideration for such transfer  
 as agreed to between the parties has not been truly stated in  
 the said instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
 property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D/77/Dec., 84 dated 5-12-84]  
 Plot No. 9 of the property Jardim at Alto-Betim, Serula  
 Village, Bardez-Goa measuring 945.00 M2.

R. BHARADWAJ  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range,  
 Bangalore

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) or Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date : 10-7-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

- (1) 1. Mr. Sabbestiao Roque De Cunha  
 2. Mrs. Ida Peresrina Da Cunha  
 Power of Attorney Holder—  
 Shri Edmund Joaquim Xavier D'Cunha,  
 Moira, Bardez-Goa.  
 (Transferor)
- (2) M/s. Satta-Adhar Builders,  
 Hill Top Apartments,  
 Alto-Betim-Goa.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
 of 45 days from the date of publication of this  
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
 from the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

C.R. No. 62[D|R-117|84-85|37EE|ACQ|B.—  
 Whereas, I, R. BHARADWAJ,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
 Plot No. 3 & 4 situated at Alto De Porvorim, Ilhas-Goa  
 Bangalore on 5-12-1984  
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the Office of the Registering Office at  
 Bangalore on 5-12-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

## THE SCHEDULE

facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

[Registered document No. D|34|Dec., 84 dated 6-12-84]

Plot No. 3 & 4 of the property known as "Aforamento  
 Uprachem Gallum" Alto de Porvorim, Ilhas-Goa measuring  
 133.50 Sqm.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARADWAJ  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range,  
 Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

Date : 10-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62[D|R-150|84-85|37E|ACQ|B---]  
 Whereas, J. R. BHARADWAJ,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that  
 the immovable property, having a fair market value exceeding  
 Rs. 1,60,000/- and bearing No.  
 Flat No. H-5 situated at 'Aguada Holiday Homes' at Candolim-Goa,  
 Bangalore on 5-12-1984  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
 1908) in the Office of the Registering Office at  
 Bangalore on 5-12-1984  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as  
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

(1) Aleon Real Estates Pvt. Ltd.,  
 Velho Building, Panaji.

(Transferor)

(2) Mrs. Clotilda D'Souza,  
 C/o Mr. X. Fernandes, Arya Samaj Road,  
 Mangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
 property within 45 days from the date of the  
 publication of the notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are  
 defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D-70|Dec., 84 Dated 5-12-84]

Flat No H-5, at 'Aguada Holiday Homes' Apartments,  
 Candolim, admeasuring 55.00 Sqms.

R. BHARADWAJ  
 Competent Authority  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range,  
 Bangalore

Date : 10-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Alcon Real Estates Pvt. Ltd.,  
Velho Building, Panaji-Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62/D/R-151/84-85/37EE/ACQ/B.—

Whereas, I, R. BHARADWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. II-6 situated at 'Aguada Holiday Homes' at Cando-  
lim-Goa admeasuring 55.00 Sqm.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Office at  
Bangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—

(2) Mr. Robert Fernandes &  
Mrs. Olerie Fernandes,  
Chimbal Road, Bandra, Bombay-400 050.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D/69/Dec., 84 dated 5-12-1984]

Flat No. H-6 "Aguada Holiday Homes" at Candolim-Goa  
admeasuring 55.00 M2.

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 10-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Alcon Real Estates Pvt. Ltd.,  
Velho Building, Panaji-Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Clara Carmen Sequeira &  
Mr. Deryk Christopher Sequeira,  
"Sew-View", 35, Shivaji Park,  
Kluskar Road (North),  
Bombay-400 028.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62/D/R-152/84-85/37EE/ACQ/B.—

Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-4 situated at "Aguada Holiday Homes" Apartments on "Issolvaque Madda" Candolim-Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Bangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D-67/Dec., 84 dated 5-12-1984]

Flat No. G-4 at "Aguada Holiday Homes" Apartments on Issolvaque Madda, Candolim-Goa, admeasuring 55.00 M2.  
Date : 10-7-1985

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Issolvaque Madda, Candolim-Goa, admeasuring 55.00 M2.  
Acquisition Range,  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Alcon Real Estates Pvt. Ltd.  
Velho Building, Panjim, Goa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. Mary Belgina Paes,  
P.O. Box 1145, Salmiya,  
Kuwait.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62/D/R-153/84-85/37EE/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARADWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing  
Flat No. B|9, situated at "Aguada Holiday Homes"  
on property "Issolvaque Madra" Candolim, Goa  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Bangalore on 5-12-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
sixteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of the notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in the  
Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. D/68/Dec. 84 dated 5-12-1984)

Flat No. B|9 at "Aguada Holiday Homes" on property  
'Issolvaque Madra' at Condolim, Goa, admeasuring 55.00M2.

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-7-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62/D/R-154/84-85/37EE/ACQ/B.—Whereas, I,  
**R. BHARADWAJ**  
 Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Matriz No. 1371 situated at Caetano de Albuquerque Road, Panaji (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 22.12.1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mr. Reginaldo dos Remedios,  
C/o Mr. Pascoal Menezes,  
Altinho, Panaji, Goa-403 001.  
2. Mr. Mario Paulo Jude dos Remedios,  
Manuel Ferreira de Andrade  
Road No. 7, 4th Floor,  
Right Wing, Lisbon, Portugal,  
3. Mrs. Maria India dos Remedios Salvado,  
Architect Continelli Telmo Road,  
S. Pedro do Estoril, Portugal.

(Transferor)

- (2) M/s. Alcon Real Estates,  
Pvt. Ltd., Velho Building,  
Panaji, Goa-403 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. D/84/Dc. 84 dated 22-12-84)

House Property Matriz No. 1371 at Caetano de Albuquerque Road, Panaji.

**R. BHARADWAJ**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 10-7-1985

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62[D|R-170]84-85|37EE|ACQ|B.—Whereas, I.  
R. BHARADWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable  
property having fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing No.  
Flat No. 2 situated at Vasco, Goa  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer  
at Bangalore on 8-1-1985  
for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(1) M/s. G. F. Builders,  
No. 4, JAF House,  
Fr. Joseph Vaz Road,  
Vasco-da-Gama.

(2) Mr. & Mrs. Antonio Lucas Fidelia Da  
Costa & Maria Adelina Francisco Alba  
Da Cost., C/o V. M. Salgaonkar & Bros (P).  
Ltd., Admn. Dept., P.B. No: 14, Vasco.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. D|97|Jan., 1985 Dated 8-1-85].  
Flat No. 2 in the 1st Floor "Tropa Dando" at Vasco, Goa  
admeasuring 77.50M2.

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

97—226GI|85

Date : 10-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Roof Man and its partners Magan Bakul Mardolkar and Bakul Mardolkar of Ponda, Goa.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kadha Ramchandra Naik  
Ponda, Goa.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62/D/R-177/84-85/37EE/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3 Marriaz No. 733 S. No. 175 situated at Ponda, Goa, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 8-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) Transferor.  
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. D/103/Jan., 1985 Dated 8-1-1985]

Land known as Bondlache Batta under Flat No. 3 in Marriaz No. 733 & S. No. 175 at Ponda, Goa, admeasuring 75 Sqm.

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore L

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mrs. Alka Mohan Deshpande,  
360/61, Narayanpeth, Laxmi Road,  
Pune-411 030.

(Transferor)

(2) Shri Subraya Shesha Bhat,  
272, Agarkar Road,  
Tilakwadi, Belgaum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62/D/R-230/84-85/37EE/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 488-B S. No. 30 situated at Angol Village of Belgaum Tq. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 5-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D/143/Feb., 1985 Dated 5-2-85]

Plot No. 488-B S. No. 30 at Angol Village of Belgaum Tq. admeasuring 418.06 M<sup>2</sup>.

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 10th July 1985

C.R. No. 62[D|R-233|84-85|37EE|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A/1 of Trupti Apartments in Plot No. 16 situated at New Vaddem, Vasco (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore on 5-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Rukmini Constructions, Shirodkar Building, First Floor, Room No. 4, Vasco-da-Gama.  
(Transferor)

(2) Mr. Arun Prabhakar Kakodkar, Mrs. Seema Arun Kakodkar, C/o New India Assurance Co. Ltd., Above New Bank of India, Vasco-da-Gama.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. D|146|Feb., 1985 Dated 5-2-1985)

Flat No. A/1 of Tirupati Apartments in Plot No. 16 at New Vaddem, Vasco,, admeasuring 68.80 M<sup>2</sup>.

R. BHARADWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1985

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mr. Antonio Jose Oscar Gracias,  
Pajifond,  
Margao-Goa.

(Transferor)

(2) M/s. Orient Builders,  
Redualdo D'Costa Building,  
P.O. Box No. 226,  
Margao-Goa.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560001

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560001, the 10th July 1985

C.R. No. 62[D|R-240|84-85|37EE]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Matriz No. 2689, S. No. 42 situated at Margao-Goa and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 6-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. D|152|Feb., 85 dated 6-2-1985]. Plot of land Matriz No. 2689, S. No. 42 at Margao-Goa admeasuring 1705 Sq. mts.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1985

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 1st August 1985

C.R. No. 62|R-1497|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-1, 'Manish Tower' situated at No. 84, J. C. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1292|84-95 on 12-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Manish Enterprise,  
1-2, Shrungar Shopping Centre,  
80, M.G. Road,  
Bangalore-1.

(Transferor)

(2) M/s. Magnum Enterprise,  
11, Camac Street,  
Calcutta-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

[Registered Document No. 1292|84-85 dated 12-12-1984].  
Office premises No. D-1 in 'Manish Tower' at No. 84, J.C. Road, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Manish Enterprise,  
1-2, Shrungar Shopping Centre,  
80, M.G. Road,  
Bangalore-1.

(Transferor)

(2) M/s. Magnum Enterprise,  
11, Camac Street,  
Calcutta-17.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 1st August 1985

C.R. No. 62|R-1498|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. D-2, situated at Manish Tower, No. 84, J. C. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore on 12-12-1984 under Registration No. 1292|84-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 1293|84-85 dated 12-12-84].  
Office premises No. D-2 in "Manish Tower" situated at No. 84, J.C. Road, Bangalore-2.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Manish Enterprise,  
1-2, Shrungar Shopping Centre,  
80, M.G. Road,  
Bangalore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Magnum Enterprise,  
11, Camac Street,  
Calcutta-17.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-56001Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560001, the 1st August 1985

C.R. No. 62[R-1499]37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I,  
R. BHARADWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. D-3, situated at Manish Tower, 84, J.C. Road, Bangalore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908), in the Office of the Registering Office at  
Bangalore on 12-12-1984 under Registration No. 1292|84-85  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

Office premises No. D-3 in Manish Tower at No. 84, J.C.  
Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range  
Bangalore

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons namely :—

Date : 1-8-1985

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st August 1985

C.R. No. 62|R-1500|37EF|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-4, 'Manish Tower' situated at 84, J.C. Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority under at Bangalore under Registration No. 1295|84-85 on 12-12-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Manish Enterprise,  
80 M.G. Road, 1-2 Shrungar Shopping Centre,  
Bangalore-1.  
(Transferor)
- (2) M/s. Magnum Enterprise,  
11 Camas Street,  
Calcutta-17.  
(Transferee)
- (3) Transferee.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Registered Document No. 1295|84-85 dated 12-12-1984)  
Office No. D-4 in 'Manish Tower' at No. 84, J.C. Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-8-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
98—226GI|85

**FORM FIN****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st August 1985

C.R. No. 62|R-1501|37EE|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-5 situated at Manish Tower, No. 84 J.C. Road, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1296|84-85 on 12-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Manish Enterprise,  
1-2 Shrungar Shopping Centre,  
80 M.G. Road,  
Bangalore-1.

(2) M/s Magnum Enterprise,  
11, Camac Street,  
Calcutta-17.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 1296|84-85 on 12-12-84)  
Office No. D-5 in 'Manish Tower' at No. 84 J.C. Road, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-8-1985  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st August 1985

C.R. No. 62[R-1502]37EE[84-85]ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D-6 situated at Manish Towers, No. 84 J.C. Road, Bangalore, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Bangalore under Registration No. 1297[84-85] on 12-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Manish Enterprise,  
1-2 Shrungar Shopping Centre,  
80 M.G. Road,  
Bangalore-1.

(Transferor)

(2) M/s Magnum Enterprise,  
11, Camas Street,  
Calcutta-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. 1297[84-85] dated 12-12-84)  
Office No. D-6 in 'Manish Tower' at No. 84 J.C. Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons,

Date : 1-8-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri M. M. Appachu,  
Smt. M. A. Accavva, Sri M. A. Subbaiah,  
Sri M. A. Belliappa, No. 2484  
Vinayakanagar, Mysore-12.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th July 1985

(2) Shri K. K. Damodhara  
S/o. K. V. Krishna,  
Cowli Street, Madikeri,

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

Ref. No. C.R. No. 62/45511/84-85/OCQ/B.—

Whereas I, R. BHARDWAJ,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 39, 34/3, 34/4, 34/6, 31/1 & 32/2 situated at Kaikadu village Madikeri Taluk (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Mercara under document No. 923/84-85 on 15-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 923/84-85 Dated 15-12-84]  
All that property bearing Nos. 39 of 3.84 acres, 34/3 of 0.70 acres, 34/4 of 3.64 acres, 34/6 of 3.10 acres, 31/1 of 2.92 acres & 32/2 of 7.08 acres situated at Kaikadu village, Madikeri Taluk.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 25-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 24th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45741/84-85/ACQ/B.—

Whereas I, R. BHARDWAJ,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

18, Old No. 1/C, situated at IC Cross, Narasimharaja Cross Road, now Kalasipalyam new Extension Bangalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Baravangudi under document No. 3870/84-85 on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri D. A. Purushottam & Smt. Nagarathna, Sri Tilak Kumar & Others No. 83/4 K. Vasudevaiah layout, 4th Block Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri C. Abdus Azeez & Sri Mohamed Hayat 1. No. 3, Basavanagudi Bangalore, 2. No. 30 F Street, Kalasipalyam new Extn. Bangalore.

(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 3870/84-85 Dated 28-12-84]  
All that property bearing No. old No. 1/C, Corporation No. 18 situated at IV Cross, Narasimharaja Cross Road, now Kalasipalyam new Extension Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 24th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62[45536]85-86]ACQ[B.—  
Whereas I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 3, old No. 20 situated at I Cross, Kumaracot layout Bangalore  
 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Gandhinagar under document No. 2993[85-86 on 28-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri A. V. Gopalakrishna Bhatta,  
 No. 3, I Cross, Kumaracot layout,  
 Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri A. V. Dattatraya Bhatta,  
 Unity Service Station,  
 Rajajinagar,  
 Bangalore.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

[Registered Document No. 2993[85-86 Dated 28-12-84]  
 All that property bearing No. old No. 20 New No. 3, situated at I Cross, Kumaracot layout, Bangalore.

**R. BHARDWAJ**  
**Competent Authority**  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Lt. Col. S. S. Sukumar (Retd.)  
No. 3, I Cross, Aiyappa layout  
Viveknagar,  
Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th July 1985

Ref. No. C. R. No. 62/46029/84-85/ACQ/B.—  
Whereas I, R. BHARDWAJ,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3419, situated at HAL II Stage, Bangalore-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 310/84-85 in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 310/84-85 Dated January 1985]

All that property bearing No. 3419 situated at HAL II Stage Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 26-7-1985  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 25th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46354/84-85/ACQ/B.—

Whereas I, R. BHARDWAJ,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 565 situated at Binnamangala II Stage Indian Nagar, Bangalore-38,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registration Office at Shivajinagar under document No. 3601/84-85 on 27-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri A. Boopathi  
 14, Promenade Road  
 Frazer town, Bangalore,

(Transferor)

(2) Jalaja Chandran  
 2/1, Edward Road  
 Bangalore-56001.

(Transferee)

*Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—*

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3601/84-85 Dated 27-2-85]

All that property bearing No. 565, situated at Binnamangala II Stage Indiranagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-7-1985  
 Seal :

## G M ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th July 1985

Ref. No. C.R. No. 6246324|84-85, ACC. |B.—

Whereas I, R. BHARDWAJ,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-  
and bearing No.

A-82, situated at Industrial Estate Rajajinagar, Bangalore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the Office of the Registering Office at  
Rajajinagar under document No. 4279|84-85 on 4-1-1985  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(1) M/s. Aluminium Cables & Conductors,  
Lakshmi Road,  
4th Cross, Shanthinagar,  
Bangalore-27.

(Transferor)

(2) M/s. Vaidhaman Conductors (P) Ltd.  
3rd Cross, Gandhinagar  
B'lore.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and /or

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4279|84-85 Dated 4-1-84)

All that property is industrial Shed bearing No. A-82 situated  
at Industrial Estate Rajajinagar, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
99—226GI|85

Date : 18-7-1985  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 24th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46467/84-85[ACQ]B.—  
 Whereas I, R. BHARDWAJ,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

144, situated at IX Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Jayanagar under document No. 4382/84-85 on 25-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri T. C. Anantha Murthy,  
346, II Cross, I Block,  
Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Smt. R. Saroja  
W/o. Ramalingam,  
No. 1346, South End Road, IX Block,  
Jayanagar,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

[Registered Document No. 4382/84-85 Dated 25-1-1985]  
 All the property bearing No. 144 situated at IX Block, Jayanagar, Bangalore-11.

R. BHARDWAJ  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons namely :—

Date : 24-7-1985  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. R. K. Bhannumathi,  
W/o. N. C. Sundara Murthy & Minor children,  
No. 194A, I N Block,  
Rajajinagar,  
Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. G. Komala,  
2. Sri M. K. Potharaju,  
Kamalamba Nilaya Mambaloi Village,  
Ylandur Taluk,  
Mysore District.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-560 001Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560 001, the 29th July 1985

Ref. No. C.R. No. 62/46005/84-85/ACQ/B.—

Whereas I, R. BHARDWAJ,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20, situated at II Stage, 9th Cross, I Main West of Chord Road, Rajajinagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Srirampuram under document No. 4589/84-85 on 24-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4589/84-85 Dated 24-1-1985]  
All that property bearing No. 20, situated at West of Chord Road, 9th Cross, I Main, Rajajinagar, Bangalore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
100—226GI/85

Date : 29-7-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Dr. I Kuppaswamy  
1-52, Kolnagudam,  
Kollaris Srinagar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri M. N. Narasgowda  
Superintendent Engineer,  
National Highway (PWD) Anandrao Circle  
Bangalore

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 23rd July 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. C. R. No. 62/46464/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 594, situated at 10th A Main V Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Jayanagar under document NO. 4430/84-85 on 18-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4430/84-85 Dated 18-1-85)  
All that property bearing No. 594 situated at 10th A Main, Jayanagar V Block, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 23-7-1985

Seal :

## FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 18th July 1985

Ref. No. C. R. No. 62/45689/84-85/ACQ/B.—Whereas, J.  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269AB of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
No. 55, situated at Domlur Extn., Corporation division No. 67,  
Bangalore,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Office  
at Shivajinagar under document No. 2865/84-85 on 21-12-1984  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(1) Shri V. Govindraju  
S/o Venkatarama  
Bangalore.  
No. 55, Domlur Road,

(Transferor)

(2) Shrimati M. C. Rukmini  
w/o M. R. Srinivasan  
147-C, (upstairs) 'I' Main road  
Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2865/84-85 Dated 21-12-84)

All that property bearing No. 55 situated at Domlur Extn.  
Corporation division No. 67, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons timely :—

Date : 18-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shrimati B. K. Savithramma  
w/o Sri Balaiyah  
D. No. 13,  
13th Cross, Jayanagar,  
Mysore-570014

(Transferor)

(2) Shri H. Dharamchandran  
S/o Harakchand  
(2) Suvalal  
(3) Manoharlal  
No. 854, Chamundeswari road  
Mysore.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 18th July 1985

Ref. No. C. R. No. 62/45509/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 4, situated at D Block, Kurubarahalli Mysore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Mysore under document No. 984/84-85 on 12-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 984/84-85 Dated 12-12-84)  
All that property bearing No. S. No. 4 situated at D Block  
Date : 18-7-1985

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 18-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Subbamma  
Shri N. Armugam  
Shri N. Angswami  
Sh. N. Krishna,  
R/o 40, Mudluppa Street Doddmavalli Bangalore  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 23rd July 1985

Ref. No. C. R. No. 46169 |84-85.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Old No. 59/8 New No. 8 and 60/7 situated at Lalbagh Road XIII Cross Chikkavalli, Division No. 37, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Basavangudi under document No. 4422|84-85 on 5-12-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Smt. Rehmthunnisa Begum  
Smt. Samiyunnisa Begum  
Smt. Salimunnisa Begum Begum  
R/o L-6 Nalandavadi Police Road  
Cross Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in irrespective of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4422|84-85 Dated on 5-12-84)  
All that property bearing No. old No. 59/8, New No. 8 & bearing No. 60/7 situated at Lalbagh Road 13th Cross Chikkavalli, division No. 37 Bangalore.

P. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
101—226GI|85

Date : 23-7-1985

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th July 1985

C.R. No. 62[R-1495]37EE[84-85-ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. G-1 situated at 9, Cunningham Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office, Bangalore under Registration No. 1291[84-85 on Dated 12-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s Unique Enterprises  
405, B. Neelkanth  
98 Marine Drive  
Bombay-400002.

(Transferor)

(2) Shri Nagarathnamma Rama Rao  
Mr. C. R. Satish,  
Mrs. Asha Ramesh,  
Mr. C. R. Vavi,  
Mr. C. R. Venkatesh,  
C. R. Jyothi,  
All are R/o 2592, 815 Main Road, Banashenkar Stage, Bangalore-70

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1291[84-85 Dated 12-12-84)  
Office premises No. G-1 in Ground floor Commerce House 9, Cunningham Road, (Junction of Millar Road & Cunningham Road) Bangalore-560001.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 24-7-1985  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS.—

(1) M/s Unique Enterprises,  
405-B Neelkanth,  
98, Marine Drive,  
Bombay-2.

(Transferor)

(2) Asiatic Express Pvt. Ltd.  
1196 Connought Circle,  
New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th July 1985

C. R. No. 62[R-1506]37EE[84-85]ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office premises No. 102, situated at 9, Cunningham Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bangalore under Registration No. 1298[84-85] Dt. on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as so used in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(Registered Document No. Regn. No. 1298[84-85] Dt. 13-12-84)

Office premises No. 102 "Commerce House" No. 9, Cunningham Road, Bangalore-560001.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1985

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 24th July 1985

C.R. No. 62[R.1516]84-85[ACQ]B.—Whereas I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Apartment No. 301 situated at 132 Infantry Road Bangalore  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Office at  
at Bangalore under Registration No. 1306[84-85 Dt. on  
13-12-1984,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of—

(1) Mr. N. Radhakrishnan,  
S/o Mr. Nanjan,  
Brindavan,  
Whitfield.,  
Bangalore.

(2) Mrs. Praveen Sheth,  
W/o Mr. Lalit Sheth  
35, Sunder Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regn No. 1306[84-85 Dt. 13-12-84])

Apartment bearing No. 301 on the III floor, Tara Apartments, No. 132, Infantry Road, Bangalore.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 24-7-1985

Seal :

**FORM ITNS**

(1) M/s Unique Enterprises  
No. 405 'B' Neelkanth,  
98, Marine Drive,  
Bombay-2.

(Transferor)

(2) Mrs. Kasturi Raghava Suratkal  
141/1st 'N' Block.  
Rajajinagar Bangalore-10.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001**

Bangalore, the 24th July 1985

C. R. No. 62/R-1526/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. B-1 situated at Commerce House, 9/1 Cunningham Road Bangalore-52

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office at Bangalore under Registration No. 1314/84-85 Dt on 13-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(Registered Document No. Regn. No. 1314/84-85 Dated 13-12-1984)

Basement No. B-1 measuring about 245 Sq. Ft. situated at "Commerce House" 9/1 Cunningham Road, Bangalore-52.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-7-1985  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Mr. A. Jabbar and  
Alma Realtors.,  
No. 105, Richmond Road,  
Bangalore-560025.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Y. K. Hamied and  
Mrs. F. Y. Hamied,  
II floor, Windsor Villa,  
Bhulabhai Desai Road,  
Bombay-400026.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-560 001

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560 001, the 24th July 1985

C. R. No. 62/R-1536/37FE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,  
R. BHARDWAJ,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 1,00,000/- and bearing  
Apartment No. A-32 situated at 26, Aga Abbas Ali Road,  
Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred and agreement is registered under  
Section 269AE of the Income-tax Act, 1961, in the Office of  
the Competent Authority at  
at Bangalore under Registration No. 1319/84-85 Dt on 13-12-  
1984.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. Regd. No. 1319/84-85 dated  
13-12-1984.

Apartment bearing No. A-32 of A type on 4th and 5th floors  
Containing three Bed Rooms admeasuring approximately 2848  
sq. ft. situated at No. 26, Aga Abbas Ali Road, Bangalore-  
560 042.

R. BHARDWAJ  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby give proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Date : 24-7-1985

Seal :

Bhulabhai Desai Road.,

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE.

106/282, Kanchan Bhawan,  
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK.  
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 13th August 1985

Ref. No. K-57/85-86.—Whereas, I,  
H. R. DAS,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Raiper Kakhat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of  
the Registering officer at  
Akbarpur Distt. Kanpur under registration No. 365 date  
15-12-84

or an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Bansilal  
S/o Himman  
R/o Raipur Kakhat P.O. & Teh. Akbarpur,  
Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Deva Automotive (P) Ltd.  
through Managing Director  
Narain Tharumal Mehanirani  
S/o Chhasumal Mirchandani,  
3A/97, Azad Nagar,  
Kanpur.

(Transferee)

(3) Deva Automotive (P) Ltd.  
through Managing Director  
Natalin Tharumal Mehanirani  
S/o Chhasumal Mirchandani,  
3A/97, Azad Nagar,  
Kanpur.

(Person in occupation of the property)

(4) Deva Automotive (P) Ltd.  
through Managing Director  
Narain Tharumal Mehanirani  
S/o Chhasumal Mirchandani,  
3A/97, Azad Nagar,  
Kanpur.

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agl. Land & House at Raipur Kakhat Teh. Akbarpur, Distt.  
Kanpur.

H. R. DAS  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 13-8-1985  
Seal :

